HRA Sazette of India

.**वाधिकार से प्रका**शिल Published by Authority

सं∙ 5 2]

नई विश्लो, शनिवार, दिसम्बर 28, 1985 (पौष 7, 1997)

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 28, 1985 (PAUSA 7, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संस्थान के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be Well as a separate compilation)

भाग खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और बहाले<mark>बापरीक्षक, संघ लोक क्षेत्र</mark> आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीम कार्यालयों द्वारा को गई अधिसूचनाएं

Not Sentions issued by the High Course, the Comptroller and A clifor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Indian.

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

सं० 7ई पी०ग्रार० ए.स० 209—निवर्तन की ग्रायु होने पर इस ग्रायोग में श्री कृष्ण कुमार, ग्रोवर, स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न श्रमुभाग अधिकारी (तदर्थ ग्राधार पर) 30 नवम्बर, 1985 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

कृष्णलाल मल्होता श्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय के० रि० पु०बल नई दिल्ली 110003, दिनौक 6 दिसम्बर 1985

सं० डी० एक 22/85 स्थापना 1 भाग 2—केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल के निम्नलिखित अधिकारियों की सेवाएं उनके नामों के आगे दर्शायी गयी तिथियों से विणेष रक्षक ग्रुप (मंतिमंडल सचिवालय) भारत सरकार नई दिल्ली को डेपुटेशन आधार पर सौंपी जाती हैं।

श्री पोरेन्द्र प्रताप मिह, 5-11-85 (पुर्वाह्म)
पुलिस उपाधीक्षक,
ब्रितीय बटा०

2. श्री एस०एस० शेषावत 19-11-85 (प्राराह्म पुलिस उपाधीक्षक, ग्रुप केन्द्र-2,/पी०के० ई० धर्जीर ।

> एम० स्रशोक राज महायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनौंक 2 दिसम्बर 1985

गं० ई 32015(4)/16/84-कार्मिक---प्रति तियुक्ति पर, नियुक्ति होते पर, श्रो एम० एम० तिह्, तिरोक्ष ह, (कार्य- एालक) ने 5 नवस्वर, 1985 के यूर्प हुन के आठ पुरु बरु यूनिट बीरुएम० एल० बोहारों हे तहाबह उपिंट, (करु प्रति के पद का कार्यभार संभाव निया।

सं०ई०-32015(4)/102/85-कार्मि ह-I—प्रति नियुक्ति पर स्थानान्तरम होने पर श्री इन्द्रपालनीत सिंह ने 10 नवःवर 1985 के अपराह्म से के० औं० मु०व०, यूनिट दुर्गापुर, स्टील प्लॉट, दुर्गापुर के सहायक कमाँडेट, के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

स० ई० 16014(2)/1/85-कार्मिक I—प्रत्यावर्तन होने पर श्री बी० एस० गरवा ने 16 नवम्बर, 1985 के ग्रपराहन से के० औ० सु० ब० यूनिट, के० एस० टी० पी०पी० कोरधा के कमौंडेंट, के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

दिनौंक 5 दिसम्बर 1985

सं० ६० 32015(3)/4/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री सी० श्रार० सिंह को 15-11-85 के अपरांहन से 27-11-85 तक या इस श्रवधि में नियमित नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया नदर्थ श्राधार पर ग्रीर ग्रस्थाई रूप से के० श्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी० दुर्गापुर का कर्मांडेंट, नियुवत करते है।

सं० ई० 31013(1)/4/85-कामिक-I—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित अधिकारियों की कमाँडेंट/उप कमाँडेंट के रूप में नदर्थ नियुक्ति की और आगे 28-11-1985 से 27 2-1986 तक की अवधि के लिये या इस अवधि में नियमित चयन किए जाने तक जो भी पहले हो बनाए रखते हैं।

| कमस० ग्रधिकारी कानाम | पदनाम |
|-----------------------------------|------------------------|
| 1 2 | 3 |
| सर्वे श्री: | |
| 1. एम०ए० अध्वर | कर्माडेंट |
| 2. सी०भार०सिंह | कर्मांडेंट |
| 3 के० के० कोल | क मडि ंट |
| 4. जी०एस०सन्धू | क र्मा डेंट |
| 5. मार ०पी० दुवे | कर्मांडेंट |
| ए० एस० शेखावत | कर्मांडेंट |
| 7. एस० के० ताह | कर्माडेंट |
| 8. वी० एस० लइसराज | कर्मांडेंट |
| 9 सी० एस० वर्दराज | क मडिंट |
| 10- एस० के० भरोड़ा | कर्मांडेंट |
| 11. म जीत सिंह | कर्मांडेंट |
| 12. सी० डी० युकरेती | कर्मांडेंट |
| 13 फ्रो०पी० शर्मा | कर्मांईंट |
| 14. एस० म्रार० शर्मा | कर्मांडेंट |
| 15. एन० के० घो पड़ा | कमाइंट |
| 16. एस० के० वर्मा | उप कर्मांडे ंट |
| 17. श्रार० जी० थम्पी | उप कर्मांडेंट |
| 18. के०एस० भ्रहलुवालिया | उप कर्मांडेंट |
| 19. पी० एस० नंदल | उप कर्मांडेंट |
| 20. एल० एन० मोहला | उप कर्मां डें ट |
| 21. एस० के० चढ्ढा | उप कमाँडेंट |
| 22. पी० धार० भूटाना | उप कम डिं ट |
| 23. शिवराज सिंह | उप कमाँडेंट |
| 24. भृपिन्दर सिंह राणा | उप कर्मांडेंट |

| 1 2 | | · | - | 3 |
|---------------|----------------|---|----|----------------------|
| 25. एम० एल | ० म्रबरो न | | उप | कमांडेंट कमांडेंट |
| 26 वी० मुरल | ीध रन | | उप | कर्माष्टेंट |
| 27. जे० श्रार | गुप्ता | | उप | कमाँ क्षेंट |
| | | | | |
| | | | | |

दुर्धा माधत्र मिश्र महानिदेशक/के० भी०सु०ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महा लेखाकार लेखा परीक्षा का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद-500 463, दिनाँक 6 दिसम्बर 1985

मं० प्रणा०-I/8/132/85-86/138--ब्रारा महालेखाकार (लेखा परीक्षा -I) आन्ध्र प्रदेण, हैदराबाद, महोदय सहर्ष निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 रू० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में प्रभावी प्रगले आदेशों तक पदोन्नित दो जाती है। पदोन्नित के निए दिये गये, आदेश उनके विष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रीर आन्ध्र प्रदेश उन्च न्यायालय/उन्चतम न्यायालय में लंबिन रिट याचिकाशों के परिणामों के श्रधीन माने जायोंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा० सं० एक/7/1/80-स्थापना, पी० टी० 1, दिनाँक 26 9-81 की धार्तों के अनुसार पदोन्नित की तारीख से एक महीने के अन्दर दें।

| नाम | पदग्रहण की तारीख |
|--|---------------------------|
| <u> </u> | 21-11-1985 (पूर्वाह्न) |
| 2. पी० चिन्तय्या | 20-11-1985 (पूर्वाह्म) |
| ************************************** | |

ह० <mark>प्रपठनी</mark>य, वरिष्ठ उप म<mark>हालेखा</mark>कार

् (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) ग्वालियर, दिनाँक 29 नवस्वर 1985

क्रम सं० प्रशासन 7/पी०एफ०पी० एन० जे०/1980— श्री पी० एन० जैन (01/346) कार्यालय, महालेखाकार (लेखा) द्वितीय मध्य प्रदेश के स्थानायन्त लेखा अधिकारी को श्रिधवार्थिकी आयु हो जाने पर दिनौंक 30-11-1985 को अपराह्म से शासकीय, सेवा से निवृक्ष किया जाता है।

> ह**् ग्र**प**ठनी**य वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा), राजस्थान

जयपूर, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

सं० ऋमांक प्रशासन-कि० प०/पी०-13 44/1633-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखां परीक्षा प्रधिकारी (प्रुप/बी, राजपित्रत) के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 840-40-1099-द० रो०-40-1200 है, प्रत्येक के सम्मुख, निर्दिष्ट तिथियों से आगामी प्रादेश तक के लिए सहर्ष पक्षोननित करते हैं:—

सर्वश्री

भाग 111-व्यंपर 11

| 1. सुरेण चन्द्र मिश्रा | 25-10-1985 |
|---|------------|
| 2. जस्तूर चन्द जैन | 25-10-1985 |
| 3. विजय सिंह | 28-10-1985 |
| 4. राम दास गोयल | 25-10-1985 |
| 5. मदन लाल II | 25-10-1985 |
| 6. गुलाब चन्द वर्मा | 25-10-1985 |
| 7. भगवान स्वरूप सिन्हा | 29-10-1985 |
| श्रोमेश्यर प्रसाद सक्सेना | 25-10-1985 |
| 9. मोहन लाल खण्डेलवाल | 28-10-1985 |
| 10. राम दास मंत्री | 25-10-1985 |

सं० क्रमां ते शासन-1 (ले०प०) पी-13044/1633—महा-लेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्निलिखत प्रमुभाग प्रधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप की राजपितत) के पदी पर, जिसका पतनमान ६० 650-30-740-35-880-द० री०-40-1040 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से ग्रागामी ग्रादेश तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं:—

सर्व श्री

| 1. | राजेन्द्र कुमार जैन (एन०बी० भ्रार०) | 1-8-1985 |
|-----------|-------------------------------------|--------------------|
| 2. | मोती लाल पडिहार | 10-10-1985 |
| 3. | शंकर लाल | 15-10-1985 |
| 4. | बन्ना लाल शर्मा (एन० वी० स्नार०) | 31-10-1985 |
| 5. | कान्ति कुमार बाजनेई | 31-10-1985 |
| | युष्प राज मेहता | 31-10-1985 |
| | बिशन दास नानकानी | 14-11-1985 |
| 8. | गोपाल राम शर्मा | 11-11-1985 |
| 9. | हरी प्रसाद गुप्ता | 8-11-1985 |
| 10. | चन्द्र प्रकाश सनेजा | 11-11-1985 |
| | रजनी कान्त शर्मा | 7-11 -1 985 |
| - 1 2. | शादी लाल शर्मा | 7-11 -1985 |
| | इन्द्र जीस बावा | 7-11-1985 |
| | सोहन लाल खाबिया | 8-11-1985 |
| | जयगकंर प्रसाद राजोरिया | 8-11-1985 |
| | राम रतन शाण्डिल्य | 7-11-19 8 5 |

| 17. | सत्य नारायण शर्मा | 11-11-1989 |
|-----|--------------------|------------|
| 18. | सुरेश चन्द्र माथुर | 11-11-1985 |
| 19. | जेठमल सोनी | 13-11-1985 |

प्रमिताभ मुखोपाध्याय उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय ब्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा ब्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता दिनांक 2 दिसम्बर 1985

सं० 49/जी/85--श्री के० विष्वताथन, उप महाप्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी महायक कार्यशाला प्रबन्धक/टी० एस० भ्रो०) दिनांक 1 लीं भ्रगस्त, 1985 (भ्रपराह्म) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

सं० 50/जी/85—वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री वी० बी० करमारकः , एडिशनल डी० जी० श्रो० एफ० सदस्य (मौलिक एवं स्थायी ए० डी० जि० महा-प्रबन्धक स्तर-1) श्रो० एफ० बोर्ड , दिनांक 30 नवम्बर, 1985 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता उप महानिदेशक-स्थापना

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1985 श्रायात श्रौर निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशासन (राज०) 1959—राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त निदेशक (ई०पी०) श्री सी० बी० कुकरेती, की 19 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से श्रीर अगले श्रादेश होने तक, मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति आधार पर संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० वी० इरनीराया मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

सं० 6/1457/84प्र-णासन (राज०) 1977--संयुक्त मुख्य नियन्त्रक ग्रायात निर्यात के कार्यालय, जलकत्ता में, श्री एच० पी० बिसवास, नियन्त्रक, ग्रायात निर्यात सेवा निवृत्ति को ग्रायु होने पर, 31 अक्तूबर, 1985 की ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियञ्जक झायात एवं नियति कृते मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात एवं निर्यात

वस्त्र मंत्रालय

विकास ग्रायुक्त. (हस्तिशिल्प), कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 नवम्बर 1985

सं० 1/19/83-प्रशा०-I---राष्ट्रपति, निम्नोक्त, ग्रिधि-कारियों को 1500-60-1800 ६पये के वेतनमान में क्षेत्रीय निदेशक (हस्तिशिल्प), विकास ग्रायुक्त (हस्तिशिप), कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय के रूप में 1-11-1985 (पूर्वात्त) से नियमित ग्राधार पर नियुक्त करने हैं। वे इस समय तदर्थ ग्राधार पर क्षेत्रीय निदेशक (हस्तिशिल्प) के रूप में ग्रपने नाम के सामने दशियों गए क्षेत्रीय कार्यालयों में ग्रार्थ कर रहे हैं:--

| कमांक नाम तथा पदनाम | कार्यालय, जहां नियुक्त हैं |
|---|-------------------------------|
| श्री ए० वी० नारायणराव, स्थायी प्रचार प्रधिकारी | दक्षिण क्षेत्र, मद्रास |
| 2. श्री एम० एल० प्रेमी स्थायी उप निदेशक (क्षेत्रीय) | मध्य क्षेत्र, लखनऊ |
| 3. श्री कल्याण के ०डे० स्थायी उप निर्देशक (क्षेत्रीय) | पूर्वीक्षेत्र, कलकत्ता |

शिरोमणी सर्मा विकास ग्रायुक्त (हस्तशिल्प)

पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-17011/170/79/प्र-6--स्थायी भंडार परीक्षक (प्रिभियांतिक) तथा निरीक्षण-निवेशक बस्बई के आर्यात्य में सहायक निरीक्षण अधिकारी (ग्रिमि०) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे श्री ए० एम० परांजपे निवर्तन की श्रायु प्राप्त होने पर 31 श्रक्तूबर, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्र०- 6/247/(616) — राष्ट्रपति, महायक निरीक्षण प्रिष्ठिकारी (इन्जी०), श्री एस० नटराजन को दिनाँक 24-10-1985 में 700-40-900-द० रो०- 40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण श्रीधकारी (इन्जी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड- Π , इन्जी०, शाखा) के रूप में स्थानापन्न रूप से सदर्थं श्राधार पर छ: मास की स्रविध के लिए प्रथवा नियमित स्वस्था होने तक, जो भी पहने हो, नियुक्त करते हैं।

श्री एस० नटराजन ने कोयम्बटूर, में दिनाँक 8 म्रक्तूबर, 1985 के भ्रमराह्म को सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) का पद भार छोड़ दिया भ्रौर दिनौंक 24 भ्रक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशालय, बलौर में निरीक्षण मधिकारी (इस्जी०), कापद भार संभाल लिया।

म्रार० पी० शाही उप निदेशक, (प्रशासन)

इस्पात, खान ग्रीर कोयला मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा श्रौर इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनोंक 4 दिसम्बर 1985

मं० ई-I-12(61)/83(.)—इस कार्यालय के दिनांक 17-11-1984 की समसंख्यक ग्रिधिसूचना के कम में, हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के हिन्दी प्राध्यापक श्री धीरेन्द्र कुमार झा की नियुक्ति, इसके द्वारा दिनांक 7-12-1985 से अगले एक वर्ष की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर बढ़ायी जाती है।

मनत कुमार सिन्हा उप लोहा श्रौर इस्पान नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 दिसम्बर् 1985

सं० 10798-बीण 32013 (प्रशासनिक अधिकारी) |
85-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित प्रधीक्षकों को
प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमामुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 रु० के बेतनमान के बेनन पर स्थायी क्षमता
में ग्रागामी प्रादेश होने नक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई
तिथि से पद्रोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं ---

| ऋम सं० | नाम | नियुक्ति-तिथि |
|-----------|--|--|
| | न्नी मलिल कुमार बनर्जी श्री एच० एन० पाल | 28-10-1985 (पूर्वाह्न) 30-10-1985 (पूर्वाह्न) |

दिनांक 5 दिसम्बर 1985

सं० 10820-बी/ए-19012 (एप०के०एम०)/85/ 19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक मर्वेक्षण के महानिदेशक श्री शेखर कुमार सिन्हा को प्रशासनिक ग्रिधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुगार 650-30-740-35-810-द० रो०35-880:40-1000 द० रो० 40-1200/रू० के वेतनमान के वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक। 11-10-1985 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 10829 वी/ए-19012 (एच०एस०एम०)/85/19ए — भारतीय भूय ज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निवेशक स्नी हरगोपाल सिंह पदन को प्रशासनिक श्रिधिकारी के रूप में भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200/ रू० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आनामी श्रादेश होने तक 1-11-1985 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 10838 बी/ए-19012 (एस०एन०के०) / 83-19-ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री
एस० एन० कुमार को इस विभाग से 24-7-1985 (भ्रपरास्त्र)
से स्वागण्त पर मुक्त किया गया ।

सं० 10845 वी/ए-19011 (1 म्रार०के०एच०एन०)/84-19ए--राष्ट्रपति जो श्रो रिवकुमार एच० नायक को भू-वैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में म्रागामी म्रादेश होने तक 30-9-1985 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

> श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

सं० ए-19012(107)/84/स्था० ए०/पो०पो०—-निवर्तन को म्रायु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर, श्री के० एस० गमी, सहायक प्रशासन ग्रधिकारी को 1 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार मे मुक्त कर दिया गया है श्रीर तवनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० ए-19011(299)/84/स्था० ए०/पी०पी०—िनिधर्तन की ग्रायुपूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर, श्री ए० एन० के० वी० एस० प्रकाश राव, मुख्य खनिज साँख्यिकी को 1 दिसम्बर, 1985 के पूर्वीह्न से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

पी० पी० वादी प्रशासन अधिकारी कृते महानियन्द्रक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनाँक 25 नवम्बर 1985

सं० ए 38014/2/85 प्रशासन 1—निवर्तन की श्रायु हो आने पर, श्री के० बी० एत० शर्मा, श्रनुभाग ग्रिधकारी, 31 श्रक्तूबर, 1985 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशासन (रो० एवं ब०)

(नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985)

सं० ए० 19018/3/85 सी०जी०एच०एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महा निवेशक ने डा० विणाल चावला को 16 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रावेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक कार्य चिकित्सक के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

दिनौंक 9 दिसम्बर 1985

सं० ए० 12025/3/84 सी०जी०एच०एस० I (पार्ट)— स्वास्थ्य सेवा महा निदेशक ने श्री टी० ग्रार० शर्मा तथा कुमारी किरण लूम्बा, कार्यालय ग्रधीक्षक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली को 18 श्रक्तूबर, 1985 के पूर्वीह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में प्रशासन श्रीकारी के पद पर श्रम्थायी श्रीधार पर नियुक्त कर दिया है।

> टी० एस० राव उप निदेशक प्रणासन (के०स०स्वा०यो०)

(नई दिल्ली, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985)

सं० ए 12025/8/83 ए० प्राई० प्राई० एच० एंड पी० एच० पी० एच० (सी०, डी० एंड एल०)— राष्ट्रपति ते डा० (श्रीमती) इन्दिरा चक्रवर्ती, श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव रसायन तथा पोषण की सह प्रोफेमर को 6 नवम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से आगामी श्रादेशों तक श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव रसायन तथा पोषण के प्रोफेसर (प्रोफेसर श्राफ बाय कैमिस्ट्री एण्ड न्यूट्रिशन) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर्रानयुक्त कर दिया है।

मातु राम उप निदेणक प्रणासन (डी०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई 400 001, दिनाँक 26 नवम्बर, 1985

मं० ऋगिन । 41/2/85 प्रद्रणा । 32808 परमाणु ऊर्जा विभाग अस भीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री पी० सी० मथाई, को इसी निदेशालय सें दिनौंक

197 1985 (पूर्वाह्न) से 25/9/1985 (श्रफ्राह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-40-1200 र० के वेतनमान में सहायक भंडार श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार श्रधिकारी, श्री वी० बी० प्रमुके स्थान पर की गई है जिन्हें भंडार श्रधिकारी (तदर्थ) के पद पर पदोन्नत किया है।

सं० क्रभंनि/41/2/85-प्रशा०/32815—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रोर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री पी० सी० मथाई को इसी निदेशालय में दिनाक 7-10-1985 (पूर्वाह्न) से 8-11-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो०-40-1200 रुपए के वेतन-मान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री जान जानी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

सं० कभिन/41/2/85-प्रणा०/32822—परमाणु ऊर्जा विभाग, कय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशालय में दिनां के प्राची, श्री जी० कुण्पुस्वामी को इसी निदेशालय में दिनां के 2-9-1985 (पूर्वाह्न) से 14-10-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपण के वेतनमान में महायक भंडार अधिकारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री आर० एन० गुहा के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुटटी प्रदान की गई है।

पी० गोपालना प्रशासन अधिकारी श्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017, दिनां ह 26 नवम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/स्थापता-1-इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्तिखित ब्यिक्तयों को वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०" पद पर दर्शाई गई तिथियों से अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर ग्रतिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

| ऋम नाम संख्या | स्टाफ संख्या | दिनांक |
|-------------------------|-----------------|---------|
| 1. कुमारी सी० आर० विजया | 2151 | 20-9-85 |
| 2. श्री तीटदु माध्यू | 2082 | 18-5-85 |

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापना — इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री राज शेखर मिला, बजानिक/अभियंता "एस० बी०" से प्राप्त स्थाग पत्र को दिशांकं 21 नवम्बर 1985 के आराह्न में स्वीकार करते हैं।

दिनाक 28 मबम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापता--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, ग्रंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री एस० मोहन वैज्ञानिक/अभियंता 'एस० बी०" से प्राप्त त्यागपत्न को दिनांक 26 नवम्बर 1985 के अपराह्म से स्वीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासम अधिकारी- I_I सहायक नोदन प्रणालीमूनिटः

बेंगलूर-560017, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

सं 0 12/49/78-प्रशा०—कार्यक्रम निदेशक, ए० पी० एस० यू० निम्नलिखित ब्यक्तियों को बैज्ञा०/इंजी० एस० बी के पद पर वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर अंतरिक्ष विभाग इसरों के सहायक नादेन प्रणाली यूनिट में उनके सामने दी गयी तिथि के पूर्वाह्म से नियक्त करते हैं:—

| कम नाम संख्या | | | दिनांक |
|---|----------|-------------|--------------------------|
| 1. श्री अन्नाहम वरगीस | | | 29-11-83 |
| 2. श्रीकें ० शाजी . | | | 24 - 6 - 83 |
| श्री एम० जयनारायनन् | | | 11-11-83 |
| | <u> </u> | ए० प्रशा | उण्णिकृष्णन ७ अधिकारी |

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1985

मं० ए० 35018/15/83-ई० I—इस कार्यालय के मागर विमानन मुरक्षा निदेशालय मे श्री सुरिन्दर सिंह की दिनांक 8-7-85 से 14-2-86 तक की अबिध के लिए 650-1200 पए के वेलनम में में वरिष्ठ मुरक्षा अधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

जे० सी० गर्ग, संयुक्त निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

सं० ए० 12025/2/84-ई० एस०—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर श्री चरण दास को दिनांक 31-10-85 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक 1100—1600 रुपए के वेतनमान मे, वरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप मे कार्य करने के लिए नियुक्त किया है। श्री चरण दास को निदेशक, उड़नयोग्यता, हैदराबाद के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

> एम० भट्टाचार्जी उपनिदेश*रु,* प्रशासन **हते महानिदेश**क नागर विमानन

वम अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादुम, दिमांक 9 दिसम्बर 1985

सं० 16/445/85-स्थापमा-1--संघ लोक मेवा आयोग की सिफारिश पर प्रध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महा-विद्यालय, देहरादूम के डा० वेंकटेस्वरन को अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादूम के अन्तर्गत अनुसन्धान अधिकारी के पद पर दिनांक 18-11-85 की पूर्वाह्न मे आगामी आदेश होने तक अस्थाई रूप से सहर्ष निगुनन करते हैं।

> जे० एम० सक्सेमा उपकुल सचिक

केन्द्रीय उत्पादन श्रौर सीमा शुरूक समाहर्तालय बड़ोदरा, दिमांक 12 मवम्बर 1985

सं० 12/1985—श्री सी०एस० भगत, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा णुल्क, अधीक्षक (वर्ग ख" मण्डल-II,) बडोदरा दिनांक 28-11-85 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार, वे दिनांक 30-11-1985 के अपराह्म में निवर्तम मेवा निवृत्त होंगे।

दिनांक 29 नवम्बर, 1985

मं० 13/1985—एम० एस० नवसारी, सीमा शुल्क, मण्डल बलसाड केश्री डी० एम० पटेल, अधीक्षक, (वर्ग ख") दिमांक 2-11-1985 को 58 वर्ष केहो गए हैं। तदनुसार, वे रिदाांक 30-11-1985 के अपराह्म में निवर्तम सेवा निवृत्त होंगे।

> अरविन्द सिन्हा समाहर्ता

परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिवेशालय

बम्बई-400 038, दिमांक 2 दिसम्बर 1985

सं० 23-टी आर (3)/84——लाल बहादुर शास्त्री माटिकल भ्रोर इंजीनियरिंग कालेज, अम्बई के कप्तान वाई० वी० अभ्यंकर, माटिकल अधिकारी ने अपने त्यागपत की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप अपने पद का कार्यभार दिमांक 31-8-85 (अपराह्न) से छोड़ दिया है।

> अभिताभ चन्द्र नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 7 नवस्वर 1985

सं० 631/85—एफ़० नं० 22/85—प्रशा०-I(ब)— विभागीय पदोक्रित समिति (ग्रुप बी) की सिफ़ारिश पर, श्रश्यक्ष केन्द्रीय विधुत प्राधिसरण एत्रद्र, राश्री विज्य बहादुर पान्छे, जो बाह्य सेवा पर प्रतिनियुक्ति के दौरान "श्रगले निचले पद नियम" की सब शर्ती पूरी करते हैं, उनकी श्रनुपस्थिति में केन्द्रीय विद्युत शंजीनियरी (्प बी) सेवा में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक इंजीनियल (ई ए०ड एम) के ग्रेड में 650-30-740-35-810 दक्षता रोध-35-880-40-1000-दक्षता रोध-40-1200/- कार के वेतनमान में केन्द्रीय विद्युत प्राधिक्रण में स्थानापन्न क्षमता में 10-5-85 में आगाभी प्रादेश होने कर नियुक्त रते हैं।

2 श्री पांडे 10-5-85 से 2 वर्ष की ग्रवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। . ग्रार० शेपाहि, ग्रवर सचिव

उद्योग और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विक्रि बोर्ड

कम्पनियों के रिलस्ट्रार हा कार्यालय,

कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 स्रौर ग्रहस्यूटी एन्ड २० ९०० लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

सं० 701/1191/560(3)— कम्पनी श्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एत हारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रहम्यूटी एन्ड कं० थ्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दत्थान न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायकी।

हस्ताक्षर श्रस्पस्ट कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिप्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

ाम्पनी अधिनियम, 1956 और सानीकृट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बेंगलर, दिनाँक 16 दिसम्बर, 1985

सं० 4836/560/8586—कस्पनी श्रिधिनियम, 1956की धारा 560 की उपयाग (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह भूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर भानीकड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न िया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उनत कस्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

वी० एस० राजु कर्म्यानयों का रजिस्ट्रार

कम्बनी अधिनियम 1956 और हरिप्रीया घोडक्शन प्राईवेट लिमिटड के विषय में

हैदरावाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

मं० 886/टीए 3/560----कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एत्रदृशरा सूचना दी जाती है कि हरीशीया प्रोडक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी **अधि नियम** 1956 का**र्टनस प्राईबेट लिमिटेड के विषय** में हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर, 1985

संव 1068/टीए 3/560--- व्रम्मनी आहि विस्म की धना 560 वी (5) के अनुपरण के एत है। रा सूचना दी जाती है कि बार्टन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आग्र रिजस्टर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिक हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्री रामकृष्ण गर एंड खंडसारी शुगर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

म० 1284/टी ए 3/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एन द्वारा भूचना दी जाती है कि श्री रामकृष्ण गर एंड खंडसारी शुगर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटन हो गई हैं

कस्पनी अधिनियम 1956 अस्विका हैशीं सीडम प्राईवेट लिमिटेड के निषय मे

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

सं० 2357/टीए 3/560—कम्पनी श्रधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतदृहारा सुचना दी जाती है कि अम्बिका हैंशी मीडस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी ऋधिनियम 1956 सांख्या सी० फूडम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में 1

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश मं० 2582/टीए 3/560—कम्पनी स्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतर्येद्वारा सूचना दी जाती है कि सांक्या भी फूडस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 नवकला सारीस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

मं० 2604/टीए 3/560— कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुभरण के एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नवक्ला सारीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी अधिनियम 1956 बालाजी पवरसुम्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनाक 9 दिसम्बर, 1985

सं० 2862/टीए 3/560---कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतदृहारा सूचना दी आती है कि बालाजी पावरलूम्स प्राईवेट लिमिटेड दा नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

क्रम्पनी ग्रिधिनियम 1956 चन्द्रमौली पेपर्म लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

सं० 3117/टीए 3/560—कप्पनी श्रधिनियम की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एतद्दारा सुचना दी जाती है कि चन्द्रमौली पेपर्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सस्य प्रकाश तायल कम्पनियों का रजिस्ट्रार ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

भ्रायकर भ्रपीलीय म्रधिकरण, के^रन्द्रीय कार्यालय भवन

बम्बई 400 020, दिनांक 29 नवम्बर 1985

सं० एक 48/एडी/एटी/1985(11)—श्वी एसं० के ० विश्वास, अधीक्षक, श्रायकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर पीठ में 3 माह की अवधि के लिए दिनांक 29—3—85 के पूर्वाह्म में कार्य करने रहने की अनुमित प्रदान की गयी थी, (देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना दिनाक 27—3—1985 अमांक एक-48/एडी/एटी/1984—85) को अब उसी क्षमता में सहायक, पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर पीठ अमृतसर में दिनाक 29—6—1985 से 13—9—1985 तक की अवधि में कार्य करते रहने की अनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्यक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है, और यह श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई बाबा नहीं प्रदान करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाये न तो वरीयता के श्रीभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जायेगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्तत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुग्ना ग्रध्यक्ष प्रकृष बार्च ही एक एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सेरेकार

कार्जानय, महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक)

स्रर्जन रेज, एरणाक्यम

कोच्चिन-16 दिनार !3 नवस्वर 1985

सिर्देण स \circ ए ।० सी \circ 780/85-86-ग्रत: मुझे वी \circ रिववालन,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिल इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ही तारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० धनुस्को के धनुसार है जा दिच्चूर में स्थित है (और इनमे उपावद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप के विणित है), रिक्ट्रीक्ती अधिनारी के वार्यालय दिच्चूर में भारतीय रिस्ट्री-करण प्रधितियम 1908 (1908 वा 16) के प्रधीत तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते पह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स अम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रह्य-मान प्रतिकास से, एसे रह्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिहास में बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (असिरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप स किथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त जिस्तियम के बजीन कर दाने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुनिधा के सिए; जॉर/मा
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न प्रमाज-नार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपान में र्हिन्स सिस्ह

मत अब, उथत अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण ग, में अक्त अधिनियम की धारा 209-म की उपधारा (1) के अर्थन, निकालिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री शान्ती कुमार जी० वेद राजगोपाल टेनग्टाईन मिल्प मुलमअुसत्शाव त्रिचूर ।

(श्रन्तर∓)

(८) त्रीमती सुशीलन (सुशीलन) सिम्पम, पंक्षिणुर रोड बिच्चूर ।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति औ वर्जन के सिए भार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति क अर्थन क सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारिक वें 45 दिन की जन्मि या तत्म-जन्मी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविष, प्री भी अविष बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के जिया में प्रकाशन की तारास स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास संक्रित में किए जा सकते ।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्वो का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्द्र भी

्रिच्चूर उपरिज्ञास्ट्रं। कार्यातय के तारीख 16-3-1985 के दस्तावेज से 899/85 के अनुसार ट्रिच्चूर विलेज मे सर्वे से 223/1 में 36 सेन्ट भूमि के अरध अिक्सर

> बी० रविश्वालन 'नक्षम प्राधिकारी गुरुषक प्रायक्ष प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेज, एरणाकुलम

नारीख: 13--11--1985

मोहर:

2-386GT/85

प्ररूप वार्ष दी । एन । एन । - - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीत स्वातः

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिना । 1 तथमवर 1985

निर्देश स० आई० ए० मो०/एक्यु०/अ/एम० आ२०-३/-3-85/1018—--श्रत मुझे, सुनील चापडा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, ग्रह विश्वाम करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 58 वता पि है तथा जो एम ० ही ० एस ० सी० पार्ट नं ० २ नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाद्ध सनुसूची में पूर्ण रूप रावधित है), रिवस्ट्री म्ला प्रिक्षित में भारतीय रिवस्ट्री में प्रिक्षित में भारतीय रिवस्ट्री में अधितियम 1908 (1908 सा 16) में भी तासीख मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल थे, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से स्थापक है और बन्तरक (जन्तरका) और जंति रिती (अतिरितियां) के बीच एमे जन्तरण के लिए तय पारा गर्म प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- शुक्क) संस्वरण से हुन्। किसी साथ कर्त बाबत, उबल सिपिनका की संपीत कार बाने को अस्तरक के बाबित्य में कमी कार्ज मा सहित्रभा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकार नहीं किया एसा था या किया जान का निए था किया क्षित्र के लिए;

बतः अस, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी उक्त अधिनियभ की भाग 269-थ की उपकार (व अहे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ——

- (1) श्रीमती सितारा रानी
 सुपुती तट की देव राज
 निवासी पी-58, साऊथ एक्सटेजन पार्ट-३
 नई दिल्ली
 थुरू एटोरनी श्रीमती प्रेम तना बहुहा
 (अन्तराः)
- (2) श्री उमा बत्तरा पत्नी उमेण बत्ता चित्रांनी भी-34, साऊथ एक टगन, पार्ट-2, नई जिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबिध या तत्तम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर स्मान की तामील में 30 दिन की त्रविध, जो भी विधिय माद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में अधिक स्थिति द्यां कर दुधारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रिंभ किती बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम सिचित में किए जा सकीय।

स्बध्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों आहे, पदी का, जो जबक अधिनियम, के नव्यत २० ५ में परिभाजन हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास के दिया बबा हैं।

अनुस्ची

सारा प्रथम विरष्ट या न० 58 ब्लाह-पी नादादी 1998/10, यो गंग। यह दिल्ली शास्त्रय एक्पटणा, पार्च-2 नहीं दिल्ली

> मुनीत नांण्डा 'तम प्रापिशी सहायाम ग्रायकर आयक्त (किरीक्षण) ग्राजन रेज, दिल्ली नहीं दिल्ली-110002 ।

तारीख 4-11-85 मोहर:

प्रक्ष बाही. टी. एन. एस. ------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 को 43**) की धारा** ুচ্চ- ধ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्वन रेज-भलकता

कलकत्ता, दिनां ह 13 नवम्बर, 1985

निदश म० ए० मी० 22/रेंज- $4/\pi$ न०/1985-86--प्रनः मुझे. शंकर के० बनाजि

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी मं० है तथा जो जलपाई गुड़ी स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में आंग्पूर्ण भप ने विणित है) शिवर्स्द्रा ती श्रिश्चितारी के प्रार्थााय जलाउता में रशिस्ट्राफरण श्रिशितमा 1908 (1908 भा 16) के श्रावील नारीखा 38-3--1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान की गई है प्रतिफल लिए अन्तरित विश्वास करने का **ह**ै कि यथापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उस**के** इंड्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त शिंशितयम अ अभीन कर दोने के अंतरक के दाशित्व मा कभी करन या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-उर अधिनियम, (957 1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

क्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मो, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) डानकान एग्री इनडस्ट्रिज लि०

(श्रन्तरक)

(2) सामिस प्रानदेशन और इन्डस्ट्रीज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हो।

उक्स सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) रब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तिया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितुं है, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन्**भू**ची

1257.14 हेक्टर जमीन का साथ मकान पता—-लामिन टी० गार्डन, जनपाईगुडी . दलीन सं० 1985 वा 4735

> शनर के० बनाजि सक्षम प्राधिकारी गहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंग-4, कलकत्ता-16

तारीख 13-11-1985 महर प्ररूप भाइ".टी.एन.एस. ------

जामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) से त्रभीन सुक्या

मारत तरकार

कांक्किक, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-3, कलक्ता

कलक्ता, दिनाक 25 नघम्बर 1985

निर्देश सं० 1972/एक्यु० श्रार-3/85→86→-श्रतः मुझे, शक्र बनार्जी,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 180 (एक्यु बी) है तथा जो गर्माषहारी एकेन्यू स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिकस्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यात्य अ ई एमी एक्यु अगर-3 में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्स सम्पर्तिस से विधित बाबार मृश्य से कम की इत्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरिक की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार नृत्य, उसके क्यानान प्रतिकत्त से, एंसे क्यामान प्रतिकत का पत्त्वह प्रतिकत से निधक है और नंतरक (अंतरकों) और नतिरती (अन्तरिवियों) के बीच एंसे अन्तर्ज के सिए त्य पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण मिसिस में नास्तिकृत क्ये से कीचत नहीं शिक्षा पदा है —

- (क) जन्तरण हो हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-पिदव के व्यीप कड़ दोने के बन्तरक के दायित्य के कनी कड़ने वा उच्चे वचने में धृतिभा के तिए और∕वा
- (ण) वृष्टी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयुक्त अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या अन कर विभिनियम या अन कर विभिनियम या अन कर विभिनियम वा अन या अन्य विभिन्य कर विभिन्य कर विभिन्य कर विभिन्य कर विभिन्य कर विभिन्य कर विभिन्य विभाग विभिन्न कर विभिन्न

(1) श्री श्रार० कर एन्ड एसोमिएटम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के०एम० हष्णन नामभिसन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित् कौ वर्षन् वौ सिए कार्यभाही करता हो।

उन्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सवापत होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इब सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीत्र उक्त स्थान्य संपत्ति में डित-क्यूथ किसी मन्य स्थित युवारा मधोड्स्ताक्षरी कें पास निवित में किए वा सकोंने।

स्पच्छीकरणः----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्ट्रियवयं को सभ्यास 20-क में परिभाषित इं, वहीं वृष्ट होगा को उस सभ्यास में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट न० ए-4 क्षेत्र--- 72 7 व० फु० 37 ईई फार्म अनुसार

> णकर बनाजीं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, कलकत्ता-16

अतः अव, उन्त अधिनियम की धीरा 269-ग के अमूसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निन्नतिवित व्यक्तिसयों, अधीत् :---

तारीख 25-11-85 माहर

त्रक्त बार्ष्, डी. इन. एवं.-----

नाव्यार व्यभिक्षिक, 1961 (1961 का 43) की पास 269-प (1) ने मधीन स्पना

नारम् प्रश्नात

कार्याजय, बहायक बायकर बाय्क्ट (निर्द्रोधक)

अर्जन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांग 13 नथम्बर, 1985 निर्देण स० 3-1035/अर्जन/85-86--श्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कालकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-क के सभीन बतान प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर अस्पत्ति, विस्का उपित साजार मुख्य 1,80,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं म्युनिन्धित हैं। लिख्य न् 52, वार्ड नं 9, खाता नं 5 खारा नं 79, तोजी न 1333 हैं तथा जो मोहरता श्रवण बादार, मुंगेर में स्थित हैं (और इस अपन्य श्रवण बादार, मुंगेर में स्थित हैं (और इस अपन्य श्रवण श्रवम्मी में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्री अर्ती अधिनायन 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन तारीख 20-3-85

को प्रेमित बंज्यित के दिनत बाजार मृत्य ते कम के दश्यमान प्रीक्षण के सिए मन्दरित की नहीं है बार मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि वभापूर्वीचल तज्यतित का अधिक बाजार कृष्ण, अध्यों सम्बन्ध प्रित्त का प्रतिक्रम का पंत्रह प्रीत्यस थे निभक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंबरण के सिए तय पाया नया प्रीवक्षक मृत्र निज्यितियों के बीच एसे बंबरण के सिए तय पाया नया प्रीवक्षक मृत्र निज्यितियों के बीच प्रस्ते व्यक्ष वस्तरण निष्यं भे वास्त्रिक मृत्र में क्षिण नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरभ शे हुए किसी काय की बारता समस्य वरिपानका की अभीन कर तोने के कस्प्रक की अविस्थ मों कसी करने या उश्वस्त कवने मों सुविधा की लिए; और/सा
- (क) एंडी कियी जाथ या विकार भव वा अभ्य जारिसाकों की, जिल्हों भारतीय आनकार जीवित्रवा, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यक्तिवा, वा पत-कर अधितिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त तथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिचित स्पक्तियों, अर्थक :---

- (1) (1) भी नन्द गाल खेतान
 - (2) श्रीमती चन्द्रा देवी
 - (3) माहत कुमार
 - (4) मतादीन खेतान
 - (5) लर्खाप्रसाद खेतान
 - (6) प्रकाण कुमार खेतान, बल्दान/जीजे स्व० केदार नाथ मखाडी सा० बलुवा बाजार, जिला सहरसा

(श्रन्तरः)

- (2) (1)श्री रामअयतार प्रसाद अग्रवाल
 - (2) श्ररण कुमार श्रयकाल
 - (3) श्रमर कुमार संध्रवाल पिता स्व० राधा इप्णा श्रप्रवाल, का०चौक बाचार' जिला मुगेर, (विहार)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित के वर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

इन्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकायन की तारीय से 45 थिन को अवधित या तत्मम्बन्धी स्पित्तयों पर त्या की तारीय से 30 दिन की अवधित को भी सवित में समाप्त होती हो, से भीता धूर्वीका स्पित्त मों में से किसी स्पतित स्थापतः
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीच है 45 जिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबह्ध किशी जन्म स्वक्ति इवारा मधोइस्ताकरी के वास सिवित में किए जा करोंगे।

स्थानीकरण :--- इतमें प्रयुक्त कर्जा और वर्षों का, थी उपह मीग्रियम के बध्याय 20-क में प्रीर्शानिक हैं, यही नर्थ होगा को उब बध्याय में दिया नका हैं।

वनुसूची

जमीत सय एउ मंजिता महान जिसका रकवा 2 कठठा 16 धुरकी है जो मोहल्ला श्रवण बाजार, मृगेर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्ता संख्या .1489 दिनांक 20 -3-85 में विणित है और जिन्हा तिबन्धन श्रवर निबन्धक पदाधिकारी, बम्बई के द्वारा सम्पन्न हुशा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायम स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन क्षेत्र, पटना ।

नारीखा: 13-11-85

प्ररूप जाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रार्तेन क्षेत्र, पटना

पटनाः दिनोक 13 नवम्बरः, 1985 निर्देण स० 3-1018/अर्जन/85 -86----प्रतः मुझे, दुर्गा समाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिएकी गं० खाता नं० 2867 खेसरा नं० 1928, थाना न० 411 है, तथा जो मांजा कन्होली, विसुनदत थाना गदर, जिला मुजफ्करपुर में ज्यात है (और इति क्याबद्ध क्रम्भिनी में और पूर्ण-रूप में विवाद है), रिजस्ट्रीकतां अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख 25-5-85

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा।। प्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिक्त में कभी करने वा अबसे यचने में कृतिभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् .-- (1) श्री इन्द्रा अधवाल, जीजे व्याप नारायण अधवाल, मी० नई वाजार, थाना- दर, जिला मुजफ्फरपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ प्रसाद पै स्व० राम मेवह प्रसाद, मा० इमामगंत्र, थाना सदर, जिला-मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एवारा;
- (स) इस सूचना क राजपन मा प्रकाशन को तारी से 45 दिन को भीतर जक्त रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त अब्दौ और पत्रों का, जो ज़क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका रकवा 9 कट्ठा 19 धुर है तथा जो खाता नं० 2867, खमरा न० 1928, थाना नं० 411, मीजा कहोली विमुनदत्त, थाना सदर, जिला भुजफ्करपुर में स्थित है एव जो पूर्ण रूप से बिसका मं०-5160 दिनों । 25--3-85 में बिणत है तथा जिसका निवन्धन जिता खबर निवन्धक मुजफ्करपुर है द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, विहार, पटना ।

वारीय : 13-11-85

भोहर :

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रार्चन परिक्षेत्र, निहार पटना

पदना, दितार । 13 नवस्तर, 1985

निर्देश न० 3-1019/श्रर्जन/85--86---श्रनः मुझे, दुर्गाः प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्धावन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से न्धिक है

और जिसकी स० खाता नं० 581, खारा न० 1927, थाता नं० 411 है, तथा जो मौना कहाली, जिस्वदन, थाना-भदर, जिता मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इस्त उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), वित्रद्वी ति प्रधिवारी के । स्वित्र्य मुजफ्फरपुर में रिनिस्ट्री विण प्रितिस्थम 1908 (1908 - 116) के अधीन, नारीच 25-3-85

की पृश्वित सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ ही बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंका संपत्ति का उचित बाजार बुल्य, अपने व्यथमान प्रतिफास सा एसि दश्यमान प्रतिफास का पत्थह प्रपिन्नत में आपिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वित्य से उक्त अन्तरण लिकिन में बास्तिक रूप से किया क्या है है—

- (क) अतरण सं क्षुष्टं किसी आय की बाबस, उक्त भाधिनियम को सभीन ऊंग गर्न के अन्सर्भ का शिवस्थ में कभी करने से उसे असने से स्ट्रिकण के लिए, और/या
- (स) एसी किया बार या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ सन्तिरित इंपारा प्रकट नहीं किया पंजा या किया प्राना साहिए था, किया में सरिपा के लिए.

अतः ॥न, उथर अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरक मे, मै, उथर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात —— (1) श्रीमती इन्द्रा श्रग्रवाल जाँने-श्री कृष्ण तारायण श्रग्रवाल मी०-तई बाजार, थाना-सदर, जिला-मुजफ्फरपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम विलास प्रसाद पै० जनार्दन प्रसाद मौ०-नई बाजार, थाना-सदर, जिला-मजफ्फरपुर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताभीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में भमाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी कि उन्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबहुध किसो अन्य व्यक्ति हुवारा अधोहत्नाक्षरों के पार निधित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिससा रववा १ वट्ठा 1 धूर है तथा जो खाता नं ० 59!, खमरा नं ० 1927, थाना नं ० 411, मौजा-करहोली विमुनदत्त, थाना-सदर जिला-मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण का ने विभिन्ना मं ०-5462 दिना र 25-3-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निवन्धक, मुजफ्फरपुर के हारा प्रमुख हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** महाय*ा* ग्रायक्र प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन परिक्षेव, बिहार, पटना

नारीख: 13-11-85

प्रस्प नाई.टी.एन.एस. -----

नायकः प्रभिनियम्, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के व्यक्ति स्वना

STREET DEFIN

कार्यां नय, सहामक कायकार वायकत (किरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 नचम्बर, 1985

निर्देण सं० 3/1025/श्रर्जन/85-86--श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रंज से अभिक है

जौर जिसकी सं० शीट नं० 41, थाना नं० 14 प्लाट नं० 3993 है, तथा जो सदर बाजार, जमालपुर, जिला मुगेर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री हिता शिक्ष हारी के कार्यालय मुगेर में रिजस्ट्री हिपा शिक्ष हारी के कार्यालय मुगेर में रिजस्ट्री हिपा शिक्ष हारी के कार्यालय मुगेर में रिजस्ट्री हिपा शिक्ष हिपा के शिक्ष शिक्ष विषय 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिरती ध्वारा श्कट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा अहे सिय:

जत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) ऐ अभीज, निस्तिसित व्यक्तिकों, अर्थाद रूप्प (1) श्री उद्यति नारायण सिंह पै स्व० बैचु सिंह, सा० दरियापुर विकसपुर, थाना-धरहरा, जिला-मुंगेर

(भन्तरवः)

(2) श्री शंकर लाल अग्र वाल बैजनाथ श्रग्रवाल, नारायण गं० श्रग्रवाल, प्रेमराज-स्व० जगदीण प्र० श्रग्रवाल, सदर बाजार, जमात्रपुर, जिला-मुंगेर

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त मम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए वा स्कोंचे ।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा एथा है।

वग्स्की

जमीन सय मनान जिसका रक्षवा 4 धुर 2 धुरकी 10 फुरकी है। तथा जा शीट नं 41, थाना नं 14, प्लाट नं 3993 मौजा सदर बाजार, जमालपुर जिला मुंगेर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विस्का नं 1377 दिनाक 25-3-85 में विज्ञा जिसका निवन्धन जिला—प्राच निबन्धक मुंगेर के छारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन गरिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख: 13-11-85

क्षम् नाष्ट्री, टी. एन. एठ ुनननन्त

अध्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** धारा 269-**म (1) के अधीन सूचन**

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन **क्ष**त्, बिहार, पटणा

पटना, दिनां F=13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 3-1020/गर्शन/35-86---अतः मुझे दुर्गा प्रसाद.

बायकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें 1963 पहचात उक्त अधिनियम अहा नथा है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं जाता न 581, खपरा नं 1927, थाना नं 411है, तथा जो मौजा कन्होती त्रिस्तदन थाना सदर, चिला-म्अफ्परपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रिल्हिंग्नि पिधा गरी के पर्या प्र मुगफ्फरपुर से रिल्हिंग्णण प्रतितिवस 1908 (1908 व्य 16) के प्रधान शरीख 25-3-85

- (क्ट्री क्षम्बर्ग में हुए। क्षित्रहा बाल की पानत कराई राजि-रेगाम में वाकीन अन् बोने में अध्यापक में प्रतिवाद में क्ट्री करण मा सवली नकते के प्रतिवाद की प्रतिवाद मीर वा/

लस. क्या, उपल समिणियम को पारा 264-ग को जनसरन ैं. भै विचय अधिनियम को भारा 269-न की तथनगर। (1) य अभीर विकासी जिल्लामा स्वीदेशकों, संघीर ५-व —386GI/85 (1) श्राहिन्द्रा स्थास । जॉले क्रिया स्थास सम्बद्धिः मी० नई बाजार याना सदर, जिला मुजपपारपुर

(भ्रन्तरःः)

(2) श्रा माहन नाह पै० स्व० बीज् साह, मी० नई बाजार, थाना सदर, जिला मृत्यकरपुद्ध न

(ग्रन्तरिती)

क्ये बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

प्रमुख सम्मिति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) श्रम भूभवा भे रका मा प्रकाशन की तारीत वें 45 दिन को नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविंध, यो बी अविंध याद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में के फिली स्मित्त प्रवास:
- (व) इस सूचना के पात्रपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में नित-बद्ध किरी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी चै पात्र निविद्यत में किए वा सर्वोगे।

स्वक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्यों और पत्नी का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित इं, बही कर्य होगा जो उत्त अध्याय में विवा गया है।

मन्स्ची

जमीन निकास राजा १ व्हा है तथा जो खाता नं० 581 खरारा नं० 1927, थाता नं० 411 मौजा कन्होली, विर्नदन्त, थाना रादर, जिला म्राफ्परपुर में रिथत है एवं पूर्णस्प से वसिना नं० 5461 दिसांच 25-3-85 में वर्णित है तथा विख्वा निवंधन जिला ब्रावर निवंधाः म्जफ्फरपुर के खारा सम्पन्त हुझाहै।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी पहायक आयार प्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जा परिक्षेत्र, **बिहार पट**ना

तारीख: 13−11−85

एकप बाहु . 🚓 . एव . एक . ०००००

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारक बुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेशक सं० 3-1050/ग्रर्जन/85-86--भ्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद

वावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परवात् 'उस्त अभिनिवम' कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का अपन है कि स्थावर सम्भितः, जिसका उचित साजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० थाना नं० 53, तौजी नं० 316, खाता नं० 460, प्लाट नं० 70 है, तथा जो मौजा सबजपुरा, थाना दाना-पुर, पटना में स्थित है (श्रौर इस्ते उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीध जरी के वार्यीलय दानापुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23~3~85

कों प्रयोक्त सम्पत्ति के उधित के का मूल्य म के से स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की नई है और मूक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उधिक बाजार मूक्त उसके दश्यमान प्रतिकल से एंचे दश्यमान प्रतिकल का अन्त्रह प्रतिक्षा स औधक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितीं) के बीच एंचे अन्तर्ण के लिए सच बाजा गया इतिकल, निकालिक क्या से का बाजा मुंचे अन्तर्ण से विश्व के विश्व में में बाक्तिक क्या से का बाजा गया हो विश्व के स्था से का बाजा मुंचे अन्तरिक क्या से का बाजा गया हो का स्था के का बाजा मुंचे का बाजा मुंचे का स्था से का बाजा स्था से से बाजा मुंचे का स्था से का बाजा स्था से से बाजा मुंचे का स्था से का बाजा से से बाजा स्था से से साम से का बाजा स्था से से साम साम से साम साम से साम से साम से साम से साम से साम साम से साम से

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, धा ध्यान्यर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिसी ध्वारा प्रकृत नहीं किया गया भा वा किया जाना भा हिए था, स्थिपने में सुविधा की किया,

कतः वस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के सम्सरण ं, मैं, उक्त प्रोधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीत, दिस्की खर्मक्तओं, अर्थात:—— (1) श्री सरयुग सिंह पै० स्व० राग शरण सिंह, सवज पुरा, थाना दानापुर, जिला पटना ।

(ग्रन्तर∜)

(2) श्री भ्येन्द्र, चन्द्र घोष पं० उपेन्द्र नारायण घोष, राजवंशी, नगर, पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहित करते हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राध्यत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ भी किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 किन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-वर्ष किन्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पाम सिकाम में किए जा सकनें।

स्थाबीक रण: ---इसमें प्रयुक्त कर्को और पर्वो का, थां उन्त जीभी जिस्सा, के जम्बाद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, थां उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिपला रक्ता 13 1/क डिशमिल है तथा जो मौजा सवजपुरा, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विस्ता मं० 1379 दिनांच 23-3-85 में विणित है तथा जिला निबन्धन श्रवर निवंधक दानापुर के दारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम पदर्गव ारी सहासक द्यायार आयुक्त (निर्राक्षण) द्यर्जन परिक्षेत्र, ब्रिहरर, पटना

तारीख: 15-11-85

भोहर '

प्ररूप आइ². टी. एन. एस.-----

बाराका जीजिनियान, 1981 (1961 शत 43) कर्ते भारत 269-भ (1) के क्षापीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निदेश तमे ० ३ - १०४५/ प्रजेत/ ८५--४६ -- प्रतः मुझे दुर्गा

प्रमाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विषयं इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' खड़ा नवा हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी के यह विस्थात करणे का कारण हैं। कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उपित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

भ्रौर जिसकी मं० थाना नं० 15 तीजी न० 115, खाता नं० 208, प्राट नं० 523 है, तथा जो त रिरापुर, श्रानीमाबाद, पटना में स्थित है (श्रौर इसस तथाबद अनुमृत्री में श्रौर पूर्ण रूप ने विजित है) रिष्टिंग्ली आंधापरी के परिष्ट का लाता में प्रिस्ट्रीवरण क्षिकीं रूप रूप के (1000 में 16) दे अधीन नारीक 35-(-85

को बूधोक्त सम्पत्ति के जिला बाधार मूल्य ४ कर के स्वयमण मितिसक के सिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास उन्ने का कारण हो कि स्थापनिका सम्पत्ति का जिला बाधार मूल्या, उसके हरवाना प्रतिकार में, एते एक्समान प्रतिकार का अस्था प्रशिक्ष ही और अंतरिक (अंतर्का) और संवरिती (अन्तरित्या) में वीच एस अन्तरण के सिए तम पाना नया प्रतिकास, निकासिक स्थानिक स्थानिक म्या में सीचिक मही किया स्था है है—

- (क) कराइत्य सं शुर्ष किसी थाय को नामसं करत विध-रिश्यन में नभीत का देने के अभ्ययक के व्यक्ति में सभी क्षारण या उश्में बलने ये स्तिया के लिए; भीर/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या इक्त अधिनियम, 27 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ अन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किसा क्या था या किया जाना थाहिए था, फिनाने में ग्रिया के तिए;

द्धाः इतः इत्तर विविधिष्य की वारा 269-व के त्वृत्यक् में, में, उन्त विविचित्र की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्योक्तयों, अर्थात् :—

- (1) श्री जय किंगन राय
 - (2) राम उचीत प्रसाद
 - (3) राम मुचीन प्रमाद
 - (4) राजेन्द्र राय
 - (5) गनौरी राय सा० प्रग्न टोला, थाना फुलवारी, पटना।

(श्रन्सरक)

(2) कान्थ नगर सह आरी गृह निर्माण समिति लि०, दिरयापुर, गोला, थाना कदम कुंद्रा, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम्बाहित करें हैं।

क्या सम्मृति के वर्षन के सम्मन्य में कीई भी अरुपे १---

- (का) इस ब्रांचना के राजपन में प्रकाशभ की -तारीय से 45 दिन की अपीय या तत्त्वंची व्यक्तियों पर ब्रांचना की तामील से 30 दिन की अविध् , जो भी अपीय बाद में जनाया होती हो, के बीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में ते कि बी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना को राज्यत में प्रकाचन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-शक्भ किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अभोहस्ताकरी को पात विक्रित में किए या सकते।

स्पन्धिकरणः -- इसमें प्रमृत्ता सन्दों भीर पड़ों का, को संकत्त स्वीचित्रमा, को अध्याध 20 का वा पारभाषित हैं, वहीं सर्व होता, जो संबंधध्याय में विशा शवा है।

अनुस्**ची**

जमीत जिमाण राज्या 1 विगहा, 2 हिट्ठा, 14 घुर, 17 ब्राह्मी है जो जहरियापुरा, यजीनाबाद पटना में स्थित है तथा जिसका विवरण विस्ता सख्या 1-4412 दिनांक 25-3-85 में विणित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्ग प्रसाद नक्षम पदाधि गारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

मारी**ख**: 13-11-85

प्रकृत नार्चं .टी . ध्न . एका . ०००००००

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 कर 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भाग्वत (निरोक्षण)

स्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनां, 13 नवम्बर 1985

निदेशक स० 3-1062/अर्जन/84-85--श्रव मुझे दुर्ग प्रसाद

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहलास 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सथीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूख्य 1,00,000/- कि स अधिक हो

स्रोर जिसकी सं व प्लाट नव 14, खाना नव 52 है तथा जो सैनवय, पहाइपुर, पटना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद सन्-सूची में स्रोर पूर्ण क्याय जिल्हा है), रिन्ट्री, तो प्राध परी क लायां लगा पा में किट्री, रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) क अधीन तारीख 27-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य स कम के रूपमान पतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

एसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अत-एक (अतरको) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अत-एण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अंतरण निस्तित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन करे देने के अन्तरक के कायत्व में कमी करने या उससे बचन में सूबिशा के सिए; बॉर/या
- ्थं। एंमी किसी आय या किसी थर या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया यन अस्य किया भाग चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269 मां के अन्तरफ मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री रामजी सिह, सो० गरांची, थाना चौं। जिला पटना।

(यनगरक)

(2) श्रां सहयानी नगर, सहवारी गृह निर्माण विभिन्त, निर्मिटेड, राजापुर सैनपुरा पटना)

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य ग्रिहमां शुरू करता हु।

उक्त सपति के अर्जन के सबप में कोई भी आक्षेप .- -

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास स 45 दिन की अवित्या तात्र स्वाचनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस पचना क राज्यक्ष में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीनर उन्ति स्थादर शम्पत्ति में हित्रबह्ध किसी अन्य व्यक्षित द्वारम न्याहरहाक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण .--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जागिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया ही।

प्रनुसूची

परती अमीत विश्व भारतकः 28 हा तिन ते है तथा जा माजा मैनक पहाडपुर पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्य संविधिता में के 1-4624 दिताक 27-3-85 में विधित है। तथा जिस में निबन्धन रिजस्ट्रार अफि एस्मारेन्स अन्यत्ता के द्वारा तस्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रयाद सक्षम पदाधिकारी महायात स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षी) स्रजन परिशेल, बिहार, पटना ।

सारी^रः 13- 11-85

भोहर 🏗

प्रकृत वार्ष . हो . पुन् . पुन् . क्षाना नामक

बाथकार बिपिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुनना

HISE TRANS

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (विश्रीक्षण)

श्चर्जन रेज, पटना

पटना, दिनावः 13 नवम्बर 1985

निर्देश स० III-1064/प्रश्रेत/--प्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कें इक्कें प्रकार 'उक्त अविनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ से अपीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्सास हरने पर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर किसकी संव पार्ट प्लाट नंव 1617 ग्रीर 1618, तीजी नव 227, याचा नंव 14 खाता तंव 218 ह 14। जा परादी फुलवारी, पटना में स्थित है (श्रीर इन्डि अवबंध क्षिम् में ग्रीप पूर्ण वन न विणित है), रा स्ट्री सी अधारी के जायीलय पास्ता में र्रावस्थी करण प्रधानना 1908 (1908 जा 16 के श्री), दिनाक 18 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार बूल्म से कम के दश्यमा प्रिक्षण के जिए अन्तरित की नहीं ही अर्थन मुन्ने यह जिन्दास करने का कारण हो कि संवापनित सम्पत्ति का जीवत महजार मून्य उसक श्रममान प्रविक्षण में सूची हर्म्यान प्रतिपत यन पन्द्रह प्रतिसत स्विक्षण हो नार संत्रक (संतरकों) और संवरितों (संतरितियां) को बीच मुसे संतरण के लिए दब पत्ना गमा प्रतिपत्न, निक्निस्थित उद्वयंत्रम से उस्त अंचरण निविक्ष में वास्तिबक्ष कम से करियत नहीं मिन्ना मना ही 4—

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी आप की वानत, उक्त गोपित्रपर के अभीन कहा दनें के बन्तरक को कहित्य में कमी कहा या बससे वचने में सुविधा से सिहु; कहि/सा
- (क) ऐसी कि बी जाम या किसी वन या अन्य कारिक्यां का जिल्हें भारतीय आएकार अधिक्या , 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या अन- अर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती बुधारा प्रवाद नहीं किया गया वा वा किया बाना काहिए वा. कियान में सुविधा के किए;

ज्ञाः नज, उच्या अधिनियम की धारा 269-ए को अधुसरण वो, वो, उच्या विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निक्नोलिकित व्यक्तियों, अव्यक्तियः—

- (1) श्री चन्ती[ा] राय, पे० महताव राय, मा० इल।हीबाग, थाना~फुतवारी, पटना । (भ्रन्तर्ः)
 - (2) श्री दीपक सहकारी गृह निर्माण समिति, लिमिटेड, कंकड़वाग, पटना । (श्रन्तरिती)

को बहु ब्याना जारी खरके पूर्वोक्स सम्पर्वत के नर्वन के जिल् कायवाहिया करता हो।

रुक्त सम्मन्ति के सर्चन के संबंध में कोई भी भाषान :---

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की कारीचा थें 45 दिन की अवधि मा तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिष, जो नी बनिष नाथ में सनाप्त होती हो, के शीसर पूर्वीच्या आवित्यों में ने किसी व्यक्ति क्वार
- (क) इस सूचमा के राज्यमा में अस्ताचक की तारीख है 15 किन है किए एक्स राज्य क्योंक्ट की हिसानक्ष्म किसी अस्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्तान में किए का संक्षित

रचकाकिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाधित ह", वहीं अर्थ हागा को उक्क अध्याय में विष्या गया ह"।

ष्ट-इ**स्**ची

जमीन का रक्वा 1! उट्ठा 10 धूर है तथा जो मौज पहाड़ी, थाना-फुल्वारी, पिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विश्वका मं० 1-1041 दिनों 18-3-85 में विश्वित है तथा जिस्सा निबंधन र्राजस्ट्रीर प्राफ एस्सीरेन्स्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ। है।

दुर्गा प्रसाद, सक्ष म प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्राबुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पटना,

दिनांक: 13-11-1985

मोहर 🖫

प्रकल कार्ड .टी . एन . एस . - --------

कार्याक्षय, सहायक जायकर नावृक्त (निरीक्षण)

बायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वधीन स्वामा

भारत **प्रश्ला**र

अायीलय, ब्रह्मयक जायकर जायुक्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंन, पटना

पटना, दिनां र 13 नवम्बर 1985

निद्ग सं० 111-1024/प्रर्जन/85-86--- प्रत मुझे दुर्गा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी नं० खाता नं० 706, थाना न० 410 वार्ड नं०— 32, होल्डीग नं० 287/ए है तथा जो मौक्हिला- निठनपुर लाला, वन रोड़, मुाफ्फरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे अपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणा है) रिन्ट्री इली जोध- कारी के जार्यालय मुजफ्फरपुर में राजिट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 प 16) के अधीत दिना र 14 मार्च 1985

को पूर्वित्स तम्पत्ति के उष्टित बाबार मूल्य से कम के अभवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने के उपरिक है कि मधाणुभाँका संपर्दित का उष्टित बाजार मूल्य, अपरू उपरामान प्रतिफल सा, एक्त स्वयमान प्रतिफल का बहुद्द प्रतिवास से अधिक है और अंशरिक (अंवरकों) औड अंवरिती (अन्त्रिमियों) के बीच एसे बन्तरिक के बिहा स्थ पाना नवा प्रति-का निस्तिमिस्स उद्देश्य से उक्त बन्तरिन विश्वास में वास्त-विक स्थ से स्थित महीं किया एका है है—--

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी जाय की बाबत उपल अधि-प्रवृक्त के अधीन केंद्र इने के अम्बर्क के वाधित्य में काकी क्रमों भा सरकों भवने में सुविक्त के लिख; संदि/या
- (६) एसी किसी बाय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों की, किस्तुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 १९७८ का 11) या अभ्य अधिनियम, गा ४२ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रशेषनार्थ बन्दरिती बुवारा प्रकट नहीं विकास गया का या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विभा को किए।

भतः अब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग की अनुसरण मो, सं, उन्तर अधिनियम को भारा 269-घ की अधिरारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सरदार मू । म चिह, पै ० सरदार जीत सिंह, मौहल्ला—क्लब रोइ, मुजफ्फरपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दु झा, पित श्री गणेश चन्द्र झा, मौ० मिठनपुरा लाला मुजफ्फरपुर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तंपरित से सर्वन के तिक् कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त तस्पत्ति के वर्षन के संकंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ऱाचपत्र में प्रकाशन की तारींच ह 45 दिन की जनिंध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पद्ध सूचना की तामील से 30 दिम की जनिंध, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास्त,
- (क) इंस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा करोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रमुक्त इन्दों और पदौं का, वां उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारिंग जो उल अध्याय में विदा प्रमाही।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 1 कटठा 3 धूर 76 वर्गफिट है तथा जो खाना नं० 706, थाना नं० 410 वार्ड नं०-32, होस्डीग नं० 287/ए मौजा मिठनपुरा नाना क्लब रोड़ मुजफ्फरपुर में स्थिन हैं एव जो पूर्ण रूप से विसका स० 4649 दिनाम 14-3-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर **आयुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनांबः: 13-11-1985

मोहर् :

आकृष कार्ह्यं .टी .एन .एस

आयकार मिथिनियम. 1961 (1961 की 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांज 7 नवम्बर 1985

निर्देश मं० III-1041/म्रर्जन/85-86--म्प्रन: मुझे दुर्गा

प्रसाद

शासकर श्रीभीनयत, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रीभीनवत' लहा गमा है), की भारा 269-क के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० थाना नं० 203 खाता नं० 177, प्लाट नं० 56 है तथा जो गांव हैहल-धाना सुखदेव नगर, रानू रोड, रांची में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपावद श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिश्रकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांट 4 मार्च 1985

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उत्ति बाजार मूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गावा गया प्रतिफल, निभ्निलित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निकार ये वास्तरिक अप से किथत नहीं क्या गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीत कर रोगे के अन्तर्ध हो बायित्स में सभी करने या उपसे बचने में सुविधा में बिहु; बाँड/वा
- (ण) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भग-कर अधिनियम, का भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा में सिव्धा में सिव्धा में सिव्धा में सिव्धा में सिव्धा

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- (1) श्रीम्सी सीता सिंह राय जौजे, श्री सलील सिंह राय, द्वारा के० एस० जगदीण प्रसम्बा, सा० हेमल, थाना सुखदेव नगर, रांची ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री दिनेश बी० पर्शास्त्र, भेसर्स जमशेदपुर एसंस्थिशन स्टोर, सा० मेन राइ, रांची।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाश्वन की तारील के 45 दिन की अविधि वा तत्त्रस्थन्थी व्यक्तिकों पर तूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:— इश्वनं प्रवृक्त श्वन्यां और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में वरिभाविक ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिवा गवा है।

अन्स्वी

नमीन मप जिसका रक्तवा 9 कट्टा 23 वर्ग फीट है। जो गांव, हेहल, थाना सुखदेव नगर, रातू रोड़, रांचो में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विकित संख्य. 2583 दिनां के 4-3-85 में विणित है और जिसका निबन्धन जिला धवर निबन्धन पद धिकारी राची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयक्रर (ग्रायुक्त निरीक्षण), भूजेन रेंज, बिहार, पटना

दिनांदः: 7-11-1985

माहर 🌣

भर हाक्ष**े ठी. एन्<u>ए</u>म्.** ≅००लक्का

८ ८० । ४१४रीकग्रम - 136 1 (1**961 का 43) की** गरा 169-**क (1) के मबीन बुचनी**

मारत बुड्बार

राज्यः अक्षायक भाषकार साम्<mark>यत (विरोजन)</mark>

ऋर्जन रेग, पटना पटना, दिना १ 13 नथम्बर 1985

निर्देग म ० 111-1021/म्पर्जन/85-86--भूपर मुझे दुर्गी प्रसाद

बायकर एशिनिकस, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके प्रथान (उन्त विधिनियम का माम का है), की भाग 269-क है अभीन समाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्बद्धि, विश्वक स्थित प्राधार मुख्य 1,00,000/- रा से मधिक है

श्रीर जिएकी स० खारा २० 581, खसरा न० 1927, थाना न० 411 है । था जो मौ । विल्हीली, त्रिष्णुदन्त, थाना-सदर जिला मुजरफरपुर में स्थित है (श्रीर इसी उपाबक सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप पित्र है) रिजन्ही क्वी श्रीध गरी के वार्यात्र मुजरफरपुर में रिनस्ट्री एरण श्रीश्रीनयन 1908 (1908 एर 16) के श्रधीन, दिसार 25 मार्च 1985

कः प्रांतिक सम्मित्त के अविश शाचार मुख्य के कम के क्यामान तिकल के लिए जम्सीरस की गई है और मुक्ते यह विश्वास ककों का कारण है कि यथा प्रोंक्त सम्मित का अविस शाचार मृख्य, उसके रूप्यभान प्रतिकल से, एसि रूप्यभान प्रतिकल के बन्कह प्रतिवल से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (बंदिरितयों) के बीच एसे लन्दरण के लिए तब पाया गया/प्रतिकल, निम्मिसिस उद्देश्य से उपतं अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किंगित

- (क) अन्तरण संकृषं किसी पाण को वासरा. स्वस्तर मिन्नियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दानिस्य मो कनी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) तोनी निस्ती बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों करं निम्मू बारतीय जाय-कार अधिनियम १९२५ (2. कर ११) वर जावल अधिनियम, अर्थ गर जार जिल्ला, 1957 (1957 का 27) के ए दार्थ अन्तिरिक्षों द्वारा प्रकार महा विद्या गय ए जिला साम पाछिए थ। किया में अधिकर अधिकर,

Aत. ५६, उ**थत अभिनियम की भारा 269-ग औ जन्हरण** ऐं मी फिल अभिनियम की भारा 260 व की उपधारा (1) के अपीत, निम्नलिखित स्पिक्तिमें, सर्थात् :--- (1) श्रीमती इन्द्रा अध्रवाल जीने कृष्ण नारायण अध्रवात, भीरु ई या गर थाना सदर जिता मुजक्फरपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामवितास प्रसाद प्रै० जनार्वत प्रभाव, मौ० तई बाजार, थाना चंदर, जिला मुलफरपुर ।

(भ्रन्तिर्गती)

को यह सूचना बारी करने ध्वांका मध्यतिस अ अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

कानता संपर्धित के अर्थक के अवन की कार्यि भी साम्रोध :----

- (क) इस बुधना के कलपत में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व की सर्वीय या तत्संबंधी व्यक्तियों वर बुधना की समोक्त से 30 विन की बद्धि, यो भी अनिम बाद में हमाप्त होती हो, के मीतर प्रशेषिक स्वाप्त के कि प्रकारत स्वाप्त स्वाप्त
 - (क्) इस ब्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोष्ट्रताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकींगे।

स्विधानिक प्रतिकार के अध्यास २०-क में परिधानिक के अध्यास २०-क में परिधानिक है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिखा नक है।

वनुसूची

नमीन जिसका रक्षा १ द्या है तथा जो खाता न० 581 खनरा न० 1927, थाना न० 411 मौजा-कन्हौली विष्णुदत्त, थाना-सदर, जिला-मुजफफरपुर में स्थित है एवं जा पूर्ण रूप ने विधिया न० 5159 में विधिया है नथा जिसता निवधन जिला भ्रवर निवधन मुजफरपर के हारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राप्ति गरी सहायत प्राथक्षण अध्यक्षत (निरीक्षण) प्रजीत रेत, पटना

दिना" 13-11-1985

मोहर.

प्रकृत **नार्** ुटी. एन्. एस्_{ट व्याप्तः}

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्वालक)

अर्जन रेंज, पटना था हिमांक 13 समस्य 109

पटना, दिमांक 13 नवस्थर 1985

निर्देश सं० III-1023/अर्जन/85-86-अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही), की भारा ∠69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बागर मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खाता नं० 706, वार्ड नं० 32 होल्डोग नं० 287/ए है तथा जो मौजा मिठनपुरा, लाला क्लब रोड, मुजफ्फरपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबज्ज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जायीलय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विमांक 14 मार्च 1985

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभागुर्वेवित संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रुव्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और बन्तरिक्षी (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय नावा भया प्रतिकास, निम्मिनिचन स्ववदेव से उचित बन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोगे के बन्तरक के वायित्व में कबी करने वा उससे बचने में शिविधा के लिए; बौर/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य बास्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में स्पियधा के निए,

नतः चन, उनत जीभीनयम की भारा 269-ग क जन्मरण की, मी, उनत जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—386GI/85

(1) श्री सरदार मलूक सिंह पैं० सरदार जीत सिंह, मौ० क्लब रोड, मुजक्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गणश चन्द्र झा पै० गणपत झा, मौ० मिठभपुरा लाला, जिला मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अवत संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी माक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के ट्राचपन में प्रकाशन की तारीब धं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्पित्तमां ६९ सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे अस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसब्ब्ध िकसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार/ लिसित में किए जा मकाँगे।

स्थण्यक्षिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वा उक्त व्यक्षिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया यथा है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्ता 1 कट्ठा 6 धूर 12 धूरकी है तथा जो खाता नं० 706, वार्ड नं० 32, होल्डींग नं० 287/ए मौहल्ला मिठनपुरा लाला, क्लब रोड, जिला मुजफ्फपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से बसिका सं० 4658 दिनांक 14-3-85 में वर्णित है तथा जिसका शिबंधन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 13-11-1985

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

नभयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत बहुकार

कार्यांचय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, पटमा

पटमा, दिमांक 13 मवम्बर 1985

निर्देश सं॰ I[I/ 1026/अर्जम/85-86--अतः मुझ दुर्गा प्रसाद

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,40,000/- रह. से लिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाह नं० 3993, शीट नं० 41, थाना नं० 14, है तथा जो सदर बाजार जमालपुर, जिला मृगर में स्थित है (श्रीर इसमे उताबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्नी अधिकारी के कार्यालय मुगर में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्ब, उसके व्यवसान प्रतिष्ठण सं, एसं व्यवसान प्रतिष्ठल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतारती (अन्तरितंतियों) के बीच एसे वंतरण के बिए दय पारण भया प्रतिष्ठल, निम्निकिचित उद्देश्य से उचत बंतरण कि निम्निक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंदारण संहूर किया बाय की बाबता, उक्य विधिनियम के अधीन कर दोने के बल्तरक के दायित्व में कभी करने वा उक्क अधने में सुविधा के जिए; विशिक्ष
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ अंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाना वाहिए था कियाने में स्विभा की सिए,

जरात श्व, उपत बाँभनियम की धारा 269-त के जनसरण वों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की रूपधारा (1) के अधीन, निम्नील्खित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) श्रीमती दुर्गा देवी, जीज उदीत भारायण सिंह, तोपखामा बाजार, मुंगेर।

(अन्तरक)

- (2) 1. शंकर लाल अग्रवाल
 - 2. श्री बैजनाथ अग्रवाल,
 - श्री भारायण प्र० अग्रवाल,
 पैसराम श्री जगदीण प्र० अग्रवाल,
 सदर बाजार, जमालपुर जिला मुंगेर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कम्मील के अर्थन के कम्बन्ध में कोई भी बाओप हन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर ध्चना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति मा हित- वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के शब विश्व में किस का सकेंद्र में

स्पद्धक्रिरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उन्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुपूचा

जमीन मय मकान जिसका रक्वा 4 कट्ठा 8 धूर 5 धूरकी है तथा जो प्लाप्ट नं० 3993 शीट नं० 41, थाना सं० 14, सदर बाजार, जमालपुर, जिला मुंगेर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 1391 दिमांक 25-3-85 में बिणत है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक मुंगेर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जम रेंज, बिहार पटना

दिमांक: 13-11-1985

माहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 11/15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० III-1055/अर्जन/85-86--अनः मुझ दुर्गा प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खाता नं० 37, प्ताट नं० 59 हैं तथा जो सैतचक, पहाइपुर, पटना में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा हैं), रिजस्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रूच्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुं हैं किती जाय की वाबत, उक्त जॉर्थिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वासुदेव सिंह, सा० मरांची, थाना चौक क्लान, पटना ।

(अन्तरक)

(2) सहयोगी नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटड, राजापुरा मैनपुरा, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब की 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

परती जमीन जिसका रक्वा 30 डिसमिल है तथा जो मौजा सैनचौक पहाड़पुर, पटना में स्थित है एव जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 1-4625 दिलांक 27-3-85 में विणित है तथा जिसका निबंधा रिजस्ट्रार आफ एण्सोरेंस, कलकत्ता के बारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 11-11-1985

प्रकल् बार्ट अर्थे हुन् हुन्। अस्त स्थान

बायकर व्योपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, बहायक नायकर नायुक्त (निरोक्त्ज)

अर्जभ रेंज, पटमा

पटना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० $III_{-1028}/अर्जन/85-86$ —अतः मुझ दुर्गा प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० खाला नं० 96 ष्लाट नं० 1254, मौजा नं० 51 है तथा जो जोरा फाटक, धनवाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणा है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय धनवाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26 मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विष्यास का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का प्रतिफल बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत उक्त विभिन्निम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दार्यस्थ बें कभी करने या जनसं वचने में जुनिभा के जिल्हा; बीर/या
- (क) ध्रेसी किसी बाब वा किसी धन मा जन्य वास्तियों को, विनहीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) सरदार कुलदीण सिंह बरहरा, णिता सरदार हरनाम सिंह बरहरा, सां०/याना झरिया, धर्मशाला रोड़, धनवाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाल कृष्णा भागरया सा०/थाना झरिया, जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यं प्रसादन द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाड निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयूवत शब्दों और पवों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 1 कट्ठा 11/1/2 छटांक है जो जोरा फाटा, धाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्ता सख्या 3035 दिशांक 26-3-85 में विणत है ग्राँप जिसका निबंधन जिला अवर निबन्धक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनां : 11-11-1985

मंहर:

प्रकल बाह्य, टी. एत. एव. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 नवम्बर 1985 निर्देश सं० 3-1051/श्रर्जन/85-86-श्रतः, मुझे दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० थाना नं० 53, तौजी नं० 5299, खाता नं० 50, प्लाट नं० 39 है, तथा जो सवजपुरा, थाना—दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इसस उपावढ श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हर्ता श्रीधकारी के बार्यालय, दानापुर में रिजस्ट्री सरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, सारीख 23 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के श्रीक एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम् सं हुई किसी आय की शबत, उक्त विभिन्नसम् के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते सचने में सुविभा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पण जर्मार्थ अर्तारती तृगिरा प्रकट नहीं किया गया गा का या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा की किए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिवित स्थितियों, अधीत :---

 श्री भिव नारायण राय पै० स्व० विष्णु गोप, स्वजपुरा, थाना--दानापुर, जिला पटना

(भ्रन्दरक)

2. श्री नृपेन्द्र चन्द्र घोष, पै० उपेन्द्र नारायण घोष, राजवंशी नगर, पटना

(भ्रन्तरिती)

का यह भ्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपल सम्परितः वो गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकीप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिक्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निविस में किये जा सकर्षी।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्यी

जमीन जिसका रक्या 15 1/2 डिसीमल है, तथा जो मौजा सबजपुरा, थाना—दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विस्था संव 1380 दिनाश 23-3-85 विजत है तथा जिसका निर्वधन श्रवर निवंधक दानापुर के द्वारा सम्पन्न हथा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पटना, बिहार

सारीख: 15-11-1985

प्रकप काइ ुटी, एन, एस. -----

कायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

पारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 नवम्बर 1985 निर्देश सं० 3-1032/प्रर्जन/85-86-यत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० खाता नं ० 87, 17, 16, 95, प्ताट नं ० 1705, 1656, 1669, 1668, 1663, मौजा नं ० 89 है, तथा जो भेलाटोड़, थाना—गोबिन्दपुर, धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री ति प्रिधिशारी के कार्यालय धनबाद में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (ज्ञ 908 का 16) के श्रधीन तारीख 27/28- माच, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रिटिफ का, निस्नितियों उद्योग से उसते अन्तरण कि लिए तय पाया गया ब्रिटफ का, निस्नितियों उद्योग से उसते अन्तरण कि लिए तय पाया गया ब्रिटफ का, निस्नितियों उद्योग से उसते अन्तरण कि लिए तय पाया गया ब्रिटफ का निस्नित कर से कि लिए तय पाया गया करिक का से कि लिए तया पाया करिक के लिए तया पाया करिक का से कि लिए तया पाया करिक का सिक का से कि लिए तया पाया करिक का से कि लिए तया है कि लिए तया पाया करिक का से कि लिए तया स

- (क) अंतरण से हुई किसी जान की बाबत, अंक्त बीधीन्यम के बधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) श्रेती किसी जाव या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अव. उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुतरण वें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) को सधीन, निम्नितिबित स्यक्तियों, अर्थाण के क

- श्री कान्ती लाल जे० चनचनी
 (2) श्री जगदीश जे० चनचनी, बल्दान—स्व०
 जटा शंकर चनचनी,
 सा०→-मैंसर्स जे० डोसा ईस्टेट (प्रा०) लि०, शान्ति
 भवन, धनबाद
 (ग्रन्तरक)
- श्री उमेण चन्द, वगैरह पिता—ईश्वरी प्रसाद चन्द, सा०—राजबारी रोड़, थाना—झिरिया, जिला धनवाद (प्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हु।

बक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शब लिचित में किये था सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा को उस अध्याय में दिस-सवा हैं।

अनुसूची

जमीन मय मदान जिसका रहवा 1 06 एक इ है जो भेलाटांड, थाना—मोबिन्दपुर, धनवाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्था संव 3116 दिनांच 27/28-3-85 में विणित ~ भीर जिसका निबन्धन जिला भवर निबन्धक पदाधिकारी, धनवाद हारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिदारी सहाययः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बिहार, पटना

तारोख : 13-11-1985

मोहर 🖫

ब्रक्ष बाह्रं, टी. एन. एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-1058/म्रर्जन/85-86-यतः, मुझे, कुर्गा प्रमाद.

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.2) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं0 खाता नं० 52, प्लाट नं० 7 है, तथा जो सैनचक, पहाडपुरा, पटना में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकित अधि त्री के दार्थालय, बलबन्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार अन्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मुख्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब्भावा अवा प्रतिफल , निम्निचित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निकित में गस्तिक रूप से किया वया है है—

- (कः) अन्तरण संशुद्ध किसी बाब को बायत सकत अधि-नियंश के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिये; बीप/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिओं को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया जा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जै विद्याः

 श्री हल्या सिंह, सा०--मराची, थाना--चांक कलान, पटना

(भ्रन्तरक)

 सहयोगीनगर सहभारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, राजापुर, मैनपुरा, पटना

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना धारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की जविध या शत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हाँ, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्त्री

परती जमीन जिसका रकवा 27 डैसिमल में है। तथा जो मौजा—सैनचक, पहाइपुर, जिला—पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसी।। नं० 1 —4627 दिनांक 27-3-85 विजित है तथा जिसका निबन्धन रजिट्रार आफ एसोरेन्सेस, कल्कान के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

मारीख : 13-11-1985

प्रकार बाह्". टी . एव . एव . ------

नावकर निविन्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

बार्व च्डका

कार्यातव, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज पटना

पटना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-1040/श्रर्जन/85-86-रतः, म्हो, हुर्गा प्रसाद, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, बिहार पटना, जावकर धिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पर्वात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज जै वधीन सक्स प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका विश्वत बाजार मृख्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० थाना नं० 203, खाता नं० 177, प्लाट नं० 56 है, तथा जो गांव होहल, थाना—सुखदेव नगर, रातू रोड़, राची में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय, रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, तारीख 4 मार्च, 1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य से कम के व्ययमान प्रतिकान को निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकास का विष्यू प्रतिकार से विश्वास हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतर्क की निए तथ पाया नया प्रतिकान, निम्म्हीनिक उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित में वास्त्रीन के पर से कियत नहीं किया नया है है—

- (क) मृत्यारण से हुई किसी नाम की बाबत, उनक् विधिनियम के ब्भीन कर बने के बन्तारक के वायित्व में कमी करने वा उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सूबिभा के चिए;

श्रतः सद, उक्त विधितियम की धारा 269-त के अनुसरम को, को, सक्त विधितियम की भारा 269-त की उपधारा (1) अ अधीर, विध्वतिविक्त व्यक्तियमें, वर्षात् क्र—

- श्री दिलीप कुमार सिंह राय पिता—श्री सलील सिंह राय, द्वारा के० एस० जगवीण प्रसन्ता, स०—हेसल, थाना-सुखदेव नगर, रांची (श्रन्तरङ)
- श्री विनेश की० पारिख,
 मैसर्स जमशेदपुर एसोसिएशन स्टोर, सा०— मेन रोड,
 रांची

(ग्रन्तरिती)

को बहु बूचना जारी अन्तके पूर्वीक्त संपीत्त को अर्चन के जिस् कार्यवाहियां काउता हों।

उन्त तन्यत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध् में कोई भी वासीय ६---

- (क) हव क्यम के राज्यम में प्रकारण की गाएँक के 46 दिन की वर्गीय वा ग्रायम्पणी म्युनिवर्गे प्र भूषण की तामीन से 30 दिन की सर्वीभ, को भी सर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स महिन्द्रकों में है किसी महिन्द कुनारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति ह्वाय अथोहस्ताक्षरी के पाछ निकित में किए जा सकींगे।

स्पन्तीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अवद अधिनित्तम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका पदा है।

वन्स्यी

जमीन जिसका रकवा 2 कट्टा 7 छटांक 1 वर्ग फीट है। जो गांव हेहल, थाना सुखदेव नगर, रातू रोड़, रांची में स्थित है सथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 2582 दिनांक 4-3-865 में विणित है और जिसका निबन्धन जिलाग्र वर निबन्धक पदाधिकारी, रांची के द्वारा सभ्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना,

सारीख : 7-1-1985

मोहर

प्रसम्म बाड्र टी.एन.एस ------

জপ্ৰত সাথবিষ্যা, 1961 (1961 का এও) কী ধ্যা 269-থ (1) **को संधीन संख**ना

शास्त्र संस्कृत

कार्यालय, महारक आयकर शामकत (निरक्षिण)

अर्जेन पश्कित' पटना पटना, दिनाह ७ भवम्बर, 1985

निदेश । मं० 3-1039/अर्जश/85-86--अतः मुझे, दुर्गा प्रस्तद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके गाधात उपन अधिनियम कहा गया है), की धारा 60 स के अधिन सक्षय प्रधिकारी की, यह विश्वास कारने का आरण है कि स्थान सर्थन प्रिकार उत्ति जन्म प्राप्ति । अधिक है

श्रीर जिल्ली सं०था ए गं०—203, खा ए गं० 177, फ्लोट गं० 56 गाव—केडल, थाला—पुचयेब लगर, रातू रोड, राची में स्थित हैं (श्रीर इत्तरे एए. यह अनुतरी से श्रीर पूर्ण का गेविंग हैं), पिल्ली बनी असिरारी के निर्माण भावों में रिक्ट्री एए दिशियम 1908 (1908 म 16) कि अधीत, तारीख 4—3—35

करे पृष्ठोकन सब्दिश के शिलत बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतिरित की गर्ड हैं और गुभी यह निरवास करने का बारण हैं कि स्थान्योंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस है दश्यमान प्रतिकल से एते दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तिश्रां) के बीन हों अन्तर्क की लिए नए पासा गया प्रतिकल, निस्नितिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुद्द किसी आय की बाबत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाधिक्य के कारी करने या उससे बचने के साधिक साधिक को कारी करने या उससे बचने के साधिक
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन यो अन्य आस्त्रियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उस्ता जीधिनयम, ज्याधनस्कर अधिनियम, ज्याधनस्कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) व ज्याधनस्य अस्तर्भ होता व्याधनस्य प्रमान व्याधनस्य स्वाधनस्य स्वाधनस्य

अन अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—386GI/85

(1) श्रीमती वीधा मृत जौजे, श्री प्रम मृत, द्वारा के० एस० जगदीय प्रात्सा रा०--हेहा, याधा-मुखदेव समय, राची।

(अन्तर ह)

(2) श्री दिनेण बी० पाण्यि, मैं तर्भ जभगेत्युर एसोक्षिएसन स्टोर, सा०—मैं रोड,

(अस्रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

टक्त सम्पतित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रहाशन की तारीस सं A.5 दिन को भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में कितवस्थ किसे करण व्यक्ति दशाग अधोहरताकारी की गत्त निकास माहिला का स्टोंगे।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उके स्थावर सम्पत्ति भें हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किसे पर सकेंगे :

स्पट्टीकरण —-इसमें प्रमृबद शब्दों और पदों का, जो जक्क अभिनियम रे अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हो । जो उस अध्याम में विया गया हु³।

धनुसूची

जमीति कि तो राजित कि ाट्का 1 छटा र 9 बर्ग फीट है। जो साय-होत्र, याता पुरदेश त्यार तात् रोड, तच्चे, में रिश है तथा जिला पूर्व कि राज्य बिकार तर 1-1581 दिशा 4-3-85 में बींग हिंचा कि विकास विकास विकास क्यार जिल्ला है। दिस्ती के द्वार राज्य हुआ है।

> दुर्गा प्रशाद, यक्षण प्राधिकारी, पिरीकी पर्षणाचायस्य श्रापुक्त यक्षण परिक्षेत्र, प्रशास

हारी**य : 7-11-198**5

में हर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

सायकर अर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक भागकर भागमत (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिमांक 11 नवम्बर, 1985 निदेश सं० 3-1027/अर्जन/85-86:--अत मुझे दुर्गा प्रसाद,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जिक्त जिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिठनास करने का ध्वारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जियका उधित गाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खाता नं० 30, प्लोट नं० 164, 168, 169 भौजा नं०-52, होल्डिंग नं० 137, वार्ड नं० 16 है तथा जो धमसार, जिला-धमबाद में स्थित है (श्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यक्तिय धमबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीम, सारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, राके दरयमान प्रतिफल से, एरेसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, कल, निम्नलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिविक स्म में किथित नहीं किया गया है :---

- र्क) अन्तरण में हुइ जिमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उशस वच्छे में स्विधा के निष्; और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिसा करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरक मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र में उपधार (१) के अधीन, जिस्सीलिंगिय व्यक्तियों अर्थात (1) श्री बरन मोहन अग्रवाल, डारक्टर पिता—स्व० लक्षमी भारायण अग्रवाल, मैसर्स धनसार इन्जीभियरिंग कं० (प्रा०) लि०, सा०—24, नेताजी सुभाष रोड़, कलकत्ता ।

(अम्तरक)

(2) श्री भन्द्रा कान्त गोपालका, पिता—श्याम मुन्दर गोपालका, सा०—किरकेत, थामा—पुटकी, जिला—धभनाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाओप '---

- (क) इस सुचना के एजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्राय्वन्यी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राम निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में निया। गया है।

प्रनसुची

जमील मकाल जिसका र छ्वा 7.7 डिस्सिमल है जो घनतार जिला-धनबाद में स्थित है तथा जिलाजा पूर्ण विवरण विभिक्ता संख्या-2955 दिशांक 25-3-85 में विणित है और जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्ध र पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्बन्ध हम्रा है दुर्गा प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर श्रायुक्त अर्जन परिक्षेत्र, पटना

तारीख: 11-11-1985

मोहर '

प्रक्षः बाद्रः .टी .एन . एस . -------

क्ष्यमन क्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्षीन स्वना

भारत चरकाड

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाश परिक्षेत्र पटना

पटना, दिसांक 13 सवम्बर, 1985 निवेशक सं० 3-1034/अर्जन/85-86:--अनः मुमे दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मीजा नं० 8, मीजा कला—कुसुम नं० 12, प्लोट नं० 763, 764, 765, 766, 767, 768 एवं प्लोट नं० 139 है, स्था जो सरायदेला, धनवाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विज्ञा है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) क ख अधीन, तारीख 14-3-85

का पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रीतफल के लिए अन्तारत की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ब्रथमान प्रतिफल सं, एसे व्हयमान प्रतिफल का अन्यह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) जौर अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त कन्दरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण हां हुइ किसी बाय की बाब्त अवस अधिनिक्य के अधीन कर बोने के अन्तरक के यूपित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी थाय या किसी थन वा बन्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या या किया बाना शाहिए था, कियाने में बृतिधा के जेनए:

सत. तथा, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल स्थिन्समों, अर्थात् :---

(1) ईस्टर्न इन्जीनियरिंग एवं माइनिंग इक्युपर्मेटस पोस्ट जिला—धनबाद, (बिहार)।

(अन्तरक)

(2) इन्डस्ट्रियल इक्युपमेंड्स कोरपोरशन, पोस्ट/जिला—धमबाद (बिहार) ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन को सिक्ष् कार्यधाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

धनु सूची

9 जिगहा, 7 कट्टा, 1 छटां र एवं 22 वर्ग फीट जमीन मय मकान, कम्याउंडवाल, वर्क शोप, स्टाक मवार्टर एवं प्लांट ग्रौर मणीनरी:—

- (1) वटि हल बोरिंग मिल--1,
- (2) डबल टेबुल मिलिंग मणीभ---1
- (3) राम टाइपस मे १२—1
- (4) ट्रावरिंश हेड शेपर---1,
- (5) फेसिंग लेथ मशीन-1
- (6) वर्धिकल सलोधिंग मगीभ-1
- (7) लेप (छोटा)---5
- (8) पोलर रिडयम ड्रिल--1
- (9) पावर हेकशा---1
- (10) दलपोडग्राईण्डर---1
- (11) बेच ग्राईन्डर--1
- (12) प्लेष्ट बेडिंग भगीभ---1
- (13) प्रोफिल कटिंग मशीभ---1
- (14) वलाँडबा मशीन---3

एवं मिसलिभयस मगीभ,

जा तरायदेला, धनबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या—1-3830 दिनां ह—14-3-85 में वॉगत है और जिसका निबन्धन तथा रिजिस्ट्रार आफ एस्बोरेंसज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ंदुर्गा प्रसा**द;** सक्षम प्राधिका**री** भिरीजी जहायक आयक्त आयुक्त, अर्जम परिक्षेत्र पटना ।

दिमांक: 13-11-1985

444 414° 21°, 44°, 74°, -------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीय सूबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनां रु. 13 शबस्त्रर 1985 विदेश रु. सं० 3–1033/जर्जन/85–86:—अर. मुझे, दुर्गा प्रजाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे १ममें १सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खाता नं० 16 है जा जो प्लोध नं० 1771, 1772, 1668, 1660, 1661, 1662, मंजानं०—89 भेलीसंड, पाता—गोजिन्सपुर, धाताव में स्थित है (श्रार इतो जात्यद्व अनुपूत्री में श्रार पूर्ण कारि बॉगा है), रिजिस्ति की पिता से शिक्षा में रिलिसी रूप अधिरियम 1908 (1903 सा 16) से अवीत, सरीस 27/28—3—85

कर प्रक्रित सम्मिति को उचित वाकार म्या र काम के दश्यमान प्रतिकार के लिए रान्तिक की गई है और मुभे एह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त उम्परित का उचित सामार बुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाद से एसं दश्यमान प्रतिकास का अन्बह एतिकत से अधिक है और संतरक (अतरकों) और बंतरिती (बंति तियों) को यीच एप अन्तरण को लिए तम पाया गया प्रति-कन्न फिनिसिंगल उद्योख में उनल संतरण निस्कित में अध्यविका रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- का संक्षि केन्स्य कान वा किया कर एस न्यांक्रिक्ट का, विकास कारतीय आसकार स्वीमित्रमा 1922 (192. ना का) या जना कार्यात्मका का पत-कर आधीतयम्, 1957 (1957 का 27) जै ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या विज्ञा जाना चाहिए था, क्रियान या नृत्यिका की लिए:

अतः अब, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीहिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री दिलेस इत्यानर्गा, पिया--द्वारा जैव का पनी, साव--मैतनं सव होता ईस्टेट, (प्राव) लिव, सान्ति भवत, धनवाद।

(अरुरक)

(2) श्री उमेंश चन्द, वगैरह, भि ॥—ईस्वरी प्रजाद चन्द, सां० पाजवारी रोड़, थाः॥—अस्या, जिला—अध्याद ।

(अटारिती)

को यह स्पना जारी करके प्रवेक्त संपर्दित क अर्जन के लिए हार्गिहरू: शुरू करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाहोप :----

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में में किसी स्यक्ति इवारा.
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष प्रांगा जें; उस अध्याम कें बिया गरा हैं।

अन्स्की

जमीत मय महान जिन्हा रहवा 29240 वर्ग फीट है जो भेलाडाँड, पाना—गोजिन्सुर, धनबाद में निया है तमा जिनहा पूर्ण तिकरण विकास संबदा——3117 विकेट 27/28-3-85 में बॉग्राहें ग्रीरिन का तिबस्य र निवस्य ह प्राविहारी धनबाद के द्वारा सम्बन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रचाद, सक्षम प्राप्ति कारी, निरीको सहायक आवंकर आयुक्त, धर्जन परिक्षेत्र, पटना

सारीख : 13-11-1985-

प्ररूप आर्द .टी. एन . एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पदना, दिनौं ह 13 नवन्त्रर, 1985

निदेग कर्स ० ।।। 1030/मर्जन/85-86:--मरः मुझे दुर्ग प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जात जिथिनियम' भाषा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार शृंख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

का पूर्वाक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व्यन्त मणित्त का अन्वत्य बाजार कृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल के दरयमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तर्भ के लिए तय भागा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य स उच्न अन्तर्भ चिक्ति में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुइ किना नाम की आवत, उक्त की पिनियम की अधीन कर दोने की सन्दरक की दामिल में कभी कारने मा उससे क्याने में पृत्रिका के लिए; बार गा/
- ए भी किनी जाय के किनी जन या अन्य आपक्षणी की , जिन्हा भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला काना चाहिए था, धियानी में स्विधा के लिए;

असः अत्र , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- (1) श्रोपात तरपति देवो जोजे,श्री राज कुमार ताहू, सा०—गमछपट्टी, थाना—सरिया, जिला—धनवाद।

(मन्तरक)

(2) श्री बैदया नाथ सिंह पिता, स्व० श्री हरी नारायन सिंह, सा०—तेनुलमारो-कोलप्ररी, डाप्तयर—िनुत्रा,थाना—ते कुलमारी, जिला—धनवाद।

(भन्तं रिती)

कां यह भूषना चारी कारक प्यक्ति स्परित के अर्थन के लिख कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजधात मा प्रकाशन मा तारांख स 45 दिन की अवधि या तत्सान्त्र-भी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूजना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य क्यन्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किस अर स्थान ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, को उक्त बोधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया

वन्स्यी

श्राधा हिन्दा 8 म्हा 4 छटाँक जनीत मन मकान के जो 3762 वर्ग फीट जनीन पर जना इश्रा है त्या श्राधित नगर, धोबाटाँड, धनजार में स्थित है त्या जिल्हा पूर्व विवरण विनिक्ता संख्या— 2075 दिनाँक 4-3-85 में वर्णित है, श्रीर जिल्हा निवनच्छ जिला श्रवर निवन्त्रक प्राधिकारी, धनवाद के द्वारा सम्बश्न हुश्रा है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजैन परिक्षेत्र, बिहार पटना

सारीख: 11-11-1985

प्रकल कार्ड . टी इन . एक , -------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 क (1) के अधीन स्वना

भारह सरकार

भार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनौंक 13 नवम्बर, 1985

निदेशक सं ० III-1056 ग्रर्जन्। 84-85:--- प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जितकी सं ० खाता नं ० 1401 प्लाट नं ० 2532 है तथा जो दिया, मबदमपुर, जिला-गटना में स्थित है (ग्रीर इसमे उनाब द्व प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलहता सें रजिन्द्री करण ग्राधि नियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधोन, तारीख 11-3-1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पृख्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से पिश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा कया प्रति-एस निम्नलिशित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि बित में बाल्यिक स्था प्रति-रूप से कि शित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय काँ बाबता, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व से कभी करने या उससे बचने में स्विधा को निए; जोर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की; जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किला गया था विद्या छाए बाहिए या, कियान में वृक्षिया के दिए।

कतः कक, तक्त किभिनियम की भारा 269 प की अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की स्पर्धारा (1) के बधीन, निम्निसिखित स्पक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गंगा राय, सा---रामजी चौक, दिवा, पटना।

(म्रन्तरक)

(2) श्रों कार श्रह कारी गृह निर्माण समिति, लिनिटेड, सा—इन्द्रा नगर, पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों वर्ष मृत्रां की नामील स 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किया मा स किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किये मका है।

मनुसूची

परती जमीन जिनका रक्तवा 36 1/2 डिगमिल है तथा जो द्रीया मबदमपुर, पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में विभिन्न सं० 3681 दिशाँक 11-3-1985 सें वर्णित है, तथा जिनका निबंबन रजिस्ट्रार आफ एस्तोयरेंग कल इता के द्वारा सम्बश्च हुआ है।

> दुर्गा प्रभाद, सक्षम पदाधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

सारीख: 13-11-1985.

प्ररूप काई टी एव एस, -----

आयअपर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरक्षिण) ग्रजेन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निदेशक सं० III-1038 मुर्जन्। 85--86:-- म्रानः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जि को सं० वार्ड नं०- 7-बो०, होल्डिंग नं०-560 एम० एस० प्ति० प्तेट नं०-1737, 1738, 1739 है त्या नो नगरा टोजी, थाता-लालपुर, जिला-राची में स्थित है (प्रीर इत्तरे उपलब्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ग रूप में वर्गित है), रजिन्द्री कर्ता ग्रीध कारी के कार्यालय रौंची से रजिल्द्रो करण श्रीयिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित सजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफाल से एसे रूप्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया यथा है :---

- (क) बन्तरण व हुपूर्व किडी जाम की बावत, अध्यक्ष विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; व्योर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उपने अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना काहिए था, छिपाने में भृतिका के निए।

बत: श्व, उक्त अभिनियम की धरण २६० म से अपराप्त बो, बो, सबन अधिनियम की धरण २६० व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्रीमती हरबन्त कौर भाटी, जोजे सरदार हरवीन सिंह भाटी, सा०-नगरा उपली, थाना---ल.लग्रुर, जिला---राँची ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री भ्रनिल कुमार साहू पिता सव० राम, किस्टों साहू, सा०,याना—ितल्ली, थाना—लालगुर, जिला—रौंची।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्छि, के अर्जन के निष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हुई, के भीतर पूर्वेदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-त्रव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किये जा सकती।

स्पष्टोकरण:---हामे प्रगुवत शादा और पतां का, जो उसके अधिनियम के अध्याय 20-क को परिभाषित ही, वहीं अर्थांगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्सूची

जमीन मय मकान जिनका रकता 3 कड़ा 14 छटौं क 13 वर्ग फीट है जो नगरा टोनो, याना—ल.लपुर, जिला—राँचो में स्थित है तथा जिनका पूर्ण वित्ररंग वितिक। संख्या—3395 दिनों क 25—3—1985 में विगत है और जिनका निकल्यन जिला अतर निबन्धक पदाधिकारी, राँचो के बारा सम्यन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधि हारो, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जं न परिक्षेत्र, पटना

तारीख . 7—11—1985 **भोहर** ध प्ररूप बाह् . टी एर . एस .-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 209-प (1) के न्थीन सुचना

भारत प्रदकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र पटना,

पटना, दिनौर 13 नवस्बर, 1985

निदेशक सं० III-1036/श्रर्जन/85-86:—श्रतः मुझे, दुर्गा प्रताद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित, जिसका उधित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीरिजनिकी संबस्य निविध्य है। लिंडिय नंव 137, प्लीट नंव 27/37 पुराना खे परानव-2358 तोजी नंव 1333 मोहल्ला-- पड़ी बाजार, मुंगेर में स्थित है (श्रीरिकासे उपावद्ध श्रनुपूचा में श्रीरिप्गं रूप से खिला है), रिजिस्ट्रा हर्ता श्रीव हारी के कार्यालय, बाजाई में रिजिस्ट्री-करण श्रीविध्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीत, तारीख 20-3-1985

करं पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और एके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहास से अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और बम्से रती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देष्य से नश्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व मों कभी करमें या उससे बचने मों सुन्निधा के लिए; और/या
- (ल) एसो किसी कार या किसी पन या अन्य नास्त्रियां का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्त जो विनयम, या पन- कर अधिनियम, 1957 (1957 दी 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: तम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमतो उमा रातो ताहा जीजेश्यो सनुधन प्रमादि तिहा सा०—मोतोहाररो प्रतुता बाजार चीह, याना—प्रोताहारो, जिला—नोतोहारो (ग्रिहार) (श्रन्तरह)
- (2) श्रीमती चन्द्रावतो देवी जीजे, सीता रानी, तैथरीवाल, सा०|मोहत्ला--वीक वाजार, थाना--कोतवाली, जिला--पुगेर (बिहार)।

(श्रन्तिरती)

को ग्रह सूचना जारी करक पृथिकत सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कांग्रें भी बाह्रोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हो, क भांतर प्वींक्स ध्यक्तियों मा स वि.सी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उन्त स्थावर संपत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखत मो किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमा प्रयुक्त काब्यों और पर्यों का, जो उवत कायकर । अधिनियम के अध्याय 20-क में विश्वाणिक है, वहीं अर्थ हागा, को यस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीत मयएक मंजिला महात जिनहार हवा 2 कठडा 10 धुर धुरकोह है जो मोहल्ला-पड़ी बाजार, मुंगेर में स्थित है जया जिनका पूर्ण वितरण बीतहा पड़ा-1488 दिलाँ है 20-3-85 में विजित है और जिल्हा दिला अवर निल्य होता करते, त्रावई के द्वारा समान्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रपाद, ाक्षम प्राधिकारी नद्धन व्रष्टांसकार आधूनः (विरीक्षण) स्रजैनपरिक्षेत्र, पटना

सारीख: 13-11-1985

मोहरः

प्रकृष आई. टी. एस. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना पटना, दिनांक 15 भवम्त्रर, 1985

ि मिवेशक सं० IJI--1052/अर्जम/85--86:---अत: मुझे, र्गा प्रसाद

जायकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त जीधनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी की वह विकास करने का जारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित काजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० थाना नं०-53, तौजी न०-5299, खाता न०-50, प्लाह नं०-39 है तथा जो मौजा-सम्बज्युरा, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधड अनुसूची में भोर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दानापुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 27-3-1985

माँ प्रॉक्त संपरित के उपित बाबार मूल्य से काम के उत्यक्षान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और मूळे वह विश्वास कार्य का कारण है कि नथाप्वॉक्त स्वम्यित का विश्वास कारण का प्रतिकास के एवं क्यावान प्रतिकास के प्रवे क्यावान प्रतिकास के प्रवेतितितियों) के बीच एवं बंतरण में सिक्त तम प्रामा गथा प्रतिकास , निम्निजिकित स्ववीपन में स्वक्त अंतरण जिल्लित में नाम्स्तिक क्यावान हो।

- (क) जनसरण ने हुई जिल्ली बाव की वाबस, उपक जिथिनियम के अधीन कर दोने के जंतरण के पारित्य में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के लिए; जीर/मा
- (था) जेपी किसी नाम मा किसी भन वा अन्य जास्तियां करे, चिन्हें भारतीय नायकार निर्मानयम् 1922 हैं। 1962 हा 11) वा चवत विधिनयम्, या चन-कर निर्मानयम्, 1957 (1957 का 27) के बक्ते अभिनयम् नन्ति वृद्धारा प्रकट नहीं किया वना था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विभा के लिए;

(1) श्वी मित्र मारायण राय, पै०--विष्णु गौप, सा०--सवजपुरा, थामा---दामापुर, जिला--पटमा।

(अन्तरक)

(2) श्री नृपेन्द्र चन्द्र घोष, पै०---उपेन्द्र मारायण घोष, राजवंगी मगर, पटमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुम्म करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्तिया;
- (क) इस स्थना, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अधोहस्ताक्षरी के नास सिकित में किए वा तकने।

रनकांकिएण:—इसमें प्रयुक्त सन्धी और वर्षों का, जो उनके अधिनियम तो अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं सूर्व होना जो उन स्थाद में दिया नवा होत

नमुख्यी

जमीन जिसका रक्या 15 1/2 डिशमिल है तथा जो मौजा— सवजपुरा, याना—दे(नापुर, जिला—पटना में स्थित है एतं जो पूर्ण रूप से विसका संव 1442 विभाक — 27—3—85 में विणित है तथा जिसका निबन्धम अवर निबन्ध ह दानापुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रभाद, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, पटना

नारीख: 15-11-1985

प्रकृप आहे, टी. एन . एस : *********

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भान

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक गायकर वायकत (निर्दाक्त)

अर्जभ परिक्षेत्र, पटमा

पदमा, दिभाज ७ भवम्बर, 1985

मिदेशक सं० III-1043/अर्जभ/85-86:--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उन्नस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निरुधास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० सर्वे प्लोट नं०-1151, सब प्लोट नं० 300/ए०, होल्डिंग नं०-687/एफ-1, खाना नं०-123, थामा नं०-202, खेवत नं०-4 है तथा जो, सुखदेव नगर, रातू रोड़, रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राची में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त जन्तरण कि बिस में नास्तिक रूप से कथित निर्माणिया में अस्तरिक में अस्तरिक में अस्तरिक में अस्तरिक में अस्तरिक में अस्तरिक में स्वारिक में अस्तरिक में स्वारिक से स्वारिक में अस्तरिक में अस्तरिक में अस्तरिक में स्वारिक में स्वर्ण में स्वारिक म

- (क) अलारण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने या उससे स्थान में सुविधा के लिए। बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः स्व, उन्त सिंधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिविष्ठ नाजिसकाँ अधित क्रम्म (1) श्रीमती महेन्द्रा कौर जोजै, सरवार जोगेन्द्रा सिंह, ग्रां०—लग्तू रोड़, थाना—सुखदेव मगर, जिला—लोची ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश अग्रवाल जीजे—श्री शशी भूषण अग्रवाल, सा०—रातू रोड़, थामा—सुखदेव नगर, जिला—रांची।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्षवतः सम्मत्ति कौ वर्णन कौ संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब्ब्र्थ किसी मन्य विकत द्वारा अभोहस्स्याक्षरी के पास तिविद्य में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

भगुसूची

जमीभ मय मकाभ जिसका रकवा 2 कठठा 8 छक्षंक है। जो सुखदेव नगर, रासू रोड़, रांची में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण तसिका संख्या—3561 दिशांक 28—3—85 में विणत है श्रौर जिसका भिवन्धन जिला अवर भिवन्धक पदाधिकारी, रांची के बारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्रदाधिकारी, निरीक्षी प्रहायक आयक्तर आयुक्त, अर्जेभ परिक्षेत्र, पटमा

तारीखा: 7-11-1985.

मोह्नर :

प्रकार बाह्", टी, एन्, एस्, इस्तानसम्ब

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन सुचना

भारत संदकार

कार्याक्षम, सहायक कायकर नाव्यक (निर्देशिन)

अर्जन परिक्षेत्र, पटमा - पटमा, दिनांक 13 नवस्थर, 1985

निवेशक सं॰ III-1044/अर्जन/85-86:--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चाव 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० याता नं 0-15, तीजी नं 0 145, खाता नं 0-209 सर्वे प्लोट नं 0-522 है, तथा जो जकरियापुर, अहमदाबाद, पटन ६ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), शिजस्ट्री अर्चा अधिकारी के कार्यालय, एल कसा से शिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 25-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाशार मूल्य से कम के इस्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उस्यमान प्रतिफल का पल्ला प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंटरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यन स्मान ही किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुए फिली नाय को बावत तक्त बिध्व कित्य के बचीन कर धने के बन्तरक के बादित्य वें क्रमी खुड़ने या उत्तक बचने में सुविधा के बिए। बार/या
- (था) एजी किजी अब या जिसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया अना थाहिए था, डियाने में स्ट्रिया से जिहा,

क्षत्र धर जन्त अधिनियम औ धारा 269-म के जनसरम भ , में , जन्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) में अधीन, निकालिविक स्पवित्वां, अर्थाव् क्ष्या (1) श्री सरजुग राय (2) युगल राय, (3) परमानन्द राय, (4) साव कुमार राय, सा०—अकल टोला; थाना—फुलवारी, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्य मगर सहकारी गृष्ट निर्माण समिति लि॰ सा॰—दिरमापुर गोला, थामा—कदम कुआं, पटना।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना पारी करके प्रविक्त सञ्पत्ति के अर्थन के सिंधु कार्यवाहियां करता है।

चनत संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध--

- (क) इस स्थान के एजपन में प्रकाशन की तारीब थीं, 45 दिन की अपिश्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो शीं जनविश्व मां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्ष्मना के श्वभन में प्रकासन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि । नियम के अध्याय 20 के वें परिभाषित हैं ॥ वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।॥

भनुसूची

जमीन जिसका रकवा 1 बिगहा, 5 कठठा,4 धुर, 15 धुरकी है जो जकरियापुर, अजीमाबाद, पटना में स्थित है पथा जिसका पूर्ण विवरण विसका मंख्या—I-4411 दिनांक-25-3-85 में विणित है और जिसका विबन्धम सब रिजिस्ट्रार आफ एस्योरेंसज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम पदाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त,(निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत, पटना

गारी**ख**ः 13–11–1985.

प्रकार वार्ड हो हम एवं -----

भायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

बाइत बच्चा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटभा, दिमांक 13 मवम्बर, 1985

निदेश र मं० III-1022/अर्जम/85-86---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह । जहवास करने छ। भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रं. से विधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० खाता नं० (पुरामा) 1299 खसरा न० पुरामा— 1161, 1156, 1166 (पार्ट) खाता नं० (नया) 69. खसरा नं० भया—180 148, है, तथा जो म्यूमिसिपल, होल्डिंग न०-8, बार्ड नं०-28, मीजा—मौहम्मद पुरशाजी, जिला—मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है),रजिस्ट्री हनीं अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्री-करण जिल्लिम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, नारीख 14-3-1985

की पूर्विवित तम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अवभाव श्रीतफल में लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने वह विक्यास करन को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पन्तुस् प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया क्या अतिकृत, निम्नालिक्त उद्देश्य से स्वतः अन्तरण निविद्य में वास्तिविक कप से अधित नहीं किया बया है है——

- (क) अन्तर्फ संदुर्व किसी बाद की बावत, उमल कीथ-नियम के नधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नौर/ख
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी भन या सम्य जास्तियों कर. जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 में 192. जे 11) कि के जिस्सी सा भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, (छपाने में युनिभ) में सिक्षा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाव् क्र—— (1) श्रीमती मुणीला देवी जौजे—श्री कामेण्वर प्रसाद, सा०—मामपुर, थामा—दिघवारा, जिला—मुजफ्करपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र माधव प्र० वर्मा, पै०--श्री चौधरी जगवीश नारायण, सा०-मधुबनी, थामा-फेतहारा, जिला---पूर्वी चम्पारण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की जबिध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी बबिध वाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भींतर उक्त स्थायर इस्पीत में हिता-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को अवह अधिनियम, को अधीन अध्याय 20-क में परि-शाक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका नवा है।

जन्सूची

जमीन जिसका रकबा 2400 वर्ग फीट है तथा खाता नं० (पुरामा) 1299, खैसरा नं० (पुरामा) 1161, 1156, 1159, 1166 (पार्ट) खाता नं० (मया) 69, खसरा नं० (मया) 180, 148, म्यूमिसिपल होल्डिंग नं०—28, वार्ड नं०—28, मौजा मोहम्मद-पुरकाजी, जिला—मुजफ्करपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में वसिका सं० 4635 दिमांक 14—3—85 में विणित है नथा जिसका मिबन्धम जिला अवर मिबन्धक मुजफ्करपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन परिक्षेंत्र, पटमा,

नारीखा: 13-11-1985

क्षण नार्द्ध को ब दन⊕ दस_ो करणारणारणा

भाषकः स्थितियम्, 1961 (1961 कः 43) की नार 269-म् (1) के नभीत् श्वा

भारत करकात

कार्याभव , कहारक वायकर वायुक्त (र्नेगरीक्षक)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाह - 7 नवम्बर, 1985

निदेशक मं० III-1037/ग्रर्जन/85-86---श्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद

नायकड निर्मायन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' काझ पथा ही, की पारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकाद करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० होस्डिंग नं० 535, एम० एम० प्लाट नं० 1737 है, तथा जो नगरा टोली, थाना लालपुर जिला राची में स्थित है (और इससे उपजब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के नामिल्य राची में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य को कम के अवसान प्रतिकास के सिए बिन्तरत की नई है और कुछ यह विश्वात करने का अपरण है कि बचा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्नके अवसान प्रतिकास के बच्चह प्रतिकास के विश्व के विश्व है जॉर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एके बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्निसिक्त ज्ञानिय के बच्चन के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्निसिक्त ज्ञानिय के जनत बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्निसिक्त ज्ञानिय के जनत बन्तरण कि लिए तम पामा वा प्रतिकास कन के का बिन्त नहीं किया नया है डिल्ला

- (क) अन्तरण से हुई जिली भाग की नासता, बनर विविद्यम् के वर्षीण कर दोने की शंसरक के वाजित्य में कामी कारने या उससे बचने में मृत्रिक्षक के लिए। अनेत्रप्रः
- (व) दोती किसी बाद वा किसी थेन वा सम्ब शास्त्रका की, जिन्हों भारतीय बादकार निर्मानकार, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानकार, या धन-कर निर्धानसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट महीं किया गया वा सा किया जाना चारिए सा, जिपाने में सुविधा के शिक्ट।

जतः जय, उपत विभिन्नियन की भारा 269-य को, जब्रुवयम मी, भी, उपत विविद्यन की भारा 269-य की एपभारा (1) के अभीय, निम्मलियित व्यक्तियों है सम्बर्ग १---- (1) भरदार हरदीस सिंह भाटी पिता स्व॰ भरदार प्रेम सिंह भाटी, भा॰ नगरा टोली. स्थाना लालपुर, जिला राची।

(খনর চ)

(2) श्रीमती साधना साहू जीजे श्री श्रीनल कुमार साह, सा०/धाना सिल्ली, जिला राजी।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाहियाँ करता हुं।

क्का क्रमारित के क्वीत के सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप 🗫

- (क) इस सूचना के राजपूज को प्रकाशन की तारीश है 45 किन की जबधि या तत्स्वस्थानी व्यक्तियों प्र भूजना की तानीज्ञ से 30 दिन की नृष्टिंग, जो और अधि वाद में क्याप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के एवपन में प्रकाशन की ठारींव से 45 दिन के मीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवपुष क्यांकर कमा कर वाद्य क्यांकर क्यांकर क्यांकर वाद्य स्थावत में किए का सकेंगे।

स्थानिकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्यों और पद्यों का, यो उनस् वीधीनका, के सध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्यप्य में दिया गया है।

प्रनृतुषी

जमीन मय मकान जिसका रहवा 4 कट्टा 10 छटांक है। जो नगरा टोली थाना-नालपुर, जिला राची में स्थित है तथा जिसका पूर्ण चित्ररणचित्र संख्या 3393 दिनाक 25-3-85 में वर्णित है और जिसका निजका निजन्धन जिला अवर निजन्धक पदाधिकारी, राची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद ⊐क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

नारीख: 7-11-85

महिर.

अध्यक्षर विधित्तम्भ 1961 (1961 के 19 की छन्। 269-भ (1) के अधीम सुचमा

HARL BEFARE

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिला∜ 11 नवस्वर, 1985

निदेश र III-1029/प्रश्वा/85--86 - श्रत मुझे दुर्गा प्रसाद

भाषकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात जयल लेपान्तर कहा गया ही), की धारा 269- है के अधीन सभाम प्रामितार दा, यह विश्वास कर, का कारण है कि स्थावर स्मान्ति जिल्ला। जीवन बाखार मुख्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्लों से कारा संक 57 एवं 96 प्यान संक 1254, 1255, 1262 मा । १० 51 है तथ जं, जोरा फट्य, धनबाद में स्थित ह (आर इत्य प्रपल्ब्ध चनुसूची में और पूर्ण क्य में विभिन्न हें) निर्मूत मी विभिन्न संन्ति । भारति । भारति । भारति धनवाद में रिफ्ट्रिंग प्राण इति । इसी । १००६ (१९०६ । 16) के अवीत जारी**ख** 28-43-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम क इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से बिधवक है और अन्तरिक (अन्तरक) और अत्तरिती (अन्तरितयां) को बीच एसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित अहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्थ में हुई कियों काथ की राष्ट्र, अवस् सीप्रियम के अधीर कर दोने के बंदरक के बावित्य में क्षी करमें या उत्तरों भूषण में सुनिधा के किय; मीर, पा
- (क्षं) चुनी किएरी अध था किसी वृत्र या सम्य आस्तिनी कर्ता, चिन्नृ भाग्यीप आयकार विभिनियम, 1922 (1922 फा 11) का उनसा अधिनियम, या अत कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती बुकारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के मिए:

ात अम, सम्त वाभिनियम की भाग 269 म के अन्सरण म, ही, भार मिनिया १६८ एक १८८ म ही अपना (१६ के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों मुर्थाह :-- (1) त्यार जुनशीप हिंह बरहरा, पिता अरदार हरनाम शिह् बरहरा, मा०/धाना झरिया, धरम तना रोड, धनबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देती जाँजे बालक्रुष्ण भगरथा सा०/याना झरिया, जिला धनबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना भारी सम्बक्त पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के कियू कार्यज्ञातिकृता कारता हु ।

नामने सम्मोत्ते क नंतिन का मान्द्रत्य म अनाह ना नास्त्रम ,---

- (स) इस सूच्या के त्रक्यक में प्रकार्क की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचक को लागील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी वर्षात बाद में समान्त होती हो के भीतर प्रोंक्स योजना के किया कार्या कार्य
- (क) इक्ष ब्रुचना के राजनुष को प्रकाशन कर उस्तीय से 45 विषे में भीतर संक्षा स्थावर सम्पत्ति को हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास दलस्ति को किस् या सकोंगे।

स्परकीकरण । इश्वन प्रयोधीर वर्षों का , दो सबस शिक्षिनियम के सम्बाद 20-के में परिभाषिक हो , उसे प्रश्तिक के सम्बाद 20 के में परिभाषिक व्या हो।

अमुस्ची

जमीन मय महान जिना गाराज्या 1 स्ट्ठा 11 1/2 छटाक है जो जोरा फाटफ, धनबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्का संख्या 3136 दिनाक 28-3-85 में विणित है और जिसना निवन्धन जिला अवर निवन्धक पदाधिकारी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षी) भ्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

नारीखा. 11-11-85 मोहुर्

प्ररूप आर्द्र . सी . एन . एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना I

पटना, दिनाक 13 नवस्बर 1985

निदेश र मं० 3-1048/श्रर्जन/85-86--श्रप्त मुझे दुर्गा प्रसाद

मायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनयम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सभन प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्राह्म नं० 281, तौजी न० 597 खाता नं० 545, धाना न० 12है, तथा जो कुम्हार, सुननात्मक, पटना में स्थित हैं (और इसमे उपनब्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण व्य से विणित हैं), रिप्तस्ट्री इनी अधि गरी के कार्याक्य व्यन ता में रिप्तस्ट्री रण अधित्यम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख 18-3-85

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रसिक्त के लिए अंतरित की कई है और मुक्ते वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित कारण मूल्य, उन्नके रहयमान प्रशिक्त से, एसे रहवमान प्रशिक्त का प्रस्त का स्वाप्त का प्रसिक्त की एसे रहवमान प्रशिक्त का प्रस्त की आधक है और अंतरक (अंक्षरकों) और अंतरित की (वितरित्ति के बीच होने संसर्क के सिए तम पामा गमा प्रसिक्त, जिल्लिस कि स्वाप्त के सम्बद्ध के स्वाप्त के सिए तम पामा गमा प्रसिक्त, जिल्लिस कि के सीच होने संसर्क के सिए तम पामा गमा प्रसिक्त, जिल्लिस कि के सीच हों किया गमा है '——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त अधि-रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्व में कमी अपने या उससे बचने में मूबिभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बस गन, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अनगरण में, मैं, उसत अधिनियम को धारा 269-स की रणशारा /11 के बधीन, निस्तिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) की गार घमा गान गाव कुन्हा, भुरतास्यक, पटना

(प्रन्तरह)

(2) श्री घलपा धय वरजोत्रा हारी गृह निर्माण पीमिति लि०, भा० करष्ट्रवाण, पटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

जनत सम्पत्ति के भर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सबना के राजधन में प्रकाशन की ताबाब से 45 दिन की अवधि ना नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीब से 30 दिन की अवधि, जो भी बचीध वाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इन अल्बाम के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिए के भीकर स्थावर सम्पत्ति में हिसकक्ष किसी सम्पत्ति के पात निकास में स्थिए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम, के उध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो सब अध्याय में विया गया है।

नन्स्वी

निमीत जिए घार यंत्रा 15 डिम्पात है जो क्रहार, पुलतान-गंत, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विचरण वसिया संख्या 1-3994 दिनार 18~3 -85 में वॉणत है और जिसका निबन्धन सब रिजिस्ट्रार प्राफ एप्योरेस, गा ता है हारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गौ प्रभाव सक्षम प्राधिकारी सहायण व्यायणर व्यायक्त (विरी**क्षण**) सर्वेन प्रिकेट, बिहार, पटना ।

ागीख 13 ·11--85 मोहर: प्रसम्य कार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनाङ 4 नयम्बर' 1985

निदेश सं० 3-1004/प्रजैन/85-86--- प्रत: मुझे दुर्गी

प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिपकी मंद्रप्लाट नंद 27 एवं 28, हो स्डिंग नंद 525ए, मिकल नंद 13, वार्ड नंद 5, है, तथा जो मोहल्ला पार्क रोड, यदम कुआं, पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणित हैं), रिजिस्ट्री एती अधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्री एरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 28-3-85

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्तृत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और बंतरिकी (अन्तरिकियों) को बीच एसे अन्तरिण को लिए तय पाया न्या पितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ट अन्तर्ण सिकित को बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासिक में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के शिष्ट; बौर/या
- (क) ए शी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इंड अधीन, निस्नसिचित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्रीदेशी प्रयक्ता भटर्जी
- (2) श्री शिया प्रसन्ना चटर्जी
- (3) श्री अम्बिका चरण चटर्जी
- (4) श्री भोला नाथ चटर्जी
- (5) श्रीमती सोवाचटर्जी , ए/4, पारीजीत ग्राउन्ड, फ्लोर, बान्दरा रैक्लेमेशन, बम्बई-400050

(मन्तरक)

- (1) श्री जगदीश प्रमाद श्रग्रवाल
- (2) श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल
- (3) ओम प्रकाश अग्रवाल
- (4) श्रीमती पुष्पा देवी श्रग्रवाल नाला रोड कदमकुद्या थाना कदमकुद्या पटना

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्चन के विद कार्यवाहियां करवा होतु।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवज में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों सो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति वृवाहा अधोहस्याखरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्दों अदि पदों का, को अक्त विधिषयम, को अध्याय 20-क में परिशाविष ही, कही नर्थ होगा को उस कथ्याय में दिवा नया ही।

वर्ष्या

जिमो । मय दो मंजिला मकान जिसका रकवा 2 कट्ठा 12 1/2 धर है जो माहला पार्क रोहे थाना कदम कुमां पटना में स्थित है और जिनका पूर्ण विवरण वसिका विनांक 28-3-85 में वर्णित है और जिसका निवन्धन सब रिजस्ट्रार बम्बई के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) ग्राजैन परिक्षेत्र बिहार, पटना ।

नारीख: 4-11-85

प्र**रूप जाइ^र्टी. एन. एस. ---- *****

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-प (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जेत परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक - 15 नवस्त्रर, - 1985

निदेशक नं० 3-1054/प्रजैन/85--86--सन: मुझे दुर्गा प्रशाद

आयकर अधिनिंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्राचात 'उब्ल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र . से अधिक हैं

और जिनकी संव तोजी नंव 5854 थाना नंव 17, खाता नं138, खारा नंव 461 है, तथा जो किन्द्रपुरा, प्रगन्ना लफ्वारी, थाना दालापुर, पटता में स्थित है व्योर इतने उपलब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विभिन्न है), रिनम्ड्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यात्रय दानापुर में रिजम्ड्री एण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, माँ, रक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 7—386GI/85 (1) श्री वंशी मह्ती पं० स्व० भगवान महती नय्मरगन, शाना दानापुर, जिला एटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मैसर्म मोदी प्लासटिक्स, लिमिटेड 107, पाटलीपुत्र कालोनी, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीए भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्तवा 3 कट्ठा है। तथा जो मौजा सिकन्द्र-पुरा, प्रगन। फुलबारी, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वर्णित है सं० 1245 दिनाक 15-3-85 में वर्णित है तथा जिला निवन्धक अवर निवन्धक दानापुर के द्वारा सम्पन्न हुआ। है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

नारीख: 15-11--1985

प्रारूप आहुं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन पश्क्षित्र बिहार, पटना

पटना, दिनाह । 11 नवस्बर, 1985

िदंग र स० 3-1057/धर्मन/85-86---श्रत मुझे दुर्गी प्रशाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) तिससे इतमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269-क के अधीय सक्षत्र जाधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापर धन्नतिस्त, विश्वास उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और निक्षि सं ज्लाह नं 57, खाता न 36 है, तथा जो राजापुर, मैं तपुरा पटना में स्थित हैं (और इन्ने उपतब्ध अनुस्मिनों में और पूर्ण रूप में विश्वत हैं), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारों के सायात्रय कल इता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 27-3-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाषार मून्य है कम के अक्नान प्रतिश्रम के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधावृष्टित संस्थित का उपित वाषार मून्य उसके उपयोग प्रतिकत्त से, ए'से उपयोग प्रतिश्रम का बलाइ प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्धिरती (अन्तरितियों) के बीच इ'से अन्तर्य के निए तब बाग जवा प्रतिश्रम , निम्निलिखित उन्हों किया वया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त सिंपिनयम के सभीन करू दोने के अन्तरक की वामित्य में कभी करने वा उससे बचने में मृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा कंन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवल अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट हो। दिया गया या या किया जाना चाहिए था, शिपाने में स्विधा जै लिए;

ति अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, भें, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन ेरम्मलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रो चिणनदेव सिंह, सा० मराची, थाना चौक, के कलान, जिला पटना

(अन्तरक)

(2) श्री सह्यानो नगर सहकारी गृह निर्माण समिति, लिमिटेख, राजापुर, मैनपुरा, पटना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशम की तारनेश से 45 दिन की सर्वीभ या त्रस्वेभ क्यां करिता पुद्र सूत्रता की सामील के 30 दिन की स्वर्धभ, को की सर्वीभ कार में सर्वान्त होती हो, के भीकर पूर्वीकर अन्तियों में ते दिवासी क्यांच्य कुमारा;

बहुध किली व्यक्तिय हजाय, अभोहस्वासाडी वै पत्र सिविश्व में बिए वा कवींमें।

अनुसूची

परती जमीन जिसका रकवा 30 डिनिमल है तथा जो मौजा-राजापुर मैनपुरा, जिला पढना में स्थित है एवं पूर्णरूप से चिक्तका सं∘ 1-4627 दिनां 5 27-3 •85 में विणित है तथा जिसका निजरजन रजिस्ट्रार प्राफ दनसोलेंग्न कल ला के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरीक्षी) श्राजन परिक्षेत्र विहार, पटना

तारीख 11--11--85 **मोहर** : क्षका बाह्य, टी. एक. एक.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) क्रे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर जायुक्त (निडुक्किण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनाँक 13 नवम्बर, 1985

निदेशक सं० III- 1059/ग्रर्जन/85--86---श्रतः मुझे, र्गा प्रसाद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें परशात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् याजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 144 खाता नं० 37 है, तथा जो सनवक, पहाड़पुर, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकता से रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 28-3-85

को पूर्वाक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिम्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नतिवित उद्देष्य से उक्त अंतरण निवित्त में अस्तिक कम से कृथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अंतरण से शुर्द किसी जान की नाजत, उपत अभिनियम के जभीन कार दोने के जंतरक की शायित्व में कभी-कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों हो किन्हूं भारतीय अध्यक्तर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के शिक्त

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री राम नरेश सिंह, सा० मरौंची, थाना चौक कलान, पटना

(भन्तरक)

(2) सहयोगी नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड राजापुर, मैनपुरा, पटना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बब्द सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (६) इस मृतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उपाय स्थावर सम्पन्ति में दिलबङ्घ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त भौधीनयम के जन्म 20-क में परिभाषित हो, वह। प्रश्री होता का उस अध्याग मी दिया गया है।

अन्स्ची

परती जमीन जिसका रक्तवा 30 डिमिमल है तथा जो मैनचक पहाड़पुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विसका सं ० 1-4623 दिनौंक 27-3-85 में विणित है तथा जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेंस के द्वारा सम्पश्च हुआ है।

दुर्गा प्रसद मक्षम पदाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 13-11-85

मुक्तप बार्च. टी. एत्. एवं.------

बायकर वृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के बधीन सूचना

नाहत सरकार कार्यास्य, सहायक मायकार नायुक्त (निरासिक)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना,दिनौंक 13 नवम्बर, 1985

निदेशक सं० III- 1061/ग्रर्जन/85-86---ग्रतः मुझे, दुर्गाप्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित् बाजार भृस्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 345 प्लाट नं० 611 श्रीर 612, है तथा जो सुल्तानगंज, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विजित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 18-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिपंजन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित के बास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण तं शुर्व किसी जाय की वावतः, उक्त अधिविद्यं से स्थीय कहा वंगे की जंदरक से वाक्तिय में कामी करने या उसने बच्चे में सुविधा के निष्: जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वी जिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, कें उपल अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) वै अर्थीच् विकासियांचा व्यक्तिनों, वर्षात् कर--

- (1) मसौमान पार्वती देवी, साहबगंज, सुल्तानगंज, पटना । (श्रन्तरक)
- (2) पूर्वी श्रशोक नगर सरकारी गृह निर्माण समिति, लिमिटेड, पटना-20 (श्रन्तरिती) वह सचवा चारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निग

को यह स्ववा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अदिभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो औ जबिभ केल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण: -- प्रसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उसके अधिनियम को अध्याय 20 क मी परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय श्री

भनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 24 डिसमिल है तथा जो मौजा-सुल्तानगंज, जिलापटनामें स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका नं ० 3997 दिनाँक 18-3-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन रजिस्ट्रार आफ एस्योरेस कलकत्ता के द्वारा सम्पन हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण , स्रर्जन परिक्षेत्र, बिह्मर, पटना ।

तारीख: 13-11-85

मोहरः

प्रक्य आहे. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, विनांक 13 नवम्बर, 1985

निदेशक सं० III- 1060/मर्जन/85-86---म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 1692 प्लाट नं० 3762 है, तथा जो मकदमपुर, याना दिघा, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कल हता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 26-3-85

को पूर्वे कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क म, निम्नुनिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिव्क रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वकने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था. कियाने में सृत्रिध के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मकदमपुर सहकारी गृह निर्माण समिति, लिमिटेड, पटना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सखा खातून, पाली कोठी, बाकरगंज, पटना। (श्रन्तरिती)

को बह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए काम्प्रकाहियां करता हुं।

उत्तर सम्पन्ति के शर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संभिन्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यापत्रत स्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में विषये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषुषी

जमीन मय मकान रकवा 4000 वर्गफीट है सथा जो मौजा-मकदमपुर, डा० वी० थाना दिया, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1--4449 दिनाँक 26-3-85 में वोगत है तथा जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार श्राफ एस्सोरेंसेस, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुस्रा है।

> दुर्गा प्रसाव सक्षम पदाधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना

तारीख: 13-11-85

प्रक्रम भाष्यः हो। एनः एसः,------

जामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को जभीन स्थना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाँक 15 नवम्बर, 1985

निदेश स० 3-1053/म्पर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० थाना नं० 53, खाता नं० 44, 111, प्लाट नं० 68, 92, तौजी नं० 5299, 316, मौजा-सवजपुरा, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इममे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दानापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-3-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्हिलीबत उद्वेश्य से उन्त अंतरण सिविक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ्रीक) वन्तराज्ञ वे हार्च किन्दी नाग की बावत, स्वत्रक्ष अभिनियम के अधीन अध्य को के कारतर्थ के वावित्य में सभी करने या स्वत्ते वचने में स्वीयभा से जिल्हा आदि/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म निभिन्यम, या जनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या या विकास जाना आहिए आ, कियाने में सुनिधा के जिए;

बाक: बाब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, कें, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे वर्धान, निम्मचिवित व्यक्तियों अव्यक्ति केंस्ल

- (1) श्री सरयुगसिंह पै० राम शारन सिंह, मौजा--सवजपुरा, थाना दानापुर, जिला पटना (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नृपेन्द्र चन्द्र घोष पै० उपेन्द्र नारायण घोष, राजवंशी नगर, पटना। (ग्रन्तरिती

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सबीध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाशर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए आ सकती।

स्थळीकरणः--इसमें अयुक्त सब्दों और पदों का, जो उम्रत मधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

मन्स्ची

जमीन जिसका रकवा 15 डिशमिल है तथा जो मौजा मत्रज-पुरा, थाना वानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण कर्प से वसिका सं० 1441 दिनाँक 27-3-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन श्रवर निबन्धन दानापुर के ब्रारा सम्पन्न हुझा है।

दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 15-11-85

प्रकल्प महर्षे. टी. एन. एचा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकरः आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनाकः 13 नवस्बर, 1985

निदेश २ 3-1049/प्रजेन/85~86---श्रतः मूझे, दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सों इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिता बाजार मूखा 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिनकी मं० प्लाट न० 384, होल्डिंग नं० 22/17 शीट न० 244 है, जया जो दरीब बाज बहादुर चौक, पटना में स्थित है (स्रीर इसमें उपाठ्य स्रत्भुची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता स्रिधकारी के दार्यालय दलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन तारीख 23-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ज्यबान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे अस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक श्रमन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के रिष्ए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से अक्त अप्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या बस्य असिसवाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बामा चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित राजिकाओं, अर्थात् :----

- (1) सरदार करतार लिहे (2) सरदार गरदीप सिंह् दरीबे बाज बहादुर, थाना चौत, पटना (प्रकारक)
- (२) श्री सन्य नागवण प्रसाद, रत० कथाराटा गली, थाना चींट, पटना (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वभा के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से
 - 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूबन की तामीन से 30 विन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति कशिकायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत सिवित में किए जा सकींगे।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्बा । कट्। 8 घुर है जो दरीबे बाज बहादुर चौक, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विसका सख्या 1-4324 दिना ह 23-3-85 में विणित है श्रीर जिसका निवनान सब रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेस, कलकत्ता के वारा सम्पन्न हमा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम पदाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख 13-11-85 मोहर प्रकरण आहे. टी. एव. एस.------

भाषकर जिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीन स्वमा

धारुट चर्ड्यार

कार्यासक, सहादक सामकट बायुक्त (निट्रीक्रक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनां रु 13 नवम्बर, 1985

निदेश र सं० 3-1047/म्रर्जन/85-86⊷श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंसें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तक प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जिसका अचित वाचार मस्य 1,00,000/- क. से विभवन हैं

भ्रौर जिपकी मं० घ्लाट नं० 271/272/283, तौजी नं० 72, खाता नं० 537. थाना नं० 12 है, तथा जो कुम्हरार, मुलक्षान गंज, पटना में स्थित है (भ्रोग इससे उपलब्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), पजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के लायिलय दलक्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 18-3-85

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के क्या के स्वयंकाय प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विशेष के अनुदार अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंशावृत्तीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दश्यमान प्रविफल से, त्रेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और कतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य में उक्त अंतरण मिचित में वास्तिक क्य से किथब नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी लाव की वावत, अक्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारिक्त में कमी करने या उससे सचलें में सुविभा के लिए; और/वा
- (च) एती किची आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें धारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

शत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उक्भारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ड्रॉन्स- (1) श्री राम प्रकाश प्रसाद, सा० कुम्हरार, सुलतानगंज,

(श्रन्तरक)

(2) अलपा अय वरजीमा सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, सा० कंकडुबाग, पटना-20

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी नाभेष 🚁 🕶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो और सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (स) इस यूचभा के राजपण में प्रकासन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के कथाय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किंद्रा कका है।

मन्स्यी

जमीन जिसका रकवा 34 1/4 विसमल है जो कुम्हरार, मूलतानगंज, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्वा संख्या 1-3992 दिनांक 83-85 में विणित है ग्रीर जिसका निवन्धन मब रिजम्ट्रार श्राफ एस्योरेमेज, कलकला वे हारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम पदाधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन पारक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 13-11-85

प्रकार कार्य : ही : हुन् : हुन् : ---

जानकाह मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

STEEL SECTION

क्यार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्राजन रजा, पटना,

पटना, दिनाक 13 नवस्वर, 1985

निदेशक स० -III-1046/श्रर्जन/85-86----श्रत मुझे दुर्गा प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० "लाट गं० 271, तौजी न० 595 खाता नं० 535, थाना न० 12 है, तथा जो कुम्हरार, सुलतानगज, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण का से बॉणन है) रिजिस्ट्रीरतीं अधिकारी के व्यक्तिय, अलकत्ता में रिजिस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 TI 16) वे भधीन दिनां इ. 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांत्तियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में शस्तिक स्प से कथित नहीं किया जवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कनी करने वा उचने वचने में सुविधा के किए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के सिष्ट;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बंगुसरण कें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन निम्नीलिखित व्यिक्तियों, अर्थांत ध— श्री बगाली यादव, मा० कुम्हरार, थाना, मुल्यानगज, पटना।

(ध्रत्नरह)

2 अला अथ वरजीया सहमारी गह, निर्माण समीप कि० साठ ककड बाग, पटना-20

(म्रन्त्रिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निय कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तिया में सामाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिसिट में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यान में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसारा राज्या 181/4 जिसमान है जो बुम्हरार सुरुपानगज, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ग विकासण बिसा सख्या-1-3995, दिनात 18-3-1985 में क्यांक्ट प्रोक्तिसान निबन्धन पवर्षजस्ट्रा, आफ एण्योकेनेक कलास्ता के द्वारा अस्पन्य नुखा है।

> दुर्गा प्रनाद नक्षम प्राधि परी सहायर स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज, पटना

दिवाह : 13-11-1985

- हि**र**ः

8-386GI/85

प्रस्थ बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

धारत करकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निदेश सं० -1031//ग्रजंन/85-86---श्रतः मुझे दुर्गा प्रसाद

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके वर्ष्यात 'उक्क अधिनियम' कहा थया हू"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं खाता नं 93, प्लाट नं 609, मिनिसिपल होल्डिंग नं 217, वार्ड नं 16, मौजा नं 51 है, तथाजो भागो हा नगर, धोबांटाड, धनबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री हर्ता भिक्तारी के कार्यालय, धनबाद में रिजिस्ट्री करण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 4-3-1985

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्या, उसके क्यानाम प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक्ता) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक रूप से कित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम संहुई किसी बाय की बाबत, ठावस विभिन्नम के बधीन कर दोने के अन्तरफ के बामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के क्रिया: और/शा
- (क) एंसी किनी आव वा किसी धन या अन्य आफिनयां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या जवत अधिनियभ, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ स्वाधित स्वाधित अवस्य महीं विद्या नवा वा वा किया थाना वाहिए था किसाने में स्विधा के निए;

णतः नगः, अन्तः विचित्रियमं की भारा 269-च की सनसरण में, मी, उन्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिसित व्यक्तिस्यों, अर्थातः :--- भीमती सरस्वती देवी, जौजे श्री राज कुमार साहू सा० गमछ।पट्टी, थामा झारिया, जिला धनबाद ।

(म्रन्दरः)

2. श्रीमती सरम्वती देवी, औजे श्री बैदयानाय सिंह मा० तेतुलमारी कोलवरी, डाकथर, सिजुमा, थाना तेतुलमारी, जिला धनबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सर्वनाहिन करता हुं!

उक्त सम्मति के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इंच सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, वो भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्थित दुसरा;
- (क) इत सूचना को राज्यक में प्रकाशित की तारीच कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच सिचित में किए वा ककों में।

स्वकाकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक वीधनिया, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वका ही।

भनुसूची

श्राजा हिप्पा 8 उट्टा, 4 छटांक, जमीन मय मकान के जो 3762 वर्ग फीट, जमीन पर बना हथा है तथा श्रमोक नगर घोबाटाड, श्रनबाद में स्थित है तथा जिस प्रापूर्ण विवरण वसिका संख्या, 2076, दिनांक 4-3-1985 में है।

दूर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिजारी सहायक श्रायक्त आयुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज बिहार, पटना

दिनांक : 13-11-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेगलुर

बेंगलुर, दिनांक 31 प्रक्तूबर, 1985

निवेश स० 46650/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० भारकाज नायकर विभिन्नयम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तन प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्व 1,00,000/- छ. से जिथक हैं

मौर जिसकी मं० 505/50 है, तथा जो 40कास, 8 ब्लाक जयानगर, बेगलुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची म भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 टा 16) के अधीन दिनांक 27-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तविक रूप से कर्याय नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से इ.इ. किसी भाग की बागत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृचिधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिनिखित व्यक्तिसवों, अधीत् :--- श्रोमती लक्ष्मी बाई दीक्षित, भ्रौर कुछ लोग, न० 551, I, स्टेज, इंदिरा नगर, बेगल्र ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भक्तावत्सलम्, ग्रीर कुछ लोग, नं० 291/69, II, मैन, 8 ब्लाक, जया नगर, बेगल्र ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सर्पात के वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं 3 5062/84, दिनांक 21-3-85) सम्यक्तिहै जिस मा सं० 505/50, जो 40कास, 8 ब्लाक, जया नगर, बेंगलुर, में स्थित है।

> भार० भ।रद्वाज सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेगलुर

विनांक: 31-10-1985

प्रकृत वार्ष् . दी. यून् . दुख . -- वटकार----

नावकर निभिनियम,, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नार्त् तरकार

कार्यानय, सहायक मायकर बायक्त (विरक्षिक)

श्चर्णन हे 🐫 बेगलुर

बेंगलुर, दिनाक 30 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० 46853/84-85 — अतः मुझे, आए० भारहाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-वा के जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 27 है, तथा जो मेंट जान्स चार्च, रोड, बेगलुर में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्री स्ति श्रीध गरी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्री रूप श्रीधिनियम 1908 (1908 ना (16) के श्रीधीन दिनाक 3/85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृल्य म कम के इस्यमान मितफल को लिए अन्सरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाप्नोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जौर बंतरक (बंतरकों) और अंस रिती (बंहरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिकल निम्नसिचित उद्वोक्य से उक्त बंतरण निचित्र में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिंधिनयम के अधीन कर दोन के बन्तरक वे शिंदित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिखा।

भत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 🖫 श्री के० के० श्रीनिवास गुप्ता, नं० 39, तोष्पा मोदलायार स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलुर।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती ए० पि० सबरा बेगम,
 नं० 26, मि० नं० I, स्ट्रीट,
 नाला रोड, बेंगलुर ।

(भन्तरिती)

को नष्ट भूषना पारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहिया सुक करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेय :---

- (क) इस तृचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीज स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो औ जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीव है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्यानि में हितबक्ष
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 निवित्त में किए वा सकीगं।

स्वक्रीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में विद्या नवा है।

अनुसूची

(बस्तावेज, मं० 3687/84, दिनांक 3/85) खाली जगह है जिसका मं० 27 जो मेट जान्स चार्च रोड, बेंगलुर, में स्थित है।

> श्रार० मारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 30-10-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बावकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 2'69-प (1) से बाकिन सूचना

भारत सरकार

कार्याययः, तक्षयकः भाषकर बाल्यकः (विद्रविक्र)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 46673/84-85—प्रतः मुझे ग्रार० भारताज वायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राणिकारी को यह निवशस करने का कारण है कि स्थापर समाति, जिसका उचित शाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सर्वे नं 0 166/1, 166/2 श्रीर 165/1 है, तथा जो मेकेरि विलेज, मङ्केरि तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रीकारी के कार्यालय, मडकेरि में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीधन दिनोंक 25-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार भूग्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्या का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र गंधार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के बन्तर प्रतिकत से अधिक है और बतरक (अंतरकों) और अंदरिती (अंतरिक्यों) के नैय एसे बन्दरक के सिए तम पाना रवा प्रसिक्त, निम्निक्षिण तब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित गर्ही किया प्रशाह है

- (क) अन्तरण वे हुव निती नाय की वावत, समय अभिनियम के बचीन कर बेने के अन्तरक वे वानित्य में क्षती क्षत्रने मा उच्च वचने में वृतिका के सिक्ट भीष्/भा
- (क) ऐसी तिकती जाय या फिली धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, वा धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष क्वारा अकट नहीं किया नया था वा किया जामा चतिहरू था, कियाने में सुविधा के किह:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुकरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के नभीन, निम्नतिकात व्यक्तियों. अधित् :---

- 1. (1) श्री के० एम० पुरुषोत्तमा,
 - (2) श्रीमती कें एम पूष्पावती,
 - (3) श्रीके एम माधवा,
 - (4) श्रीमती के एम विजया,
 - (5) कुमारी के० एम० जयन्त
 - (6) श्रीमती के० एम० कस्तूरी, मेकेरि विलेज, मडकेरि, ताल्लुक, कोडगु डिस्झिक्ट।

(भ्रन्तरक)

 श्री एम० पी० त्रम्भेय्या, रोहिणी, राजा सीट, मडकेरि के नजद्रीक, कोडगु डिस्ट्रिक्ट ।

(भ्रन्तरिती)

मा बहु नूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवासित करता है।

उपन संपत्ति के बर्चन के संयंभ में कोई भी वास्तेय :--

- (क) इस सुवना के राज्यन में प्रकासन की तारीन से 45 दिन की नवीं का तत्तंत्रंथी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीज से 30 दिन की जबिंध, को भी नवीं बाद में तबाच्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी क्या व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद विकास में किए का क्योंने।

स्वकारिक्तः -- इसमें प्रमुक्त धन्मां शरू पनी का, जो उनत न्यामित्रम, के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, कही अर्थ होगा को उस कथ्याम में दिया नवा ही।

धनुसूची

(दस्तावेज, सं० 1258/84, दिनौंक 25-3-85 सम्पत्तिहै जिसका सर्वे नं० 166/1, 166/2, श्रौर 165/1 जो मेकेरि विलेज, मडकेरि, तालुक में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनाँक: 30-10-1985

प्रक्षम मार्च, टी., एन. एस., -------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-प (1) के नपीन स्पना

भारत सरकार

क्रायासब, शासमक सायकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 30 श्रक्तूबर 1985

ग्रीरजिसकी सं० 353 है, तथा जो 4'टी', ब्लाक, जयानगर बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्तित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 4/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान शिव जात स एके श्वयमान प्रतिफ जा जा पहुड़ प्रतिशत से अधिक है जार अंतरक (अंतरका) लार अंतरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफ का, निम्नसिवित उद्वेदय से उच्त अंतरण लिवित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [क] मुक्तरण से हुन्द्र' किसी जाज की बावत सक्छ अभिनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक की धायित्य मा कमी करन वा उत्तक वभन्ने में सुनिधा के सिए; बीप्-/वा
- (क) एसी किसी आम वा किसी भग वा सन्य शास्तियों को, जिल्हें भारतीय आम-कर निभिन्नियम, 1922 (1922) की 11 गा तत्ति नाभिनियम, या भन-कर निभिन्नियम, या भन-कर निभिन्नियम, या भन-कर निभिन्नियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनाथ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहा । कमा पदा था या किया जाना काहिए था, कियाने में द्विभा के सिंद;

कतः अव, अकत अधिनियम की भारा 269-न को अनुसरण में, में अकत अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती नारसम्मा, नं० 91, मैसूर रोहै, त्रेंगलूर-18

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती एन० कम्ला, नं० 615, 10 मैंन, रोड, 31 कास, 4 ब्लाक, जयानरगर, बेंगलूर-11

(अन्तरिती)

को स्थ् जूषका थाड़ी करके पृत्रांक्ष्य बन्धरित के वर्षक के दिव्य कार्यनाहियां करता हो।

स्वत सम्पृति के नर्शन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेदा-

- (क), इस यूच्या के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 विने की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 विन की कालि, वो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा जथाहिस्ताक्षरी के पाक्ष हिम्मिक के किस जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम्, वे व्यवस्य 20-क वे प्रशास्त्र हैं, वहीं वर्ष होगा को उस मुख्याय के दिया। यहा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं०, 68/85, दिनौंक 4/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 353,जो 4'टी' व्लाक, जवानगर, वेंगसूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगलुर

दिनाँक :30-10-19**8**5

नोहर:

13-3-1985

प्रकार नाह्", टी. एन. एस. ----

बाबकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 30 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 46495/84-85---यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

बायकर बाँधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राके प्रवाद (जिसे माधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार म्न्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 4 है, तथा जो मिल्लार रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायस प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय गाँधिनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रीष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनौंक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यः से कम के द्वयमान बतिकल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रो यह निक्वात कर में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य , जसके द्वयमान प्रतिफल से , एसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और

- विन्तह प्रश्वित्वात संभाधिक हैं भार अन्तरक (अन्तरका) आरे अन्तरितौ (अन्तरितियों) को भीच एसे अन्तरण को निष् दय वाया क्ला प्रतिकत, निय्नतिवित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विक्रित में वास्वविक रूप से कथित नहीं किया गयन है :---
 - (क) जन्तरण ले हुई किसी आय की बाबत उपल अधि-निवम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में अभी काले या उसते बचने में सविधा के लिए; औष्ट/का
 - (क) एकी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त वाधिनियम, या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के जिए;

क्त: क्व. उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग जे जम्हरण मैं. मैं. उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की जयधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती लेलियम्मा, नं० 4, मिस्लार रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

2 (1) श्री उपेन्द्रा, माधव किनि,

(2) श्री एम० रामाचन्द्रा, नं० 3/4, मिल्लार रोड, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

की वह त्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रायनभ वें प्रकारन की तारीय से 4.5 दिन की अविध या तत्त्रम्बन्धी स्थित्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध स्थान के स्थान होती हों, के भीतर प्रोंक स्थानित या से स्थान होती हों, के भीतर प्रोंक स्थानित से से सिसी स्थानित स्थान हों।
- (क) इस सुभना के राज्यन के प्रभावन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ववृध किसी अन्य न्यन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाक विकित के किस्सा का स्कृति

स्थानका का अन्य कार पढ़ों का, जो अन्ध अधिनियं की अध्याय 20 क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया क्या है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 22/85, दिनाँक 13-3-1985) सम्पत्तिहै जिसका सं० 4, जो मिल्लार रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

विशोक: 30-10-19#5

मान् वार् ्टी ्ट्र . एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

धारत तरकार

शायां लय , सहायक गायकर आयुक्त (जिरोक्स)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 1 नवम्बर, 1985 निदेणसं० 46776/84-85--यत. मुझे श्रार० भारद्वाज

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें परशात् 'उन्स्त कथिनियम' कहा नया ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण शैकि स्थावर सम्मित्त, जिनका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक ही

ग्रौर जिसकी सं 21/1 (1/14 भाग) है, तथा जो बन्टन रोड, काम बेंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, णियाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 25-3-1985

को प्वोंक्य सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमन प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की बायत, उक्त निधनयम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तते वचने में सुनिधा के सिए; जॉर/वा
- . क, एपी िस्सी काम या किसी पन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारत (1) रे अभार, किन्ना लिखित स्वित्यों, अभीत :---- स्कैलैंन, बिल्डर्स, प्राइपट लिभिटेड,
 21/1, ब्रन्टन, फ्रास रोड,
 बेंगलूर-560025

(अन्तरक)

श्री लिल्ली पाल श्रौर श्री मान्यू पाल,
 7 कास, 7 मैन, 407, कोरमन्गला. ले ब्राउट,
 बेगलूर-560034

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किंग्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 3856/84-85, दिन^{ां} क्र 25/3/85) सप्पत्ति न० 21/1, में 1/14 भाग, जो नन्दन रोड का म, बेंगलूर में स्थित है।

श्चारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रावकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

निर्माक 1-11-1985 रेजर

प्रस्य भार् .दी..एन..्युस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंच, बेंगलून

बेगलुर, दिनाक 31 भ्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 46738/84-85--- श्रतः मुझे श्रार० भारत्राजं भायकर अधिनियम, 196'1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित आणार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० 58 है, तथा जो I, मैंत रोड, ादनीना समण-प्रमण, बेंगलुर में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में ग्रौर जो पूर्ण का ने विधान हैं) एजिस्ट्री एकी श्रीध पारी के वार्यालय श्रीरामपुरम, में रिजिस्ट्री एरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनों । 11-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कल के रहममान् प्रिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रिक्तिल सं, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिकात, निम्मलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई फिसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक को दायित्व में कभी अरने या उनने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को. जिन्ही भारती। अग्रिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धर भनकर अधिनियम, धर भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधर के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) दे अधी> निम्मतिखित ग्यक्तियों, अर्थात :---

9-386GI/85

- 1 (1) श्री एच० मुनिनंजाप्पा,
 - (2) कुमारी वाणि और श्री उमेश (मैनरस) नं 17-ए, 13 भैन रोइ, मल्लेश्वरम, पश्चिम, बैगलुर-3

(भ्रन्तरक)

2 डी० सम्पागिराम, नं० 30, I, मैंन रोड, मारुति एक्सटेंशन, श्रीरामपुरम, बेगलुर -21

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिटित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कर राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दमावोज संव 1032/84, विनास 11-3-1985) सम्स्तिहै कि का लाव 58 (उचारभाग), जो रिसन रोड, लाक्ष निरास राष्ट्रिस, बेल्यु में वितारे ।

> भाग्य भागाजि सक्षम पाधि ारी रहाय व्याप्त प्रायक्त (चिरीक्षण) सर्वस्य केल, बसल्द

दिनां ? : 31-10-1985

3/85

परूप आर्थ ही एन एस -----

आयक्षप्र व्यक्षिनियग, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेगलुर

बेगलुर, दिनाक ३। श्रक्तूबर 1985

निदेश प० 46668/81-85—या सुझे ग्राग्ण भारद्वाज भागकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें श्रांक पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं भिक्र स्थावर सम्बक्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सु 2880/26 हैं, तथा जो 14 मैन रोड, हे ब्लाह, II स्टेज, राजाजीनगर, वेशलुर ने थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से बणित है) र जस्ट्रो कर्ता श्रिधिहारी के कार्याप्य राजाजीनगर, में र अस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 मा 16) के श्रिधीन दिनाव

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रियमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उकत अतरण लिखित में बास्तिथक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन क्षर दोने के अन्तरक के वायित्व मा कभी करने या उससे बचन मी मुविधा के तिए, और/या
- (ख) ऐमें किसी बाय या निसी धन या अत्य अधिन्सकों का, जिन्हें भारतीय स्थान्त न तेन ते, पूर्व (1922 को 11) या करा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्ति होता वा किया बाना बाहिए बा, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार। (1) कें के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १श्री एतं श्री बन्देखा, ग्रांट एतं कुमार न 6, III क्रांस रीड, मल्लेक्बारम, लिं रीड, बेगलुर ।

(ग्रन्तर म)

2 श्रीमती जयाश्री , न० 2880, 14 मन रोड , ई-ब्लाफ, राजाजीनगर II स्टेंग, बेगलुर-10

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुष्टारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में कियो जा सकती।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पया हैं।

अनुंस्चि

(दस्तावेज म० 42/84, दिनाज 3/85) सम्पत्तिहै जिसका म० 2880 26, जो 14 मैन रोड ई-ब्नाम, II स्टेज, राजाजीनगर, बेगलुर मे स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, बेगलुर

दिनाक : 31-10-1985

मोह र

प्रारूप आई.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरेज, बेंगलर

बेंगलुर, दिनां र 30 ग्रक्तुबर, 1985

निर्देश मं० 46590/84-85—श्रतः मुझे श्रार० भारहाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हरमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा ?69-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 3/3 है, तथा जो 5 टेंपल रोड, मस्लेक्वादम बेंगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में श्रीर पूर्ण कर से बिंगत है) रिज्झी तो श्रिधित्तरी के तर्यालय रा सिंगतगर, में रिजिस्ट्री हरण श्रिधितियम, 1908 (1908 न 16) के श्रिधीन दिनांक 28-3-1985

कर्त प्रतिकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ৣ 🤊

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की नागत, उपर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कर दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए: जॉर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा भन-का अधिनियम, रा भन्न अधिनियम, इतिया प्रकट नहीं किया गया स्था भा का किया वाता चाहिए भा, कियाने में स्विधा के लिए;

शतः सद, उक्त आधिनियम की धारा २६५-४ के अन्तरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री ए० एस० नलाराम,
 - (2) श्रीमनी नारा वाई.
 - (3) कुमारी ए० बी० इंदिस, और
 - (4) श्री ए० बी० गीतम्, नं०14, श्राह्मबर्ट स्ट्रीट, बेंगलुर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री के॰ बी॰ ए॰ तारायणः नं॰ 233, संपिगे रोडः, मम्लेण्वारमः, बेंगलुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासीप .----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध के 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी स्थास्तया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थास्तयों में स किसी स्थास्त द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

पक्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, को उनके अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गन्द हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेत सं० 3986/84, दिनांफ 28-3-85) पमात्तिहै जित्तता सं० 3/3, जो 5 टेंपल रोड, मल्लेण्वारम बेंगलुर, में स्थित है ।

> आए० भारद्वाज यक्षम प्रविधारी हिप्य २ आहार प्रापुन्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बेगलुर

दिनां ह: 30-10-1985

प्रकम बार्ड . ही . एन . एस . ------

नायक<u>र</u> निर्मागयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीत स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगल्र

बेंगलुर, दिनांक 1 नवस्बर 1985

निर्देश सं० 46774/84-85—अतः मुझे, प्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,60,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० ष्लाट नं० 42 है, नथा जो 21/12, म्यूजियम रोड, बेंगलुर में स्थित है (म्रीर इसमे उपाबद्ध म्रनूभूची मे म्रीर पूर्ण का मे विणित है) रिनस्ट्री तो म्रिधियारी के पार्यालय शिवाजी नगर, में रिजिस्ट्री हरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनाम 20-3-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफंस को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) को तीच एसे अंतरण के लिए तम पायः मा प्रतिफल, निम्निलिन उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित वर्षे वास्तिवक रूप में किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जकत अधिनियस को अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; आदि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों थों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अला चाहिए था, खिपाने में सुविधा अं लिए;

ण हं. अ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण नों, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधौंस, निम्नलिकिन व्यक्तियों अधींस :--- श्रीमती इंदिरा ग्रार० हेगडे,
 11/6, नंबीदुर्ग, रोड, बेनसन टाउन, बेंगलुर ।

(भ्रन्तरक)

श्री झार० भारटन, रैट,
 न० 16, नित चेक रोड,
 उटकामंड।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब्द्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्सूची

(दस्तावेज, सं० 3824/84, दिनांक 20-3-1985) मोहिनी ग्रागर्टमेन्ट्स, 4 फ्लोर, में प्लाट नं० 42 जो 21/12 म्युजियम, रोष्ठ, बंगलूर में स्थित है।

> ग्नार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, बेंगस्र

दिनांक : 1-11-1985

मुक्त बार् . हों, पुर, पुर ----

कावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन स्चना

भारत बहुकाह

कार्यांचय, सहायक बायकर वायुश्त (निर्राशक)

श्चर्जन रेन्ज बगलूर

बंगलूर, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निर्वेश मं० 46828/85-86—यतः मुझे आर० भारहाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रूपये वे अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्रार० नं० 180. टी॰एस० नं० 83 है, तथा जो भ्रदवारविलेज मेलग्रेस वार्ड मंगलूर में स्थित है (भ्रीर इस से उपायद भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/बा
- (क) एसी किसी अाय या किसी अन या जन्म जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, गा धंन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती वंधारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाता धाहिए था जिल्लाने को प्रिता के किए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिसिक्ट व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1 श्री ए० टी० एम० मस्करेनहास मैलग्रेस बोर्ड बंगलूर
- 2. श्री स्टानली अलाशियेस अमग्रीस
- 3 श्री जोसफ मस्कोन्हास बंबई

(भ्रन्तरक)

2. इसलामिक ट्रस्ट जिसमंग प्रतिनिधि श्री जे॰ पूतब्या एडबोकेट मंगलूर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप "---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2006/84-85 ता० 21-3-1985 सब सम्पति है जिसका सं० भार० एस० सं० 180 टी० एस० सं० 83 जो मैलग्रेम वार्ड भ्रतावर विलेज, मगंलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेन्ज मंगलूर

तारीख: 4-11-85

इस्य बाइं. टी. एन. एस. - - ----

भागकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीर स्वता

शाह्य बहुकार

कार्यालय, सहायक वायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेन्ज बंगलूर बंगलूर, दिनाँक 1 नवस्बर 1985

निर्देण मं० नं० 46695/84-85—यतः मुझ स्नार० भाग्द्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 89/1(6) है, तथा जो ईस्ट श्रानजनेवा टेपल स्ट्रीट बसबनगुडि बैंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपापद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 17) के श्रिधीन तारीख 18-3-1985

को पृथोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित के बास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरम सं हुई किसी साय की बावता, उक्छ विधितियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के खिरिष्क में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए सी-/शा
- (च) एसी किसी आव वा किसी धव वा बन्ध शास्तिवी को, जिल्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्यिपाने में सृत्रिधा के अस्त्रिः;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुवरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की पारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर, निम्निविज्ञित व्यक्तियें अभारत प्र— 1 एम० एग० जवालक्षमी श्रौर पुत्री श्रौर पुत्र नं 89/1, ईस्ट श्रानजनेवा टेंपल स्ट्रीट, प्रत्वनगृडि, वंगलूर-4

(ग्रन्तरिक)

(2) श्रीमती के एम लक्ष्मो गुलरश्रा, कृता, क्रास, शंकरपुरम, बंगलूर।

(ग्रन्तरती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूरु करता हूं।

इंक्स सम्पत्ति को कर्मन को सम्बन्ध में कोई भी धनकोप ⊱ 🗕

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीच से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताकारी के पांक निकित में किस का सकोंगे।

ग्रन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5095/84 नारीख 18-3-85) संम्पिभ है जिपका मं० 89/1 (6), जो ईस्ट ग्रानजनेवा टेपल स्ट्रीट बसवनग्डि बेगलूर-), में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेन्ज बंगलूर

नारीर 1-11-1985 मोहरः ब्रक्य बाह्र दी, एन . एस -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक नामकार नामृत्रक्ष (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज बगलूर

बगलूर दिनॉक । नवम्बर 1985

निदेस म० नोटीस न० 46781/84-85—स्यतः मुझे श्रार० भारद्वाज

जायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निभानियम' क्या नया हैं), की भारा 269-य में नभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकलात करने का कारण हैं कि स्थानर सपरित जिसका उचित नाचार मूह

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी स० 21/1(आधा) भाग है तथा जो बटेन कास रोड
बेगलूर-25 में स्थित है (श्रींर इससे उपापबद्ध श्रनुसुची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 28-3-1985

को पूर्वोक्त संपरित के जिस्त बाजार मूल्य सं कम के दश्यभान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्फ यह (अश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का अधिक आजार ग्ल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल सं, एसं वश्यमान प्रातफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस बतरण के किए तय पाना का बाह-फल विकारितियाँ उन्हास से उन्हा कम्बरण जिल्लिस में बाह्य-विक रूप हो किसा गहीं किया गया हैं:——

- (क) अध्यरम् वं हुई निक्षी बाव की नामंत अस्य क्रिपेटियान में अधीन कर वोने के अध्यरक दावित्य में क्रिटी करने वा क्रिक्ष वक्षने में सुनिधा के क्रिप्ट; मीडिंगा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट रहीं किया जमा का किया जाना का किया जाना की सिए;

कतः थवः अक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुस्रस्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्ः— (1) स्केलैन विल्डरम प्राइवेट लिमिटेड 21/1 ब्रन्टन काम रोड़ बेगलूर-560025

(श्रन्तरक)

(2) जयश्री श्रोनियाम श्रो हेच एस० श्रीनिवास न० 302 रिचमन्ड प्रोम कतत्रवेन्ट रोड बगलूर-25

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्शिक्ष के किया कार्यवासिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदङ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ वृद्धांत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकासन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति प्यारा स्थाहस्ताकरी के वास् तिस्ति में किए वा तकेंगे।

स्पच्छीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवा भवा है।

अनुसूची

प्रसावेज म $\sim 3912/84-85$ ता 28-3-198(5) सम्पति स $\sim 21/1$ में श्राधा भागजी अन्टा कापरीड बेगलूर में स्थित है।

र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज बगलूर

वारीख . 1-11-1985 साहर प्रत्य अल्ड. टी एन, एस्त् चरन ब व

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-च (1) के वधीय स्चना

भारत श्रेरकाडु

कार्यालय, सहायक भायकर जायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज बंगलूर

बगलूर दिनॉक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटीस नं० 46627/84-85--यत मुझे श्रार० भारदाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका जिचत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21/1 है तथा जो श्रंटन काम रोड बेगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें जपापछ श्रनूसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुमे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक्त कि निम्निसित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण निम्निसित में बास्तिक क्य के किश्त वहीं किया नया है ---

- ुँक) बन्तद्वाम से हुइ फिडी बास की बावल , उक्त अभितियम को अभीत कर योगे को धन्तरक को बार्षित्व में ककी करने या एक से बचने में सुविधा के निष्क, बॉर√वा
- (बा) होती किसी जाज या किसी धन या अन्य जास्तियों नहें, खिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियण, 1922 (1922 का 11) या खेक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरां स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया होना चाहिए था, खिएान में स्थिता वी किया

बतः जब, उक्त जिभिनियम ती धारा 269-ग से अनुसरण जो, प्रौ, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को जधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियो, अर्थात ६—- स्कैलैन बिल्डर्स प्रा० लि० 21/1 ब्रटन कास रोड बंगलूर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राजेश्वरी कृष्ण ग्रीर

(2) श्री कें विव एमा कुश्म नंव 151 पनमातिला नगर, कोचीन-16

(भ्रन्तरिती 🔻

3. ए० द्वार्कानाथ

(2) डाक्टर के० वि० हरि राव

(3) श्रीमित जवान्श्री श्रोतिवास ग्रौर हल० एम० श्रीनिवास (4) लिख्लि पौल ग्रौर एम० मान्यु पौल 21/1, ब्रंटन कास रोड, बंगलूर। (यह व्यक्ति जिसके

ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को बहु सुबना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

वनत सम्मति के वर्षन् है संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण जो प्रकाशन की तारीच ने 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्परित प्राप्त.
- (क) इस स्पता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में दितवव्य किया क्यां के पास कि किया में किए वा सकेंगे।

स्मध्यक्तिरण हु---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाहित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विसा गया इं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 175/85 ता० 3/85) संम्पत्ति है जिसका सं० 21/1 (ऋाधार भाग) जो क्रटन काउ रोड वेगलूर, में स्थित है। ─

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रयक्'र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीर 1-11-1985 मो**हर** 🕽 प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----- (1) स्कीन बिलड्से प्र० लि०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग बेंगलुर

बेंगलुर, दिनाप । नवम्बर 1985

निर्देश स० 46782/84-35-- श्रतः मुझे प्रार भारक्षाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रूप में अधिक ही

श्रीर जिसकी सख्या 21/1 है, तथा जो बन्टन क'स रोड, बेगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीधीन, िना: मार्च, 1985 की पूर्ण रूप से समित के उत्तिम बाजार मूल्य में कम के दश्यभाग प्रतिकान के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का भारण है कि यथाप्यों त सम्पत्ति का जीवत वाजार सम्बर, अस्ते रश्यमान प्रतिकान से, एसे रश्यमान प्रतिकान का मन्त्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशेष में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किमी आय की बावत उक्त स्थिन नियम के अधीन कर दान के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बनाने में स्विधा है निए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकन अधिनियम, या भा कर अधिनियम, 1957 (1977 के 7) प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ना, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) स्कीन बिलड्स प्र० लि०21/1, बन्टन कास रोड, बगल्⁻

(अन्तर 🖺

2 डाक्टर कें। यू० हरि राव, कीला बेलैंट नेगन बुनै दश्हपलेम

(श्रन्तरिती)

3. (1) अ्वारः भनाय

(2) दिनियो : चीर भी स्तारा पाट,

(3) जाउनी या श्री श्रीतिवा । श्री हेच० एप० श्रीनिवास, गं० 21/1 बन्टा का रोड बेनसुर

> (ह्राविश्वासिक प्रतिभोग में स्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में हो किमी अविन तुवारा;
- (स) इस स्कना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में से किए था सकेंगे।

सुद्धिकरणः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त किंधिनयम, वे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा सभा हैं।

धनुसूनी

(यस्तावेश स० 3913/34 ग० 3/85) संमाति है निशासिक 21/1 (1/14 भाग), जो बल्टन काउ रोड, बेंगजुर में स्थित है।

> धार० भारद्वाज सक्षम प्राधिशारी सहाय रु श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंग बेंगलूर

तारीख 1-11-1985 मोह्र .

त्रक्ष् वाइं.बी, एव एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

मारत रहकाड़ क्रमास्थ, सहायक आयकर बायुक्त (नि<u>डी</u>क्षण)

अर्जन रेंज बेंगलुर बेंगलुर, दिनांक 31 अन्तूबर 1985

निर्देश नं० 46599/84-85 ल्यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र . से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो 🎞 मैन स्यांकि रोड लोवर प्यालेस **ब्रारथर्ड**स बेंगलूर में स्थित है (ऑर इससे भनुसूची में मोर पुर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय गांधीनगर में एजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम 1908 (1903 का 16) के भ्रतीन नारीख 14-3-85 को एवोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य स कम के दश्यमान के लिए **अन्तरि**प्त की यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 💅 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दूरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी माय की बावध, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी करत वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ को, विन्हें भारतीय जाय-कर कश्चिनियम, 1922 (1922 का 16) वा उक्छ अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (∤957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाक्किए बा, क्रियाने में सृविधा को लिए;

- (1) श्री डी॰ एस॰ मित्राण्य (2) डी॰ एस॰ प्रेमा मित्राज्य (3) डी॰ एस॰ नंदीम नं॰ 24, स्यांकि रोड लोवर प्यालेस भ्रारयर्डस, बेंगसुर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री मनु नियानि, नं० 9/1, शेशादि रोड लक्ष्मी-निवास, बेंगलुर (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाबोच् :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं. 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृषींकर व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति बनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए का सकोग।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

(६स्तावेज सं० 3834/84 ता० 14-3-85) संम्यति है जिसका सं० 4, जो II मन रोइ, स्यांकि रोड, लोवर फालेस ग्रारथर्डस, बेंगलुर, में स्थित है।

> म्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधि हारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेन्ज, बेंगलुर

बतः अब, उक्त आधिनियम का भारा 269-व की अनुसरण काँ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीग, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत् क्र—

तारीख 31-10-1985 मोहर: प्रकप बाह्र . ती. एन . एस . ------

नाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलुर

बेंगलुर दिनां क 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46775/84-85---यतः मू**से** श्रार० भारद्वाजः,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रांट जिसकी सं० 21/1 है तथा जो बन्टन कास रोड बेंगलुर में स्थित हैं (म्रांट इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रांट पुर्ण का मे वर्णि। है), रिलस्ट्री उपण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रवीन ना० 21-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके सम्यमान प्रतिफल से, एसे अथमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नितियों के बीच एसे अस्त अंतरण लिखित में बास्त्रिक क्या से किया नहीं किया गया है क्ष्ये

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाद की बाव्य क्या बिक् िन्यम के सभीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कामी करने वा उत्तते व्यव में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तरं अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः वयः, उत्तत विधितियम की भारा 269-म के बन्तरस् वा, मी, उक्त विधितियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के वधीन, निम्निनिक्त विकासों, वर्षात् --- (1) स्कैलेन बिल्डर्स प्रा० लि० नं० 21/1, बंटन फास रोडर बेंगलुर।

(भ्रन्तरक)

(2) दयारकानाथ, नं० 6- II कनिगहाम रोड बेंगलुर।

(श्रन्यरिती)

को यह सूचना कारो करके प्राप्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में के डि भी वाछोप्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3845/84 ता० 21-3-1985) संम्पत्ति है जिसहा सं० 21/1 (1/2 भाग), क्रास जो बंटन रोड वेंगलुर में स्थित है।

म्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिवारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेन्ज बेंगलुर

तारीख 1-11-1985 मोहर .

प्रकार बाह्र' , टी . एष् . ध्रु . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बधीन सुधरा

भारत स्रकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

प्रजंन रेज् बेंगलुर बेंगलुर दितं⊽ 31 म्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46757/84-85---यतः **मुझे** श्रार० भारद्वाजः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर ि. ि नं 876 है स्या जो हेथ ए० एल० II स्टेज नोटी जं रिवस्तानका बेंगतुर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद अगुनुनी में श्रीर पूर्ण कर ने वर्षिण है) रिजर्ज़िक्सण अधिनियम 1903 (1908 ला 16) के श्रधीन तारीख 7-3-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाबार कृत्य वे कम के दरयमान विकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास राजने का फारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र वाजार कृत्य उसके दरवमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का उन्सूह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाचा गया प्रतिफल निम्निसिचत उद्देश्य से उक्त जंतरण विवास के वाश्यक्त क्य से किया व्या है किया है किया

- (६) बनारण से हुन्द्र किसी नाय की बावल, सक्त अधिनियम की नधीन कर दोने के मृत्युद्ध की दासित्य में कमी करने या उससे तथ्ने में सुनिधा औ निए; मौद्र/मा
- (थ) एंडी किसी बाय वा किसी धन शा धन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियंत्र, 1922 (1932 का 11) या जबत निधिनियंत्र, या धनकर विधिनियंत्र, या धनकर विधिनियंत्र, या धनकर विधिनियंत्र 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ वन्तरिती हुआर एकट नहीं किसा गया था या किया केला वाहिए था किया में बुसिया के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री टि॰ नरेन्द्रा रेडिड पं॰ 1/11 आराह्य रोड, हनूमाया ले ओर बंगलुर।

(म्रन्तरङ्)

- (2) श्रो एम० एक्प्त० फ़रटडोर
- (2) श्रीमत्ती एम० एफ़० ई० फ़रटडोर
- (3) कुमारी मिलट्रेट ए० एल० फ़रटडो होटल **प्र**जंत्ता में रहते **है** एम० जि० रोडर बेंगलुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरक पृत्रोक्त सम्पत्ति अने जान क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उबर सम्बन्धि के नर्बन के सम्बन्ध में कांध्र में नासने . --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस का सकेंगे।

ल्बध्दीकारणः ल्लामी प्रश्येत कथा और धर्मका, का बाक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होंगा को अस वध्याय में दिवा गया है।

अन्स्की

(**स**स्तावेज सं० 3725/84 सा० 7-3-1985) संम्पति हैं जितका सं० 876 जो हेथ ए० एल० II में स्थित है।

> म्रार० भारहाज सक्षम प्राधि ारी सहायक म्रारकर म्रायूक्त निरीक्षण) भार्जन रेंज यंगल्र

मारीर 31-10-1985 मोहर : प्रस्थ बाइ¹.टॉ.एन.एस. ----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन धूजना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. प्रजीन रोनज बंगलूर

बगलूर, दिनां :, 31 % ततूबर 1985,

निर्देश सं० नोटिस नं० 46591/84-85-ग्रतः मुझे, भार भारकाज

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १६६) परवात उंडरत अधिनियम फहा गया हैं), की भारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थानर सन्मत्ति, जिसका उचित नावार सूत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 51/9 है, तथा जो रियमंड रोड, बंगलूर में स्थित है (ओर इसं: अपायड प्रमुर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप र विजित्त है), सिय्म्ही रण श्रीधितियम 1903 (1908 जा 16) के श्रधीन सारीख 2-3-85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करता का कारण है कि वश्यपर्या अस्मित का स्पानल बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्नलिकित उद्देष्य में उक्त बन्तरण कि बित से बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है

- (क) जन्तरथ से बुद्ध फिथी जाय की बावत उक्त विधिनसम्ब के अभीन कर योगे के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के सिए - और/भा
- (क) एसी किसी जाय या धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें सारतीय आय-केंग प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में हिम्सो के बिक्ट:

बतः ववः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीतिमें डि॰ सुमिला, नं॰ 620, 23 श्राः, II ब्लाम, रवान्द्रानाथ ठाकूर नगर, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

(2) नरेन्द्रा झा नं० 217, नंजाप्पा रोड, शांतिनगर, संगलूर-27

(अन्तरिती)

का यह चुचना चारी करके पुनांचल सम्परित के वर्षन के मिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्द बस्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपे :---

- (क) इस सूचर, जे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पृतिद पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्पृतिद पृत्रों सुवाराह
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मुभाहस्ताक्षरी के पास निधान में किए वा सकींगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषिध हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं 3642/84 ता० 2-3-85) सम्पति है जिसङा सं० 51/9 II पत्नोर जो रियमन्ड रोड बेंगलूर में स्थित है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिना ह : 31-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, बंगलूर

बंगन्ए, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46747/84-85-म्प्रतः मुझे भार० भारद्वाच

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिस है। सं० 41/9 है, तथा जो रियमन्द्र रोड बंगनूर में स्थित है (और इस न उपाबड यनुसूबी में प्रोर पूर्ण रूप से बिंगन है) रिन्ह्ये तरंग प्रोबनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधान ता॰ 2/3/85

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजा रमूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण कि बिहा में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आवत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः बन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्रोततारक्षा बाई देवनायगम नं० 51, रिजमङ रोड, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० संम्पत देवनायगम नं० 3 51, रिजमङ रोड, बंगलूर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्तां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज नं० 3642/84 ता० 2-3-1985) सम्पति है जिसका सं० 51/9, फ्लोर, जो० रिजमन्ड रोड, बंगलूर, में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राध्वि गरी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) धर्जन रेन्ज, बंगलूर

सारीख: 1-1-1985

एकप कार् डी.एप एट. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वना

नारत सरकार

कार्यासय,, सहायक नायकर वायुक्त (निरक्षिक)

धर्जन रेंज बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 31 ग्रस्तूबर 1985

निर्देश सं∘ नोटिस नं० 46587/84-85-म्ब्रतः मुझे, मार० भारदाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्ला गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त. जिसका उचित नाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 22/1 है, तथा जो मैन रोड जलमहल एक टिंगन, बंगलूर में रियत है (और इप र उपायक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिस्ट्री रण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 3/85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्भ (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्तर्भ) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निचित्त में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क्:) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धना जीनिए था, फियाने स्विभा की विष्णा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० के० रामा हु ज्ण पिली नं० 11/1 निदेवुगी रोड, बंगलूर।

(श्रन्तरः)

(2) वि० ग्रो० जान ग्रौर श्रीमती :— मेरि जान कोर/ग्राफ कुमारी, ग्रीजना जान, नं० 25, बेनसन कास रांड, बंगलूर।

(अन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूजीकत सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं आहें से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध फिसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान्य लिखित में किए जा सकींगी।

स्वस्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहां अधे हांगा जो उस अध्याय में विया गया हैं:

बन्स्यी

(दस्तावेज सं० 3971/84 सा• 3/85) खाली जगह है जिसका सं० 22/1, जो मैन रोड, जयामहल एक्सटेंश्न, बंगलूर, में स्थिस है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी (सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 31-10-1985

प्ररूप बाइ.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भायुक्त (निर्दाक्तक)

श्रर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां र 31 धक्तूबर 1985

निर्देश सं० नेतियस नं० 46667/84-85-अतः मुझे, धार० भारदान,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परन त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं श्रीक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिल्ली सं० 2 है तथा जो लाबेले रोड बंगतूर में स्थित है (श्रीर इको जगावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कारी विशित है) रिजिस्ट्रोहरण अधिनियम 1903 (1903 का 16) के श्रिधीन सारीख 18-3-1985

करें पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य दृष्या गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिये था छिपाने अने चे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीनती रूनामिणियम्मा नं 2, लावेले रोड बंगल्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसमें टी॰ एन॰ नरेदा रेडि और असोसियेएटस नं॰ 1/11, अलसुर रोड, अलसुर बंगलूर। (अल्तिरिती)

को यह सुभना जारी करक पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख. से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिया मों से किमी व्यक्ति बुबारा;
- (प) इस स्वन। के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोउस्ताक्षरी के पास सिशित मों किए का सकता।

भ्यष्टीकरणः -- इसमें प्यावत शब्दी और प्रवीका, जो जक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3810/84 ता० 18/3/85) सम्पति है जिसका सं० 2 (प्राप्त० भाग),है जो लावेले रोड बंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारद्वात्र, यक्षतः १/वेजस्री (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रौत बंगलुर

तारीख 31-10-1985 मोहर:

धक्य साह^र, ही, ध्य, **ध्य**, ००००

आयकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतव, भलायत्र नगरस्य क्राय्तः (निरोक्षण) स्रजीन रेजि-1, स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 10 श्रवतूबर, 1985

निवेश मं० पी० श्रार० नं० 3882--- श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), का नद 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर शिरकी सं० बिल्डिंग शिगा मंति 175-86 वर्ग मीटर जमीन है तथा जो माथ 425 वर्गयाई 3/11 पुराना जागनाथ प्लट पर राजकोट में स्थित है (ग्री) इससे उपाबह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या निविणत है (जी स्ट्री) जिल्ही है । श्रीविनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीत नारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य सं उप के दृश्यमान कित्य के लिए अंतरित की गई हैं और मृस्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावता, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे उच्चने में स्विधा के चिए: मरि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 पारण भा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों ह्वाण एकए जेंगे नियम गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत: कव, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 11---386 GI/85 (1) श्री प्रभाकुमार तः ध्वित्वत्य । ग्रान्ड परेड श्रवार्टमेंट, श्रमस्त प्रवन्ते मार्ग, वस्वई ।

(अन्तरकः)

(2) मौंपर्म श्रमरीण यापेरेणन, श्रोर पीट सेन्टर मोती टाकीज के नजदीक, राजकीट ।

(श्रन्तिरती)

कां यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर्
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टि में किए का सकींगे।

म्यक्टीकरण — इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो सक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है,, वहीं अर्थ होंगा, जो लम अध्याय कें दिया गया है।

अनस्ची

बिडिंग सिंगल संजिल 175-86 वर्गामीटर जमीन 7, राध 425 वर्ग यार्ड 3/11 पुराना जाननाथ प्रशेट पर राजकीट ।

जी० के० पंख्या सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण श्रर्जन रेंज∸1, श्रहमदाबाद

दिना_ं : 10-10-1985

मोहर .

प्रकृष् बार्चे. दी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

मारत् चुड्कार्

भार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) सहायक आयकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 भ्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० भ्राप् नं० 3883--श्रतः मुझे जे० के० पंड्या

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके अध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० रैया गांव सर्वे नं० 90 पैकी प्याट नं० 13 राजकोट है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 1006 .93 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इमंभ उपाबद्ध अनुमुची मैं श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीअर्ती अधिकारी के जार्याजय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन तारीख 11-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-गरती (अतिरित्या) के बोच एमें अतरण के निए तय पास मध्य प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेक्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिश कर में स्थित नहीं कि यह स्था हुए .—

- (फ) असरण वे हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंपनियम के अधीन कार दोने के बंतरक के शामित्य में कामी कारने या उससे बचने में सोवधा के निए, बॉर/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असिरतो द्वारा प्रकट नृही किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिणाने के स्विभा के लिए;

कतः वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) चन्द्रशांत रवीशंकर राधन, ग्रामी टैगोर रोड़, सरदार नगर, बेस्ट राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कृष्णा बिल्डर्स एन्ड इंजीनियर्स , सी०∼14, उषा किरन, ए याजिक रोड़, राजकोट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बंर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वत्त्वी

रैया गांव सर्वे नं० 90 पैकी प्लोट नं० 13 राजकोट जमीन क्षेत्रफल 1006.43 वर्गमीटर ।

> गी० के० पंडया नझन प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, श्रहमबाबाद

दिनांच : 10~10~1985

त्रकम बाद . दर्र . एन . वृक्ष , -----

आभकर वर्षभिनियल, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वशीन स्वाना

भारत तरकार कार्शसम् अहायक जायकर शायुक्त (रिपरीक्रक)

सहायक श्रायकर ग्रायक्त श्रर्जन रेंग्न-1, श्रहमादाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 15 श्रक्तुबर, 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3884--श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आनकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परणाध् 'उच्य मीचिनियम' नहा गया हैं), की वाद्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विस्थाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित माचार मूच्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िक्की सं० मेल्पी नालुता पंजेपर सीम सर्वे नं० 1176/1 है नथा जीजमीन क्षेत्रफल 5260.93 वर्ग मीटर -6313 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है) रिजस्ट्री हर्ज अधितारी के नायित्य मोरपो में रिलस्ट्री रिण श्रीधित्यम 1908 (1908 वर्ग 16) के श्राधीन तारीख 28-3~1985

का पृथिक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य: उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसं कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ क, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तर्ण बिकित में भारतीयक ०० म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की यानसा, जनस निप्रिया के वारीण कर दोने के अन्तरण से रात्रिया में कड़ी अपने वा उक्को वापने में सुविधा ने किस्; और/मा
- (व) एंशी किसी नाथ मा किसी धन ना अन्य शास्तियों को, चिन्हों शास्तीय नाम-कर अधिनिनय, 1922 (1922 का 11) वा जन्स विभिन्नय, शा धन-कर निधियाय, 1957 (1957 का 27) के प्रजोकनार्थ अन्तरिसी हुमान्छ अन्नद नहीं किया कथा वा ना किया जाना नारीहृष् वा, कियाने में स्थिया के सिक्;

कतः अतः, उक्त आधिनियम की धारा 269-ध के जन्सरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री दामजीभाई खीमजिभाई दारिया , नानी बाजार, मालीया मोचाना तालुका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार न्याल चन्द वीरा शक्ति प्लारे मीरणी।

(ग्रन्तरिती)

को यह बूचना बारी करके पूर्वोक्त बन्गसि के वर्षम में किय कार्यगाहियां करता हूं।

क्या कमिति के बर्जन के बंबंध में कोई भी शाक्षीय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित्ब स्थावर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिसित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त र्जाधनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

मोरपी तालुका पंजे पर मीम नर्वे नं० 1176/1 जमीन क्षेत्रफल 5260 वर्ग मीटर 6313 वर्ग यार्ड !

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज- 1, स्रहमदाबाद

दिनांवः : 15-10-1985

मध्य नंतर्यः, टी. एन. एस.,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुचना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्राय र श्रायुक्त श्रजन रेंज- 1, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनां 🗸 24 भ्रम्तूबर, 1985

निदेश सं० पीं० श्रार्या नं० 3885- - श्रतः मुझे जीं० के० पंड्या

आये कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमो स्वद्धे पर्थमान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकार। की, यह विद्यास फरन के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं०. 38 नुष्य क्याथ भाकीट सथा जो श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इयन उपाबक श्रन्-सूची में श्रीर पूर्ण का न विणित है) रिजिस्ट्रीजनी अधिजारी के पार्याजय श्रहमदानाद में रिजिस्ट्रीजरण श्रीधिनियम 1908 (18908 का 16) के श्रद्धा जारीख 28-3-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के एध्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विदशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण बिहित में वास्तविक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्दरक की बाधित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा क अप, अद्गर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, चिन्हा भारतीय आयकार अविभानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या अनकार अधिन्यम, या अनकार अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता आहिए वा जिपाने में सुविधा की लिए;

ज्तः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को कधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) शंतोषदेवी भवानी गोर प्रश्नवाल, 29. नूसन काश्य मार्कीट, रायपुर दरवाजा बाडर अहभवाबाद- 2 ।

(प्रसंदर)

(2) मैं गर्स रामजी नाल मुरली धर, भागीबार असबेनप्रताद रामजीगाल खाँर अन्य 38, नूनन कलाथ मार्कीट, रायपुर दरवाजा बाडर, अहम बाबाद - 2

(भ्रन्तरिकी)

का मह सूचनः शहरः कारक पृत्राच्या सम्पत्ति कं वर्षन के सिंध कार्यनाष्ट्रिया करता हुन्।

उमत सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी सामी :--

- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अयि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति त्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण:—- इसमें प्रयुक्त गर्दों और पदौं का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो अस बध्याय में विदा यदा है।

म्रनुसूची

माप न्० 38 (नूर्त काथ मार्कीट) नूनन गुजरात को० ग्रो० मोर्प्त एन्ड वेयर हाउसिंग सोमायटी विभिन्टेड, टी० पी० ए८०-2, एफ० पी० नं० 44-45 क्षेत्रफल 16-25 वर्गमीटर रजिस्ट्रेमन नं० 4224/28-3-1985 !

> जी० के० पंडया रक्षम प्राधिक री यहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रह्मदाबाद

दिसों . : 24--10--1985

प्रस्य कार्षं .दी . एन . एस ------

आथफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

बाइट एउटाइ

कार्थालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशास 24 अम्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3886— जतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सँ० शे हाउम नं० 61, श्यामल नं० 2, माने कवाग है तथा जो गेल श्राषवाडी अहमदाबाद में रिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय 37आर आर ब्यास्लेकीया में रिजस्ट्री करण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीक तारीख 16-1-1985

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के ध्रथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विग कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवाधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्स ह १ मुख शाह एण्ड एसो खिएटस फस्ट फ्लोर चीनुभाई मेन्टर, आश्रमरोड़, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीला पी० मेहता, के० ग्रो० महेश कामदार, ए-31, रशीशा अपार्टमेंट, मवरंगपुरा, अहमदाबाद -9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

ष्ट्री हाउय नं० 61, श्यामल नं० 2, मे मानेक**बाग गेल** आबाबाडी, अहमदाबाद-15

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद्य

दिमांक : 24-10-1085

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ', टी. एन तस. -----

बायकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के बधीन सुकता

भारत तरकार

कार्यानय, तज्ञायक नायकर नाज्क्त (निरीक्षण)

अर्ग्नन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिलांक 24 अक्तूबर 1985 देश सं० पी० आर० नं० 3887—अटः मझे.

निदेश सं० पी० आर० नं० 3887—अतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इसके अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जमीन + महान अहमदाबाद में टी० पी० एस०-4, एफ० पी० नं० 145 है तथा जो हिस्सा 1 वेस्ट साईड 1/2 पार्ट 426 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रांर इसपे उपाबद अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में विणय है) रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कायिलय अहमदाबाद में रिजिस्ट्री करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-3-1985

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उचित नाजार मून्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) में बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उसस अधिनियम के अधीन अपर कोन के अन्तरक के सामित्व में काली कारने वा उक्क ब्रेचन में शुविभा के लिए; बाँद/वा
- (क) एसी किसी बाम मा किसी अन या अन्य आस्तियों की, विमही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया कवा था किया काना व्यक्तिए का, किराने मा स्विमा के सिरा;

बक: बब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थन् (1) सुमान कान्ता गोविन्वलाल बोडीवाला श्रौर अन्य 8, युनीक्यु पार्क, जोधपुर टेकरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश पी० महेता, प्रमुख ⊸गीत गोविन्द अपार्टमेंट आतर्स एसोसिएशन, 8, युनीक्यु पार्क, जोधपुर टेकरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ट्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीत + मकात अहमदाबाद में 27 टी० पी० एस०-4 एफ० पी० नं० 145, हिस्सा जमीत 852 मकात 175 पैकी 1/2, वेस्ट साइड जमीत 426 वर्ग यार्ड + मकात 1/2 रजिस्ट्रेशन नं० 4407/29-3-85

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिमांक : 24-10-1985

१क्ष बाह^{*}. टी. एन्. एत<u>.</u> ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अम्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3888——अतः **मुझे** जी० के० पंडया

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उन्हें का उन्हें का उन्हें का अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन प्लीथ अहमदाबाद टी० पी० एम० 3, एफ० पी० नं० 959-962 क्षेत्रफल 614 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इत्तमे उपाजब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके सम्प्रमान प्रतिफल गे, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में क्या कि कर यो कि का नहीं किया गया है ?——

- (%) अन्तरण से हुई फिसी आम की बाब्स, उन्तर सचिवियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के शासित्य मी क्यी करने वा उन्नसे बचने मी सुविधा के लिए; प्रीर/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी अन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कि किया जाना चाहिए था, कियाने में समिधा के लिए।

अक्षः चवः, अक्षतः स्थितियतं कौ धारा 269-वं कै अपूत्ररण पें. में अक्षतं अधितियतं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीरः, निम्तिनिवतं स्थितियों, वक्षतः ६(1) श्री पीतमलाल कानजीभाई शाह, बाह्मण मित्र मंडल सोसायटी, एलिसिबिज अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारपाल मोतीलाल, एन० यु० एफ० श्रीर अन्य कैलाशचन्द्र मोतीलाल एच० यु० एफ० श्रीर अन्य 19, गौतमत्राग सोसायटी पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन् भी जिल्हें कार्यनाहिमा करतः हा।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षोप ६----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत प्रिंक्त में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के प्रजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए वा सकोंगे।

स्थम्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों बीट पर्यों का, वो जक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याय में विका भया हैं।

अनुसूची ।

जमीन कन्सद्रवशन प्लीन्थ तक अहमदाबाद में टी॰ पी० एस०-3, एफ० पी० नं० 959-962 पैकी एस० पी० नं० 18, जमीन 614 वर्ग यार्ड कन्सद्रवशम प्लीन्थ तक रजिस्ट्रेशम नं० 4093/15-3-1985

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, अहमदाबाद

दिनां ह : 24-10-1985

मोर्रः

प्रकप बाई ही. एन एस . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3889—अतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. ने अधिक है

भीर जिसकी मं विल्डिंग नं 3, प्लोट नं 58, जमीन रजूर प्लेस में हैं तथा जो सी एम नं 3, शीट नं 188 सर्वे नं 2072 में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री करण अधिसियम 1908 (1908 का 16) के अधीम नारीखे 21-1-85/3-85

का बुर्वोक्स सम्बंधित के उचित बाजार मृत्य ते कम के उच्चमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्यान प्रतिफल से, एसे सम्यान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है

भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितक्यों) के भीच एते अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिपक्ष्त, निस्निसितिक इक्ष्येष से उक्त जन्तरण लिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित क्ष्री क्षिया गया हो:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविश्य में सभी करने वा उत्तरे सचने में तृविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किती आप वा किसी धन वा अन्य अतिस्तर्यां करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्तिश्व के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण माँ, माँ, उपन अधिनियम की धारा 269-म की उपधार की माँ अधीन नियमिक्टिस कियां वर्धान्य क् (1) श्री प्रवीनचन्द्र फुमनदास रानपुरा श्रीर 8 अन्य सोनी बाजार, राजकोष्ट, पार्टनर टंकारावाला बिल्डर्स, राजकोट ।

(अन्परक)

(2) श्रीमती भृदुलाबेन पंकजकुमार शाह, श्री पंकज कुमार गीरीशचन्द्र शाह वर्धमान नगर नं० 1 के नजदीक हजूर प्लेस रोड प्लीट नं० 58, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अजन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश एं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां कितायों में से किसी व्यक्तिस सुवारा;
- (स) इत भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितअव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

अनुस्ची

बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 58, जमीत रजूर प्लेस पर, सी० एस० नं० 3, शीट नं० 188 सर्वे नं० 2071।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, अहमदाबाद

दिनांक: 24-10-1985

प्रकृष नाइ^र.ट].एव.एस<u>.</u> ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चामा

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आमुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 28 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० घ्रार० नं० 3890—— घ्रतः मुझे, जी० के० isan

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० रेवेन्यू मर्वे नं० 201 हरी निवास खदेश्वर है तथा जो जामनगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37 ईई फाईल्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 13 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिषति से अधिक है बौद बन्तरक (बन्तर्डकों) बौद अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत्त उच्चेष्य से उसत अंतरण निम्नितित में गुस्तिक रूप से कियत नहीं किया थया है:---

- (क) वंतरण यं हुएं कियी वाय की वायस, प्रयक्ष अधिनियम के कधीन कार दाने के अन्तरक के दासित्य में काफी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और त
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या तन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अनुस्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्थार प्राप्त का अधिनियम के स्थार प्राप्त का अधिनियम स्थार प्राप्त का स्थार का स्था का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्थार का स्था का स्थार का स्था का स्थार का स्था स्था का स्था का स्था स्था का स्था स्था स्था

अतः अव उक्त अधिनयम की धाय 269-ग के जनसरण को, की, धाक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :---12—386 GI/\$5 (1) मैसर्स कान्ती श्रोयलभित्न, ग्रीन मार्कीट, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स दोगी ब्रदर्स प्राईवेट लिमिटेड समानी चेम्बर्स, ग्रीन मार्कीट, जामनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चार्यी करके वृत्रोंक्त संपत्ति के अर्थन की निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में काई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितनव्भ किसी अन्य स्थावत ब्वारा, नभोहस्ताभरी के पास सिवित में किए वा स्कारी।

स्पद्धकिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया वया है।

ध्रनुषुचो

रेवेन्यू सर्वे नं० 201 हरी निवास, बेडेन्नर जामनगर।

जी० के० पडमा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 28-10-1985

प्रकृष् वाद् .टी.एन.एस..-----

माथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, प्रहमदाबाद

महमवाबाद, दिनांक 29 मक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० झार० नं० 3891— प्रतः मुझे, जी० के० पंडमा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० गोडाउन छोटी ग्राफिस के साथ, नूसन प्रेस रोड़ पर है तथा जो रहने लायक कर्माशयल जंगह, सदर बाजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीक्सी ग्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को उसमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सम्प्रार मूल्य, उसके उस्थमान प्रतिकल से एसे उस्थमान प्रतिकल का पत्त्रक् प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निकित में चास्तिक रूप से किथत नहीं किथा गया है।

- (क) बन्तद्रम वे हुन्दं मिली बाब की बाबक, बन्क वृधितियम के नवीन कर दोने के कन्दरक के स्वतित्व में कनी करने या उबसे बचने में सुविधा में सिए; धीर/वा
- (ग) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-लर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ६ 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियं, अर्थात् :---- (1) श्री नानकराम सङ्जीमल मूलवंदानी, सदर बाजार, राजकोट ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल हुसैन जीवाजी, भोनाली ग्रब्दुल हुसैन ग्रीर उ ग्रन्थ सदर ग्राजार, राजकोट ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के नर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

करत सम्बद्धि के बर्जन के सम्बद्ध में कोई भी बार्ज़न ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीबा से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबिध, को भी अविधि बाद के समाप्त होती हो , के भीत्र पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीचा है 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखा शास्त्र का स्वारा

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त किंदियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याप में दिवस ववा है।

अनुसूची

नूतन प्रेप्त रोड़, सदर बाजार गोडाउन छोटी श्राफिस के साथ राजकीट।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंग-1, शहमबाबाद

दिसाँक: 29-10-1985

भोहर :

मक्त आर्ष्ट दी हुए हुए स्प्रह्मान्यन्यन

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

मारत संस्कार

कार्यासय, सञ्चायक नायकपु मानुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-1, महमदाबाद

महमवाबाद, दिलाँक 29 मक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3892--- ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्यूम गया हैं), की भारा 269-च की संधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्टित, विसका उचित वाचार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पल ट नं० 14 बिल्डिंग जनता को० भो० हा० सोसायटी में है तथा जो महिला कालेज के सामने राजकोट में स्थित है, (भौर इससे उपाबंद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से घणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनाँक 15 मार्च 1985।

करे पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के डिजिस बाजार मृष्य से कम के रहसमान ब्रितिकन के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उनके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिचात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंसरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण में हुई किसी भाग की बाबस, उक्त बहुँद्विद्य के अपीय आहे देने के बुनाहक के बहुँद्विद्य में क्षी कहने वा बहुदे दूसने में सुनिधा के सिए; बहुँदेश
- (क) इसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्ति द्विता अवास्त्र प्रकट नहीं किया नवा था वा विका जाना डाहिब था, जियाने के वृतिया की किसी

क्तंत क्षेत्र , उक्त क्रीधीनयम की धारा 260-ग के कर्माहरू में, में, उक्त व्यिषियम क्षेत्र धारा 260-म की उपधारा (1) के व्योग, निम्नीसिक व्यक्तिमों, अर्थाक् हिल्ल (1) श्री कीर्ति कुमार मनीलाण भूपतामी, 4/10, पंचनाथ प्लाट, चंद्रदीय राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ह्सुमती ह्समृद्धराज लोटिया, गिरिराज, 14, जनता सोसाईटी, महिला कालेज के सामने, राजकोट।

(मन्तरिती)

न्द्रों बृह् सुमना पारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन की जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में केंद्रि भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुं दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन को सारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितनवृथ किसी कम्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्री के पास निवित मों किए का सकरें।

स्पच्छीकरच :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं ० 14, बिल्डींग जनता को० ग्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड में महिला कालेज के सामने राजकोट।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, श्रक्षमदाबाद

दिनाँक: 29-10-1985

मो**ह**रः

प्रका बाद . टी. एन . एस-------

नायकंद्र अभिनियन, 1961 (4991 के 43) की थार्थ 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्याचय , तहायक वायकर आयुक्त (विकास)

धर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 29 मक्तूबर 1985

निर्देश सं०पी० घार० नं० 3893—स्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को वह विकास सहये का कार्ल है कि स्थायद सम्पत्ति, जिसका जीवत नावार सूक्य 1,00,090/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० अमीन कंस्ट्रक्शन श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 21 है सथा जो एफ० पी० नं० 391 जमीन क्षेत्रफल 1000 बर्ग थार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, दिनाँक 14 मार्च 1985

को पूर्वोक्स कम्मीत के उणित बाजन मृत्य से क्रम के स्वत्रमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की नहें हैं और मृत्ये वह विश्वहत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकास का पम्बद्ध प्रतिकाल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकाल, निम्नतिचित्त उच्चिय से उक्त अंतरूण लिखित में भारतिकाल कप से कथित नहीं किया नया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, आयकर अभिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करणे या उसते बचने में स्तृतिथा के सिष्टु; बाँद/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भून या खन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा जो सिए;

अत: अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की अभीम, निस्नुजिकित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री प्रबोध चन्द्र वाडीलाल गाह, पंचपटी गुलबाई टेकरा, ग्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्ररीहंत फ्लैट झोनसं एसोसियेशन, श्रागेनाइजर—बी० नं० 5, नालंदा सोसायटी, नारनपुरा रेलवे क्रांसिंग के नजदीक, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को सङ् सूचना जाकी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहिक जाकता हूं।

क्या काम्ब्रीक को शर्कन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (का) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृक्षना की ताबील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस ब्रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस व्यूप किस जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के सब किसिस में किए जा सकोंगे।

का सची

जमीन—कंस्ट्रनमान श्रहमदाबाद टी० पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 391 पैकी सर्वे नं० 201—202/3—1 क्षेत्रफल 1000 वर्ग यार्श—रास्ता के दायी तरफ जमीन क्षेत्रफल 122 वर्ग यार्श रिजस्ट्रेगन नं० 3987/14—3—85।

जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **ग्रहमदाबाद**

दिनाँक: 29-10-1985

रक्ष्य वार्षः धी. एव. एव - ----------

नायकड विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नेपीन सुभना

नारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 29 श्रतूनबर 1985

निर्देश सं०पी० फ्रार० 3894-—-फ्रत मुझे, जी० के०

भावकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्तें इसके प्रथात् 'उनता निर्मानयम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के वृक्षीन समय प्राधिकारों को यह विश्वति करने का जारन हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित्त नामार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० जमीन गाँव बोचल में श्रार० एस० न० 245/1 है तथा जो 245/2 ब्लाक न० 311 क्षेत्रफल 4 एकड 19 गुठा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद से रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, दिनाँक 2 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का बंदह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच होसे अन्तरण के सिए स्य पाना गया प्रतिकल निम्निचित उद्देशकेय से उक्त अध्वरण निच्या गया प्रतिकल निम्निचित उद्देशकेय से उक्त अध्वरण निच्या गया प्रतिकल का के सिए स्य

- (क) अम्परण से हुइं किती बाद की बाबल, डक्ख अभिनियन के अधीन कर दोने के अध्यक्षक औं वाचिरन में सभी कड़ने वा उक्क बड़ाने में स्थिता के विद्युः बॉड/वा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य वास्तियाँ की विन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या सकत अधिनियम, या भल-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्षिपाने में द्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुभूरण जें; में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा /+) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति ८--- (1) भिनर्स पाल मीमेट प्रोडक्ट्स भागीदार—विनेशभाई परशोत्तमदास पटेल ग्रींर श्रन्य महेसाना, जिला महेसाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमा को० श्रोनर्स,

सभ्य-श्रीलालजीभाई रामजीभाई वाला श्रौर श्रन्य

एफ० न० 501, कोडापाला फ्लैट्स,

श्रीतमनगर सैकिड ठाल,

पालडी, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सुम्भा बारी करके पूर्वोक्त स्थारित के नर्मन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

बन्द बन्दित के वर्षन के वंबंध में काई भी वाश्रीप ----

- (क) इस त्याना के त्राव्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्णा की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति नाद में सनाप्त होती हो, के भोतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिच में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण ----इसमें प्रवृक्त सन्धां जौर पदों का, वो सक्त विधिविषय के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस मृभ्याय में दिया नवा हैं।

घनुसूची

जमीन गाँव बोचल मे सीम, श्रार० एस० न० 245/1, 245/2, ब्लाक नं० 311 क्षेत्रफल 4 एकड 19 गुठा रजिस्ट्रेशन न० 3484/2—3-85।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबा

दिनौंक: 29-10-1985

मोहरः

स्था बार्ष है मी. स्था स्था

बानकर वर्डिशीनवस, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) वे मुबीस क्वांत

HIST TOTAL

कार्यस्य, सङ्घ्यक नायकर नायुक्त (निद्राक्षण) शर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनाँक 30 मन्त्वर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० 3895—ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

बावकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० वार्ड नं० 7, सी० एस० नं० 3315 दो मंजिला प्रकाशिवला है तथा जो गोडेल रोड मुख्य भिक्तनगर स्टेशन सारन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 23 मार्च 1985

को पूर्वित्व बन्यत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान अतिपाल के सिष्ट् अन्वरित की यह है और बुधों मह विभ्रवास करने का कारण है कि वथापूर्वित बम्यत्ति का उपित बाजार मूल्य उत्तक व्यवमान प्रतिफल से, एसे अन्यमान प्रतिफल का पम्यक्ष प्रतिकाल से स्विक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्वरितियाँ) के बीच एसे बन्दर्श के सिष्ट् स्वय पाया गया मृतिकाल क्षिम्म्बितिक क्ष्रांक्ष के बच्छ बन्दर्श किर्युक्त में बास्तीयक कप से क्षिया नहीं विभ्रमा गया है है-न

- (क) अन्तरक से हुन्दें किसी नाय की बायत_ा उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्त<u>रक की</u> स्वित्य में कृती क्दुले ना दक्षचे क्द्रचे में दुनिया के लिए; आर/या
- ((पा), पुरेती किसी बाप या किसी थन या करण बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बावकर वर्षे धनियम 1922 (1922 का 11) या करण वर्षि विवस 1922 का 21) या करण वर्षि विवस 1927 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया आया वर्षिक्ष था, कियाने में बहुनिया ने विद्या

्बतः श्रृवः, उक्तः व्यथिनियमः, की भारा 269-न में अनुसरमः , बी, प्रक्तः अभिनियम की भारा 269-च की लपणारा (1) अभीन, निस्तिसिखं व्यक्तियों, वर्धात् ध— (1) श्री प्रकाश जन्द्र द्वारका दास मैक्सा और झन्य, कुल मुखत्यार—श्री बंसतलाल पोपटलाल मालविया, मालविया पेट्रोल पंप के नजवीक, मालविया अदर्स, मालविया चौक, मालविया रोड़ फोर्नर, जे० याज्ञिक रोड, राजकोट।

(ग्रन्तरका)

(2) मंसर्स नोवल कार्पीरेशन ट्रेड सेन्टर, सरदारनगर मुक्य रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

का वह सूचना वारी कारके प्योक्त संपत्ति के व्यंत् के सिक् कार्यगाहियां करता हो।

क्या दलतित में नर्पन ने क्यान वे' कोई' मीं मार्चका--

- (क) इब स्थार के एकपण के प्रकारत की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्त्वं के धी क्यां कर क्या की दावील के 30 दिन की वदीन को भी क्यां का की स्थाप के ही हो, के मीटर प्रवेचन का का को के किसी क्यांच्य द्वांत्र;
- (क) इस स्वान के राजवन में प्रकाशन की धारीय से 45 दिन के मीधर ज्वाद स्थावर संपत्ति में हिएजव्य विक्री नन्य स्थावत व्यारा, अभोहस्ताक्ष्री के शक्ष सिविश्व में किए या सर्वों ने।

नन्त्री

वार्ड नं० 7, सी० एस० नं० 3315 दो मंजिला विस्टिंडग 'प्रकाशविला' गोंडल मुख्य रोड़।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, महम्बाबाद

विवर्गक: 30-10-1985

मोहरः

प्रकृष बार्ड . दी . एव . एव . ----------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन बुचना

नारव संहकाड

कार्यासम, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनाँक 30 मक्तूबर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० वार्ड नं० 7, सी० एस० नं० 3314 विलिडिंग ग्राउन्ड क्लोर भ्रोर फर्स्ट क्लोर है तथा जो गोंडल मुख्य रोड पर भिक्तनगर सारन स्टेगन रोड में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 29 मार्च 1985।

को वृत्तीं भत्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करतों का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तब वावा नया प्रतिफल, निम्मिनिवत छब्दोस्य से उसत अन्तरण सिचित में वास्तरिक रूप में अभिक महीं किया नया है हि—

- (क) अन्तरण वेह्यं किसी शाय को शायत, उपत विध-भियम के वधीन कह दने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के चिए; बरि/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य जारितयी की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था. जिया विकास के लिए;

क्क: वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण रों, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बाधीय निय्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् १—— (1) श्री प्रशोक कुमार द्वारकादास मेहता, कुल मुखत्यार—श्री बंगतलाल पोपटलाल मालिया, मालिया बदर्म, मालिया चौक, मालिया रोड, जे० यागिनिक रोड़ कोर्नर, राजकोट।

(प्रन्तरक)

(2) मिसर्स वेलकम कार्पोरेशन ट्रेड सेंटर, सरदारनगर मुख्य रोड़, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्वत क्वारित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की नविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो धी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क ाचपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और धवाँ का, को उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाविद है, वहीं वर्ध होगा को उस बध्याय में विधा गया है।

श्रनुसूची

बिल्डिंग ग्राउन्ड फ्लोर श्रीर फर्स्ट फ्लोर बार्ड नं० 7 सी० एस० नं० 3314 गोंडल मुख्य रोड़ श्रीर भिनततनगर स्टेशन रोड रिजस्ट्रेशन नं० 2203/29-3-85।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **स्रहम**दाबाव

दिनौक: 30-10-1**98**5

इक्य बार्ड . री. एन. एक. मान्यमानामाना

कारकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--च (1) को विभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० 3897—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्यायें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के कथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कार्य का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन वार्ड नं० 15 शीट नं० 159 विवेकानंद रोड़ कोर्नर पर है तथा जो रामकृष्ण नगर राजकोट में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री एर्ना श्रिध कारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक 19 मार्च 1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल। के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने अरने का कारण है कि स्थापनींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूग्व, उत्तकों असमान प्रतिफल में, एवं असमान प्रतिक्ता का रुख्य, प्रतिकात ते विश्वक है बीर सन्तरक (बन्तरकों) और अम्बरिती (अन्तरितिकों) के बीच पूरे अन्तरम के कियु क्य बाबा गया प्रतिकास निम्मीनिकत उन्नोदेश वे अन्त सन्तरम जिकित में बास्तीवक सम्ब के क्यांच नहीं किया क्या है:—

- (अ) अस्तरम सं सूर्व किसी बाब की बाबत उक्त बाँध-हैंन्सम् की संधीन कार बाँचे की ब्रम्करण को समित्रम की कभी करने का क्यूबों क्याने की ब्रांचिमा को लिए; वरिश्वा
- शिक्षे एली किसी अल का किसी अन का जन्म वास्तियों को, चिन्हें भारतीय जावकर अधिनियमे, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या अप अंद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोच-नार्थ जन्मरिती ध्वास प्रकट नहीं चिन्नमा वक्षा था या विजया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के सिस्ह;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे वचीन, निम्माविक व्यक्तिकों, वजीत कर्

- श्री सुरेन्द्र सिंह एस० जाडेजा मागनेश प्रपार्टमेंट,
 - 5, जागनाथ प्लाट, राजकोट।
 - 2 श्री किणोर एन० तिवेदी, मागनेश श्राप्टमेंट, 5, जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) उषा बहन के० कोटेचा,, चंद्रीका बहन जे० ठाकुर महेशकुमार के० कोठारी, दीप्ती बहन एन० कोठारी, कोवेरा टापर्स, 9, रामकृष्णनगर, राजकोट ।

(भन्तरिती)

नों नह हचना चारी करके पूर्वोक्त नन्गरित के नर्जन के सिर् कार्वपाहितां करता हों:

जबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन की अमिथ ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तालीय से 30 दिन की अपिथ, जो भी वर्षीय नाम में सजारत होती हो., के मीसर प्रकेश व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सूचना को राजनन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतार उनत स्थामर सम्मरित में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृद्ध अनोहत्ताकारी के बार सिवित में निम्म का तमीने ।

श्यक्षीकरण:--- इवने प्रयुक्त कर्मा बीर वर्ष का, वी क्यर व्यक्षित्रका के बच्चाव 20-क में पट्टिशावित ही, नहीं जर्थ होना, वी उस मध्यक में विव नवा ही।

प्रनुसूची

वार्ड न० 15 शीट न० 159, विवेकानंद रोड कोर्नर पर, 9, रामकृष्ण नगर राजकोट रिजस्ट्रेंशन नं० $2214/4-4\sim84$ नया $1860/85/19-3\sim85$ ।

जी० के० पंडया, मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, म्रहमदाबाद

विनाँक 30-10-1985 मोहर: ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिना : 30 अक्टूबर 1985

निर्देण मु० पी० ग्रार० 3898 स-ग्रानः, मझे, नी० फे० पंड्या

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क वे अधीन सदाम प्राधिकारी की यह गिष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीय जिसकी से जिमीन पाष्ट्राट सी० टी० सर्वे नं ० जी अ-1 प्रान नं ० 6 है तथा जो प्राट नं ० 16 शाय नं ० 16 शाय नं ० 1027/20-3-85 में स्थित है (श्रांय इससे उपाबद अनसूची में स्रोंय पूर्ण क्या के विणय है) पित्रस्ट्रीक्षाची स्रीध परी के अर्थान स्वाप्त की प्रिस्ट्रीक्षाची स्वीप्त की प्रिस्ट्रीक्षाची स्वीप्त 1908 (1908 जा 16) के स्रवीन, दिना उ 20 मार्च 1985

कर् पृथार र स्पानिश के उभित वाचार मून्य से कम के स्वयान प्रतिकास के निए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थाप्यक्ति स्पारित का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बतरिती (अतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के सिए ध्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (%) अन्तरण म , %' गिर्मे अप भी अपन, उपन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामस्य मां कभी करन या उसर वसन मां माविका के सिए: बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोकनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना काहिए दा, छिपाने में सुविधा किया।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

13 -386 GI/85

(1) श्री कार्जाभाई कर्जनभाई, जाम टोम्बाडी, जिला-स्कारणकार

(प्रसारकः)

(2) श्री भगनलाल गोवर्धनदाम पटेल ग्रीर 10 श्रन्य गोट जेवी भी रका क पीले, बेडी रोड, कामनगर। (अन्तरिती)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता ह**ू**।

उक्त संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (स) इस स्पान के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सेवंभी व्यक्तियों पर स्पान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को बी अविधि बाद मा सभाप्त हाती हो, के नीतर प्रवेक्त स्थारा.
- (अ) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किम अन्य स्थापत स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत

स्थब्दोकरण:--इसमे प्रयुवक शब्दों बार पदाँ का, वा कवत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा प्रवाही।

समस्यो

जमोन पाट साठ टो० सर्वे न० जीन 1–1 प्रांत न० 6 प्रताह न० 16 प्रांत्रम्केमान न० 1027/20–3–85 ।

जी० के० पंख्या सक्षम प्राविकारी सहापक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहसदाबाद

दिन(स. 30-10-1985 म्हिं

प्ररूप बाइ. टी. एमं. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, शहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3899---ग्रतः मुझे, जी० के०

· पं**ड**या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 573 सं 575 प्लाट नंव 11 श्रीर 12 स्थित आफिस स्म, स्टोर हम है श्रीर शेड जमीत पर क्षेत्रफल 122133 वर्ग यार्ड, तथा जो राजकोट जामनगर नेथि साइट पर है, (श्रीर इर.से उपावड अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयची श्रीध ारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीय बरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनां र 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्त्विक कृष्य से कर्षर नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, टिम्सोलेखित व्यक्तियों, अधीर :--- (1 में सर्स दिशान कोल्ल स्टोरेज और श्राइस फैमैटरी गोंडल रोड़, राजकोट।

(ग्रन्तर 🕫)

(2) पुजारहार मुदरन, सी० पी० रामचंद्रन नायर स्रीर 12 अन्य नं० (1) 10-1 स्रीभलाषा, इन धमटैक्स सोसाइटी राजकोट । नं० (2) 2, क्याटर नं०, 88-ए, 2, बोटी कंपाऊंड वेस्वटर्न रेलवे राजकोट ।

(भ्रन्तरितीऋ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सर्वे नं० 573 से 575 पाटिनं० 11 और 12 श्राफिस कम स्टोर कम श्रौर रोड जमीन पर क्षेत्रफल 122.3 वर्ग यार्ड राजकोट जामनगर रोड़ पर।

> जीं० के० पड़या सक्षम प्राधि ारी सहायक्ष ध्रायक्षर ब्राय्क्त (निर्राक्षण) सर्जन रेंकिया, प्रहमदायाद

दिनांक: 31-10-1985

मोहरः

प्रकृप माई.टी.एन.एस.-----

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, बहायक बायकर बायक्त (निरक्षिक)

स्रर्जन रेंज- 1, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 3900--ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उनत निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ने नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मन्यांत, जिसका उचित् वाजार मूक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं ० महान 2, जंगनाथ प्लाट पर जमीन क्षेत्रफल 470 वर्ग यार्ड है नथा जो बोधकाम विद्याजगा 200 वर्ग यार्ड आरं ० नं ० 1967/22-3-85 में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध श्रमुसूची में श्रोर पूर्ण क्ष्म में वर्णित है) रिजिस्ट्री ज्ञां श्रिक्ष हो पूर्ण क्ष्म में वर्णित है) रिजिस्ट्री ज्ञां श्रिक्ष हो पूर्ण क्ष्म में वर्णित है) रिजिस्ट्री ज्ञां श्रिक्ष हो प्राप्त राजकोट में रिजिस्ट्री ज्ञां श्रिक्ष श्रीक्ष साम प्राप्त में प्राप्त के अधीन, दिना उपाय श्रीक्ष 1985 का पूर्व के स्पार्थ के स्थाद बाबार मूल्य वे क्ष्म के स्ववाद श्रीक्स के सिए वंतरित की गई है और मूले वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्व के सम्पत्त की उपाय प्राप्त का स्वय श्रीक्त से दिस्सान प्रतिफल का स्वय श्रीक्त से व्यवस्थ है और वंतरक (वंतरका) बीर वंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिफल का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिक का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिक का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिक का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिक का निम्मसिवित उपाय से वंतरण के सिए तम पाया नया प्रतिक का निम्मसिवित उपाय से प्रतिक का वंतरण निम्मसिवित उपाय से प्रतिक का वंतरण के सिए तम पाया निम्मसिवित उपाय से प्रतिक का वंतरण का वंतरण निम्मसिवित उपाय से प्रतिक का वंतरण निम्मसिवित से प्रतिक से प्रतिक का वंतरण का वंतरण निम्मसिवित से प्रतिक से प्यो से प्रतिक से प्रतिक से प्रतिक से प्रतिक से प्रतिक से प्रतिक से

विक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीधित्यम के व्यीप कर दोने के वंतरक के वाधित्यम के व्यी करने या उद्यक्ष वचने में वृधिका क 1/4ए, करिर था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय नायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाथ मनिरतों द्वारा प्रकार नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्राः. अत्र, उत्तर विधिनियम की धारा 269-म की जनुसरण कों, को सबस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन,, निक्निजियित व्यक्तियों, वर्षात् ६(1) श्री कांनी गाल रेवाणकर बारा एच० यू० एफ० के हर्ना, मैनेजर श्री भूपेन्द्र कुमार बोरा के०/श्राफ / बंगाल जारीया मैलोरीज (प्रा०) लिखिटेंड जारीय (बिहार)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवानजी कांजीभाई, श्रीमती शारदा बहन भगवानजी 'श्रमीजात', 4, भवितनगर सोक्षायटी राजकोट।

(अन्नरिता)

को बहु सूचना चारी करके नुवीनत सम्पत्ति के अर्थन क्षेत्रिय कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ५---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्याप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य स्थितित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थितित में किए का सकेंने।

स्वकाकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों अप उदा का, शो उपह वीधीनसम के वध्याल 20-क में परिभाविद्य है, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याप में दिवा नवा है।

बिल्डिंग 2, जगन्नाथ प्लाट पर जमीन क्षेत्रफल 470 वर्गयाई बांधकाम किया जगा 00 वर्गयाई।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 31-10-1985

प्रकम बार्ड, टी. एत. एस.----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यासम, सहायक सायकर बायुक्त (निर्दाक्त)

अजन रें ग~1, श्रह**म**दाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 30 श्रक्तुबर 1985

निर्देण स० पी० श्रार० न० 3901~—श्रत मुझे जी० ४० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्यात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० जर्मात कम्द्रकणन ग्रहमदाबाद टी० पी० एम० 28 है तथा जो एफ० पी० 101 हिस्सा क्षेत्रफल 775 वर्ग मीटर, कंस्ट्रकणन में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद अत्मुची में श्रीर पूर्ण रूप न विणत है), रिजस्ट्रोजनी प्रधिकार कि कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री रूण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 15 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योक्ति संपत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबस, उक्त विधिनियत के विभीन कर दोने के जन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के विषय; बौद्ध/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को भिन्ह भारतीय नाम-कर निभिन्न 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना वाहिए था, कियाने वे ब्विभा के बिष्;

जतः जब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के वनुसरण वै वै उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कथीन, निस्तिवित व्यक्तिवीं, विधीत् व्यक्ति (1) श्री संधाराम गोक लदास, मुंबीदार नवा बाउज ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) सगम ब्रानर्स एमो(म्येणन ब्राग्नेनाइजर श्री राजेण प्रवीनचेद्र फ्लैट न० मी-2 राजा फ्लेटग, नारनपुरा रलके कासिंग, ब्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु कृष्या बारी कड़ेके पूर्वोक्त बन्यस्ति के वर्षन बे लिए कार्यवाहियां कड़ता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीच से 45 किंद की वर्वीच या तरक्ष्यां व्यक्तियों पूड स्वान की तामील से 30 दिन की वर्वीच, को भी वर्वीच वाद मों क्षाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तिया मों से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (क) इन्त सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृति में हित्बक्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनितम, के जध्याय 20-क में पुरिशायित हैं, पहीं वर्ष होता को उस बध्याद में दिवा प्रसाह ।

अनुसूची

ामीन- कस्ट्रक्शन (बाकी) सहमदाबाद में टी० पी० एग० 18 एफ० पी० 201, वार्ड सीम सर्वे न० 640 हिस्सा 2 जमीन क्षेत्रफल 775 वर्ग मीटर- - कस्ट्रक्शन राज स्ट्रेणन नं० 4139/ 15-3-85 ।

> जॉ० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रेजें ा, शहमदाबाद

दिनाम 30-10-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्देश मं०पी० ग्रार० नं० 3902—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन गाँव बोयल में तालुका-दम फ्लोर है तथा जो ब्लाक नं० 653 क्षेत्रफल 2 एकड 32 गुंडा 13552 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध ग्रमुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधि तियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक 29 मार्च 1985

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल को ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंक्षह प्रतिकात स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित ट्रव्हेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधां के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा स्वे लिए;

अतः कत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण है, सैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपभारा (1) है अधोन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री नारन**माई चीमनभाई पटेल.** गांव वोयल, नालुका दस फ्लोर, जिला ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) पायल पार्क को० ग्रो० हा० मोमायटी, सेन्नेटरी श्री श्रणोक मी० दामानी ए-35 मैं किड फ्लोर, केचीरल कार्मिणियल सेन्टर ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कीई भी आक्षेप :---,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यद्वीकरण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ दुरेगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्ची

जमीन गाँव बोयल में ब्लाक न० 653 क्षेत्रफल 2 एकड़ 32 गुड़ा--13552 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेणन नं०, 3726/29-3-1985।

जी० के० पंडया यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1985

प्रकार बाह् <u>.टी .पुन . एस</u>

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारह सरकात्र

कार्यानव, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3903—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व ध्वयो ध्सके प्रवाद 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन गाँव नरोड़ा सीम में सर्वे नं० 1107/1/2 है तथा जो पैकी 11000 वर्ग यार्ड नरोड़ा, लीला श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय 37 इ इ फाइल क्या मे रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाँक 18 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त संपृतित के उपन्त वाकार कृत्य थे कान के स्वयुवान प्रतिकाल के लिए जन्तरित की पूर्व हैं जीर मुझे यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पृति का उपित वाकार बूक्य, उसके श्व्यमान प्रतिकाल से, ऐसे श्र्यमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिवात से जिथक हैं और बन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकाल, निम्निविधित उप्योक्त से उस्त जन्तरण निविध को बास्तिक क्य से किथा नहीं किया था हैं —

- (क) जन्तरण से हुई किती शाय की बाबत, उपत विश्वित्व, के ब्योग कर दोने के जन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उसते वचने में सुविधा के जिए; बीर/वा
- (का) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर वृधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उनत निधिनियम या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया चया था ना किया जाना जाहिए था, कियाने में बृद्धिया चे किया

ब्दः अव, अवत विश्वितवय् वर्तं पाद्या 269-व व वन्यरम भी, भी उन्नत अभिनियम को भारा 269-व की वपभारा (1) अ अभीन, निम्नीसियत व्यक्तियों, अभीत्:—

- (1) श्री नरोत्तमभाई लालभाई (एच०यू०एफ०) रोड लालभाई डलयनभाई बन्डा थानकोर नाका, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पुनमभाई शंकरभाई, टोल नाका नजदीक बापूनगर श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

की वह स्वान कारी करके पूर्वोक्त इस्पत्ति के सर्वन के सिक् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उपत बंपरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोब ---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारी है से 45 विम् की बनिय ना तत्त्वम्बून्थी व्यक्तियों दर क्यान की तामी करें 30 विन की बनिथ, को थी अविष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (व) हव बुजना ने राज्यम के अकावन की तारीज है 48 जिन में प्रीवर क्या हवावर बन्गरित में दिवसूप विकास मान नारित हवाड़ा नवाहरताकाटी ने वाज दिवसित में सितु का बन्नेने 3

स्वव्यक्तित्व :---इसमें प्रयुक्त सम्बंधी और पर्वो का, भी उपते वृद्धियुक्त, से स्थाय 20-स में प्रिशानिक है, वहीं वर्ष होता, को उस सभाव में विका द्या है।

अनुसूर्चा

जमीन गाँव नरोड़ा सीम में जिला श्रहमदाबाद सर्वे नं 1107/1/2 पैंकी 11000 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन न० 37 इ इ दिनॉक 18-3-85 को फाइल किया।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, स्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1985

मोहरः

प्ररूप आहे. डी. एन. एस.-----

जाबकर बर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नागुक्त (निरक्षिण)

त्रर्जन रेंज-1, श्रहसदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्देश स० पी० आर० 3904—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जमीन गाँव नरोड़ा जिला श्रहमदाबाद में है जो सर्वे नं० 1112 क्षेत्रफल 22022 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, 37 इ इ फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक 18 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्मित्त क उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य बसक दरयमान प्रतिफाल के एन्बे दरयमान प्रतिफाल का पन्तद्व प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नीनीवत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण किविष वे वास्तिवक कर से कवित नहीं किवा भवा है:—

- (क) जन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या बन्त बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के बिए;

भतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की नण्धारा /1) के अधीर, निम्निलिकिए व्यक्तियों, वर्षात् :--

- (1) श्री नरोत्तम् लालमाई (एच० यू० एफ०), सेठ लाल भाई दलयनभाई बन्डा थानकोर नाका, स्रहमदाबाद । (स्रन्तरक)
- (2) नीखर को० म्रा० हा० सोसायटी (प्रयोजड) प्रोमोटर श्री पिनुभाई डायाभाई पटेल म्रीर म्रन्य मी-24, हर्पद कालोनी, राजलक्ष्मी मोसायटी के नजदीक, इंडिया कालोनी के पीछे, वायूनगर, श्रह्मदावाद।

(ग्रन्तरिती)

 पक्ष सथला बारी करने प्वाॅन्स सम्परित वे वर्णन् के सिए कार्यवाहिया करता हो।

बनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मदिस में हितबब्ध किसी कन्य स्थावत ब्वास वधोहस्ताक्षरी के पास विशेषत में किए वा स्कीवी।

त्यक्ष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों हीर उने का नी उन्ह अधिनियम क अध्याय 20-क में उरिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय मं दिया गया है।

वन्तुची

जमीन गाँव नरोड़ा में जिला ध्रहमदाबाद सर्वे नं० 1112 क्षेत्रफल 22022 वर्ग यार्ड 37 इ इ दिनाँक 18-3-85 की फाइल किया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 30-10-1985

प्ररूप जार्ड. टी. एन. एस. ------

बायकर ब्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 3905—— ग्रनः मुझे जी० के० पंडया

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एच० पी० श्रहमदाबाद में वाडज सीम सर्वे नं० 319/बी/1 है नथा जो 319/बी/2 जमीन क्षेत्रफल 227.5 वर्ग यार्ड + मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची संग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 28 मार्च 1985।

को पूर्वे कि सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रिक्षिक को लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए त्य पावा गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्विषय से उक्त अन्तरण निश्वित में अस्तिक कप से कियत नहीं किया ग्वा है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनयम के बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (था) एति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ जंसरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के बिए;

जबः सब, स्थव वीधीनयम की धारा 269-ए से अनुसरक वी, मी, उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) है वधीन, निम्नीसिक्त स्थानित्वी, वर्धात् ६—-- (1) श्री रामभाई रनछोडभाई तीकमभाई रनछोड़भाई नयो पास, नया पाडन, श्रहमदाबाद ।

स्तर स<u>्वर्णक</u>ः अर्थ रा**राज्य+श्री स्वर्णकर स्वर**

(श्रन्तरक)

(2) को० ग्रो० बैंक भ्राफ ग्रहमदाबाद यथ्यरकुपा, रोलीफ रोड, प्रहमदाबाद ।

(प्रनारिती)

का यह स्वजा जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वालीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की व्यिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एच० सी० अहमदाबाद में वार्डम मीम सर्वे न० 319/बी/1 319/बी/2 जमीन क्षेत्रफल 200 वर्ग यार्ड+27.5 वर्ग यार्ड+मकान रिजस्ट्रेशन नं० 4350/28-3-85

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी गज़ायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1985

माहर:

अक्य बार्ड, टी. एन. एस.-----

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के मधीन स्वना

धारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्त)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिभार 30 अन्तुबर 1985

निर्देश मर्० पी० आर० न० ३९०६—अतः मुझे, जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इंडर्ज इंसको पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,00-0 र. से अधिक हैं

भीर जिसकी से० आफिन न० ए--35 सैनिड प्लीर कैपिटल कार्मिणियल सेन्टर है तथा जो आक्षम रोड अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) वे अबीन, दिसांक 15 मार्च 1985।

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरूप हं हुइ किसी भाष की नाम्त्, जनक स्थितित्रथ के प्रधीन कर बने के बन्तरक के समित्य में क्षती करमें या उद्यक्त । चने में सुविभा के "अए: सरि/ना
- (७) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, या भन-काप अधिनियम, या भन-काप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वाश प्रकट नहीं किया नया का वा किया नाता चाहिए था, जियाने में स्विधा के सिए,

अतः अबः, उश्रतः अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीर, जिम्निलिशिक्ष व्यक्तियों, अर्थादः—

(1) इन्वेन्टर्स इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड मैनेजिन प्रायरेक्टर पंचन प्री० पटेल मारवे रोड़ मलाइ (वस्ट) वाम्बे-64।

(अन्तर्क)

(2) श्री अशोक चुन्नीलाल दामानी ए-35 कैपीटल कोमर-शियल सेन्टरचैक्डि फ्लोर, आश्रम रोड़, अह्मदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निष्यत में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुपुची

आफिस न० 35 ब्लाक ए सैंकिड फ्लोर क्षेत्रफत 330 वर्ग फीट कैपीटन किसिणियल सेन्टर आश्रम रोड अहमदाबाद रिजिस्ट्रेशन न० 4106/15-3-85।

> जी० के० पड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जप रेज-1, अहमदाबाद

বিধাক: 30-10-1985

मोहर:

14-386G1/85

शस्त्र बार्ड . टी. एन . एव .-----

श्रायक्षर मीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन ब्यना

शायम् स्यामा

कार्यामय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3907—अतः मुझे जी० के० पंडया

नावकर निभिन्निन, 1961 (1961 का 43) विके इस्कें इसके परचात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धितका उचित वासार मूस्य 1,00,000/-कः से अधिक हैं

द्यौर जिसकी मं० खेती की जमीन गांव दौलतपुरा में जिला जूमागढ़ है तथा जो क्षेत्रफल 3 एकड 25 गुठा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 25 मार्च 1985।

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाचार बृह्य, उद्यक्ते क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्र बृह्य से विभक्त है बाद बन्तरक (बन्तरकों) बाद बन्तरियी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरच के लिए सब पावा ग्वा बात्कल, निम्नलिवित उद्योग्य से उन्त बन्तरण निविध में अस्तिविक क्ष्य से क्षित नहीं किया गवा है :---

- (क) जन्तरण ते हुई कियी जाव की बाबत, उपत जिपिनजब के जभीन कर दोने के जम्मरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: जॉर/या
- (क) एसी किसी जान या किसी धन या अन्य नास्तिकों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधीनयम, 1922 है1922 का 11) या उक्त निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के अनोजनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा किया धाना चाहिए क स्थिपाने में सुविधा से निष्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री बालुभाई रजाभाई रवार, गांव दोलतपुरा, जिला जुनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री रमीकलाल वृजलाल चोकमी की श्रोर में कुल मुखत्यार श्री खुशालभाई वृजलाल चोकमी, चौकमी वाजार, जुनागढ़।

(अन्नरिती)

को वह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन को निष्ठ कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ध्यना में ग्राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, सो भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती कन्य स्थिति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाच विविक्त में किए वा वधोंने।

त्यक के करणः — इसमें प्रवृक्त क्यां बीर पदां का, वां बनक अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, वां उत्त सध्याय में दिया वडा हैं।

सर क्यो

खेती की जमीभ गांव दॉलिनपुरा में जिला ज्नागढ़ सर्वे नं० 34 क्षेत्रफल 3 एकड 25 गुठा रजिस्ट्रेशन नं० 565/ 25~3—1985।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 31-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 31 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आप० नं० 3908——अतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जिमीन वस्त्रापुर जिला अहमदाबाद सर्वे तं व 119.128 यार्ड है नथा जो क्षेत्रफल 1028 वर्ग यार्ड टी व पी व एस । एफ पी व न व 103, क्षेत्रफल 806 वर्ग मीटर वस्त्रापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विजित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 16 मार्च 1985।

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में न्यस्तिकः रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के टिलए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) चंद्राबेहन जमंतीलाल शाह, स्कायस्फ्रेयर भी • क्लाक, सांतवा मंजला, बीच कैन्डी बोस्बे।

(अन्तरक)

(2) पुण्य अपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसियेशन मेक्नेटरी श्री भरतकुमार के० मेहता बी० नं० 20, तेजपुर सोसायटी फतेहपुरा पालड़ी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दो और पर्वो का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीम क्षेत्रफल 1088 वर्ग यार्ड वस्तापुर सीम में जिला अहमदाबाद सर्वे नं० 119, 122, 123, 124, 126, 128 सब प्लाट नं० 36 टी० पी० एस० 1 वस्तापुर एफ० पी० नं० 103 क्षेत्रफल 806 वर्ग मीट्टर रजिस्ट्रेशन नं० 4160/163— 1985 पर से।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-1, **सहमवाजाद**

दिनांक: 31-10-1985

प्रक्ष बार् .टी.एन., एस.-----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 31 अस्तूबर 1985

निर्देश मं० पी० आर० न० ३९०९—अत. मुझे, जी० के० पष्टया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी स० एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 6 एफ० पी० नं० 401 है तथा जो एस० पी० नं० 12 क्षेत्रफल 405.5 वर्ग मीटर—महान में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री कर्ना अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 8 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल स, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्येश्य से उक्त अन्तरण सिचित में नास्तिवक रूप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्य अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, भें, उन्त अधिजियम ो धारा 269-व की अधिशारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री विमलभाई मानेकलाल गजरावाला, 6-की अमर अपार्टमेट, श्री तिवास सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) सुमद्रा बेहन रमनलाल शाह, भरत कुमार रमनलाल शाह बी० न० 1 श्रोपेरा सोसायटी विकास गृह रोड़ के नजदीक थालड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना शारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख हैं
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थव्योकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

यनूसुची

एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 409 पैकी एस० पी० न० 12 सर्वे न० 144 जमीन क्षेत्रफल 405-50 वर्ग मीटर + मकात पालडी सीम रिजस्ट्रेशन नं० 2578/3/8-3-85।

जी० के० पड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

विनाक: 31-10-1985

प्रकृप बार्ष: ही. एन इस ------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सहस्राह

कार्यालय , सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेश,श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनार 31 श्रक्तूबर 1985

निदेश सुरु पी० ग्राप्त नुरु 3910—ग्रान. मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के विभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार भूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रीप जिस्की मं० जमीन परवापुर में गीम जिला स्रहसवा वाद सर्वे ने । 19-122 है तथा जी सदि ऐने पीठ ने एठ क्षेत्रफल 657 वर्ग साई व प्लिन्थ प स्थित है। (स्रंप् इसमें उपावस प्रमुखी में स्रीप पर्ण रूप र गणि। है) रिजस्ट्रीक्षण स्रिधकारी के लायोज्य सहमदाबाद में राजस्ट्री-करण स्रिधितिम, 1908 (1908 । 16) के स्थीन नारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिफ स के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त्रीक क्य से किवा नहीं किया गया है:——

- (का) सन्तरण ते हुई किसी नाय की बाबद, उसा विधिनियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक थी दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में तृषिभा वे निष्ट; बीड़/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपान से सुविधा के सिए।

कतः कव, उक्त निधिनियम की धारा २६०-म के अन्यास्त में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की स्पधारा (1) के निधनित स्वित स्वितियों, निधनित स्वितियों, निधनित

- 1. डा० जुरी लेशास हारम्य सेमसन ऐन ब्रारम्स
 पुराण साहनभाई ब्रार० मारवाड,
 4. सुदर्शन सामायटी,
 नारनपुरा, घहमदाबाद।
 (अस्तराः)
- य मैं० निर्माल ार्पोटणन चैयरमैंन जगदीय लक्ष्मनभाई कन्द्रबटर फ्लैट न० बी-ठ नेजन प्रपार्टमेट, मेमनगर फायर स्टेशन के सामने, सेट जैवियर्स शरम्फुल रोड़, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तारती)

की यह स्वतः आरः कर्कं प्रवित्तः सम्पति क अजन को लिए कर्यवाहियो करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की पार्टीन में 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि ताद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः —-इसमा अयुवत शाज्या और पर्दो का, जा उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पम्बापुर में जिला श्रहमदाबाद जमीन+ फ्लिस्थ क्षेत्रफल 657 वर्ग यार्ड पस्त्रापुर सीमा में सर्वे नं 119-122-126-124-128-137 ग्रं123 सब प्लाट नं 2-ए० रिक्ट्रिंगन नं 3841/12-3-851

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी गहाय। आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज∼ा,ऋहमदाबाद

तारीख 31—10-1985 मेहिर. । ५००म भाष'. ही एत एवं.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकात

कार्याक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रक्तुबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० र्न० 3911—श्रनः मुझे, जी० के० पंडया.

शासकर शिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बण्डार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० लोस होस्ड राइट्स सेल्ट वर्बस यूनियन 1, 2 और 3 प्लान्ट श्रीर मणानरी के साथ श्रेत्रफल टोटल 5300 ऐकर एलबर्ट विकटर डुंगर सीराष्ट्र पर है नथा जो सौराष्ट्र में स्थित है। (फार्म नं० 37-ईडिं० फाइल किया) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, 37-ईडिं० फाइल किया मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, नारीख 20-2-1985

नदे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत्त के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार कृष्य, असके द्रश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकत के पन्न प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय वाबा गया प्रतिक क्या निम्नतिविद्य उद्योग्य से अस्त अन्तर्ण निम्नतिविद्य उद्योग्य से अस्त अन्तर्ण निम्नति में वास्तिवक अस्य से कमित नहीं किया प्या है है—

- (क), श्रीराण से हुई किसी नाम की नामतः, उसत आधानमा सामधीन कर दोने के असारक के नामित्य में कभी काउने ना उससे नज़ने में सुविधा के सिक्; नीड/मा
- (वं) एसी किसी बान या किसी वन वा अन्य आस्टियों को जिन्हों भारतीय वायकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत् निर्मित्यम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधभाष अन्यद्विती वृषाद्वा अवट नहीं किया वया ना वा किसा आना डाहिए था, कियाने में मुनिया में किस;

बतः सव, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण कें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कें बभीन, निस्तिवित स्पितिसर्थों, समित् हर प्र मैं० सौराष्ट्र सोल्ट वर्कर्स प्रा० लिमिटेड,
 6-वी, बुफफन इन्स्योरेंस बिल्डिंग,
 छठा मंजिल, वीर नरीमन रोड़,
 चर्च गेट, बाम्बे-400020।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० गुजरात हवी केमिकल्य लिमिटेड, मिसरी चेम्बर्स, छठा मंजिला, खानपुर, ग्रहमदाबाद-380087।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिह के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त रामारित के नर्जन के सम्बन्ध के कोई भी आहरें।---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नगींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूजन की हामील से 30 दिन की व्यक्ति, को जी नविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताशदी के वास निवास में किए वा सकींगे।

स्यष्टिकर्णः — इसमें प्रयुक्त सक्यों बरि पर्धी का, वा उक्त बिधिनियम, से अध्याय 20 क में परिभाणित है वही पर्थ होता जो उन सक्ष्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

लीस होल्डशरटस मोल्ट वर्कस यूनिट में 1, 2, ग्रौर 3 प्लान्ट ग्रौर मशीनरी के साथ टोटल क्षेवफल 5300 ऐकर ग्रेरबर्ट विकटर दुगर माराष्ट्र में स्थित है ग्रीर प्लान्ट के साथ ग्रोमाइन ग्रीर ग्रोमाइहन जमीन।

जी० के० पंड्या
यसक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरी६ण)
ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-10-1985

भोहर.

प्रक्रम बाह्न, ही एन एस. - - - --

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 शक्तूबर 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3914-−श्रत मुझे, जी० के० पंडया.

भायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं जिमीन पठवान सीमा में सर्वे तं 1956 है तथा जो क्षेत्रफल 1 ऐकर 10-5 गुठा--6170 स्कर यार्ड में स्थित है (स्रौर इस्ते उपाबद्ध अनुभुक्ति में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकितां श्रीश्र तारी के जायित्य, पठवान में रिजिस्ट्रीकिएण श्रीश्रितियम, 1908 (1908 जा 16) के स्रधीन, नारीख 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और बुके, यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिकास कित निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण स हुई किसी नाय की नानत, उनक अधिनियम के नभीन कर दोने के अंतरक के दानित्व में कमी करने था उससे अपने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) एक उट अधिनियम, 1922 का स्तियक कार्यकार कुधिनियम, 1900 का 1957 का 2,100 का उपलब्ध को किया जाता आहिए था, छिपान में सुन्यभा खे लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं जनत अधिनियम की धारा 260-ण की उपधारा (1) अधिन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् .—— श्री गैलेष कुमार महासूखलाल शाह,
 15, पार- सोसायटी,
 मुरेन्द नगर।
 (ग्रन्तरक)

 श्री प्रतित कुमार रिसकताल शाह, ज्योतियेन रिस लाल शाह, ग्रादर्ण मोसायटी, मुरेन्द्र नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिश्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से इस दिन की अवधि, जो भी म्बाध अद गो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त के या में किसी ध्वक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था संकेंगे।

स्पक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जबक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन पठवान सीमा में सर्वे नं० 7956 क्षेत्रफल 1^{-17} एए 10-5 सुठ। --6110 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेणन न० 524/8-3-1985।

जी० के० पंडया सक्तम प्राधिक्षारी गहायक प्रायक्षण प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख 31--10--1985

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिला : 31 श्रक्ष्तूबर 1985 निदेश संव पीव श्राप्यव नंव ३९१५---ग्रतः मुझे, जीव केव पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम ए० इण्डस्ट्रियल अभीत गांव कामनयोर में है तथा जो जिला सुरेन्द्र नगर सर्वे नं० 87-88-89 9116 वर्ग यार्ड में शियन है (श्रीर इनमें उपावद्ध अनुमुत्री में श्रीर पूर्ण हम न विणि है), रिजर्स्ट्रानि अधिदारी के दार्यालय, पटवान में रिजर्स्ट्रान्य श्रीधित्यम, 1908 (1908 गा 16) के सधीन, नार्याल 15-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

1. मैं० तिप्रस इण्डस्ट्रीति, ज्ञानपीठ वारस्यान मली, साजकोटा (सन्तरक्ष)

 श्री जेग ग्रेनाइट, डा०यादिक रोड़, लक्ष्मरा झूलता, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मृजना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

Terral

एन० ए० इण्डिंग्ट्रियल जमन्त गांव ब्रामनबोर में जिला, नुरेन्द्र नगर सर्वे नं० 87-88-89, क्षेत्रफल 9116 वर्ग यार्ट रिजर्ट्रेशन न० 241/15-4-1985।

जी० के० पंडयत सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रावुक्त (निरीक्षण) श्राप्तेन रोज, श्रहसदाबाद

नारीख: 31-10-1985 सॉहर. प्ररूप बाह^{*}. टी. एन. एत. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक जायकर जायक (किरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाट 31 म्रक्टूबर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3916---ग्रत मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 14520 वर्ग मीटर गनेश खाँडमारी है तथा जो फैंच्टरी सर्वेन्ट क्वार्टर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिनारी के नार्यालय, वेरावल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 ए। 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि अधापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (कां एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धारी किया आना चहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए:

क्ति अस, उक्त रिधिनियम भी धारा 269-ग के अन्सरण में , भी, उन अधिनियम की धार 269-घ की रमधारा (1) के स्थीत कि शिला कर कित्यों , अधीत कि शिला कर कित्यों , अधीत कि 15—386GI/85

ग मै० वेराव : गरचेन्टाइल : ब :०, ग्रो० बै : लिभिटेड, सुविश सुभाग रोड, वेरावन ।

(1:47)

(यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पत्रोकन सक्रा के उजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत व एक का नो तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील म ३३ दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण को का ने नित्र पृथिकत स्थानित्यों में ने कियी किया का नित्र प्राप्त
- (क) इस सूचन। के राजपण र प्रकाश का तारीख से 45 दिन के भीतर उपन स्थार र राजिल में हितल्द्ध किसी अन्य व्यक्ति रवार स्थानेस्टक्षरी के पास सिक्ति में किए पा सक्षेप.

स्थल्दीकरण:—इसमें प्रयूक्त कहा अर दा हा, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं कर के उस अध्याम में दिया गया है।

ग्रनुसुची

जमीन क्षेत्रफन 14520 वर्ष पीटर गर्नेण कांडमारी फैक्टरी वस्पाउन्ड सर्वेन्ट क्वार्टर्स आदि ।

> ी० के० पडवा स्त्रान प्राधितारी महायत जान र त्व (विरोक्षण) वार्जा है —1, अहमदाबाद

तारीख 31-10-1985 मोहर. प्रकला, बाडी, टी एन. एस. ----

कायकर मीधीनयक, 1961 (1961 का 43) की शास 289-क (1) की सभीन सुचना

भावता अनुवास कार्याक्षयः, तक्षायक जानकर नावृक्तः (निरक्षिणः)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० पी० श्रार० न० 3912--श्रत मुझे, जी० के० पंडया,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार सम्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 902, नवाँ मजिला फिसेन्ट 'बी' वार्ड नं० 15 है नथा जो मी० टी० एम० न० 10 रेमकीर्स रोड, राजकीट में स्थित है (और 37 श्रार०श्रार० में फाइल तिया गया है) नथा जो रिजम्ट्री 'तिश्रि' गि के न्यां नियम, 37—श्रार० श्रार० फाइल नियम में रिजम्ट्रीन रण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 13—3—1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के खरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वान करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के धीख एने अन्तरण के लिए तय पाया गया अस्तिफल निम्नतिचित उप्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरक में हुई किथी आय की काश्य, जनस बीधिनवन की अधीन कर दोने में श्रीकारक सें वायित्व में कनी कार्य वा उससे बुक्त में सुनिका के सिए; बॉए/या

क्रम भव उक्त विभिन्निम भी बाग १६० म के बमसरक मो, मी, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, 'रम्मिचिव व्यक्तिमों, अर्थात् ह— 1 मेसर्ग जे० एस० कार्पोरेणन, 48, इन्द्रनारायन रोड, शान्ताकुल (बस्ट), वाम्बे-400 054।

(अन्तर्ह)

2 श्री मनीताल भाईताल तन्ना, के०/ग्रो० भारती साडी सेन्टर, 10/12 एसेम्बली लेन, दादा शेठ श्रगियारी लेन, बोम्बे-400002।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सुभाना जारी करके पृवांक्तः सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बब्ध किसी मन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याध 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है है।

मन संची

फ्लैंट नं० 902 नर्वों मंजिला पर किसेन्ट '**बी' बोर्ड** नं० 15 सी० टी० एम० नं० 10 रेमकोर्स रोड, ब्राजकोट।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख 31-10 1985 मोहर :

प्ररूप आई.्टी.एन.एड.-------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, यहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 31 अक्तूबर 1985

निदेश स० पी० अ।र० न० 3913---श्रा मुझे, जी० के**० पंड**या.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्स्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी स० तमीन पठनात तीमापर्ने त० 1934 है तथा जो क्षेत्रफल 4026 वर्ग या में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुकृती हू श्रीर पूर्ण पा विणत है), रिजस्ट्री हती अधि गरी के हायित्र के उठनात में र्रास्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 10) के बीजिं, तारीख 20-3-1985

को पृथिकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ मह विश्वास करने का कारण है कि युभापृतिकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उतके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और पूसे अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए त्य पाया भ्वा प्रतिफल, निम्निजिश उद्वास्य से उक्क अन्तरक सिक्षित के बारसिक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शवत, उक्त विभि-्रित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्री शाह अध्यत कुमार चंद्रलाल,शाह
प्रफुल कुमार चंद्रलाल,
की ग्रोर मे फुल मुख्स्यार शाह
वालचन्द्र के० जीन्मान रोड,
सुरेन्द्र नगर।

(ग्रन्सरक)

2. मैं० सलीम नगर को० श्रो० हा० सोसासायटी, चीफ श्रार्गेनाइजर जियाउदीन चिमनलाल शलानी के०/श्रा० वाजभाई चा० वाला, डायमंड टी० सेंटर, कुकडा प्रेस जीन, मेहना मार्केट, स्टेन्द्र नगर भ

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध मां काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, आं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इधारा अधीतृस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स् ब्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

श्रनसूची

जमीन क्षेत्रफल 4026 वर्ग यार्ड पठवान सीमा में सर्वे न० 1934 रजिस्ट्रेणन न० 723/20→3→1985।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी गहायक प्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

नारीख: 31-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनयम, 1961 (1901 का 43) की धारा 269-व (१) के बधीन स्वना

ALCH SAME

कार्यां सय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बानपुर नानपुर, दिनांत्र 1 श्चक्तूबर 1985 निदेश मं० एउ०-579/85-86--श्चतः मुझे, एच० श्चार० दास,

क्षारकर क्षणित्रिया । १८५ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उस्ते अर्थान्यमं कहा गया है), की धारा 269 स र्वे वर्षा करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

ग्रीर जिल्ही से गेंग ने 551 (पुराना ने 378-ए०) है तथा जो गा य वार में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में गोंग पर्य है। विज्ञान है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के वर्ष कि निवास में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 । 16) के ग्रधीन, तारीख 20-3-1985

- (क) अन्तरण स हुई ।कली लाय की बाबत, उक्त जी है प्रिक्त के सम्बद्धक के वर्षायल है काले करते वा सबसं स्वनं से स्विता है किए, प्रोप के
- (क) एसी किया जान का कियी भव वा सन्न सास्तियों की, विक्री कारिया जान कर सिमिनयस, 1922 (1922 की किया की जान की जान की समान की की किया प्रकट नहीं किया प्रवास की की किया प्रवास की की किया प्रवास की की किया प्रवास की की किया किया की किया किया की किया की किया की किया की किया की किया की किया किया की किया किया की किया किया की किया की किया किया की किया की किया किया की किया किया की किया किया की किया की किया की किया किया किया की किया किया की किया की किया की किया की किया की किया किया की किया की किया किया किया किया किया किया

खतः सम, उक्त किंशिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त का नावा का गरा 269-भ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीक्सती चमेली देवी पत्नी स्व० श्री बाल किशन दास निवासी 96, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद, वर्तमान के० एफ० 28, किव नगर, (2) देश बन्धु गर्ग पुत्र श्री वाल किशन दास, निवासी 378-ए०, रामनगर, वर्तमान के० एफ० 28, किव नगर, गाजियाबद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज रानी पत्नी राम नाथ ग्ररोड़ा, तिवासी डा० परमानन्द कालोनी, दिल्ली-9

(अन्तिती)

का बहु सूचना बारी करक प्ताक्त सर्पाप क सचन के बिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

तकत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी
 जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास है सिसत में किए जा सके थे।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा

वन्स्यी

म० नं० 551, पुराना नं० 378-ए, क्षेत्रफल 250 वर्ग गज में इसमाइल खां० (राम नगर) गाजियाबाद।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपूर

तारीख: 1-10-1985

प्रकप बार्ड . दी . एन . ए। स . ------

सायकर क्षिपियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक मामकर आय्वत (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 1 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० एम०-580/85-86—श्रतः मुझे, एख० भार० दास,

मायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार०/11/209, राज नगर है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-3-1985

का पूर्विकत सम्मित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान वृतिपत्त की गई है और मुक्त यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त सं, एसं दृश्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिस्तत से अधिक है और अंतरक (अंसरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बौज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निलिखत दृष्योप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स जिथितियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जीर/बा
- (च) एसी किसी जाग गा किसी भग या जन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयस्तिनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त सिधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिचित स्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल श्रीमती रानी देवासर पत्नी स्व० राजेन्द्र देवासर, व श्राणिष देवासर पुत्र स्व० राजेन्द्र देवाहर, निवासी सी-144, मोती बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- 2. श्री विजय पाल सिंह राठी, पुत्र श्री धर्म िंह व श्रीमती कैलास राठी पत्नी श्री विजय पाल सिंह राठी, एडवोकेट, द्वारा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, गाजियाबाद। (अन्तरिपी)
- 3. --यथोक्त--

(बह व्यक्ति, जिसके अधिनीम में सम्पत्ति है)

4 ——यथोक्त→--

बह व्यक्ति, जिनके बारे । स्वा-हस्ताक्षरो जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना बारी करके पूर्विकत सम्पर्वति की अजन का करण कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सपरि के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तप्कीर से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्ति में पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी . बिन्त व्यक्तियों में निक्सी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लागंध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिशाधित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास मा दिया गया है।

अभूसूची

मार/11/209, राज नगर, गःजियाबाद।

एच० ग्राप्त दान सक्षम जाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1985

मोहरः

प्रकल आह". टी., र्म. एस.,---- ---

_ _ _= _= t= == == ==

हाप्रकार ६ ० वर्स (1961 (1961 को 43) की आपा 209 वर्ष (1) के अभीन शुक्रा

भारत सरकार

कार्यात्मय सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, कानपुर

हानपुर, दिनौंह 4 नवस्बर 1985

निदेण स० एन/581/85-86---- अतः मुझे, एच० स्रार• दान,

आयकर जिल्लाम्यम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चात् 'उक्त आधिनयम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन मक्षक प्राधिकारों का, यह विश्वास करणे कारण ह कि स्थापन सम्भित, जिसका अधित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिन्हीं से प्लाट ने 5-बीं, 109 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप न वांगित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीध हारों के कार्यालय, गानियाबाद से, रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) में प्रधोन, तारीख 12-3-1985 का पूजाका उत्पान व जानन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का नई ही और नुभी यह विश्वास करने का कारण ही कि न्दार्मानत सम्मास का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल का पन्तर का कारण से कर निर्मान प्रतिफल का पन्तर का कारण से स्वाप्त का कारण का लए त्य पाया प्याप्तिक विनास उत्तरिक विश्वास उद्देश्य से उद्देश के स्थान का लिखत के पास्तिक स्थान विभिन्न उद्देश से उद्देश के स्थान का लिखत के पास्तिक स्थान विभिन्न को किया गया है :---

- (क) भ्रमपुष, स कृषे विकासी साम की शाससा, स्वस्थ प्राप्तियम क सर्वाय कर योगे के बुन्सुरक वे वाजिरस म कमा क्ष्य मा स्वस्ते भूमने में सुविवा के जिए; अकि/वा
- (क) ऐसी किसी बाथ वा किसी धन या बन्ध वास्तिवों का, फिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन्धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयाजनाथ अन्तारती धुशरा प्रकट नहीं किया (य) या या किया आनो काहिय था, छिपान में श्रीकथा क किया:

वतः जव, अक्त अभिनियमं की शारा 269-ग वी वन्तरक मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नर्शिश्त व्यक्तियों अधीत् '——

- 1 श्री उग्न सेन पुत्र श्री कबूल चन्द्र, नियासी एस० वी० 109, शास्त्री नगर, गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
 - 2 श्रीमती कृष्णा चौहान पत्नी श्री श्यामलाल चौहान, गाँव करहैंडा डा० मोहन नगर (लोनी), गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

भारे यह सुचना जारों करके पृत्रांक्स सर्वात के अर्थन के तियु कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ८

- (क) इस सुचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों दस
 सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी
 अव्दि बाद वें समान्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्छ
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (था) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारींच वा 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्मस्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताकारी के पांच निक्ति में किए या स्कारी।

स्पर्

प्लाट न० एस० बी० 109, गाजियाबाद।

एच० स्नार० दास [सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, कानपुर

तारी**ख**ः 4—11—1985 मोहर

प्रकृष बाहें . हें . एवं . एवं . ----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) में बजीर प्रथम

4134 43**45**5

कार्यावय, संस्थान नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० एम०/582/85-86--श्रतः मुझे, एच० भार० थाम.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्तम प्राभिकारी की यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थायर सभ्यत्ति, जिसका जिसका नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी मं० श्रार० 10/79 है तथा जो राज नगर सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपकर बाधार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योगय से उक्त अन्तरण निविद्यत में बास्तियक क्या से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) जन्तरण से हुन्दी कितीं बाव की नावत उपके जीविजन के नवींन कर दोने से अन्तरक में कविरय में कभी करते वा उसमें बजने में मुनिया के जिए; गीर/का
- (थ) ऐसी किसी जान वा किसी धन मा धन्न जास्तियाँ की, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अग्राक्ताओं अन्तिरिती क्यारा गम्द्र नहीं किया पना धा सा किया धाना चाहिए था. हिन्दाने में परिवार के जिल्हा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभाग (1) डे अभीन, निम्नितिकात स्यक्तियों, अर्थात् १५--

- 1. त्री मुरेण चल्द पूर्वा मार्ड स्ह, सित्रावी → न श्रार०—10/67, एस समर, मासियाबाद। (प्रस्तिक)
- 2- ची प्रताप सिंह एका पुत्र की ौगा तिह , तियासो केयर श्राफ इन्डिया श्राप्तणी। बैठ निवासो नीऐडा, गाजियाबाद।

(धनारिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्क बस्परित के बर्बन के सम्बन्ध के स्टेडिं भी बाक्षेप :----

- (क) हुन पूषना के उपयन के प्रकारत की वाहीय से 45 पिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दाषील से 30 किन की प्रविध्य, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो की भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में के फिकी स्वक्तित पुरुक्त
- (ख) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिस-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताकारी के पास तिचित में किए आ सर्वोगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त विभागम के नध्याय 2(का भी किस मित्राक्ति ही, वहीं वर्ष होता के भागमान किस गया है।

अनुस्ची

भवन प्लाट नं० 10/79 राजनगर, गाजियाबाद।

ए गण्यार दास सक्षम गांधिकारो सहायक आयकर त्रायुका (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-11-1985

मोहरः

प्रकल आर्च को स्पन स्पन स्टन्सन

गायका विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 नवस्वर 1985

निदेश मं० एम०-630/85-86—श्रतः मुझे, एच० श्रार० दाय,

आया र लिविनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार जिले विलिचमें कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्थ काल प्रतिकार की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानत काल पिकका लिक बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. में अधिक है

म्रीर जिलकी सं० खसरा नं० 2 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजि-यानाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख 21-3-1985

को ्वित्त संगत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित गाजार स्वय, उपके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्दर पिक्स से गिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक के लिए तय पाया गया पिक्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में स्विधा के लिए।

ात. ात. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, अपरा अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के आति. निम्नलिखित स्विक्तयों, अर्थात् ्र— श्री छोटे लाल पुत्र लक्का, गाँव सीकरी खुर्य, जलालाबाद, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरीण कुमार पुत्र जयन्ती सिंह, क्विमी— भगवान गंज मंत्री, मोदीनगर, गाजियाबाद। (प्रन्तरिती)

4. --तयं व---

(वह क्यक्ति, जिसके बारे से प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिट में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्च अभिनियम, के अध्याय 20-क में यक्षा परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

🏻 खमरा न० 2, गाँव माबिद पुर, गाजियाबार।

एच० म्रार० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

ता**रीख: 7-11-198**5

मोहरः

प्रका शाही, ही, एन, एक, ****

बाधकर वर्षिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के वधीन भूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निर्मेश्वक्र)

श्रजन रेज, मानपुर

कानपुर, दिनाम 7 नवम्बर 1985

निदेश स० एम०→636/85-86—-श्रत. मुझे, एच० श्रार० दास,

वासकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसने इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), जी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और दिक्को मं० खन्या न० 1003/2 है तथा हो, गाजिया-बाद में स्थित हैं (और इत्या उपावद्ध अन्यूचा में और पूर्ण रूप य विणित हैं), रिजम्द्राकर्ता अधि त्या के कार्यात्य, गाजियाबाद में, र्यास्ट्रीकरण अधितितम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोकत सम्पन्नि के उमित बाजार मूल्य से कम के क्यमान बिस्फल के सिए बंदरित की गई है जीर मूओ यह विकास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उमित बाजार भूष्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निसिति उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया बना है है——

- (क) जन्तरण व हुइ किसी बाध की बाबत, उभक्त विधिनवस के वधीर कर दाने के अन्तरक के साधितन में कसी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए, वरि/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम या धनयल अधिनियम, 1957 ने प्रयान नाम अन्तिरती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपान मा स्वित्त र । -

बत: व्या जनत विधिनियम की भारा 269-न ने वज्नरण मों, मों, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा के वे विधीन किन्निकिस व्यक्तियों, व्यक्ति :----- श्री चरन हिंह पुत्र 'में निह, निवासी • बहरा एन्जीपु", लोगी, गाणियाबाद।

(ग्रन्नर ह)

2 मैं० उत्तराचन विहार यह हारी प्रावास समिति नि० गाणियात्राद ।

(भ्रन्तरिती)

3 ---नथंैंश्र---

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में राम्पन्ति है)

4 --- নথীদ---

(बह व्यक्ति, जिपके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जातता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह बचना नारी करने प्यानित सम्मिति के नर्जन के निक कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सन्योत्त के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जनभि या तत्संत्री स्पनितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्त्रों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (का) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवच्य-किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नथीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रवक्त कर्वों और पदौं का, को अथा विश्विषम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वहा हैं।

अनु<mark>सुची</mark>

ज्ञमरा न० 1003/2 गांव वहरा हाजी पुर, परगना लानी, गांजियाबाद।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधि⇒ारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक, कानपुर

पारोख 7-·11--1985

भोहर:

बक्य, बाह्री ही, स्मः, एकः प्राप्त

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक मामकर काजूबत (निरीकक)

अर्जन रेज, अनपुर

कानपुर, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० एम०-638/85-186--- प्रत मुझे. एच० प्रार० दाप

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-व के अधीन मक्षण प्राधिकारी की, यह विकास करने का आएण ही कि स्थानर सम्मति, जिसका उजित गांवार सम्ब

आंट जिमकी सं० खमरा नं० 135, 37, 38, 44, 45

है तथा जो हपनपुर में स्थित है (और डामे उपाबद अनुसूबी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिनस्ट्री-र्ला प्रधित्तार्गा
के भार्यालय, दादरी में, रिनस्ट्री रण ग्रिधित्त्रम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 16-3-1985
को पृषोकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के स्वयान
प्रतिफल के लिए बंतरित की नई है और मृखे यह विश्वास करने
कस्ते का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मृख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल को एसे कममान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिचन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और नंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा नया
प्रतिफल, निम्निसिंगत सब्देश्य से उचत बन्तरण जिल्ति में
वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ने हुई जिस्ती भाग की नामत कनत जिल्ला नियम की नभीन कर दोन के बन्तरक के दायित्व को क्षती करने वा उत्तरी कचने को सुविधा के सिए; बीर/सा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या बच्च वाम्नियाँ को, जिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा से जिए।

जतः शन्त, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, धनतं मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिचित व्यक्तिकों, कर्षात्र , ...

- 1 श्री सतीणचन्द्र पुत्र स्व० कुंबर दीप चन्द, जैन निवामी- बानर रोड, बंगाली गार्केट नई विल्ली। (प्रत्यर)
- 2 श्री जगदीण प्र⊸ाण बाचक (भिचव) पुत्र रामजी लाल, निवासी——डी०-58, गली नं० 3 लक्ष्मी नगर, दिल्ली--92।

(भ्रन्तरिती)

3 --नदैव---

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में भग्गति हैं)

(यह व्यक्ति, जिपके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि यह परानि में ैं)

को यह बृचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्छ सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रीय :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में अक्ताबन की तारील के 45 दिन की जविश्व या तत्सम्बन्धी स्थितिकों पर कृषण की सामीस से 30 दिन की नविश्व, को भी क्याप्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिता-क्रम्थ किसी जन्म व्यक्ति क्वाश वशोइस्तावारी के पात लिकित में किए था सकोंगे।

क्ष्मद्रीसद्भम्ः —-इत्तर्भे प्रयूचत क्षम्यों और पर्यों का, यो उत्तर द्राधिकिया, से क्षमाय 20-क में परिभाक्ति हैं। वहीं कर्य होता, से उस कथ्याय में विका यवा हैं।

अनुस्ची

खसरा नं० 135, 137, 138, 139, 144, 145 गांत्र--हमनपूर, दादरी।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 7-/11-/1985 मोहर:

मक्त् वार्षः हो : पुत्रः वृद्धः

बावकद्व विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नचीन कुमना

भारत सहसार

कार्यालय, बहायक बायकर बायुक्त (निरीक्तक)

श्रानीत रेंज' बानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश म० एम०→640/85--86----श्रव. मुझे, एच० श्रार० दान,

नावकर निर्मानसन, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें परवात् 'उक्त निर्मानसन' नहां ज्वा हों), की जारा 269-क ने नधीन सक्तन प्रधिकारी को, वह विस्वाध करवें का कारण है कि 'स्थावर सम्मति, चित्रका जीवत वाकार मूक्य 1,00,000/- रहे. से निर्माक हैं

और जिसकी में खारा में 675, 676, 677 है, तथा जो दादरों में स्थित है (आर इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिस्ट्रोहर्ता प्रिक्षित्रारी के कार्यालय, गावियाबाद में रिवर्स्ट्रीहरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवान, नाराख मार्च, 1985

को पूर्वा क्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके रूप्यमान प्रतिफल में एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के

 श्री मूल चन्द्र पुत्र राजाराम 'ग्राम---मकृत पुर, दादरी, गाजियाबाद।

(अन्तर्यः)

- 2 नात्ररो त्रनवन्त निह डायरेक्टर राम प्रस्था डाबरटीज प्रा० नि०, निवासी लोनी, दादरी, गारियाबाद। (प्रन्तरिती)
- 3 ~-तदैव---

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---नदैय---

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जासता है ि यह सम्पत्ति में हितवड है)

को बहु बुचवा बारी करके प्रतिकत इंपरित के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

उपन नंपरित् के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इत त्याना के रायप्त्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितवव्य सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी निष्टित में किए जा सकेंगे। किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाव
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब क 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बब्धि बाद में स्थान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वाद्ध;

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त संस्थी और पक्षों का, यो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होता, यो उस् व्याय में दिया नका

धनुसूची

खसरा नं० 675, 676, 677, ग्राम-⊶मशनपुर, दावरी, गाजियाबाद।

> ण्च० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक खायाल आयुक्त (निरीक्षण) **प्र**र्जन रेज, कानपुर

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्भरण में, मैं, जन्म अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

सारीय: 7-11-11985

महिन्:

त्रक्य बाइं.टी. पुन . एव ., ------

चामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत नरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

म्रजन रेज, बानपुर

ानपूर, दिना 4 नवम्बर 1985

निदेण म० एम० 649/55 रहत ⊷श्रन भुन्ने, एच० श्रा॰ दाः,

कायकर जांधांनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में क्रमके परचात् 'उकत किभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्थित जिसकी सब खेत नव 586 है, तथा जा बरत से स्थित है (और इनम उपावड अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित है) रिक्टो लि अबि की के पर्यावस, बुकन्दशहर से, रिक्टोअरण अबिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नाराख भाने, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पन, निम्नलिखित उच्चेष्य स उच्त अन्तरण लिखित में वास्ति कि रूप से कि एप से कि एप से किया गया है:---

- (45) बन्दिए वे दूर्ण कियी बाय की बाबर, उन्क विविधियम के मधीन कार बाने के अन्तरक के बारवस्त वा करी करने का कदन वचन मा सुरिवध के लिए, बीडि/बा
- स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत आधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- 1 श्री मोमेश्वर सिंह व ओमकार सिंह पुत्रगण श्री दीप चन्द्र मौजा कोढियात, सुगलन्दशहर। (श्रन्तरक)
- 2 --श्रलिखित---

(भ्रन्तरिती)

को श्रष्ट सुपना धारी करके पृश्वीकत नम्परित मी वर्णन के लिए कार्यवाहियां भरता हो।

वक्त सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोद:---

- (क) इस व्यवा के राज्यम के प्रकारन की सारीय से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुजना की ताजीस से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि वाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस न्यान के राजयम में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के गास निवित्त में किये या सकेंगे।

स्वकाकिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, यहां अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नवा ही।

अन<u>ु</u>स्ची

खेत न० 586 पुक्ता वरन, बुलन्दशहर।

गच० आप० दास 'झम प्राठि ारी सहाय' श्रावम्य गयुक्⊤ (निरीशण) श्रजीन रागे, कानपुर

नारीय 4--13- 1985 महिर प्रकृत आहे ही. एन. एस.----- 1. मैं० गेवेन मीत्र इन्ट्रप्नेणनल प्राठ लि०, बी०-

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत बरकार

कार्यांसय सहायक बायकर वाय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, कारापुर

कानपुर, दिना १ 6 नवम्बर 1985

निदेश गं० एम०--657/85→86→-श्रन. गृझे, एच० भ्रार० तास.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

आंर जिसकी स० डी०- 7. सेक्टर 6 ई तथा जो न्यारडा में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और एर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्री जी अधिकारी के आयिलिय न्यारडा में, रिजिस्ट्री परण अधिनियम 1908 (1908 व्या 16) के अधीन, तारीख 18-3-1985

- (क) कल्परण तं हुइ किसी बाद की वायत उक्त जिथ-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुर्देवधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या धन या अन्य बास्तियों की, जिस्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृविधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अभन अस्मित्यम के प्रत्ये के अभन के अभीत. निक्निसिकित व्यक्तिकों, वर्षाक प्रत्ये 1. मैं ० रोबेन भीत इन्ट्रानेशनल प्राप्त लि०, बी०--244. ना प्राप्त इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिस्सी। (खरीदार)

2. मी० अतिल प्रिन्टर प्रेस, डी०-7, सेक्टर-6, नाएडा।

(बेपने वाला)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

मन्त्र

प्लाट तं० डी०-7, राश्रटर 6, नोए**डा**, गाजियाबाद।

एव० ग्रार० दास ेक्षम प्राधिकारी सहायः भ्रायस्य भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपूर

नारीख: 6--1J--1985

प्रकृष बाह्". टी. एन. एस. -----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकारु

कार्याक्षयः, सहायक जायकार जायकाः (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज, भानपुर

कानपुर, दिना ८ ६ ५चम्बर 1985

निदेश म० एन०-५59/85-86-- ग्रन मुझे, एच० आर० दास,

बायकर बोधीनयम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके दश्धात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० मी०-16 मेक्टर 8 है तथा जा नाएडा में स्थित है (और इ.ने उपावद प्रत्यूची में ऑर पर्ण रूप में बिंगत है) रिक्ट्रान्ती अधि गी के गर्यात्र नोरडा गावार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 व्या 16) के स्वीत तारोख मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के वीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) नंबरण से हुइ किसी शाय की बावस्, उनसः विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे घणने में सुविधा के जिए; जॉर/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन् या अन्य जास्तियां को , जिन्हों भारतीय वायकर जिल्हों । अन्य का भिनियम, या भन-कर जिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ लंशरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिध। वे लिए,

ब्रेश बर्ब, उस्त बीधीनयम की भारा 269-ग में अनसरण वं, में, तनत बीधीनयम की भारा 269-थ की उपधारा (1) वं भधीन, निम्नविधित अधिक्यों, नर्भाव क्र 1 सै० चार :र शिपिंग एण्ड पैविंग कर प्रा० लि०, ई-56, ग्रेटर कैलाश—1. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रो प्यूजबेस रलफोरा इल्ट्रा० प्रा० लि०, 16, कम्यूनिटी सेन्टर फेन्डम कालानी, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत बन्यति के वर्जन के संबंध या कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब त' 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी स्थानतमां पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सुवधि, वो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

मन्सूची

मा - 16. भेपटर ८, नाएडा, गाजियाबाद।

एच० म्रार० दास ाजम प्राधिमारी सहायस म्रायसर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, कानपूर

गा*री*ग. 6→11→1**985**

प्रकृष आहे. टरे. गन एस. -----

आयकर अधिनिजय 1961 (1961 का 43) की भारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन । तपुर

ानपुर दिला ६ स्वम्बर 1985

निदेण म० एम०-४६१/85~-86 -श्रद मुझे एच० श्राप्त दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और कि की सुरु एर वाईर सेक्टर 8 है तथा जो न्वायड़ा में स्थित है (और उसे उसवड प्राप्ति में और पूर्ण क्या में विणा है) शिस्ट्री जी श्री शिस्ति के स्थिति के स्थिति के विश्व के कि स्थिति के स्थिति के

को पत्रावन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मफे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जिस्सीरिशकों) के तीच एसे कन्नर्थ के निष्णु नव शया वरण प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तर्थ लिखिड गारनिक रूप में रिथत नहीं किया गवा है —

- (क) अन्तरण स हुई किसी जाय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएन में अमी करने या उससे बचन में सुविधा की जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व स्तियाँ को, चिन्हें भारतीय भागकर शिंपियम 100 (1922 का 11) या अकत बांपिनयम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोधनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किस गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे भूविभा के लिए; और/या

1. श्री साहिब सिंह पुत्र लेट शी सूरत सिंह, 34/ 42, पंचाय बाचार नई दिल्ली।

(श्रन्तरकः)

उ मैं॰ ग्रादिग्म (इडिया) प्रा॰ लि॰ द्वारा मैनेजिग डायनक्टर था यणगात गर्ग निवासी 3/29. परावी नाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिनी)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन क जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोड़ भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तस्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्थ बक्ष किस्ते कर स्थावर द्वारा बधोहस्ताक्षरी के शस विकित में किए का सकतें।

स्यव्यक्षिक्षण: -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पवां का, को उक्त विश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गता है।

वनमुची

ए० प्राई० नेषटर ६ न्याएडा।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी हाय: आयर्थ सायुक्त (निर्दाक्षण) प्रीटिरी: १९४०

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) र ाति, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

नारोख 🕠 🐍 र 1935

±1 - -

इक्ष बाइँ, टी, एस, एस, ५-----

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर वाय्कत (रिजन्दिशक)

अर्जन रेज ानपर

ानपूर, दिनाक ६ नवस्वर 1985

निदेश स० एम०-663/85-86---ग्रन मुझे, एच० ग्रार० दास,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विद्यास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार सन्छ 1.00,000/-र से अधिक हैं

और जिमकी मं० 2413 है तथा जो दाइरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्त्री में भीर पूर्ण रूप में चिंगत हैं), रिक्ट्रिश्त अधि हि। के वार्यात्र, गाविदाबाद में रिक्ट्रिश्तण अधितियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के श्रथमा।
प्रतिक्रण के निए वैतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
बुक्ब, उसके क्रथमान प्रतिक्रल से, एसे क्रथमान प्रतिक्रल का
पन्कद् प्रतिक्रत से विभिन्न है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तदिसी (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाता गया
प्रतिक क्रिमीक्तिक्त उद्वेष्य से उक्त बन्तरण तिक्ति में
बाध्यविक क्रम से क्रियत नहीं क्रिया गया है:----

- (क) करतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त क्रिक्शियम के अधीन कर दान के अन्तरक के बार्किक में कभी करने या उन्नस बचाने में सुविधा के बिए; और/शा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 या उकत अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा विया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अप अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (।) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत् .---

 1 आ अत् ित् पुत्र गेटरालाण जी, निवासी--गंश--त लेपुर, द्यार जीनी अगरी, गंतियाबाद।

(ग्रन्तरकः)

2 मैं० (प्रतिकार पहाली भाषाम समिति लि०) गावियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

3 --नथ व---

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

1 ---नथैव---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधी हस्ताक्षरी जानता हैं कि बह गम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्कंच :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा तकेंगे।

स्थळीक्षरणः----इसमें प्रयुक्त बक्दों और पदों का, भी जक्त अधिनियम के सध्यास 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्यास में विका स्था है।

क्यूज्यी

जोकि गाममा निपुर परगता लाती तहरु द्वादरी जिला गाहियात्रार

> ाव० धार० इति ाक्षम प्राविशारी ।हायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रोज, कानपुर

नारीब - ७ ११ -1985 सफ्डर : प्रकृष बार्च . दौ . प्रम . एस ------

गायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

erza grada

कार्यालय, सहायक बायकडु बायुक्त (निरीसक)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० एम०-664/84-85--अतः मुझे, एच० स्रार० दास,

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रह. ते अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 245 है, तथा जो सहारनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22~3~1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमानं प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नुभे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरच के निष् द्रश्य पावा न्या प्रति-कस, मिन्नसिचित उद्योग से उच्छ अन्तरम सिचित में वास्त्विक कम से किथत नहीं किया प्रवा है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त विभिनियम के संधीत कर दोने के बन्धरक के दाविस्त में कनी करने का उन्नयं क्याने में श्विया के जिए; श्रीड/वा
- (क) ऐवी किसी बाद वा किसी भन वा बन्स बास्तिवों को जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधीनयम, 192? (1922 का 11) या उक्त बीधीनयम या वक्कर ब्रॉड्सिनवर्ग, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिद्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत स्यक्तियों, अर्थात् .—— 17--386GI/85

- 1. भी प्रमहराल सिंह पुत्र श्री जयनन्द, निवासी— फर्बाग कुल गठ देव बन्द, गहारनपुर। (अन्तरक)
- 2 श्री राजेण कृमार त्यागी पुत्र विष्णुदन त्यागी, निवासी अम्बेहटा पो० खास. देवबन्द जिला सहारनपुर। (अन्तरिती)
- --तथैव- (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में
 सम्पत्ति है)
- 4. तथै व- –

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशीप ए---

- (क) इस सच्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविष, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितबनथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेनें।

स्पन्नक्षिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

वन्त्यी

खासरा नं० 245 ग्राम लंडीरा जुनारदार तह० सहारनपुर।

> एव० ग्रार० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 6-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

प्रजीन रेज, कातपुर

कानपुर, दिनाँ ह 6 नवम्बर 1985

निदेण मं० एम०-670/85-86-- प्रत. मुझे, एच०

म्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 126 सेक्टर 15-ए० है तथा जो निश्रीश में स्थित है (श्रीर वाग उगाबद्ध अनुसूची में स्रो पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यात्रय नोएडा में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 23-3-1985

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वान करन का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से एसे स्वयमान प्रितिफल का पंद्रह प्रितिशत से अधिक हैं और अंतरिक (जतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रशिक्त निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निस्ति में बाम्तिक रूप से किंथत नष्टीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बास्त, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः उत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री दर्शन पिह प्रशेश डी०-383 अहुना निद्यास ईदगार रोड दिल्ली--6।

(সা " ম)

2 स्त्री विनाद कुमार मिश्रा निवापी--30/28 हैस्ट पटेल नगर नई दित्या - 8!

(प्रन्तिको)

3. --- नथैं व----

(बह् व्यक्ति जािके श्रक्षिमीन में सम्पत्ति है)

4 ---नथैव---

(बहु व्यक्ति जिसके कार में स्रदी-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को अब ब्या कारो करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हुं।

उन्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अभी होगा जो उस अध्याय में दिया गमा ही!!

वनवर्षी

प्लाट न० 126, मेक्टर 15-ए।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रानेन रेज, कानपुर

नारीख 6-·11-1985 मोहर

अक्न बाई'. डी, एम., एस. ------

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के विभीन सूचना

भारत सउक्रक

कार्यासयः, महायक्त भायकर वायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 6 नवम्बर 1985

तिदेश स० एस०--672/85--86---प्रत मुझ, एच० फ्रार० दाभ,

वायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ष्रीर जिसकी स० ए०-195 है, तथा जो नोएडा में स्थित है (ग्रीर इनमें उपाबद्ध श्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, नोयडा, में रजिन्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 20-8-1985

भी पूर्वेदिन, सन्पति वे लंख। दाहार मृत्य सं कम के द्रवयान प्रित्यक्ष के लिए अन्तरित को गई हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने के कारण हैं कि गयापूर्वोदल नंपरित का निष्त बाजार मृत्य असके बक्यापन गोण्यके सं नृत्य देव्यकात प्रतिपत्त का निष्त बाजार मृत्य असके बक्यापन गोण्यके सं नृत्य देव्यकात प्रतिपत्त का निष्ठ कर निष्ठ के कि हैं भीर 126 (अतरकों) गैर अतरिती (अन्तर्वार्थित) के बाब ध में अन्तर्क के लिए तब पाया भवा प्रतिकास गिर्कालियिय उत्कार सं उक्त बन्तरण जिल्लित या श्राण्यक रूप सं गोष्या प्रशासिक गाम है ...

- (क) जन्तरण से हुई किसी बान की बावत, उन्ह अधिनियम को कभीन कर दोने के बन्दरक के करियरण में कमी करने या उससे जमने को सुनिधा कार्रक्षण; जीड़/वा

ातः क्या, तक्त अधिनियम की धारा 269-त के बनसर्थ ज्रा भी कक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्नीसीयक स्थवितकों, नर्भाष्ट् :—

- 1 श्री कुलदेव मिह पुत्र भी प्रकर मिह नियासी— डी०-81, श्रजय इन्वलेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती पुष्पा लाल चन्द्र कोकल पत्नी श्री लाल चन्द्र कोकल, निवासी-ई 318, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. ---सदैव----

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग से मम्पत्ति है)

4 —-तदैव--

(बह व्यक्ति, जिसक बार से प्रवी-हस्ताक्षरो जानता है कि बह सम्पत्ति से हितबद्ध हैं)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हु।

क्यत क्यारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारते हुन्य

- (क) इब स्वा के एक्पण भं प्रकाशन की ताड़ी हु हो 45 दिन की वनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बुक्ता की तासीन से 30 दिन की वनिथ, को भी व्यक्ति बाद में ब्रमाप्त होती हो, के भीतर प्राॅक्ट व्यक्तियों में से निक्ती व्यक्ति हुवाच;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकारण की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में हिस्तव्य किसी बन्ध म्यन्ति व्वारा वशोहस्ताकरी के दाव विविध्य में किए का सकेंगे।

स्वकारिकरण ---- इसमें प्रयुक्त करूरों जॉर पदो का, वो उक्त विवित्यम, के अध्याव 20-क में परिर-श्राचित हैं, वही अर्थ होना, को उस अध्याव में दिया नया है।

444

प्लाट न० ए-195, नोएडा।

एव० हैश्रार० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, कानपुर

^बनारीख: 6-11-1985

प्ररूप मार्च .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) श्रुजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० एम०-675/85-86---ग्रतः मुझे, एच० भार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० 77 है तथा जो गाजियाबाद स स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची से भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के सम्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्येयह विस्थास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का अचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्क्रह प्रतिशत से अभिक हैं और बंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया हैं:—

- ·(क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के तिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए:

जतः जबः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-न के अनुबरण कों, जों, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीलः, निम्निसिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ः⊶ श्री बलबन्त सिंह ब श्रमर सिंह पुत्र श्री संज्ञत सिंह 6/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- श्रीमती शांति रानी विग पत्नी एम० श्रार० बिग, थर्ड सी-98, नेहरू नगर, गाजियाबाद।
 (अन्तरियो)
- 3 ---तदैव---

(वह व्यक्ति, जिन्ने प्रधिमोन में सम्पत्ति हं)

4. --- तदैव---

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे से अबो-हस्ताक्षरी जातता हैं कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में विद्या गमा है।

वनसर्ची

प्लाट नं० 77, गाजियाबाद।

ए घ० ग्रार० दाम नक्षम प्राधिकारी महायक <mark>स्राय</mark>कर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, कानपुर

वारीख: 6-11-1985

इंक्ट बार्ड. टी. एव. एत. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ए (1) हे अधीन सुबरा

मार्थ प्रदेशक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश मं० एम०-676/85-86--अतः **मुझे**, एच० आर० दाम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स में बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्ध 1,00,000/- स्त्र. से **अधिक है**।

श्रीर जिसकी सं० 4974/4 है तथा जो पनोस्डा (गाजिया-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उप।बद्द अन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के उप्योलय गाजियाबाद में, रजिस्ट्री हरण अधिसियमः 1908 (1908 का 16) के अधीभ, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकास को सिए अन्तरित की नहीं है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुस्य, उसके दरयमान प्रतिपत्त से एसे दरममान प्रतिपत्त का बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्यदेश सं उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिषिक अप में कथित नहीं किया एवा है ---

- (क) मृत्तरण से ह्यार निस्ती भाग की भागत, उन्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ वाकित्य में कभी करने या उद्धरी अधने हैं वृधिभा के किए; और/श
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थं बन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विशा के बिए;

नतः वद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, इन्त अभिनियम की धारा 269- व की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ह रंत :---

- श्री राधेश्माम बाई सिवाला पुत्र की राम गोपाल मिवासी 5/25, बी, रूप नगरविल्ली।
- 2. श्री रघुबीए चन्द शर्मा पुत्र श्री अरज। तन्द शर्मा केयर आफ इडिया टिम्बर सप्लाई कम्पनी बाग रोड, पठान कोट (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की शामीस से 30 दिन की बनिष, जो भी बंगींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस भूजना के राज्यम् में प्रकारन की वारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंछ-बहुध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, वभाइस्ताकरी वे शत मिचित में किए वा तकों ने।

ल्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त लिक-नियम के बच्याय 20-क में परिशायित है, बहुर अर्थ द्वारा, को उस अध्याय में दिया कवा ا ° 8

धनुसूची

खसरा नं० 4974/4, पसीन्डा, जिला गाजियाबाद।

एच० और्० दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपूर

नारीख: 4—11—19**8**5

म्।हर:

भक्य आईं.टी. एन . एस . ***

भाषकर किपिनियम, 1951 (1951 की 43) की भारा 260 थे (1) के अधीन संख्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

यानपुर, दिशा - 4 शदस्वर 1985

निदेश सं० एम०/ .77/85--86---वन , मुझे, एच० आर० दास,

बावकर विधिनियम, 1381 (1961 को १३) (जिस इपमा ६सके परवात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन मक्षम अधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाधर अव्यक्तिः. जिसका जीवत बाजार सुस्य 1,00,000/- रह. ये अधिक हैं

म्री जिसकी स० प्लाट न० आर० 3/25 है, तथा जा राजनगर कालोनी से स्थित है (आर इससे उपायद अनुस्ची में और पूर्ण रूप से विजान है), रिजर्म्द्री करण अधिश्यम, कार्यालय गाजियावाद से, रिजर्म्द्री करण अधिश्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख 27—3—1985 को पूर्वोक्त्र संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूकी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल हो, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरित (अन्तरितकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया नया प्रतिकार का विकास के विका

- (क) अन्तरण से हुव किसी बाव का बाबत, उक्त सणिविक्य के सभीन कर दोने के अन्तरक क वास्तिक वो कासी कहने वा कक्को दक्तों में सुनिया के सिह्द बोड-वा
- (क) प्रेसे किसी बाब या किसी धर या बन्य आरिस्टगां को, चिन्हें आरसीय बाच-कर अधिनियम , १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपवास (1) के के अभीन, निम्कलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्वा विनोद कुमार सक्षेत्र। पुत्र सा० एल० एस० नक्षेत्रा, त्रिवासी द्वारा क्षित्रा और एल० एस० सक्षेत्र। पुत्र श्री ग्याम लाल, निवासी बी-2, 223 पण्चिम लिहार, मई दिल्ली-63। (अल्लरक)
- श्री शिव कुमार मोरी पुत्र बल्देव सहाय मोरी आदि भिवासी 1, सिविल लाइन, मोरी भवन, मोदी नगर, गाजियाबाद (यू० पी०)।
 अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के निष्

उन्त रूज्योत्त के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूकना के राजपन में प्रकाशन की तारीं कें 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूजना की तामील से 30 विन की अविभ, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त कारिक मुक्तें में के किकीर व्यक्ति हुआ।
- (य) इस सूचना को शाक्षप सा अकाशन की तारीचा र 40 दिन हो भीता अक्ष तथाना अभितिक में हितबहरू किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अभित्सताक्षरी की पास का साम की भीता गार सकी

त्यव्यक्तिरणः -- इसमे प्रमुक्त सब्बा ब्रीर पद्यों का, की खब्ध अधिविवस, को स्थान 20-क में प्रिशायिक हैं, वहीं कर्ष क्षेणा को सब स्थान में दिसा स्था हैं।

बन्स्वी

ण्लाट न० आर-3/25, ब्याक न० आर-3, राज-नगर प्रालानी, गाजियाबाद।

> ावित्र अत्येत् इस सन्नम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-1(~1985

माहर :

प्रस्प बाहें. टी. एन. एम - - -

आधकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा धारा 269-व (1) के अधीन सवना

बारत सरका

श्रामीतय, सङ्घायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिभाक 4 भवस्वर 1985

निदेश स० एप०- 78/85-86---अत मुझे, एन०

आर० दास,

आयकर निधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, विभक्ता उचित बालार मून्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० के० ए० 69 है तथा जो कवि नगर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधि गरी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्टी करण अधि गियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख 18-3-1985

को प्रवेक्ति सम्पितिल को उचित बाजार मत्य से कम को दृश्यमान प्रतिकार को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अतिरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गरा हो किया गरा हो ---

- (क) जनगण में एकं जिल्ली नाम की वाबरा. उक्त अधिनियम में अभीन कर की एरे झलक के अधिन में कभी करते हा रससे नचने में सुनिका के जिए: बहि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिविषय , 100 (1922 का 11) या उदन अधिविषय , 200 पत कर अधिनियम , 1057 (1077 कर 200 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा एकट नहीं किया गर भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा में स्विधा

सत अब, उन्त बांधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उन्त अधिनियम की धारा 260-छ की उपधारा (1) हे अधीत, वि 'परिन व्यक्तियों, अर्थात —

- 1. जस्टिम जतुलनाह पुत्र स्व० काजी अतुल्लाह, ारानो ०० ४० ८९, विकासर, गाजियाबाद। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुत्रमा रानी पत्नी श्री जी० सी० कुदैसा त्याली एन० एक० बाबर प्लेन, टोडर मन रोड, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के दिए कार्यचाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर हान्यियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में दिस्त यया हैं।

वन्स्ची

भवत न० ६० अ०-69, न्य कवि नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

नागेख 4-11-1985

प्रकप बाड़ . टी. एन एवं ------

जायकर जीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्वना

SIZO SESI

कार्याजव, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काभपुर कानपुर, दिमांक 6 नवम्बर 1985 निदेश सं० एम०-737/85-86--अनः मुझे, एच० आर० दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निर्मित्रम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- हुत. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रो/8 430 है तथा जो तुराब मगर, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्त तम्परित के उचित बाजार मृत्य से का के दारमान प्रीतफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह बिरवास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का चंद्रई प्रतिशत से स्थिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तीक क्रय से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई जिसी जाय की बाबत उक्त जिथ-जियम के बधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसस अपने मां मृजिधा के लिए बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोण्यार्थ अन्तरिती द्वार प्रवट नहीं किया नया था किया थाना थाहिए था, कियाने यो कृषिया के तिए;

अतः अज़, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री क्षेत्रकाश्य पुत्र प्रेमनाथ , मिवासी जी-2, पटेंग मार्ग, गाजियात्राद ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मोता विघा पत्नी श्री देवेन्द्र नाथ सिभल, महाग न० 430, तुराब नगर, गाजियाबाद। (अन्तरिनी)

3. --भदैव---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. ---तवैव---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

का यह कूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त बन्गीता के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस तुमना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की स्वीध या तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सृच्या की तायील से 30 दिन की अवीध, का भी व्यक्ति बाद में बनान्स होती हो, के बीक्तर प्रविकत व्यक्तित्यों में से किसी प्रकित हुदारा;
- (व) इस ब्या के रायपण में जासायन की ताहरिय से 45 विश के भीतर स्वतः स्थापर सम्पत्ति में हिस्यय्थ किसी मन्त्र व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कक्यों और पूर्वे का, यो स्थल विभिन्नमा, के कथ्याव 20-क में परिशावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वाधाल में दिवा गया है:

शन्स्ची

महान नं० श्रो०/18 430, तुराव नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, कानपुर

नारीख: 6-11-1985

मोष्ठर :

प्रस्य आहें. टी. एन. एसं.-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 🖝 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भाषत बरकार

नायांक्ब, सहाक्क आयक्य आयुक्क (निरोक्षण) अर्जम रेंज, कामपुर वस्वर्ध, दिनांक 4 नवस्वर 1985

निर्देश सं० एम०-7,39/85-86—-अतः मुझे, एष० आर० दास

स्क्रम्बर विश्विषया, 1961 (1961 का 43) (किसे इतमें इडके गर्नात् 'वनंत अधिनियम' सक्त पदा है), जी धाक 269-था के अधीन संख्या प्राधिकाकी की, कह विश्वास करने का सम्बर्ध है के रचनंतर सम्पत्ति, विश्वास विश्वास नागर नृष्य 1.,00,000/- क. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ए/144 है तथा जो दादरी गाजियाश्वाध में स्थित है (स्रोर इसमें उपाश्वत अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च 1985

को पूर्णीक्स तस्पत्ति को जीकत बाकार मूकन के कान के क्या मान प्रतिप्रकार की लिए अम्तरित की गड़े हैं और मूझे कह विकास मुख्य, उसके क्या मान प्रतिप्रका से एसे क्या मान प्रसिक्ष्स का पंचाह प्रतिप्रका से अधिक हो और जीतरक (अंतरकों) और अंतिक्यी (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाता नया प्रतिप्रका निस्मतिकित उक्योंक्य से उक्या अम्बरण कि किल्ल में बाक्तरिक क्य से किथत नहीं किया कथा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासिस्व में किसी अक्त या उत्तर वजने में बुक्तिभा के किस्हुं और /वा
- (क) एंबी किसी आब या किसी भन वा अल्ब आस्तियों नो किस्हूं भारतीय आवक्त अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सूविशा के लिह्द

ाँश्री नीरज कंबर पुत्र श्री जे० एन० कंबर वी०-102 कर्जनरोड़ कस्सूरबा गांधी मार्ग दिल्ली। (अन्सरक)

 श्री डाभिस गुप्ता पुत्त श्री लक्ष्मी नारायण गुप्ता 37 मूर्य नगर गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. —नदैव—

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4- — नदैव---

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को अह सूचना जारा नरके पूर्वोक्त सम्बन्धि क जर्जन के **एसए** कार्यवाष्ट्रियों करता हो।

उक्त तम्पील के वर्णन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हिन्न

- (क) इस स्थाना के राजपण मो प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पंष् स्थाना की लागील से 30 दिन की अवधि, जो भी जमीं बाद मा सनाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इल सृज्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दितक्ष्म किसी अन्य कास्ति क्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकींगे।

स्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भवप सं० ए/141 सूर्य नगर दादरी गाजियाबाद।

एच० आर० दास मक्षम प्राधिकारी ाहायः अत्यद्भर आयुक्त (पिरीक्षण) (अर्जम रेंज, कानपुर

विनांक: 4-11-1985

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कामपुर

कामपुर, दिमांक 6 नवस्थर 1985 मिर्देश सं० एम०-740/85-86—अत: मुझे एच० आर०

दास

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० वी-142 है, तथा जो कविनगर गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमाम प्रित्मिक के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की, बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधर कोलिए;

अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपभास (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी श्री निपामत राय 19 जस्सीपुरा गाजियाबाद।

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मी चन्द्र खुराना व श्रीमती सतीश बाला खुरामा एम-12 कविमगर गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. **––तंदैव–**–

(वह स्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ----तदैव----

(वह ब्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जन्द तल्पित के धर्मन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ती 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितवप्रं कि के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितवप्रं कि पास जिल्हा के विशेष पा सकरेंगे।

जन्**स्**ची

मकाभ एन० के बी-142 कविनगर गाजियाबाद।

एच० आर० दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त, (निरीक्षण) अर्जनरेंज, कानपुर

लारीख: 6-11-1985

दश्य कार्यंत्र की । एक्ट पूर्व . -----

जावकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की धार्य 209-च (1) के अधीन सूचना

बाइत बद्धकान

कार्यालय, तहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज कातपुर . कातपुर, दिनांक 6 नवम्बर, 1985 तिर्देश सं० एस-741/85-86--अन. मुझे एन० आए० दास

बावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किरवास करने का कारण कि स्थापर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मुख्य,

1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० के० एफ० 66 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इस में उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित) है), रजिस्ट्री क्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीद्ध मार्च 1985

का पूर्विका सम्मिति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नाँक संपन्ति का उपित रण्यार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पण्चह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक क्ष्म निम्निजियात बहुदोस्स से उक्त अन्तरण सिविक में बास्तीयक ह्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण थे हुई किसी बाब की सावत, उन्तर वीधीनवम के वधीन कर दोने के बन्तर्क के सावित्य में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा वे सिए; बीट्/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती उवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में युविधा के सिए;

बतः अव, उचत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, भिम्मीनिक्त व्यक्तियों, जर्थात :--- श्री अशोक कुमार जुनेजा पुक्ष श्री निहाल चन्द', 5
 बापू गाधी नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री ह्रोश चंद मेहरा पुत्र श्री रोशन लाल महरा $\sqrt{9}$ एफ $\sqrt{2}$ 3 किनवनगर, गाजियाबाद।

(अर्तारती)

3. **-**—सर्वैव—

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. --तदैव--

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकद है)

को बहु सूचना जारी कारुके पूर्वीकत सर्पास्त के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में । हत-बद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वकाकित्व: -- इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, भी उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

नन्स्ची

मकाभ न० के० एफ० ५६ गा गिताबाद।

एच० आए० दास संज्ञम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जारिक कानपुर

न्परीख 6-11-1975 **मोहर** .

मायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

शारत करका

कार्यालय सहायक शायकर शायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कारपुर, विभाक् 7 भवम्बर, 1985

निर्देण सं० एम० डी०-1/85-86—-अत. मुझ, एच० आर० वास

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रूथ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 68, 69 है, तथा जो भारसी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बुढ़ाता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्ष विक्यानित उद्दृष्ट य से उनत अन्तरण कि चित्र में बास्तिक रूप से किंचत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धरक संहूद किसी बाब की नावस, अवस् विभिन्न के वभीन कर बोने के बन्दरक के सामित्व में कनी करणेश उन्हों अवने में सुविधा वी (क्षय; शरि/मा)
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जभिनियम, या जनकर जभिनियम, या जनकर जभिनियम, 1957 (1957 रुप 27) के प्रयोजनानं बन्तिरही दुवारा प्रकट नहों किशा गया था वा किया शावा चाहिए था, क्रियाने पं भृतिका के जिथ्

 श्री जमीत सिंह, अनूप सिंह ग्रात मारसी—बुढाभा मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

 श्री मुल्लो, सुबनोर सिंह एवं अध्य मारतो चबुढापा, मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

3. --- अन्तरिती----

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —–अन्तरिती---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्मरित से वर्षन के विष् कार्यवाहिया करता हुं।

सम्भ सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में नाई थी कार्यन् उन्न

- (क) इस स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन की जबीध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन का जबाध, जा भी
 अविध बाद में समाप्त हाती हो, क भीतार व्यक्तियाँ में से किसी स्वित्स दुवास;
- (ब) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्कोंने।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयास शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

खाता नं० 68, 69 ग्राम-मारसी कान्धला---मुजफ्फर नगर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कर्तः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुबारण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप बाह्र ें टी. एन. एस.-----

जासकर जिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म के मधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालगः, सहायक आयुक्त अत्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, कानपूर

कानपुर, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश न० एम० डी० 3/85-86—म्रतः मुझे, एच० भार० दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 222, 223, श्रौर 224 है तथा जो कसे क बम्सर में स्थित है (ग्रौर इसमें उगाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी काम की बावस, उन्त सिंपनियम के संभीत कर दोने के अन्तरक का स्विक्त में कभी करने या उससे बावने में सूबिधा के सिष्ट; सुदि/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री निर्मल कुमार 138 सिविल लाइन, मेरठ। (ग्रन्तरक
- श्री मुनीश बीर सिह एवं श्रन्य ग्रा०—-ग्रौरगैशाह पुर मेरठ।

(अन्तरिती)

- —-प्रन्तिरती--(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- —-ग्रन्तरिती——
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि यह सम्पत्ति सें हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

इक्स बन्दरित के अर्थन के सम्यन्भ में कोई भी अर्थे रे. ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तें कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :--- दसमें प्रयुक्त कन्यों नौर पर्यों का, जो उक्त जीभनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अभ्याय में दिया

गया 📢 ।

अनुसूची

खमरा नं० 222, 223, 224, 226, 228, 229 230—कसेर मेरठ।

> एच० ग्रार० दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

ना**रीख**: 7-11-1985

भोहर:

प्रकृष अन्त्रं .टी. एत . एव . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० एम० डो०/8/85-86--- श्रनः मुझे, एच० भार० दास

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित, जिसका अधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुखे निधक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1118, 1119, 1813 है, तथा जो हस्तिनापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 29 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान मितिफल के लिए मन्सरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से मिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि सिस्त में भारतिक स्पास कि किया नहीं किया गया है कि

- (क) नन्तरुष से हुई किसी नाम की नानता, उक्त निवित्तम के नभीन कर दोने के नन्तरक के सुनित्व में कमी करने या उससे दचने में सुनिधा के सिए; निर्णा
- (क) ऐसी किसी आब या किशी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट यहाँ किया गया था या किया आना चाहिए था, स्थितन में सुविधा के सिए;

बतः; ज्ञान, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण कों, मीं, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् थ— श्री भ्रब्दुल हकीम खां ग्रा०—सटला → मवाना मेरठ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती श्रायशाखातून पत्नी निजार ग्रहमद खां एवं श्रन्य ग्रा०-भगवान पुर भेरठ।

(ग्रन्तरिती)

3. ---- प्रन्तरिती--

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

. — म्रन्तरिती; —

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांई भी शाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्काभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खसरा नं० 1118, 1119, 1813, ग्रा०-सठला मेरठ।

एच० ग्रार० दास, सक्षत प्राधिकारी ृसहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ॄग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 7-11-1985

<u>।</u> मोहरः ∤

अक्ष आहे. दी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर क्षायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्वेश स० एम० डी०-9/85-86----- प्रतः मुझे, एच० म्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 241 है तथा जो रहमापुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय मवाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम . 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 27 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाब निकासिबत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्रा है :---

- (क) अन्तरूप से हुन्दं किसी आय की बावत, उथत निक्स के अधीन कर देने के अन्यारक के आधिका में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्लक्त अधिनियम, या ध्लक्त अधिनियम, या ध्लक्त अधिनियम, या ध्लक्त अधिनियम, वा ध्लक्त अधिनियम, वा ध्लक्त अधिनियम, वा ध्लक्त प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जब । ४म, उमत अभिनेत्रम की भारा 269-न के क्लुब्रांला कें, कें, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के संधोन, निम्नीजीवित व्यक्तियों, अभित् १---

- श्री० केहरी पुत्र न्यादरग्रा० रहमापुर, मेरठ।
 (ग्रन्थरक)
- श्रीमती छोटी पत्नी रामानन्द कोहरी—रहमानपुर मेरठ।

(भन्तरिती)

3. ---श्रन्तरिती----

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — प्रन्तिरती— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति सें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के किंक कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उज्जा अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभागिक हैं, वही अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में स्थित नवा है।

त्रनुसूत्री

खसरा नं० 241--रहमान पुर, मेरठ।

एव० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

प्ररूप नाहाँ. दी. एन. एस. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के विभीन क्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० एम० डी०-12/85-86-—ग्रतः मुझे, एच० भार० दास

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06.000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 364 है तथा जो रहदरामें स्थित है (भीर इमने उपायद्ध भ्रनुसूची ग्रे श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मवाना में, रिजस्ट्रीकरण मिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 27 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूक्ष से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच छसे, अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ट अवश्रास्तान है जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ग स हुई किवी साथ की सम्मत जनत स्थिन निषय के बर्धाम कर दोन का अन्तरक क कामरूच में कामी करने या उस्ह वचने में सुविधा को शिवा; बीर/या
- (व) एची किसी जाव वा किसी थन वन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नामकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तिरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए मा कियाने में स्वैत्या के लिए;

शतः अव, उक्त शिंधिनयम की धारा 269-ण के अनुसरण वे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निध्यीनिवित व्यक्तियों सर्वास के स्मार्थ

- 1 श्री परमानन्द व श्रदानन्द ग्रा०--मबी--परीक्षतगढ़, मेरठ। (अन्तरक)
- थ्री० नरेश कुमार व श्रन्य ग्रा०----रहदरा----िकठोर.
 मेरठ।

(अन्तरिती)

→म्प्रन्तरिती----

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति है)

4. ----भ्रन्तिरिती---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से प्रधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

का यह युवना वारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सविधी क्ष्यित्तयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

वन सची

भूमि संख्या 364 ग्राम---रहपुरा किठौर---मेरठ।

ण्च० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-11-1985

इस्स बार्च टी एव एस् अन्यासम्बद्धान

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के सभीन स्थान

भारत सहस्रार

कार्याज्य सहायक जायकार जावकत (निर्मेश्वन्द्री

श्चर्णन रेच, निपुर

ज्ञानपुर, दिना ६ ७ नवम्बर 1985

आर० दाम

बार्यकर वीपीनवर्ग, 1961 (1961 सन 43) विसरे इसमें इसको पक्चाला 'उल्ला अधिनिकात' काहा गया ही), की भारा 269-व को नभीन समान प्राधिकारी को वह विख्यास करने का कारज है कि स्थापर सम्परित विभक्त उपित बाबार मृत्य 1,00000/-रुत में मौनक ही

भौर निसको सर 389 है तथा तो बहसुमा में स्थित है (और इससे उपखद्ध प्रत्युक्ती से भीए पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ती कि प्रशिवारी के प्रशिव्य भवाना में रिजिस्ट्री करण ग्राप्तिनयम, 1908 (1908 °T 16) वे ग्राधीन, नारीच 22 मार्फ 1985

को पूर्वोक्क मंपरित को उचित बाबार मुख्य से कम के दहसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई

है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि वशापवींक्स कम्पत्ति का अचित वाचार मृत्य, उसके दश्यज्ञान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंत-रक (अंतरकाँ) बार बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे कंत-रण के सिए तब पाना नना प्रतिकल, निम्नसिचित उद्वेश्य से उक्त बंतरण निवित्त में वास्तविक रूप ने कवित नहीं किया भवा है '----

- (क) बन्दरण से हुई किशी बाव की बावद, शक्क मीधीनवन में जधीन कर दोने भी सन्तरक में वाजित्व में कमी करने वा उससे वक्ते में सुनिधा क्षे किए; कीर/म
- (थ) रसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिओ को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 ा १९२७ का ११) या ात अति अविध्यास, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा या या किया याना याहिए था, क्रियाने में तदिशा नी जिल्ह

बत. ०व उत्तर अभिनियम की भारा 269-ए में बनुसरण के, में उनत अभिनियम को भएष 269-व की उरभएए (६) 🛋 अभीग, निम्नकिकिक व्यक्तियों, वर्धात् 🖫 19-386GI/85

- 1. श्री म्याम सिंह ग्रा०--बहुसमा भेरठ। (श्रन्तरङ्)
- 2. श्री जिज्ञणपाल सिंह व श्रोमीर सिंह ग्रा०- वहसुमा में रहा

(ग्रन्तरिती)

को मह स्वता जारी करके ध्वेक्ति बस्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पड़ सुचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो और अविभि बाद में समाप्त हार्जा है। के भीतर ध्वेबिन प्रक्रियों में राबिसी व्यक्ति क्वाराः
- ्या) इस सम्बन्धा के राज्यां । ाष्ट्रा के वार्रीके सी AS दिन के भीतर पक्स स्थावत सभ्यत्ति में हिला**वद्ध** किसी बन्य धाकित क्ष्यारा अधीहरूलक्षरी के नाम लिकिस में किया जा गर्नेंग र

स्वकाकरण. ---इसमी प्रयुक्त शब्द और यदी का, जो उत्क कि भिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिया सवा है।

अनुसूची

भिम सख्या 389 ग्राम---बहसुमा- मेरठ।

एच० ग्रार० दास नक्षम प्र⊧धिकारी महाय र आयकः श्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जनरेज, पत्पूर

नारीख 7-11-1985 मोहर:

बक्य अर्ह्ना, टी. एन. एव. ------

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

ज्ञान**प्**र, दिनांक 7 नवस्बर, 1985

निर्वेश मं० एम० डी०25/85-86---श्रत मुझे एच० भार० दास

अन्यकार अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अध्या हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो सरधना में स्थित है (ग्रौर इसने उपावद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्चा ग्रिधि रारी के वार्यालय सरधना में, रजिस्ट्री इरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 रा 16) के ग्रिधीन, तारीख 15 मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार शूल्य से कम के दरवमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार बूक्ब, उनके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का प्रकार प्रतिकार से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिकास, निम्मसिक्षित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ...

- (क) अन्तरच से हाड़ किसी बाब की बाबत. उक्त कथिपियन को जथीन कार पंने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बाँट/वा
- (क) ऐसी किसी आब या फिसी धन पा जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा अं सिए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) बे बधीन निम्निमित व्यक्तियों, अवित :— 1 श्री अजरत लाल जैन एवं भ्रन्य 94/2 कुन्दनपुर मजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरक्)

2 श्री प्रनन्द बीर सिंह एवं श्रीमती किरण माला राजिपान-स्मरधना मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

---श्चन्तरिती- --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संस्थित के अर्थन के लिए कार्यकाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी स्थितवारों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि शोध में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किती अन्य स्थावत स्वारा अभोहस्याक्षरी के पाच हिलाबत में किये का सकति।

स्वक्रीकरणः — इक्कों प्रमुक्त सन्दों और पर्कों का, जो उच्छें अधिनियन, के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं मर्च होगा जो खल अध्यास में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान सरधना स्थित मेरठ।

एच**० ग्रार० दास** सक्षम प्राधिवारी सहायक आयक्षर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ानपर

नारीख . 7-11-19**8**5

बाल्य कर्तः हो. यनः पुष_{ः वसन्यस्थान}

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याजय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेज, शानपुर

हानपुर', दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश मं० एम० डी०-29/85-86 -श्रन नुझे, एख० स्रार० दास

कारकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इस्कें परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी मं० 549 है, तथा जो रोगानपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीहर्ता श्रधिकारी के शार्याध्य संरक्षना में रिजस्ट्रीहरण श्रधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, तारीख 31 मार्च 1985

भी बुक्षेमत संपरित के उचित बाजार भूल्य सं कम के ध्यमान प्रतिकत्त के लिए जन्तरित को गई है और मुक्षे यह विश्वाद करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूका, उसके ध्यमान प्रतिफल सं एसे ध्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-धन, निक्शीतिखत उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्ट-विक स्प में कथिन नह िकया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त अर्टीभिनियम के अभीन कर दोने के अंबरक के काश्विस्थ में कनी करने या उब्हें बज़ने में सुविभा के क्लिए) और/वा
- (क) एसी किसी बाम वा किसी वर्ग मा बन्य अपस्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर ऑधनियम, या वनकर वृधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनान अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए

अतः अश, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उस्त अधिनियम की भारा 269-घ उपधारा (1) अ अधीन, निस्निचित अधिनत्तुं, सर्वात् ध---

- 1 श्री श्रानन्द प्रकाश ब्रहमपुरी मेर। (श्रन्तररू)
- 2 श्री करनबीर सिंह एव ग्रन्य 102---मसोडा कालोनी मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

3. ~-श्रन्तरिती--

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग मे सम्पत्ति है)

 ----श्रन्तिरती--- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

बक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में फोर्ड भी बाकेंड् :---

- (क) इस स्वना के राजधन मों प्रकाबन की वारीख ते 45 दिन की बनिथ मा दत्संत्री व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिथ, जो भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर मानित्रों में से किती स्थित्य द्वारा;
- (क) इस सुमान के राजपन में प्रकाशन की तारीक व 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिट-वस्थ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी खे णस निधित में किए जा सकोंने।

भ्याकिरणः ---इसमें प्रमुक्त भन्दों और पदा का, भी उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रींं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूका है।

प्रन्युधी

खेत नं० 549/2 रोशनपूर--भरठ।

एच० ग्रार० दास जक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्र**ायक रेज,** कान**पु**र

तारीख: 7-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

ब्रावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ध (1) के अधीन सुमना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नाव्कत (विरोधान)

श्रजंन रेज, तानपुर

भागपुर, दिना १ 7 नतम्बर 1985

निर्देश भ० एस० डी०-37/85-86---ग्रन मुझे, एस० श्रार**० दा**स

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके वश्वात जिक्त अधिनियम क्या गमा है), की वाद 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्दित, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. स अधिक है

श्रौर नियको स० 89 है तथा जो हलौली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णा है), रिजस्ट्री नर्ना श्रीधारी के नार्यालय बुढ़ाना में रिजस्ट्री रण श्रीधनियम, 1908 (1908 टा. 16) के श्रधीन, तारीख़ 29 मार्च 1985

- (क) अन्तरण स हुए जिल्ली आय की बाबस, उक्छ अभिनियम के अधीन कार दान क बंतरक क बारीयस्थ में क्यी कहने का उन्नच बहाने में बुर्जिया के जिल्हे; श्रीर/बा
- (क) एसी किसी बाम या किसी अन या जन्म ब्रास्तिकों करा, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकल अधिनियम, दा धन-कार मोधिनरम, 1957 (1957 का 27 का प्रवोजनार्थ कंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, जियाने में सनिधा के लिए:

अतः स्व, उस्त विभिनित्रम का भाग १६९-ए के अनुसरक भा, भा, तकत अभितियम का धारा १६५ व वा उपधारा (१) हो वभीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्षातः अन्य श्री गिग्वर सिंह ह्लौली----बुढाना मुजफ्फ़र नगर।

(अन्तरक)

2 श्री दलेका िह् एव श्रन्य पुत्रगण बसदेव हर्नासी मुजफ्फर नगर।

(भन्तरिती)

उ --- श्रन्त रती---

(নह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---श्रन्तं (रती----

(बह व्यक्ति, जिसक बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितकद है)

को बहु त्वना भा<u>षी करके प्यॉक्ट सम्पट्टित</u> के अर्थन के विश् कार्यवाहिया करता हुं ।

अवस सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामाप :---

- (क) इस स्वान के रायपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की बक्षि या इत्सन्तन्थी व्यक्तियों पत्न स्वान की सामील से 30 दिन की ज्विधि, को भी सर्वाध कर में स्वाच्य होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद्;
- (क) इस स्वना के उपपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 विक् के भीखर उनक स्थावत सम्बद्धि में हित्बहुष किसी कन कानित दुवारा, नथोहस्काशद्धी के वास विविद्ध में किए या सकीते।

स्थानिक :---- द्रसमा प्रयुष्त कार्या जोह पत्ती काः, वां उपर व्यथितिकः, से बच्चाव 20-क वां परिभाषिक हाँ, पहीं वर्षा होता को उस स्थाप वां दिवा नवा हाँ।

प्रतुसूची

खाता न० ४९ ग्राम --हलौली---बुढाना मुजफ्फर नगर।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, कानपुर

नारीख 7-11-1985। मोहरः प्रसम बाइ .टी.एम. यस . -----

काबकर विधितिसन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्तर, सहारक आक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

क्षानपूर, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० एम० शि०/40/85-86----ग्रनः मुझे, एच० ग्रार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं मार्न 216 है तथा जो साकत मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रिधवारी के वार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, सारीख 27 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एोसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित मे नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से झुइं किसी शाय की शायत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के बंग्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) एती किसी नाय वा किसी भन वा अन्व आस्तिवों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, टिपाने में सुविधा के सिक्;

नतः सव, उपत सीमीनयम, की धारा 269-ग के सनसरम भी, भी, उसत नीमीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीत, निम्नलिखिस स्थानतमों, नभति :--- श्रीमत्ती कमला आतेय परनी स्व० श्रमन मिह आतेय एक्क्वोकेट मि० साकेस भेरठ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मेहर चन्द पुत्र श्री आशाराम नि० मीरापुर, नहर जानसङ जि० मुजप्पर नगर।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — ऋसागण—

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सह सम्मत्ति में हितबद है)

को बहु सूचना आरी करके पृथिकत संपत्ति के अर्जन के पिए कार्यभाहिमां करता हूं।

बन्द बन्दित के क्वन के तंत्रभ में कोई भी मार्शक 🔑

- (क) इस सूचना के राजप्रश्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्त्वी

म॰ नं॰ 216 साकेत ---मेरठ।

एष० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आंयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेज, कानपुर

तारीखा: 7-11-85

प्रकथ आहें दी पुरन प्रका -----

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन

भारत सहकार

कार्यालय . महायक नायकर नायक (निरम्भिक) ग्रर्जन रेंज, गानपूर

कानपूर, दिनांव 7 नबम्बर, 1985

निर्देश सं० एम० डी 2-46/85-86-- प्रतः मुझे, एच० प्रार० दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यान करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति. जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रह से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० 2980 है तथा जो स्वामीपाडा मेरठ में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री त्री श्रीधनारी के नायित्य मेरठ में राजस्ट्रीकरण ग्राधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 27 मार्च, 1985

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गए हैं और मुक्ते यह जिश्याब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं.——

- (क) कश्चरण से ए.५ किसी बाय की बावत उक्त वस्थितिक के अधीय कर बने के अधिरक के वार्षित्व में कमी करने वा उससे वचने में वृत्तिभा के लिए; क्षिकं/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को पिस्ट भाइतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा से जिए।
- ं बत्तः वध, उच्त विधिनियम की धारा 269-ग में अनुसरण हो, हो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) हो सपीन निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :

- 1, श्री नरेन्द्र पाल सिंह 153-बी० सी लाइन्छ मेरठ। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती मजू मामलिया पत्नी नरायन वास एवं श्रीमती सन्तोष मामलिया पत्नी सुदर्शन सामलिया 655, प्रहलाद बाटिका मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

3. ⊸⊸केसागण⊸⊸

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(अह श्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधीहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित बद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जासेब ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थाना के त्राअपन में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवास में किए या सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कम्बों जीर पदों का, जो उच्छ अप्रिंगियम, को बच्चाय 20-क में परिभावित ही, वहीं जर्थ होगा को उस जन्माय में दिया वसाही।

अनुसूची

म • नं • 298ए स्वामीपाका मेरठ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 7-11-985

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.--~--

भाग १६०-च (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक ७ नवम्बर 1985

निर्दोग मं० एम० डी०/49/85-86+ --प्रत: मुझे एच० स्रा^प० दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त सिचिनियम' सहा गमा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका समित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से जिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 134 है तथा जो मोहनपुरी मेरठ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुभुची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रीधनारी के नायनिय मेरठ में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तारीख 2 मार्च 1985 को पूर्वे सत सम्पत्ति के उपित टाजार मृत्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिकान के लिए जन्तिरित की मंडी है और मुक्ते वह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत संपत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके स्वयंगान प्रतिकान से, एसे अवस्तान प्रतिकान के तिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है किए अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतरितिका) की शिष एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिकान, निम्नितिश्वित स्वयंदर्श से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने के उससे बचने में शृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्त आस्सियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1°57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में स्विधा के सिए;

क्रगः अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-र के अनुमरण थें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निकिचित व्यक्तियों, कर्थात् ≟— 1 श्री राकेण कुमार पुत्र बी०के० गर्ग ध्रार/स्रो 80/3, हापुड रोड गेरठ कैन्ट।

(ग्रन्तरक)

2 श्री क्षेत्रपाल पृत्व हर प्रसाद व श्रीमती सुमिता गर्ग पत्नी श्री क्षेत्रपाल थार/श्रो मकान नं॰ 134 मोहनपूरी, शहर मैरठ।

3 ⊸-ऋेमागण---

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --- ऋेतागण--

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**क्ष है**)

ना यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण:-----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस सध्यान में दिवा गया ही।

नगत्त्रपी

म० नं० 134 मोहनपुरी मेरठ।

ण्च० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राक्ति श्राप्तुक्त , (निरीक्षण), प्रकृत रेंज, कालपुर

नारी**ख**: 7-11-1985

अक्ष वार्च, टी. एन . इस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन तुमना

भारत परकार

कार्याजय, सहायक सायकार सायुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० एम०डी०-50/85-86—म्रतः मुझे, एच० मार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ज्या ह"), की पारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विष्णांत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

1.00,000/- रा. स का वक ह (1908 का 16) के अधीन, नारीख 20 मार्च 1985 और जिसकी सं० 1396, 1375, 1377, 1378 है तथा जो कावली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसली में और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीक्ता प्रधिनियम, 1908 का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई और मुझे वह विक्थान करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे अन्तरण के लिए तथ पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिकात, निम्मतिजित उद्देश से उक्त अन्तरण सिम्मुत में वास्तिकत रूप में कांचत नहीं किया क्या है: :---

- (क) अम्तरण ये इ.च. विश्वी नाम की नामसः, दण्य मध्यितमा के धर्मीन कर दोने के अध्यारण के दामित्न में कर्मी करने ना वसने नमने भी सुरिधा के सिए: और/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी थन वा बना बहीसाबी को, बिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, बा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया बाना चाहिए वा, कियाने में सविधा के तिक;

कतः वतः, उधः अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण कों, मीं, उसस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अधितः ---

- श्री हामीद रहमान एवं ग्रन्य ग्रा--कावली देहरादून। (ग्रन्तरक)
- मैसमं इन्जीनियमं को० भ्रा० हार्जीसग मोसायटी टी०-15-यभुना कालोनी वेहरादून।

(अन्तरितो)

^{3.} −−श्रन्तरिती−

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. --श्रन्तरितो---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरताक्षरो जानना है कि वह सम्पत्ति में हितकद है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्मित्त के वर्षण के सिक् कार्यवाहियां चुरू करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बार्ध क्-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ परं सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो औं अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सर्वों थे।

स्वकाश्वरणः --- इसमें प्रयुक्त वश्वों जरि पदों का, को उक्क विश्व निवस के अभाव 20-क में परिवारिक ही अ वहीं अर्थ होगा. को उस अभाव में दिया गढ़ा ही।

ननुषुची

भृमि संस्था 1396, 1375, 1377, 137**8 ग्रा॰** कावनी---देहरादून।

> एम० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक थ्रायकर, श्रायुक्त, (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नार)ख: 7-11-1985

अभ्यासको हो एन एस 👓

आयक्तर किंधनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत तस्कार

कार्यालम नहायक शामकर कायक्य (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० एम० डी०-55/85-86——श्रत मुझे एव० श्रार० दास

आयकर किंधीनयम, 1061 (1961 का 43) (जिसे दसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-च के अबीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थावित जिसका उचित बाजण म्ह्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

- 1 डौर जिसकी सं2 167 है तथा प्यां कालेज रोड में स्थित (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 मार्च 1985
- का पूर्णकर कार्यात है किया गाधार मृत्य सं क्षम का क्यामान अतिकास की निए अंतरित की नई हैं और मृत्रों यह विकास करने का कारण हैं कि नवाधूनोंकत सम्मरित का जीवत नाजार मृत्य उसका कारण का पानकम मा, एस क्यामान अतिकास का पन्त्रह अवस्था कारणमान पानकम मा, एस क्यामान अतिकास का पन्त्रह अवस्था म अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीन एसे जन्तरण के निए तय पाया गवा पतिकास, विकासितीयां उच्चेक्यों में उक्त अन्तरण विकास में डास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया नै :---
 - (स्त) नम्पद्रभ तं हुद्दं किसी नाम को नामसः, अवसः विभिन्निष्य के विभीत कर दोने के अन्यश्व के शायित्व मों सनी नामने या समझे नमने मों नृत्यिथा को किए; और शा
 - (स) एची किसी बाब या किसी धन या बन्च आर्थिन्दर्दे की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1935 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, रूप कर-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 7 के प्रशोधनाथ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना था, कियाने में सुविधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 20 -386 GI/85

1 डा० व्रजासजिह कार्तेज सङ्मेस्ट।

(ग्रन्नरक)

 श्री प्रदुमा जुसार एमी 142 बो० सो० लाइन म भेरठ।

(ग्रन्तरिती)

3 ⊸ऋन्तरिती⊸–

(बम्ब्यिक्न, जिनके अधिभोग सें सम्पत्ति है)

4 --श्रन्तरिती)---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानना हे कि वह समिति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) कर अस्तान के स्थान को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितसक्ष किसी कन्य स्थावित द्यारा अधाहस्ताक्षरों की पास किसी कन्य का किस का पर्योगे।

अनुसूची

मकान न० 167 कालेज रोड मेरठ।

एच० श्रार ०दास ,प्क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवन, निरीक्षण श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

निर्वेश सं० एम० डी०-56 /85-86—श्रतः मुझे एघ० भार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार सूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी- 3 है तथा जो परातापुर—मेरठ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड अनुमूची म ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय मेरठ म, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख है 23 मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उ**पधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सुखानन्द जैन पुत्र श्री इन्दर जैन नि० 102 श्ररिकन्दप्री सदर मेरठ कैन्ट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मुधा जैन पत्नी सत्येन्द्र कुमार जैन नि० 2 डालपाडा शहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

3. क्रेतागण — (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

. ----केतागण----(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कौ वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कै वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-3 परतापुर मेरर्ट।

एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) र्जन रेंज, कानपुर

तारीख¹: 7-11-1985

मोहरः

प्रकृत वार्षं ही . एवं . एवं .,-----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) करीं भारत 269-व (1) के सभीन सूचना

बारत करकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 25 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० के०-187/85-86-—ग्रन मुझे एच० ग्रार० दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं 128/के/369 है तथा जो किदवई नगर में स्थित है (श्रौर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 15 मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्ये, उसके दरममान प्रतिफल से ऐसे दरममान प्रतिफल का वन्द्रह्2प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा प्रतिफल निम्निस्तित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तीबक रूप से क्लिया गमा है :---

- (क) जन्तरण घे हुए किसी माय की पायत, उक्त विधिमियम के बधीन कर दोने के जन्तरक वी दायित्य में कभी करने भ उससे बचने में सुविधा के सिए, बीर/म
- (स) ऐसी किसी आय या ितनी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 19:7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अरु. अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती इन्द्रा कक्कड़ पत्नी स्व० श्री श्रो० एन० कक्कड़ नि० खेमका हाउस कोर्ट रोड, श्रीरंगा-बाद।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स प्रोटो फार्मा प्रा० लि० के-369 किदबई नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

अक्रान्य ----- क्रें सान्य -----

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. **---**ऋेतागण---

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह बुचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्मरित से वर्षन से किए कार्यवाहिनों करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सुकता के राजपन में प्रकाशन की सहरीक से 45 दिन की अविध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुकता की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी क्वी माय को समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;

लिक्डिकरण :---इसम^र प्रबृक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित हुँ, यहां अध हागा जो उस अध्याय में दिया यसा हैं।

अनुसुजी

म० न० 128/के/369 किदबई नग , कानपुर।

एवः भारकाता नान भागाताता सहायक प्राथकर अथमा (निरोधात) प्रतिसेक, सामूत

तरीख. 25-10-1985 महर:

प्र**रम्प वाह**े. ही. **एव**ं, **एव**ं, उन्ह्रमान्यतन्त्रका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शायां लय, सहायक आयकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण</mark>)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 श्रम्तूबर, 1985

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उन्नत अ'धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं 102/88ए (10) है तथा जो वाजीवपुर जाजमक में स्थित है (श्रीरह वसे उपाब छ श्रनुपूची में और पूर्ण च्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध कारों के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनिया, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 14 मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के प्रयमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि रमस्पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके प्रयमान प्रतिकल सं, एसे प्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पामा गया प्रिष्ट क्या प्रकारित व्यक्त के अक्तरण के निए तम पामा गया प्रिष्ट क्या प्रकारित के विश्वास के अक्तरण के निए तम पामा गया प्रिष्ट क्या प्रकारित के विश्वास के अक्तरण के निए तम पामा गया प्रतिक का प्रकारण के किया गया है :—

- (क) अन्तरण नं हुई किसी नाम की शानत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी कारन' या उससे न्यने में सृति॥, के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या जिसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आद-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा नक्क अधिनियम, भर भनकार अधिनियम, भर भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सृतिया के लिए;

अतः अब, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित काकितयों अधातः :--

 श्री हाफिज अनुल अजाज, हसीन अख्तर, तसीम अनवर 88, यूनाइटेड टेनरी के पास जाजमङं कानपुर।

(अन्तर ह)

2. श्री रफाउल्ला एवं गहनेवाज पुत इनायत उल्ला 93/25कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

3 प्रन्तरिती---

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्मति है)

4. —-ग्रन्तरिती---

(वह व्यक्ति, जिसक बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह कृष्मा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अनक सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कांग्रे भी काक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकर्ण।

श्रन्युचो

मकान नं० 102/88ए(10) वाजिंदपुर जाजमऊ कानपुर।

> ्रच० प्रार० दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षम), स्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 25-10-1985

मांहर:

प्ररूप आई. टा. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधार राचना

भारत उरकार

कार्यालय , स्हायक आयकर कायुक्त (निरक्षिण) जर्जभारेज, सावपुर

का भपुर, दिनाक 25 अक्तूबर, 1985

भिदेश स० क-192/85-86 ——अत मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिया निष्य १ एच ४ ते तथा आ वना ०००००, प्रवणील एपार्ट में स्थार है (श्रार इनल उपाबड जनुसूचों में श्रार पूर्ण रूप ने विषय है), रिजस्ट्री रूना आधलारी के कार्यालय, कापपुर में, रिजस्ट्रीवरण अधिक्यम, 1908 (1908 व। 16) के अधीक,

ु रेज़िंगीय 15—3—85

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उषित बाजार मूल्य, उस हे दश्यमान प्रतिफाल स एस दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिस्ता से अधिक ही और अगरक (अतरको) और अतरिती (अतरितिस्ता) के बीच एस अतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फाल, निम्नितिखित उद्दर्थ स उपा अतरण दिखित में वास्तिक रूप में का थत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स हुई िवसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दाय्ति मंकमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना जानिए था, छिपाने में सविधा के सिष्

अत अब. उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, म, उत्तर अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री ज्ञान्ती क्षिणोर भारतीय एव अन्य, भवशील अपार्टमेन्ट, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) मैं० पीयर लेंस जनरत फाई० एण्ड इस्वेस्टमेंट पीयरलेंस भवप, 3, एस्पलनेगोड रोड, अलकत्ता।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यविः, । गसक बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)।

का यह सूत्रना जारी करक प्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बुवारा,
- (ब) इस स्वना के राजपत्र मा प्राधन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किये जा शकाय।

स्पष्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त गत्दो और ५दो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-४ मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट न० 284, ब्ताक-2, सबशील अपार्टमेंट, बगला न० 56, केन्द्र ब्यानपुर ।

एच० आर० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज, कामपुर

ना*र*वख 25--10—1985 मोहर:

प्ररूप वार् . दी . एन . एवं . -----

धायकार निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) की पाडी २६९-च (1) के संभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

अर्जनरेज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 25 अक्तूबर, 1985

िनदेश म० के−193/85~86 ──अतः मुझे, एच० आर० सस.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसको पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

र्श्वार जिसकी मं० 126/5/5 है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूस्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित्त बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया इतिफल निम्निविद उप्देश से स्वत अभ्वरण सिविद् से सास्तिवक स्प है किया नहा है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम का वावत, सक्त निवंध के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; शोर/या
- (ख) ऐसी किसी बाब वा वि सी धन मा जन्य वास्तिकों की, जिल्हों बारतीय भावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हों विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के हमोचनार्थ बन्दरिती द्ारी प्रकट नहीं किया गया था वा विका वाना चारा ए था, किया में भूविया के विवास

जतः अयं उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के वन्करण घें, कों, उक्तं विधिनियमं की धारं 269-घं की उपधारा (1) को कथील स्मिक्तिविक्तं व्यक्तियों, कर्याट :--- (1) श्रीमती वीरा वाली पत्नी श्री मोहन लाल खन्ना 85/523, लक्ष्मीसुरवा, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नेमरम बालूजा व राम मिलाप बल्जा 124/ ए/319, गोविन्द भगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरिती।

(बह ट्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)।

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के विद कार्यवाहियां कारता हों।

उस्त इन्तरित के वर्षन के सन्दर्भ में कोई भी बाखेद अ--

- (क) इस मूचना के राषपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीब से 30 दिन की अवधि, को भी तबिब बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंने।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्शे का, को उन्नव्य वरिधनियम् के सध्याय 23-कं में परिभाविक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में विका प्राही।

अनुमूची

हाउम न० 126/5/5, गोविन्दनगर, नातपुर।

एच० आर० दास, सक्त प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त. (निरीक्षण), अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 25-10-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर

कामपुर, दिमांक 24 अन्तूबर, 1985

भिदेश मं० के०-197/85-86'--अतः मुझे, एच० ग्रार० दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० म० नं० 15, है तथा जो गडरियन मुरवा में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय कानपुर में, रिजस्ट्री करण अधितियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख-23-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दिश्यान अतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृल्य, उसके दिश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए उस पाया पया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है 3---

- (क) बन्तरक ते हुए किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के जभीत कर दोने के बन्तरक के शांतित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा में हैंबए: बीट/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरितो व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया काम आहिए का, स्थितने में सुनिया से सिए;

कतः अब , उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्दरण मों , मीं उबत अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन , निम्नलिखित व्यक्तिसमें . अभित :— (1) श्री सरवम सिंह सपुत्र श्री बुद्ध सिंह, 60/3, विजय भगर, कामपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द्र सपुत्र श्री विशम्भर नाथ, दीक्षित , 15, गडरियन सुरवा, कामपुर ।

(अन्यरिती)

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

स्त्री शह सूचना बारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रावत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सं गंधी व्यक्तियों पर स्थान की ठामील में 30 दिन की अविधि आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थाकत्यों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (च) इस सूचना के बाजवन में क्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थायर अभोहस्ताक्षरी के शक्त सो सिंहर में किए का सकेंचे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्दों का, को उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

म० नं० 15, गड़रियम सुरवा, कामपुर।

एच० आर० दास, मक्षम प्राधिकारी सहाय राजायकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जार रेज, कानपुर

नारीख: 24-10-1985.

मोहरः

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहस्वक बावकर आयुक्त (मिरीकाण)

अर्जन रेज, जानपुर

स्मानपुर, दिना 🗆 1 / अबतूबर, 1985

निदेश मं० के०-199/85-86 -- अतः मुझे, एच० आर० दास,

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-च के अधिक रक्ता प्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित आचार मून्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 220, 221, 295, 296, 398 है तथा जो देहली सुजापपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणा है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारपुर में, रिजर्टी करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कब के द्रश्यमन तिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाय की, बाबस, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) इसी किसी भाग या किसी धन या अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर निधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिधा के सिए;

स्तः नदः, उस्तः अनिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्मीनिक्षि व्यक्तिस्मां, अर्थातः :--- (।) श्रीदा और प्रावृ आदि रिवासी के०—58, पणीदा नगर, टानपुर।

(उन्दरका)

(2) मगण र १५०२ आवास समिति विक, द्वारा सचिव भागेरे जिल्ला समा देवी चौराहा, लाल बगला, कामपुर।

(अन्तरिती)ै

(3) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हुं।

क्कत राज्यति के अर्जन के सक्कन्य में कार्क भी आक्रोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध्या तत्संबधी व्यविषयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इसल्बना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्डस्थ कियी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पांच लिखित में किए वा सकरी।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सक्तों और वर्षों का, चो उनक अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उन अध्याय में विका नवा हैं:

अनुसूची

खेत नं ० 2 %, %21, 296, 295, 398, स्थित ग्राम देह्सी, सुजाभपुण क्षाणा ,

> एच० आरः दास. पक्षम प्राधिपारी, सहाय र आयत्र आयुक्त, (भिरीक्षण), . अर्जन रेज, कानपुर

नारीख: 1~--10-1985. मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्योग क्यांग

भारत तरकार

कार्याबय. महायक जायकर आजुक्त (निरीक्षक)

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनौक 25 श्रक्तुबर, 1985

निवेश सं ं के- 212/85-86—प्रातः मुझे एच० श्रार० द्याम बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मून्य 1.00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रौरिजिसकी सं० 242एच 288 है, तथा जो विनगवा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरजो पूर्ण रूप से विणतहैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 31-3-1985

का प्रांक्त संपत्ति के उचित नाकार मूम्य से कन के कायमान प्रतिपक्त के सिए बन्तरित की नहीं हैं और मूखे वह निश्नाम करने का कारण है कि स्थाप्तोंकत कम्पित का उचित वाकार मूम्य , उसके कायमान प्रतिक्त को, एवं क्रमान प्रतिक्त का पंत्र प्रतिकात से जिथक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निचित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण कि बित में वास्तरिक हम से कि मिन नहीं किया प्रा हिंस-

- (क) नन्तरूप सं हुई किसी नाम नहीं नामतः। स्वकः निर्मानस्य से सभीन कर दुने से सन्तरूक नी दामित्य में कमी कड़ने या छन्छे नक्करे, में सुनिया नो सिए; बाड़/ना
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बासितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11, में उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यहा या वा किया बाना बाहिए था किया में हुनिया के क्रिक्ट,

बतः ततः, उक्तः विभिनिषयं की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निकालिषिक्षं व्यक्तियों, अर्थात् क्रिं 21—386 GI/85 श्री रामा जराम पाँड एवं रामिखलावन पाँड बिनगाँवाँ, कानपुर।

(भन्तरक)

जय दुर्गे सङ्कारी आवास समिति लि॰,
 290, नौबस्ता, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्र<mark>धोहस्तारी</mark> जानना है कि वह सम्पत्ति में हिस**बद्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इत श्वाम के राज्यम में प्रकाशन की शारीं के 45 दिन की नगीं ना तत्वंतंत्री व्यक्तियों दर श्वाम की तानीन से 30 दिन की नगींन, को ही नगींन नाद में समाध्य होती हो, के भीतंत्र पूर्णीकत व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सुषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक धे 45 दिन के भीतर उनत स्थानड़ कम्मीत में हितनकृष किती मृत्व क्यान्त दुवार नथाहरताकारी के शक जिल्हित में निग्द का स्कीन।

स्पन्तिकरणः ----इसमें प्रमुक्त शन्यों और पवाँ का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया श्वा

वम्स्ची

भूमि संख्या 242 एवं 288, विनगवा, कानसूपुर।

एच० झार० दास मक्षम प्रविधिकारी महायक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्राजन रेंज, कानपुर

दिनौंक 25-10-1985

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, कानपूर

कानपुर,दिनौंक 23 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० के-213/85-86— ग्रतः मुझे एच० ग्रार० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौरिजिसकी सं० खेत नं० 17/ए, है, तथा जो सतवरी, कानपुर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनौंक 31-3-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह किदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकल का पृष्ट प्रतिकत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री सिद्धन लाल मुपुन्न की स्व की स्वाम सुन्दर निवासी 104/ए, /172, राम बाग, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

 केशव सहकारी भ्रावास समिति लि०, नागेन्द्र सिंह, जिला० जुगईपुर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. केतागण ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. केतागण ।

(वह व्यक्ति जिसके जारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति; सितबद्ध है)

को ग्रहसूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

खेत नं० 171ए, ग्राम सत्तवरी, कानपुर।

ए**च० ग्रा**र० दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

अतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीग, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनाँक 23-10-85

नया है 🖖

प्रारूप गार्च .टी .एन .एस

मामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की मधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रजेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 25 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० के-214/85-86—अतः मुझे, एच० आर० वास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के वंभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- 5. से स्थिक हैं

धौर जिसकी सं० 269 है, तथा जो विनगवाँ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनौंक 19-3-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अल्लिरिड की गईं हैं और मुन्ने यह विद्यास करने क्या कारण हैं कि यथा पूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से एोसे दृश्यमान प्रति-कल से एोसे दृश्यमान प्रति-कल से एोसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नीविकात उद्वेद्य से अक्त अंतरण कि सित हों किया

- (क) बन्तरण ते हुर्च किसी बाय की शावत, उक्ष्य विभिनियम के बंधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के फ़िद्द; व्यदि√व्य
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरित इवारा प्रकट नहीं किया यया था या किना जाना चाहिए था. जियाने में सुविधा के विष्हुं;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रामशेंकर सिंह पुत्र श्री बब्बू सिंह,
 ग्रा० पहाइपुर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

जय दुर्गे सहकारी आवास समिति
 290, नौबस्ता, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती ।

(बहु व्यक्ति जिसके, श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4 अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की वह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तित के वर्षन के तिह कार्ववाहिना सुरू करता हो ।

वक्त सम्मत्ति को वर्षन् को सम्दन्ध थें कोई भी बासर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितजब्ध किसी कम्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किस वा सकी ।

स्पष्टीकरण :—इसमीं प्रयुक्त शब्दों आहे. पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया स्या ही।

अनुसुची

कृषि भूमि नं० 269/2, बिनगर्वा, कानपुर।

एच० भार० वास सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज, कानपुर

विनॉक 25-10-1985 मोहर:

भारत पार्च क्ष की .. प्र_{ा.} हरी .. • व कारत

बान्त्रक्ष वृद्धियम्, 1961 (1961 का 43) सी भारा 269-व (1) के बचीन बचना

THE TREE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निवेश सं० के- 215/85-86---श्रतः मुझे, एच०, श्रार० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन संक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने व्य भारत है कि स्वावर सभ्वति ,विश्वका विश्वत वाकार जुल्ब 1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

मौर जिसकी सं० 117/एस एन/75 ए है तथा जो सर्वोदय नगर, में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 26-3-1985

के पूर्वोक्त सम्मरित के उपित वाकार मूक्त के काम के कारधान अविकास के जिए अन्तरित की नहीं ही बार मुझे यह विकास कारने का कारन हूं कि यथानुबॉक्स संपत्ति का सामित नावार बुक्ब, उसके जयमान प्रतिकत से, वृषे अध्यमन प्रतिकत सा रामद्र प्रक्रिक्य के मिनक हो और सम्परक (बन्धरका) बीर बन्दरिती (बन्तरिविधाँ) के बीच यूचे बन्दरके से खिद तब गया नवा प्रतिकत्त, विस्वतिचित तकुवोच्य से अपने अन्तर्क लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ब्रे किए:

बका वर्ष , अवद वरियोगमा की पास-269-म के अमृतरम वें, में, उपव अधिनियम की पारा 269-व को उपधाक (1) वं वचीर, रिध्वविदेश माध्यकों, वर्णात् ३०००

1. श्री स्वर्ण कौर मैनी, परनी स्व० श्री सरदार निरंजन सिंह, मैनी,

172, गोल मार्केट, न्यु दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रेनुबाला जैन, पत्नी रिक्खवदासजैन, 105/699, श्रानन्द बाग,

कानपुर ।

(श्रन्तरिती)

3. ऋसागण।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋेलागण ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे मे ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल प्रमाति के भूपीन के सम्बन्ध में कोई जी शाक्षीय हुन्नन

- (क) यह वृषया के समयम में प्रकारण की दारीय 45 विन की जुक्किया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ब्रूप्य की वाजीन से 30 विज् की संवीप, जो औ वर्तीण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुनाय:
- (व) इव स्ववा के राववत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवक्य चित्री बन्द व्यक्ति ध्वाच वशोहस्तावारी के पाठ निचित्र में किए वा सकें ने ।

रनकाकरण:—एतर्थं प्रयुक्त सक्यों और नवीं का, यो सक्त अधिविवन के बन्नाय 20-क में परिभावित ही। यही अर्थ होगा यो उस अध्यान वी विका चना है ।

मकान नं ० 117/एस एन/ 75 ए, सर्वोदय नगर, कानपुर।

एच० ग्रार० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनौंक 29-1.0-85

प्रकृष बाह् े हों. पुन्, पुन् ----

नायकर नोभनियम, 1961 (1961 का 4,3) की भारत 269-च (1) में नचीन सुद्धता

SING THE S

कार्यालय, तहायक नायकर नायक्त (निरीक्तक)

श्चर्जनरेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांच 25 अन्तूबर, 1985

निदेश मं० के-217/85-86—-अतः मृझे, एच० दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 127/इब्ब्यू -/435 है, तथा जो साक्षेतनगर में स्थित है (और इसवे उपाबद्ध अनुसूची मेंऔर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्री जिल्ली अवि गरी के आयिलय, बानपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 बा 16) के अधीन दिनास 25-10-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमाय वितिष्ठ को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिष्ठल से, एमे द्रायमान प्रतिष्ठल का पत्त्रह प्रतिष्ठत से स्थिक है और अन्तरक (सन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे सन्तरण के निष् तय पाया प्रवापितियों, निम्नितियत उद्देश्यों से उक्त जन्तरण जिल्लित वे पास्तिकक रूप से किचत नहीं किया प्रवा है है—

- (क) अन्तरन स हुई किसी नाम की नामता, अनक निध्निष्य के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके समने में सुनिधा के निष्ए; नौह/ना
- (अ) एसी किसी आव वा किसी थन वा अस्य जास्तियों का चिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में मृतिथा के सिक्तः

वतः ववः ववः विभिनियमं की वास 269-ग के वजुलस्य को, मी, उक्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1), के वभीरा, निर्माणीयिक व्योकक्कें के व्योक्त क्र--- श्रीमती दलीप कौर, पत्नी श्री हरचरन निह, 120/822, रजीत नगर, कानपुर ।

(ग्रन्तर्ः)

 श्रीमती इन्द्रमती मुपुत्री श्री लक्ष्मी नारायण मिश्रा एवं अन्य ।
 127/डब्ल्यू-1/435, माकेत नगर, कानपूर।

(अन्तरिती)

1. भ्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में मम्मत्ति है)

4. भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, तिनके बारे में अओह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के गर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीश ह 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष सिवित में किए वा सकोंगे।

श्वकाकिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर प्यों का, वो उक्त वृष्टित्यक की वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिया वया है।

अमूस्की

म हान नं ० 127/डब्ल्यू-I/435, साकेत भगर, कानपुर।

एच० श्रार० दास यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, कानपुर

दिनांक: 25-10-1985

प्ररूप नार्चु टी. एन . एस .======

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन तृथमा भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक जायकर मायुक्त (निस्टीकाण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

हानपुर, दिनार 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ए-255/85-86--- श्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से बिधक है

और जिसकी सं० 3/222 है, तथा जो हरीओम नगर, प्रलीगढ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री जो प्रिक्षिशारी के आर्थान्य, प्रलीगढ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के प्रजीन दिनांक 21-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल म द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं जार अंतरिक (अंतरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबिस्त उच्चेष्य से उक्त जन्तरण सिचित में वास्तिवक स्थ से कियत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए? औद/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गजा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

कत: अंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियोः, अर्थात् :—

 श्री राधा िरणन मेहना, पुत्र स्व० माधोराम महता, हरीओम नगर, ग्रलीगढ़।

(मन्तंरक)

2 किरण बजाज युत्री स्व० बिलायती राम बजाज 3/∂ दानपुर कम्पाउन्ड ग्रलीगढ़।

(श्रन्तरिती)

3 -- मधैब--

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

2 -- तथैंब--

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सूरू करता हुं।

उनत तंप्रित को नर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीश से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त जाकितयों में से किसी स्वस्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किली जन्म भ्यक्ति द्वारा अभोड्स्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वष्यक्रिरणः — इसमें प्रवृक्षस शब्दों और पदों का, जो छक्त है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

मन्त्रची

मकान नं० 3/222 हरिओम नगर श्रलीगढ़ । क्षेत्रफल 356 वर्ग गज कानी 29796 वर्ग मीटर।

> एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपूर

दिनांक: 6-11-1985

प्रकल कार्यः टी_ः एतः एवः ≥------

नामकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मना

मार्डेव चड्याक

कार्यातय, सहायक जायकर भायक (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

मानपुर, दिनाव 8 नवम्बर, 1985

निदेश स० ए-261/85-86--अन मुझे, एच० आर० दास, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च वे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० 276 है, तथा जो वृन्दावन, मथुरा में स्थित है (और इ.भम उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्री क्ती श्रिधकारी के वार्यालय मथुरा मे रिजस्ट्री वरण श्रिधिनाम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन दिनांव मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम से स्वयमान - प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा गवा प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश से उक्त अन्तरण कि बिति में वास्तिक कुण ने क्षित्र कहीं किया बना है :---

- (क) बलारण ते हुई किती थाव की वाबत, उनक निर्मात्मक के निर्भात कर योगे की जन्तरक के वास्तिक में कभी करने वा उससे अवने के सुविधा के लिए; नीर/वा
- (च) एसी किसी जाय वा किसी अंग वा अस्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भारकर अधिनियम, या भारकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

अतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः ——

- श्रीमती राज रानी, पत्नी श्री मनोहर लाल निवामी, गाविन्द बाग, वृन्दावन, मथुरा। (प्रन्तरक)
- 2 श्री कार्गाराम अग्रवाल, निवासी गोविन्द बाग, वृन्दाचन, मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

3 ---तथ व---

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---सर्यं व---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितब ब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

अक्त सम्मन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविभ , को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ जिल्लात में किए जा सक्तेंगे।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

मकान न० 276, गोविन्द बाग, बृन्दाबन, मथुरा।

एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायेक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनॉक 8-11-1985 मोहर प्ररूप आई.डी.एन.एस. -----

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सूचवा

RIGHT TRANS

कर्णांसयः, सहायक जावकर बायुक्त (निरक्षिण)

सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, ब्यानपुर

धानपुर, दनांक ७ नवम्बर, 1985

तिदेश मं० ए-287/85-86~ - श्रतः मुझे एव० श्रार० दास जायकर श्रीधिनवन, 1961 (1961 का 43) दिवसे दवसे इसके प्रवादः 'स्वतः व्याधिनवन' कहा नवा ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिधनारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्धः, जिसका उचित वाचार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको स० 370 है, तथा जो ढोलफपुरा, फिरोजाबाद, में स्थित है(और इनके उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से घणित है) रजिस्ट्री जी श्रिध जारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रजिस्ट्री जग श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनों : 10-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नावार मूक्य से कान के कारणान्न प्रतिफान के लिए अन्तरित की सहाँ हैं और मूझे कह विवक्त करने का कारण है कि अवस्थानित क्यारित का जीका कारण है कि अवस्थानित क्यारित का जीका कारण मूल्य, इसके क्यायामा प्रतिकृष्य से, एवं कारणान प्रतिकृष्य स्थाप प्रतिकृति नीर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित भे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (%) अन्तर्भ में हुए किसी वाम की बावक, स्वस सीमिनवन में बचीन मह सेने में बंधकुत में शियत्व में सभी करने ना सबसे नजने ने सुन्या है सिए: बॉर/मा
- ाक्षा एरंथी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ । ११००० भागतीय बायकार विचित्रयम, 1922 (1922 का 11) या अवत विधित्रयम, या धनकार विधित्रयम, या धनकार विधित्रयम, शिक्षित्रयम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती दुवारा वकट नहीं किया गया था सा विश्वा बाना खाहिए या जिलाने वें स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की थारा 269-व के बनुस्रक को, को, उक्त जिथिनियम की भाग 269-व की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, वर्षास् धार्म 1 श्री पत्यवीर पुत्र श्री रामभहं, निवासी ढोनपुरा, फिरोजाबाद ।

(अन्तर्स)

2 श्री किणक कुमार, च राज कुमार, पुत्रगण श्री लक्ष्मण प्रक्षाद, स्टेशन रोड, फिरोजाबाद।

(ग्रन्तरिती)

1 ---नधंैव---

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 **⊸**– तथौष−-

वह व्यक्ति, जिसके बारे मे ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्षे यह सूचका चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के किए कार्यक्रितिकां करका हो।

क्ष्मक होलीरत में वर्षन के इस्मान्य में मादि भी वामीनः---

- (क) इस ब्याम के राज्यक में प्रकाशक की काड़ीय से 45 दिन की जबींथ मा संस्कृत्वनथी व्यक्तियों वर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो औी अविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इक सुकना के राजपन में प्रकाशन की वारींत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में दिन-कड्डभ किसी बन्च म्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के अ पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्वक्रोकरणः -- इक्षमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, ओ अक्ष अर्ट्यिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विचा ग्या है।

नगर्या

ग्रारजी, खाता सं० 370, रकबा, दस बीघा, पांच बिस्या, लगानी 100-45 का 1/3 भाग, बार्क मौजा ढोलपुरा, फिरोजाबाद।

> एष० द्यार० दास रक्षम प्राधिकारी सहायर श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 7-11-1985 मोहर: इष्क् बाह्यं हो एत एस , ----

ग\यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकाह

कार्यालय्, सञ्चयक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, -II,

मद्रास, दिनाँक 6 नवम्बर, 1985

निदेश मं० 6/मार्च, 85----ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबैल बारकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाचार मूल्य 1,40,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि श्रो० एस० सं० 173/7, मात्तंगाडु काँव है, तथा जो तिक्वोद्रियूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्-सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध हारी के कार्यालय, तिच्वोद्रियूर लेख मं० 122/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1985

को पृथि कित संपत्ति के उपित बाषार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्परित का अभित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अंतरण लिखित में बासिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरन संबुद्ध किसी बाय की बाबस्, उक्त विविद्यालय को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कानी करने वा अववी वचने में सुनिधा के निए; वरि/या
- (च) ऐसी किसी जाव वा किसी भव वा वस्य अस्तिकों की, जिल्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विश्वित्यम, या वर्नकर अधिनियम, या वर्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, ज्याने में सविव्या के लिए:

अतः थव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ए के बन्नरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की जपधारा (1) के वधीन, निस्नसिधित व्यक्तियों, वर्धात प्र⊷-

का निएः

श्रीमती वी० रंगनायिक ग्रम्माल,।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० पेण्डगवल्ली।

(ग्रन्तरिती)

क्का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर मंपरित में हितत्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेगं।

स्पाच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होता जो उस अध्यास में दिया स्वा ही।

अनुगूची

भूमि स्रो० एस० मं० 173/7, सात्रंगाडु गाँव, तिरूवोट्टियूर तिरूवोट्टियूर, लेख मं० 722/85

> श्रीमती एम० मामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाँक: 6-11-1985

मग्हर ;

22-386GI/85

प्ररूप बार्<u>षः हो एन ए</u>सः .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

अर्जन रेंज- 2 मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 17 मार्च, 85 -- अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबैल बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एम० सं० 274/1, पेरम्बूरबारक्टम रोड, है, जो पेरम्बूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पुरणवानकम, लेख सं० 548/85, में रिजिन्ट्री हरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के सम्मित प्रितिक्रम के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दम्यमान प्रतिक्रल से एसे दम्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिक्रल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निलिखत में बास्तिबक रूप से किथत नहीं क्या गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करले या उससे बचने में मृतिभा दायित्व के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयल-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अभिनियम, या धन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा के सिष्

बतः सव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्तरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को सभीन . राम्निलिसित स्थिक्तयाँ, वर्भात् :--- 1. मैं मर्स बिन्नी लिभिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2 विकारहाम् एण्ड कर्नाटिक, पिमलम, एम्पलाईज, को-श्रापरेटिव सोमायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तत्सन्त्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में फिए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वनस्थी

भूमि पेरम्बूरप्वारक्य रोड, पेरम्बूर,पुरशवाक्कम तालूक मब्रास, पुरशवाकिम, लेख सं 548/85 ।

> एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाँक: 5-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-व के अभीन स्वना

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II.

मद्रास, दिनाँक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं 18/मार्च. 85/---ग्रतः मुझे श्रीमती एम० माम्बेल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 1360, ताना स्ट्रीट, पुरणवाक्कम है, जो मद्रास-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पुरणवाक्कम, लेख स० 484/85 सें रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक मार्च, 1985

की पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए कत्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गवा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी शाय की बाबत, सबस नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय यो किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुबरण में, मैं., उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, जभीत् :---- श्री बी० लोक्तायिक प्रम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी॰ नटराजन, भीर दूसरे।

(भनिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्टुं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी वा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो शक्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविय हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

पन संची

भूमि श्रौर मकान 22 ताना,स्ट्रीट, पुरशवाक्कम,मब्रास-7, पुरशवाक्कम्, लेख सं० 484/85

> एम० सा**मुबैल** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, II, मद्रास

दिर्भाक : 6-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

। श्री जड़ीप ए० राजा

अंगिर्वा निल्नी पी० मेनन

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेज-11 मद्रास

मह्र स दिनाव 5 (मबर 1985

निदेश स 20 26 मार्च, 1985—श्रद मुद्ये, श्रीमती एम० मामुबेल

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उन्त मिथिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

मीर जिसकी म० पलाइ (पुराना, 1 पलीर स० ३ फेन प्र, पार्डन रोड, है, तो मनाप-७ में स्थित है (ग्रीर इस्ट उनवद ग्रम्ध्वी म ग्रारजा प्रण रा म विणात है) र्राक्ट्री आधि पर्रा के रायित राम उलैंडम, लेख स० 131/85 में रिस्टी पण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 रा 16) के ग्रिधीन दिनाक मार्च,

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से इन्हें किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्य में कामी करने वा उत्तर वचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिंध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीक से 30 दिन की वनिंध, जो भी वनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्वो का, जो उन्त जाँधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित्र ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अंग कर्यो

क्लैट २० ३ I क्लोर, पैत्राफ्टस, गार्डन राज, मदास-6 श्रान्डिल रा. लेख स० 131/85

> ण्म० सामवेल पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-II, मद्रास

नतः गयः, उस्त निधिनयम की भारा 269-ग के जनसरक भं, मं, उस्त अभिनियत की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .——

दिनाक 5-11-1985 **मोहर**ु

प्रकार कार्यं । हो । हार्य हार्य ।

भागकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन त्चना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक भावकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11.

मद्रास. दिनांक 6 नवम्बर 1985

नर्देण सं० 37/मार्च, 85---ग्रतः मुझे श्रीमती एम० मामुक्षेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वार 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 90 टी (9) तिरूष्पूर, गांव टेनम्पालयम ग्रार्क है, जो तिरूष्पूर टाउन में स्थित है (श्रौर इसने उपावद अनुसुची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री ति श्रिधियारी के जार्यालय तिरूष्पूर, लेख सं० 430/85 में रिजर्म्ही करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च, 1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रुचरण से हुई जिल्ली बाबू का बाबड, अवस् बाजिनियम के अभीन कर देने के बाबहुक औं बाजिरम में कनी करने या अवसे बचने में सुविधा के जिए; औद्द/वा
- (क) एंडी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिभिनियम, मा चन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवां या वा किसा जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

बतः वव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-न से बनुबरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसिक व्यक्तिसामों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० कुलंदैस्बामि ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० दंबिशगामणि ।

(ग्रन्गरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्रोप ह---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनींध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इब भूष्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित- कुष्प किसी जन्म स्थावत द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पात् मिषित में किए वा स्केंगे।

स्वार्क्षकरणः ---इसमें प्रयुक्त स्वारं बाँड पूर्वे का, यो उक्त वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होग्य वो उस अध्याय में दिया नृषा है।

अनसची

भूमि और मकान तेन्नाम्पालयम, तिरूचूर टाउन, तिरूचूर लेख सं. 37?85 ।

श्रीमती एम. मामुबेल सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी अर्जन रंज- , मद्रास-6

दिनांक : 6-11-19**8**5

महिर:

प्रकार बाह" : टी - प्रव - प्रव ---

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्पीर स्पना

भारत सरकार

कार्बासयः, तहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण) ग्रजनज रोज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 48/मार्च 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सौरिपालयम गांव एम० एफ० सं० 414 है, जो कोयम्बत्र में स्थित है (श्रीर इसर उपाबद श्रनुसुकी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्र लेख सं० 1052/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च, 1985 को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करा ना कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से कार्य प्रसादिक रूप से कार्य गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुए किवी नाम की नानव, उन्छ वरिश-निवम के नपीन कर बने के बन्तरक के वासिए में कभी कृद्धने ना उन्नसे नक्षणे में सुनिया के निए; नीप्र/वा
- (व) ऐसी किथी बाब या किसी धन या वस्त्र बास्त्रिकों का विन्हें भारतीय नायकार निधिनवन, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनयन, वा धनकर नीधिनयन, वा धनकर नीधिनयन, वा धनकर नीधिनयन, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं सिका भवा था के किया वाना वाहिए वा, कियाने में मुलिया ने कियाने के मुलिया ने कियाने कियाने के मुलिया ने कियाने के मुलिया ने कियाने के मिल्या ने किया ने कियाने के मिल्या ने कियाने के मिल्या ने कियाने किया ने कियाने किया ने कियाने के मिल्या ने किया ने किया

नतः थवः, उत्तरं निभिनियमं की धारा 269-त के ननुस्रण तें, नेंं, स्वतः निभिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) श्रृं नभीष्, निकातिष्कं न्युविद्यवां । वृथक्षिः 1. श्री एस० एस० माणि ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० गापाल स्वामी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के स्वपत्र में प्रकाशन का तारींच से 45 दिन के मीसर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध फिसी जन्म व्यक्ति ब्वास वभोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए या तकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सोरिपालयम गांव एस० एफ० सं० 414, कोयम्बतूर, 1052/85 /कोयम्बतूर ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोज- , मद्रास-6

रदमारः : 6-11-1985

प्र**कप् नार्ड्ः टी**ु एन**् एत**्य------

नायक १ निभिन्यम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यस्व, स्ट्राय्क वावकार वायुक्त (निडीस्प्)

ध्रर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश मं ० 54/मार्च, 1985—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 29, पोरिविपालयम गांव, पोलाचा है, जो तस्पूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री तरण श्रिध तारी के वार्यालय पोल्लाय्यी लेख सं० 530/85 में र्राजस्ट्री तरण श्रिधितारण श्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 85

को प्राेषित संपरित के उचित नाथार मृत्य सं क्रम के ध्रममान प्रितिकल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा प्राेष्टित सस्पति का उचित नाथार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे ख्र्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियो आय वा किसी पन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रया था या किया जाना शाहिए था, खियाने में वृषिधा में सिक्षः

1. श्रीमती सोर्ण गंधी ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कुप्पुस्वामी गौण्डर ।

(अन्यरिती)

को यह तुष्मा जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां र-रू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर स्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतह उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवक्थ किसी अन्य स्वक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, भी अवत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि खेती पोरिक्षिपित्रयम गांव, पोलाची नरूप्पूर, पोलाय्यी लेख मं० 530/85।

> श्रीमति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्नेन रोज-11, मद्रास-6

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अर्थात :**—

दिनांक': 6-11-1985

मोहर 🖫

प्रकृष भार्द हो तुन , एस , ----=--

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) कर्रे भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० चिन्तकवन्यालयम, है, जो दारापुरम तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दारापुरम, लेख सं० 515/85, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अर्थारत की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के मिए: बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किसू भारतीन आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती र्वारा प्रकट वहीं किया गया था था किया थाना चाहिए था, किया में सूर्तिका के सिए;

अवा अव, उपल वॉथिनियन की पारा 269-न के अनुवरम भी, भी, उपल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात :--- ा. श्रीके० एम० राम स्वामी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० बाला सुक्रमणियन (मैनर), श्रप्पांच्य, गौंडर (गार्डियन)।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, जो भं, व्यक्ति साद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी बन्य स्थानित द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पांध सिचित में किए जा सकोंगे !

स्पक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त करूवों और पवाँ का, जो सकत विधितियम के कथ्याय 20-क के परिशाधिक ही, वहीं कथी क्षेणा, जो उस अध्याय में दिया वर्षा ही है

भन्सूची

भ्मि चित्नाक्कम्प लयम, दारापुरम, लेख मं० 515/85

एम० भागुवेल शक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राय

दिनांक : 6-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

माप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

गारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेज-2, मदास

मद्राप, दिनाए 6 नघम्बर 1985

निदेश मं० 78/मार्च 85~-श्रतः मझे, श्रीमती एम० मामवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नभीन सक्षान प्राधिकारी की यह विववस करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

और जिमकी सं० भार० एम० सं० 3611 और 3612 "फैरी हित" कृटिया है तथा जो उठ मन्ड में स्थित है (और इपमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण मप से वर्णित है), रजिस्ट्रो ईनी श्रधि हारी के आर्यानय उदगमलम लेख सं० 216/85 में भारतीय रजिस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 ला 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूक्त से कम के स्थानान शतिफल के लिए अंतरित की गई है और सुकेयह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मस्य, उसके कायमान प्रतिफल से एसे कायमान प्रतिफल का नन्त्रइ प्रतिचत से मिथक है भीर मंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के भीच एंसे अन्तरण के तिए तब शाया चचा प्रतिकत, निम्नतिबित् उद्योग से उन्त बन्धरण क्रिक्ट में बास्तविक क्य वे कवित वहीं किया बदा है 🏎

- (क) अंतरण से हुई किसी बाद की दावता, जक्त क्रीय-विवस के अभीन कर दने के अंतरक के बायित्व में कती करने या उत्तरो वचने में सुविधा के लिए; ' वरि/4।
- (क) एंसी किसी बाब या किसी भन या बन्च बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिशनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, फिलाने में सुविधा के लिए।

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बधीन जिम्मीलियन व्यक्तियाँ, वर्षात ;—-

क्षतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

(1) श्री एल० रामैया और दूसरे

(सन्नरः)

(2) श्री कें० नन्त्रण्डैया।

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के प्राथयत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी स्थिति बुवारा
- (क) इस स्वान के राज्यम में अकावन की तारीच चे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्दश किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था बकेंचे।

लच्चीकरुणः --- इसमें प्रयूक्त वस्तों बीट पत्तों का, जो उक्त विधिनियम के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

नन्स्यी

भूमि और महात "फैरी हिल" बुटिया भ्रार० एम० मं० 3611 और 3612 उदगमन्डलम लेख मं2 216/85 इदगमन्डलम् लेखा मं० 216/85

> एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्चर्यन रेंज-2, मद्रास

दिनाम . 6 - 11-- 1985

महिर :

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरोक्तिक)

श्रजुन जेत-2, मद्रास

मद्राभ दिनांक 6 नधम्बर, 1985

निदेश मं० **६**5/मार्च **४**5----ग्रतः मुझे श्रीमती एम० मामुवेल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1.00.000/- 75. में अधिक है

और जिनकी सं० 3 वकील नागराजनविधी है तथा जो उडमलेंपैठे में स्थित है (और इसने उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-ति अधिकारी के कार्यालय उडमलेंपेठे लेख सं० 601/85 में रिजस्ट्री-रिण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीत नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान अतिकत के निए अन्तरित की गई है और एके वह विद्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उनके क्रममाय श्रीतफल सं, एतं उस्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के शैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नखिचित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तनिक रूप से कीशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूर्विधा के लिए; अपेर/या
- (च) ऐसी किजी जाय या किसी भन ना जन्य जास्वियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किवाने में सुविधा वे विकाः

ं जतः सब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नसिनित व्यक्तियों, अभीन् ;—

- (1) श्री गी० एन० रामस्यामि श्रय्यार और दूगरे (अन्तर)
- (2) श्रीमती एस० र्णाणरेखा अंतर दूनर (ग्रन्सरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अ कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जनत संपति नै नर्जन के संबंध में कोई भी जाओ :---

- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामील से 30-दिन की व्यक्ति, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

भूमि और महान सं० 3, बक्कील नागराजन बीधी, उडमलपैठे उडम १पैठे लेख सं० 601/85

एम० सामुमेत सज्जम प्राधिकारो सह्यभ श्राय यर श्रायुक्त (तिरीक्षण) स्र्वति रेज-२३ सद्वास

दिसाँ :: 6--11--1985

प्रारूप आई.डी. प्त. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के क्यीन सूचना

भारत संस्कार

भार्यालयः, सहायक जायकर आधुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2 मद्रास

मद्राप दिनाक 6 नवम्बर, 1985

िदेग म० 93/मार्च 85→-श्रत. मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1361 (1961 का 43) (जिसं इतमें इतके परचात् 'खन्दः अधिनियम' कह्न गवा हैं), की भारा 269-च के नधीन सभाग प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्मति, जित्रका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- क. से अधिक है

अँ।र जिमको स० उप्पिनियानयम है तथा जो कोयम्बत्र में स्थित हैं (अँ।र इसने उपायस अनुमूची में आँ।र पूर्ण रूप में बीणन हैं) रिजस्ट्री की श्रीय शरी के कार्यालय नियानलूर लेख सं० 691/95 में रिजस्ट्री अरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अथीन नारीख मार्च, 1985

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्याना प्रितफल को लिए जन्तरित की मुद्धें हैं और मुक्तें यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थापुर्वों कस संशक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिओं) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रसिक्त फल, निकालिकत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्त- विक क्य से किकत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुंद किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंबरक औ दावित्य में कमी कुड़ने या उठवे वसने में सुर्देवभा भी सिए; आहि/वा
- (व) एसी किसी जाय वा किसी थन या बन्ध बास्तिकों को, चिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

कतः कथा, उकत विभिनियम, की भारा 269-ग के वनुसरण को, मी, उत्तन विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नीनिवित व्यक्तिसमों, वर्भातः :--- (1) एल० भन्नचत्मलम और अन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पालिनस्वामि ।

(भ्रन्तरिती)

भी वृद्द कुण्या थाएँ। कर्डके पूर्वोक्त अस्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप हि—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की दारी व व 45 विनुकी अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्विक्त ध्वारा;
- (क) इस सुमना के राज्यन में प्रकारन की तारीय वें 45 दिन के भीवर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य न्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार तिचित में किए वा सकों।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिस् स्वा हैं ।

यन्सूची

कृषि खती उप्पिलियालयम, कोयम्बतूर लेख सं० 691/85

एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनाक : 6-11-1985

मोहर् 🛭

प्रकल कार्य : टी. एन. एस..------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत बहुकार

कार्याक्य, सङ्ख्क बायकर बायुक्त (निरीक्सण)

ग्रर्जन रेज-2, मद्राग मद्रास, दिनाक 6 नवस्वर, 1985

निदेश स० 94/मार्च 85---ग्रत. मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० उप्पिलिपालयम है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीश्ली अधिकारी के कार्यालय सिगनलूर लेख स० 690/85 में रिजस्ट्रीशरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम' के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे ध्रम्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा विद्युं
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य अस्थियों को जिन्हें भारतीय वायकर सिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के सिए; और/वा

जतः गग, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ल की उपधारा (1) को बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बधीन :--- (1) एल • भं स्त्रणत्मलम और अन्य ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती पाप्पति ।

(भ्रन्मरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिक , कार्यवाहियां करवा हो।

उनत तम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बासरे रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का थां सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ररिभावित हैं, बही अर्थ होगा थां उन्न अध्याय में दिया थवा है।

बार परि

भूमि उप्पिलिपालयम गाव कोयम्बतूर, सिंगानलूर लेख स॰ 690/85

> एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी संस्थिक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज- 2, मद्रास

दिनाए . 6-11 1985

प्रकर बाइं, टी. एव. एव.-----

नामकाः नृत्यिनियमः, 1961 (1961 का 43) की थाउ 269-ए (1) के अभीन सूचना

রায়ের বয়কার

कार्याक्य, बहायक बायकर बायुक्त (निरोधान)

भ्रजन रेज-2 मद्रास

मद्राप, दिन्तक 6 नवस्यर, 1985

निदेश स० 97/मार्च 85---प्रन मुझे श्रीमरी एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस क्ष्म इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवरित जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० मेण्डपिट हैं तथा जा ताठिपालयम ग'व में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रनुत्त्वी में ऑर एण रूप संवर्णित हैं) रिजस्ट्री तिश्चित्विकारी के स्थितियत अधि लेख स० 496/85 में अधिकरण श्रवित्या 905 (1908 का 16) के अधितारिय मार्च 1985

भा पूर्वों कर सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि संभापूर्वास्त संपत्ति का उचित बाजार सूल्य, उत्तक ध्रममान प्रतिफल के असे स्थमान प्रतिफल का प्रतिकल की स्थम प्रतिकल से असिक हो और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अस्थितियों) के बीच एसे अतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल स निम्नितियों उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाय की बावत उक्त बीध-वियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी कड़ने वा उत्तक बचने में तै विष्ण ने निष्ठ, बीड़/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया मून्य था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुविधा से लिए;

वतः वयः, उत्तर विधिनियमः, कौ धारा २६९-ग लै वनसरण वः, भे उत्तर विधिनियम की धारा २६९-घ को उपधारा (1) के वधीन, निम्नीविधित स्मितिधाः, वधीत् क्— (1) श्री एम० एन० शिलकुमार ।

(अस्तरक)

(४) थी एम० हुसस्यामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हां।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी-वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रसाक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकेंगे।

स्थष्टीकरणः --इसमें अयुक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अध हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्स्ची

भृमि ताठिगातयम गाव मन्डगठि तोण्डाम्बतूर सेख स० 496/85।

> एम० तम्बेल ध्यम प्राधिकारी यहायम श्राधमर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, **भन्ना**स

f i 6 1 1985

मार् :

The state of the control of the cont प्रस्प बार्ड टी एन एस . -----

बाबक्द अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वतः

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेच-11 मद्राम

मद्राम, दिना 6 नवभवण 1985

निदेश स० 99/माच 1985 🚟 🗁 🕆 । मनी एम० साम्बेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अरिंगिनरम' कहा गया है, की भार 269 - के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित नाजार मृत्य

1,00,000/- रु में अधिक हैं और धिनकी स० सर्विच्यवरेषावाडी गाप ह न्या 🕏 कोबस्बतूर में स्थित है (आ) इत्। उपात्र बनयनों में का पूर्ण रूप सर्वागन है) र्राभ्योदन प्रधि क्या का प्राप्त ताण्डाम् तर लेख स 2 391/85 में रिविस्ट्रा रण अधिसिम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तार।ख मार्च 1985 को पुर्वाक्त संपत्ति को उचित बाबार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथश्चास्त गान । उसकी रहरामान प्रतिफल सी, एसे रहरामान अतिफल का पल्यूह अतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अस्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाना नवा प्रतिफान, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आन की बाबत, उक्त अधि-विधिनियुत्र के वधीन कर धेने के अन्तरक के वाजिएव वें सभी करने वा उससे बचने में श्रीवभा के लिए मौर/वा
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फ**्र वीध्**रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा वै सिए।

क्तः वयः, रुक्तः विधिनियमं की भारा 269-ग के वन्सरण भी, भी, जनत अभिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के बजीमा, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् .---

(1) श्री रतिनम्मालंऔर श्रन्य ।

(श्रन्तरक)

(2)श्री एस० राजमणि।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा नी मंबिश बाद में समाप्त होती हों, के भौतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दुवाय;
- (का) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विनु के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मृत्य व्यक्ति दुवारा भभोहस्ताक्षरी के पास िल बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

भनुसूची

पृषि खेती मनिचितरैयाचाडी गाच, कोयम्बतूर तोण्डाम्त्र लेख म० 391/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बन मक्षम प्राधिनारी सहाय । ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे-2 मद्रास

दिना -6 411 1935

माहर

प्रकार नाम" हो. एन प्रमु जनन्यन्य

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

HIST TARE

कार्यास्य, सङ्घायक वायकार कान्वस (विरीक्षण)

श्रजंत रेच--2, मद्रान

मद्रास, वि ॥ । ७ चवम्बर, 1985

निदेश मे । 06/मार्च 1985 - श्रेप. मुझे, श्रीमर्वी एमरु सामुबेल

जासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसम

श्रीर विवको स० ४, चन्त्रिम स्टान्स स्ट्रीट है स्था को नुगम्बाक्ष्म, महान ४३६ में स्थित है (और कान उपावह अनुसूची में और पूर्ण कर ने विगत है) रियम्होक्ति ग्रिशियों के जामित्र श्रीक्ष्टनेन्द्र लेख म० 88/86 में विभिन्नी वण प्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधान वाराख्य मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्निवक रूप में किथा गया है ----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उल्धारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) समार्थस्य कुष्या ऑस दूनरे।

(भ्रत्नर्कः)

(३) भा एक हुन्पुस्वामि चेहि ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूर्यमा जारी कर-छ पृथानित संपरित के अर्थन के जिए कार्यशाहिया करता हु।

उपन सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप्-

- (क) इक्ष त्यान के राज्यत में प्रकारन की तारीड है 45 हिम्म की जगाँच का बरक्जन्यों व्यक्तिकों पृथ् त्यान की तामील से 30 दिन की समीम, थी भी वक्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजिक्ष व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति सुवाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के जीतर सकत स्थावर बम्परित में दितबद्ध किसी अन्य स्थावर द्वारा न्योद्दराकारी भी वाद (जिक्त मों किस् का धरोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्यों और वदों का, यो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमुची

भूमि और मकान नयास० 4. जम्बुलिगम नायकर स्ट्रीट थॉमन्डलैन्ड नेटास० ४४/४५।

> श्रीमती एम० सामुबेल संजम प्राधिकारी चंडाएर प्राप्त र श्रापुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज--2, मद्राम

ਰਿਜ਼ : 6 -11--1985

महिर :

बक्क द्वार भी ह्या एस. परा

भारकर ग्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) व्यी भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत संरकार

कार्बालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राप्ति के र-2 गद्र,

मद्रातः दिवातः ६ वचन्त्रमः 1985

निदेश मं० 117/मार्च 1985 यनः पृझे, श्रीमनी एम० साम्बेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाल करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका टिम्पित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 243/5 निम्ममनावरम गांव है तथा गां के० के० नगर मद्रा 178 में स्थित है (और इ.व. प्रमानव अनुसूची में और पूर्ण हा ने विभार है) विश्विकाति विश्वित के कार्यात्रय विकास्ताक म (ते गां० 199/85) में विश्वित करण श्रधिनियम 1908 (1908 1 16) के अधिन प्रार्थ सार्व, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ये कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्या, उसके दृष्यमान प्रतिफल को स्वाप्त प्रतिफल को स्वाप्त कर विश्वास प्रतिफल को स्वाप्त के विश्वास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्ननिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिश्वित वें बालायिक क्यें बालायिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पायत उक्त अधिक नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे बचने मो सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या जल्य आहेरतयों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन हिंदीनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में महिवध के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिसित व्यक्तिया - अधि ---- (1) श्रीमनी दिश्वि पी० मेनन ।

(अन्त्रुक)

(२) था क० सुनुसारा और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण भें प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकरेंगे।

न्यच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुका हैं।

बन्स्पी

भूमि और मधान एम० सं० 243/3, 4 हिस्सा विश्वमम्बाक्षःम गाव के० के० नगर, मद्राय-78 विश्वमम्बाक्कम लेख सं० 499/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहासक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रें**ज**ेट, **मद्रा**स

दिशाभ . 6-411-1985 मोहर प्ररूप काइं. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायूक्त (निरीक्षण) . भूर्जन रेंब-II, महास मदाय दिवां 5 नवण्डर 1985

निदेण गं० 129/मार्च 1985 गा: मुझे, श्रीमती एमे० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इस् कें इसके परचाद 'उथत अधिगियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका संव भूमि तिरुवानम्म् गांव है तथा जो भर्ने संव 210/20 10 1म स्थित है (श्रीर इगसे उपावक श्रमुसुनी में श्रीर पूर्ण का में विजित है) रिजस्ट्री नी श्रीस प्री है कार्रालय मद्रा रिजण लेख मंद 675/85 में रिनस्ट्री रण श्रीसिन्यम 1908 (1908 1 16) के श्रीस नारील मार्च 1985

कां पृत्रिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत बीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंघने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरोी दुवान एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के स्थि;

अतः अब्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निक्तियित त्यीयतकों अधीत ः

24-386 G1/85

(1) श्रीमती एम अमला और दूसरे

(प्रस्तरक)

(2) श्री के० नारेन्य।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

भूमि सर्वे नं 2 210/20 और 10 हिम्स तिस्वाभ्म्र दक्षिण मद्रास, लेख सं० 675/85।

> एम० सामुवेल मक्षप प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनोक : 5-11-1985

मोहर .

प्रारूप आहर्षे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (चिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निवेश सं० 203/मार्च 1985——ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर शिंअसकी सं० II फ्लोर डोर सं० 6, श्रवलाम्बाल स्ट्रीट है तथा जो टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (धौर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर, लेख सं० 329/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीक मार्च, 1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उषिक काजार मृत्य से काम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुभ्ते यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से एसे दृदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्त्रिक रूप से वर्षण न स्हीं क्रिका गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अध्यत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृत्रिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जान्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, में,, इसत अधिनियम की धारा 269-घ की उर् गरा (1) ■ अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात ;— (1) श्रीमती के० मुन्तेचना।

(भ्रन्तरह)

(2) श्रीमनी के० मनजुरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह । भूचना जारी करके पृत्रोंकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (र्ख) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पर्लंट=I फ्लोर सं० 6, श्रश्लाम्बाल स्ट्रीट टी० नगर, महास= 17 1083 एस० एफ० टी० नगर, लेख सं० 287/85।

एम० सामुवेल सक्षत प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रक्त्युक्त (निर्राक्षण) श्रजीन रेज-11 मद्राय

दिनांच : 6-13-1383

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)
श्रजेंन रैंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 नवस्थर, 1985

निवेश मं० 143/मार्च 1985—श्रन. मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० टी० एस० नं० 4767 ब्लाक 108ए, प्लाट III फ्लोर 21 तिरुमूर्ति है गया जो स्ट्रीट जलर टी० नगर, मद्राय में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के व्यायालय टी० नगर, लेख सं० 388/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मृस्य से कम के क्षयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिन्त बाजार मृक्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिकृत का अन्तर्ह प्रतिकृत से बाधिक हैं और अन्तर्क (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्क में निए ध्य पाया गया प्रतिकृत निम्नितियाँ उद्योदय से उन्त अन्तर्क मिलिया में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- [क) अन्तरण तं हुई किसी बाव की वावत तंवत नाँच-विवय से वयीच क्ष्य देवे के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किथी बाव वा किसी भन या अन्य बास्तियों को, विनहीं भारतीय बायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा को निए;

ँ (1) डा० टी० के० नटराजन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ए० रामराजा।

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप हिन्स

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकींगे।

स्वचीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, को उक्छ विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा क्वा हैं।

भनुसूची

प्लाट ब्लाक नं० 108 ए, नं० 21, तिरुमूर्ति स्ट्रीट उत्तर टी० नगर महास-17 विलेख नं० 388/85

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कुधीन, निम्निशिविद व्यक्तिवर्ग, अर्थात क्र—

दिनांक: 6-11-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्राम, दिनाक 6 नवम्बर, 1985

निदेश स॰ 150/मार्च 1985—-श्रत मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपरित जिसका उपित बाजार मूल्य

1,00,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिल्लो स० 369 मोब्रेस रोड है तथा जा मैलापुर महास मे स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप हे भणित है) रिजस्ट्रीन ती प्रधितरा क नार्यालय महास सेन्द्रन लेख स० 233/85 मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ब्रह्ममान शितकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिकल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिकल के पब्रह शितकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिता उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाय की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औट्ट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

वत: वव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण मं, मं, अवत विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)

को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

(1) श्री श्रार० नारायण स्वामि ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती/कुमारी उषा राघवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में को ए भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाग अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयाकत शब्दों करि पदों का, जो उक्त अधिनियम, तां अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि और मकान 369, मोब्रिस रोड, मेलापुर मद्रास, मद्रास सन्द्रल, लेख स० 233/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक र जायुकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज--2, मद्रास

दिनां २ 6-11-1985 माहर . प्रकप् कार्ष टी एन एस ------(1) श्री महबुब जान साहिब।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सुन्दरराजन

(अन्तरिती)

भागकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) के भंभीन सुमना

गाइव करन्त्र

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अजेम रेज-2, मब्रास

मद्रास, दिनांक 5 पवम्बर 1985

निदेश मं० 163/मार्च, 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसर्ग** इसके परम्थल 'उक्त अधिनियम' कक्षा गया है), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सर्दात्स जिसका **उचित बाजार मृज्य** 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 17, लैंन कामिल दक्षिण स्ट्रीष्ट सान्तीम हैं। तथा जो मद्राम-28 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय मैलापुर लेख स० 265/85 में रजिस्ट्रीकरण अधि-**नियम 1908 (1908** का 16) के अधीन मा**र्च**, 1985

को पुर्विक्त सम्पत्ति वे उचित बाजार मूल्य स कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उणित बाजार मुल्य उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का **पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती** (अन्तरिक्षियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्दर्बस्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिथिक रूप म कथित। नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्तरण से शुद्द किसी बाय की बावत उक्त व्यक्ति निवम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या तसने वचने में सुविधा में सिए, यौर भा
- (क्र) एैसी किसी जाय वा क्षेत्रसी पत्र वा जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन कर वृष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया भावासिक्याजानामाहिए भा, छिपाने में सुविधा व् सिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, जक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीतः, निव्यासिक्ति व्यक्तिकों, वर्षात् ५---

को बहु सुक्रमा बारी करको पूर्वाक्स सम्परित क 😿 ह निध् कार्यवाडिया करता हु।

सक्छ सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, णांभी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त **म्यक्तियों** में से किसी त्यतित दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया। नया है।

मन्स्या

भूमि और मकाम 17 लैंन कासिल दक्षिण रुट्टीट, सान्तोम मब्रास-28 मैलापुर लेख स० 265/85

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

दिमांक : 5-11-1985

प्रकृत वार्ष्: दो पुरु पुरु अध्यान्य स्थान

वातकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वेधीन सूचना

तारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निवेश मं० 180/मार्च 1985 —-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि आर० एस० सं० 3960/3 प्लाट सं० 7ए गोविन्दस्वामि नगर है नथा जो आर० ए० पुरम, मद्रास-24 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणान है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर केख सं० 284/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

की पूर्वोक्त तम्मिति के अचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण जिल्लित में बाल्तिक रूप से कमित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण ये हुं हैं किसी बाब की बाबत, उच्छ विधिनियम में बधीन कर दोने के अन्तरक में वादित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा में सिए; वरि/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविधा से सिद्धाः

जतः सब, उक्तं अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण बं, बं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मिण्डित व्यक्तियों, अधित :--- (1) श्री सी० टी० सरस्वति।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेनम्माल।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन वे सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई वास्त्रेप ६---

- (क) इंस सूचना के राजपन में प्रकाधन की तारीय से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाठ किसी कर में किए जा सकती।

स्वकारिकारण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्तर विभिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस बच्चाय में विक्रा

सन संची

भूमि प्लाष्ट सं० ७ए, गोविन्दस्वामि नगर, आर० ए० पुरम, मद्रास-28 आर० एस० 3960/3,मैलापुर लेख सं० 284/85

्रम् एम० सामुबेल सक्षम प्राक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिमांक : 6-11-1985

प्रकार नार्र .डी.एनं .च्य . =======

भाषधर विवित्यव, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के संबीत स्वता

पारत बहुकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

· अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेण सं० 204/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती [एम० सामुबेल,

वायकर विश्विषय, 1961 (1961 का 43) (विंक्ते स्वयां इसके प्रथमत् 'क्वस विश्विषयमं' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वर्षीन संवाय प्राविष्यपरी को वह विकास कालों का कारज हैं कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उपित वाजार मृख्य 1,00,000/- क. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 8101 ब्लाक सं० 107 सारती स्ट्रीट है तथा जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 313/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

अते प्रांकित सम्मित के शियत वासार मून्य से कम के व्यवसान प्रक्तिक में लिए क्यारिकी की पर्द और मुखे यह विच्यास कारों का कारण है कि स्थान्तीं का सम्मित का उपित वासार मूच्य, तक्यों व्यवसाय प्रतिपाद हो, देंदे व्यवसाय प्रतिपान का प्रवाह प्रधिकत से अधिक है और अध्यादक (व्यवहर्षों) और सम्बद्धि (व्यवस्थितियों) के भीच एवं क्यारण में सिए तब पाल प्रां प्रतिपाद विव्यक्तिक अध्योद्य में स्वाह क्यारण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अलारम से हुन् किही नाथ की शायत, उनसे वीधीयवा में समील कर दोने के सम्बद्ध के स्वीयस्त में भागी भारते वा नवले क्याने में स्वीयका के लिए; बॉर/बा
- (प) होती किसी क्षाय या किसी धन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 को 27) के प्रकोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए या कियाने में सुनिया के लिए:

्रद: कव, क्ष्मच विविधवन की भारा 269-व के अव्वरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निष्मिधिक व्यक्तियों, अव्यक् ड— (1) श्री पी० के० अरुणालयम चेट्टियार।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० नागप्पन (माईनर) , (गाडियम) श्री चिदम्बरम चेट्टिटयार।

(अन्तरिती)

को आह क्ष्यना भारी करके पूर्वोक्च सम्मीत के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बर्बीच या तत्त्वस्थानी व्यक्तियाँ पर सूचना की वाबीच से 30 दिन की बर्बीच, को जी बर्बीच बाद में इजान्त होती हो, से जीतर प्रविच्छ स्पन्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की शारीका ने 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सक्यित में हिलक्ष्य किसी बन्ध स्थानित द्वारा नभोइन्ताक्षणी के पास सिवित में निष्ट का सर्वोंगे ।

स्मान्यक्तिकरण :---इसमें प्रयूक्त कन्यों और पर्यों का, जो अवस अधिनियम के अध्यास 20-क में परिधारिक है, मही जर्भ होता, को उस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

मूमि और मकाम टी० एस० सं० 8101, ब्लाक सं० 107 गारती स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास—17 टी० नगर लेख सं० 313/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 5-11-1985 *

शक्त साह[े]ंदी तुल त्व तुल्लानक

वाग्रभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विभीन सुवना

नारत प्रस्काह

कार्यासम, बहायक गामकर वाजुक्त (निर्याक्त)

अर्जभ रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विशांक 6 भवम्बर, 1985

निदेश मं० 213/मार्च 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पर्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षा प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पतिन, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाह नं० 594 डाक्टर अलगरस्वामि रोड है तथा जो मद्राम में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष प विणित है) रिजम्द्री हती अधिकारी के कार्यालय मद्राम दक्षिण लेख मं० 943/85 में रिनस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दब्धमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंसरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के सिए तब पाया मुद्रा प्रतिफस निम्नीसिचित उद्देश्य से स्रम्स कम्सर्थ विचित्त में वास्तरिक रूप से कीवत नहीं क्या बना है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उकत विभिन्नियम के बधीन कर देने के बंतरक के दानित्य में कनी करने वा उबने वक्त में तृष्यिथा के शिए; जरि/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी अन वा अच्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनिज्ञ , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिज्ञ , या अनकर अधिनिज्ञ , या अनकर अधिनिज्ञ , 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रनार्थ जंतरिसी ब्वास प्रकट कहीं जिल्ला भ्या था या किया जाना चाहिए था, स्थिप से स्थिभ के जिए;

कतः नग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, भ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- (1) श्री के० एम० वासुदेवन

(अन्तरक)

(2) जामम्माल ।

(अन्तरिती)

को बह ब्यमा बारी करके प्योंक बम्पीस वे वर्षम् के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इब सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की कवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विविद्यत में किए या सकेंगे।

धनसूची

भूमि ग्रौर महात प्लाट सं० 594 डा० अलगरस्वामि रोड़ मद्रास, मद्रास साउथ लेख सं० 943/85

> एम० सामुबेल चल्लाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुका (निरीक्षण) अजेन रेज-2, मद्रास

दिनां ह : 6--11-1985

मोह्रर:

क्क्य बार्ड ही एन १६४ , -----

वायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 🐼) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वरः।

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर अन्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांच 5 नवस्वर, 1985 निदेश सं० 215/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शावकर मीभानवज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त मिभिनवज्ञ कहा गरूर हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षक प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उधित बाजार मध्य 1,00,000/- क. से अधिक ही

र्द्यार जिल्लकी सख्या भूमि-क्लाक्षेत्र कालोनी, बेसन्ट अगर है, जो मद्राम 90 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राम दक्षिण लेख स० 958/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्विशत सम्पत्ति के उचित बाजार मंन्य म कम के दृश्यमाण प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल के एम रृश्यमान प्रतिफाल का पन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के दिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिक्षित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निकित में बान्सिक उप सं किंशत नहीं निया गया ही ----

- (क) अन्तरण स हुए फिली अह. की बाबत, उबत समितियम के अभीत कर दोने के अस्तरक के सायित्व में कभी करने या उसके बचाने में तृतिया के सिए; और/मा
- (य) द्वी किसी काम या किसी नन या अस्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (19 / का 27) के प्रशासनार्थ अत्यास्ति द्वारा पकट नहां किया गया का या किसा प्राता काहिल था, कियाने में कृषिका के किए;

अभ: अम, जनत सीभीनंबन की थादा 269-न के अनुसरन रं रक्त कीभीनंबन की भारा 269-ध की ज़ासार (1) के रुगीन निस्तिसित व्यक्तियों, अभृति :—-25 —386 GI/85

- (1) श्री वैध्यनाथन कृष्णमूर्ति,
- (अन्तरक)
- (2) श्री पी० के० कुष्णन,

(अन्यरिताी)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क जिस् कार्यनाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में हाई भी माक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अक्काशन की तारी स स 4.5 दिन की नविध वा अस्तर्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध , जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थम्पर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा म गेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें

स्वक्रीकरण.--इसमा प्रयुवन शब्दों और पदा का, जो उक्का अधिनिक्षम, के का ति ∠रा-की में परिभाषित हैं, वहा वर्ष होंग जो तम अध्याय से विकार गया हैं।

अनुसूची

भूमि सं० 35 जलार्क्षेत्र जालोनी, वेयन्ट नगर, मद्रास 90 दक्षिण मद्राम लेख स० 957, 958/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेप रेंज-2, मद्रास

भारीख: 5-11-1985

माहर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मन्नाम

मद्रास, दिमांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 218/मार्च 85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ैं

श्रीर जिसकी संख्या 178, नयी सं० 151, पैकाफ्टस रोड, है, जो रायपेट्टा मद्रास 14 में सि धन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 170/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (था) ए सी किसी बाय मा किसी भन मा अन्य आसिस को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में निया के निया के निया

(1) श्री बी० जे० आण्डालम्माल,

(अन्तरह)

(2) श्रीमती एम० एस० फानिमाभाच्चि (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमां में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयाकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दां और पतां का, जो अवह जिथिनियम के बच्चाम 20-क में परिजाबित हैं, बही जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा हैं।

अनुसुची

भूमि ग्रीर मकास 151, पैकापटस रोड़, रायपेठ्ठा, मद्रास-14 द्रिप्लिकेन लेख सं० 170/85।

> एम० सामुबेल ाजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज∼2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, में, उक्त औधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

नारीख: 5-11-1985

शक्तव शाह . ही. एवं. एस.

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्राम मद्रास, दिनाक 6 तबम्बर, 1985

निदेश स० 221/मार्च 85--अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अभिनिया , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको असक प्रत्यात कि को कि किसम कि गण है), की वास १६९-ल व वर्ग सक्ष्म आधिकारा को यह जिल्हास हरन का कारण है कि स्थानर संपतित, जिसका उचित आधार मुख्य 1,00,000/- रु. से नीधक है

श्रीर जिसकी सख्या अस्पोनी गाव, अविपाणी तालूक है, जा कोयम्बत्तर में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के रायिलय, पुर्जेनिलयम्पट्टी लेख स० 754/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिपियम, 1908 (1908 का 16) के अधीप मार्च 85

- का पृथिकत सम्मित्त के उचित्र बाजार मृत्य से कम के ज्याकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित का उचित्र बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत से अभिक है और अंदरक (अंदरकों) और कंद-रिती (बंदरितियों) के बीच ऐसे अंदरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंदरण जिल्लिख जिल्लिख में वास्तिविक संप से कर्मिश्व नहीं किया गया है:—
 - (क) जन्तरण ण हुन्दं कि वी शाय की वायस, अवस सिंधीनवय के वधीन कर दोने के शंतरक के ब्रिटिश के कवी करने वा उत्तर्त वचने में सुविधा के बिल्क बाँद/वा
 - (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्त आस्तिवों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध सन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

जतः अन्, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

- (1) श्री के० एम० मङ्ग्लम्बामी ग्रीर दूसरे, (अन्तरक)
- (2) श्री आर० चित्रस्वामी (अन्तरिती)

खाँ बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के नर्चन के सिए कार्यगाहियां करता हुं।

उच्च सम्मत्ति को भर्मन को सम्मन्ध को खोद्दी भी काश्रोप हन्न

- (क) इस स्वार्धन के राजपत्र में प्रकाशन को तारीय से 45 दिन की नवीभ या तत्यक्षियों भ्यक्तियों पर स्वना नहीं कालीय से 30 दिम की नवीभ, जो भी अवीभ वाद में बनाय क्षेत्री हो, के भीतर पूर्वीकर स्वीक्त वाद से देने किसी स्वित्त स्वारतः
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिस के भीचर जन्म स्थानर संपरित में हित-बच्च विक्रती अन्य न्यन्तित क्वारा जभोहत्ताक्षरी के शब विविद्या में किए था तक्षीं थे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रमुक्त सब्यों और पवी का, यो अवस्य अधिनियम के सम्बाद 20-क में परिमाधित है, वहीं नर्य होगा थी उस सभ्याय में विवा प्याही।

अनुमूची

कृषि **खे**ती अस्पोती गाव अवितासी, कोयम्बत्तूर पुत्रै-पुलियम्पठ्ठि लेख स० 754/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-11-85

मोहर 🏋

प्रकार वार्षं . दी . एन . एस . ------

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिभाक 6 भवम्बर, 1985

भिदेश सं० 222/मार्च 85--अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या टी० एस० स० 119/565 द० स० 38, ईम्बरन कोइल स्ट्रीट है, जो ईरोड़ में स्थित है (श्रॉर, इससे उपाबद्ध जनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड़ लेख मं० 1164/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (केतिरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक क्ष पर के कथित नहीं किया गया है ——

- (फ) जन्तरण स हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य मो कभी करने या उससे अधने में सुविधा
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा मा क्थिया जाना घाहिए था, छिपाने में सूर्विया औ सिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर नियमिसिस व्यक्तियों, अधीस :---- (1) श्री कुप्पुस्वामी श्रीर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पी० एम० पोन्नु स्वामी मुदलियार (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, यही अर्थ होगा अन् उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

भूमि श्रीर मजाम ईश्वरम कोइल स्ट्रीट, ईरोड़ (ईरोड़ लेख सं० 1164/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

नारीख: 6-11-1985

प्रारूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजार रेत्-2, मद्राप

मद्रार, दिनाम ६ नवस्यर, 1985

निदेग म० 223/मार्च 85---ग्रंत मुझे, श्रीमती एम० भाम्बेन

नामकार ग्रीभिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त ग्रीभीनियम' कहा गया है)., की भारा 269-च के ग्रीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति विसका उचित ग्राचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आ रिक्ष नहार आगागर ह्यू क्म गान आर एक सब 301/7 आति है जा आधि पाड़ी में स्थित है (और इस्ते उगबद्ध श्रनुसूची में अंग पूर्ण कर न वर्णित है), र्याक्ट्री प्रिचित्रण के प्यात्य, पाड़िक्तियों लेख सब 710/85 में नारतीय रिक्ट्री रण श्रिष्टियम 1908 (1908 में 16) के श्रधान मार्च 85

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रिष्ठिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसं श्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—-

- (कः) बन्तरण संहुदं किसी नान् की सान्त, उत्थर विभिन्तिम को वशीन कर दोने के नुख्यक की शावित्य में कनी करने वा उचने वचने में वृत्तिभा में सिए; नृद्धिना
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अतिस्तयों कां, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कवः, उत्ततः विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक मा, मा, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (१) के अभिग, निम्नसिचितः व्यक्तियों अधातः :--- (1) श्रा ग्रह्मिन् कदस्यामा तिरूकोइल, श्रो तिरूप्पोक्टर एम० गुरूस्वामी, ग्राफिसर,

(श्रन्तरः)

(2) श्री अण्णामलै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशाँकत सपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाष्ट्रिया चुँव करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन क सम्बन्ध में कोई शक्षेप ---

- (क) इस स्वाप के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि---औलगारेट कम्यून सरम् गाव ग्रार० एस० स० 301/7 ग्राधि ग्राधि, पॉडिच्चरी/लेख सं० 710/85 ।

र्श्वासनी एमा० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय र ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, मद्रास-6

सारी सा. 6-11-1985

प्ररूप आई टी एन एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेग-2, मद्रान

मद्रात दिनात उनवम्बर 1985

िदेश स० 324/मार्च 85~-न्नत सुझै श्रोसती एम० सामवे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सपिस विस्तका उचित बाजार मून्य

1,00,000/- रु. से अभिक हैं और निपकी सख्या मृत्तु मारिश्रम्मन कोइल स्ट्रीट हैं जा पाडिचोरी में स्थित हैं (और इनस उपाबत अनुसूचा में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिश्स्ट्रीय्ती अधियारी वें वायीयन पाडिचारों लेख सक 714/85 में मारताम रिक्ट्री-

मार्च 85

को पूर्वोक्त सपित के उमित बाजार मूल्य से कम के ष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूक्ते यह विद्यास करन का कारण ही कि यभाप्वोंक्त सपित का उमित बाजार मूल्य, उसके ष्ट्रयमान प्रतिफल से, एसे ष्ट्रयमान प्रतिफल का पक्क प्रतिचत से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरका) और अत-रिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल निम्निलिक उद्दोश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत

- (क) अंतरक से हुए किसी अपन की समझ, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के वंतरक के दायित्य मं कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/वा
- (का) एंबी किसी आप का किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्रोवधा को किस।

अत. अब, उन्हा जीधनियम की धादा 269-ए के अनुसरण वं, में, उन्हा अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियिक व्यक्तिसमों, अर्थात् :— (1) श्रीमती राधा बाय अस्मान अभ्वा पलिन सम्मान

(अन्तरक)

(2) श्री डी० आर० राजशेकर

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वगिहिया करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सृचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के जभ्माय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-मृत्तुमारिअम्मन कोइल स्ट्रीष्ट, (मिषर) पाण्डिचेरी लेख म० 714/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीखा. 5-11-1985

प्रकप आर्थः थी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत तरकार

कार्शालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंग-2, मद्राम

मद्रास, दिनाक 6 नवम्बर 1985

भिदेश सं० 228/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे परचात 'उबत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक औ राज्यत्व को कमी करने या उससे अचने में मृतिधा के निष्; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः श्रवः, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के अनुमरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्मिक्छियों. अर्थातः ...

(1) श्रीमती चेल्लम्माल श्रीर दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीरप्पदेवर

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्तर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाशाय :---

- (क) इस अध्या के राजपण में प्रकादिन की तारींक सी 45 विन की जबिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अव्धि शांच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस अभाग के राजपण में प्रकालन की तारीत से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर अम्परित में हितनक्ष्य किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पान निश्चित में किए का सकरेंगे:

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्दों और वक्ते का, वो उन्नक विभीनयम दे तथ्यात्र 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

नमृतुची

भूमि चिन्नपत्रम्भालयम गाव, पेरून्दुरै-पेरून्दुरै लेख सं० 314/85

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेज-II, मद्रास-6

तारीख 6—11—1985

प्रकृष बार्ष: टी. एस., एस. -----

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-थ (1) वे अभीन स्थान

शास्त कडकार

कार्थालय, सहायव बायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मवम्बर, 1985

निदेण मं 0 229/मार्च 85--अत: मुझे, श्रीमती एम0 माम्वेल,

बायक र अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रश्चार 'उक्त अधिनिया,' कहा गया हैं), की भारा 269-के हे अधीन संाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्राह्म , जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-का से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं0 लेख सं० 166/85 की वेडल में दी हुई सम्पत्ति है, जो — में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेन्निमलें लेख सं0 166/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्विभित सम्पत्ति के उपित बाजार बूर्य से कम के असमान प्रतिफाल को लिए मंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विक्यांस करने का कारण है कि समापूर्विक्त सम्वित्ति को उपित बाजार बूल्य, उसके करसमान प्रतिफल से, एसे हरा गान प्रतिफल का बक्छ प्रतिकृत से मिक्क हैं और मंत के (बंध, इक्टें) बीद अंतरिक्त (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरम से सिक् क्य पाया बना प्रतिकल, निम्नलिखित के देख से उपल बम्बरण किखित में बास्टिविक रूप से साथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स रूक्मीण टेक्सटाईल्स, पार्टनर्स एस० पी० गुरूस्वामी मुदलियार,

(अन्तरक)

(2)श्री एस0 एस0 के0 नटराज और उनके पुत्र (जन्निस्ती)

को यह सूचना जा ो करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां कररहा हु: ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साब में राप्त शोती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मं से किसी यिंग दवाराः
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

सम्बन्धित्य :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ए याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ह ना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्की

भूमि श्रीर महान-विश्निमलै वार्ड सं० 10, पूजारी वेलाल तम्बरान साधी (कबयण) मण्डप विश्निमलै। वेश्निमलै लेख मं० 166/85।

> श्रीमती एम 0 सामुबेल व सक्षम प्राधिकारी सह यक आयकर आपुका (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास-6

नारोख: 6—11—1985

प्रसम्म मार्च , द∳. एव . एच .,----->>>

बायकर मिशिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के वधीन स्वता

मारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

मिर्देश मं० 235/मार्च 1985---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० रीसर्वे सं० 8, ईरोड पुनेलक्कापुरम् गाँव है, जो हरोड मे विस्थत है (श्रीर इसमे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीइर्ता अधिकारी के कार्यालय रोड -लेख म० 936 में 94 न उसे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिमयम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

का परित साले जित तायार मृन्य से कम के दृश्यकाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) बन्दरण ते हुन्दं किन्द्रीं बाब को बाबता, उपका अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए: औरः/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या करूप बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बीधनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के स्याप्तियम एकारिक क्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना बाहिए था, क्वियाने में सुविधा के सिए:

वराः अव, जनत विभिनियम की भारा 269-व ने अमृतरण हैं, में, उपने विभिनियम की धारा 260-य की सम्भारा /1) के अभीन निम्निविखित व्यक्तियों, अभीत् :—— 26---386 GI/85

- ्वः एक ्राच्याक्रम्भाः (1) श्रो ई० मी० ए० मलियानि श्रीर अन्यौ (अन्यरक्)
 - (2) श्री जे सुधानदन

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त संपत्ति के वर्षन के मंबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क). इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी विधी बाद में समान्त होती हो, से भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए का सर्वान।

स्वच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त आयकर विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गवा है।

जन्स्चीं

मूमि-पुर्जेलखापुरम् गाँव ईरोड लेख मं० 936 से 941 तक

> श्रीमारी एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज 2, (मद्रास)

तारीख 6-11-1985 मोहर मंख्या आर्चा टां. एन . एस 👾 👵 👓 🗝

नाथ्कः श्रीभीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भाष, भारा 269-स (1) के अभीन सुपना

भारत सरकाड

कार्याभ्य, सहायक वायकार वायुवत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 4 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० 25 मार्च 1985—यत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी साथ प्लाट साथ 11, डो सा 282 ए प्रीर 282 वी कुमाटा गोन्डर स्टीट, में स्थित हैं (ग्रीर इसमें

282 बी कुमाटा गोन्डर स्ट्रीट, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय में छाडगपप्टी (दस सं० 1076/85 में भारतीय रिजट्री रूरण अधिनियम 1908 (1908 दा 16 के अधीन 16 मार्च 1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की नहां है और मुक्ते यह विस्तास करने करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुख्य, सहस्ये अवस्थान प्रतिपक्ष से, एसे स्वयमान प्रतिफास का उच्छ प्रतिस्ति से बाजिक है और बंतरफ (अंतरका) और अंत-रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए स्वय नाया गया मिलक के जिम्मिनियत उन्नवेश्य से उक्त अन्तरण जिनियत में बास्तीयक रूप से किंगत नहीं किया गया है ':---

- हैंक) बंदरण में हुई किसी बाद की बावहु, बक्त शरितवृत में बंधीय कर दोने के बंदरुक के दायित्य में अभी करने या उच्छे वयने में सुविधा में सिन्द; और्ट/वा
- (थ) एंसी किसी बाध वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा मा या किया माना चाहिए था, छिपाने में दिन्धा थे किय;

चतः अप, उपत नीयीनयम की पारा 269-ग से नव्यरण ने, में, उपत अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिचित न्यन्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री एउ० समाने ग्रीर जन्म (अन्तरक)
- (2) श्री एस० हन्दरवामी बेटीयार ग्रीप 1 अन्धी

(अन्तिरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्स समात्ति के बर्चन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उनक सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप ८---

- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनीभ या तत्सीबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उपस स्थावर सम्पत्ति में हित्बप्थ किसी नम्प व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताकारी के पास विचित्त में किने था सम्बंचि।

स्प्रकीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त जीवनियम के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित हैं, तही जर्थ होगा की उस अध्याय में विका मुना है हैं

वग्युची

भूमि और निर्माण प्लाप्ट सं० 11 डोर सं० 282 ए और 282 बी, कुमारा गोन्डर स्ट्रीट, अन्नदानपट्टी, सेलम एस० आर० औ० टाडगपप्टी दर स० 1073/85 और 1076/ 85 %

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त(निरीक्षण अर्जन रेज 1, मद्रास

नारीखः 4 नवम्बर 1985

प्रकल कार्य , को , एवं , एक , ५ % ॰ ॰ ॰ ०००

भावनार वर्षभाविषय , १५६१ (१५६) को 43) की

भारत कहनाज

वर्षा 269-य (1) ये वर्षीय स्वया

कार्यातव, तहाबक शावकर बायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश म० 30 मार्च 1985—यत. मुझे श्री मती एम० सामुबेल

वातकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे कार्ये इसके परवात् 'उपर वीधिवयम' कहा गया ही, की पादा 269-ता वे वधीन सक्षत्र श्रीवकारी को यह विस्वास करने का न्यारण ही कि स्थायथ सम्पत्ति जिसका उधिक कार्यार कृष्य 1,09,000/-रा. से वीधक ही

ग्रीर जिसबी स2 डोर सं० अटुन्यितियर स्ट्रीट, गुर्गे सेलम है, जो में स्थित है (ग्रीर डसरेंग उपाबद्ध से ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) रिअस्ट्री हर्ता अविज्ञारी के बार्यालय टाइनपप्टी (दस स० 700/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1985 को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाबार स्टूब्स से कम के बस्वमान पविकत के निव अन्ति स्थ औ वर्ष हैं और मुन्ने यह विकास करने का कारम है कि अधन्त्रभीकत सम्मत्ति का रिवह बाबार मुख्य, सबके क्लामान प्रविक्ष में एवं अध्यम्भ अतिकल का पंच्य प्रविचय स्थित है और अन्तरिती (अन्तरिती को सीच एवं क्लारण के मिए तय पाया स्था अविकत, निम्नितिश्वा अक्ष्यरण के मिए तय पाया स्था अविकत, निम्नितिश्वा अक्ष्यरण के सिए तय पाया स्था अविकत, निम्नितिश्वा अक्ष्य से उन्तर मन्तरण विविकत में वास्तिबक रूप से अविका गया है है—

- (क) जन/दम हे हुन्दे दिक्त है। जान की बात था, संबंध वर्तितिकात के जभीत कर दोने के अस्तरका के ब्रोधरव के ककी भारते न उद्यक्ते क्याने में कृतिया के लिए भारतिका
- (व) इंबी किसी शास या किसी धन वा नार वारिसवी को चिन्हों भारत है जायकार जी गी है कर 1, 1922 (19:12 का 11) या सच्छ । पि जिस्सा, वा चच्छा है विचित्रका (अ. 1957 भी 957 को 27) से प्रकार जाय जिस्सी क्या प्रभाव नहीं किया नवा वा वा किया जाना अधिक था. है क्या से स्वीवास को किस्

अतः अवः जन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निकालिकित व्यक्तियों, अथित् :---

श्री डी० पी० एस० पोम्मन्नम

(अन्तरक)

श्री एस० वी० अमींदलिगम

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्विक्ट संपरिता को जर्जन को लिए कार्वनाहियां करता। हुं।

उनतः सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्द्र कर्

भुमि श्रीर निर्माण डोर सं० अटुन्तितवर स्ट्रीष्ट, गुर्गे मेलम. एस० आर^ श्री० टाडगपप्टी दस मं० 700/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयम्ब आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

नारीख . 4~11**~8**5 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थ्यक्ष्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं0 42/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम0 रामवेलः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या डोर मं0 429, नावनर नेड वेयियन कालें, मेलम-1 है तथा जो----में स्थित है (श्रीर इसमें उपाध्व अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यानय, जे0 एस0 आर0 3, मेलम (दस मं0 265/85) में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पेक्स शितफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पेक्स शितफात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किती अध्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीर अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27; प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के 0 सम्बुर्नम्माल

(अन्सरक)

(2) श्री के0 कन्दस्वामी श्री एस0 वेलुस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दृ∏रा उथोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा अकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-डोर म0 429, नावलट नेडुचेयीयन सालै, सेलम-2 जें0 एस0 आर0 3, सेलम दस0 सं0 265/85

श्रीमती एम० से**म्बेल** स्थाम प्राधिकारी यह।यक जायकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

नारीख: 4-11-1985

माहर 🖫

प्रक्ष भार्ष . ही . एन . एस . -----

बायकर बाँधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अक्तूबर 1985

तिर्देश म० 94/मार्च/1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' क्हा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० डोर स० 100, कोरल मर्चेन्ट स्ट्रीट है तथा जो मद्रास—1 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), पितस्ट्री हर्ना अधिकारी में कार्यालय, उत्तर मद्रास द० म० 709/85 में भारतीय पितस्ट्रीकरण अधिकारी के नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिलाह मार्च 1985। को पूर्वों कत सम्पत्ति को उच्चित बाजार मूल्य से कम के शरमार शितफांस को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके शरमान प्रतिफल से पद्ध शितकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियो) को बीच एसे अतरण के लिए स्व पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरक से हुंद जिल्ली जाम की जावता, जनसे अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए,

करः भव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के मधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कट्ट परागुसम चेट्टी धौर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रीमती महेश्वरी भीर अन्यों ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चाडुनै कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जन की सिक्क कार्यवाहियां करता हुं।

समत संपत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क' नस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ्र दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तिया पर स्थना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हामेती हो, के भीतर प्रवेकिक स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किय का सकींग।

स्पक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

नग्सुची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 100, कोरल मर्चेन्डस स्ट्रीट, मब्रास-1 (६० सं० 709/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल राक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विगांक : 1-11-1985

<u>nuntum menengunyu yang mengingkan dia kanangan menenggan penginan bangan dia penginan dia penginan dia penginan</u>

बरूप शाइ. टी. एन. एस.-----

भावकार मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के मधीन सूचना

मारक बुरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास मद्रास, दिनां ६ 29 अक्तूबर 1985

भिदण म० 95/मार्च/1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मत्य 1,00,000/-छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव डोर संव 219, है तथा जो ब्राइवे, जार्ज टाऊन, मद्रास में स्थित है (ग्रांग इसने उपन्वद्ध अनुमूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणाद है), राजिस्द्री को जार्जा को कार्यालय, मद्रास उत्तर (दन्नव संव 33/85) में जा जोज राजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 हा 16) के अवीध, दिनों र मार्च 1985

को पूर्वनित सम्पत्ति के उपित बाजार मन्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित प्रभाग का उपित अर्तार स्म, एमें स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय तमा गया प्रतिफल निम्नितिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिन में में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूजिधा के सिए; और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी वन या कन्य कारिनवाँ को, विनहुँ भारतीय बायकर बाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर बाँधनियम, या धनकर बाँधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिधा कै लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निम्नुलिखित व्यक्तियों,, अर्थात ६(1) 1. शा ए० एम० शिवज्वामी चे**ट्टीया**ण 2. ती एम० गंभनी बट्टीयार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एउएमञ्चल माहम्मद मरीयम बीबी (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना कारो करक पूर्वाञ्चत सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतिस् के वर्षम् के स्थ्यन्थ में कोई शी बाक्षेत्रः---

- (क) इस सूचना के जिपन में प्रकाशन की तारीं के बंध किया के विश्व के प्रकाशन की तारीं पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तित्यों में भे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस माना को नाजपण मी प्रकाशन की सारीस सै 45 किए की भंगर उन्हों स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित के किए के सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमा भयत्ता शब्दा आरि पर्यो का, भी उपर्व अधिनियम की अध्याय 20-क में यथा परि-निराद हाँ, वहीं नर्ध होता को उस अध्याय में दिया थया हो।

अन्स्ची

भूमि श्रोर (समिणि, डोर स० 219, ब्राडवे, जार्ज टाऊन मदास, एस० आर० ग्रो० मदास उत्तर (दस सं० 733/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

विनास: २४ ३०−1**9**85

एक. बाइ. टी था. यू.

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जीन सुध

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 19 35

निर्देश सं० 99/मार्च/1985—अतः मुज, जीमती एम० **साम्**वेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी डोर सं० 5, दम्बु चेट्टी स्ट्रीट, जार्न टाऊन है नथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इनसे उपाबढ अनुसूची मे ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरक्ती अधि नरी हे नर्यालय, मद्रास उत्तर (दस स० 812/85) मे भारनीय रजिस्ट्री परण अधिनियम 1908 (1908 न 16) के अधीन, दिनार मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वाकल स्थिति का लिखत बाजार मूल्य उसके दश्यमान स्तिफन ता, ह दश्यमान स्विफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरको) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एस जन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निक्निविच उद्वयंक्य से उपत जन्तरण जिल्लिक कम के कांचल वहाँ किया वया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत उक्त विधिनियब के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में मृशिधा के निमा और/बा
- (ब) एसी किसी आय या विषय पर ता उत्तय आस्तियां का. जिन्हों भारतीय आर जर विर्णागयम, १०२२ (1922 का 15) या उत्तर गणितपत्र, या धन-कर विधानियम, १०५, १०५, १०५/ जा 27) के प्रयोजनार्थ वन्तिया द्वारा प्राप्त नहीं विशा गया था या किया जाना चारित था किया जो । उ

बत: जब, उक्त जीवनियम की धारा 269-त के बन्सरक बें, में, उक्त लीधनियम की धारा 160-व की अपधारा /) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) श्री टी० महावीरचन्द बोदरा।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री गिमुलाल
 - 2 श्री जी० पुखराज
 - 3. श्री जी० मुकनराज
 - 4 श्रीमती उम्टाऊ बाई
 - 5 श्रीमती ललीता बाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मृचन, की तामीत से 0 दिन की जनिंध, जो भी वनिंध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भे, पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इरम्पे प्रयुक्त शब्दों कांद्र वदों का, वां उक्ष अभाग्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया नवा है।

श्रन् सूची

भूमि थौर निर्माण—डोर सं० 5, दम्बु चेट्टी स्ट्रीष्ट जार्ज टाऊन, मद्रास, एस० आर० भ्रो० मद्रास उत्तर (दस स० 812/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

दिशाक 29-10-1985 मोहर

प्रकृत नाइ . सी , धून . युन् , --------

मायकेषु मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्थान

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक । नवस्थर 1985

मिर्देश मं० 103/मार्च/1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बाबकर दिपिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी डोर सं० 23, आर्मीनियम स्ट्रीष्ट, जार्जदाऊन है तथा जो मद्रास—1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्वद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्तर मद्रास दस० सं० 929/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक मार्च 1985।

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाक्स, उक्क जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

श्रम अक, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरणी मों, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती सी० बत्सला एमा और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री फरीदा पट्टत्तु सैयद मोहम्मद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के. णहा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बागिर पर्योका, को अथवा अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

المرائح بالم

भूमि ग्रौर मिर्माण डोर सं॰ 23, आर्मीमियम स्ट्रीह, जार्ज टाऊन, मद्रास-1 (द॰ सं॰ 929/85)।

> श्रीमती एम॰ सामुक्त सक्षम प्राधिकारी महयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

दिमांक: 1-11-1985

प्रकथ अरह टी एन एस-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनाँक 1 नवम्बर 1985

निर्द्रोश सं० 104/मार्च/1985—स्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट डोर सं० 23, चेंगलवटाया नाईड स्ट्रीट, है तथा जो शेनाई नगर, मद्रास-30 से स्थित है (ग्रौर इसमे 31 विद्य श्रन सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रण्णा नगर (दस सं० 735/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनौं ह मार्च 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यह प्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल

- के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के भीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया अया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति को बास्तिक रूप से कीचत नहीं किया गया है :—-
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (त) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या अस्तार में पर्यो के प्रयोजनार्थ अस्तार प्रति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

यत तथ, टक्टा अभिनियम ∞ी भारा 269-स के अनुसरण में, में, उपरा भिथिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) चे लोग विकासिकत व्यक्तियों, वर्धात ;----27---386 GI/85 (1) थीं टी० वी० गोविन्दरवामी श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० भागीरती ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील बें 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नो में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्य कक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा मक्तेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स श्रीधिनियम के अध्याध 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याब में दिवा गका है।

अन्सूची

श्रगला फ्लोर प्लाट—-डोर स० 23, चेंगलवराया नाईड स्ट्रीट, शेनाई नगर, मद्रास-30, एस० श्रार श्रो० श्रण्णा नगर, (दस० स० 735/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज–1, मद्रास

दिनौंक 1-11-1985 मोहरः अस्य बार्डे, टी, इस. एस. ------

(1) श्री टी० पी० गोविन्दस्वामी ग्रीर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस प्रेमा

(ग्रन्तरिती)

नामकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व ([1] के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांस्थ, सहायक भायकर भावनत (निरीक्षण)

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 1 नवम्बर 1985

निर्देश स० 105/मार्च/1985--श्रन मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परनात 'उक्त वीधनिवय' ऋहा गया हैं), की धारा 269-वा को नधीन सक्तम प्राधिकारों को वह विश्ववत करने का कारण वै कि स्थावर सम्भवित, विश्वका उचित वाकार मुख्य 1,00.000/- छ. से बधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट डोर स० 23, चेगलवराया नायड स्ट्रीट, है तथा जो शेनाई नगर, मब्रास-30 से स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्मूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस स० 736/85) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मार्च 1985।

को पूर्वीकत संपद्ध के उचित बाजार मूक्य से कम के इस्प्रधान प्रतिफल के बिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त संपत्ति को उ**धि**त बा**जार** मुस्य, उसके व्यथमान प्रतिपाल से एसे व्यथमान प्रतिपास का क्लाइ प्रतिकार से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरिक्षियों) के बीच एसे बन्तरम के सिए सब पावा नवा प्रतिपाम निम्नीमिक्त उद्वोध्य से उक्त जंतरण निवित्त में मास्त-विकंक्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (%) मन्तरूप से हुई किसी भाग की नामत, बर्धिनियम के संभीप कर दोने के बन्तदक के बतैयरण में कमी फ़रने वा उससे वचने में तृतिभा के लिए: और/वा
- (w) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर लिधनिबस, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया जाना चाड्रिए था, छिपाने में स्मिथा के किए;

कतः वय, उत्त विभिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण में, मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) " अधीर निम्नसि**वित व्यक्तियों, बर्लात '—**~

का बहु सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तन्त्रील के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**य वे** 45 दिन की बंदिभ या सत्सभ्यन्थी व्यक्तियों दर बूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, वो भी जनाभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-नक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः --- इसमे प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त बीध-निवस के जध्याव 20-क में परिभाष्टित है, नहीं वर्ष होता, जो उस कथ्याय में दिवा भवा

श्रनुसूची

ग्राऊंड फ्लोर फ्लैंट---डोर स० 23, चेगलवटाया नायड स्ट्रीट, शेनाई नगर, मद्रास-30, एस० श्रार० श्रो० श्रण्णा नगर, (दस० सं० 736/85)।

> श्रीमती एम० साम्वेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्राम

दिनांक 1-11-1985 मोहर

प्रसप बाह्र ें टी, एन , एत , क्या , क

भावकर विभिन्तियस, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269-च (1) वो वभीन बुखना

भारत सरकाड

कार्यालम, सङ्ग्रमक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 1 नवस्बर 1985

निद्रशंस ० 107/मार्च/1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

शायकार अभिनाम, 1961 (1961 क्य 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन तक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० पलैंट सं ० एल-35, फस्ट फ्लोर, श्रगला महन है तथा जो रोड, श्रण्णा नगर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री एत्ती श्रिथकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस० सं ० 749/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे क्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विदेयों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा अन कर विधिनयम, 195/ (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं,, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० श्रस्ताम मीरा मोईतीन

(श्रन्तरक)

(2) श्रीवी० नस्लेन्द्रन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी ता सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।।

चनत् सम्पृतितः के वर्षत् के सम्पृत्यः में कांद्रः श्री वाक्षेत्र ---

- (क) इस स्वार के रावपत में प्रकारत की तारीक ने 45 दिन की जविच या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वार की वाजीत से 30 दिन की जविष, को भी जविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारीक सं दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितवस्थ किदी अन्य व्यक्तित द्वारा अभाहस्ताकरी के शास लिखित में किये जा सकोंगे

स्पष्टिकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिशा गया है।

अनुभूची

फ्लाट सं० एल-35, फर्स्ट फ्लोर, फर्स्ट मेन रोड़, भ्रण्णा नगर, मद्रास-600102, एस० श्रार० श्रो० श्रण्णा नगर (दस० सं० 749/85)।

> श्रोमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनाँक: 1-11-1985

मोहर .

वस्त्र बार्ड, दी. यह, मूह.----

/ a frank Markelyn o degreenement wrong a franklikelinger en for a franklikelinger.

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नवीन क्वा

शारक शहरताह

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 6 नवम्बर 1985

निद्रेश सं० 110/मार्च/1985—- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम०। ।मुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं थे 4067 है तथा जो मुल्लम गाँव, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस सं 787/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक मार्च 1985

को भूगोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एमे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इक्ट से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृतियत नहीं। का गया है :---

- (क) जनसरण न हुई श्वादी बाय की बायत, उपत प्रतियम के संधीत कर दोने के सन्तरण के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिस्, बॉर/बा
- (क) एसी किसी नाव या किसी वृत का अन्य वास्तिवीं का. जिल्ही भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 कि 22 कि 11) या उल्ला अधिनियम, 1922 कि विभाग विभाग उल्ला अधिनियम, 1957 का 27) के प्रशासनार अधिनियम, (357 (1957 का 27) के प्रशासनार अधिनियम, का धार विभाग का धार विभाग का धार विभाग का धार विभाग के सिका

लक्ष: कम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरल की. मी, शक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रार० दक्ष्णामूर्ति

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० बेबी

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आरो कारके पृथानित सभात्त में वर्षन के विष् कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के बर्बन के संबंध में कोड़ों भी बाक्षेष !----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान, की तामील या 17 जिला की अविधि, या भी अविधि साम में समाप्त होती हो, की भी पर पूर्वावत न्यां नत्यों में से फिसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्बद्धिया में हितबबुध किसी अन्य व्याभत द्वारा अवाहल्ताहारी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्वक्रिकरणः - इसमें प्रयुक्त शत्काः शरि पद्याः का, आ उन्धः निधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहुते वर्ष कृतिन, का उन्त करणान के दिशा गया

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट स० 4067, मुल्लम गांव, मद्रास एस० ऋार० श्रो० ऋण्णा नगर (दस० सं० 787/85)।

> न्नीमती एम० सामुवेल पक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनाँक: 6-11-1985

मोहरः

प्रकथ नाह^र.टी.एन्.एस_{.,-----}

(1) श्री टी० के० श्रामगम मुदलियार

(श्रन्तरक)

(2) श्री पी० गुरूनादन

(भ्रन्तरिती)

अध्यकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) से सभीन सुमना

बारत हरकार

श्चर्यात्तव, सङ्घयक आयकर आमृक्त (निरक्षिण) श्चर्णन रेज⊸I, मद्राम

मद्राम, दिनाक, 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० 111/मार्च/1985—-श्रत मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाक्रम मन्य 1,00,00/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट स० 140, उवी स्ट्रीट, बी-सेक्टर, श्रण्णा नगर है तथा जो बेस्टर्न एक्सटेशन, मद्रास-600101 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस० सं० 214/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक मार्च 1985

का पृथाय , न्यामन य उपचत बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल क न्याम विकास को गई है जीन मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि उथापुर्याकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है अप अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (यंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अतरण लिखित में बास्तिवक म्यास के किए तय विकास में बास्तिवक म्यास के किए तथा कि सित

- (क) अन्तरण से स्टूर्ड किसी नाय की वावत, उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे नमने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छित्राने में सुविधा से जिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अबिधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधित क्रमा को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां धुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के शुज्यक में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में अकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में कितबस्थ किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकीगे।

स्पष्टोकरण — इसमा प्रयावत शब्दो और पदो का, जा उकत बाधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका श्या है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण, प्लाट स० 140, 4वी स्ट्रीट, "बी" सेक्टर, श्रण्णा नगर बेस्टर्न एक्सटेशन, मद्रास $-600\ 101$, एस० श्रार० श्रो० श्रण्णा नगर, (दम सं०214/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षमप्त्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 29-10-1985

मक्य बार्षं. टी. एस. एस. -----

जामक इ निपितियम, 1961 (1961 का 43) की पाहा 269-न (1) के निपीत स्पता

प्राह्म रहमाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायक (निराक्षक)

श्रजन रेज-1,मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश प्सं० 112/मार्चे/1985—-ग्र α . मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26%-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2642 है तथा जो नडुवकर गांव, ग्रणणा नगर, मद्रास-40 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प संविणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस स० 821/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यामान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके द्यामान प्रतिफल से, ऐसे द्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क)) बन्तरभा से सुद्ध निक्रती भाग की बायका उनक अधिनियम के सभीन कार दोने के अस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे सभने में सुनिधा के लिए; भीड़/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उभक्त जिभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसाँ, अर्थात् ः——

(1) श्री टी० ग्रार० मणीयन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पद्यमिनी वरदराजन

(भ्रन्तरिती)

को बहु क्ष्यना कर्डी कर्ड पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्बन्धि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्धेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपून भ अकाधन की लारीख स 45 दिन की अवश्यिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान कि दानील से 30 दिन की सर्वीध, यो भी जबिध बाद में समुद्धा इत्ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वान के द्रावपण में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीकार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किया जन्म व्यक्ति स्वारा मधोहस्ताक्षरी के याद्य निर्मित में किया अर सकीय ।

स्थब्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पारभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट सं० 2642, नडुवकरें गांव, ग्रण्णा नगर, मद्रास-40 (दस सं० 821/85) ।

श्रीमती एम*० सा*मुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 1-11-1985

धरूव बार्य जी र

शासकर अभिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अभीत सामा

भारत सरकार

अत्यस्य . स**क्षायक आयक्तर आयुक्त (निर्देकक)**

श्चर्जन रेज-1, मद्रास मद्रास, दिनाक 1 नवस्बर 1985

निदेश स० 113/मार्च/1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कारकार मीधिनायन, 1861 (1861 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशासन 'उनक अधिनियन' कहा गरत हैं), की कारा 269-ज के अधीन उक्षण प्रशिवकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थान्यर संकरित, जिसका उक्ति सम्जान गत्य 1,00,000/-रु. के जिसक हैं

श्रौर जिसकी स० डोर सं० ए० एच०-89, प्लाट सं० 2424, अण्णा नगर है तथा जो भद्रास-40 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस सं०827/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक मार्च 1985

को पूर्वेक्त तम्बिस्त के उपित बाकार गृल्य से कम के दश्यमान श्रीसंगल के सिए अन्तरिक्त की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उपित बाजार मृत्य, उनको कायमान अधिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंकरकों) और अंतरिती (अंतरिक्तियाँ) के किंक देशे अंकरण वे किंस् देश पांसा गया प्रतिफल निम्मितिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रेन्टिक से क्ष्युंड किस्ते। पत्र को वादर , . करा प्रिक्षित्रका के कभीत कर बने के जुन्तहरूक को बाबित्व में काशी काण्ये का रुमने कनते में सुविधा को किस्। कार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को (जन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट निर्मी किया गया था या किसा बाता बाहिये था, क्रियमी में मृविधा औं लिए

कत जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निक्-ेमिसित व्यक्तियों, अर्थात् । (1) श्री डी० राजन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रगस्वामी

(भ्रन्तरिती)

का यह सुषना वारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के सिए जार्यवाहिया शुरू करता हो।

सम्बद्ध संवित्य के अर्थन के संबंध के काहे भी अस्पर 🚥

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस मा 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी शाकित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकर का अगो से सामित होती हो, की भीतर पूर्वीकर
- (वं) इस सम्बन्ध के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 किन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिराजक्ष् किसी अन्य व्यक्तित द्वाच, अधोहस्ताक्षरी ब

स्वध्यक्रियण —-इसमा प्रस्कृत क्रव्या और पदा का, भा जबल अधि-नियम के अध्याय 20-% मा परिभाषित हैं, वहुरी अर्थ होगा, ओ उस अच्यत माँ हिंदग गता हैं।

अन्यसी

भूमि ऋौर निर्माण, प्लाट सं० 2424, ए० एच०-89 श्रण्णा नगर, मद्रास-40, एस० ग्रार० ग्रो० श्रण्णा नगर(दस स० 827/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेस सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-1, मद्रास

दिनाक: 1-11-1985

प्ररूप आद्दं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्राम

मद्राम, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 114/मार्च/1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० भामुबल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० व्लाट सं० 1976 है तथा जो मुल्लम गांव, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रन्ना नगर (दस सं० 849/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के न्लए;

अतः ३वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री डी० बेनुगोपाल श्रीर श्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० जी० पलनिवेल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सची

भूमि श्रौर निर्माण प्लाट सं० 1976, मुल्लम गांव, मद्रास (दस सं० 849/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्राम

दिनांक: 29-10-1985

प्रास्य आ**ह**ें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रज्न रें १-1, मद्रान

मद्राय, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निदेश मं० । 16/मार्च/ 85---पन. मझे श्रीमनी एम० सासबेल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपकार के पितिसमा कहा गया है) की भारा 269-च के पानीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 1 00,000/- रा में अधिक है

और निपकी स० डोर स० एफ 81, और फ्लाट सं० 169, अफ्णा नगर है, तथा नो मद्राल-40 में स्थित है (और इपसे उपाबढ़ अनसूची में पूर्ण च्या ने विणित है) एकिस्ट्रीकर्ता प्रधिशासी के नार्यात्म परणा प्रान् (दा सं० 1024/85) में भारतीय रिजस्ट्री करणा अधिनियम, 1908 (1908 पा 16) के अधीन मार्च 1985

को पर्वोक्त सम्पन्ति हो लोभत नाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिपक्ष, के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्के यह विश्वास करने का छारण हो कि राणापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित आजार अस्य, असके कर्यमान प्रतिपक्ष से, एसे द्वायमान प्रतिपक्ष सम पन्त्रह प्रोत्तासत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अलिपनी (अंतरिशियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्या, "अम्मलिखित उद्योक्य से उच्च अन्तर्य विश्वत में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से बुद्धं किसी बाद की वासत, नक्त वीधनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के शांदित्व में कभी करने या उत्तमें बचने में मृतिधा के सिए; कीन्/या
- (स) प्रांची किसी शय या किसी भन का अपन आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (११)२२ का 1) या जक्ष अधिनियम या काका अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ओजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट जहते किया गा किसा या किसा पाना वाहिए 1 कियाने में का वा किसा पाना वाहिए 1 कियाने में का वा के लिए?

बट अव, उक्ट अभिनियम की धारा 269-च की अन्सरण मों, मीं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28—386GI/8

्रा । प्राप्त । प्राप । प्राप्त । प्राप्त । प्राप्त । प्राप्त । प्राप्त । प्राप्त । प

(*(*T*\;)

(2) श्रीमती एन० प्रेमिला भूशन

(श्रन्तरिती)

को यह सृथना जारी करके पृत्रींक्य सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

इस्त भरणीत के मर्जन के यस्त-५ भें कांद्र भी नाक्षण अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विकृष्णी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में ले जिसी व्यक्ति वनारा
- (क) इस सूबना के राजपण में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी को बाब निस्ता को किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण :—इसमें प्रयूक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स् ची

भूमि और शिर्माग---डोर नं० एफ 81 और प्नाट मं० 169, श्रण्णा नगर, मद्रास-40 एन० श्रार्० ओ० श्रण्णा नगर दस मं० 1024/85

> र्धनाति एस० सामुवेल ाक्षमः अधिकारी सहायतः श्रायक्षरः श्रायक्षरः (निरीक्षण) श्रातन रोज-1 मद्राप

ारीच 29-10-85 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-I, मद्रास

मद्राय, दिना क 29 श्रक्तुबर, 1985

निदेश मं० 117/मार्च/85---श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

अग्रमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल परवात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपको सं० 44 मासत्ता कास स्ट्रीट, णनायनगर, मद्राय30 है, नथा जो पश्चिम भाग में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची और पूर्ण रूप से बणिन है),रिक्ट्री ति प्रधि गि के गास्तिय यक्ता नगर द० ५० 1043/85 में भारतीय रिकट्रीकरण शिधनियम, श्रक्ता नगर इ० सं० 1043/85 में भारतीय रिकट्रीकरण शिधनियम, श्रक्ता नगर इ० सं० 1043/85 में भारतीय रिकट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीत मार्च, 1985 को पूर्वीक्त सम्बीत के उपित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की शर्द है बीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्बीत का उपित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्य गन प्रतिफल का पंद्रह प्रतियात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निसिनत इद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविता में यास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/दा
- (थ) एसी किसी या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, वा ध्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः उन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण भै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 289-भ की इप गरा (1) के अभीतः, निम्मिनिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमनी ४० सर्गाः नि देवी

(ग्रन्तर ह)

(2) श्री जे० रागवस्

(भ्रत्निंगी)

को बह स्थना अरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाथ में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधे हस्ताक्षरी के शक सिक्ति में किए जा सकें ने।

स्मण्डीकरणः —— इसमें प्रयुक्त एक्दों औं पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा मो उत्त अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोग सं० 44. साखा काम स्ट्रीष्ट, णेनाय नगर'मद्राए-30 (पश्चिम धाग) (इ० सं० 1043/-85)।

> श्रीति रिएन० सामुवेत ाक्षम प्राधिकारी सहाय ३ त्रायाचर श्रीयुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेंज-1, सद्वास

नारोख . 29-10-85

प्रकार बार् टी एन एस -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुभवा

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आध्यकर प्राप्यक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेज-I, मद्रान

मद्रास, दिना ६ 29 अक्तूबर, 1985

िदेग संव 119/मार्च | 85---अत. मुझे श्रीमता एम० बासुवेज आमकार अधि नवर 1561 (1961 रा 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्वित बाबार वृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० प्लाटस० 1. एक एम० के० स्ट्राट अप्तावत्म महा १-23 है, का महार 23 के स्थार है (आर. वेरा उत्तक्क अनुसूची में आर पूर्ण रूप पंचित्र), किस्ट्रा लिखितारा के विश्वतिय अस्त कार ४० स० 1107/85 में भावतीय रिजस्ट्रा रण प्रश्चि नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रकार कार्य, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मृझ गह विद्यास करने का कारण है कि अध्यापनिक सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त स, ऐसे स्वयमान प्रतिपत्त का यंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियाँ) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति , निम्निलिखित उद्योध्य से उस्त अन्तर्ण विविद्य में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया, गया है...

- (क) नमारण मं हुए कियों बात की बाल्स, उपक महिनिन्तु में समीन कांद्र दोने के बुल्युस्क के स्थानित्य में कवी कहने का बख्ते दक्षने में सुनिया के बिए; बीहर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या किसी झास्तियों को, जिल्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ जन्ति, हती क्वारा प्रकट नहीं किया पना था वा किया जाना थाहिए था, कियाने वें तुन्धा ने सिए;

अतः अव, उदम अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् १८-

- (1) श्रीभवै। नम्पूरनम्मल श्रीर सन्गुची चेट्टियार (श्रन्तरः)
- (2) श्रीमती वनिताक्षी और रत्नाकुमारी (भन्तिनी)

को बहु सुवमा बारी करके वृत्रोंक्त संपरित के वृत्रोंक के लिए कार्यनाहित्यां करता हूं।

उन्त संवत्ति के नर्वन के सबभ में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वकाकिरकः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उद अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

i was

भूमि प्लाट सं० 1, एन० एम० के० स्ट्रीट, "(यनावरभ मद्रा : 23 (**४**० सं० 1107/85)

श्रामतो एम**० -**'ामुबेक सक्ष**म प्राधिकारी** स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राप

नाराख . 29-10-85

प्रकृष कार्ष्_{र टो}. एवं . एसं . ५ - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन स्थान

नारत बहकार

कार्यालय, सहायक नायकर भाग्यत (निरीक्षण)

श्चर्यत रेपे-1, मद्रा : मद्राम, दिना । 29 श्रक्तूवर । 1985

निदेश म० 130/मार्च/१८५-अत मृझे श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके धश्यात् उक्स अधिनियम कहा गया है), के, धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतिल, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

अपि निकला पर पाट पर 11/4 जार पर हार 136, प्रण्या नगण है, जा मद्रा 140 में पि में हैं (अँत इससे उपाबद्ध अनुसूची में जीर प्रणानम ना कि हैं) ि रेड़ा नी अवि । री के वाया या प्रण्णानम (दर्भ पर 1108/55) में भानताय री क्लून रण अधित्यम, 1908 (1908 । 16) के राधार मार्च 1985 को पूर्वोक्त सपाल के जानत माजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिसित्व में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संतुष्टं किश्री वीय की शावत, उभव जीविनियम के अधीन कर याने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने ना उनके नजने में दुन्धि। के किए। करिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तयां का, जिन्हें भारतीय अय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या जनकर विधिनियम, या जनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तर्रिती ब्वाच प्रभट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, चिनारे हें सुदिशा औ तिए,

शत: त्रम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में ग्राधीन, निम्निशिधित व्यक्तियों के ते क्ष्म (1) या नेव तासन्द

(भ्रन्तर ह)

(2) १. श्रा जे० कि पन्दानो 2 जे० पी० पीटर फ किस 3. जे० पी० जेम्स पेडमनायगम

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन को अविध्य को तत्सम्बन्ध व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य औं भी जविध्य को मां समाप्त होती हों, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित व्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोन्नस्ताक्षरी के पास सिवास में किए वा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण ----इसमें प्रश्नुवत शब्दां और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस प्रध्याय में विमा नया है।

धन्स्ची

मूमि और निर्मणि--प्लाट ग० 674 (डार म० डीठ 126), अण्णानगर मद्राप एस० श्रार० औठ श्रण्णानगर दम्म० 1108/85

> श्रीमतो ए०'० सामुबेव गतप प्राठि गरी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास ।

तारीख 29 रा 0 र? 5 मोह

इच्च ब्राह्म हो एवं, एवं ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन क्षण

नारत बरकार

कार्यासम् सङ्गयक आयश्य नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाश 29 श्रवतुबर 1985

निदेश सं० 123/मार्च/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

बौर जिनकी स० प्लाट सं० 6, स्टेट वैंक प्रधीनारी नालनी स०2 है, जो श्रयनावरम, मद्राा में स्थित है (और इनमें उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वॉलन है), रिकम्द्रीयनी प्रधियारी के नायीय प्रणणा नगर (द० स० 946/85) में भारतीय रिकम्यकरण प्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रवीन मार्च, 1985

को प्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बेबह प्रतिस्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नसिसित उद्देष से उस्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) नव्यारण वे हुई कियों नाम की नामत रुक्त निर-मिनल के अभीत नार दोने के जन्यारक के दासित्य में कथी करने वा अध्ये नचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी भग या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियतं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निक्नसिवित स्यक्तियों, जमति है— (1) श्री भ्रार० त्यागरावन

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री एन० क्रिट्टू

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पृथानित सुम्पत्ति को अर्थन के स्मिप् कार्यवाहियां सुरक्ष करता हूं।

इक्टू इन्स्। त्य के बर्वन के बन्दरूप में कोई भी नाक्षीप ,----

- (क) इस सूचमा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थापर १५/१२ में १६ १- बब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जवाहरताक्षरी के पास निवित में किए था स्कांग।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रमुक्त शन्यों और पदों का, भी उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क न विकासित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया एका है.

मनुसूची

भूमि ऑर िर्माण—-प्लाट न० ६, स्टेट बैंक अधिका**री** कालोनी, अयानाचरम रोड, नद्राध-23 एसँ० श्रीर० औ० श्रण्णा नगर, दस सं० 946/85

> श्रीमती एम० नामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-, मद्रास

नारील 29-10-85 **मोहर**् प्रस्कव आही.टी एन एस ------

नावक्द अभितियस, 196,1 (1961 का 43) की भारत 269 घ (1) के अभीत स्वारा

भायस संस्कार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्राय

मद्रास, दिनां ५ 6 नचम्बर 1985

निदेश सं० 124/मार्च/85-—ग्रन मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

बाबकार मांगिनसमा, 1961 11961 - 23 र्जियो इसमी इसके प्रवास निवस अधिनियम कहा स्था है). ली धारा 269-व के प्रधीन चक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- या स अधिक ही

- (क) अभ्यारण में हुन्दी किली मास की रापास काल की -नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दारियक में कमी करने या असस मधन में संविधा की लिए। मार्थ/का
- (य) प्रेची किसी आसू था भिन्दी धन या अपन आस्तिक।
 का, विन्हें भारतीय नाय-कार किसीनवम, 1922
 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या
 भन-संस् श्रीपत्यम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयाजनार्थ जन्तीरती द्वारा पक्ट नहीं किया गया
 वा या किया बाना चाहिए था कियाने में मुन्तिक।
 के निय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण अ. म., उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (को ले अधीन, निम्नलिकिन को अधिन, न्य (1) थीं पीठ नीठ गेंपानन

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमर्ता गिरीजा गिरी

(श्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वों कस सम्परित के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माध्येष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से ते 45 दिन की अविध या तत्सं मंभी क्यों किता पर सूचना की तामील से 30 दिन की जयिंग, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्द काकित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकारण ----इसमं प्रकृति शन्दों और पदों का, बो उन्त अस्ति म क अध्याय 20 क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गम है।

अन्स्ची

भूमि और अमिण --प्लाट स० 2776, श्रण्णा नगर, अण्णा नगर, नडुबकरे गाव मद्रास एन० श्राप्य औ० श्रण्णा नगर ६४ स० । 0 ।

> श्रीमती एम० भामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-4, बम्बई

विनाक: 6-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

•म्र्नेन रेंड-1. मदाय

मद्रास, दिनांक 29 भक्तूबर, 1985 निदेश मं० 130/मार्च/85ल श्रतः सरी श्रीमती एम० सामवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शरकात् 'उपल अधिनियम' कहा गया तै , जी ध्रणा १६०-ख के अधीन सक्षत प्राधिकारी को , ध्रु दिशात फरन का करण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित वाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी पं० पनाह सं० 6 ती 1, ह सी/2 और 6 सी/3 कीलपा न गार्डन हैं. नो रोड, कील्पा , मद्रास- + 0 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पर्ण रूप ने निवात है), कीरस्ता नी गायि-आरी के नार्यालय पेरिसमेंट ए० गं० 330/85 में पारतीय रिजिस्ट्री रूप अधिनियम, 1908 (1908 प 18) के मंत्री मार्च, 1985

द्वी पूर्वीका गंपित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वाय करने का कारण है कि स्थापविकत संपत्ति का जियत शाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कृष्ट प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (भन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण का लए तप पाया गया प्रतिफल निस्निलिखित उद्देश्य से उक्त शन्ताए निष्यित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दशारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जारा चाहिए था, क्षिपाने में मुविधा के लिए।

क्षत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की नपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) क्षेत्रत्य गरिक क्रिक्त अपन्य ।
 - ्अन्तर्भः
- (१) मा रावकुमार और प्रन्य

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्येक्सियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास विक्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदौं ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में मथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

अनस्ची

1/12 वां अभिन्न भाषा --प्लाट मं० 6 सी/1, 6सी/2, और 6 सी/13, डोर मं० 23 और 24, कील्पाक गाउँक, रोड, कील्पाक मझास-10 (द० म० 320/85)

श्रीमती एम नाम्बेल सक्षम प्राप्यि गरी, महायक श्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रक्ति रज-1, सद्भास

ना**री**ख: 39-10-85

मोहर.

मद्भ साम् है हो , दुन् दुन् ---- ----

सारकार का भनित्रक 1901 (1961 का 43) की पास 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत धरकार

कःर्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्तक)

श्रर्जन रें ब-I, **मद्रा**य

मद्राप, दिना 🗧 29 श्रमनूबर 1985

निधेग मं० 13 !/मार्च/85 - श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इस्में इसके परणात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- क. स आधक हैं
और पिनकी सं 23 और 24 कील्या गार्ड र रोड की नपान,
मदाप-10 है, जो अद्वार-10 में ल्यित हैं (और इनमें उपावड अनुमूची में और पूर्ण क्य में वर्णित हैं), रिक्ट्ड्रीकर्ती अधिकारी के अधिकारी में अधिकारी के अधिकारी में प्राथित परिसमेट ड० सं 321/85 में भारतीय रिक्ट्डिएएण अधितियम, 1908 (1908 T 16) के अधीन मार्च 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण की कि स्थाप्विक्त मंपित्स का उपनत बाजार करने का कारण की कि स्थाप्विक्त मंपित्स का उपनत बाजार क्ष्य एसके द्यापान प्रतिकल से एने द्यापान प्रतिकल का पेट्ड प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और (अंतरितियों) के बीच एने अंतरण के सिए तय पाया प्रधा प्रतिकल, जिल्हा कि स्थाप प्रसा प्रधान कर की सिए तय पाया प्रधा प्रतिकल, जिल्हा की स्थाप प्रधा प्रधान कर की सिए तय पाया प्रधा कर कर कर की सिए तय पाया प्रधा प्रधान कर की सिए तय पाया प्राप्त कर की सिए तय पाया प्रधान कर की सिए तया प्रधान कर की सिए तया पाया प्रधान कर की सिए तया पाया प्रधान कर की सिए तया प्रधान की सिए तया प्रधान कर की सिए तया प्रधान कर की सिए तया प्रधान की सिए तया प्रधान कर की सिए तया प्रधान की सिए तया प्रधान की सिए त्या प्रधान की सिए त्या प्रधान की सिए तया प्रधान की सिए तया प्रधान की सिए त्या प्रधान की सि

विका कर के अधित नहीं **किया गया ह**ै:---

- श्रेफ) इन्तरक वं हुन्दं किसी जान की वाबस, उपक , प्रधिनियम के बचीन कर वोने के अन्तरक की स्मित्र में कभी करने या बखसे वचने में सुविधा तो लिए, सौर/धा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व मैं तक्त विधिनियम की भाग 269-व की अपधार '•' के वधीन, निम्निमिकिक व्यक्तिकों, वर्षाद्य क्ष्र

- (1) व्याप्तती परिधालिता सेक्शासीट अन्य
- (2) मैं मिं धना कृष्प्रस्वाभी रेबेल्लो

(श्रन्तरिती)

(भ्रन्तरकः)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोंक्स संपरित के अर्थाध के कि**ए** कार्यवाक्षियां कुरुता हूं ।

उच्च संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नवींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की ववींध, जो भी ववींध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्विष्ट-वव्य किसी अन्य स्थावत व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्धी और पद्यों का, को उनक व्यथिनियम के नध्याय 20-क में वरिध्नावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस जध्याय में दिवा वया है।

अनुसूची

1/12वा ग्रभिन्न भाग प्लाट सं० 23 और 24, कीलपाक गार्डन रोष्ट, कीलपार, मद्राज-10 (इ.० सं० 321/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायु**क्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-, मद्रास ।

नारीख . _9 रा 0 - 85 मोहर : प्ररूप भाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षण, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिशांक 29 अक्तूबर, 1985

निदेण मं० 132/मार्च/85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 6 सी० 1, 6सी/2 और 6सी०/3 कीलपाक गार्डन रोड है, जो कीलपाक मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ड़ी कर्ता अधिकारी के कार्यात्र्य पेरियमेंट द० सं० 99/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जल: रुव, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निष्सित व्यक्तियों, अधीत् :—— 29—386 GI/85 (1) श्रीमती मरिय लूसिमा नेकूरा श्रौर अन्य

(अन्तर्क)

(2) श्री एच० जी० मेंक्रा

(अन् रिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/12वां अभिन्न भाग प्लाट सं० 6-सी 1, 6सी/2 ग्रौर 6सी/3, डोर सं० 23 ग्रौर 24, कीलपाक गार्डन रोड, कीलपाक मद्रास-10 (द० सं० 99/85)

> श्रीमती एव० तामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (िरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-10-85

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 136/मार्च/85—-अनः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० डोर सं० 37, मेक्नीकलस रोड, चटपेट, है जो मब्राम मेंस्थित है (श्रौर इसमें उपावद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेंट (दस सं० 261/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तिनित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (रुन्तिरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण शिष्टित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत नियम के अभीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन_स, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० एम० श्रुरीयम

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारस्वामी रेड्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिसाषित हो, वही उर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि फ्रौर निर्माण डोर सं० 37, मेक्नी कलम रोड, चेटपेट मद्रास-31

एस० आर० ग्रो० पेरीयमेंट दस मं० 261/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाप रज-1, मद्रास ।

तारीखा: 29-10-85

मोध्रर 🕆

प्रकार कार्य , टी , एन , एस , -----

नायकर जीपीनयन, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नपीन सुमना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, मद्राम

मद्राम, दिमाक 29 अक्तूबर 1985

निदेश स० 138/मार्च/85---अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदभात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00 000/- रु सं अधिक है

स्रौर जिसकी स० प्लाट पहला प्लोर स० 36 ए-1, चन्दा-बाला है, जो आर्टमेन्ट, स० 1/3, अटिन्स्स रोड, मद्रास-7 मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ मंश्रीर पूर्ण स्प स विण्न है), रिजस्ट्रीयती अधि परी क नार्यालय पेरियमेट द० स० 200/85मे नारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वीवत सम्यत्ति कं उचित नाजार मूल्य स कम कं ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं हैं और मूक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि सथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल स, एस ब्रह्ममान प्रतिफल का पब्बू प्रतिखत से अधिक हैं और जतरक (अतरकों) और अंत्रिती (अतिरित्ति) के भीच एसे जतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अतरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) न्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्त नियम क निर्धात कर रोपे के अस्तरक न्ध्र वामित्व म कभी करन मा उसस वचन में शुंधिया कृ किए, नीर/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कार आधानयम. 1922 (1922 का !1) या उन्ता अधानयम. या धन-कर अधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा अधा अधा अधार पा, जिल्हा किया गया को निया,

बत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्री जी० श्यामलाल

(अन्तरक)

(2) श्री गोपी लोकुमाल बुदटानी

(अन्तरिती)

की वह शूचना कारी करक पृत्रांकत संपान के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हु।

बक्त सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोए भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुष्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित ते 45 दिन की अविधि या त सम्बन्धी व्यक्तिया दर सुष्णना की तामील से 30 दिन की बविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयाहस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

≭न<u>ु</u>स्**यी**

प्लाटपहाना फ्लार ए-1 संघ ३० जन्मा जा जार्टमेन्टम" स्व 1/3, जटिन्सा राज, वेश्या पद्रा । (०० संघ २००/-४५)

> र्जीसगाम० शम्बा ाम प्राथिभागी ताम जासर 127 (त्राणा) जग्रीकाली

प्र[हर प्रा_ी्रा _0 -10 **-**8) प्रकप भाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निदेश मं० 140/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 140, मार्शिलस रोड, मद्रास-8 है, तथा में मद्रास-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मेश्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेंट (दस० सं० 272/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्छ सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उनत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आम की नागत, उक्त औध-निवस के वधीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तयों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त बोधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथिए '---

(1) श्री टी० मुत्तुलक्शमी

(अन्तरक)

(2) श्री ए० प्रितीकीराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्मिमे अभिन्न भाग डोर सं० 139 ग्रौर 140, मार्शलिन रोड, मद्राय-8

(एस० आए० ग्रो० पेरीयमेंट दस० न० 272/85)

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहाय त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

न्परीख. 29-10-85

मोश्रर:

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भाय अपर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

अार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज ।, मद्रात मद्राप्त दिनाँक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 141/मार्च/85-- ग्रतः मुझे, श्रीमति एम० माम्बेत,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके **५३चात् 'ः**वत अधिनियम' कहा गया ह^{*}), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपोत जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

भ्रौर जिसकी संव डोर संव 139 भ्रौर 140 है, तथा जो मार्शलस रोड, मद्रात-8 में प्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरीय-मेंट (दन सं० 273/85) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1985

षो पूर्वाक्ष, संम्पात्त को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिक्षत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है--

- (क्त) अंतरण से **हुई किसी** आय की बावल, अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में स्विधा के लिए; मौर/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय डायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या रक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अप, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमतिटी० कृष्णन बाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० चेतेन्द्रराज।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना कं राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्त्ची

प्लाट-भृमि में ग्रभिन्न भाग सं० 139 और 140, मार्शनस-रोड, मद्रास- 8

एय० म्रार० म्रो० पेरीयमेट (दस सं० 273/85

शीमति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-।, मद्रास

तारीख: 29-10-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम मद्रास दिनाँक 29 अक्तूबर, 1985

निदेश मं० 142/मार्च/85—ग्रतः मुझे, श्रीमित एम० साम्बेस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्त्रीर जिसकी सं० 100, पहला फ्लोर, मान्टियत रोड, एघमोर मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस० सं० 288/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार बृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बाल्यिक अप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आयः की वाबत, उक्स नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वात: इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मोलिखत ध्यक्तियों, अधीत् :—— (1 श्रीमति हसेन स्नागा श्रीर स्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमडी ग्रस्मा कातारी ग्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किली व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुभूची

प्लाट डोर सं० 100. पहला प्लार, मान्टियत राड, एर्घमोर, मग़ान-8 (दस० सं० 282/85) ।

भोना एउट विदाल निकास पाबि हारा म**हायक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रावित रेंज-1, **मदा**म

तारीख : 29-10-1985

प्रश्रद्ध आहे. टी. एन. एस. ----

(1 श्रीकि०देवनाथना

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्वना

(2 श्रीमती बेगम सुवान श्रीर श्रन्य।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-T, मद्राम मद्राम, दिनौंक 1 नवम्बर, 1985

निवेश मं० 143/मार्च/85— ग्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुवेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं डोर मं० 11, मण्डपम टोड, कीलपाक मद्राम-10 है जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, पेरिय-मेट (दस० मं० 290/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीखू मार्च, 85

को पूर्वा कित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इस्प्रमान प्रतिकल को लिए जन्तरित की गर्छ हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का आरण हैं कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया भया प्रतिकल, निम्नितिचित उच्चेक्त से उच्च जन्तरण निचित में बास्तविक स्पू से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीट/वा
- (क) एमी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम श्री भारा 269-ग के अनसरण क्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रें अधीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों**, अर्थात् :--- की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वरक्षीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और गयों का, जो उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया यवा है।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 11, मन्डपम रोड, कील तक, मद्राम- 10 (दस० सं० 290/85)।

श्रीमित एम० सामुवे ल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ऋायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारीख: 1-11-1985

मोडर :

प्रकल बाह्र .टी. एन . एस --------

आवकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत क्ष्यकार

व्यवनित्र , वहासक नावकर नाव्यत (गिर्णाक्षक)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनौंक 29 मन्त्रुवर 1985

निदेश सं० 144/मार्च/85— श्रतः मुझे, श्रीमित एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च से अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 5, हारिन्गटन रोड, चेटपेट, मद्राय-31 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरिय-मेट (द: सं: 308/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और है मेरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उथके र स्वान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत है अभिक है और स्वान (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिकिकों) के बीच एसे अंतर १ को निए तय पाया गया प्रति-कल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्षर अन्तरण निकित में बास्तविक क्ष्य के किया नहीं किया गया है:---

- (फ्ट) वन्तरण से हुई विक्वी बाव कर बावन, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; करि/्।।
- (ण) ऐसी किसी जान वा निक्षी भन वा जन्म जास्तियों की रिंग्स भारतीय बावकर जिथानियम, 1922 (1922 का 11) या जना अधिनियम, या भन- कर निविनियम, 1957 (1957 का 27) के जबोब शर्य अस्तिरती द्वार प्रकट गृहीं किया गया या में किया वाना चाहिए था, रिभाने में स्विधा जे निग्।

कतः वय उक्त अधिनियम की भाष 269-ग को अनुतरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखित स्वक्तियों, अर्थात् :-- (1) मिनसं ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्णन्स ग्रीर इन्डर्स्ट्राज ।

(अन्तरक)

(2) श्री पिच्चै मोहम्मद जलाल ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाब्सोकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनवर्षी

1660/48870 वाँ घ्रभिन्न भाग, दूसरा फ्लोर, डोर स० 5, हारिन्गटन रोड, चेटपेट, मद्राल, (दस: सं 308/85)।

> श्रीमित एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरें ज [, मद्रास

तारीख: 29-10-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

भायकर याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, श्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-I, मद्रास मद्राप्त, दिलौक 29 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० 153/मार्व/85—न्त्रतः मुसे, श्रीमति एम∙ सामुदेल,

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के श्रीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मोर जिनकी सं० 992/51000नी स्रिमिन भाग है तथा जो स्थित है (स्रोर इनसे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिनिट्रीहर्ती स्रिधिकारी के कार्यालय, जेवएनव्सारव-2, मद्रात उत्तर (दलव संव 655/35) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 16 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्वामान प्रिफल के लिए अंतरित की गई और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्वयमान प्रतिफल से, ऐसे श्वयमान प्रतिफल का पन्छ्य प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेषों से उक्त अन्तरण जिल्लित में वस्सिक्स रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (१) बन्तरण सं हुई किसी बाम की बाबल, उक्स बिधिनियम के बजीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अ किसा करिया
- (भ) एम किसी बाय या किसी भन या क्या ब्रास्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :—— 30—386GI/85 (1) श्री प्रालतूर राजेन्द्र ग्रीर ग्रन्थ।

(मन्तरक)

(2) एम० सरगुणम ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ लिचित में किए या सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इरामें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिवर्तित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो विया गया है।

वग्तुची

992/51000 में मिनिन भाग भूमि (वस० सं० 655/85)

श्रीमति एम० सामुवेस सञ्जम प्राविकारी सहाय ह श्राय हर शायु हत (तिरोक्षण) मर्जं त रें ज- 1, मद्रास

तारीख: 29-10-1985

ध्रूष्य आहू .टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयका (निराक्तिक) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० 154/मार्च/85--- श्रतः मुझे, श्रीमिति एम० साम्बेल,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 1 00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 7, तुल निगम स्ट्रीट, मद्रास है, तथा जो मद्रात , में स्थित है (ग्रीर इतने उगाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, जे० एन० भ्रार०-I उत्तर मद्रात (दन. सं० 658/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय है उक्त अन्तरक किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अफ्तरक के बायित्व में कमी कर्त या उससे बचने में सृत्रिधा में लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी क्षाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना वाहिए था कियाओं में सुविधन के लिए।

(1) श्री ओमनजी महराज कायिल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रप्रभुभी महाराज जूनाजेब कोथिल (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिछ कार्यव।हिया क्ष्म करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का अप 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इसं स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़
 विक्रित भा किए या सकोर्य।

क्ष्यक्ष्योकरणः --- असमं अयुक्त शब्दों कार पद्दे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा कर के क्षाय के विकास गया है।

मनुसूधी

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 7 तुर्लीसगम स्ट्रीट, मद्रास (दस॰ स० 658/85)।

श्रीमिति एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 1-11-1985

प्रकथ आर्थ. टी. एन. एस. -----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कॉ भारा 269-म (1) को मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, मजास

मद्राप्त, दिनाँक 1 नवम्बर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं क्यार ० ए न ० न ० 4050/3, 4050/2, 4050/4, 4051, श्रीर 4052, तोन्डैयारपेट हैं नया जो गाँव मद्राप में स्थित है (श्रीर इनने उगाबद्ध अनुसून। में श्रीर पूर्गरूप से बिणत है), रजिस्ट्रोक्ती श्रीव हारों के कार्यालय, जे ० ए न ० श्रार०-1 मद्रात उत्तर (दन० सं० 762/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूला, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिपास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई जिसी बाव की बावत, उक्त बिवियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौट/या
- (वा) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जो निए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिक्यिम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यविसयों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स बेस्ट श्रीर कास्टन इंजोतियरिंग लि०। (श्रनरह)
- (2) मैसर्स केस्ट डिवल मेंट श्रीर लीसिन्ग लि० । (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति दुवारा।
- (व) इस श्रूपमा को राजपण को प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर सकत स्थायर सम्पत्ति को हित्यव्थ किसी कम्य क्यक्ति स्थारा सभोहस्ताकरी को गाव चिक्ति को किस्स वा सकों ने 1.

स्वकांकरण:--दसमें प्रमुक्त सन्दों और वर्षों का, वां उपस् विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं कर्ष होगा वो जस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मूमि फ्रोर निर्माण श्रार० ए २० सं० 4050/2, 4050/3, 4050/4, 4051 श्रीर 4052, तोन्डैयारपेट गाँव, मब्रास (दस० सं० 762/85) ।

श्रीमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रें ज-।, मद्रास

सारीख: 1-11-1985

प्रकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, दिनौंक 29 धक्तूबर 1985

निवेश सं० 160/मार्न/85--प्रभः मुझे, श्रीमिति एम० सामुबेल,

श्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. सं अधिक है

श्रीर जिनकी सं० 23, पेक्तीयन रोड, एग्मोर, मदान-8 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इपसे उनाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्गकन से विजित है), रिजिस्ट्री हनती श्रीय हारा के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-मद्रास, उत्तर (दस० सं० 896/85) में भारतीय रिजस्ट्री-कर ण श्रीवितियम, 1908 (1909 का 16) के श्रायीन, ताराख मार्च. 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार मिल्ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के मुक्त प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और मतिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की पावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शांवरण में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विश्या गवा भा या किया जाना भाहिए था, कियाने में सृतिभा के लिए।

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिख व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पालागिरी और धन्य।

(अग्तरज्ञ)

(2) राज बीगम।

(भ्रम्तिरती)

को यह सूचना जारी करके वृशेंक्स वस्पत्ति के वर्धन के जिए कार्यसाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजवत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सचना की तामील से 30 दिन का अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त न्यांत्रतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्परहािकरण: -- इसमें प्रयुक्त कर्न्यां और पदां का, यो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित श्री बही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा गया हैं।

मन्भू की

भूमि श्रीर निर्माण कोर सं० 23, पेन्तीयन रोड, हुएनमोर, मद्रास- 8।

जे॰ एस॰ घार॰[,-मद्रास उत्तर(दस॰ सं॰ 896/85)।

भीमति एम॰ सामृबेख सजन प्राधि कारी सहायक प्रायकर प्रायुवत (निरीक्ष)ण पर्चनरें फ-1, मदास

वारीख: 29-10-1985

मोहर 🕄

प्रम कार्ष. हा एक. एक.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, महास

मत्रान, बिनौह 29 श्रस्तूबर 1985

निदेश सं० 163/नर्श/85--प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्देल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शापर मूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ष्मीर जिनकी सं० प्लाट सं० 130, पेरीयकूडल गाँव, श्राणा नगर, महा तमें स्थित है (बीरइत्त उपत्त अनुप्ती में श्रीर पूर्ण का से वर्गीत है) रिनिक्श हिना श्रीय हारी के कार्याला, महान उत्तर (इन सं० 937/85) में भारती। रिजिस्ट्रीकरण पाथितियम, 1908 (1908 का 16) के श्राप्तीन, दिनौंक मार्च, 1985,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण ? कि ग्यामूर्वास्त नन्दित का उचित द्वारार मूय इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिम से प्रविक ने थोर वस्तरक (अस्तरको) और अस्तरितो (बस्तरितियों) के दीच पेश वस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त प्रस्तरम निक्षित में बास्तविक क्ष्य से कवित नहीं कि सा गया है। ---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक वो दायित्व में कुमी करने या उससे वचने में सूचिया के लिए; बार/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) कुमारी लीला विन्नणन

(अधरह)

(2) 1. श्री पी० सुकु मर 2. श्री पी० श्रार० रवीन्द्रनाय 3. श्री पी० श्रार० राजेन्द्रन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रभाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य न्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मया है।

वन्तु ची

भूमि धौर निर्माग—प्लाट सं० 130, पेरी क्रिडल गौथ, ग्राण्णा नगर, मद्राल एस० घार० भो० मद्रात उत्तर वन सं• 037/85 ।

> श्रीमती एम० समुवेल संजन प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रापृकः (निरोक्षण) प्रजन रेज-1, मद्राष्ट

विनांक: 29~10-85

सामुदेल,

प्रकृष कार्ड . टी. **एवं. एस्.** नहस्तनस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के बचीन सुम्बा

मारत परका

कार्यासक, बहायक सायकर नायुक्त (निरीक्न)

भर्जन रेंज, मद्राप्त मद्राप, दिनाँक 29 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० 165/मार्च 85--श्रतः मुझे, श्रोमती एम०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च क अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूख्य 1,90,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० डोर सं० 47, रतना सवापती मदलियार रोड, है, जो मद्राय—21 में स्थित है (श्रीर इसके उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञ है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकिशरी के कार्यालय, राजपुरम (दन० सं० 516/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरम श्रिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन दिनौंक मार्च, 1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (७) मन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उन्तर अधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (व) एसी किसी भाग या किसी भग या कत्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

ब्रुत:, अब, उक्त लिभिनियम की भाग 269-भ के जनसरक जें, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभारा (1) अर्थ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ८—— (1) श्री एम श्रार सेतुरामन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फुष्णमूर्ती राजम फैमिली ट्रस्ट (अन्तरिती)

चा वह स्वना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति कं बसन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वगरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रिभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा वया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माग डोर सं० 47, रत्नासबाती मदिलयार रोड, मद्रास---21। एस० मार० मो० रायपुरम दस सं० 516/85।

> श्रीमती सामुडेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॉज-I(ग्राई/सी), मद्रास

दिनौक : 29-10--85

भक्य बाई .टी .एद .एस प्रमान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयम्सर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 29 अश्तूबर 1985

निदेश सं॰ 166/मर्च/85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

ायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० डोर सं० 11, सुन्द्र वितायगर के विन स्ट्रीट है, जो जीलंड वाणुग्ररमें तपेट, मद्राम—21 में स्थित है (मौर हासे उपाबद्ध प्रतुम्चा में भौर पूर्ण रूप से वर्गित है), रिजस्ट्री क्री प्रधिकारी के कार्यालय, रायापुरम (इस० सं० 438/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनौक मार्च 1985,

कां पूर्वांक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिणत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया ही:---

 क्रिक्ट संस्कृष्ट किसी नाम की नामस्, समस् अधितिश्य के नधीन कर बोर्च की सम्बद्ध में वासित्य में कामी करने या उचने नमने में सुनिया में लिए; बीट्र/या

े नी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभिनियम वा पत्र-क्षर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त सिभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिन्यम की भारा 269-ग को उपभाग (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) 1. श्रीमती बी० वितालामगी श्रम्माल 2. दूस्टीस, श्री कन्दस्वामी टैम्पुल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पन्चाक्चरम ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 दिन की सर्वीध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब अं 45 दिन के भीतर उ≪त स्थाबर संपत्ति में हिहबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा त्रधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा "कोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका ग्वा है।

अनुसुधी

मूमि श्रीरितर्माण डोरसं० 11, सुद्ध विनायनगर कोविल स्ट्रीट, औलड बागमरमेनपेट, महास-21 एन० श्रार० श्रो० राज-परम ।

दस॰ सं॰ 438/85 ।

श्रीमती एम व्यावेल स्तान गाँउ हारी सहाय हश्राय हरश्रापुक्त (निरीक्षण) स्राजैन रेंज-I (श्राई/सी०), मब्रास

दिनौंक : 29-10-85

प्ररूप बाइ टी.एन एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनौंक 6 नवस्वर 1985 निदेश सं० 169/मार्व/85—प्रजः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेस,

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्तम प्राध्कारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार सम्बं 1,00,000/-छ। से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 16, हिसीय काम स्ट्रीट, गोपाल रेड्डी है, जो कॉलनी मेरबीयम, मद्राप-82 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिक्ट्रीनर्सी श्रीवनारी के कार्यालय, सेरिबयम (यस० सं० 811/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, दिनौंक मार्च, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, भिम्नसिसित उद्वेषय से उक्त जन्तरण जिस्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तर अवने में भूषिका के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी नाव या किसी वन था बन्य बास्तिकों को, बिन्हें भारतीय जाय-सार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, बा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिये था. फियान बी एतिया के लिए;

(1) श्री जि० वेंकट्रमणि

(मन्तरक)

(2) श्री एम० मुरुगेसन

(प्रन्तरिती)

स्त्री यह स्थाना चारी करके प्योक्त सम्पत्ति से अधन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

दक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रांक्त श्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इंगराः
- (ब) इस स्वता के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी जन्म स्थावित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया हैं।

अनुमूची

भूमि घौर निर्माण—होर सं० 16, दितीय कात स्ट्रीट गोपाल रेड्डी कालनी, सेन्त्रियम, महास—82। एस० घार० घो० सेन्त्रियम दस ० सं० 811/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीजण) भ्रजन रेंज-I (भ्राई०/सी), मद्राज

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण वाः, माः, उक्त विश्वितयमं की धारा 269-घं की उपधाराः (1) वं वधीनः, निम्निमिचित स्पिक्तयों वर्धतः :---

दिनौक : 6-11-1985

मोह्ः

शक्ष्य आगर . द्वां. एतः . ११४

श्रायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत भरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राक्ष, दिनांच । सपन्वर, 1985

निदेश सं० 178/एचिं/85--श्रवः मुझे श्रीमती एम० सामवेज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उजत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित काजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

मीर जिल्ली होर सं० 60, बन्हर स्ट्रीट (उपनाम) गुण्यप्य स्ट्रीट, है, जो नार्क टाउ, गब्रा मा, में विषय है (ब्रीटिंड के उपलब्ध शतुसूची में ब्रीटिंड किया है (ब्रीटिंड के उपलब्ध शतुसूची में ब्रीटिंड किया, एक स्वार्ट सन्म, (ब्रालिटेंड से 220/05) में सिंग्ड्री एक अधिनियम, 1900 (1900 का 16) के क्षीति दिनी मार्च, 1985

क्यं पूर्वीकः सपित्त के उचित बाजार मूला से कप के रायमान प्रतिकत के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-बोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाटा गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आव की बत्दर, उपर बीधिनयम के अधीन कर थेने के द्रारक ने बीयस्थ में कभी करने मा बससे स्थन में स्निधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियन 1922 (1922 का 11) या उत्तत आर्थ नेस्तन, या कर्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा अकट नहा एकरा भया या किया जाना श्रीहिए ना, क्रियान न स्तुरार के सिए;

अतः अव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ :--- 1. श्री चीच गीता । पत्हडु।

(ऋनारच)

2. सारियरी लीमीम िसिटेंड ।

(अन् ग्रीय्ही)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के कि। प्राप्त के राज्य करता हुं।

अवस संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दि: की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि क्षेप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यावतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की वारीब कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथांहरताक्षरी के पास जिक्कि में किए जा सकता।

स्थायीक रण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका यहा है।

अन्त्ची

म्नि श्रीरिविमणि डोर सं० 68, बन्डर २,६८ (उण-नाम) गृहण २५,८, वार्ज टाउँ।, नहा :-1, ए :० झार० श्री० महास मध्य, दण्या० सं० 222/85 ।

> एय० नामुबैत सञ्जय प्राधिकारी सहायम आगार प्रापृक्त (निर्राक्षण) प्राजैन रेंक-I, पद्माप

रिप्तांतः : **1-11-198**5

प्रकथ वार्ष: टी. एन. एस. -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रार २69-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० 190/मार्च/85—ऋतः, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा । 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार भूम्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस्की डोर सं० 81, िसी चेच्टी स्ट्रीट है, जो मद्रार-1 में स्थित है (भौर इस्ते उपाबद अनुसूर्ची में भौराजो पूर्ण स्प के बिजित है) सिन्द्रिकती अधि पर्री के सार्थन्य, जे०एए० आर० II, मद्रार, उत्तर, (दस्ता० प्रं० 594/85) में सिन्द्रिकरण अधिनियम, (1903 वा 16) के अधीर दियोग मार्च, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उचित बाजार बूच्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्निसित उच्चेश्य से उक्त बंतरण निम्नित में शस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण से हुई किसी नाव की नावत उत्तर सीधनियन के नधीन कर दोने के बन्तरक वी शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन का बस्य आस्तिकों को, कि हो भारतीय आय-कार आधारत्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सद, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं अधीन निम्नलिखित अधिकत्यों, अर्थातः :— 1. एन० विस्यल्ध्मी और अन्य

(ग्रन्तरः)

2. मैसर्स कुमार हाईवेयर स्टेट्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए— कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टि। धरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण डोर सं० 81, लिगी चेट्टी स्ट्रीट, महास-1, जे० ग्रा० ग्रार०- Π , महास उत्तर। दस्ता० सं० 594/85।

एम० सामुवेन सक्षम प्रधिकारी सहायक **मायकर आयु**क्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-I, महास

दिन[बः: 1-11-1985

प्ररूप बाइ. टो. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के मंभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, शहायक नायकार नायुक्त (निर्द्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांच 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 501/85-86---श्रतः मुझे एन० जगत मोहत

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करन का कारण है कि सन्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

म्रोरिक्सिकी सं० घर है, जो वार्ड-8, गूंटूर में स्थित है (मौर इ.स उनाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जी पूर्ण रूपना विणात है (रिजिस्ट्री-कर्ता अधि नरी के नार्थी या, गूंट्र में , रिकस्ट्री रिण अधि-नियम 1908 (1908 त 16) के भ्रवीन दिनों । 3/85

नियम 1908 (1908 ता 16) के श्रशीत दिनों . 3/85 को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उच्चदेश से उकत अन्तरण लिखित म वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की मानत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बाया या किया बाना आह्रिए था, क्रियाने में सुविधा के निए;

जतः वस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:--- श्रं मी० एव० वृत्री वे टा कोइंड, राम गुन्ता,
 पिता राधाः विष्णा मूर्त भीर अन्य नालापेट, गूंट्र ।

(अन्तरः)

 श्रीनती पी० वें : टपर्वतम्मा पति वेंदः टेण्वरुलू, घर नं० 13-6-77, गंट्रर ।

(भ्रन्तिरती)

की यह सम्मना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिएयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिरा- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

घर नं० 13-6-77, गृंटुर विस्तीर्ण 182 चौ० गज, रिंगस्ट्रों कृत विलेख नं० 239/85, रिंगस्ट्री कर्ती अधिनारी गृंदुर।

> एमं० जगन मोह्न सक्षम प्राधिना**री** सहायक अद्यायकर शायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज, **हेदरासाद**

दिनांक 8-11-1985

प्रकृष कार्यः, वी. एव. एक. एक.-----

बालक बॉमांनाम, 1961 (1 101 का 43) की बाह्य 260 ा का ेल शुनुवा

भारत सरकार

कामोजन , सहायक जाएकर आयुक्त (नरीक्षण) ग्रजी ,रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांका 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० %(२० ए० सी० 502/85-86--- अतः, मुझे, एम० जगा मोहन,

प्रमण्डान महिन,
शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्में इसमें
इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्रधिक री को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थान से एक है
और जिस्में इचित्र का निर्मा के स्थान से एक है
और जिस्में के भूनि है ज्या जो महुर, विश्वा 5 में विश्व है
(और दें के जान के अनुसूची में और जो एमें स्था कि है)
रोजर्ड विश्वा की जान के स्थाप है है
रोजर्ड विश्वा की उपा की के अधीत दिलें 3/85
को प्रांक्त सम्बद्धित के जिस्स वाजार मृत्य से कम के स्थामन
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे का जीवत बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे का जीवत बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे का प्रतिफल का
पंग्रह प्रतिहास से अधिक है और अतः (अंतरिकी) अप

पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बावत, उक्त रूपिन स्वाह अर्थान कार ने की बावतरका की काविश्य की करने वा उक्कर तने वी स्विक्तर क सिंह; कहिं/या
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी भग या क्या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-राक अधिक उमा, 1937 (1947 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना सा किया आना नाहियं । क्याने से स्थाप के सिए;

बत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ई० का विदा राजस्मा, पिता बुदय्या, सुर्राशकेट, विचयत्रादः-2

(अन्तर ह)

 अधिक शम रेड्डी, पिता मुधैरेड्डी, क्हेंक, विजयवा 5 तालुक।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मगिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स यिजयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इय स्वता के राजपा में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थापर सम्मत्ति में हित-धवय किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकेतरण: — इसमें प्रय्वन कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया

मन् सूची

विस्तार्ण भूमि 2.45 एउर, अ ए० एए० न० 383/1, कूडेरु, विजयवाजा, रिजस्ट्रीट्स विलेखनं० 385/85, रिजस्ट्री-वर्षा अधिकारी वाकापाजु ।

> एम० ज्यान मोहन सक्षम अधितारी सहायक बायकर श्रायुक्त (विरीक्षण) व्यर्जन रोज, हैवराबाद

दिनांक 11-11-1985

THE THE PARTY OF T

प्ररूप भाइ. टी. एन., एस. ------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, हेदराबाद

हैदराजाद, दिनां है 11 नवस्वर, 1985

निदेश तं० द्वार० ए० वी० 503/05-86 — प्रतः, मुझे, एम० अगा मोहन

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन रूक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीप्रशिवादि गं० पूजि है जा सके एवं। स्वी शहे, गूंटूपिशा में एसता है (श्रीप इ.स. उपाबद प्रमुख्यों में श्रीप जा पूर्ण खप दे प्राणितहै) प्रिवरद्री प्राणितहें, स्वायादित, के लागी ता, गुट झोला में प्राप्ति है। प्राप्ति श्रीवर्ति ता 1903 (1903 ला 16) के अवीत देवी है अठि

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिक्षिकत के लिए अन्तरित को गई ह आर मुर्के यह जिश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वित्त स्पृतित का उचित प्राज्ञार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत से, एसे अस्थमान प्रतिकत से, एसे अस्थमान प्रतिकत से, एसे अस्थमान प्रतिकत के वन्द्र प्रोत्यत से अस्ति को स्थमान प्रतिकत के वन्द्र प्रोत्यत से अस्ति अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिकत, निम्नतिस्ति स्थमान से उसके अन्तरण कि लिखत में बास्तिक रूप से किया प्राप्ति किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने था उससे यचने में सुविधा के लिग्र; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दुशारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

 व्ही० पेदा तनत्क्या पिता पुरुषक्या और अन्य 5, आवीगोपूजा, गृंद्र विला ।

(अन्तरः)

2. श्री डी॰ प्रत्यि ही, पिता सूख्या श्रीर श्रस्य 4, दाचेपल्ली गूटरझाला तालुश, जिला गूंटूर।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत संपक्ति के अर्जन में लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

चक्द संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका क्यां बतनों में सं किसी क्यां कत द्वारा;
- (छ) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः -- इसमं प्रयुक्त राज्यों कौर पर्यो का, जा उक्त अधिस्थित, को अध्याय 20-क में विशिष्ण है, बढ़ी अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

<mark>फन्सूची</mark>

वित्तीर्ण भूमि 715 5/9, ची० गज, वाचेपल्ली, नादीशाडी की० नं० 90, पिल्ट्रोह्य विलेख नं० 328/85, रिअस्ट्रीश्ती क्षियारी, गृहरकारत है।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधितारी सहायक भागकर श्रायुका (निरोक्षण) श्रजन रेंड हैदराबाद

बिनोक 11-11-1985

प्ररूप नाइं.टी.एन एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक कायक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 11 नवम्बर, 1985

निवेश सं० श्रार० ए० सी० 504/85-86--श्रतः मुझे, एम० श्रान मोहन

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िसकी सं० भूमि है जो कारीटापाड, गूंट्र में स्थित हैं (श्रीर इस्ने उपायड प्रमुखी में श्रीर जो पूर्ण का से विणा है) रिक्ट्रें ती श्रीध रो के अधीलया, गूंट्र में रिक्ट्रें रण श्रीधितयम, 1908 (1908 रा 16) के श्रीधित दिनी र अधित

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्निनिवित उद्देश्य से उस्त दन्तरण जिन्ति के बास्तिक स्पूर्ण के प्रतिपत्त निम्निनिवित अद्वेश्य से उस्त दन्तरण जिन्ति के बास्तिक स्पूर्ण के प्रतिपत्त निम्निनिवित अद्वेश्य से उस्त दन्तरण जिन्ति के बास्तिवक स्पूर्ण के थित गर्दी किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व को कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आम या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, स्त्रिपाने में सृविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण में. में. अक्त अधिनियम की धारा 2'69-च की उपभारा (३) ➡ अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत्:— मैं उसं विजया इंजीतियरिंग ारपोरेगान, बाद पार्टनर श्री वि० वें इंटरा छुण्णा राजू गृंदूर।

(यसरह)

2. श्री साधू नागभूगत पिता वें उटपय्या भारीटापाडू, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गुंटुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

विस्तीर्ण भूमि 1243 वी० गज, एम० नं० 142/ए, स्रोर भूमि का बंधा हुसाभाग, टीन शेड के साथ, 5000 वी० फुट० ारीटापाडू, गूंटूर, रिजस्ट्री इत विलेख नं० 2254/85 रिजस्ट्री ति शिधारी, गूटूर।

> एम० जगन मोहन मक्षम श्रीधाः।री सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 1-11-1985 मोहरः अक्ष कार् . हर्न . एस ., -------

नायकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनां : 11 नवम्बर, 1985

निदेश पं० श्वार० ए० मो० सं० 505/85-86--श्रतः मुने, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाएजेंक्त सम्पत्ति का उचित राषार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रे. सं अधिक हैं
प्रीरिक्ति सं भूमि है तथा जो कुंड़ेन, जिनयवाडा में स्थित है |
प्रीरिक्ति सं भूमि है तथा जो कुंड़ेन, जिनयवाडा में स्थित है |
(योर इक्कि उनावड अनुमुवो में श्रीरिजो पूर्ण रूप में वर्णि है)
रिजस्ट्री तो अधिकारी के श्रायित्य, प्राकीन छा में रिजस्ट्री रण
अधितियम, 1908 (1908 प्राक्ति) के अधीत दिनां है 3/05'
को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के रूपमान
प्रतिपत्त के निए जन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास
करने का काएण है कि यथापुर्वोंकत संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उनके दूर्यमान प्रतिपत्त से एसे रूपमान प्रतिपत्त का प्रवित्त
का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफस, निम्मतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्टिक
क्य से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्भवस्य में कमी अपने श उक्त करने में बृद्धिक से जिए; बार/का
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियनस्न, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया जा राष्ट्रिय अपनियम आहे आहिए था, कियाने में सुविका के लिए;

वतः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुकरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की व्यक्ति निम्हितिकाः व्यक्तियों वर्धात् :---

- 1. श्री इ० वभलेस (माइनर), पर गास्त्रियन पिता श्री इ० पद्मनाभम, सुर्वारायपेट, विशयवाद्या (अन्तरः)
- श्री के० रामी रेड्डी, पिता मुथुरेड्डी, कुंडेर, विजयथाडा तालुक।

(भन्तरिती)

ही यह सूचना कारी करके पृत्रोंक्त संपर्तित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी स्थितिकाँ वर सचना की मामील से 30 दिन की नवीं थ, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोर्मनाक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

न्यस्टीकरनः --- इसमें प्रयुक्त शस्तों सौर पतों का, को उक्त श्रीभीनयम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया यस है।

मनुसूची

विस्तीर्ण भूमि 2075 एकर, कुंडेर, आर० एस० नं० 383/2, विभयवाडा, तालुक, रिकस्ट्रीकृत थिलेख नं० 390/85, रिकस्ट्रीकृति क्रिंधवारी, वाकीपड् ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 11-1-1985 मोहर - परूप आहें, यी. एन . एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत संरकार

कार्यालम, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां : 13 नथम्बर, 1985

निदेश सं० ऋार० ए० सी० नं० 506/85-86--- श्रतः मुझे

एम० जगन मोहन न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गक्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्हास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

भीर ितकी सं० फ्लैट है को शांती श्रपार्टमेंट्य, पाटागाटा स्थित है (श्रीच इंडरों) उपायह यतुमुना में श्रीय जो पूर्ण स्पात विकास है की लड़ी जो क्षीच परी के कार्याका में किएस्ट्रीकरण अधिनियम, 1900 (1900 का 16) के अवीत दिनों के 3/85

को पूर्वेक्स संपित के उचित वाजार मूल्य में काम के दरममान प्रिंत्यक्त के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह थिश्वास करने का कारण है कि यथापनेंक्त संपित का उचित जाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल हो, ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में सास्तिक रूप से कांध्रत नहीं किया गया है —

- (क) अत्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायितन में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या उन्य आफ्नियों को, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दनारा प्रकट नली किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिल्पाने को सविधा के लिए।

अट अब, उक्त अधिनियम की धारा 260 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित स्यियतमां, अर्थात् :--

 मैं एर्न ्रांट्रिक्ट : दिल्डसं, याह मैनेिंग पार्टकर श्री व्ही श्रमु नियोग्ड, विभयवाडा ।

(अध्वरहः)

2. दि डिविशनल मेनेशर, युनाइटेड इन्स्रेन्स कं शिक, विद्याधाडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के गम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन की उनिध या तरमंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त क्षोती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास विखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-दिस हु⁴, बहुी अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁴।

अनुस्ची

क्जैट नं ० दि-14, गांति अत्रहेंमें टाः, पाटानाटा, राइबाबा मंबिर के पात, विजयवादा, राजिस्ट्रीत्त विलेख नं 1663/85 राजिस्ट्रीतिकी अधिभारी, विजयवादा।

> एम० जगत मेंहित सक्षम ऋविशारी सहायत आयत्तर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज, हिटाखाद

दिनां : 13-11-1985 मोहर: प्रकृत बार्ड , दी. पुन् पुन्न पुन्न , जनन्म १९५५

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारत बहुकार्ड कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्दाक्तिक)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदरादाद, दिगांत 13 नवम्बर, 1985

मिदेण सं० आर० ए० मी० नं० 507/85-86--अतः मु**मे** एम० जगन मोहन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ह"),, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० फ्लैष्ट है. जो णांती अपार्ट मेन्ट्स, पोटामाटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप मे विणान है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

की प्रशंकित सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया क्वा प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बाल्लिक रूप से किथा नही किया गया है :---

- (कां) जन्तरक में हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इशिष्ट्य में अभी अर्थ या सम्बंबचने में मितिभा कर्षा, भारतीय प्राप्त
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था कियाने में मांवधा के लिए

कतः कथा, उक्त विधिनयम को भारा २६०-१ की अनसरक मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---32—386 GI/85 मैसर्स कान्टीनेन्ट्ल बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्री व्ही० प्रभु किशोर,
 विजयवाडा।

(अन्तरक)

 दि डिविजनल मैतजर, युनाइटेड इण्डिया इन्सूयुरेन्स कं० लि०, विजयवाडा ।

(अन्सरिती)

को यह स्थन। जारी काइक प्वांक्त सम्पत्ति क अअन क लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के मंबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इत स्वा के रावपत्र में प्रकावन की तारीव वे 45 विन की अवधि ना तत्वात्रात्थी व्यक्तियों दर स्वा की तासीस वे 30 विन की ववधि, को सी ववधि नाव में सनावा हाती हो, के भीतर प्रविवा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस क्षान के समय में प्रकादन की बारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्किरणः - इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्को का, को उसक जीभीनवम, के बध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होक को उस सध्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

प्लैट, न० वि-19, शक्ती अपार्टमेन्ट्न, पाटामाटा, नियर साईवाबा, टेम्पल, विजयवाडा, विस्तीर्ण, 850 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1664/85, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगत मोहन यक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्ती (गिरीक्षण) अर्जनरोज, हैदराबाद

दिनांक 13-11-1985 मोहर: प्ररूप आहर्षं. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, रहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमाक 13 नवम्बर 1985

निदेशसं० आर० ए० सी० नं० 508/85-86--अत: मुझे एम० जगन मोहन

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसकर उपित बाजार मल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट हैं, जो शाती अवार्टमेन्ट्स, पाटामाटा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिपयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र मान प्रतिफल से एसे ब्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से इत्यत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (स) ऐसे ी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर शिशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कृं अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्धात--- मैसर्स कान्टीनेन्टल, बिल्डर्स, बाइ मैनेजिंग पार्टभर श्री व्ही० प्रभु िशोप, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 वि डिविजमल मैंनेजर, युनाइटेड इन्ध्युरेन्स कं० लि०, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान की संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्च्ना के रक्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााइध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकी।

स्यध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त हादों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० बि-5 शाती अपार्टमेन्ट्स, साइबाधा मंदिर के पास, विजयवाडा, बिस्तीर्ण 1050 चाँ० फुट, रजिस्ट्री-कृत बिलेख न० 1662/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बिजयवाडा ।

> एम० जगम मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयऊर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिना ह 13-11-1985 मोहर:

प्रकार कार्ड . दर्र . एक . एक . -----

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्थालय, सङ्घायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 509/85-86—अतः मुझे, एम० जगम मोहन

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'जकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के विधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है, जो रामंतापूर, श्रीनिवासापुर म में स्थित है (भौर इसने उपायक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि तारी के कार्यालय, रंगारेड्डी, जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रविकल, निम्निलिखत उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में स्वस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी बाध े बाबत, उक्त अधि-नियमुको अधीन कार दोने के बंदरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के लिए; बार/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों कां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

बचंः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण, जे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीगा निम्निकियिय व्यक्तियों, वर्धात :--- श्री आर० व्ही० रमनामूर्ता,
 13-119, रामनापूर,
 रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरक)

 श्री बाइ ब्ही० ब्ही० रमना मृती, घर नं० 13-30, रामंतापूर, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिसन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विच की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीध-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर नं० 13—119, विस्तीर्ण 452 चौ० गज, रामंतापूर, श्रीनिवासापुरम्, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1657/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराजाद

विनांक 13-11-1985

प्रकृप आई.डी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, हैदराबाद हैद्यशाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 510/85-86—अत: मुझें एम० जगत मोहन

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० भूमि है जो कुकटपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (भीर इसमें उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) . रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3/85

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अभ्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ती तौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

कतः अस, उक्त अभि असम की धारा 269-म के अनुसरण मों,, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मणिश्विक व्यक्तिकों, अभिन् :--- श्री ब्ही० सुन्दरशमन पिपा आइ० ब्ही० ब्ही० एल० नरसिम्हा राव, ग्रीर अन्य, मेहदीफ्टनम, अम्बागार्डन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दि डी० आई० एल० कैमीकत को-आपरेटिव हाउस सोसायटी लिमिटेड, बाइ प्रेसीडेंट श्री पी० के० देवकरण श्रीर मेन्नेटरी, श्री टी० बाबूराव, कुकटपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को वह ब्यना जारी करके पूर्वोक्त कर्णात के नर्जन के जिल् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त बपित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वितत ब्वारा;
- (का) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशम की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के प्रव सिसित में किए जा सकोंगे।

बर्जुची

बंजारा भूमि सर्वे नं० 201, 202, 204, श्रीर 205, क्रुकटपल्ली, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2338/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी, जिला।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांक 13-11-1985

माहर :

प्रक्रम मार् दी. एव. एव. -----

बायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारत प्रस्कार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाय 13 नव+बर, 1985 आर० ए० सी० न० 511/85—86——अन मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें प्रकार प्रविद्या निधिनियम कहा नवा है), की भाषा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उपित वापार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या घर है जो बिजली हील्स हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इगम उपाबद्ध अन्म्ची मे श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्री क्ता अधि हारी के कार्यालय हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्षियम, 1908 (1908 का 10) के अर्थान, रारीख मार्च, 3/85

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार बूल्य उसके स्थमान प्रतिफल को एस स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात न अधिक ह और अतरक (अतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीज एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया बतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कांस्त प्रसा है :----

- पुँकों जन्तरम ते हुई किती अस की अस्तत, तक्य जीभीनयम के अभीन धार योगे के जन्तरक से यायित्य में कभी कारने वा उससे अचन में सुविधा के सिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (195/ का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा से लिए;

क्यू: बर्ब, उक्त वीभीनयम की भारा 269-व के बनुसरण में, मैं उक्त विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे वभीन, निकासिविस कावित्यों, वर्षास् क्र--- श्री जगदीश सिंह
पिता एस० दिवन्दर सिंह.
गीता कैलेश,
न्यू दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री जी० रामना रेड्डी पिता नरसा लेड्डी, श्रौर अन्य श्रर न० 10-5-32/1, मानाद टैक, हैदराबाद-28।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांकत सम्परित के अर्धन के लिए कार्ब-वाहियां करता हु"ः

उन्त संपत्ति के वर्णन के सबभ में काड़ी भी आक्षान:--

- (क) इस सूचना के लाजात में प्रश्लाबन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा लाजांची जातिकारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भारा पूर्वोक्स स्वित्तयों में छ किसी स्वित्त क्यारा;
- (क) इस तृष्यना के राजपत्र म पत्रकार की वारोक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबष्ध
 किसी मन्य स्थावत द्वारा मधाहस्ताक्षर। के शक्ष
 लिखित में किए जा सकांग।

स्पष्किरण:----इसम प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 8-2-293/82/ए०1150 जूमिली हील्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 950 चौण गज, रजिस्ट्रीकृत बिसेख नं• 688/85, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी खैरनाबाद।

> एम० जगन मोहन, गक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जेप रेज, हैदराजाद

तारीखाः 13--11-1985

भाषकर जीविनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क/यलिय., सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनाय 15 नवम्बर, 1985

स० आए० ए० सी० त० 512/80-86 --अप मुझे, एम० जगा मोहत,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करन के कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उपित बाजार मूले 1,00,000/ कि से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्य फ्लैंट है जो जन्द्रा जपाटस हप, बजारा हीला, स्थित है (श्रीर इसर उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्री हर्ना अधि राजी के नार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री ५रण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख मार्च, 3/85

को प्रांक्त सपरित क उचित बाजार मृत्य से कम के आयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करन का कारण है कि अथापूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके श्व्यमान प्रतिफल से, एसे श्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अविश्व से आधिक है और अवरिक (अत्रक्त) और अतिरक्ति (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में अस्तांशक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क), अन्तरभू क धूधं । कसी बाय को वायस,, उपत भौभीनयम के अभीन कर योगं के अन्तरक के दायित्व मा कमी करन या उससे अचन मां सुविधा कालए, और या

श्रभ अत्र, उस्त अधिनियम की धारा 269 य के अनुसरभ भ में ज्वत अविनियम की धारा 269-घ की उपवास (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् --- 1 मैसर्स तम्पनष्ट यन्डामीनियन्त, 8~2-541/ए, रोड न० 7, बजारा होल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री सी० राधा कृष्ण दास, पाटामाष्टा, विजयवाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मं कार्ड भी आक्षप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थितयों में से किसी स्थित दुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल मों किए आ सकने।

स्पष्टिभिकरण ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 2, चन्द्राअपार्टमेष्टम, रोड न० 7, बाजरा होस्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1604 चौ फुष्टरजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1677/85, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख 13-11-1985 मोहर:

प्ररूप बाह्रे. टी. एम एस. ----

भायकर भाभानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरादाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नघम्बर, 1985 निदश संव आरव एव सीव 513/85-86:—अतः मुझे, एमव जगन मोहस,

नायकर ग्रांभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का भारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट है जो बंजारा हील्स हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), प्रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के जार्यालय खैरतायाद में भारतीय रजिस्ट्री जरण अधिसियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपन्ति के उपित बाजार स्लय में कम के दूरमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उपित बाजार म्ल्य, उसके दूरमान प्रतिकान में एमें दुष्यमान प्रतिकास का पन्दह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिकल निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण शिक्ति में सास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुड किसी लाग की नाधल, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे जचने मी सुविधा के लिए; जोर/वा
- (म) एसी किमी आय या विकास अन या व्या आस्तियों कर्ता, विकास अग्रमां ग्राथ-कर अग्रिमां स्था । 1922 (1922 का 11) या लब्द अग्रिमां स्था या याच्या । 1957 मा १४७ के प्रयाप-नार्थ कर्तिरही दूवारा अकट गही किया गया था या किया जाना वाहिए था । क्लियान मो स्विधा के सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ री उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अर्थात् ७—- श्री तीराताल वि खीमजी,
 डी: 10, विक्रम पुरी,
 सिकन्दरावाद।

(अन्तर्द)

 श्रीमती क्विता ए० वसुन्दरा श्रीर अन्य 3, 27-76, संजीवा अपार्टमेंद्रस, सिक्त्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक सम्पन्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वक्ष में काहि भी आक्रोप ----

- (क) इस स्पना के राजपण में प्रजाशन की नारोख सं 45 दिन की अर्थांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यवस्थ
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोता पात प्राप्त राजित में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंथे।

स्थलकिरण: ---इसमें प्रयाकत शब्दां सीर एदों का, को उक्ट विधिनियम के अध्याद १०-क में परिभाषित ही बही संधी होंगा को उस वस्ताय में दिया। सक्त प्र^थे

अन्स्ची

खुली जमीत, प्याट नं० 10, बी सर्वे नं० 153, बंजारा हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1171 चौ० गज, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 943/3, र्रावस्थोहती अधिकारी खैरताबाद

> एस० जगप मोहत, अक्षम प्राधिकारी यहायक पायकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13--11-1985

प्रकथ नार्वं . टी . एव . एत . -----

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सम्बद्धार

काशील म. लक्षकर शामकार काम्युक्त (निरीक्षण) अजैस रोज, हैदरासाय

हैदराबाद, दिनांक 13 मबम्बर, 1985 निदेश सं० आर०ए० सी० 514/85-86:—अतः मुर्झे, एम० जगन मोहभ,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधिन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/ रा से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संस्था भ्मि है जो अमीरपेष्ट धरम करन रोड, मे वर्णित है), प्रजिल्ली कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड अनुम्ची मेग्नीर पूर्ण रूप में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पाल के उपित बाजार मूल्य भे कह के क्यमान श्रीसफस के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान पतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक जंतरकों) और जंत-क्ति (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्विष्य से उक्त जंतरण जिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) लंतरक से हुई किसी आम की बाबत, उस्त अधि-नियम के जनीन कर दोने के अंतरक के व्यक्तिक में कभी करने वा उससे अपने में सुविधा के सिष्ट; और/का
- (च) कोनी किसी बाब या किसी धन वा अप्त कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आनकर विधिनिषय, 1922 (1922 का 11) या उपेत व्यक्तियाँ, वा धन-अप्तियम, वा धन-अप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिंदती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या धा या किया खाना बाह्य था, छिमाने में सुविधा के लिए;

बतः जब , उक्षा भीतियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उबन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैनमं रवृताथ राव एमोसियेट्स, 7-1-70. धरम करम रोड अमीर पेट, हैदराबाद-16।

(अन्यरक)

श्रीमती तिशला जैन
पति डब्स्यू के० जैन०
निवासी 55, एस० आर० नगर,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के विष् कार्यभाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील से 45 दिन की जिंकीचिया मत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्तिस ब्यारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिमित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना क्या हैं।

अमृत्यी

1/60, अब धीव्हायडेड ग्रीडल्ड लेण्ड, विस्तीर्ण 3076 चौ ग०ज, बिल्ट अप एरीया, ग्राउण्ड फ्लोर, विस्तीर्ण 1093 चौ० फुट 7-1-70, धरम करण रोड, अमीरपट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख गं० 1326/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> ाम० जगन मोहम मक्षम प्राधिकारी गडायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीका : 1`-11-1985

प्रथम बार्च हो , १५ , १६ , -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

इचीर कि हैटल्बाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं॰ फार॰ ए० सी॰ नं॰ 515/85-86:—कात मुझे, एम॰ जगम मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्याः) 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संरया भूमि है, जो इ.मीरपेट धरम करन रोड में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीर रजिल्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीचन (यनोंक

को पृबंधित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान बितिफल की लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे न्ह् विष्याम कारमें का कारण है कि यथापर्वोद्धत सम्परित का श्रीचन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान दितिफल का पंग्रह प्रतिदास में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) होर अन्तरित में अधिक है और अन्तरण के लिए इस पासा था प्रतिफल निम्नलिशत उददेश्य से उस्त अन्तरण निम्नलिशत इस्तरण से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की धावत, उत्तर अधिरियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आमकर अधिनियम, १०१३ (1922 का 11) या उदर अधिनियम, या लग्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया बाना बाहिए था स्थिपन से सुविधा है निष्

 मैंसर्स रवृताथ राव एसोसियेटस, 7-1-70, धरम करण रोड, प्रमीरपेट, हैदराबाद-16।

(घन्तरक)

 श्री एम० मुरली कृष्णा राजू पिता एम० श्राप० ाजू , 78/2 श्राप० टी०, संजीवा रेड्डी, नगर, हैदराबाद।

(प्रन्तिसी)

को यह सूचना जारी करके पृयोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुां।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अपिथ, जो भी सदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोफरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

धनुसूची

1/60 द्वनडीव्हायडेड गैड्वड भूमि दिरतीण 3076 ची॰ गज, घरन करण रोड, दमिल्पेट, हैदलबाद, रिवरहिकृत दिलेख नं० 1627/85, रिवरहिक्सी श्रीधकारी हैदलबाद।

> एम० जगन मोहम, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1985

मोहर:

कत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्निकिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

33-386GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कारतिय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदशवाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं॰ म्रार॰ ए॰ सी॰ नं॰ 516/84-85:--मत:मुझे, एम॰ जगन मोहन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

गौर जिनकी संख्या फ्लैट है जो भास्कर अयार्टमेंटस, सोमाजी गुडा, राजमवन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी, के कार्यालय, हैदराबाद में भारंगीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिचत बाजार मृत्य से कम के स्ट्रमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ट्रुयमान प्रतिफल से, ऐसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (भं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अधीत्:--- मैसर्स भानोदया बिल्डर्स, 2, प्लाट नं० 1218, रोड नं० 36, जूबिली हील्स, हैदराबास।

(ग्रन्सरकः)

1. श्री गणपति
पलैट नं० 23, भास्कर भ्रपाटंमेंटस,
सोमाजी गुडा,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सुची

पर्लंट नं०-23, भास्कर प्रपार्टमेंट, राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1434/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मो हन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदरा ब

तारीख: 13-11-1985

प्रकृष बाह्नी, टी. एन. एव., :-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० भार० ए० सी नं० 517/85-86:---भतःमुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्हों, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंट है जो भास्कर ग्रनार्टमेंटस, सोमाओ गुडा, राजमबन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन, मार्च, 1985

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत को निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि दश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गथा प्रतिकृत, निम्निनिष्ठित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावले, खबल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी या किसी थन या अन्य आस्तिवी को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या द । अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्त वाहिए था, छिपाने में सृतिभा से विषष्टः

मतः अव. उत्तर स्पिनियम की धारा 269-न के अनुसरण की, में, उक्त अधि व्ययम की नारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, मर्थात्:---

 मैसर्स भानोदया बिल्डर्स-2, प्लाट नं० 1218, रोड नं० 37, जूबिली हील्स, हैदराबाद।

(पन्तरक)

 श्रीमती रामा गोपाल कृष्णन, प्लैट नं० 21, भास्कर श्र्यार्टमेंटस, सर्वे० नं० 4-5, राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैवराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्स सम्परित के अर्जन के किए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स र 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामी में से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंडिं में किये जर सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैंट नं॰ 21, भास्कर भगार्टमेंटस, राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1433/85, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1985

प्ररूप सार्धाः ती एनः गुसः -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्रम, सहामक मामकार जातृकतः (नियाक्रक) प्रार्जन रेंज, हैदराजाद

हैवराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 518/85-86:—सतःमुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सूस्थ 1,00,000/- रु. से जिभिक है

भीर जिनकी संखा पर्नेट है जो भास्कर अनार्टमेंटस, सोमाजी गुडा, राजमवन स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध प्रभूमूची भीर पूर्ण कर वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिवारी के भायीन में, हैररावाद में भारतीन राजस्त्रीकर्ता अधिवान में, 1985 को पूर्वा के संपित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का नारण है कि यथापूर्ण कर संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का नारण है कि यथापूर्ण कर संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमे दश्यमान प्रतिफल का पत्रह असिकत से अधिक है और यह कि असरक (अंतरकों) और अंतरिती किसी (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्वस्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवत इस से किया नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए भा कियाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, उक्तं कथिनियमं की भारा 269-ण के जन्मरण बैं, मैं, उक्तं कभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) बैं बभीन, निम्नसिणित व्यक्तियों, अर्थात :— मैसर्त भानोदमा बिल्डसं-2
प्लाट नं० 1218, रोड नं० 36,
जूबिली हील्स,
हैवराबाद।

(मन्तरक)

कुमारी के॰ रमा
कैयर श्राफ के॰ हानुमन्तराव,
बि॰ ए॰ बि॰ एल, राम नगर,
श्रवस्तपुरा।

(प्रक्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ें भी बाक्रोप उ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताथील से 30 दिन की अविभ, को और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

मन्त्रची

पत्तैट नं० 11; प्रयम तल, भारकर प्रपार्टमेंटस, राम राजनान रोड, सोनाजीगुडा, हैदराबाद राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1432/85, राजिस्ट्रीका ग्रिजिक्टरी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, समन प्रधिकारी सहायक भागकर ग्रामुक्त (निरोज्ञण) श्रमन रोंज, हैक्साबाद ।

तारीज: 13-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनक्षेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां र 13 नवम्बर, 1905

सं० फ्रार० ए०सी० नं० 519/04-85:--- प्रत मुझी, एम० ध्यान मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्ही संख्या पत्रैट है जो सोताजी गुड़ा राज्यवन स्थित है (श्रीर दारी एफाबढ़ श्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप से दिणत है), प्रतिद्धाली श्रीव कि के क्षावाय, हैदराबाद में भारतीय एकिस्ट्री एण श्रीविद्यम 1908 (1908 का 16) के श्रवीत तारीख मार्च, 1905

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित को गई हो और मुक्षे यह विद्वास करों का कारण हो कि सभापूर्विक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ब्ल्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के सिए;

सक्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दे अधीय, निम्निविद्यत स्थानकर्ते, सर्थात र— मैं तर्स भागे दिया बिल्डर्स-2, प्याट नं० 1218, रोड नं० 36, जूबिनी हीलड़, हैराबाद।

(अग्डरह)

2. श्री एम० के० एउ० मुजी 1-8-700/21, नहना कुँटा, हैदरायाव।

(भ्रतिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांक्सयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्नैट नं० 32, तीसराम जना, सर्वे०नं० 425, राज भवन, रोड, सोनाजीगुडा, हैदराबाद रश्तिद्रीकृत विलेख नं० 1435/85, रशिस्टीक्ती ग्रीधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्रश्लिकारी सहायक आयहर आयुष्ट (निरीक्षण) सर्जन रेंज, **हैदराबाद**

सारी**ख** : 13--11--1985

प्ररूप बाइ ुटी, एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनां र 13 नवम्बर, 1985 संव श्रारव एव सीव नंव 520/85-86:—-श्रत मुझे, एमव जान मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वोस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पतौट है जो बाता समुद्रम हानमको पाडा विलेश, स्थित है (श्रीर इस्ते उपाबद्ध अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिल्झिंडनी अधि गरी के पार्यालय, बरोज में भारती। रिल्झिंडिंग श्रीधिनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीत, तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच, एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृदिधा के सिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिथा के लिए?

अतः अयः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मैं, भैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) मैं अधीन,, निम्निसिखतं व्यक्तियां, सर्थात् हु— श्री के० तक्ष्ती नर्धी महा रेल्डडी पिता बेंबट नर्सिस्हा रेड्डी,
 3-4-12, काथूर हानमाकोंडा,
 मरंगल।

(प्रस्तरः)

 श्री कोंडा सत्यनारायण पिता लिगस्या स्द्राराम, विलेग, माहादेव पुर तालुक, जिला करीसनगर।

(अस्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त इन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशायित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

पनाट विप्तार्ग 666/66 चो० पन वात अमुद्र हात्मकोंका विले (, जिला बरंगल, रिजस्ट्रोकृत धिलेख नं० 437/85, रिजस्टी क्रोधितारी बरंगल।

> एम० जगन मोहन, सक्षम ग्रधि हारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज, हैवराबाव

तारीख: 13-11-1985

योहर:

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयष्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1985 सं० भ्रार० ए० सी० नं० 521/85-86--भ्रतः मुझै, एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन संदित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लेट हैं जो रेड हीता, हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इस्ते उराबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हम से विणत है), रिस्ट्री क्षीध परी के समित्र, खैरनाबाद में भारतीय रिस्ट्री एण अधिनियम, 1908 (1908 से 16) के शर्धान, तारीख मार्च, 1985।

को प्रबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिकल के लिए अन्दरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त विक रूप से किशत मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिशा के लिए:

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— मैरसे भावभार एक्स्ट्रक्शन को० बाई० श्री कनवरी लाज अगरवाल, रेड हील्स, हैदर्सीद।

(भन्तरः)

2. श्री के० के० पिलाई पिता सी० के० पिलाई, और धन्य विन्दावन भगटेंमेंटस, हैदराबद।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

फ्लैट नं० 415, एम० सी० एघ० नं० 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1181 ची गत्र, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 729/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी खैराताबाद :

> एम० जगत मोहन, सक्षम श्रीय हारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोंज, हैदराबाद

सारीख: 13-11-1985

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नयम्बर, 1985 सं• धार० ए० सी॰ नं• 522/85~86:--धत मुसे, एम• जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रास्त के अधिक हैं

मीर िराकी संख्या पर्लंट है जो सहसाबाद, हैदराबाद मैं स्थित है (प्रीर इंट उपाबद शत्रुची में प्रीर पूर्ण रूप दे बिणात है), सीर्स्ट्रीयती अधि तो से सामानित, हैदराबाद में भारतीय सीर्स्ट्री एण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीत, तारीख मार्च, 1905

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——[

- (क) मन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत उक्त शिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चप्रहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अधीन क्रिक्त

 श्री अध्वत मन्युरी पिता मोहम्बद सर्वान, ए-8, सङ्फाबाद, हैदराबाद।

(भ्रन्तरः)

 श्री पी साम्बशिषराव पिता हतमध्या ए-8, र'इफाबाद, हैवराबाद।

(प्रस्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होशी हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरणः - इसमें प्रय्कत कड़दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ नैट नं ० ए-७, सहकाबाद, हैरराबाद विस्तीर्ग 1122 ची फुट रिज्यूने हुत विलेख नं ० 1601/85 रिज्यूने उत्ती दक्षिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, स्थम अधि हारी सहाय रु श्राय रुर श्रापुन (निरीक्षण) सर्जन रॉज, **हैदरागद**

तारीव: 13-11-1985

हरूय नार्च .टी **एवं .एक् .---**---

भावकर बार्थानम्न, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के बभीन स्वना

कार्यासम, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

ग्रार्नन **रे**ज, **हैदराबा**इ

हैदराबाद, दिताक 13 नवम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 523/85-86-ग्रन: मुझे एम० जगन मोहन

भागकर गिर्धितमम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें मुमके पश्चात उकत जिथितमम् अद्धा गमा ही, की वाच 269-६ जे ज्यीन सक्षान गाधिनारी का यह विववास कारने का अरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- ए. में अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि है, जो अम्यादाबाद विलेज राजेन्द्रनगर तालुक में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिल्ट्री जी श्रिधारों के शर्यात्रय रगारेडेडी बाता में भारतीय रिअस्ट्री रण श्रिधितियम 1908 (1908 ज 16) के श्रिधीत मार्च 1985

हां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्रथमान गितफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने अरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत बाजिस है और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त बंतरण लिखित में सितिक रूप से कारिशत कर्ष से सिथित क्षे

- (क) बच्चरण संहूह किसी बाव की शब्द, तक्त नांधनियम के बचीन कर वाने के शब्दरक के शब्दिय में कमी करने वा उन्नस क्वने में मुविधा थे। स्ए, बहि/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ भी, जिन्हों भारतीय टाय-कर ऑप्रिन्यम, 1922 1922 का 11) या उजका अधिनियम, या ग्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अनीत जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रोमती नीना देसाई पति श्री प्रफुल देसाई, ग्रादर्शनगरं, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स महाबीर क्रीषी णद्रा श्रसोतिएमन श्राफ परम्मन, बाह श्री विरजी संघी, फायत सुल्तान लेन, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु- ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इत नृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृष्या की तामील से 30 दिन की अविश्व को भी समित या मंगाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में संक्रिसी स्थितत द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हिंतबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णग्न सिवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त आयकः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

विस्तीर्ण 4.85 एकड, भूमि शम्मीबाद विलेख, राजेद्र-नगर तालुक, रंगारेड्डी जिला सर्वे नं० 111/9-14, और 124, रजिम्रीकृत विलेख नं० 1891/85 रजिम्ट्रीटर्ना श्रधि-कारी रंगारेड्डी जिला

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रिधि ारी महायक ग्रयरकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

नारीख: 13-11-1985

मोहर:

34-386GI/85

प्रकृष बार्ष द<u>ी.</u> एव_{.0} पुरा_{ल संस्थ}

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बभीन सुमना

पारत हाउना

कार्यालय, सहायक नायकार लावुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 नवम्बर 1985

निदेण सं० ग्रार० ये० सी० नं० 524/85-86→-ग्रत: मुझे एम० जगन मोहन

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्लो इसमें इसके पहलाए 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पित्रवास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 7.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो आरूण अपार्टमेन्टस, रेड हिल्स में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

करें पर्योक्त सम्मति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करन का कारण है कि प्रभापनोंकत सम्मति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एमें क्यमान प्रतिफल का ग्रेह प्रतिक्षत सं विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्त में उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किया नया है क्रिक

- (क) नन्तरण वं हुई फिली बाय की बावता, उक्त निधनियम के नधीन कर दोने के नन्तरक के बायित्थ में कमी करने या दबसे ब्यने में सुनिधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या बन्य बास्तियां को, बिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था था किया बाना चाहिए था कियाने में स्विभा के नित्र

बतः अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के क्रमस्त्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैससं सनराइन जिल्डसं, 11-5-348. रेड हिल्स, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० पी० राव और श्रीमती नागमनी घर न्० 16-2-90/ए, श्रक्षर बाग है्दराबाद-38] (ग्रन्तरिती)

को मह स्वाता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किश कार्मकान्त्रिया शारा करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्कन की सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षोप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो अक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया वृदा हैं ॥

मनुसूची

पलैट नं ० 201. ग्रारुण ग्रवार्टमेन्टम, रेड हिल्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकत विलेख नं ० 1606/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज' **हि**दराबाद

नारीख: 13-11-1985

इक्ट कार्ड . टी . एव . एवं .,स्तान्त्रनात्रका

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 भा 43) मी भारत 269-म (1) के अधीन सुपना

भारत तरकार

कार्थांसय, बह्नयच जायकर शायुक्त (विरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाध

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 525/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बावकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इवकें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार म्ह्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिमकी मं प्रलैट नं हैं, जो श्राष्ण श्रवार्टमेंटस रेड हिल्स में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पुर्ण क्य से विधित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिधारी के वार्यात्य हैंदराबा में भारतीय रिजस्टीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीवीन मार्च 1985

को पूर्नोजित सम्मिरित को उपित बाबार मून्य सं कम के ब्रह्ममान प्रतिफन के लिए अन्तरित की महं है और मृत्रों यह विक्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोजित सम्मिरित का स्विध्य साजार शृत्य, उसके क्रममान प्रतिकास सं, एसे व्यवसून प्रतिकास का पेड़ प्रतिकात ते अभिक है और नदरक (बंदरकों) बोर बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाना मना प्रतिकास, निम्मितियात समुद्दिय से उच्या बंदरण विविध्य में वास्तिका क्या से बाधित मही किया गया है कि

- (क) अन्तरण संशुर्ध किसी नाम की वायस्य, उपल स्थितियस के वशीत कहा दोने के वन्तप्रक के शामित्व में कमी करने या उससे बज़ने में बृतियाः के लिए; बॉए/शा
- (४) एसी कि र्ल ताय वा कि सी घन या बन्य वास्तियों की, जिन्हें पारतीय वायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयस, वा धव-कर विधिनयस, वा धव-कर विधिनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बडा था विका बाना चाहिए था, क्रियान में वृश्विधा के विका

नतः नन, यस्त विधित्यम् को भारत 269-न के अनुकरण वो, तो, उस्त कीशीनवन की भारत 269-म की उपभारा (1) के वधीन,, निम्मिनियस्य म्योनसम्बद्धाः स्थापित क्रम्म (1) मैंसर्स लनराइन बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्स, हैदराबाध

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० कृष्ण, 1-7-145/2, श्रीनिश्वासा नगर, हैदराबाद

(मन्तरिती)

का यह सूचना चारी कारके पूजीनत सम्पत्ति के जवन के सिक् कार्यवाहिया करता हूं।

क बंद संदत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाशंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन की जबकि या तत्सवधी व्यक्तियों पर बुचना की तामीस से 30 दिन की सविधि, थो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-त्रव्य किसी सन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सक्तीये।

स्वक्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदों का, जो उक्त स्विभिनयम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में विक। क्या हैं।

समुख्य

पलैट म्रारुण म्रपार्टमेंटस, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 109.03 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1570/85 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोंज, **हैदराबा**द

तारीख: 13-11-1985

क्षम आहें ही एन एक .-----

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

शारत जरका

कार्याजन, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रा६० ये० सी० न० 526/85-86-यत: मुझे एम० जगन मोहन

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,08,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो प्राप्तण अपार्टमेंटस, रेड हिल्स स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रीकर्ती प्रधिकारी के वार्यालय हैदराबार में भारतीय रिजन्द्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित क्वार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाउर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्दरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निकालिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक स्प से कार्या नवा है अ

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक क दावित्य में क्रमी करने वा चत्रते वचने में तृतिथा से निष्ठ; सरि/वा
- (क) एरेरी किसी बाय या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम 27) अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के श्रीकास के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सुमति प्र—

(1) नैसर्स ननराइव बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्स, हैदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० रहीम परचरन, 5-7-220 जागापुरा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप हरू

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु विभी होगा को उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 503 श्रामण श्रपार्टमेंटस, रेड हिल्म; हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1605/85 रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1985

प्ररूप नार्षः टी.; एवः एषः -----

शामकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2,69-म (1) वे सभीन स्थान

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (हैंगरींक्रक)

प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1935

निर्देश मं० श्रार० ये० स० नं० 527/85-86-श्रतः मुमे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रश्नात उचन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिल्ली सं० पलैट है, जो आहण श्रपार्टमेंटम, रेड हिल्स में स्थित है (और इस्स उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रा इर्ता आंध्रपारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण आंधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करन का अन्य हा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसल त्र्यमान प्रतिफल स. एस दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्त से अधिक है बार सतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अतारितिमा) क बाज एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, गुनम्निविधित उन्हें स्था वस है ६—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग को बाबत, उक्स बांधिनियम के बधीन केत्र योगे के बन्तरक के बांबिरण में कनी कड़ने वा उबड़े बज़ने में सूर्विधा के विद्यु; बांड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्सियों की एजन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा के विका

बतः सव, उक्त जीधीनवय, की भाग 269-थ के अनुस्तरण में में, उक्त अधिनियम की धारा (69-च की उक्तम्बर्ग (1) व्यं स्थीन, निस्तिसितित व्यक्तियों, जर्भात् क्षान (1) भैसमं रानपाइज बिल्डर्स, 11-5त348, रेख हिल्स, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० बो० जो० तोलक, फ्लैंट नं० 610, ग्राहण ग्रपार्टमेंटस, घर नं० 11-5-348, रेड हिल्स, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पतित क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरूप 🧸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट क्यों क्त्र यो के से किसी व्यक्ति दशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मञ्चात्ति मां हित्रहरूः किया बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के धाम विकास में किए का सकीने ।

स्वक्यों करण: ---- इसमें प्रपृक्त सम्बों और पर्वों का, जो उक्क अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिशा व्याहै।

प्रनुसुनी

फ्लैट न० 610, म्रारुण भ्रमार्टमेटस, रेड हिस्स, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1937/85 रिजस्ट्रीकृती मधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रीध हारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराचाद

तारीख: 13-11-1985

प्रात्म्य ब्राह्म, टी. एम. एक , क्रान्यान्यान

बारकार वरिश्ववियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थान

मार्त सरकार

कार्यासव, बहायक वायुक्त (निरक्षिण)

शर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 13 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अगर० ये० सी० नं० 528/85-86- श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर किंग्नियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके परभात् 'उन्स अभिनेत्रम' कहा नवा ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकत्यी को यह विश्वास करने का अवस्थ हो कि स्थाप सम्पत्ति, जिसका होजात बाजार मुल्क 1.00,000/-स से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेंट है, जो श्रारण श्रपार्टमेंटस रेज हिन्स स्थित है (श्रीर इन्से उपाबड़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाकार मूक्य से कम के वश्ववान अधिकाल के सिए अंसीचा की महं है और मूक्ते वह निश्वतस करने तथ कारण है कि सभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उद्देशित बाजार भूक्य, उसके उद्योग प्रतिकत्त् से, एसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्नह प्रतिकास संगीधिक ही और अंसरिक (अंबरकाँ) और अंबरिसी (जन्तिसित्याँ) के सीच एसे अन्तरण के लिए तथ क्षेत्र गया प्रतिकास, भिम्मिनीया जुड़ारिय के स्वास अव्यास किरिया में वास्तियक रूप से कीचन नहीं विकास सुधा है क्षेत्र

- (क) वंदरण वं दुर्घ किन्द्रि अस्य की दासका_{र्थ} अस्य वृद्धित्वत्व के स्थीत कार योगे को वंद्धक के शामरूप मा कमी कारने या उद्यसंभयने में सूर्यिभा के जिए; वृद्धिया
- (क) एती किसी बाय या किसी भूग वा बन्य आक्रियों का, जिन्हों भारतीय नायक प्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1757 का 27) वे प्रवाजनार्थ अंतरियम, विचार प्रकट कही किया गया था का किया काना जाहिए था, किया में बृविधा के विद्या

जवः वन, उस्त वरिधनियम की धारा 269-ग के ब्रह्मरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) औं ब्रधीन: निम्नसिक्टि व्यक्तिकों, क्योत् ३── (1) मैं उसं सनराइन बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्स, हैदराबाद

(ग्रन्सरकः)

(2) श्रीमती टी॰ राधा महालक्ष्मी फ्लैंट नं॰ 209, श्रारुण श्रपार्टमेंटम, रेड हिल्स, हैंदराबाद (श्रन्तरिती)

का बह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

डक्त सम्पत्ति को सर्चन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थि से 45 दिन की जबधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबधि, को भी अविध को समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किजनी स्वित्त क्यारा;
- (व) इंस कृष्णा के द्रावयत में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अनोहस्साकारी के पाप सिवित में विशेषा सकति।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा शोर पदों का, जा उक्त श्रीभीनयम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ द्वीगा, जा उस अध्याय में दिया वृदा है।

अमुभुषी

फ्लैंट नं० 209, ब्राग्ण ब्रपार्टमेंटस, रेड हिल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1400/85 रेजिस्ट्रीकर्सा ब्रिधिकारी हैदराबाद

> एम॰ जगन मोहन सक्षम ऋधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, हैदराबाय

तारीय : 13-11-1985

माहर:

भवन कर्मा, टींगु प्रमुख प्रमुख साम करूत

भागमर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग सहार 269-म (1) के मधीन सुचना

BING TARES

कार्यासम्बद्धः स्थानकारः साम्युक्तः (निर्यक्षण) प्रजीन रोज, हैदराबाद हैदराबादः दिनार 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 528/85-86~-ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवास् 'जनस जिथिकान' कहा क्या हैं), को भारा 269-च के जभीन सक्तम प्रशिकारी को, यह विकास करने का कारज हैं कि स्कायर सम्बद्धि, जिसका अवित वासार मूस्य 1,00,000/- फ. से शिभिक हैं

श्रीर जिनकी सं० पलैट है, जो अरुण अपार्टमेंटस रेड हिल्म, स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद अनुभुची में श्रीर पुर्ण रूप से विणित रजिस्ट्री तर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदर(बाद में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत मार्च 1985

को वृद्धेंक्त तक्षिक्ष के डॉब्ब्त बाबार मृख्य से मन के दश्यमान प्रसिक्तल के लिख अंतरित की गई है और मुक्ते कह विश्वास करणे का कार्य है है और मुक्ते कह विश्वास करणे का कार्य है है और अपने क्ष्यमान प्रतिपक्ष से, होने क्ष्यमान प्रतिपक्ष से, होने क्ष्यमान प्रतिपक्ष से, होने क्ष्यमान प्रतिपक्ष से क्ष्य प्रतिपक्ष से क्ष्य है है और अपने के अपने के लिए तम पामा मक्ष प्रतिपक्ष, जिल्लीकित के बीच होने अपने के लिए तम पामा मक्ष प्रतिपक्ष, जिल्लीकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्षियत नहीं किया गया है है—

- (क) नक्तरण से हुई किसी भाव की वासत, उक्त निधिनिक्स के लधीन अर दोने के जन्तरक के दायित्य में अभी अपने ना उससे बचने में स्विभा के निए और/वा
- (स) एसी कियो कान या किसी धन मा नत्य जास्तियों को, जिन्हों नारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा कियाने में ज्विधा से सिह:

अत अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभास (1) के अधीम, फिल्लिक्स व्यक्तियों, अधीस् :--- (1) मैजमं जनराइच बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरकः)

(2) जी० के० प्रासाद राव, रामचन्द्ररम, इस्ट गोदावरी, जिला

(भ्रन्तरिती)

का बहु स्थान शारी करकं पूर्वोक्त सपत्ति क जर्जन के निव्य कार्यवाहिना कुरू करका हुं।

जनत सम्बुरिस् के नर्जन के संबंध में कोई भी भारतेय है—

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तस्रीय सं 45 दिन की जबीध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तिसमें पर सूचना की तामीन से 30 दिन की धर्मीन, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हुने, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थाप,
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सादीश से 45 विम को शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिछ। बदुव किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथांहस्ताश्रशी को पास सिविक्त में किए वा सकों में।

स्वयाध्यासम्बद्धाः प्रश्नुमस् शब्दाः स्वरं का, जां उक्त श्रीधीनवयं के वश्वाव 20-क में दरिभावित हैं, वहीं वर्ष होता, जां उस स्थावयं में विधा वया हैं।

भन्स्यी

फ्लैंट नं० 403, श्ररुण श्रपार्टमेंटस, घर नं० 1-1-5-348 रेष्ठ हिल्प, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1571/85 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद

> ्म० जगन मोहन सक्षम प्रशिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रोज, हैदराबाद

नारीख: 13-11-1985

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जामूक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराकाच, दिनांव 13 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 530/85-86-श्रसः मुझे, एम० जगन मोहन

कायक प्रशिविषय 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिविषय' कहा गया है), की जारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संव फ्लैट है, जो आरुण स्रपार्टमेंटस, रेड हिल्ल स्थित है (प्रीर इपमे जपाबत सनुमुची में और पुर्ण रूप संविधित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, हैदराबाद से भारतीय रिजस्ट्रीजरण पिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) क अधीन मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृभ्ये यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पति का उचित बाजार पूज्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एते व्ययमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिशिकत उच्चेष्य से उसते अन्तरण निश्विक से अध्याप्ति क्या पाया प्रतिक से अध्याप्ति का विश्विक की कार्या कार्या

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बास्त, उकत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उधते वचने में बूबिभा के विद्धः और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्त् वास्तिकों भो जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का :1) या उक्त अधिनियम, पा अभ-कर अधिनियम, पा अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियों अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना का किया जाना का हिए था, कियान में मृतिभा के लिए;

अत[्] अस्त, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण मं, मैं, उपत अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्म रागर इस, जिल्डा, 11-5-343, रेड हिल्स, हैसराकाद।

(अन्तरः)

(2) श्रीमती बाह शारदा, 6-3-596/72, त्रीवितनगर, हैदराबद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिध, यो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे ।

स्यब्दांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लैट नं० 404, आरुण श्रप.र्टमैंटम, घर नं० 11-5-348, रे 35?, रेड हिल्म हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विषेख नं० 1372/-85, रजिस्ट्रीकर्ती श्रिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन नशम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, हैंदरादबाद

नारी**ख**: 13-11-1985

प्रकप् बार्ड : द्वी : एव : एस : ॰ - ॰ -

बायकर परिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्थना

भारत सरकार

कार्बासय. सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनां 🔭 नवम्बर 1985

निर्देण सं० श्रार० ये० मो० नं० 531/85-86-श्रनः मझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 769-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट है, जो प्राघण ग्रपार्टमेंटस, रेड हिल्स में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रन्मुचा में ग्रोर पुर्ण रूप स विणत है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रंधिकारी के प्रायन्त्रिय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के प्रयीन मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्यों में उक्त अन्तरण निलित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है '--

- (क्क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरनितिष्कृत स्प्रिक्तिलें, अर्थात् ——
35—386 GI/85

(1) भैर्स सनराहक बिल्प्स, 1-1-5-348, ेड हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरः)

(2) श्री के ० ५ म० नागे द्रा, फ्लैट नं० 504, ग्राम्ण श्रपार्टमेटम, 11-5-318, रेड हिल्स, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना का तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा,
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र म प्राध्यन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट न० 705, ब्राक्ण ब्रपार्टमेंटस, घरन० 11-5-348, रेड हिल्प, हैदराबाद, रजिस्ट्राइन विलेख नं० 1573/85, रजिस्ट्राजन ब्रिधारी, हैदराबाद

्रम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तानीय 13-11-1985 मो**ह**र : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नयम्बर 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 532 85-86-श्रन: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका गं० घर है, जो भोम जरगृष्ठा हैदराबाद में स्थित (और इसमें जपाबक श्रनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), "जिस्ट्रां, नि ग्रिधनार, के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रशरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 की 16) के ग्रिधीन मार्च 1985

फरें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफन, निमानियित खुटाँच्य में उच्चा उत्तरण किलान में वास्तियक रूप से कथित नहीं विद्या गया है क्षान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया जाना चाहिए था, किया में मुरिया के लिए।

(1) श्रीमत क्रीयब उदझाना, घर ने० 10-3-304/2, हमायुनगर, हैदराकाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री थी० रामचन्दर रेड्धी, 1-48, राघदप^ल र निद्यामाथाद जिला

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर एम० नं० 6-3-1(19/1), सोम रागूडा, भोतसाय मनत , हैदराबाद, किस्तार्ण 174 चौ० मी० रिजर्स्ट्रा हर विलेख नं० 1425/85, राजस्ट्री जर्ता स्राधकारी हैदर बाद

एस० जगन मोहत महास प्राधि ारी महासक भ्रासकर अध्युपन (गिरीक्षण) स्राप्ति सेंग, हैदराबाद

अप अब्दे अभिनियम की धारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्शिंक व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख: 15-1-1985

प्रकल नाइ .टी.एन.एस. ------

बायकर क्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1985

निर्देश स० श्रारण्सी/श्राडण्सी/क्रीव/37इइ/238/85/86 यतः मझे, २म० जगन मेहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस्की स० फ्लैट है, जो ए० सी० बाई सं० हैदरादबाद में स्थित है (श्रौर इम्मे उपावः अनुसूची में श्रौर पुर्ण एप मे विणित है), र्राजस्ट्रोकार्ता श्रीधनारी के जार्यात्म श्रीइएसी अविव० हैदराबाद में भारतीय र्राजस्ट्रवरण अधिनियम, 1908 (1908 T 16) के श्रधीन दिसम्बर 1984

फी पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन की कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरिक (अंतरितियों) के भीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित महों किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्हारा प्रवाद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भेपर्स रूबा राज् बिल्डर्स, 10-2-6, ए० सी०, गाइंस, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जल व्ही नागेस्वर राव पिता सुम्बय्या मैनेजर इडियन बैक, कावतीन नगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सरसंबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

फ्लैंट नं० घर नं० 10-2-6, ए० सी० गाईस, हैदराबाद, विस्तीर्ण 7480 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 945/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएसी अविक, रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायः प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10-85

मुख्य बाह्यं हो । एन । एस ,-----

मायकर महैंपनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) में मधीन सूचमा

मारत बहुकाई

कार्यातक, सहायक जायकर जायकत (निर्केशिक) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

निर्देण सं० अःरएसी/आइएसी/अन्वि/37इइ/237/85-86 - अतः मझे, एम० जगन मोहन,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैट है, जो ए० सी० श्रार्श मं० हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्न रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हार्यालय श्राहिएसी अवि० हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रजरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) मैसर्स भद्रा राजू बिल्डर्स, 10-2-6, ए० मी० गार्ड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती यू० कुसुमकुमारी पति यू० एम० राज्, 61, भोतीनगर हैदराबाद-28 (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति , के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना को तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, घरमं० 10-2-6, ए० सी० गाइस हैदराबाद, विस्तीर्ण 7480 चौ० फुट र्राजस्ट्रीशत विलेख नं० 944/84; र्राजस्ट्रीशती अधिकारी अद्वर्शन अस्ति, रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन नक्षम प्रांधिकारी यहायक स्रायकरस्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज, हैवराबाद

नारीषः: 17-10-85

शुक्क बाह्र . टर एस एस

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

THE STREET

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाब: 17 श्रक्तूबर 1985 निर्देण म० आरण्मी/अहण्मी/अक्त्रि/37इइ/236/85-86 यन: मुझे, एम० चगन मोहन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृत्ये 1,00,000/- रा. में अधिक ही

और जिपकी स० फ्लैट हैं, जो सतसूराबाद विलेग, हायात गर तालुम स्थित है (और इसने उपायद अनुसूची से और पूर्णम्प से वर्णि। हैं), पिस्ट्रीएर्ता अधिकारी के अधित्यम, प्राइएसी अक्षित हैंदराबाद से भारतीय रिजस्ट्र एरण पश्चितियम, 1908 (1908 रा 16) के अधी। दिशस्वर 1984

को पूर्वों वस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयं प्रविक्त कि पूर्व हैं और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वों के सम्पत्ति को उचित बाजार बूट्य उसके स्वयं मान प्रतिकाल को भी स्वयं मान प्रतिकाल को पन्न प्रतिकाल को पन्न प्रतिकाल को पन्न प्रतिकाल से अधिक हैं और कि (अन्तरकों) और अन्त-रित्ती (अन्तरित्या) क बाज एस अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकाल निम्न जिस्ति उद्द स्थ में अस्त बन्तरण सिचित में बास्तियक स्थ से की साम वहा है किया गया है

- शिक्त एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

णतः जय, उत्तर जिथिनियर े धारा २: के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .-- (1) मैं समं इस्टेट, फगह बाड श्री एस० शैहाबुद्दीन, 16-4-355, चचलगृष्टा, हैदराबाद

(श्रन्तरक)

(2) कुमारी मंासाय तक्षमी पिताश्री लक्ष्मीनारासणा, 16-9-771, मलकपंट, हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के १ साथ कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण ---

- (क) इस स्थमा के राज्यपत्र में प्रकाशन की ठारीस से 45 विन की संविध यह तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की सविध, को भी वविध माद में समाद्य क्षीती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िशी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उचत स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वास ख्याहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए था सकाँकी

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा नवा है।

उनुसूची

्लाट न० 46/1, मनसूराबाद विलेज, हायाननगर तालु4, हैदराबाद, रिज्स्ट्री3त विलेख न० 943/84, रिजस्ट्री3ति ग्रिधि-कारी ग्राइएसी श्रक्ति, रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 17-10-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जाररेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 17 प्रक्तूबर, 1985 निर्पेश संव प्रारण्सी/प्रक्ति/प्राण्सी/37इइ/233/85-86 ---यन: मुझे एमव जगन माहन,

बायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हुँ);, की धारां 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट हैं, जो मिनाबयार रोड, सिकन्दराबाध में स्थित हैं (और इमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय आइएसी अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाखार मूल्य से कम के बह्मजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कम्बार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान ऋतिकत के वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मगा प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेश्य से उक्त अंतरण विविद्त में शास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तर्भ वे हुई किन्दी भाग की बान्छ_{। व}क्का वीपनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी। करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी अनव वा किसी भन या जन्म बास्थियों को, चिन्हों मारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया थाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा सुविधा के किया थाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा सुविधा के किया

वितः वदः, उपत विविधन की धारा 269-न की वनुकरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैंसर्म सतगुरू बिल्डर्स, 5-9-30/21 से 30 ए०, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तर्ह)

(2) श्री तिता मोहनदास बतीजा, नं० 16, श्रीगा श्रपार्टमेंटम, एम० डी० रोड, मिकन्दरावाद । (श्रन्तरिती)

को यह स्थान वारी कारके पूर्वीवत तब्यरित के वर्षन से विष् कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

उन्त रूपित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की टामीन से 30 दिन की सर्वाध, को भी सर्वाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकते।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुवत खन्दों आरि पदों का खो उक्स विभिनियम को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, खो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 205, दूसरा मंजला, घर नं० 1-8-191 से 200ए०, मसीबयार रोड, निरुद्धराबाद जिस्ट्रीह । विलेख नं० 932/84, रजिस्ट्री इर्ता श्रिध कारी निरीक्षण आयक्षर श्रायुक्त अर्जन रेंग, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि≇ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10-1985

ARM ALL, 'Zo rid 'CA ' -----

भाषकार करियानिहम, 1961 (1961 का 43) की बाता 269-घ (1) के अधीन सुचना

शारत धरकार

कायसिथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्क रंगेंड, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

निर्देण स० आरएमी/श्राइएसी/प्रिक्वि/37इइ/232/85-86 -- यत: मुझे, एस० जगन मोहन,

कायटार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 है के अधिन क्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका स्वित बाजार मुख्य

1,00,000/- रह. में अधिक **ह**ै

और जिस्की मं० फ्लैंट हैं, जो अमृत श्रपार्टशेंटस हैंदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबंद अनुसूची में और पूर्णम्प में बर्णित है), रिश्स्ट्रीरती अधि ारी के सायित्य आइएसी अभिन्न, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्र-रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रिक्तिन के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि उधाप्विक्ति संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, जिन्निलिस उद्वेशय से उक्त अंतरण लिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की शायत, उक्त विधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं से सुविधा चे सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलि**खत व्यक्तियों, अर्थात्** :—— (1) मैं पर्स अमृत अवार्टमेंट : 4-3-336, वैंक स्ट्रीट, हैदरावाद।

(अन्तर्क)

(2) श्री शिवराम स्वामी नायडु, 20, महेशविला, घरली नाका, बाम्बे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वनवर्ष

फ्लैट न० 506, चौथा भगला, श्रमन अपार्टमेंटस, बैटः स्ट्रीट, हैदराबाद, रजिस्ट्री:न विलेख नं० 931/84, रिजिस्ट्री:कर्मा श्रीविज्ञानी श्रीक्ष रेज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राध**ा**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 17-10-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाए 17 श्रन्तूबर 1985

निर्देश स० आरएसो/आइएसी/अक्वि/37इइ/231/85-86 ---थत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिपकी स० फ्लैंट है जो स्तारितक्षीला अपरिमेटस नियादराबाद में स्थित है (अंग्ड इसने उपाबद्ध अनुसूची में आँग पूर्ण रूप न वर्णित है), रिनस्ट्रांवर्ता गंधियारी के वार्यालय ब्रिआइएसी/-अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रब रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अतरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) मैंथर्स मीटटन बिल्डर्स, 'श्रीताथ व म्पिलैक्स,' 5थ फ्लाश्चर ए २० डी०० राड, शिक्षन्दराबाद। (श्रन्दरा
- (2) श्रीमती लता नरण यदानी पति नरण सदानी, केर श्राफ मैंयर्स श्रडकान्य ट्रेडर्स 3-4-135, टांबेको बाजार, पि∉न्द्रराबाद।

(भ्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्य

प्लैंट न० 23, तक्षीता श्रपार्टमेंटन, एन० डी० रोड निकन्दराबाद, रिजस्ट्री हेत चिलेख न० 928/84, रिजस्ट्री इर्जा अधिकारो श्राइएमी अक्षित रोज, हैदराबाद।

> एम० जगत मोहत सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराखाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

तारीख 17-10-1985 मोहर प्रारुष बाहु . टी. एप. एस. -----

ब्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रिचीन सुचना

भारत सरकार

· कार्याक्षयः, सहायकः आवकर आयुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदशबाद

हैदराबाद, दिमांक 17 अक्तूबर 1985

निर्देण सं० आरएसी/आइएसी/अक्वि/37इइ/230/85-86 ----यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षेत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट हैं, जो बशीला अपार्टैमेंटस, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से विणत है), रजिस्ट्री क्रां अधिकारी के कार्यात्रय आवाग्सी/अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

करं पूर्तोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, जिन्निस्तिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकास में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विश्विषयम के जभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के निष्ट; व्यार/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या लब्ब ब्रिल्डिंग, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या का किए। उसने चाहिए था, छिपार में स्पीविधा के निष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर नियनसिक्षिण चिक्तकों, अर्थात ध—

36-386 GI/85

- (1) मैसर्स मीट्टल विल्डसं, श्रीनाथ काम्पलैक्स', 5वी फ्लोर, एम० डी० रोड, सिकन्दशबाद । (अल्परक)
 - (2) श्रीमती मुराखा वसन्त पति एम० वसन्त, 1-11-253ए, मोतीलाल नगर, हैदराबाद-16। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया। नवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 43, चौथा पंजना, विक्रीता अपार्टमेंटव, एय० डी० रोड, ि.व्यावाद, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 927/84, रिजिस्ट्री-कर्ता अधि ारी आइएसी अक्वि, रेंं,हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन प्रधास प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदशबाद

तारीखा: 17-10-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 17 अक्तूबर, 1985

मिर्वेश सं० आरएसी/आइएसी/अक्ति/37इइ/229/85-86 यतः मृझे, एम० जगम मोहम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाधार 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट है, जो तक्षीला अपार्टमेटस, सिकन्वराबाव स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आइएसी/अन्वि० हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिसम्बर 1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से काम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, फिसका उचित साजार मृत्य भृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल में, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तम पाया गया प्रति-फान निम्निशिवत उद्देश्य से उच्त बंदरण निम्नित में वास्त्विक क्ष्य से स्थित नहीं किया बदा है ह—

- (क) बारण से हुन्दें किसी नाम की नाम , अपका नीधीनयम के नाधीन कर दोने में जन्तरक थें दायित्व में करने या संसद्धे बचने मीं स्िर्धा के लिए; जौर/ना
- (का) एसी किकी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिश्वी ख्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

वतः अवः, उत्तन अधिनियम की भारा 269-ग कै अन्सरण में, में. अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- (1) मैससं मीट्टल बिल्डर्स, 'श्रीनाथ काम्प्लैंक्स'
 फ्लोअर, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।
 (अन्तरक)
- (2) श्री बी० वेंकष्टरत्नम श्रीर श्रीमती बी० भवानी पितालेट श्रीरामुलु नं० 17, शरद चष्टरजी अवेन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवादियों सूक अरता हो।

क्ष्मक बारम्पिक को वर्णन को बारमध्य में कोई भी बारमेप :---

- (क) ह्य क्षता में राजवन में प्रकारन की तार्रीक रें 45 स्थित की अवस्थिया तत्वास्त्रणी व्यक्तिकों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भीर अवस्थि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेषण व्यक्तियों में से किसी स्पनित व्यास्त ।
- (क) इ.स. स्वभा के राजपण मा प्रकाशन की तारीय के 45 किन के सीकर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहुक्ष किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास जिसा में किए जा सकेंगे!

स्वक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्वां और वयां का, जो उपत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित इते, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया नमा हैं।

मभ्स्**यी**

फ्लैंट न 34, तिमरा मजला, तक्षीला अपार्टमेटस, एस० डी० रोड, मिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न 926/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएससी0 अक्वि, रेज, हैवराबाद।

> एम० अगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक अ।यकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हैदराबाध।

सारीख: 17-10-1985

प्ररूप आर्च.टी. एन. एस. ------

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातम, शहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 17 अक्तूबर, 1985

निर्देश स० अ(रुग्मी/अ(इग्मी/शिष्व/37इइ/228/85-86 ---यत: मुझे, एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० प्लाट है, जो हायवे, हाऊ भिग स्कीम, हायता सगर तालुक में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद अनुसूची में श्राँर पुर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय आइएसी अक्वि हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वेदिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रस्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त श्रीधिनियप के अधीन कर दोने के अल्ल्क के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) मैसर्स फराइ इस्टेट, बाइ श्री एस० महाबुदीन, 16-4-355, चंचलगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री एम॰ सी॰ रेड्डी, पिता श्री अप्पाकुट्टी रेड्डी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविभिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दि। की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण .-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

धनुस्पी

ष्लाट त० 52, हायथे हार्कीमग स्कीम ायालनगर, झराह इस्टेट चचलगूडा, हैदराबाद रिजिप्टीकुर विलेख त० 925/84, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएमी अदिन, रेज, हैदराबाद।

> एम० यगा मोहत पक्षम जिल्लाहरी सह्यक जावन गणुग (निरीनण) अजीनरेग, हैदराबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :---

ारीख: 17-10-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. २स., ------

नामकार निभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन स्पना

भारत चरुकाई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिभाग 17 अक्तूबर, 1985

चिर्देश सं० आरएसी/आइएसी/अक्वि/37इइ/227/85-86 --यत मुक्ते; एम० जगा मोहा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी संव पर्लंट है, जो हायब हायातनगर तालुक स्थित है (ग्रांर इपो उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णकः से वर्णित है), रजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय आइएसी अस्थि, हैदराबाद में रजिस्ट्र वरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीप दिसम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूके यह पिश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एंचे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्वेश्य से उद्ध अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है 4—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त मीपनियम के अपीन कर दोने के सन्तरक के शियरव में कभी करने या लससे समार में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (क्ष) एसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ गो जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें ग्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारिए था, हिल्पाने में स्वैत्रश के सिद्ध;

कतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धाउ 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्म फराह इस्टेर, बाई श्री सयद शाहाबुद्धीत, 16-4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) कु० सबिया यासमीत पिता एम० शमसुद्दीत, 10-3-82, ईस्ट मारेडपल्नी, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करन हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीकां से 45 दिन की अविधि या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट न० 33, हायवे हाऊसिंग स्कीम, हायातवगर, मैसर्स फराह इस्टेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 924/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएसी अस्वि रेज, हेदराबाद ।

> एम० जगन मोहन नक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख 17-10-85 मोहर: प्रकम आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भाग 269-म (1) के अभीन स्चना भारत सरकाड़

कार्यालय, सहायक भागकर बाबुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1985

निर्देण स० आइएसी/श्रक्तिय/37इइ/250/85-86

-श्रतः मुझे, एम० जर्गन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अश्वाह 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो प्रसाद स्थार्टमेन्टस गन फाउन्सी में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकरी के आयित्य स्नाइएसी/प्रक्रिव, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रव रण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पिति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान । प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उपित बाजार मूल्य, उनके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, डक्क बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करन या उत्तर बचने में सुविधा के क्लिए, और/या
- (थ) ऐसी किल्डी बाय वा फिली धन या बन्य बास्तियों करें, चिन्हों भारतीय शय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्मरिनी द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थित में इनिया के लिए:

भतः भव, उक्त विधिनियम को भारा 269-ग के अनुसारण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) मैससं प्रसाद श्रपार्टमेन्टस, 5-9-296, वर्चरोड, गनफाउन्डरी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती • बसीर्फानसा पित मोहम्मद यूमफ, 4~1-1237/बी, बोगलकुंटा, हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समक्ष्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से (कसी स्मित ब्वास);
- (क) इस तुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति ह्वांस्य अधोहस्ताक्षरी के पाक सिक्ति में किए जा; सकोंगे ।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त श्राव्यों और वयों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

मस ची

फ्लैट न० 8, प्रसाद श्रपार्टमैटस, गाफाउन्डरी, हैदराबाद, िस्तीर्ण 940 चों० फुट, रिजस्ट्रीक्वन विलेख नं० 966/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी म्राइएसी ग्रक्षिक रोज, हैदराबाद,

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, हैदराबाद

নাংশীয়া . 17-10-1985

में हर:

प्रस्प आइ.टी.एन.एस-----

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक काथकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 श्रम्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्रारएसी/ग्राइएसी/ग्रक्थि/37ईई/249/85-85 -श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

भावकर जीवनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त जीधनिवम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन तक्षम प्राधिकारी को यह निष्यात करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्ब 1,00,000/- रु. से जीधक है

भीर जिसकी सं० घर है, जो नेड हिल्स, हैदराबाद स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय भाइएसी भक्षित, हैदराबाद में रिजस्ट्रकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के स्थमान प्रतिका के लिए जन्तिरत की गई है जार मुक्त यह विवास करने का कारण हो कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के वन्द्रह प्रतिकाल से जधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिबाल कप से किथात नहीं किया गया है हिना गया है हिना

- (क) मन्तरण से हुई किसी आम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे अधने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी भाग या जिसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती (वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कै, मी, उक्त अधिपियम की धारा 269-य की उपभाषा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैंसर्स भाग्यनगर क्ल्स्ट्रक्शनग को० $1^{1-4-656}$ ोः रेड हिल्म, हैवराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीस कुमार माकोल, 4-1 1110, बोगूल-कूंटा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रक्त के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थम् के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इत तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृषना की सामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीं व ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

यन प्रमु

घर नं 11-4-656/1, रेड हिल्म, हैदराबाद, विस्तीर्ण 919 चौ फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 965/84, रिजस्ट्री-कर्ता ग्राधकारी ग्राइएसी श्रक्ति, रेंज, हैदराबाद।

> एन० जगत मोद्रत सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 17-10-1985

मं। हरः

प्रकार बाद्दी, बी. एन. ६व ू १-८-५

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन नृज्या

भारत सरकार

काशीवय, सहायक शायकर बायुक्त (निरासक)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर, 1985 निर्देश सं० आरएसी/आइएसी/श्रक्ति/37 ईई / 248/85-86— अत: मुझे, एम० जगन मोहन

बाबकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का आर्थ हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गैरियज है, जो महाधिर श्रपार्ट मेन्टस कीगकोठी रोड स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय आइएस श्रविष्ठ हैदरबाद में रिजस्ट्रिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1984

कां परिकल सम्पत्ति को उचित्र याजार मल्य से कम के रक्षणमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यभान प्रतिकल से, एसे दक्ष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) को बीच एसे अंतरक के लिए तय पामा गमा प्रतिकल, निम्हासिकत उद्दोष्म से उक्क्ष अंतरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उश्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचाने में सविधा के सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी बैडव या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरियी द्वार प्रकट नहीं किया गया था विध्या बाना साहिए था, हिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग्म के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसित व्यक्तिनयों, अधीन, —

(1) मैंसर्स तटराज् बिल्डर्स, 3-5-796, **कीगकोठी**, रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव हीरालाल, 5-1-932, गवली गूडा, हैदराक्षाद।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त तस्यक्ति के कर्चन के किस् कार्यवाहिमां करता हूं।

उचन संपत्ति के कर्पन के बंबंध वो कोई भी बाबने :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की वर्षीण वा तत्त्रज्ञान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वर्षीण, को औं अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का निरुपों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के समपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उनका स्थायर सम्पत्ति में हिटबब्ध किसी जन्म व्यक्ति स्थाय अभोहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए का सकतें ।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उनक अधिनियम, के अध्वाव 20 के में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

गैरियज नं ं ैं 7 भीर 28, ग्राउन्ड पिलोग्रर, महाविर भ्रपार्ट-मेंटम, कीगकोठी रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 250 चौ० फुट, रिजस्ट्रीइत विलेख नं० 964/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्राइएसी प्रक्षित्र, रेंज, हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10-1985

वर्ष्य वाद्रे**टो. ११. एड**्यूक्टरण्यान्य

नामकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कारकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जनरेज, हैदराबाद

हैक्राबाद, विनांक 17 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रारएसी/श्राइएसी/श्रक्ति 37ईई/247/85-86 -श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

• नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो महाविर श्रपार्टमेंटस कींगकोठी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राइएसी श्रक्ति हैंदराबाद में रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 या 16) के श्रीधन दिसम्बर 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाबार मून्य से कम के ध्रयमान प्रिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाबार बृन्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल को पूर्वे ध्रयमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) बौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बौच एसे जन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण कि बित में बास्तिक स्म से कृतित नहीं किया ग्या है ध्र

- (क) भन्तरण से हुई निक्वी नाम की नामतः, जनतः अभिनित्तम के नगीन कर देने के अन्तरक वे शाहित्य में कमी नारणे ना उसके न्यने में सुनिधा के तिकः; और/ना
- ं(ब) एंडी किसी नान या किसी भन ना जन्म नास्तियों को, चिन्हों भारतीय ज्ञाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरियों ब्वारा प्रकट महीं किया धना चाना किसा चाना चाहिए था कियाने में धर्मवधा नौ तिष्ह;

बतः बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनुसरण में, बै, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) के बजीन निकासिकत व्यक्तियों कर्णत क्ष-

(1) भैन्सं नदराज बिल्डर्ण, 3-5-796, कोनको**ठी** ,खड,

(ग्रहतरः)

(2) श्रीमती सींप्रता हीराचा, 5-1-932, भवलीग्डा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मितिक के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त क्रम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोब ड--

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वता की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबबभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उद्य अध्याय में दिया वया है।

नम्सूची

फ्लैट नं० 1, ग्राउन्ड, फ्लोग्नर, महाबिर श्राटिमेंटस, कागकोठी रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 सौ० फुट रिजस्ट्री कृत विलेख न० 963/84, रिजस्ट्री कर्ती श्राधिकारी श्राइण्सी श्रवि, रेज, हैदराबाद

> एम० जगा मोहन नक्षम प्राधि परी सहस्यक्ष प्राथकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज, हैदराबाद

तारीख . 17-10-1985 मोहर: **प्ररूप आह**ै दी एउ एक र

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **कॉं** भारा 269 थ (1) के अपीन सृ**च**ा

אריבוע און

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां : 17 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० ग्राप्त ए० मी०/प्राई र ए० मी०/37ईई०/ 246/85--86---प्राप्त मुझे, एप्रात अगत मोहत,

भागकार तिथितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमसे इसके प्रत्याण 'उक्कत कथितियम' कहा गया हो। अर्थ भागः 269-से के अथीन सक्षम प्रतिकारी को , यह जिल्हा करिय कारि का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति जिसका नीवल बाराप मृत्य 1,00,000/- राज्ये अधिक ही

श्रीर जिसकी म० पर्नेट है ,तथा जो महाबीए प्रसार्टमेंटए, काम कोटी राष्ट्र में स्थित है (श्रीर इपमें उपाबह प्रमुची में श्रीर पूर्ण कप से बणित है), रिजर्ड़ी की श्रीय परी के बायिलिय श्राई० ए० मो० एकबी, हैदराबाद में रिजर्ड़ी— दरण पितिस्था, 1908 (1908 प 16) के श्रीत तारीख दिसम्बर, 1985

को प्वेदिस संपिति के उचित बाजार मृल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एमें रूपमान प्रतिफल के पन्द्र प्रशिवत में अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उथ पावा गया प्रतिकल, निक्निसित उद्देश्य ते उस्त अन्तरण किए में अधिक में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त अभिनियत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक अ वाजित्य मो कमी करने या उससे वचने मो सुणिधा के सिए; और/या
- (थं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करों, जिन्हों भारतीय आय-कर बाधानयम, १५ १ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के पर्योजनार्थ अन्तिरित्ती इतारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गुँउमा के सिए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत् :---37—386GI/85 (1) मैं० नटराज बिल्डर्म,3-5-796, कीम कोठी रोड,हैदराबाद ।

(भ्रन्थर छ)

(2) श्री हीरालाल तुलमीदास, 51-932, कींग कोंठी रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्मिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में **कोई भी शाक्षेप**ः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सकता को तामीन में 30 दिन की अविधि, को भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रण करिन्दण के ए दिन्सी व्यक्ति दिना दिना हो।
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उत्ता स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ का किसी के साथ

स्थळतेकरण ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकर अधिनियम के अध्याय 20-क भे परिभाषित हो, यहा असे हासा का उस अध्याय में दिय स्था है।

समस्यो

फ्तट न० 2. ग्राऊंड फलोग्नर, माह् विर ग्रार्टमेंन्टस् घर नं० 3-5-796, कागकोठी रोड हैंद राबाद विस्तीर्ण 1200 चों फूट, रजीस्ट्रीकृत जिलेखा नं० 962/84 रजीस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी ग्राई० ए० सी० ग्रक्वि० रेंज हैंदराबाद

> एम० जगनमोहन मक्षम प्राधिकारी महायह आयकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10--85

प्रकल बाह्र टी एन एर.......

भायकर श्रीधनियम, 196, (1961 का 43) की भारप्र 269-म (1) को अधीन स्थन।

नारव वरण्य

कार्मालय, सहायक आयक, शायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेप हैंदगाद

बम्धई, दिना : 17 अक्तुबर, 1985

लिर्देश सं० पार एसी/जाइ एसी/अितव 37इइ/245/85-86 धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फलैंट है, जो यक्स प्रैस प्रगार्टमेंन्टस् लानी । पुल स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रप सेविणित है), र्राजट्र तो गिंध शि के कार्यालय श्राइएसी मैं अविव हैदराबाद भारतीय रिन्ही-बारण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन 12/1984

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उपिक्त शकार मृस्य से कम के वस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित का गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापर न्स सम्बक्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से रिशिक है और जिस्क (अन्तर्क, को निए तय जाया प्रतिफल, किनीय एस अन्तरक के निए तय जाया प्रतिफल, किनीय एस अन्तरक के निए तय जाया प्रतिफल, किनीय से उपति अंतरण किया गया प्रतिफल, किनीय से उपति अंतरण किया में वास्तिबक रूप से किया नहीं रिश्व गया है :--

- (क) बन्तरण तं हुई फिली आय कि बाबत, उचल मीधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उक्क्स बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एरेंगी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की जिन्हों भारतीय किसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्य अधिकियम, ना धनकर अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (१७३७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यौरिकी चुनारा प्रकट नहीं किया गमा था वा किया जाना चाहिए था, खिथाने में सुनिधा है तिस्;

अकः भवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, जैं, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपभाग (१) के अभीन, निम्नलिसित अयिक्तमों, अर्थात् .--- मेमसे यक्सप्रेस इसटेट प्रा० लि०, 11-4-651 लगड़ी का पूल **है**दरा**ख**ाद

(भ्रन्तरक)

श्रीमित गीता स्रेश
 8-3-224/2 मघरानगर, हैदराबाद-45

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त शीधिनयम, के अध्याम 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

ननसूची

फ्लैट ए-1109 एक्सप्रेस प्रमार्टमेन्टस् लक्तीवापूल हैंदराबाद, विस्तीनं 1 चौ फूट, रजीस्ट्री-नुप विलेख न० 959/84, रजीसानी प्रधितारी प्रहिएसी खानेव० रेंज, हैंदराबाद

> एम त्यन मोहत सक्षम ऋधि तरी महायत आयहर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 17 शक्तूबर 1985 महेर

प्रस्तृ वार्षः टी. एतं. धासः -------

जग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन त्वना

भारत तरकार

कार्नात्य, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्सक)

यार्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां । 17 श्रक्तूबर 1985

निर्देश स० प्रारण्ण्मी /अशहण्सी/श्रविव/37हह/244/ 85-86-श्रत: मुझे एम० चगन मोहन,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व कर्को ध्यक पश्चात 'उपत अधिनियम' क्रम गया हु"), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करणे का कारण हु" कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अक्षम 1,00,000/- रा. से अधिक हु"

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो वैभव ग्रगार्टमेंन्ट समकोट, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री जी प्रधि ारी के रार्यालय आइएसी प्रक्रिव हैंदराबाद में दिस्ट्री एण प्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12/1984

अतं पृत्तिका भग्नित को उत्ति वाजान एक्या से काम के स्वयमान्
प्रतिसक्त के लिए अंतरित की नहां हां और मुक्ते कह विकास करने का कारण ही कि सभापनंतिस सम्मति का उत्तिस आकर मूल्य, उत्तर उत्तरका अत्तरका अत्तर अधिकार का पन्तह प्रतिस्तात से भृभिक हो नीर संतरका (संतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीख एसे संतरण के जिए सम पास नमा प्रतिन कस निम्मितिका उद्देश्य के उत्तर संतरण विविद्य में वास्तरिक कुप हो का नित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाजत, उक्त अभिनियम के अभीम कर दोने के अन्सरक के वाजित्व में कमी करने मा उससे अजने में सुविभन के सिरा; और/या
- (का) एंसी किसी अस्य या किसी धम या अच्च आलिकानों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192,2 का 11) या उक्क अधिभिक्यम, भा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 क्य 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं कियन गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्किथा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निक्निविद्यत के किरायों, अर्थात् :--- 1 मैंसर्स तीवेणी विरुडसं,बाइ पार्टनर ग्राप्टिही विजय कुमार 4-2-1069 राकंटि हैदराबाद

(अन्तरक)

2 अमृत लाल भानजी 3-5-141 ई3 । बी बहन बाग रामकोट हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोधन्त सभ्यशिका को सर्वन को शिव्य कार्यनाहिकां कारका हो।

उक्त सम्परिषा के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्थान को राजधन में प्रकारक की कारीस है 45 बिन की जनधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर कुणना की बागील से 30 बिन की बाबीस, जो और मनीय बाद में समान्य होती हो, को भीकार पूर्वोचन ज्यक्तिकों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (सं) इस सुधान के राजगत में प्रकारक की बारीक से 45 जिन को भीतर उक्त स्यादर संगीत में हितबद्ध किया किया व्यक्ति क्यारा अभोहत्साकारी के गांव किया में किए वा क्योंने।

स्थाकारण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्रम्पनी

फलेंट नं 2 102, बैभव अवार्टमेंन्टस, घर नं० 42 रामकाट, हैदराबाद, बिस्नीनं 1025, चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 954/84, रजीस्ट्री तर्ना श्रोध गरीब्राइएसी अक्वि रेंब, हैदराबाद,

एम० जगन मोहन सजम प्राधि परी सहायक प्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तासीखा :1 7-10-1985

भां**ह**र :

प्रकल बाह्यं, टी .हुव .हुव . ----

बायका<u>र</u> विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 249-व (1) के क्षणीन स्वका

गारत सरकार

अस्थासय, तद्वायक वासकर वास्त्रय (पिरीकाम) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 ग्रम्तूबर, 1985

निर्देश सं आरएसी/आइएसी/प्रक्ति/373ड/243/ 85-86-- प्रतः सुक्षे, एम जगन मोहन

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रक्ति 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से जिथक ही

श्रीर जिसकी संव अफिस है, जो यमरालंड हाऊय, यसव डीव रोड सिइन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उनायह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिविट्ट को अधि हारी के कार्यालय श्राइएसी/श्रिक्द, हैदराबाद में भारतीय रिविट क्षण श्रीवित्यम, 1908 (1908 हा 16) के श्रिवत 12/1984 को व्यक्ति संपर्ति के उपित बाबार मृत्य ते कम के व्यवसान बीतकस के लिए अन्तरित की पद्दें हैं और मुखे वह विकास करने का धारण है कि बधापुर्गेक्त तंपरित का उपित बाबार मृत्य, उस्के व्यमान प्रतिकत्त से, एसे व्यवसान प्रतिकत का पंक्र श्रीतकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिक्ष क्ष विकासित उद्देश्य से उपस कन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिक्ष इस विकासित उद्देश्य से उपस कन्तरण कि सिए तब पाया नवा प्रतिक्ष इस विकासित उद्देश्य से उपस कन्तरण विवित में बावतिक इस से क्षित नहीं स्थित नवा है है

- (क) अध्यारण वं हुइ जिल्ली साथ की शावत , उनका जीविनियम के ज्ञीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में साली कारने या उत्तवे स्थाने में स्विधा के जिए, और /यः
- (क) एंकी किसी नाम ना किसी धन वा अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय नासकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिमियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा धा ना किया जाना चाहिए था, कियाने में अधिका के किया;

। मैपर्स यमरालड बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2 मैंसर्स इंगा लबोरेटसीज प्रा० ली०

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्धन के नम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, के भी अवधि बाद में ममाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूमना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से किसी बन्ध का कित इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध निवाद में किए जा सकाने।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही नर्थ होगा जो उस नध्याय में विशा

and the

ार्यालय नं० 5, पांचवी मजील, यम्रालड हाऊस यस० डी० रोड, मिकंदराबाद, रजीम्ट्रीहल विलेख नं० 953/ 84, रजीस्ट्रीकर्ता श्रधिसारी श्राष्ट्रपमी श्रक्ति रेंज हैंदराबाद,

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन ध्यान

भारत सरकार

क्षायालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश स० श्रारः ए० सी०/ग्राई० ए० मी०/ए नवी/37 इ इ०/ 242/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर बात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है', की अद्धा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिट बाजार मृख्य 1,09,000/- रु. ते अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं कार्यालय का परीपर है तथा जो बाब्खान कन्स्ट्रवणनस् बसीरबाग में स्थित है (स्रौर इसस उपाबद्ध स्रनुसूची से स्रौर पूर्ण कर से बॉणत है), रिजस्ट्रोकिनी स्रिधिक कारी के कार्यालय, स्राई० ए० सा०/एववा हैदरानाइ में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, दिनाँक दिसम्बर 1984

को प्रतियत सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्याम प्रतिफल को जिए अंतरित की गई है और मृक्ते वह किहमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीस का जिल्ल बह्यार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिक्यों) के बीच हसे अन्तरक के लिए तय पाया नया कल निन्तिकित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं सूर्य किसी गाय की बांबर्स, उन्नेस सीधिनसम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससं बचने भी सुविधा के लिए, बरि/या
- ्त) एस किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय नामकर निभित्तम, 1922 (1922 का 11) या उकत नाभित्तम, या भन-कर विभिन्तिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, चाहिए था, उठपान मा सूनिभा के विश्;

अतः अधः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेचिसित व्यक्तिया, अर्थात् .-- (1) मेनसं वाब्खान हस्ट्रक्शनस्, 5-9-58/1-15, बाब्खान इस्टेट, वसीरवाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर मुस्तका माहोऊद्दात (माइनर) िता श्री मुरतुका मोहीऊद्दीन श्रली, 17--7-161, श्राऊट साइड याक्तपूरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

की नह सुमना करते करके पूर्वोक्त सम्मात्त के अर्थन के निम् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्चन के सर्वध में कोई भी बाओंप :---

- (क) इस स्थाना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 बिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विश्वित में किए जा सकीं।

स्वच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम के जध्याय 20-क में पहिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जा उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय का परीयर नं० 408, जीथा मजला, यर नं० 5-9-58/1-15, बाब्खान डब्टेंड, बसोर बात, हैंदराबाद, रिजम्ट्रीकृत बिलेख नं० 952/84, रिजस्ट्रीकृती ग्रिविकारी श्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैंदराबाद।

एम० जगत मोहत यज्ञम प्राधिकारी सहायह स्रायकर स्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनाँक: 17-10-1985

प्ररूप जाहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 17 अक्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्रार० ए० सी०/ग्राई० ए० सी०/एक्वि/37 इ इ/ 241/85--86--यतः मुझे एम० जगन मोहन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनका सं० फ्लैट है तथा जो मत्या ग्रपार्टमेंटस् मामाब टैंक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सो० एक्वि हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक दिमःबर

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आय करों बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेनर्स मान कन्प्ट्रक्शनस (प्रा०) लि०, बाइ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एस० एन० चावना, ए -- 102. सत्या श्रगटेमेंटस, मासाव टैक हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्रणरफुनिसा बेगम पति सथद सरवर हुसैन, 22-8-590/1, लाकरकोट बारदारी घत्ता बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती) ी

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के बध्याय 20-क में दिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वमसची

फ्लैटन०सी-505, गत्या आस्टेमेंटम्, मानाव टैंक, हैक्साबाद विस्तीर्ण 1575 ची० फुट, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 95184, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० मी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनौं क : 17-10-1985

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) खी धारा 269-च (1) के वधीन स्थना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्शण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 17 ग्रक्तूबर 1985

निर्देण सं० प्रार० ए० सी०/प्राई० ए० मी०/एवि०/ 37 इ इ/ 240/85--86—-प्रतः सुन्ने, एस० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार कृष्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो ममुराबाद विलेज हायात नगर तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय. श्राई० ए० सी० एक्वि, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक दिसम्बर 1984

का पृतिकत सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल को सिए बंदरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बंदरिती (अंदरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया पंता प्रतिकाश निम्नासिवित उद्देश्य से स्वत जन्तरम जिल्हित में गम्बिक मन्तर में किया नथा है:--

- (क) अन्तरण से हुइ जिसी काम की आदत, उथत कपिनियम के कभीन बार योने के जन्मरण के धारित्य में कबी करने का नमले अपने में सुनिका के नित्तर, ब्रोह्म/का
- (क्) ऐसी किसी आय वा किसी भन था नन्य प्राप्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर विभिन्निय । 1020 (1922 का 11) या उक्त विभिन्निय , वा भन-कर विभिन्निय , वा भन-कर विभिन्निय , 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा श्रकट नहीं किया प्रकार वा वा किया वाना पाहिए वा, किया के स्विधा के लिए;

क्रमः अवं, उक्त विधिनियम की भारा 269-य के वनुसरण गै. मी उक्त अधिनिक्य की भारा 269-य की उपभाग 🕕 के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स फराह इस्टेट, बाह श्री सैयद णाहाबुद्दीन, 16→4-355, चंचलगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी पित श्री के० कुश्णमूर्ति 16-10-770, मलकपेट, नियर मार्केट, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षारों क पाम तिहत में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण '--इसमें अयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिपनियंज के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

बम्लकी

प्लाट नं० 71, मसूरावाद विलेज, हायातनगर, तालूक, हैदराबाद विस्तीर्ण 172 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 950/84, ज्जीस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राई० ए० सी० एक्विं रंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

दिनोंक: 17-10-1985

प्रस्थ काई टी. एन एस ००००००

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 263-व (1) के कंधीर स्चरा

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक जायकार जावृक्त (निरासिक)

ग्रर्ज न रेंज, हैं दराबाद

हैदराबाद, दिनौंक 17 ग्रक्तूबर 1985

निर्द्रोग सं अप्रारं ए ए सी श्रिप्राई ० ए ० मी श्रिप्तव ० / 37 इ ड / 239/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भाग 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं ७ फ्लैट है तथा जो ए० मी० गार्डम हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् बाबार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित के गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें बतरण के लिए तय गया गया प्रकि-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक प्रति के थित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्क वांधि नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को बायित्व के कमी करने या उससे बचने को मृतिधा के जिए; अर/या
- (म) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे अवोचनार्थ अन्तरिकी ध्वाच प्रकट वहीं किया गयः या या किया जाना चाहिए था, कियान जें हिवशा वे सिए;

जतः जब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मेमर्स रद्रा राजू बिल्डर्म, 10~2~6, ए० मी० गार्डम्, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्रीपद्मानाभम, केर ग्राफ जी० के० एस० श्रायंगार, 40, णांतीनगर, हैंदराबाद-28। (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं:

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की वयि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राम क्रिक्त में कि जा गारा

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, और उक्त -अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ गुणेग को उस अध्याय भें दियः एक्टा है।

बन्स्ची

फ्लैट इर नं० 10-2-6, ए० मो० गाईम, हैदराबाद, विस्तीर्ण 7480 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 946/84 र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० मा० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 17-10-1985

प्रका बाह्र . टी एन एस ------

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भागवत (निरीक्षण)

अर्जन रें ३, हैधराबाद

हैदरावाद, दिलार 28 श्रम्तुवर 1985

िर्वेण मां ० श्राः ० ए० सी०/ग्राई० ए० सी०/एक्व०/37 ईई०/ 268/85--86---यनः मझे, एम० २गः मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गम्बान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वापार प्रत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

आंग ि रही मंत्र दु पर है तथा जो हिमार तगर, हैदा बाद से स्थित है (ऑस इससे उपायत अनुसूची में ओर पूर्ण कर में विणा है), प्रतिस्ट्री जी पनि गरी के गर्याक्तर, आईन एवं सीठ एक्विक हैदरावाद में भारतीय प्रतिस्ट्री जण अधिकिम 1908 (1908 का 16) के अधीर दिना, दिनस्वर 1985

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के शिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से विभिक्त हैं बार बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीली स्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार धने के अंदर्ध के बायित्व में कमी करने या उत्तस वचने में स्विभा के लिए; आदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतोत्र नायकार अधिनियम, १० 2 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन जर श्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशेषताचे प्रणीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: (।व, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग को अन्मरण वो, मी, उक्त विभिनियम की धारा 269-ण की प्रपंधारा (1) वो अधीन निम्निनिवत व्यक्तियों, वर्षात ३----38-386GI/85 (1) भागों प्लेटीनम अन्स्ट्रमणनस्, 4-1-966, श्रं िड्स हैदराबाद ।

(भनारं ः)

(2) श्रीमती महबूबिनना बेगम, 23-1-662/2, मोगल-पूरा, ईदरावाद ।

(भ्रत्नरिती)

को अह स्थान कारी करके पूर्वीक्षत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, की भी विविध साथ में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी स्थित दवाय,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन् की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी ये पास लिखित में किया जा सकतेंगे।

अनुसूची

दुशन नं ० 18, घर नं ० 3-6-138, हिमायतनगर, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 6000 चाँ ० फुट, रजीस्ट्रीयत विलेख नं ० 988/84 रजीस्ट्रीकर्ता अथियारों आई० ए० मी० एक्सिं ० रेंग, हैंदरानाद ।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिनारी सहाय र प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंग, हैदराबाद ।

दिनाम : 28·10-1985

त्रक्ष बाइं.टी. एन . एस . ------

शायकार शाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के बारीन स्थान

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकार भाग्यत (निरीक्षक)

धर्मन रेंज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिना : 28 अक्तूबर 1985

निर्देश संव गा ० ए० सी०/गाई० ए० सी०/एफ्बि०/37 र्डि० 267/85-86 यत मुझे, एम० जगा मोहन

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), औ धारा 209-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह निष्वास कारते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रास्ती अधिक है

और दिसकी स० फ्लैट हैं तथा जो सागर श्रपाटेमेटस्, राउ. भवः रोड में रिवर हैं (ऑप इप्रमें उपाबद्ध श्रतुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिक्स्ट्री एली श्रिध हारी के तार्यालयः, ग्राई० ए० सो०/एक्वि०, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीपरण श्रिधितम्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिना दिनम्बर 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित यो गई है और मूक्ते यह विषयस करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के सन्तरक हैं बासिस्थ में कभी करने या उससे बचने में मृद्धिः के सिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के निए.

नतः क्यां, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, जो जनत अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीज, निम्नलिखिक व्याक्तियाँ, जर्थाब :--- (1) मंतर्स यमरानष्ठ निल्डर्न, 4-1-968, अबिट्स्, हैदराबाद ।

(ध्रान्तरः :)

(2) श्रीमती बाना ण री बार कुत जी, 10-1-18/43, शामनगर, माधाब टै , हैदराबाद ।

(श्रन्निती)

कां बह क्षना बारी करक पृत्रांकन मध्यन्ति क प्राप्त के नित्रः कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकीन।

श्यक्टीकारण: — इसमें प्रयुक्त तक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभावित है, वहीं अर्थ होगा को अध्याय में दिया नवा है।

बन्स्ची

फ्लैट तं० 5' तीपरा मंजना, सागर श्रापर्टमेंटस्, राजभवत रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 700 चा० फुट, रजीम्द्री त विलेख तं० 987/84, रजीस्ट्रीयती अधि गरी आई० ए० सी०/एपिन० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० अगत माहत सक्षम प्राविकारी पहायक सामग्र श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदरावाद

दिनाच: 28-10-1985

माहर:

प्ररूप आर्च टी एत. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां 28 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० श्रार० ए० गी०/आई० ए० मी०/एक्वि०/37 इ इ/ 266/85--86---यतः मझे, एम० जगन मोहन,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिस्की मं० प्राष्ट है तथा जा एम० जी० रोड किदराबाद में स्थित हैं (और इस्में प्रपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्री जी श्रीधनारी के प्रार्थित श्रीई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीन्स्ण श्रीधनियम, 1908 (1908 रा. 16) के श्रधीन, दिन्हें दिसम्बर्ग 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूस्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान, बितफल ते, एते क्ष्ममान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिचत से अधिक ही और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच देते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्यंचिय से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोन के जन्सरक वो दावित्य में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियां को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नवः, उन्त निधनियमं की भारा 269-गं के ननुसर्ध भौ, मौ, उन्त निधनियमं की भारा 269-नं की उपधारा (1) में नधीन, निध्नसिनित न्यक्तियों, नभति :— (1) श्रा ए० एउ० के निराय और ए० के० सतीय. ओल्ड न० 64, घर तं० 2 ·2~51 (नया) एम० जो० रोड़, रिकंदराबाद।

(प्रस्तर **)

(2) में र्स मोटंटन विल्डर्स, श्रीनाथ काम्प्लेक : 5थ फ्लॉर, एन० डी० रोड़, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थान बारी करके पूर्जिक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिः कार्यवाहिमां करता हुं।

उनत तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 15 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदी का जो स्वक अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

ात् तं विशास 2542:2 वी० मोटर पुराता प्रेमीसेस, नं 064. तया 2→2→51. एम० जी० रोड, सिकंदराबाद, रजीस्ट्री-एत विलेख नं 0984/84. रजीस्ट्रोकत्ती श्रक्षिशारी श्राई० ए० सी०/एक्वि० रेंग, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायन स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंक, हैदराबाद

दिनौं ह : 28 - 10 - 1985

महिर :

प्ररूप बाह् .टी .एव . एस . ------

भायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के सधीन सूचना

बारक दरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिना ह 28 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ब्रार० ए० सी०/ब्राई० ए०सी०/एक्वि०/37 ईई 265/85-486-यन: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो बंगरा हीलम् हैयराबाद में स्थित हैं (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी० हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनाक दिनम्बर 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुंडू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियें की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशेजनार्थ जन्मिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से बिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अबृतरण मा. मी. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (१) को कपोन, निम्मानिकित व्यक्तियों, वर्षात् — (1) श्री एम० रंगा रेष्ट्डी, 1--2--412/11, गगनमहेल की--ग्रापरटीव्ह हार्ऊाका कालीनी, दोमलगूडा. हैदराबाद ।

(श्रन्तरः ।

(2) मसर्स माट्टल बिल्डर्स, श्रानाथ काम्प्लेक्स, 5थ फ्लॉर, ए५० डीं० रोड्, सिकंबराबाद ।

(ग्रन्तिःर्ता)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति संपरित के अर्थन के सिष् लिए कार्यधाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीसर प्यक्ति अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकारन की हारीस से 45 दिन के भीतर उन्करशावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहलाक्ष्मरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

र् स्पष्टीकरणः — इसम प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

्युली समीन सर्वे० नं० 129/64/1, बंजारा हीलम्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 5043 चें।० गज रजीस्ट्री गत चिलेख नं० 983/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी आई० ए० मी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि गरी महायक स्रायक्त स्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांवः: 28-10-1985

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक बायन र बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, हैदराबाद

हैदरगबाद, दिनांक 28 अक्तूबर 1985 मिर्देश स० आई० ए० मी०/आई० ए० मी०/एक्वि०/37 इ इ/ 264/85-86--यत: मुझे एम० जगम मोहन,

आयक्तर लिंकिंगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाः (अक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो प्रभाद अपार्टमेंटल् मनकाऊड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि० हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिक्तिम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिसांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-ाल, निम्नेलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक ए मो किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हें अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर जिंधनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स प्रसाद अपार्टमेंटस्, 5-9-290 मनफाऊंड़ी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अहमद मर्ता र प्रौर श्री मोहम्मद अञ्जत अलीम 33/2 अहर टी मिनिसिपल कालोनी, मलक्रपेष्ट, हैदराबाद।

(अल्बंधिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्जन के रिल्ल कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारंग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पाद्धोकारण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट प्रसाद आपर्टमेंटस्, गनफाऊड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 चौ० फट रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 981/84 रजिस्ट्रीकर्चा अधिकारी आई० ए०, सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगत मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 28-10-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एव . ------

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वन्

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंबराबाद

हैदराबाद, दिनाक 28 अक्तूबर 1985

निर्देश में आर् ए० मी०/आई० ए० सी०/एक्वि/37 इ.इ/ 263/85-86---यन मझे, एम० जगत माहप.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है भौर जिसकी स० फ्लैट है। तथा जो प्रसाद अपार्टमेटस्, गतफाऊड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णि : है), प्रजिस्टी बन्ती अधि गारी के जार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद में भारतीय रजिस्दीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनाक दिसम्बर 1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उदत अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है रू---

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (व) ए'सी किसी जान या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हा भारतीय अध्य-अर्थ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा ने निए;

बतः बन, उक्त सीधीनवन की भारा 269-यं के अनुत्तरक मं, भें जयर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 📦 अभीन निम्नस्थितित, व्यक्तियों, वर्शास् :----

(1) मेसर्स प्रमाद अपार्टमेष्टस, 5-9-296, गनफाऊड़ी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पि० कृष्णचदसदानी पित कृष्णचद सदानी, केंन बारन रोड, बास्कीम ये ति । लडन य० वे० । (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी बाक्षंप --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण :- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिं परिशायित के मध्याय 20-के में परिशायित के है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्सूची

व्लैट न० 103, प्रमाद अपार्टमेटम्, गनफाऊड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 चा० फट, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 980/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी आई० सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक: 28-10-1985

प्ररूप आर्धः टा. एन . एस -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) क अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज, हैदराबाद

हैवराबाद दिमात्र 28 अक्तूबर 1985

निर्देश स० आर० ए० सी०/आई० ए० सी०/एक्वि०/37 इड्/ 262/85-86--यभ सुझे, एम० जगन माहन,

शायक हु सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रांग जिसकी स० फ्लैट है तथा जो प्रसाद अपार्ट मेटस् गनफाऊड़ी में स्थित है (श्रांग इसस उपावड़ अनस्ची में श्रांग पूर्ण ध्या से विणित है) गिजस्ट्री बत्ती अधिकारी के बार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि० हैदरावाद में भारतीय गिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिना हिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मृश्य, उबके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया "त्रिक्त निम्निलिखित खुद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में स्राध्य रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचन में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सी सभा के सिए,

कत अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, म, उन्न अधिनियम का धारा 269-ध को उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :--- (1) मसर्स प्रसाद अपाटमेटस्, 5-9-296, गनफाऊड्री, हैदराबाद ।

(अन्तर ह)

(2) श्रीमती बदम्बिना बेगम पित एम० अजीज हुमैनी, 5-9-702, अम्झ मजील गनफाऊड़ी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

का वह सूचमा चारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्वन के निक् कार्यवाहिया कारता हुई।

क्षत्रक सम्पत्ति के क्ष्यंत के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाइ तिस्ति में किसे का सकेंगे।

स्थान्द्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विधा नवा है।

मन्सूची

फ्लैट न० 8, प्रमाद अपार्टमेटम् गतकाऊड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 880 चौ० फट, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 979/84, रजिस्ट्रीकर्ता राधिकारी आई० ए० मी० एक्तिर० रेज हैदराबाद।

> ण्म० जगन मोहन सर्क्षम प्राधि शरी सहायक आयक्तर आयक्त्प (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाङ 28-10-1985 कोन्स

प्रकल आई., टी. एव., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भागी सावार

वर्षा २४, महावक आयवार आयुक्त (निर**क्षिण)** अर्जभ रेंज, हैंदराबाद

हैवराबाद, दिभाग 28 अक्तूबर 1985

आए० ए० मीं ०/आई० ए० सी०/अक्वि०/37 इइ/ 261/85-86---यतः सुझे, एम० जगभ मोहभ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का आएण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० फ्लैट है तथा जो प्रााद अपार्टमें इस् गन्नफाऊंड्री में स्थित है (श्रॉर इसरो उपावड अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणा है), रिजिस्ट्री एता अधिकारी के प्रायत्तिय, आई० ए० सी० एक्बिंग हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में अस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अस्त के लिए बतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अस्त का कारण है यि अस्त्र मुक्ते महार्थ का प्राप्त कारण प्रतिफल के प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्तह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिकत से स्थाप कर है किया गया है :---

- (अ) अन्तरण में हुइं **किमी साय की बाबस, उक्त** सीधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के पश्चिम के क्यों करने शास्त्रिम में भी विधा के सिए; और/या
- (स) । कि ी त्या हिसी घर या अन्य आस्थिती का, किस अस्ति। आजकर अधिनियम 1020 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनमार अधिनियम 1057 (1957 का 27) के एकोजनार्थ सन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, कियाने में दिन होता.

अत. अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं. उधन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) अ अभीज, ... शिलक्षित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) मॅममं प्रशाद अपार्टमेटम्, 5-9-296, गभकाऋंद्री, हैदराबाद ।

(अन्तर्ग)

(2) श्री मोहम्मद गुशिकद्दील, 16-5-89, फरहादनगए, हैपराबाद।

(अल्लिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उन्त सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कांई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गाद के समात है। हिं हों, के भीनर पत्री के व्यक्तियों मा में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास निकित में किए था स्कींगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

ग्रनुसूची

फ्लैट प्रमाद अपार्टमेंथ्स्, गप्तफाऊंड्री, हैदराबाद, बिस्तीर्ण-997 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 978/84, रजिस्ट्री हर्त्ता अधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

> ्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयका आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 28-10-1985

RIST B

प्रकल बाह्र टी. एत. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के बधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यातम्, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 ग्रक्तृबर 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०/ग्राई० ए० सी०/एक्षि०/37 इ इ/ 260/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

भावकर किंनियम, 196। (1961 का 43) (जिन्हें इसकें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ए कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो प्रसाव अपार्टमेंट्स गनफाऊंड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वेक्त संपत्ति के उच्चत बाजार मून्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बत्ति का उच्चत बाजार मून्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एमें स्वयमान प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बत्ति का उच्चत बाजार मून्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एमें स्वयमान प्रतिफल का क्लिए अन्तरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरका के लिए तम पावा

नवा प्रतिकास, निम्निसित उद्योषय से स्वत अन्तरण मिनिक

वें बास्तविक रूप से कवित वड़ी हैकवा पंचा है कु---

- (क) जन्तरण से शुर्व जिल्ली जान की शानक, उनसे अधिनियम की जनीम कर दोने के जन्मरक दें के शामिरण में कभी करने ना उन्हमें नचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तिबाँ
 ोहे, जिन्हाँ भारतीय बाय-कर श्रीधनियम, 1922
 र 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
 वया था या किया जाना चाहिए था खिपाने को
 आधिभा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन रिक्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् —— 39—386GI/85 (1) मेसर्स प्रसाद भ्रपार्टमेंटम, 5-9-296, गनपाऊंडी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती महमुदा बेगम पति श्री श्रनमारी श्रहमद बिलग्रामी, 3~5 596 हिमायतनगर, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

की वह ज्वान वारों करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति कं अर्थन के निए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविकाश में के किमी व्यक्ति सूवारा
- (क) इस सुबना के रावपत्र में प्रकाशन की ताराध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगें।

स्थाबाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

नपृत्रकी

फ्लैट प्रसाद भ्रपार्टमेंटम, गनफाऊंड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 977/84, रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी भ्राई॰ ए॰ सी॰ एक्वि॰ रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिमाक: 28-10-1985

प्रस् दार्'. टी. एन्. एव ुनन्न-स्वत्रकार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निर्दीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 28 अन्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी०/भ्राई० ए० सी०/एक्वि०/ 37 इ इ/ 259/85-86---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० फ्लैट है तथा जो प्रसाद प्रपार्टमेंटस गनफाऊंड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याजय, श्राई० ए० सी० एक्ट्रिक, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक दिसम्बर 1984। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकक के निए अंतरित की गई है और नुमें यह विक्यांक करने का साम के दिसमान श्रीतफा के निए अंतरित की गई है और नुमें यह विक्यांक करने का साम के दिसमान प्रतिफात की गई है जार नुमें विक्यांक का पत्रह प्रतिकात विभक्त है और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया नया श्रीतफान, निम्नसिचित उच्च हैया से उक्त कन्तरण जिल्ला में नामतिवत क्य में किया नहीं सिया गया है :---

- (क) बन्तरक से हुइं किसी कार्य की बावह, उपक विधिनियम के बजीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में कमी करने या उन्नचे बचने में बृधिधा के किए: बहु/का
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाण काहिए था छिपाने में रिक्या के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनिवसं का धारा 269-गं के अनुमरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269 में की उपधारा (१) अं अधील, निस्तिविक्ति व्यक्तिकमी, अर्थात :— (1) मेसर्स प्रसाद भ्रपार्टमेंट्स 5-9-296 गनफाऊंड़ी हैदराबाद।

(ग्रन्तरका)

(2) श्रीमती जरीनाबेगम पति डा० मोहम्मद सद्दफ्ल्ना 3-5-804/2/4 हैं बरगूडा, हैंदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके प्योंकिए सम्मिति के वर्षित के विष् कार्यवादियां सूर्य करता हूं।

उच्य सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासत की तारील से 45 दिन की वर्वीच या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की नवेचि, को भी वर्वीच माद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वचाकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा वया हैं।

अनुसूची

फ्लैट प्रसाद ग्रपार्टमेंटम, गनफाऊंड्री, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 997 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 976/84, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिश्रिकारी ग्राई० ए० सी० एक्वि॰ रेंज, हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनाक: 28-10-1985

प्रकल, बार्च टी एव. एक. ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाका 269-भ (1) के अभीन सुभना

मारत स्रकाद

कार्यालय, महायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनाक 28 अक्तूबर 1985

निर्देश स० ग्रार० ए० सी०/ग्राइ० ए० सी०/एक्वि०/37 इ इ/ 258/85-86----यतः मुझे, एम० जगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा

क्तक परचात् उपत जावानसम् कहा प्या हुः, का भारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, फ्रिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० य्लैट है तथा जो प्रमाद ग्रथार्टमेट्स गनफाऊड्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० मी० एक्ट्रिंग हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्तरक (जन्तरक) श्रीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उस्त अंतरण मिनित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;---

- (क) बंतरण तं हुइं किसी साय की बाब्स, उथस वीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बाट/बा
- (ख) एसी किसी नाम या किसी थम एए अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आध-कर निर्धानसम्, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने मं स्थिया के सिक्श

बतः वन, उक्त विभिन्नयम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स प्रसाद भ्रपार्टमेंट्स, 5~9~296, गनफाऊंड्री, हैवराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती श्रनुराधा कोरन पति डा० रामिकरण, 2. श्रीमती कमला देवी पति बी० नागेश्वर राव नं० 1 श्राफिमर्स क्वाटर्स, पंजागुनटा, हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

का यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के लिख कार्ववाहियां सुक करता हूं।

तक्त सम्मन्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाखोए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ं उन की अविभि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की कामीन से 30 दिन की वविध, को भी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत स्पिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वयक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीट पदों का, को उच्छे विभिनियम के विभाग 20-के में परिकारियक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिला गया हो।

समृत्यी

फ्लैट न० 303, प्रसाद प्रपार्टटमेंटस, गनफाऊंड्री, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 947 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 974/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी प्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैंदराबाद।

> एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, हैंदराबाद

विनांक: 28-10-1985

प्रकार बार्ड ्डी. एवं तथा -----

भावकार व्यक्तिमध्यमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत परवाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

है बराबाद, दिनांक 28 ग्रन्तुबर 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०/ग्राई० ए० सी०/एक्व०/37 इ इ/
257/85~86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व
३.30,030/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिमकी मं० फ्लैंट है तथा जो प्रमाद ग्रपार्टमेन्ट्म हैं गनफाऊंड़ी
में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप
संविणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए०
मी० एक्वि०, १ वराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक विसम्बर 1984। को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीन एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है 4—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उंक्सें अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- ्काः एंजी किसी वाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ का, चिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपानकार जन्तिरिती द्वारा अकड महीं किया स्या था या जिल्ला काना चाहिए था. छिपान में स्विभा के सिद्धः

अतः अवः अकल अधिनियम की धारा 269-में के अनुसरण तो मी जनन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीत, निम्नकि<u>चित्र स्मृह्मित्रम</u>ी, अव्यक्ति क्रि (1) मेसर्स प्रसाद अपार्टमेन्ट्स, 5-9-296, गनफाळंड़ी, हैदराबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) 1. श्री बी० नागे स्थर राव पिता बी० कोटस्या भौर भ्रन्य दो, नं० श्राफिसर्स क्यार्टर्स, पंजागूटा, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

दक्त स्व्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांड्रे भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किय सा सकोंग।

स्थविकारणः -- इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उत्त अध्याय में विका पता है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 301, प्रसाद श्रपार्टमेंटसट्र, गनफाऊंड्री, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1397 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 973/84, रजीस्ट्रीकर्त्ती भ्रधिकारी भ्राई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 28-10-1985

बच्च बार्यं हो , १५. एस्.

नावकर जिमिनसम, 1961 (1961 मन 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नार्ज राजाध

कार्यातय सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी०/आई० ए० सी०/एक्वि०/ 37 इ इ/ 256/85~86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उमित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट है तथा जो प्रसाद धपार्टमेंटस् गनफाऊंड्री में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि० हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, ■1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाल्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धूप किया बाय की बायस उन्ह अधिनियम को अधीन कार दोने के बन्तरक वे रादिस्त में कमी अस्ते या उससे दकने में सुविक्ष के सिए; बॉर/वा
- (क) इसी कियी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियी को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या यन-स्तर अधिनियम, या यन-सर अधिनियम, 1957 (1957 वर्ष 77) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उपना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः अवः, उक्त जिभिनियमं की नाच 269-ग के अनुसर्ध में, मैं, उक्त जिमिनयमं की धारा 269-च की उपधारा (1) दें जधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, वर्धात् क्र— (1) मेसर्स प्रसाद भ्रपार्टमेंटस् , 5-9-296, गनफाऊंड्री, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सैयद श्राशमा फातीमा, पति श्री एस० एम० कौल कादरी, 19-1-1062/7, बहादुरपुरा, पोलीम कालोनी, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उन्त संपत्ति के वर्षत्र के संबंध में कांध्रं भी आक्षंप -----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र मां प्रकाशन को लाराक से 45 दिन की अपिया तत्समान के स्वीत्त्रां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी जन्म स्थावित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ चिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्या करण :---इसमें प्रयुक्त गय्दों और पवा का, जो उक्त जिमिनयम के जध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं जर्भ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

अस्वी

फ्लैट नं॰ 310 प्रसाद श्रपार्टमेंटस्, गनफाऊंड्री हैंदराबाद, विस्तीर्णे 1250 चौ॰ फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 972/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी श्राई॰ ए॰ सी॰ एक्वि॰ रेंज, हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 28-10-1985

माह्र :

प्रथम बाइं.टी.एन एस.....

जायकर गणिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा

बाग्त सर्कार

कार्यालय, सहायक वायकार बाय्क्स (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०/आई० ए० सी०/एक्यि०/37 इ इ/ 255/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायक र किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो प्रसाद प्रवार्टमेंटम् गनफाऊंड्री में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध प्रमुख्नी से ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजम्डीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्राई० ए० सी० एक्वि० हैंदर।बाद से भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिनम्बर 1984

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिनम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पर्श के उद्यक्तन प्रातंभल के लिए अन्तरित को गृह ही और मृत्र पह विस्तास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितिया) के नीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्षित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) असरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अज., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिसिक व्यक्तियों, अथोत् :-- (1) मेसर्स प्रसाव श्रपार्टसेटस्, 5~9-296, गनफाऊंड्री, हैवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रहमद सीद्दकी पिता भादीक ग्रहमद, 4-1-477, दुपबाजार, हैंदराबाद।

(भन्तरिती)

का बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिएँ रूं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संगरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीबं वें
 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति इवारा;
- (था) इस सुमना के राजपत्र में अकायन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिल-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के सस एसचित में किस आ सकतेंगे।

स्वक्षीकरण:----इसमें प्रयासता शब्दों और पदों का, यो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वर्ष वर्ष को को तुम मध्याय में दिया वर्ष हों।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 109, प्रमाद अपार्टसेटस्, गनफाऊंड्री, हैदराबाद, विस्तीर्ण 947 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 971/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेंज, हैदराबाद। एम० जगन मोहन

मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 28-10-1985

वस्त्व बाह्र सी एन एस -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) टी असीन भक्त

भारत पाचा

कार्यालय सहायक कायक गायकत (निरिक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 28 प्रक्त्बर 1985

निर्देश स० श्रार० ए० सी०/श्राहै० ए० सी०/एविव०/37 ः १/254/85-86—खनः सुझे, एस० जगन मोहन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम उझा गण हों), भी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को या निरुगम महन का सारण हो कि स्थावर पर्म्यान 'इसका जीन नामार हो। 1,00,000/र पे अधिक हो

श्रीर जिसकी स० फ्लंट है तथा जो प्रवाद अ एटेमेटम्, गनफाऊड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची मे श्रीर एण रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के वार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद मे भारतीय रिजम्ह्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांग दिगम्बर 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उण्त बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्म और म्फे यह जिल्हास करने का कारण है कि यक्षाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर प्रांत से अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सिनिधा के लिए; और /या
- (श) एसो किसी प्राय का असा ५न वर या जातिया का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियस 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो इसारा प्रज्य गृही किया असा भा मा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के सिए;

अतं अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अभीन, निमनलिखता व्यवसायों, अर्थात् :---

(1) मेमर्ग प्रकार धारार्टमेऽस्, ५--१--२१६, गनफाऊंड्री, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती ग्रयेर खलीचा मित श्री ग्रहमद पफनकाम्ब्दीन त्ररणद 5-1-436, जन्मवाग, हैंदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करको पर्वोत्तन सार्पाट के अर्जन को लिए ਅर्याक्षाकृषा र ता हु

उक्त सम्पन्ति क अपना क मना य नाह ना शालीय ---

- (क) इस स्वत के राजपर में अकायन की तारील है 45 दिन भी जारिया कर्या असी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हा। के भीतर पूर्वीकत स्वित्यों या स किसी स्टब्स स्वार
- (क) इस स्वता के राजपाय में एकाकार नहीं तारीका ने 45 किस ३३ तर २०११ १४ ०३ स्टान राजी हा उससे १९११ १४ १४ १४ १४ १४

रमण्डीकरणः---क्सम प्या या आर द का., जा उत्काश अधिनियम क कथ्याय ०४) ३ का प्रि⊬ियन हुँ , बही अर्थ द्वारेग आ उर उपसाद मा दिश् सवा कृं।

ननुसूची

फ्लैट न० 203, प्रसाद अपार्टमेटस् गनफाऊड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 917 चौ० फुट, रजीन्ट्रीकर्त्ता विलेख न० 970/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्राई० ए० सी० एविव० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

दिनोक . 28-10-1985

प्राज्य बार्ष . टी . एव , एव , -----

कायका ४ लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं बराबाद, दिनांक 17 अन्तूबर 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी०/आई० ए० सी०/एक्वि०/37 इ इ/ 253/85-86---यत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधिन सक्षम प्राणिकारी की गए निक्वान करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैट है तथा जो प्रसाद ग्रपार्ट मेंटस् गनफाऊंड़ी से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक विसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ड हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल के बन्तर्थ प्रतिष्ठत से विश्वास है और वन्तरक (वन्तरकों) वौर बन्तरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरक के लिए तथ नाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्योग से वक्त बन्तरक विवास में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है कन्तरक

- (क) अनुसरण गेह्र जिल्ली जाव की बावस, उक्स परिवर्ण को अभीन कर दोने के जनसङ्ख्य की शिक्तिक में कभी करहे वा उससे बचने में उचिथा की लिए; क्षर/का
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की चिन्हें भगरतीय बावस्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नंहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अधिकाः.

बत. थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को अनुसरण मो. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपन्तरा (1) के अधीन, निम्हितिकत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स प्रसाध धारार्टभेंटस् , 5-9-296, गनफाऊंड्री, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. मास्टर रेह्नमीर्झा (माइनर)

2. मास्टर फरहान मीर्झा (माइनर) पिता सूलेमान मीर्झा, घर नं० 2-4-926, काचीगीड़ा, ह दराबाद (धन्तरिती)

स्त्री सह सूख्ना चारी करके प्यक्तित सम्पृतित के नर्वन के निए कार्यनाहियां करता ह∵ू।

अवत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं । जो भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 बिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकीने।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्योक्त, को उत्तक व्यक्तियम के सध्याय 20-क में प्रिक्तिवित ही, वहीं वर्ष होगा को उस जध्याय में दिवा पत्रा ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, प्रसाद श्रणार्टमेंटस् , गनफाऊंड्री **है्वराबाद,** विस्तीणं 997 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 969/84, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी स्राई० ए० सी० एम्बि० रेंज, **हैदराबाद**।

> एम० जगन मोहम सञ्जम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, हैदराबाद

विनांक: 17-10-1985

मोहर: :

प्ररूप बाइ", टी. एन. एस.

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, कि:ांक 17 अस्तूबर 1985 रिवेंश मं० आई०/ए०/सी०/ एकिप्र०/37 ईई /252/ 85-86-या: मुझे, एम० जगा मोहा

आयकर श्रीधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रकार अधितियम कहा गया है), की धारा 264 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100.000/- रा. मे अधिक है

भीर जितकी सं० पनैद हैं, जो प्राप्त जातर्देमेंन्ट्न्, गाकाऊंड्री, में िथा: हैं (श्रीर इतमें उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विधा: हैं), रिविट्री को अधिकारी के सार्यान्य, आइएमी /एकिन, हैनस्वाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 कर 16) के अधीक, 12/1984

करे प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूफी रह निश्यार करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उमके दरयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकर में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि में बास्तियक अप में कि चित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गयत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर बोन के अंतरकं के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविभा के सिए; अर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

णा मा मा प्राप्त कि स्थानियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत निम्नलिश्चित, व्यक्तियों, अर्थात च— 40—386GI/85

(1) श्री मैंदर्स प्रताद अवार्टनेएस्, 5-9-296, चर्च रोड, गानकाऊंड्डी, हैंदराबाद।

(अनारः)

(2) श्रीमिति आधारफिता बेगम पति अब्दुन रऊफखाल, श्रीर अन्य दो घर नं० 5-1-4338, जामकाग, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्य सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमापा होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्द व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका पया है।

वनसूची

पत्रैण नं० 6, प्रवाद अवार्टमेंग्छन, गानकाऊंड्री, हैसराबाद, विशीर्ण 1046 ची० फुड, में एजिल्ड्रीकुः विलेख नं० 968/84 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएसी एनिव, रेंग, हैदराबाद।

> एम जगा मोहत ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुका (िरीक्षण) अर्जार्जेज, हैदराबाद

বিলাল : 17-10-1985

मोहर ः

प्रकृप बाह्र . टर्डे. एन्. एस. ------

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-थ (1) के ब्यीन स्वना

नारत सर्कार

कार्यालय, सहायक भायकार भायक्स (निर्देशका) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलांक 17 अक्तूबर 1985 भिर्देश सं० आरण्सी/आइएसी/एक्वि/37इइ/251/ 85-86-यत: मुझे, एम० जगत मोहग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जि.की सं० फ्लैट है, जो प्रताद अपार्टमेंटस्, गनफाऊंड्री स्थित है (प्रारं इसमे उपाबद अनुसूची से प्रीरं पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री नर्ता अधिकारी के कार्यात्य, आइएसी/ एकिंग, हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री उर्ण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के गवीत अहएसी/एक्वि, हैदराबाद, 12/1984

की प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बढ: बब, उक्त जिथिनियम की धारा २६९-ग की, अनुसरण थी. भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-छ की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भे उर्स् प्रसाद अपाटमेंटस्, 5-9-296, चर्च रोड, गनफाऊंड्री, हैंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बंसी घर पिता किशनचंद, 10, रामकीष्णाप्पा रोड. कॉंक्ज टाऊन, बंगलीर-5।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यनाहिया करका हुए।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षंप :--

- (क) इस सूचन । कि राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए भा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृश्ची

फ्लैंट नं० 302, प्रसाव अपार्टमेंटस्, गनफाऊंड्री हैदराबाद, विस्तीर्ण 1335 चौ० फुट, रजीस्ट्रीकृत विसेख नं० 967/84, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएसीअक्वि, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगा मोहत सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जंग रेंज, हदराबाद

दिसांक : 17-10-1985

प्रस्प आह^र.टी.एन.एस.-----

ज्ञायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1985 निर्देश सं० आरएसी/ आइएसी/एक्त्रि/37इइ/272/ 85-86---यतः मुझे, एम जगन मोहर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर गितकी सं० फ्लैट है, जो अमून अपाटंमेंरस्, बैन ह स्ट्रोट में खिया है (मीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से बिंगा है), रिज हस्ट्रीती अधिकारी के कार्यालय, आइएसी एकिंग, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री हरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1/1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जीद अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित स्व्यंदेय से उन्त् अन्तरण सिचित में बास्टविक रूप से किश्व वहाँ किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुए किसी जान की वानत, बच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; और/या
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया वाना चाहिए था, ख्रियाने वें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मे उर्स अमृत अतर्दमें टम्, 4-3-336, बैन्ड स्ट्रीष्ट, हैदर बाद। (अन्तरक)
- (2) श्री श्रवन कुमार आर० कश्यप के० आर० ए० आर० कश्यप, 1-8-499/6, चीकचडपल्ली, हैदराबाद । (अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हो।

बन्ध संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
 - (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हिस्बब्ध किसी अन्य अपिकत स्थावर ने का का किसी अन्य अपिकत स्थावत स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाबित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका गया है।

अनुसूची

फ्लॅंष्ट नं० 508, अमृत अपार्टमेंटस्, बैन्क स्ट्रीट, हैदराबाद, विस्तीणं 1420 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 992/85, रिमस्ट्रीहर्ता अधिकारी निरिक्षिय आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, हैदराबाद

दिमोक . 17-10-1985

भक्ष बाइं. टी. एन. एस. ------

शायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269 व (1) क सधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० जारएसी/आइएसी/अनिव/37इइ/273/85-86--आर. मुझे, एम० जगा मोहार बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के बधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्ली सं० दूरा है, जो सुपर अपार्टमेंटस्, हील रुट्रीट रिया है (श्रीत इपा उन बढ़ अनुभूबी में श्रीर श्रीप पूर्णहा से बींगा है), रिस्ट्रीफर्ता अधिकारी है कार्यात्य श्राहण्मी अनिन हैंदराबाद में भारतीय रिजर्ड्डी एक अधिविम

1908 (1908 जा 16) के अप्रीत 1/1985 की पूर्वोजित सम्पत्ति के उपित साजार मूल्य म कम के प्रयमान रिनम्बल के जिए अन्तरित गी गर्वे हु । अस्ति माना माना करने का कारण है कि सथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसक रश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिपत्त का सन्तर प्रतिपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे यंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखिय उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की अब्द स्थल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी नाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा स्वे सिष्टु;

सत. व्या, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — भेउत् सुगर काम्प्लेन्स्,
 4-3-161, सी, हील स्ट्रीप्त,
 सिकंदराबाद ।

(अहारस)

(2) श्री के॰ वेंकटरमा। पिता भरतीम्हुलू, श्री के॰ घादेव पिता के॰ भरतीम्हुलू, 7-2-57, अत्योक भगर, सिकंदराबाव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित अंकर्जन के निम् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त राम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हा, के श्रीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण .--- इसमें प्रयुक्त शब्दों कार पर्यों का, जो उक्त क्रिंपियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा पया हैं।

धनुसूची

दूकान नं० ६-ए, सूपर आपार्टमेंटन्, हील स्ट्रीट, सिकंदराबाद, विन्तीर्ण 200 ची० फूड, रजीस्ट्रीकु: विलेख न० 999/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी आइएसी अस्व, रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन -सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैधराबाद

दिनांक: 29-1**0**-1985

मोहर

प्रकृत बाह्" हो. एवं प्रथम स्थापन

बायकर बॉजिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 व (1) के ब्योन स्थना

भारत सुरकार

कार्यक्षयः, सहायक भागकर भागवतः (भिरोक्षाक)

अर्जन रेंज, हैदराधाष

हैदराबाद, दि: तंत्र 29 अन्दूबर, 1985

िदिश सं० आर०ए०सी०/आई०ए०सी०/अभिव०/38-ईई/ 274/85-86---आः मझे, एम० जना मंहा,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-श्व के निधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर लम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिल्ली मं० पनैट है एया जो यहाजाहोन अपर्टमेंट्स खैलाबाद में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद्ध अनुभूनी में में श्रीर पूर्ण का संवित्ता है), रिवाझी जिल्ली अधिकारी के जाबीचन, आई० सी० एकनि० है। प्रवाद में रिकिट्टीएण अधिक्षियम 1908 (1908 का 16) के अधीक, दिवाह जावरी, 1985

को पर्योक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमार्थ वितिक को लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विविधास आरम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्रममान प्रतिकत है, एंग श्रममान प्रतिकत का रुष्ट्रह प्रांत क्या सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) गौर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के निए प्रभागा गया प्रतिकर्म, निम्नीजीवत उद्दोक्त से उक्क बन्कएक विविद्य में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया प्रशा है क—

- (क) अन्तरण से हुई किटी बाद की दावतः, उच्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व मों कमी करने या उससे कहने में सुविधा के लिए, और/या
- (को एकी किन्से राष्ट्र का किन्से अप का का का किन्सों का, जिन्हों भारतीय अप का किन्से का का का किन्से किन्से का किन्से का किन्से का किन्से का किन्से का किन्से का किन्से किन्

नतः सकः. अक्त विचित्रियम की वादा 269-व की वयुसद्य मं, मंं, उक्त अधिनियम की ४ ग 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिकः वर्षात् ८——

- (1) श्री एम॰ सी॰ भारतरण पिता एम॰ जी॰ ऊनी, 6-3-252/1/2, येरा मंजिन वालीनी हैदराजाद (अनारत)
- (2) श्री पेर विश् कुष्पुत्वामी, पिता चेर केर बत्यम, पर्नेष्ठ नंश ३, को हो गर, अवर्टमेंट्स, मोतीकाल धगर, बेगमवेष्ठ हैदाराबाद

(अमारिती)

को वह स्थाना धारी करके प्यासित संपत्ति के वर्षन के निक् कार्यमाहियां घुरू करता हो।

उक्त मन्यां सु के कर्षत की सबाय में क्याई भी बाध्येप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब की 4,5 दिन की अवधि सं इत्स्थ्यत्थी स्थानितयाँ बहु सूचना की उपयोग से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में सं कि भी त्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना जे रागपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य श्वकिः, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

न्यस्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित ही, वहीं अर्थ होगा को उस "ध्याय में दिया गया ही।

पनुगुची

फ्लैट न० 308, शहाजाहार आपटंगेंट्स घर नं० 6-2-974, खेरापाद, हैश्याबाद विस्तीण 1105, ची० फूट रजीस्ट्री-छा विलेख नं० 1000/85, रॉअस्ट्री इर्ती ऋधिकारी आई एसी अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जेगा मोहत सञ्जम प्राधिशारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 29-10-1985

प्रारूप आई. टी. एन . एसं . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराधाव

हैदराबाध, दिलांक 29 अक्तूबर, 1985

भिदेश सं० अः८एमी/अःईएसी/अक्तित्र०/31-ईई/275/85 86----यतः मझे, एम2 जगन मोहन

काशकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसकें प्रथम प्रश्नित किसे किसे किसे कहा गया हैं) की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उणित बाजार मृत्व 1,06,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीट जितकी सं० पत्रैंट है तथा जो हारीगंगा मार्किट रानिगंज में स्थित है (श्रीर इत्ते उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण का से बाँगा है), रिजिल्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय के लिए के बाँगा है), रिजिल्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय के लिए कि का 16) के अबीप, दिनांक जावरी, 85 को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कर के व्ययमान मिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहस्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया करिकल, निम्नलियित उद्ववस्य से उन्तर कन्तरण विविद्य में वास्टियक क्या से कथित नहीं किया प्रया है हि—

- (क) अस्तरण व हुई किसी आय की वावत, जक्त विधिनयम के अधीन कर दोने की अस्तरक की वायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीड़/या
- (यं) श्रेंती किसी भाव वा निग्ती पन या निग्न वार्षितकी की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धर्व-कर अधिनियम, या धर्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यापा प्रकट नहीं किया यवा या वा किया धाना चाहिए था, कियाने वे स्थिया के जिल्हें

अरू कर्ण, उन्त विधिनयम की धारा 269-ए के अनुसर्थ यो, यो, शनत विधिनयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीय, निम्नसिद्धित व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) मैं उसें हरीगंगा उन्स्ट्रमशन्त भीर बिल्डसे प्रा॰ 2 लि॰, 28 बि॰ शेनउपियर सराति॰ कल इसा (अन्दर ह)
- (2) श्री बजन्त यु॰ मेहना ग्रीर अन्य तीन, 83, जीरा कम्पाउण्ड, सिकन्दराबाद

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पित के वर्षा की सिष् रू कार्यपाहिमां शुरू करता हुई।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप ८---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की जनभिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ दृष्ट
 स्थान की तामील से 30 दिन की जनभि, यो भी
 कर्नाभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्विष्ट
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवासः
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिक्त में हितवव्य किसी कन्य व्यक्ति व्वारा क्यांह्रकाकड़ी के पाव सिवित में किए वा वक्तें ।

स्थव्हीक रण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वैद्या हाँ।

वन्सची

फ्लैष्ट नं॰ 3, हारीगंगा मार्केट, घर नं॰ 5-5-84, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 392, चौ॰ 2 टफ् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1001/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी आईएसी॰ अविव॰ रेंज, हैदराबाद

> एम॰ जगत मोहत सक्षम अधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैरराबाद

सारीख: 29-10-1985

मोहर 👙

धक्य बाइ.टी.एन.एठ ------

बायकार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्थान

बार्व बरकार

कार्यालय, सहादक जायकर जायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विकास 29 अनतूबर, 1985

िर्देश सं० आरएसी०/आईएसी/अक्वि०/37-ईई/276/85-86---अरः मुझे, एम० जगा मोहा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 369-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थानर संपर्ति जिसका उचित नाभार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० पर्नेट है तथा जो हारीगंगा मार्केट, रानी-गंज, स्थित है (श्रीर इतने उपाबढ़ अनुपूचा में श्रीर पूर्ण रूप में विता है), रिजिल्ली उत्ती अधि हारी के कार्यात्रम, अ.ईएपी अभिन्न हैंदरागाद में रिजिल्ली उर्ण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अभीत, दिशांक जावरी, 85

को प्रवेषित संपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और गुरू रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोष्ट्रत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि बिक के बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, अक्छ बिधिनियम को अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुनिधा है िए, और/या

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उनत अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मैसर्स हारीगंगा कन्स्ट्राज्यन्स श्रीर बिल्डर्स, प्रा लि॰ 28 बि॰ शैक्तिपियर सराधिल, कल-कत्ता। (अन्तर ह)
- (2) श्री सुरेश व्ही॰ मेहता श्रीर अन्य तीन, 83, 83, जीरा कम्पाउण्ड, सिकन्वराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त स्म्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

इक्स सम्परित के अर्जन की सञ्जनक में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरम्नत में किस आ सकेंगे।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किये जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण.—इसमें प्रमुखत सन्दों और पदी का, को उनक् अधिनियम भे अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा थी उस अभ्याय में दिया गया हैं।

यनुसूची

पसैष्ट नं० 3, हारीगंगा मार्केट, घर नं० 5-5-84, रानीगंज, सिकदराबाद, रिजस्ट्रीकृप निलेख नं० 1002/ 85 रिजस्ट्रीकर्ता आईएसी अन्निव० रेंज, हैदराबाद।

> एम॰ जगा मोहत सक्षम अधिक्यरी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जेश र्रेज, हैदशबाद

दिसी ह: 29-10-1985

प्रकृष काइ . टी. एन. एस. -----

नायकर समिनियम, 1961 (1961 ना 42) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचना

मारत धरकार

कार्णलयः, सहायक्षः कायकः कायकः (निरक्षिकः) अर्जः रेंज, हैदराबाध

हैवराबाद, दि'तं ह 29 अन्तुबर, 1985

िदेश सं० आरम्सी श्री है मिशिशिव० | 37-ईई | 277 | 85-86—आरं मुझे, एस० अगा मेहा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का आरम है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य

1.00,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिउकी संव पर्नेट हैं उम जो उत्तिगंगा मार्केट,
रानीगंज में स्थित हैं (श्रीर इत्ते जाबह अनसूची में श्रीर
पूर्ण का से अधिक हैं (श्रीर इत्ते जाबह अनसूची में श्रीर
पूर्ण का से अधिक हैं इत्याबाद में विज्ञान के वायालय, आईएसी अधिक हैं इत्याबाद में विज्ञान अधिक्रियम,
1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिवान काखरी, 85
का पूर्वोकत संपत्ति के उचित अधिक, दिवान काखरी, 85
का पूर्वोकत संपत्ति के उचित अधिक मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकास के निए अन्तरित की गई हैं और वर्ष यह विक्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत आजार
भून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एमें दश्यभान परिकल का
पन्छा अस्टिक में अधिक हों और अंतरक (अंतरकार) और
अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के देश तय
पाया भया प्रतिकल में वास्तरिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) नः चरण गं हुई किमी बाय की बाबस उक्त बीधनियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक बी बायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुनिधा के लिए; खाँर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: आप, उक्त ऑभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैजर्स हारीगंगा रान्स्ट्रामन्त श्रीर बिल्डर्स, शाव लिव, २० बी.2, योनाधिनर सराधिक, कलाउसा (अगरक)
- (2) श्री वीच र नहीं मेहा। ग्रीर अन्य, 83, जीरा कम्माउण्ड, जिकंदराबाद (अर्गारती)

को यह स्चना जारी करके प्रवेक्त संपत्ति को वर्जन के निर्हे कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध याद में ममाप्त होती हो, की भीतर वर्षोक्स अविवर्ण में से किसी स्वित्त हवारा;
- (ख) इस स्चता के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्ष निधित्त में किए का सकती।

रमक्टीकरण:---इसमें प्रमृक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त आयकर बीधनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया[™] गया हैं।

अनुसूची:

पर्लंड नं० 3, हारीगंगा, मार्केट, घर नं० 5-5-84, रानीगंग, जिन्दराबाद, विस्तीर्ग 2080 चीं० फूट रिक्स्ट्री-क्या विलेख नं० 1003/85 रिक्स्ट्री न्ती अधिकारी आर्ष्ट एसी० अन्वि० रेंग हैदराबाद।

> एम० जगा मोहा सञ्जम अधिहारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) ' अर्जार रेंज, हुँदससाद

दितंक: 29-10-1985

प्रकृष बाह् : टा.एन एस. -- -- -

अगयभर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलाए 29 श्रक्तूबर 1985 स्टिंग म० प्रारण्मी/श्राइएसी०/श्रक्विव०/37इइ/278/

85-186- ा मृद्यी, एम जगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उकत मिथिनियम' कहा गया है") की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- उसे सिधक है"

और निकी स० से फलट है जो इन्लेश अमानित प्रमानित है पेडरवास्ट रोड स्थित हैं (और इससे उपावक अनुसूर्व में ओर पूर्णकार से विणित हैं), निस्ट्र ती अधिकार के अधिकार के अधिकार के अधिकार में भारतीय रिकट्र। रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोर 1/1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम के दश्यमान प्रशिक्त के निए जन्तरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अधाम्बाँक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, सबसे दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल से पन्स मिंदित सं अधिक है और अंसरक (अंतरका) और अंसरित बन्दिरती (अन्दरिविया) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिक्निमिचित उद्श्वेष्ट से उन्तर अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कियान नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण वे हुएं किसी बाब की बाबस, अक्ष्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने वा उत्तरी बचने में सन्तिया। के लिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी अनव या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19%, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्यरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सिप्तिया अहिए।

हरू अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् —— 41—386 GI/85

श्रा मार्न् इनोविशन श्रमोनियटस्, 142/मा० पेष्ठरघास्ट रोड, क्तिदाबाद,

(अन्तरक)

श्री माहमद हुन्दल बहाद जफर, नि॰ आ॰ बाँक्स्, 3108, जेदाह सोदी श्रारविया, (श्रन्तरिती)

का यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्मित्ध के वर्णन के जिए कार्यनाहिए। गृस् करता हुं।

उपर सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हत्ने, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी व्यक्ति बवाग, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे जा सकागे।

स्पष्टीक्षरण .---इममो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभानसम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिसा गया है।

भ्रन्यूची

पनैट त० 108, इनोप्रेनर प्रानीसीयटम, पेन्डरवास्ट मोड, निकद्मवाद विस्तीर्ण 1700 चौ० फुट रजीस्ट्रीकृत चित्रज त० 1004/85 मोड्डो ली श्रधिकारी जाइएसी श्रीक्ष्य,रेज, हैदमबाद

> एम० जगन मोहन सक्षय प्राधिकारी वहायक श्रापकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैंदराकाक्ष

ित्तः 29 रफ्तूबर 1985 **मोहर**ू

ब्रक्ष्य बाह्ये ही. एन् एसं. -----

बारकर वीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

मारत नरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 अन्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्रार ए मी/श्रार्ड ए सी/श्रिक्व०/37ईई/279/85-86---यत: मुझे एम जगन मोहन नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिपकी मं० जार्यात्य का परीसर हैं, जो बावुखान इस्टेट, बसीरवाग, स्थित हैं (और इसने उपावद्ध प्रसूच्ची में और पूर्णक्ष्य से बाँगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधरारी के कार्यात्य प्राइएसी श्रिक्व, हैदरावाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1/1985

को प्रवेक्स संपत्ति को जिल्ह बाकार जुन्य से कन के कारवाय प्रतिकार को निए जन्तिरित की नहीं है जार मुझे यह विश्वास करने का कारक है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मून्य उसके कार्यमान प्रतिकाल से, एसे कार्यमान प्रतिकास का गम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एमें जन्तरण के लिए तथ पाना नवा विश्वास निम्नितिष्ठ क्यूचेस्य से सम्बं जंदरक विश्वास में वास्त्रीक्क कर से कथित क्यूचेस्य से सम्बं

- (क) नन्तरण संहुई किसी बाद की बावत, उपत विधिनवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तवे तकने में सुविधा से सिक्ट; अद्विश्वा
- (थ) ऐसी किसी बाव वा किसी वह वा बम्ब आस्थियों की, जिन्हों भारतीय बायक र अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उस्त अधिनियम, मा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रदाशनाश अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था था कि दे, जेला वाहिस का किया में मुविवा के लिए,

जतः अबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, वै, अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री मेनर्स बाबूखान कन्स्ट्रक्शनस्, 5-9 · 58/1-15,वाबुद्धान इस्टेट, े त्रमीर बाग, हैंदराबाद,

(भन्तरक)

श्री मेह्तत भालो खान पिता मोहमद श्रली खान, 16-4-570, चंचलगुष्ठा, हैदराबाद,

्(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हो।

जबन्द सम्बन्धि को बर्जन के सम्बन्ध में कार्च भी शाक्षीप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की नविभ, को भी तबिभ नाव में समान्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (थ) इस बुचना के राज्यम में प्रकादन की तारीय है 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी बन्ध म्यक्ति द्वारा, वधाहस्ताक्षरी के बाद जिसित में किए का बक्तेये।

स्थानिक रण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और एडों का, भा जनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बड़ी अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

कार्यालय का परीतर, नं० 114, बाबुखान कन्स्ट्रक्शनस्, धर नं० 5 - 9 - 58 / 1 - 15, बंसी बाग, हैंदराबाद चिस्तीर्ण 407 चौ० पूट, रजीम्ट्रीकृत चिलेख नं० 1006 / 85, रजिम्ट्रीकर्ता श्रिक्व, रेंग, हैंदराबाद,

एम० जगत मोहत ृसक्षम ग्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैंदराबाद

दिनांक : 29 अक्तूबर 1985

प्रकृष् वार्षः दत्ते . एव . एवः .- ४-४-अधः

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाः 29 अक्तूबर 1985

निर्देश स० श्रारएमी/श्राइएसी/श्रक्षि/ 37इइ/280/ 85--86-यत . मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी स० ध्लाँट है जो मननुराबाद विलेज, ह्यान नगर तालुक, मे स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीम्त्री अधिवारी के वार्यालय आइएसी अक्षित्र, हैदरावाद, में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन 1/1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूला दे कर उचित बाखार मुल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्व उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्व प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाचा चवा प्रतिफल निम्नतिवित उद्वर्षम से उक्क जन्तरण विविद्य में शास्तविक रूप से कथित गड़ी किया ववा है है

- [क) अन्तर्भ से शृष्ट किसी नाम की नामस उनस अहित का के अभीन कर दोने के मन्तरक की शामिल में कबी करने या उत्तर क्या के सिंह, कार/था
- (क) ऐसी किसी आय या भन वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-चडु अधिनियम, वा धन-चडु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था. जियाने में सुविभा के जिस्ह;

कतः वव, उकत किभिनियम की धारा 269-ए कै अनुसरक मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) भैं मर्स फराई। ईमटेट,
 16-4-335, चचतगूडा, हैंदराबाद,
 (अन्तरक)
- (2) ए० मपन कुमार पिना ए० एम० के० आचरयुलु, 595, एत आइए जी० भारत दहत कालोनी, हैदराबाद-18 ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना बारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

वक्त कम्पतित के अर्थन के कम्पन्य में कोई श्री वास्त्रेय:--

- (क) इस स्वरं ते राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बर्बीय, जो भी वचित्र वा वो वसाय होती हो, में शीवर पृत्रों करा व्यक्तियों में विकास क्षी क्षीय व्यक्तियां में विकास क्षीय व्यक्तियां में विकास क्षीय व्यक्तियां में विकास क्षीय व्यक्तियां विकास क्षीय क्षीय विकास क्षीय क्रीय क्षीय क्र
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावृद कमरित में दितवहुष किसी बन्न व्यक्ति द्वाय बृधोहस्ताक्षरी के वाख् निवित वें कियु वा सकेंचे।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयक्त शक्दों और पर्वो का, जो सबक्ष विधिनयम क अध्याय 20-क में पोरभाविक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अन्स्**ची**

ण्लाँट न० 72, सर्वे न० 56/1 मन्स्राबाद विलेज, तालुम, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख न० 1007/85, रजीस्ट्रीं स्त्री ग्रिधि शरी श्रीस्व० रेंज, हैदराबाद,

> एम० जगत मोहन पक्षम प्राधि धारी सहायक प्रायक्ष्य प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनार : 29 श्रक्तूबर 1985 मोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 धक्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्रारएसी/भ्राइएसी/भ्रक्ति / 375 ह / 281/ 85-86---यत: मुझे एम, जगन मोहन

मानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें इसमें क्याय (उक्त अधिक्यम माना गया है), की धास 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी मंद्र दुरान है, जो हालीक्मान, हैनराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिनारी के वार्यालय आइ एसी अक्यों में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1/1985

का बूबेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, अध्यो दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जोर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिए को, जिन्हें भारतीय जावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उसर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा था विधा जाना चाहिए था, जिल्ला में सुविधा के निए:

वत: वन, उन्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मा, मा, उन्त अभिनियम की धारा 269-म की ज्याना /1) के अभीन, निम्नीलिनित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक

(१) नं र्स ज्योती बिल्डर्स घर नं० 22-16-12 और ालीक्रमान', हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री मित संतोष बाई पित नरेश कुमार 2. श्रीमित ऊर्मिला बाइ पिति विस्थानाधम, घर नं 21-6-761, चेलापूरा, हैदराबाद,। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए जार्यवारियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी उद्यक्ति हुतारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के संध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

दूष्ठान घर नं० 22-6-2/7, ष्ठालीष्टमान, हैंदराबाद, त्रिस्तीर्ण 18.54 चौ० गन रजीस्ट्रीकृत श्रधिकारी निरीक्षण श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

> एम० जग मोह्न सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंक, हैदराबाद

दिनांक: 29 अन्तूबर 1985

प्रसंप नाइं.टी.एन. एवं. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

आयस्मि, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्देशसं० आर ए स/आई ए सी/अक्वि/37 ईई/282/85-86:-यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिर, जिसका उिवत बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट है जो तक्षीला अमार्टमेंटस् एस० पी० गोड़ में स्थित हैं (श्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ऑग पूर्ण स्प से बाणत हैं) रिजस्ट्रीजर्ता अधिकारी के कार्यालय आई ए मी अस्वि० हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री परण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृत्य से का के क्याबान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्याबान प्रतिफल से, एसे क्याबान प्रतिफल का पंवह प्रतिकता से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्क स्त्य, निस्तिवित्त उद्वैष्य से उक्त अन्तरण शिवित्त में बास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा असिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमिसदी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभाग (1) के अभीन, निम्मलिक्किक व्यक्तिकों, अर्थात् :--- (1) श्री मैसर्स माठल बिल्डर्स 16थ प्रतीक्षर बि-बिग सरीमस पाइंट, बाम्बे-211

(अन्तरक)

(2) डा॰ व्ही॰ पी॰ आप० मलिकार्जुम राव, मुपरीसटेडेट, गवर्नमेट हैडक्वार्टम, हास्पीटल, आदिलाबाद, ए० पी॰।

(अन्तरिती)

का बहु स्वता चारी करको प्रोंक्त संपक्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उनत संपरि के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीश में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी को पास सिकित में किए का सकोंसे।

स्पाक किरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, वो उसत किंतियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्य्यी

फ्लैंट नं 11, बी--विग, प्रथम तल, तक्षीला अमार्टमेंटस, एस० पी० रोड़, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1123 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1011/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एमं० जगत मोहन, ज़क्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

तारीख : 29-10-1985.

मोसर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 अक्तुबर, 1985

निदेश सं० आरए सी/आई ए सी/अक्वि०/37 ईई/283/85— 8 6:—यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उद्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट हैं, जो महोदरा पालम, ईस्ट मारेडपल्ली, में स्थित हैं) श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई ए मी अनिव० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बम्बह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीव कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अपने में तृतिधा के लिए; बार/या
- क) एंसी किसी भाग या किसी धन या जन्य अस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वयः, उक्त विभिन्यम की धारा 269-ग के वनुसरण में, मैं,, उक्त विधिन्यम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के बधीन, निम्मिलिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् : (1) मैरामं बाबूखान कन्स्ट्रक्शानस, 5-9-58/1-15, बाब्खान इस्टेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मार्गदर्शी चीट फंड (प्रा०) (लि०), बाई डाइरेक्टर श्री ए० कृष्णामूर्ति अबिडस, हैंदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षन्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

ण्लाट नं ० 195, महिन्द्रा हिल्स, ईस्ट मारेड ल्ली, सिकन्दरा-बाद, रिजम्द्रीऋन विलेख न ० 1012/85, रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी आई ए सी अक्षियं०, रेज, हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयंकर आएक्त, (निरीक्षण) अर्जभ रेज, हैदराबाद

नारीखा: 29-10-1985

मोहर व

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज, हैदराबाद

हैदराबाद , दिमांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश मं० आर ए सी/आई ए सी/अक्वि०/37 ईई/284/85-86:--- यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इंसर्ने इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट है, जो मनम्राबाद विलेज, हायाननगर नाल्क, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्री क्वी अधिकारी के कार्यालय, आई एस सी/ अक्तिर, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख जमवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :~~ (1) मैसर्म कराही इस्टेप्ट, 16-4-355, चंचलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अमीर वसी अहमत पिता लतीफ अहमद, 277/ए, न्यू आगापुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विक्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुस् भी

प्लाट न० 64 श्रोर 65, सर्वे नं० 561, मसूराबाद, हायात नगर, नालूक, रंगारेड्डी, जिला, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1013/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आर्ड ए मी अक्वि, रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहप, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (गिरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29—10—1**98**5.

इक्न बाइं, टी. एन*ु* एक*ु - ----*

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक भागकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जभ रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ह 29 अक्तूबर, 1985

निवेश सं० आर ए सी/आई ए सी/अक्वि/37 ईई/285/85— 86:— यत. मुझे, एम० जगार मीहरा,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परभात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उथित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो मनसुराबाद विलेज, ह्यातसगर तालूक, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई ए मी आक्वि० हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तरीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उभित बाबार मूल्य से कम के ध्रममान शितफास के लिए अंतरित की गई हैं और मुभी यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्मित का जीवत बाबार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफाल में, एसे दश्यमान प्रतिफाल का बन्द्र प्रतिचत से बिभक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतिरितिया) क बीच एस अतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफाल निम्निकात उद्योग से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) बंधरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्स अभिनियम के अवीन कार दोने के अंतरक के दायिश्य में कामी कारत या उसस अवन में सुविधा ५ १८ए और या
- (क) एउटी फिली आय या किसी अन या जन्म जास्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रजाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान ए सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्भातः :--- (1) मैं अर्स फराही इस्टेट, 16-4-355, चंचलगृष्टा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री नेः० सुप्रमाधियन पिता प्रजनेयून्, और अन्य एक, घर न० 9-7-, पी० एन्ड टी० हालोनी, वीसमुखनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)_{- प}

श्री वह बुखना भारी करको पृथा कर सम्मारित कं सर्पन के आप कार्मबाहिमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्योर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में जिल्ला का मक्ता ना सकता।

स्पष्टीफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

अन्स्ची

प्लाट न० 56, सर्वे नं० 56/1, मसूराबाद दिलेज, हायातनगर नालुक, रगारेड्डी जिला, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० _ 1014/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई एसी अक्वि०, रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन प्रोह्न, सक्षम प्रेधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण), अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 29-10-1985.

4.80 Mg + 17 777 ---

बायकः अभिनयम, 1961 1961 दे 43) का **धारा** 'न (१^९ के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय. महायक आग्रकर आग्रकत (निरीक्षण)

ग्रर्जं न रेज हैदरावाद

हैदराबाद, दिनॉ ' 29 ग्रक्तृवर, 1985

निदेग स० स्नार ए मी/स्नाई ग $\frac{4}{3}$ सिं/स्निव० $\frac{37}{5}$ ईई $\frac{286}{85}$ $\frac{86}{37}$ सिं एम० जगत मोहन

कायकर कि धिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दिक्सत 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 29 स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सक नार्यालय जा परि । र है जो बाब्जान इस्टेट, बसीरबाग, में स्थित है (ओर इगम उपावद्ध अनुम्नी में गार पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिट्टी हर्ना अपि गरी हे जा नार्यालय आई एस सी अक्विक, हैदराबाद में भारतीय रिजिट्टी रूपण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1985 का पूर्वीपत सम्पत्ति क उचिन बाजार पूर्ण स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का काण्ण ह कि यथापन नत सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्त सं अधिव है कि अन्तरित की गई है कि उपमान प्रतिफल का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उपनित का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पर का अधिव है कि अन्तरित का उचिन का उपनित का उचिन का

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक कै बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- क में। जो अप राजिय कि दा अल्य आस्तियों ता, प्रश्ने भागपीय यक्तर की न्यस, 1922 १८११ ते १ १ १८९ तो प्रमा या धर कर आंगी १८५ । / (१९५७ वर १) के प्राप्त के अल्प । हरू १६८ - १ ना गर्भ थ राजिया । प्राप्त विद्या । प्राप्त व

अन र र िनिस्किती त्या ?69-स द्वे अन्गरण र, मैं कर की अस्तिम में गर्द , द कर उपवारा (१) रूप र वित व्यक्तियाँ अधार्त :— 42—386GI/85 (1) नै र्राचार इति कि हे क्यानस, 5-9-58/1-15 पाल्या इतिहेट, ल्यारमाग, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री, नारार भोहम्मद बात ग्राफिस न० 908, 9य प्लोग्रर, वाबुखात इस्टेट, वसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

क यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (ट) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के शह किसिक मा विकास को सकीये।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होण जा उस अध्याय म दिया गया है।

अनुस्ची

कार्यालय का परिपर, न० 908, नवा मजला, बाबूखान इस्टेट, बसार बाग, हैदराबाद, विष्नोर्ग 1022 चौ० फुट, रिजिस्ट्री मुन विनेख न० 1015/85, रिजिप्ट्री प्रिविकारी म्राई ए सी म्रक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एय० जनन मोहन, मझम प्राधिकारो, सहायक पायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 29-10-1985 मोहर . प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

कारा रू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवरावाद

हैदराबाद, दिनाँक 29 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ब्रारएसी,ब्राईएसी,ब्रक्वि०/37 ईई/287/ 85-86:-- या मुझे, एम० जगन मोहन, नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि भावर संपत्ति जिसका उष्टित बाजार मृल्य 1, \0,000/- रत. से अधिक है भ्रौर जिसकी म० कार्यालय का परिसर है, जो बाबुखान इस्टेट, . वसीरबाग, में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई एसी ग्रक्षि० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पुर्वाक्श संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बरममान प्रतिफल को 'लए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का अचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदास से अभिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रति-फल निग्निलिखित उद्बेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक **रूप** से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पंसी फिसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निभ्निशंकत अधितायों, अर्थात् :—-

- (1) मैसर्से बाबूखान करस्द्र क्यानस, 5-9-58/1-15, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मरश्रा मोहसीमग्रली गंज, मीसरी गंज, घर नं० 19-2-435/80/111, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किंगु जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Office space No. 149 on I floor in Babukhan Estates, Bashirbagh, Hyderabad, area 285.77 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S No. 1016/85.

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**ं 29-10-1985. मोहर प्रकप वार्ड . टी . एम . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनाँक 29 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्रार ए सी/ग्राई ए सी/ग्रक्वि०/37/288/85 --86:---यतः मझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके परवाद जिस्ता अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो मसूराबाद विलेज, हायातनगर तालूक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्राई ए सी श्रविव० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 का 16) के श्रीधन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल से बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से अवश बन्तरण जिला गया प्रतिफल हैं अधित नहीं किया प्रवा है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीन कर दोगे के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैनिधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स फरास इस्टेट, 16-4-355, वंबलगूजा, हैदराबाद।

(ग्रन्त रक)

(2) श्रीपी नाबि रसूल पिता माबू साहेब, 12-136, पी ० एन्ड टी ॰ कालोनी, दिलसुखनगर, हैदरा-बाद।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना पारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्पन से किए कार्यग्रही शुरू करता हो।

उक्त तम्मीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज ते 45 जिन की जनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 जिन् की अनिश, जो भी अनिश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की बाड़ींक के 45 दिन के बीलड़ उक्त स्थावर संपत्ति में विज्ञ-व्यूच किसी मन्य व्यक्तित त्वारा अभोइस्ताक्षरी के गांध जिलाइ में किस का क्योंनं।

क्पकक्षिकरण:--इत्तमें प्रमुक्त बन्दों और वर्षों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस मध्याय में विया नया है।

Plot No. 54 in Sg. No. 56/1, at Masoorabad, Hiyatnagar Tq., RR Dist., Hyderabad, area 105 sq. yds. vide agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1017/85.

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहामक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंबः हैदराबाब

तारीख : 29-10-1985.

त्रक्य बार्ड.टी.एन.एत.----

ज्ञानकर जीविन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाँक 2 श्रक्तूबर, 1985

सं० ग्रार० ए० सी०/ग्राई/मी ए०ग्रक्वि०/37 ईई/289/85— 86:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पदचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269 के अधीनः सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय का परिसर है, जो चेनाय देड
सेंटर, पार्क लेनों में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में प्रौर
पूर्ण रूप से विणन है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई०
ए०सी/ग्रक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, गरीख जनवरों, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब
पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी जाव की, बायत, समत जिमित्यक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकांकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा केलिए,

नतः (नकः) उनित निविधान्यमः की धारा १६९-ग के ननुसरण मी, मी, उन्त व्रिभिनियम की धारा १६९-१ की उपधारा (1) दे नधीर, रिप्तिनिक्क व्यक्तिकाँ, वर्धात:--- (1) मैसर्स नटराज यन्स्ट्रकशन को० न० 116, पार्क लेन, यिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राईल दास बूले जन्द चुगानी, ए-118, कराची साटीजन्म न्यू लिक रोड, श्रधेरी (वैस्ट) वाम्बे-58.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसमूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितथक्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहन्नाक्षरी के एख तिखित में किए जा हका।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उचत अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होंग को उस अध्याय में दिया गया है:

अन्स्भ

यार्यालय नं० 506,चेनाव ट्रेड सेंटर, पार्कलेन, सिकं-दराबाड, विस्तीर्ण 1020 चा० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1018/85, रिजस्ट्रा क्रां अधि कारी आई०ए०सी० अनवि०, रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, नदाय त्रधि कारी, तहायक स्राय कर त्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजंग रेंग, हैदराबाद

तारीख: 29-10-1985.

प्रकल कार्ड. टी. एव. एक:,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

'भार्यालय, सहायक बायकर बाब्क्स (निरक्षिक)

सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैंदराबाट

हैदराबाद, दिना 🕆 2 ग्रक्तूवर, 1985

निदेश सं० स्रार०ए०सी०/स्राई०ए०सी०/स्रक्वि०/37ईई/ 290/85-86---स्तः मुझे, एम० ागन मोहन,

बाबवाण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-27 से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट है, जो मसूराबाद, व्हिलें, हायात नगर, तालूक स्थित है (श्रोगः समे उपाबद्ध अनुमुन्नी मेश्रोण पूर्ण त्य से विणित हे) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिकारी अर्थात्य मे भारतीय रिजिस्ट्रो रण अविनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन दिवाक 1/1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह राजन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, नसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोक्षित से प्रिक्षिक हैं और अतरक (अंतरका) और अतरिद्धी (अन्तरिक्षिण) व बीच एस अन्तरण क निए तय पाया स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किपन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बावत उक्त बांधानियम के बधीन कर दान के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिएट बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्म क्यस्तियों का जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने के स्विधा के लिए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण क्रं, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निक्तिविश्व व्यक्तियों, स्थान अस्ति व्यक्तियों, स्थान अस्ति

मैनर्स पराह इस्टेट,
 16-4-355,
 चचलगूडा, हेदराबाद।

(ऋन्तरका)

2. श्रीमती श्रार० हेमलता आर० श्री आर० श्री निवःसाराव बी 433, बनस्थलीपुरम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्था जारा करके प्रायत सम्यक्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति कं बजन क एवय म कोई भी बाक्षप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किन्नो हरिन्न द्रशरा,
- (ब) इस सूचना के राज्यक भी प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध गिर्म १४ के न द्रारा अधोतक्ताक्षरी के पाम लिखित में निर्मा जा मार्ग ।

स्वक्डोकरण:----इसमें प्रयक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट तं० $47/\nabla$, तर्वे नं० 56/1, मन्सुराबाद व्हिलेज हायात नगर, तालुक, रंगारेड्डी, जिला, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1019/85 रिकेट्रीकर्ता प्रधियारी आइ० ए० सी० अक्वि० रेज, हैदराबाद।

एम०जगन मोहन पक्षप्र ऋषिरारी सहायक ऋाय र ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, हैदराबाद

दिना : 29-10-1985

माहर :

प्ररूप बा<u>र्ड टी.</u>एन्. एस<u>. -----</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायके प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 अक्तूबर1985 निदेश सं० आरु०ए० सो०/आई/ए० सी०/अक्तिव०/37ईई/

291/85-86—अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 190,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफर्सा प्रेमीसेस है, जो बाब्खान, इस्टेट, बसीरबाग, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्व श्रनुमुनी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी सार्यालय, ग्राई० ए० सी० श्रीविव०, रेज, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रिधीन दिनांदा 1/85 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्स का उचित बाजार मुख्य उसके देश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण निचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुइ किसीं जाय की बाबरा , उक्त जिमित्यम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी भन या करन वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरियी बुवारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विता के किया

चंद्रश्र वन उत्तर किनियन की पाटा 269-न के वश्वरय में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे अधीन, निक्रालिकित व्यक्तियों, नवांत् ह—- मैसर्स बाबूखान वन्स्ट्रक्शन्स,
 5-9-58/1-15 बाबूखान स्टेट,
 ईदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नफीसा हाबीब पति एस० के०हाबिब हुशन, 1-10-178, प्रेमवाडी ग्रापोजिट, पुलिस स्कूल, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब १ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, सो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कार्यालय, का परीसर नं० 1102, बाबूखान इस्टेट, वसीर बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण, 1103 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1020/85 ,रिजस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, ग्राई०ए० सी०ग्रक्वि०, रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 29-10-1985 मोहर : प्रकपः बाहाँ, ही, एन, एस्, - न - न -

बायकर मॅथिनियम, 1961 (185 को 43) की चाडा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याभयः, सहायक जायकर आयुर्क (निरोक्षण)

सहायक म्रायकर म्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० ग्रार०ए०मी०/ग्राई०ए०मी०/ग्रविव०/37ईई/ 292/85-86---श्रत मुझे, एस० मोहन,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी नं युनिट है, जो मेट्रो बिल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्धस्रतृसुची में और पूर्ण रूप में बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई ०ए० सी० स्विव०, हैदराबाद में रिनस्ट्रीयरण श्रधिनियम, 1908 (1908 न 16) के अधीन दिनाय 1/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्थमान प्रतिफल में एमें रस्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त की, जिन्हें भारतीय र यकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर किशोनसम्, १५५७ (1957 का 27) वे अधिनियम, अप पार्टी (1957 का 27) वे अधिनियम, अप पार्टी (पार्टी किरा गूर्टी धारा किया जाना चाहिए था, कियाने मो सूविधा के लिए;

जतर ग्रंथ जक्त अधिनियम की शार 269-ग के अनुसंस्था मो, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स मेट्रा बिल्डर्स, बसीप बाग, हैदराबाद

(ग्रन्तरकः)

श्री दमाल दाम, छोटे लाल राजवानी,
 1-2-214/4, गगन गहल,
 हैदराबाद-22 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टें कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध यद में माप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पार निस्तित में किए का मकोंगे।

स्वयद्धीकरण: — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा के उम अध्याय माँ दिया गया है।

अनुस्ची

युनिट नं० 19, घर नं० 5-9-30/26 से 30 ए, मेट्रो विन्डर्स बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 110 फूट, चौ० रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1021/85, रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी, प्राई० ए० सी० प्रक्ति, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मे(हन सक्षम प्राधिकारी सहायत भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक: 29-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अति ल्चना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज. हैदराबााद

हैदरावाद, दिना : 29 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रा ० ए० नि०/गार्ड० ए०पी०/यनवी०/37ईई/ 293/85-86-- अत मुझे, एम ं गत मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उनत अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बागार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौ र जिस्की स ए यहिट है नथ जे ायत बिल्डर्स, बसीन्याग, हैदराबाद में स्थित हे (ग्रॅंट उससे लपाबद्ध ग्रन्सची में और जं। ्रवणित हे) ⁻ जिं^{ट्री-}ति प्रधिया**री के** यार्यालय, म्राई० ए० सी० म्रावेव० हैदरावाद में सी स्ट्रीकरण सिधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन निष् 1/1985 को पूर्वीक्त संरित के जिल्ला प्राप्त से कम के दश्यमान शितिकल के लिए जर्तारत की गई है में मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत स अधिक है अरे अन्तरक (अन्तरको) . और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर** अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारिए था, सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत गीर्धानयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निखिलिक व्यविकायों, अर्वि .--

1. मैं ार्श राव : विल्डर्स, 5-9-30/21, से 25, यसीर बाग. हैदरावाद।

(अन्तरः)

2. श्री मोहन डा । चतीराम 402 /ए, र्नटनम, श्रपार्टमेन्ट्स, फतेसल्यान लेग हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अध्येप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना ही सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिका में स् किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना ह राजपत्र दे प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध िया अय व्यापत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िताबन में किए ज सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उन्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याद मे दिया गवा है।

अन्स्ची

य्निट न ० 6, घर नं ० 5-9-30/21 मे 25, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 255, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1022/85, रजिस्ट्रोदार्ना अधिकारी, पाई० ए० सी०, अक्वि० रेज, हैद गवाद।

> एम० जगा मोहन सक्षम अधिकारी सहाय । श्राय पर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक 29-10-1985

मोतर :

प्रकथ आहे. दी. एवं. एवं. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-में (1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड

कायांलय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 29 श्रक्तूबर, 1985

निदेण सं० प्रार० ए०सी०/म्राई०ए०सी०/म्रिक्वि०/37ईई/ 294/85-86—म्रेल मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट हैं जो इनोवेशन, एशोसिएट्ँस, पेडरपास्ट, रोड, में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिक्तरी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० श्रिक्वि, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन दिनौक 1/1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान श्रीतिफल को लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उनके दस्यमान श्रीतिफल से, एसे इस्यमान श्रीतिफल का

पन्त्रह भिक्ति से अभिक्ष है और अन्तरक (अन्तरकारें) और

अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के निए तय पाया

गका प्रतिकल, निम्नतिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिश्वित

में बास्तविक रूप स की भत नहीं किया गया है :----

- (क) अभ्यारण सं हुई किसी बाय को बावत, उच्च मीर्गितियम के अभीत कार दोने के अम्लट्ट, खें दायिएम में कमी करने या उसने वचने में मृतिका के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाम का किसी भाग का कास्तामां का, जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बारा चाहिए था, जिल्हाने में पृत्रिका की किए.

जितः सम, उम्त अभिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
43 —38601/85

 मैसर्स इनोबेशन एसोशिएट्स, 142/सी, पेडरघास्ट रोड, निकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती एम० मीता, प्लाट नं० 2, श्रीपूरी कालोती, इस्ट, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(भन्निंग्तो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किन्दी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मस्म्ची

फ्लैट नं २ 205, इनोबेशन एसोशिएट्स, पेंडरघास्ट रोड, मिकन्दराबाद, विस्तोर्ग, 1350 चा० फु० रिजस्ट्रीकृत विलेख न 1023/85, रिजस्ट्रीकृती श्रिधिकारी श्राई० ए० मी० ग्रिक्स, रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावा

दिनाँक 29-10-85

मोहर इ

परूप आहुर दी एन एस -----

भाषतर अभिनाम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभी। सचना

भारत सरकार

कायोलय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैटराबाद, दिनाँर 29 प्रक्तूबर 1985

निहेग स० प्रार०ए०मी०/ग्राईए०मी०/ग्रक्कि 37ईई/ 295/85-86---श्रम मुझे एम० जगत गोहन

आयकर अधिनियम 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५२२। 'त्रिशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सहर प्रतिनामि के प्रतिनाम के प्रतिनाम के लिए का लागा है कि स्थान सर्पात पिएका उच्चित बाजार सूल्य 1,00,009/- रह में अधिक है

प्रौर जिनिकी स० फ्लैट है जो। प्रोग्ने विवह बिल्डर्स, बसीरबाग से स्थित है (ग्रीर उनसे उपाबद्ध अनुस्वी में ग्रीत जो पूर्ण का विजित है) रिजम्ट्री क्रिया प्रधिकारी के तार्यालय प्राई० ए०ए। प्रक्षिक, हैदराबाद ,रिजम्ट्री प्ररण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/1985

को पूर्वाक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल की निर्माण करी की इस की इस मध्ये ग्रेष्ठ विद्यामा करणे का कारण की निर्माण करी की स्वापित्री का प्रतिफल का मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सा, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्र प्रतिकात स अधिक ही और अतरक (अन्तरका) और अतरिती (अन्तरितिया) के बोच एस इन्तरिण के लिए तम पाया ग्या प्रतिकृति किमारिशिया दृष्यम्य से उक्त अन्तरण निम्मितिया में बास्तियक दृष्य से उक्त अन्तरण निम्मित में बास्तियक दृष्य से उक्त अन्तरण निम्मित में बास्तियक दृष्य से अस्त अन्तरण निम्मित में बास्तियक दृष्य से उक्त अन्तरण निम्मित में बास्तियक दृष्य से अस्त अन्तरण निम्मित से बास्तियक क्ष्य से किया गया हैं :—

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; करें र/थ।
- (ड) एकी किसी अप या किसी यन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयाहर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ एक्टिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सित्था के लिए।

अत अब, उन्न अधिनियम की भाग 269-ग 'र अराधाण गाँ मी उन्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ये - मिन जन्मी 'सा दिसमारी, नार्थार पन- 1 भैंथर्स पोग्रेलिट्स निल्डर्स, उ--6--309, बसीरवाग, हैंदराबाद। ,

(श्रन्गर ह)

2 श्रीमतो नुलोबना पित एंग,० पि० राव, 1-2/412/612 बाल्मीिक नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्योक्त सपत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति हे अर्जर व सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वा क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सेवधी व्यक्तिशों पर मुक्ता की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में र किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सन्ता के राप्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध करें किए ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गाम लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमो प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, न्हें अध्याय 20-क मो परिभाषित है, यही । र्थ होगा जर उस अध्याय में दिया गया है।

ा पूची

भनैट न० 63, पाप्रेनिय्ड चिल्डम विमीय्वाग, हदराबाद विस्ता । 1635 चौ० फु०, एजिस्ट्रोक्ट विनेख न० 1025/85 रजिस्ट्रोहर्ना स्रिधिकारी, स्राई०ए०मो०, स्रक्वि० रेंज हैदराबाद

> ण्म० जनन मोहा न्तम अधिकारा महायक आयुष्ठर आयुक्त (निरक्षण) स्रजनरेज हैदराबाड

ित्ताँ n 29-10-1985 माहर . प्रस्प बाइं. टी गत एव

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए०सी०/ग्राई०ए०सी०/ग्रक्वि० / 37ईई 296/85-86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 2'69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० प्लाट है,जो मसूराबाद व्हिलेज, हायात नगर, सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हायात नगर तासेक में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 1/19

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सपतित का उपित बाजार ब्रुप्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमें इश्यमान प्रतिफल का क्ष्मिन को क्ष्मिन को किए अप पाया गया प्रति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तह्रण से हुइं विक्रती बाय की बावत उच्छा अधिवियम को बचीन कह दोने को अन्तरक को कायित्व में कनी कहने या उत्तरों वचने में मृतिधा को निए; कीर्/या
- (थ) ्सी किसी अथ रा किसी धन घर अर गिलाइ ओ. फिन्द भारताय जाय-कर ऑपिलिक , 137: (1922 का 11) या उवत जॉपिनयम, क अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

बतः बब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुहरण ह, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार ंे के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह :—

मैसर्स फराह इस्टैंट,
 16-4-355, चंचलगूडा,
 हैदराबाद ।

The state of the s

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती तसरीफ बाबू खुशरुपति खुसीद हुशन खुशरु, 6-3-1111/15, निशन बाग, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करक पूर्वोक्त स्क्यांन्त क अर्जन के लिए। आक्रमाहिक करण है।

उक्त स्क्योस्त के वर्षन के सम्बन्ध में सोर्ख भी वाकोप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की बविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बविध, को भी बविध बाद में समाप्त हाती हा क भीतर प्रचार स्वाब्तयों में मांकिसी व्यक्ति व्याद्धि
- (य) इस स्थान के राज्यम में प्रकासन की वार (थ) 45 विष के बीसर उपस स्थावर सम्मास्त में हित्यका कियी वन्य व्यक्ति द्वारा बभोड़स्ताकारों के बाल निविस में निमा का नि

स्थाक्टीकरण:----इष्टओं प्रयुक्त खन्दों और गदी का, जा तथ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशादिक है, वहीं अर्थ होगा को तस अध्याय में विशा गया है।

वनसर्वी

प्लाट न० 29 प्रौर 30 सर्वे नं० 56/1, मन्सूराबाद, विव्हलेज, हायात नगर तालुक, रंगारेड्डी जिला हैदराबाद विस्तीर्ण, 297, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1026/85 रजिस्ट्रीकर्ता स्रतिकारी, स्राई०ए०सी० स्रक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रा.धकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (नरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक 29-10-1985 मोहर :

त्रक्त आहें. टी. एवं. एचं.------

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) चे वंधीन ब्यामा

STAN GAME

कार्याचय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जनरेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनॉक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश मं० श्रार०ए०सी०/ग्राई०ए०सी०/ग्रन्तिय० 3 ७ईई 297/85-86—-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकर निर्मानमम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो मागर कन्स्ट्रक्शन्स, गगन महल में स्थित है (ग्रीर इसमें उनाबढ़ प्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए०मी० ग्रक्वि, हैदराबाद में र जस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कब के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के अर्थमान प्रतिफल का प्रतिफल से अर्थिक है और अन्तरिक (अंतरिकार्ग) को बीच एमे बन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-अस निम्निविधित उद्दोस से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिक का बन्तरित के कारण की लिए तब पावा गया प्रति-अस निम्निविधित उद्दोस से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिक का बन्तरिक का कारण निधित में वास्तिक का कारण की लिए तम पावा प्रति-अस निम्निविधित अर्थिक का विधा विधा विधा है कि

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की नागत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; जौर/वा
- (ल) एसी किसी जाय या किसी धन का अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जत जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण क, मैं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) के कभीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, जर्चात ४०-० मैसर्स सागर कन्स्ट्रनगन्स,
 1-2-524, गगन महल, कोमलगूड हैदरायात।

(ग्रन्तरक)

श्री गुरुमत सिंह,
 15-4-562, ऊमानशाही,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

क्षां यह बुचना धारी करक नृवांक्त बन्यत्ति के बचन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

उक्त सम्मन्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप ----

- (क) इस सृष्या के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की बद्धि, को भी वद्धि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना हुन;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्विवद्ध किसी जन्य स्पन्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी कें
 पास लिखित में किए जा सकांगे।

ल्याकरण:---इक्षमें प्रयूक्त कर्यों और पर्यों का, भी बस्त वीधनियम के बध्याम 23-क में परिभाविष्ट ही, बही अर्थ होना को उद्यू सध्याम में दिय। वदा ही।

वन्त्वी

फ्लैंट न० 1, सागर कन्स्ट्रक्शन्स, गगन महल, दोमलगुडा, हैंदराबाद, विस्तीर्ण, 1000 चौ० फुट, रस्जिट्रीकृत विलेख, नं० 1030/85, रिजस्ट्रीकर्ता, प्रधिकारी, ग्राई० ए० सी०/ ग्रक्षिव०, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक **भ्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

दिनॉक 29-10-1985 मोहर: प्रकृष कार्यः टी. एत. एस.-----

== - ----

नायकर मधिनियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ.(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक भायकर बाय्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरबााद, दिनांक 29 श्रवतूबर 1985

निदेण मं० ग्रार०ए०सी०/ग्राई०ए०सी०/ग्रिक्ति०/ग्रिक्ति०/37ईई/ 298/85-86---ग्रत: मुझे एम० जगन मोह्न,

कासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार सून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकां सं० यूनिट है, जो मेंद्रों विल्डर्स बसीरनाग. हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय. श्राई० ए० सी०/अक्षिय०, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनां है 1/1985

को वृथेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण जिथित वे वास्त्रिक क्य से क्रिथत नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण संहुदं किसी बाग की बावत, उसत वृद्धित्यम् को वृधीन कर दोनं के सन्तर्रक के बाबित्व में केमी करूने या उससे स्वने में सुविधा वृद्धियु; ब्राड/वा
- (क) एसं किसी बाब का किसी धन था अन्य आस्तियी ता, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 पा 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में संविधा के निए;

अतः वयः, उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग के, वनुसरण भाः, माः, उक्त विधिनियम की भारा 269-य की उपभागः (1) के वधीनः, निम्निचित व्यक्तियोः, वधीत् ः--- मैसर्स भिट्टा लिबडर्स, बसीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तर ह)

 श्रीमती धून जे० इरानि श्रीर श्रन्य 210, नेहरू नगर, रोड नं० 8, मिनन्दराबाद।

(ग्रन्त रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्भाति कं अपने के सबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि क्लंड में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पत्र लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा क्या हैं।

वन्स्ची

यूनिट नं० 18, मेट्रो बिल्डर्स, बसीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण, 604, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1031/85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई०ए०सी०अक्वि०, रोज, हैदराबाद

> एम० जमन मोनहन मक्षम द्वाधिकारी महायाः ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, द्वेदराबाब

दिनांक: 29-10-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासर, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 2 श्रक्तूकर 1985

निदेश सं० धार०ए०मी०/आई०ए०मी०/प्रिक्वि०/37ईई/ 299/85-86---अन मुझे, एर० जगन मोहन,

नाक्कर अविधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणिक बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. ते अधिक है जो प्रतिश्व किर्मान सम्प्रिता

श्रीर जिसकी संव यतिह है जो सैट्रो बिल्डर्स बसीव्वाग. हैदराताद में स्थित हैं। श्रीर इमसे उपाबद अनुमुची पूर्ण स्प में विणित है) पित्रस्ट्रीयती श्रीधवारी के प्रायत्विय, श्रीईवएव सीव श्रीक्वव, हैदराबाद में एजिस्ट्रीयरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 वर्ष 16) श्रीधीन दिनों । 1/1985

को प्रोंचत नम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास अविश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के रूक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अध्यक्त से कुर्क फिक्सी आय की बाबत, उसत अधिनयम के अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करवे या उपको बच्चने में सुविष्धा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के तिए;

 मैसर्स मेट्रा बिल्डर्स. बसीरवाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती धुन, जे० दरानि श्रीर अन्य 210, नेहम् नगर, रोड, नं० 8. सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को मह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राज्ञा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी स्र से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षे,हस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रय्वद शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^डे, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

58/ID9/6-

=न्स्'की

यूनिट नं ० 1, मैट्रो इसं, बमीप्जाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 395 ची ० फु०, एजिस्ट्रीकत जिलेख न ० 1032/85, राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, आई०ए०सी० अक्विंक, रोज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज, हैदराबाद

अत उब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **है अधीन, किम्मिलियिद अधितयों, अर्थात् ६**——

विक्रिय 29-10-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

भागलिय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज हैदराबाट

हैदराबाद, दिनां रा 29 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० आण्ठाप्रुवसी०/ग्राईवार्यसी० /प्रक्वित /37 ईई/ 300/85-86→ अर मुझे एम० अगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-2 के अधीन सक्ष्म प्राधितारी को यह विद्याग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० पलैट है, जो इनोवेशन, एसोशिएट्रस, पेंडरघास्ट रोड, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रप से बणित हैं) रिस्ट्री ज़र्ता अधि परी के प्रायनिय, ज्याई० ए० सी० अन्विय०, डेश्राबाद, में रिस्ट्री उपण श्रीधिनियम 1908(1908 116) के अधीन दिनार 1/1985

का पूर्वाभत सम्पास के उपित बाजार मूल्य से कम के द्धगमान प्रतिफल हे तिए अंतरित का गई है और मूक्ते यह विश्वास करने बरे का कारण ही कि या पूर्वीकत सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण विविद्यन में वास्निविक हम में किया गया ही :--

- (का अध्यक्ष स हाइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- ्। एकी किसी भाग या किसी घन या अन्य अपित्य का, जिल्हों भारतीय आगाकर अविश्व १५/० (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, ए अन्कर अधिनियम, ए अन्कर अधिनियम, १००० (1957 की 27) के प्रयादन अन्दिग्ती ब्लास अक्ट नहीं किसा गमा भा या किस्ट नहीं किसा समा भा सा सिंग्

अतः अब ज्यान अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्क आधिनियम का धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिकित व्यक्तियों, अधीन :---- नैगर्भ इक्षेत्रेणन, मृतिभिष्टुम, 142/नी पेंडरधाय्य राड, ,य स्वराबाद।

(प्रत्वरः)

् 2 श्रीमितो रेणुएम० प्राहुता, ग्रीर अस्य एक 7112/29, मामा मलो, स्ट्रीट, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरिती)

कां यह मुचना जारी करक पुनोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्स सम्मिन के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप ---

- (क) इस धूनमा के राजपत्र में प्रकाश: की तारीस से 45 दिन की अभिथ या तत्मवंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, औं भं अपिश के बाद में समाप्त होती हो, के भीलर प्रविकास का क्रियों का से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सृबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्दारा अधाहस्ताक्षरी के गाम किसिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भर्तेट तं० 307/, मैसर्स इनोपेशन, एसाणिएहप, 142/सी, रिनिप्ट्रोक्तन वित्रेख तं० 1033/85 रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी, श्राहहैरुए०सी० प्रक्विर, रेज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक :29-10-1985

मा हरा

प्ररूप आई टी एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-3.

बम्बई, दिनाक 31 अक्तूबर 1985

निदेश म० ग्रार्ड-3/37ईई/17888/84-86——ग्रन मुझे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 2, जो 7 वी मजिल, उमारत न० 6-डी, दामीदर पार्क, एल० वी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में जो पूर्ण रूप विजित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाव 1-3-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्रथ, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिकत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए;। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः डबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-छ की उपधारा (1) के बानीन, निम्नलिकित व्यविनयों, अर्थान —— (अन्तरक)

2 श्री सुधीरचन्द चरणजीत लाल मल्होत्ना, श्रांर भ्रन्य (श्रन्तरिती)

को मह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचेना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिंत द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसम प्रयूक्त कब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय म दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैंट न० 2, जो 7 वी मजिल, इमारत, न० 6-डी, दामादर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प०), वम्बर्ड-86 में स्थित है।

अनुस्ची जैसाकि क० स० आईन्ः अ/37ईई-17888/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी मायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 31-10-1985

मोहर

शस्य बाह्ये. द्याँ , एन . एस .-----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन चुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -3,

बम्बई, दिसांक 31 अन्तूबर, 1985

निवेण सं० आई-3/37ईई/17874/84-85----अत. मुझे ए० प्रसाद

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो 4 थी मंजिल, हंसा अपार्ट मेन्ट, प्लाट नं० 126-127, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वाणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिशा ह 1-3-1985

भ्यं पृथां बत संपत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के स्रमान प्रिक्षण के निए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास क को का कारण है कि यथापूर्वे बत संपत्ति का उचित बाबार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से एसे दश्यमान प्रतिफान स्राप्त पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निम्निलिखित उद्देश्य से उक्ते अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं सूर्य किसी बाब की बावत उक्त धींभ-विवय के बचीन कर दोने के अन्तरक के तावित्व में क्षत्री करने मा अससे वचने में सुविधा के सियो; क्षत्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बारितयों की, विन्हें भारतीय बायकर बीधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधिनयम, या धन-कर बीधिनयम, या धन-कर बीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रवीकर्माय जन्तीरती युवारा श्रकट नहीं किया नया भा था किया जाना चाहिए जा. छिपाने में मृतिधा वे सिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्मरण कें, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ——
44—386 GI/85

1. श्री वि० भटराजन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उमिला सी० पटेल।

(अन्तरिती)

को शह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त बन्दरित के वर्षन से बन्धरूप में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस स्वान के राजवन में प्रकारन की तारील से 45 दिन की बर्गीय ना तत्सम्बन्धी का नित्तमों पर स्वान की तानील से 30 दिन की नवित्त में भी सर्वीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स का नित्तमों में से किसी का नित्त स्वारा;
- (ज) इस सूचना के राष्ट्रम में प्रकासन की तारीय है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकीने।

स्पक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वता ही।

भ्रन्सूची

फ्लैंट नं० 11, जो 4थी मजिन, हंसहा अपार्टमेन्ड, प्लाट नं० 126-127, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कै० मं० आई-3/37ईई/17874/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिशारु 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाजम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज+3, बम्बई

दिशाक: 31-10-1985

मोहर.

प्रकर्_य बाह[†]: हो. एन . एस[†]. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के सभीन स्**धना

धारत त्रका

कार्यासय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जभ रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 31 अक्तूबर 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/17345/84-85---अनः मुझे, ए० प्रसाध,

कायकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो 5 वी मजिन, इमारत. न० 6 ए, दामोदां पार्क, एल० बी० एस० मा घाटकोपर (प० बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप विणि। हैं) श्रीर जिनमा करारामा आयणर अधिप्यम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-हारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनाक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृत्य में काम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तथ पाय बंदा प्रतिफल निम्नोनिचित सद्वेष्य में उक्त जंतरण सिचित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपेंस्तयों को, जिन्हों भारतीय तायकर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्रीमती जसवन्ती बेभ रमाकात शहा।

(अन्तरक)

2 श्री कुलबीर सिंह, विदी श्रीर न्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थाना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीका है 45 दिन के भीतर जब्द स्थावर स्थापित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—-एसम प्रयुक्त ्रिं। और पदों का, आ उक्त ाधिनियम के अप्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची ।

प्लैंट नं० 1, जो 5 वी मजिन, इमारत, नं० 6ए, दामोदर पार्क, एन० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), अम्बई-86 में स्थित है।

औनुसूची जैसा कि कि० स० आई-3/37ईई/17345/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जनरेज, 3, बस्बई

दिना ८ ३1-10-1995 मोहर . प्रसम्य बाइं.टी.एस.एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के न्मीन स्वना

भाष्त सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेज-3,

बम्बई, दिनांक 31 अक्तूबर, 1985

निदेश स० आई-3/37ईई/18031/84-85—अतः मझे ए० प्रमाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 2, जो 9 वी मिजिन, इमारन, नं० 6-डी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपेर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 लख के अधीप बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिना र 1-3-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को रज्यमान प्रतिकास को सिए . अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, पृत्ते क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे कंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उन्दर्भय से उक्त अंतरण सिविक में वास्तिक हुए से केल्ब कहीं क्षिय गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बौर/वा
- (व) एसे किसी जाय या किसी भन या अस्य अग्नीस्त्रमां को चिन्हों भारतीय जायकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियस, या भन-कड अभिनियस, विश्वास अभ्यादियों ह्वारी प्रकट नहीं किया यथा का वा विकास अभ्या आहिए था, किनामें में यूरिक्या के बिहा;

जतः अध, सक्त अधिनियम की भारा 269-४ व्यं अनुसरण वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की गारा 269-थ की उपधारा (1)
■ अधीन, निक्निविश्व व्यक्तियों, अधीत 2---

1. मेहता, एसोशिएट्स।

(अन्तरक)

2 श्री गेणवंत फुलचन्द मोदी श्रौर अन्य

(अन्तरिती)

का यह स्वमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षक के सिष् कार्यमाहिया करता हूं"।

जनत सभ्यक्ति के बर्चाय के बन्नान्य के कोई भी बार्ख्य :---

- (क) इस स्वता को राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की ताबीन से 30 विन की व्यथि, यो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 चित्र के भीतर उक्त स्थावर मपन्ति में हितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के राम किचित में किए का सकते ।

रक्क किस्सू : इसमें प्रगुक्त कका और पर्वा का, को उक्स विकित्यक के कथाय 20-क में परिभाषत है, वहीं कर्ष होगा मां उस अध्याम में दिशा गया है।

अनु सूची

फ्लैट नं० 2, जो 9 वी मंजिल, इमारत नं० 6-डी, दामोदर पार्क, एल० वी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), अम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० आई-3/37ईई/18031/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षट प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 31-10-1985 मोहर ; प्रकार कार्ष. हो, पर एस. प्रकार

(1) श्री एस० संा०देशाई (हि०भ्र०क०) (भ्रन्तरक)

(2) श्री ए५० वि० व्यात, (हि० अ० क०)

(भन्नरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 तर 13) वर्ते भारा 269-म (1) के क्योर स्टब्स

译 · 作字子中

कार्यस्य । सहायक श्रायकर कार्यसः जिल्लाक्षणः) श्राजन रेज-३, वस्वर्द

बम्बई, दिनाँक 29 अक्तूबर 1985

निदेश मं० ग्राई-3/37ईई/17855/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, धिनका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव माला नंव 413, जो स्त बण्यू इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 4थी मंजिल, एलव गंव एनव मार्ग, घाटकोनर (म), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इसने उनावह अनुस्ति में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) और एगि ज करारनासा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 ज, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार गृत्य में काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंकिटन की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, स्वक दृष्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिवास से विभक्त है और बन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के दिए तय पापा गया प्रतिफल, निस्नितिवार उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बार्स्टिक इप में कीचत नहीं किया गया है ——

- (क) बंतरण से हुई किसी डाय की बाबत, उक्त अधि-जिक्स में अभीत को मार्थ ने अन्यक के बारि ए के अभी कारण के की कार्य के की एक मार्थ और/बा

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा २५०-र के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा २६०-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थालु :--- को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मात्त के कर्षन के लिए कर्मवाहियां अस्ता हूं।

जकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शासीज से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्ष्यित द्वारा;
- (ल) इस स्वाना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गुश निकास में किए सा सकों है।

स्पर्योक्ष राज्य कि अपन्य अपन्य हान्य नार पदा का, वा उच्छ । अपिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

बन्स्**ची**

माला नं० 413, जो स्लि ब्स्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, 4थी मंजिल, एल० वी० एन० मार्ग, घाटकोमर (म), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रन्स्ची जैमा किक म सं० श्रई-3/37ईई/17855/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक : 29~10-1985

प्ररूप आहे.टा एन.एस.-----

ा बहता एसो िएट्न।

(प्रन्तरक)

जाक कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना 2 शास्य भन पुन्दर मुकुमार रा ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंच-3,

बम्बई दिनाक 31 अक्तूबर, 1985

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ाधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

1,00,000/- रु से अधिक हैं
और जिसकी स० फ्लैट न० 2, जा ७ ठा मा ति, इपारित, नं० 6-डी० दामीदर पार्क, पूंषि० बी० ए लार्ग, घाटका (प०) अम्बर्ध-86 में स्थित है (और इससे उता है जन्नु का में और जो पूर्ण रूप से विशा है) असे विशा का प्रधान वस्वी रियत में अपेर विशा का प्रधान वस्वी रियत सक्षम प्राधि कि वार्ग के वार्ग कि के प्रधान वस्वी रियत सक्षम प्राधि कि वार्ग कि वार्ग कि के प्रधान विशा कि वार्ग के प्रधान विशा कि वार्ग के वार्ग के वार्ग कि वार्ग के वा

- (क) जन्तरण से हुई विशी आय को बाबरा, जन्न आधिनियम के अधीन कर दाने के सिरक के दायित्व में कभी करने या उसस बच्चे में सुव्याधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय किन अधिनयम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनयम, या अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की रुपधारा (1) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् — की यह सूचना जारों कर हे पूबाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवादिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति म किए जा सकींगे।

स्पच्चिकरण -- इसम प्रजात शब्दों और पदों का, ्षो उक्त क्षीधित अ. के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, उही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

श्रनुस्ची

फ्लैंट नं० 2, ा 65। मिलिल, इमारस, नं० 6-डी धामादा तर्क ए १० ५१० ए १० भार्म, घाट नेपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

प्तनुत्र्वा तेता कि किल्पार अधि-3/37ईई/17346/84-85 और जिल्हासम्प्राधिकार बम्बई हला, दिनाद 1-3-1985 का रिक्टर्ड लिए भया है।

> ए० प्रसाद क्षम प्राधिकारी ह्या आं गायुका (निरीक्षण) नर्जा रेंज-3, बम्बई

दिन्त*ः : 31-10-1985*

1.77

प्ररूप सार्हें दी ु पुन्य पुस्तु -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 भ्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/17779/84-85--ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वीक्त सम्पत्ति, को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयंगन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मवा प्रतिफल, निब्नितियात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) बन्धश्य से हुई किसी बाय की बाबत, उकत बीर्धानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए? और∕या
- (का) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जातः जय, उक्त जिधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. भ्रार० गोविन्दन ।

(ग्रन्तरक)

2. वि० नटरागन ।

(भ्रन्तरि ती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव,र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लै नं० 11, जो हंमा कोन्ध्राप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, प्लाट नं० 126/127, गरोडिया नगर, घाटकोपर '(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० आई-3/37ईई/17779/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांस: 29-10-1985

मोहर 🥫

प्रस्य बाह्य हो व द्वार प्रश्नानन्त्रकार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्मना

भारत जरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 29 श्रम्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/17672/84-85---श्रनः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिस्लामी ब्टी ० एस ० नं ० 393/1 6 जो मार्टीन, यवला, दिग्लेल रोड, विद्या- विहार (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिशासा कारानामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 रुख के अधीन, बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनां हैं 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित आजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंक्षरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण किवित में शस्तिक रूप से किथा महीं किया गया है —

- (क) जन्तरण ते हुई किसी शाव की वाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के रित्त ; बॉर/का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय बायकहर निर्भानयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा भी शिष्टा।

बतः जब, उम्स अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—— 1. लिली जें० सी० सं। प्ररेग और प्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

2 सत्तार इल्ताई बयन खान भाटी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचला जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना वे हाज्यक में प्रकारन की तारीस वे 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर संपरित में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

मनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, ित्महा मी० टी० एस० नं० 393/1, 6, जो मार्टीन, विनाकी रोल रोड, विद्या विहार (प०) बम्बई-86 संस्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-3/37ईई/17672/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा, दिनाक 1-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय व श्रायक्षत (निरीक्षण) प्रार्थन रोंग-3, बस्बई

दिना ३ 29-10-1985 होरू

मोहर

प्रकार बाहें. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एस० सी० देसाई (हि० ग्र० क०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० वि० व्यास, (हि० ग्र० क०)

(ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीर कवा

alth arth

कार्यालय, सहायक बायकर अवन्तः (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनाँक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/17855/84-85—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० माला नं० 413, जो स्व व्स्यू इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 4थी मंजिल, एल० ची० एप० मार्ग, घाटकी पर (म), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इपने उपाबद्ध स्नामुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) और जिल्ला करारनामा स्रायकर स्विधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, रसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति वे वास्तिक इस से स्वित नहीं किया गया है क्या

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जिबस के अभीत का दोने के बन्तरक में दाधिका है अभी करते का उसने एका में क्लिन के किल्ल और/बा

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्मित के कर्जन के लिए कर्यनिहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविष, यो भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के शस निकार में किए जा सकोंने।

स्यासीकारण हिन्सिमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वा उक्स विश्वित्यम के सम्बाय 20 के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हुँ

बन्स्**पी**

माला नं० 413, जो स्लि ब्स्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, 4थी मंजिल, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोमर (म), बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा किक म संर्व ग्रई-3/37ईई/17855/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 29-10-1985

प्रकप बाद . टी एन. एस. -----

बायक: अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत बरकाड

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-3, बस्वई बस्बई, दिनौंक 29 श्रन्तुवर, 1985

निदेश सं० **प**ई-3/37ईई/17916/84-85--प्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जित्तको सं० पनेट तं० 205 जी० दूरी मंजिल, बी चिंग, वाकीला राजेग मार्क को० श्रीप० हार्जीण सीतायटी लि० मी० वाकीला प्राईप लाईन, सौताकुल, (पूर्व), बम्बई-55 में रिथत है (श्रीर इपते उपाबस श्रनुमूची में श्रीर पूर्ग रूप से वर्णित है) श्रीर जिन्ना कररनामा श्राप्त कर श्रीविन्तम 1961 धारा 2695, ख के श्रप्तोन बन्दर्श न्या सजन प्राविन्तरी के कार्यास्त्र में रजिस्टी है, सारीख 1-3-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, दः भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था वा किया जाना चाहिए था, किया ये विशेष के निर्देश

चतः वदः, उत्तत अधिनियम कौ धारा 269-ग मी अनुसरक मैं, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं अधीरः निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् ह्—— 45—386 GI/85 (1) श्रीमतो एफ ० पी० लोबो।

(मन्तरक)

(2) शोटी॰ के॰ चेरीयन वैश्वन ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के आप कार्ववाहियां करता कां

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्विध बाद में सभाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त ग्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकीं ।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, को अध्याक १९०-क मा परिभाषित हो, कही जर्थ होगा, को उस कथ्याय में दिया भ्या है।

धनुमुची

पतेट नं० 205, जो 2रो मंतिल, बो विंग, वाकोलं राजेश पार्क, को० श्रोग० हार्जीनग सोनानटी लि०, सी० वाकोला पाइन राहिन, सौनाकुंच (पूर्व), वस्वई-55 में स्थित है।

भागुपूर्वा जैना ति कत सं श्राप्ति न अर्थ-3/37रेरी/17916/ 84-85 भीर जो सक्षत प्राधिकारो, बन्बई द्वारा दिनीक 1--3-1985 को र्यास्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षत प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापुका (विरोक्षण) गर्जन रेंज~3, बस्बई

दिनौंक : 29-10-1985

प्रस्य बाइ, दर्र. एन . एस

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्तिका) ग्रर्जन रेंज-3,बस्बई

बस्बई, दिनौंक 29 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० म्रई-3/37ईई/17994/84-85--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्न अधिनियम' कहा गया हैं), का भारा 269-म के अधीन मध्यम प्रतिभक्तरी को, बहु विस्थाक अपने अब कारण हैं कि स्थावन संस्थित, जिसका स्विश्व कारण म्ह से अधिन स्थावन संस्थित, जिसका स्विश्व कारण मृत्य 1,00.000/- रह से अधिक ही

स्रीर जिनकी सं० ब्लाफ नं० 1, जो स्रोशिवरा इमारन, 38, मरोडिया नगर, घाडकोतर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (स्रीर इतमे उपाबद्ध स्नतम्बी सें स्रीर पूर्ण रूप ने विणित्त है) स्रीर जिनका करारनामा स्नाप कर स्राधितियम 1961 की घारा 2605, ख के स्नात बस्मई न्यित तसन प्राधिकारी के कार्यालय में रिल्ट्री है तारीख 1-3-1985

को प्वेंकित मध्यित के उचित बाजार मत्य से कम के रस्यक्षार प्रतिफल के निक्रा अभारित की नर्घ हैं और मृझे यह विकास करने का कारण हैं कि मधायुर्जेकिस सम्पत्ति का उचित काजार म्स्य, उसके दश्यमान प्रविक्रम से. एसे रक्ष्यमान प्रतिक्रम का पन्कह प्रतिवात से अधिक हैं और मंतरक (अंतरकों) और संद्विति (जन्तरितियों) के कीच एसे बन्तरण के लिए तय पाका नेपा तिकाल निम्नितिकित उद्देश्य से उक्त क्षाररण कि कि हिन् में बास्तिक रूप से किथा नरीं किया नया हैं "—

- हैंक) सन्तरण से हार्ड किसी बाम की शत्तर, उक्त भित्रभित्रमा के बचीर कार दोरे की उत्तरकात जी धामित्र को कामी कारने या उत्तरने बचने जी धारीतका की सिह्दुन
- रेक) एसी किसी जाय या किसी धम ता अन्य आरिस्तर्थें की, विन्हें भारतीय जायकर अधिविश्य 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिविश्य स्वाधन-कर विधिविश्य 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यस रा पा किया जाना भातिए था, कियाने में किया विकास की किया

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अपस्ररण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मंदी उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, मुर्धात् :---

- (1) श्रीमता पो० झार० जी० जिह राजी। (ग्रनः ८ह)
- (2) श्री एत० बी० चौधरी। (श्रश्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के सिएँ कार्यवाहिया कारता हो।

सन्त संवत्ति के बर्जम को संग्रम भी आदि भी आखीप .--

- (क) इस सूपना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नवींथ या तत्सवधी स्थानस्थां पर सूपना की तामींच वे 30 दिन की नवींथ, को भी जविंथ बाद में क्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थापक में के विक्षी स्थापत द्वारा;
- (व) इत सुधरा के राज्यपत्र में प्रकाशक की तत्रश्रीय से 45 वित्र के भीषर सन्तर स्थावत सम्बद्धियां में दिशा-बहुष भिन्नी अन्य व्यक्ति वृक्षारा वर्षेक्षकाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंथे।

स्थापिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उनके वीधीनयन के सन्यास 20-क में पीरभाषिक ही, नहीं सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिसा स्याही।

पन्भूषी

ब्लाक न० 1, जो श्राणिय इमारा , 38, मरोडिया नगर, घाटकोमर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम स० श्रई-3/37ईई/17994/84र85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बन्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रताद नक्षत प्राप्तिहारो महायक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रजन रेंज⊶3, बन्पई

दिनौंक : 29-10-1985

मोस्र :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस-----

बाधकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बन्नई अम्बई, दिनोंग 29 अन्त्वर, 1985

निदेश सं० ग्राई--3/37ईई/17555/84--85---प्रतः **मुझे** ए० प्रभाद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच ह् 'तक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर िलकी स० पलेट न० 6, जो तल माला भावेण्वा छात्रा िहार का की० ग्रीप० हाउँ ग सोसावटी लि०, रजनाडी रोड, न० 3, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इन उपाधक ग्रानुस्तों में ग्रीर पूर्ग रून से बंगित है) ग्रीर निका करारनामा लाउ ए प्रितियन 1951 की धारा, 269 क, ख के श्रात्रीत बन्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलिटों है, तराख 1-3-1985

की पृथोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से क्षम के द्रायमान तिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रायमान प्रविफल क्षा चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्दरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक को दाखिल्य में उसी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए, और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म अस्तियां को, जिन्हों भारतीय आण्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्दिन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिष्ठपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्मीस**वित व्यक्तियो**ं **वर्धात** ॥—— (1) श्री ए० जो० द्रोणी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री डीं जे॰ यादव ग्रीर ग्रन्य।

(म्रन्गरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारी कर्स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वे विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारण की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहण्ताभरों के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुसुची

फ्लेट न० 6, जो सलामाक्षाज भावेश्वर छाया, निहारीका को० भ्रोप हार्जींग सो गयटी लि०, रजायाजडी रोड, न० 3, घाटकोपर (पूर्व) बप्जई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैता कि कम सं श्रई—3/37ईश/17555/84-85 श्रीर जो अभन प्राप्तिकारों, बन्बई बारा िनौंक 1-3-1985 को रिनिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स्तान प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोज्जण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक : 29-10-1985

मोस्र :

प्रकृप काम टी. एन एस ---

कल्यकर जोभनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 क (1) के लभीन स्वता

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज⊶3, बस्बई

बम्बई, दिनौं रु 29 भ्रक्तूबर, 1985 निवेश सं० भई-3/37ईई 18040/84-85—भ्रतः मुझें ए० प्रसाद

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-प के बधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्यास करने का कार्य है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जितको सं० दुकाननं० 5, जो इमारत नं० बी, कैलास परघत को० भीन० हाउतिम सीसायटी लि०, सी० एत० टी० रोड, कालिना , बन्बई-98 में स्थित है (भीर इतने उपाबद भनुसूची सें भीर पूर्ण इन से बीगत है) भीर जितका करार-नामा भाग कर भवितियन 1901 की धारा 269क, ख के भवीन बन्बई स्थित सक्षम प्राविकारों के कार्यालन में रिजस्ट्रों है, तारीख 1-3-1985

को पृथीं भत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के सममान प्रतिफल के बन्तरित लिए की गर् विश्वास करनं 42 का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं रश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ब्लरक (बन्तरकां) और उन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वें उक्त बन्दरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया नया हु ।---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए और/या '
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तिकों की, जिन्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के अपूर्ण

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो ६ सः एमः अः सस् ।

(भन्तरक)

(2) श्री एम । पत्री ।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन की निष् कार्यवाहिया कारता हो।

इस्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप धन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि जो भी अप्रेशिय बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीण स 45 दिन को भीतर उपत स्थापर समाति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, का अस अध्याय में । घडा भवा है।

घनुसूची

दुकान नं० 5, जो इमारत मं० बो, कैलाश परवंत को० भोप० हार्डीसन सोजायटो लि०, सा०एउ०टो० रोड, कालिना बम्बर्फ-98 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० धई-3/37ईई/18040 84-85 धीर जो सक्षम प्राविकारी, बब्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सक्षम बायकर बायकत (निरीक्षण) वर्जन रैंग-3.यन्त्री

दिनौक: 29-10-1985

मस्र .

पश्च बाद् टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 29 प्रक्तूबर 1985 विदेश सं० प्रई-37ईई/17707/84-85--प्रतः मुझे, ए० प्रताद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर नितको सं० ब्लाहनं० 113, जोप्लाइनं० 65 मारीजात राजों। जा को-म्रो० हाउँ जिम साल्यें, शिम सृष्टि, कुर्ला (पूर्व), बन्दई—24 में स्थित हैं (म्रोर इनते उपाबक अनुसूत्रा में भोर पूर्ण रूप से बीजित हैं) म्रोर जिनका करारनामा भागहर श्रीविधिम 1961 की धारा 269क, ख के भधीत बन्दि स्थित सजन प्राविकारों के कार्यालय में रजिल्ट्री हैं, सारोख 1-3-1985

का प्याप्त सम्मांत के तिचत बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार भूत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निर्मासिक ध्यक्तियों, संश्रंदि ध—

(1) डा० के० के० खन्ता।

(मन्दरक)

(2) श्रो बी० वी० ठक्तर धीर धन्य।

(प्रग्तरिती)

को यह स्थना चारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अवन के शिष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी शासेप् हरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेगी।

स्पन्धिकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसू**ची**

ब्लाक नं० 112, जो प्लाट नं० 64, परीजात रायितग सन को० ग्रोम० हाउतिम सोतायटो लि० शिव सृष्टि कुर्ली, (पूर्व), धम्बई-24 में स्थित है।

भातुलूवी जैता कि कत सं० काई-3|37ईई|17707| 84-85 भीर जो सजत प्राधिकारो, वस्क्षेद्वालरा दिनौत 1-3-1985 को रजिल्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद संसम प्राधिकारी संसमक प्रायक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, सम्बद्ध

दिनौंक 🖟 29-10-1985

मोहर .

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 260-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बय्बई

बम्बई, दिनौंक 29 प्रक्तुकर 1985

निदेश सं० म्रई-3/37ईई/17584/84-85---म्रतः मुझे, ए० प्रसादः

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारी 209-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने से कारण है कि स्थावर रूमिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

भोर जिन्हां सं० माला नं० 401, जो हिल व्ह्यू इंडिट्रिनल इस्टेंड, एल० बा० एन० मार्ग, घाइहोनर (प), बमाई-80 में न्या है (प्रार इसा उनानद्ध अनुसूची में और पूर्ण छन से प्राित है) मोर जिस्सान हरासा आज र अधिनियम 1951 का घारा 2002, ख के अन्नान नियम कि कार्योल्यन मानि प्राित है। है, साराख 1-3-1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई ही और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिशयों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों सी जिल्ह भारतीय आयकर अधि नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि नियम, या धनकर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण चें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रामना यु० ए५० ग्यान

(ग्रन्तरह)

(2) श्रीमतो एन० एत० देशाई।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, फो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों की र पदों की जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्यूची

माला न० 401, जो हित ब्ह्यू इंडिन्ट्रियल इंटिट, ४थी मंजित, एलाव बीव एतव तार्ग, घावणात (४), बाबई--30 में स्थित हैं।

भानुपूर्वा जैना कि कम सब् भारि-3/37रेरे/17834/ 84-85 भीर जी मझम प्राधिकारा, बब्बरे द्वारा दिनौक 1-3-1084 का रोबस्टर्ड किना गना है।

> ए० प्राप्तः सक्षम प्राधिकारी बहायक मायकर प्रापुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-3, वन्त्रई

िंनोक : 29-10:1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

नामफर नाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

शारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकार आयम्पत (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बस्बई
बस्बई, दिनौक 29 श्रम्तूबर 1985

निकेशः सं० भई-3/37ईई/17989/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रतादः,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00.000/-रा. से अधिक है

भीर शिक्ता मं० जनीत का दिस्ता, जो बिनेन विखरेल सर्वे मं० 48, एष० नं० 1, सी० दी० एन० नं० 82 (भीर), िला कुर्ता, बज्बई में स्मित्त है (भीर इस्ते उत्तबक्क प्रमुख्यों में भीर पूर्ण का से विजित्त है) भीरिविज्ञ करारतमा भावकर भीजीवन 1901 की धारा 2007, ख ने अधीन बज्बई स्थित जनन प्राविकार के कार्यालन में रिविस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को स्थाक मन्यान के उचित बाजार मृत्य सं कम के दियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। बोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि मनित्सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकल कि मनित्सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल कर में अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से शुद्ध गकासी जाय की शबल इक्त बाधि नियम के अधीन कार दोने का अन्तरक की शामित्य में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा को लिए, बार/या
- िएसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय त्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना नाहिए था छिपान में मुकिया के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उक्रत अधिनियम की भारा 260-य की उपधारा (!) के अभीन, जिम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् 2(1) स्री कें ० एन ० परेरा।

(अक्टरह)

(2) मैं सर्वे कुमार कन्तद्रश्यत कंपती।

(ऋक्षीरती)

की यह सूचना चारी करके प्योंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्रप्रम्थन्थी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अदिधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्ट स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६५ त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हिंत प्रथा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में जिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उधि अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, सहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिका पत्रा है।

सन्स्थी

जमीन का हिस्सा जो विजेज विखरोस,सर्वेनं० 48 एच०नं० 1, सो०टी०एउ०नं० 82 (प्रंग्र), जिला कुर्री बम्बई में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई-3/37ईहैं 17989/84-85 भीर जो सजन प्राधिकारो, बन्धई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद मझन प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीजग) भनेन रेंस-2, बन्बई

दिगौंक : 29-10-1985

मस्य कार्य . टी . एन . एस . -------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत २६९-म (1) के मधीन स्थना सारत सरकात

कार्याज्य, सहायक मामकर माम्कल (निरीक्षण)

अर्जंभ रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, विभाग 29 अस्तूबर 1985 निवेश सं० अई-3/31ईई/17660/84-85--अतः **मुस**े,

ए० प्रसाद, बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस हस्तर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 264-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण इंकि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं० पलेट नं० 12, जो 1ली मंजिल, भावेश्व छाया, निह्रितील को० श्राप० हार्डीला सोजायटी लि०, रजन्दी रोड, नं० 3, घारकोपर (पूर्व), बस्बई-77 में लिखा है (श्रीर इससे उपाबद अनुस्ची में श्रीर पूर्व रूप से वर्णि है) श्रीर जिलाल जरारजामा आयगर अधिल्यम 1961 की घारा 2697, ख के अवीलवस्बई लिखन जसम प्राधिकारी के कार्याजय सम्बद्द में रजिल्ही है, तारीख 1-3-1985

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के रश्यमान शिक्क के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि संधापुर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार सूक्य, उसके रश्यमान प्रतिकास से, एसे रश्यमान प्रतिकास का महरू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अस्थिति (अन्तरितर्यो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, अब क्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए; क्षेद्र√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धल-कर अधिनियम, या धल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें हविया के लिए;

अतः जन. एन त अधिनियम की धारा 269-व के जनसरम कें, भेंं, सकत अधिनियम की धारा 269-च की सप्धारा (1) के अधीन, निल्लिखित व्यक्तियाँ अधीत् हुन्स (1) श्री डी॰ जे॰ यादन।

(अन्तरक)

(2) श्री एल ॰ बी॰ दोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्तीकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

सक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में फोर्ड भी बाक्षेड :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पव स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविंक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा:
- (ब) इस मुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनवृष किसी अन्य व्यक्ति दशारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के बाक्ष सिवित में किए जा सर्वोत्ते।

स्थासीकरण ---- असमा प्रयानत शब्दों सौर पदों का, जो उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुमुची

पर्लंड नं० 12, जो 1ली मंजिन, भावेश्वर छाया निहारीता को० ग्रोज० हाउडिंग सोडायटी लि० राजनाडी रोड नं० 3, माधकीनर (पूर्व), बम्बई-77 में लिया है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई -3/37ईई/17660/ 85-85 कीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विक्षेत 1-3-1985 को रजिस्टोई किया गया है।

> ए० प्रजाद सञ्जाम प्राधि गरी सहामक आयक्तर आयुक्तः (गिरीक्षण) अर्जेश रेज-3, बन्बर्ध

दितंक : 29-10-1985

श्वम बार्ष . दी . युर् . क्य . -------

बायकर बिभिनियम, 1981 (1961 का 43) को चाच 269-च (1) के अभीत सूचना

मास्त तरकार

कार्याचय, सञ्चायक वामकर वायुक्त (विरीक्षण)

ाम -3, **ब**म्बई

बम्बई, दिमांक 29 अक्तूबर, 1985

मिदेश सं० अई-3/37ईई/17308/84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

काथकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम श्रीभकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिन्नका उचित्त ' बाचार ब्रूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रींग जिसकी सं० प्लैंट नं० 10, जो एस्लोरा को० श्रोप० हाउसिंग मोसायटी लि० कालिमा कुर्ला रोष्ठ, अम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के तिए अन्तरित की गईं है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि वणावृत्ते के वंपति का विश्वत वाचार नृत्य, उसके उत्याग प्रतिक के थे, एखे अववाद प्रतिक का पेतृ प्रतिक का पेतृ प्रतिक के पेतृ प्रतिक के विश्व के वास्तिक कि निम्निसित उद्देष्य से उत्रत अंतरण जिल्लित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ जिसी जान की नावक, उपक अधिनियंक के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे नवने में सुविधा के सिक्ट; औद/का
- भे एंजी जिसी जाव वा कियी पत्र वा बन्त वास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्ति क्या प्रवास करने नहीं किया क्या पा वा किया क्या प्रविद्य था, कियाने के प्रविद्या के सिक्ट की सिक्

अत अध, उक्त अधिनियम भी धारा 269 ए के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :----46—386GI/85 (1) श्री बी० के० श्रीमिबासन

(अन्तरक)

(2) श्रीमोहीत कपूर।

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

् उन्ह बन्दरित के वर्षय के बन्दन्य में कोई ही शाबेद्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विक् की वर्गीय वा उत्तरमन्त्री स्पन्तियों दर क्षणा की सामीज से 30 दिन की वर्गीय, वो वी वर्गीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीकड़ व्यक्तियों में से किसी स्पन्तिय द्वाराः
- (क) इस स्वतः भी राजपण में प्रभावण की वारीक वें 45 दिन के मोधर समय स्थानर कम्परित में हिराबदुष् किसी बन्ध व्यक्ति ब्याय अभोहस्ताभारी के शाह निवित्त में किस वा ककेंगे।

स्वक्रीकरणः--इत्तर्गे प्रमुक्तं वच्यों वृद्धि स्वां स्वाः, स्वाः स्वाः श्रृहेत्तिवृद्धः, से वृष्णाम् 20-क में प्रदेखारिक ही, वही वर्ष होता सो एक कृष्णाम में दिवा स्वा ही।।

अमृत्यी

फ्लैंटनं० 10, जो एल्लोरा को० श्राप० हाउमिंग सोसाइटी लि०, कालिमा कुर्मा रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/17308/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-3, वस्बद्

दिमाक : 29-10-1985

प्रकथ वार्ष . बी . एनं . प्स . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) को धारा 269-भ (1) के अभीत स्भाग भारत संख्यार

स्थार्यालय, सहायक सायकर नायुक्त (निरीकाण)

अर्जाम रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/17333/84-84-अत: मुझ ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' बाहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार ब्रुच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव दुकान नंव 19, जो तल माला, हजारी बाग हरीयाली विलेज, स्टेशन रोड, श्रीर एलव बीव एसव मार्ग का जंग्शन, विकोली (प), बम्बई – 83 ई स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजिस्ट्री है, तारी ख 1–3–1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्ति की गई है और प्रभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निक्शिबिक स्क्षेत्र से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिकक स्थ से किश्व नप्रें किया गया है:—

- (का) अन्तरण के इ.इ. कि.की जाब की वाबत, उक्त अधिनिक्क के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करके या उसके बचने के सृविधा के निक्; और/बा
- (क) एसी किसी आब का किसी भन मा अन्य आस्तियों महो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १११ (1922 का 11) या उचत अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविश्रो के सिक्ट;

अतः अयः, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनस्थ में, में, एका अधितियम की शास 260-घ भी व्याध्यम (1) की अधीर जिम्मिनिशत व्यक्तियों अर्थात :—

(1) मेसर्स मनिष कापीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति पी० खाआ ।

(अन्तरिती)

नो यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाडियां करता हो।

उकत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी स्विध वाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पृथीक्त स्विक्ताओं के से किसी व्यक्ति बुवास;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपास मा ि किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद्या में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं० 19, जो तल माला, हजारी बाग, हरीयाली विलेज, स्टेशन रोड, श्रीर एल० बी० एस० मार्ग का जंक्शन, (प), बम्बई-83 में स्थित है।

अनमूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/17333/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-3, बम्बई

दिमांक : 25-10-1985

प्रकथ वार्षः . टाँ . एव . एस . -------

भायकर मधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) में मधीन सूचना

भारत करकर

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर 1985 निदेश सं० अई-3/37ईई/17842/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'छक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, विश्वका बिचत शाबार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० सी-10, जो इमारत सी, सिद्धपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत हैं) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्विस सम्परित के उचित बाबार मूख से कम के क्समान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और भूके यह निकास करने का कारण है कि स्थान्वोक्त बंपरित का उचित बाकार पूजा, उसके क्ष्मवान प्रतिकात के एसे क्ष्ममान प्रतिकत का पलाइ प्रतिकात स निधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरक के किए क्ष्म क्ष्मा नृक्ष प्रतिकात, विकासिक क्ष्मुबंस्य से उसत अन्यर्क विकास में नास्तिक क्ष्म से क्षित नहीं क्ष्मा क्षम है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी नाय की नावत, उनस सनिमित्रय से नपील सर सेने के कन्तरक के सहित्य में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी वान या किसी थन या नन्य नास्तियों की चिन्हों भारतीन नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ति अधिनियम, या धैन-कर नियमित्रम, या धैन-कर नियमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्ति द्विती कुकरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

ंअस∵ अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में चक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निरुक्तिकात क्यूक्तियों, अभीत क्र— (1) मेसर्स इगल रबर इंडस्ट्रीज।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हेमांग ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

नी यह स्थान बारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्षेप ..---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र म अकारान की तारीख सं 45 दिन के भीचा उक्त मधारण गरपत्रित में हितबक्ष किसी जरूर की ता हुआर अधाहमनाकारी के पास अध्यक्ष मार्थित का सकाय।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, यह अर्थ हागा जा उस अध्याय सा दिया अप्रतिकृति

ततसची

यूनिट नं० सी-10, जो इमाग्य नं० सी सिद्धपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (म) बम्बई-86 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/17842/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी संस्पयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बम्बई

दिमाक: 25-10-1985

माहर :

रुष्य बार्य । टी । हरू हरू ।-----

बावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

नारक् व्रथार कार्याचय , बहावक वाक्यर वायुक्त (विरोद्धाय)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दितांक 25 अन्तूबर, 1875

मिवेश सं० अई-3/37ईई/17274/84-85---अत-मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 16, जो 1ली मंजिल, उषा इमारत, केनरा बैंक एम्पलाइज को० श्राप० हाउसिंग सोपायटी लि०, 191, मरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगल है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकास के सिए बन्तरित की गई है कि बुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से ऐसे क्रयमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और बन्तरक (बन्दर्कों) और सन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे सन्तर्भ के बिए दिस गया गया प्रतिकास, जिल्लासित बच्चोक्य से बक्त बन्तरभ जिल्ला में वास्तविक कम से क्शिया वहाँ किया ववा है है

- (क) बन्तरुम संहूद किसी नाम की बाबस, अक्ट विधिनयम के बंधीम कर दोने के बन्तरक के विधिन्स में कमी कारने या उत्तरे बचने में मृतिथा में बिए; मीह/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया वाना था, कियाने में सिव्धा के विष्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रगोरी गोवेस।

(अन्तरक)

(2) लालजी एम॰ मयानी श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के कि कार्यनाहियां करता हूं।

वक्त बन्धरित में भर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक है 45 विन की अवधि या तत्संकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वाच अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः --- इसमें प्रयावत करवा और पदा का, को जनक विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में विवा कवा हैं।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 16, जो 1ली मंजिल, उषा इमारत, केनरा बैंक इम्पलाईज को० ग्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 191, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पू), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/17274/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिमांक : 25-10-1985

प्रकार बाहै, टी. प्रवृ. प्रव. -----

बायकर निभिनिवय, 1961 (195) का 43) की भार 269-म (1) के नभीन स्वता

भारत सहस्राह

भार्यालय, सहायक आयकर बावुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बद्ध

बम्बई, दिमांक 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/17487/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे अक्ष्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं। की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 108, जो 1ली मंजिल, श्री डायमंड सैन्टर, एल० बी० एस० मार्ग, विकाली, बम्बई-83 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है) श्रीर जिसका करारतामा आयक अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार यूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिभा के लिए;

अतः जब, अक्त जिभिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण अ, भं, सक्क वीभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को सभीय, निस्नीसिक्त व्यक्तियों, अभीत्:— (1) डी॰ क॰ बिल्डर्स एन्ड एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) पैरामांजन्ट इंटरप्राइज।

(अन्तरिती)

की अह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्मास के अर्थन के सिए कार्यनात्रियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पट्टोकरण: --इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्ध होगा, जो उन्न अध्याय में दिशा

ग्रनुसूची

युनिष्ट नं० 108, जो, 1नी मंजिन, श्री डायमंड सेंटर एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, वस्वई—83 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम स० अई-3/37ईई/174987/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टइं किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिमांक : 25-10-1985

_---

प्रस्प बार्च . को . एम . एत् . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनाक 25 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/17354/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव फ्लेट नंव 1, जो 3री मंजिल, होली वहुयू कोलीबारी विलेज, कालिना, सांताकुंज (पूर्व), बम्बई 29 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, नारीख 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) मैसर्स समीर बिल्डर्स एण्ड डेवल्पर्स।

(अन्तरक)

(2) कुमारी अलिया अब्दुला सोमर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करछे पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के निष् कार्यनाष्ट्रियों करला हो ।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जासेंप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, के ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 1, जो 3री मंजिल, होली व्ह्र्य, कोलीवारी विलेज, कालिना, सांताकुंज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/17354/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (लिरीक्षण) अजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-10-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) स्त्री भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 25 अन्तूबर 1985

निदेश: स० अईडस्म/37ईई/18057/84-85--अत: मुझे , ए० प्रसाद,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो तल माला, संगम अपार्टमेंट प्लाट नं० 4, नाथ पे नगर, 90 फिट रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।(धीर इसमे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण क्य से विणात है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनयम, 961 की घारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रो है तारीख, 1-3-1985,

को पूर्वोकत सम्मति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल तो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में बास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सह्राई किसी जाय की बाबता, उक्स आभागियस के बाधीन क्षष्ट दाने के कन्सारक के दाजित्व में कभी कारने या जनसे बावने ग्री सिन्धा के चिहा, बारि/ग्रा
- (स) एका किसी आय या किसी वन अन्य नाम्नियां की विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (10%) का (1) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिणाने में स्वीत्रधा के लिए:

भ्रम स्था, उभ्रम अभिनयम की भारत १५०-ग क अन्तरम में, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीता, निम्नोलीसन स्विक्यों, अर्थात भ्रम्म (1) श्री आर० सी० चपटवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री क्नभाई के० पोमल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन क लिए कायनाहियां करता हु।

बनत सम्पत्ति क अर्थन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख कैं: 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तिय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाणिक है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया है.

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 1, जो,तल माला, प्लाटनं० 4. संगम अपार्टमेंट मार्थ पै नगर, 90 फिट रोड, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/18057/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी मरायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यात्रय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 भ्रकृत्वर 1985

निदेश सं० प्रर्ड-3/37ईई/17413/84-85---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00.000/- ए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 194, जो 1ली मंजिल, श्री

श्रायमंग्र मेंटर, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83

में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विणत है) श्रीर तिसान करारनामा श्रायकर श्रधिनियम

1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन बम्बई में स्थित मक्षम

प्राधिकारी के ज्यानिय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985
को पूर्वोक्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम क ख्रयमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विख्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिकल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त
रेती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त
रेती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में

शास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मे, उगत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीगः । नम्निकास्त व्यक्तियों, वर्धात् ।:—— (1) डी॰ के॰ बिल्डर्स एन्ड एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमीयर इंटरप्राहन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 104, जो 1ली मंजिल, श्री डायमंड सेंटर, एल बी एम मार्ग, घाटकोपर विकाली, बम्बई-83 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/17413/ 84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई श्या गया है।

> ए० प्रसाद मजन प्राविकारी १९४३ म्रायक्ट माबुत (निरीक्षण) ऋजान रॅंग—3, बम्बई

दिनांक : 25-10-1985

प्ररूप आहुं. भी. एन एन. -----

आयकर अिशियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--3, बम्बई बम्बई, दिनां २ 25 अन्तूबर 1985

निदेश मं० अई- 3/37ईई/17098/84~85- प्रन मुझे, ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी दक्षे, यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित कालार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जा 6ठी मंजित, तिरकठ टावर, प्लाट नं० 206 गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई—77 में स्थित है (स्रौर इन्में उपाबड प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर निमान उपारनामा श्रायकार अधिनियम 1961 विधाल 2695, ख के पद्यीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्दी है, तारीज 1-3-1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अनरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य या कभी करने या उससं बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अतः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 47—386 GI/85

(1) श्री र पुख २२ पीठ महा।

(प्रनार_{ाः})

(2) श्री गणगुदन खोतनी ग्रौर प्रस्य।

(स्रुग्रांग्नी)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादिणों करना हा।

उक्त सर्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध मा तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मा सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष को 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा मकोंगे।

स्पत्त्वीकरण: --इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिया गना हैं।

अनुसूची

पर्लैट नं० 601, जो: 65ी मंशिल, नितर्फंठ टावर, प्याट नं० 206, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई ~77 में स्थित है।

प्रतुसूची जैंगा िः ऋम स० प्राई $\sim 3/37$ ईई/1709884 ~ 85 प्रांत जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 $\sim 3\sim 1985$ को र्राजस्टई विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) नंजीत रें ⊶3, बम्बई

दिनों : 25 10-1985

महर :

प्रख्य कार्ड. टी. एम_ा एक. _{मन्नन}

वायकर अभिनिवया, 1961 (1961 का 43) हो

भारा २६९-घ (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यास्य, तहासक प्रावकर गावुक्त (निहासक)

श्रर्जन रेंज~3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनाज 25 प्रक्तूबर 1985 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/18002/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन तकम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो नभ्रता, प्लाट नं० 36 गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित (श्रौर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारगामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 279क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबाए पूर्व्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे अवनान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से बाधिक है और अतरक (बंधरका) और बंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्धरण के निए तम गांगा प्रतिकल्ल निष्णि सिंदित उद्देशका ने स्वयं अहरण निच्चित में वास्तिविक क्य से अधित नहीं किया गया है क्या

- (क) बन्धरक में हुई किसी जान की बाबरा, उसरा अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के अधिन्यम में कमी करने वा उसमा यकने में अधिम्मा विश्वह: बार/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिय। की, जिम्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्नारा प्रकट महीं किया गया था वा किया कामा वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अंतः जब, उपत जीवीनवभ की भारा 269-ग के जमुब्दन कें, में, उपत मिशीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों के स्थाति हैं—— (1) श्री कन्भाई कें ० पोमल।

(अन्तरक)

(2) श्री भोजराज जी० मंगे।

(अन्तरिती)

ं **को यह स्वना वारी करके प्**र्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि<u>ष्ट</u> कार्यवाहियां करता **ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवक्ष किसी जन्म क्यक्ति द्वास वधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकींगे।

अपक्रिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में दिया नवा हैं (हो

अनुसूची

प्लैट नं० 8, जो नम्प्रता, जाट नं० 36, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूं०), बम्बई-77 में स्थित है। कि अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/18002/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सस्यक भ्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

बाह्य व्यक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर भायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन देंग-3, बस्बई बम्बई, दिनाक 25 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/18054/84-85-% श्रतः मुझे, ए० श्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 264-स के अधीन हक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० ए-18, जी 6ठी मंजिल, न्यू गजानन निवास, जदमवाडी, बाकोला विलेज रोड, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसना करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961की धारा 269क ख़ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से विश्वह हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द ह्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर्श बुधने मीं सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसीकत व्यक्तियों, वर्धा ः—

(1) मेसर्स रात्र एन्ड एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरहः)

(2) श्री श्रागस्टीन एफ० डायस श्रौर श्रन्य । (ग्रन्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त संगृत्ति के अर्क्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्येक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस्र अध्याय में दिया गया है।

नन्सुची

पत्नैट नं ए-18, जी 6ठी मंजिल, न्यू गजातन निवास कदमवाडो, वाकोल। विलेज रोड, संताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि क्रम सं प्राई-3/37ईई/18054
84:85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, बस्बई

दिनांक : 25-10-1985

मोहर 🖫

मण्य कार्यां हो . क्यूज क्षा . क ल स स सव

नायकर मीधिनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के स्थीन स्वा

शारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयक्षर आयक्त (निर्शिक्य)

ऋजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर 1985 निदेश मं० ऋई-3/37-ईई/17654/84-85 ←भन: मुझे, एर० प्रसाद,

बावकर ज्भिनियम, 1961 (1961 जा 43) (पूँच इवसें इडके परचात् 'जनत अधिनियम' महा नवा हैं), की पारा 269-स में अधीव सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वत करणे का कारण हैं कि स्थानर तस्पीरत, चितका स्टिन बाबार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 24, त्री, इमारत नं० वी-6, बांम्बे टैक्सीमेन्स की-ग्रॉप० हार्जसग सासाईटी गि०, एन० वी०एस० मार्ग, कुर्ली य(प०), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रींर पूर्ण घप से बिणत है), श्रौर जिसका दारानामा श्रायत एक हिमका प्रायत की अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय, में रजीस्ट्री है, तारीख 1-3-1985.

को पूर्वोक्त समपत्ति के जीकत बाबार भूस्य से कम के क्रमान वृतिकाल के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बचावुर्वोक्त सम्मतिष्य का उचित्र बाबार मूक्य उसके क्रमान प्रतिकास के, एंसे क्रमान प्रतिकास का वृद्ध प्रतिकार प्रतिकास का वृद्ध प्रतिकार से बाबार प्रतिकार के विश्व है और अंदरक (अंतरकार) और अंदरिती (अंदरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाम गमा प्रीय- क्रम निम्मीनिकत उद्देशक से उसके मन्तरण विकास में नक्किक कर से अविकास की क्रमा करा है है---

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय शावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा वस-कर श्रीधनियम, वा वस-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) व्य प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए कर, दिनाने में बृदिका के विक्

नतः वन, उन्त विधित्तिन की भारा 269-न के अम्बर्ण ने, में, उन्त विधित्तिन की भारा 269-न की उपधार (1) ने नुभीन, नुम्नसिन्ति व्यक्तियों, वर्षात् ह--- (1) श्री प्रशोक कुमार श्राजाद।

(श्रन्तरङ)

(2) श्रीमती गमलेश मेहंदी रत्ता ।

(ग्रन्तरिती)

का शह स्कता जारों करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के किस कार्यनाहियां करका हुएं।

उपक्ष सम्मत्ति के गर्मन के सम्मन्य में कोई भी आक्षप ५---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच औ 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को बंधि जनिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कथ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के समयम में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष तिकित को किए जा अकोंगे।

स्थारहीकारण:---इसमा पस्त्रावस वाक्रण आरि पर्या का अरे अवस् अभिनिक्रम के अध्यास १० ता में परिभावित हाँ, यहाँ अर्थ होता का अ तावाहत में विद्या यस हाँ।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 24, जो, इमारा नंबबी-6, बांम्बे टेंक्सीमेन्स को-ऑप० हाउगिग मोसायटी लि०, एल० बी० एस० मार्ग, कुर्ला(प०) बम्बई-70 में स्थित है।

स्रतुकुची जैसाकी क० सं० श्रई-3/37-ईई/17654/84-85 स्रौर जो पक्षर पासि हारी चम्बई द्वारा दिनाउ 1-3-1985 को एजीस्टर्ड सिया गया है।

> ्र० गमाद सञ्जन अभिज्ञासी सह्त्यात्र आवारम आवारमा (शिरोक्षण) अर्जन रैंज-3, वस्बई

ਵਾਊਬ : 25-·10-·1985

प्ररूप आर्च ही. एत. एस. - - -

- (1) श्री विरुपी० चचातिया। ।

(ग्रन्तर ')

(2) श्री जें०एच० देश्यी।

(ग्रन्मीस्ना)

भागमर आधानगभ, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 भ(1) के नधीन सुचना

मारत सरकार

काशीलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांट 25 पनटबर १985

ं निदेश सं० अई-3/37-ईई/17515/84-85-—ऋत मुझे. ० प्रस्थेट

आयकर अधिनयम, 1901 (1161 का 43) (बिन्हें इसमें इसके परचाल उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 209 व के जरीन सक्षम धाधिकारी को, यह विश्वेग करने का कारण हैं। कि स्थावर सन्धित, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

अने जिसकी मं० फ्लंट न० 5160, जो, इमान्स न० 199 एत०एच०वी० पत त्राम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में िश्वः है (औंग इसके उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप के विणा है), और िल १ राप्त-मार प्राय किये कि प्रिक्तियम, 1961 की धाना 269 तक प्रेथीन, बम्बई स्थित सदम प्रिक्तियों के विश्वास में रजीन्द्री है। नारीख़ 1-3-1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के विश्वास के उपाप्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के विश्वास प्रतिकार के विश्वास प्रतिकार के प्रविक्तियम प्रतिकार के स्थापन प्रतिकार के प्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके राज्यमान प्रतिकार के प्रतिकार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार निम्नितिखन उद्वेश्य से उक्त अतरण निखित में वास्तिबक रूप क्या से का बीठ नहीं किया क्या है

- (क) अन्तरण ६ हुए किसी अप का अवत अवर मीधीनयम् के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व या कभी करन या उसस जनन में सुविधा का निह मार/यः
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य कास्तिकी कार्ग, जिन्हीं भारतीय अधिक किसी सिनयम, १०० (1922 का 11) या असत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ लागिरी विवास किया गया था था किया जाना काहिए था किया सिकाया को सिकाया के सिए;

' शतः अव, उनत निभिनियम की भारा 269-ग नै वनसरक भे, में, उभत निभिनियम की भारा 269-व नी उपभारा (1) को अने , निम्नलिखित लाक्तियों, अर्थात् .-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को नार्वि भा तालक की पान मा ए मुक्त के ही की नार्वि की किया है कि की अविधान के किया है कि सामाप्त होती हो है भीनर पर्वित कार्या ए सामाप्त होती हो है भीनर पर्वित कार्या ए सामाप्त होती हो है भीनर पर्वित कार्या है किया है किया
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीत मा हित- बदब कियो को स्थापन मा किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण -- (तन १००० । उनत आधिनियम, कं अत्याय 20-कं मा परिभाषिर हो, तेल के हिल्ली, जो के त्रिशाधिर गया है।

अनु सूची

पलैट न० 5460, जी, टमारा न० 199, एम०एच० बी० पत नगर, घाटकापर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०म० ऋई- 1/37-ईई/17515/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रजीस्टई तिथा गया है।

ए० प्रभाद सक्षम प्रार्थिनारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3 बम्बई

तारीख 25-10-1985 मोहर : प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रार्जन रा-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 25 श्रमद्वय 1985 निदेश स० श्रई-3/37-ईई/17601/84-85—श्रत मुझे, ए० प्रमाद,

अभिकर विधिवयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्से इसके प्रश्नात जिस्स विधिवया कहा गया ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षत प्राधिकारी को यह विश्वास करन का आहम है कि स्थावर संपरित, विश्वका उच्चित वाचार मूक्स् 1,00,000/- रु. से मिथक ही

श्रीर जिसकी सं फलैट न 5009, जो 2री मजिल, इमारत न 184, पन नगर घाटकार, इम्बई-75 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्राप्य पूर्ण क्ष से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायह र श्रिधित्य म 1961 की घारा 269 है, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्ष म प्राधिदारी क वायित्य में रजीस्ट्री है, नारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान श्रीतकत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सुरूप का कारण है कि मनामूबेंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य , उसके स्वयमान श्रीतकत से, एसे स्वयमान श्रीतकत का क्ष्यू शिवस्त से ब्रिया है और बन्तरका अंतिकत का क्ष्यू शिवस्त से ब्रिया है और बन्तरका (अंतरका) और बंखरिती (बन्तरिक्सों) के बीच एसे बन्तरण के किए उप पाया क्या प्रिक्त का निम्नितिया उद्योग से उन्तर कलारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नितिया उद्योग से उन्तर कलारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नितिया उद्योग से उन्तर कलारण कि विश्व पर पाया क्या परिक्त का निम्नितिया उद्योग से उन्तर कलारण कि विश्व से अन्तर का निम्नित से अन्तर कहारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नित वर्ष के स्वाप कलारण कि विश्व से अन्तर का निम्नित से अन्तर कहारण के किए उप पाया क्या परिक्त कर ने अन्तर कहारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नित सर्वा कलारण कि सिप परित से अन्तर कहारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नित से अन्तर कहारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नित सर्वा कलारण के किए उप पाया क्या परिक्त का निम्नित सर्वा कलारण कि सिप उप पाया क्या परिक्त का निम्नित सर्वा कलारण कि स्वाप का स

- (क) क्थारण वं हुए प्रश्ली कार की बारण, खक्य विधिनियम के क्षीन कर दोने के अन्तरक के वाकित्य में क्ष्मी धरने या स्वयं वचन के स्थिधा के विष्यु; बीट/या
- (च) प्रेसी किसी भाग या किसी धन या जन्म शास्तियों का, जिन्ही भारतीय आध-कर अधिमेनाक, 1922 (1922 का 14) या अन्त अधिनेयम, या धनकर अधिनेयम, या धनकर अधिनेयम, या धनकर अधिनेयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्मरिती बुधारा प्रकट नहीं किया स्था पा वा था किया जाता आहिए था कियाने में स्थिता की किसा

भेग भभ, अभत स्पिनियम की भारा 269-म का उपभाव (1) है स्पील भिज्ञातिकार स्पिति स्पिति स्पिति । कि स्पील भिज्ञाति ।

(1) श्री भ्ररूण जे० विटणीस।

(भ्रन्तरकः)

(2) इला सी० पारेख ग्रौर अन्य।

(भ्रन्धरिती)'

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए 🕆 कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जनं के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट न० 5009, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 184 पंत नगर, घाटकोपर, बम्बई-75 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०स० ग्रई-3/37ईई/17601/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजसेस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

तारी**ख**: 25~10~1985

MAN ALL ST. CA. CAR. WASHINGTON

काधकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में बभीन सुचना

नारत प्रत्यानु

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांण 25 अन्दूबर 1985 निदेण मं० भई-3/37-ईई/18023/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाद 'उसत अधिनियम' कहा जवा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिभक्तारों को, यह निश्वात करने का समरम हैं कि स्थावर कमति, जितका उचित बाबार मूल्ल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, सी-विंग, इमारत नं० 1, शाँती पार्क, गरोडिया नगर, घाटको-पर (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित हैं (ग्रांग इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची ग्रांग पूर्ण रूप से विंगत हैं), ग्रांग जिसवा करारनामा श्रायक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वं, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायित्य में रजीस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त तंपिता के उष्यित बाबार मूस्य से कम के दश्यनाण प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास कर्भ का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उष्यत साजार मूख्य, उश्वकी क्रयमान प्रतिफल सं, ए ते दश्यमान प्रतिफल का अन्तर् प्रतिबंध से जिभक है जीर अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंबरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्निविधित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तर क्या है क्या से क्रिक्त नहीं किया स्था है क्या से क्रिक्त में वास्तर

- (क) वन्तारण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त बीज़िवियज के संघीण कार वॉर्ड के अन्तरक के इस्तिल में कभी कारने वा सक्से व्यक्ते में सुविधा जी लिए न्देर/मा
- (क) एची कियी नाम या किसी भन या नम्य नास्तियों को, जिला भारतीय यान-कर विभिन्नक, 1922 ११०२० १ ११ का उपाय अधिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने भें सविधा को लिए:

अतः अतः, एकः अभिनियम की भाग १६६० के अनसरकः में, में, उक्त अधिनियम की भाग १६०-व के अपनाना /1) के अधीन निम्निचित्रक व्यक्तितयों, स्वर्षेत्र १००० (1) मैसर्भ निलम डिवलवपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सजय एम० मेहता।

(अन्तिरती)

को नह स्वना बादी करके वृद्धोंक्त सम्मीत्व के कर्जन के निर्क कार्यनाहियां **करता ह**ै।

जनत सम्परित के क्वंब में सम्बन्ध में कोई भी शासीय 🛷

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृत्रीनस व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्रवारा;
- (च) इत सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच है • 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यबुध किसी जन्म व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरों के पांच सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थलक्षिण्याः -- इसमा प्रयोगतः धम्यो और नदां आहः, अहे स्वस् विभिन्नम के बध्याय 20-क में परिवाणित है अ यही वर्ष होगा को उस बध्याय में विचा गया है है

भनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो. 3री मंजिल, सी-विंग, इमारस नं० 1, शांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर(पूर्व), बम्बई 81 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसाकी क०सं० स्रई-3/37-ईई/18023/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड वित्या गया है।

> ए० असाद सक्षम प्राधिकारी सहायक पश्रीयकार द्याशुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 25-10-1985

प्रक्रम आ**इ**. टी. एन. एस.-----

(1) अञ्चल मोडमर १। व(धली गुलतार ।

(2) सर्दर अहमद कमरूझामा ।

(अस्परक)

(अन्त्रस्ति)

एक्स / अधिकानपम, 196, (1961 की 43) की

भारा 269-भ (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर बाबुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-८ बम्बर्ड ं

बम्बई दिशांल 25 अन्दूर्य 1985

निदेश भं० अई-3/37-ईई/18018/84-85---अन: मुझे, ए० प्रमाद

वायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तर्वे ध्युक्ते पश्चातः 'त्रवतः समिशीनयम' कङ्गा गया **ही, की पारा** 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण ह³ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- छ. से विधिक हैं

भ्रौर जिप्तकी मं० फ्लैंट नं० 102 जो, 1ली मंजिल, इमारत नं ० 15, प्रपाडिया अगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीत इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से लियत है), ग्रीर जिसका करारसाम अपकर अि नियम, 1961 की धारा 269 ज,ख 🗸 अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, लारीख 1-3-1985 1

को पर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बादार मुख्य से कम के अध्ययना गर्द और की ≰तिफल के लिए बन्तरित करने का कारण है कि बबा-यष्ठ विश्वास पर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उत्तके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंचे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निशिक उद्योक्य से उस्त अन्तरण सिसित में बास्तविक रूप से कौथत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यस्य हे हुइ किसी भाव की बाबच, जनस् अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरफ के दाधित्य में कभी करुने या उसके बचने में अधिका के शिक्; कीस्/मा
- (था) एरेसी किसी बाध या किसी धन या जन्य जारिसयो को, जिन्ह⁵ भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या चन-कर वीचरियव, 1957 र्1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तरिकी बुनारा प्रकट नहीं किया नथा का वा किशा काना वासिक का, किशान के कार्यका ेके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को बहु सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिये कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहभ किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीं।

स्वच्यीकरण:--इसमें त्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मुनिवन, वे ब्याब 20-क में गरिकाविक **हैं, वहीं वर्थ होता को सम अध्या**र्य के दिका नवा 🗗 :

धनुब्दी

प्लैंस नं० 102, जो, 1नी मंजिल, इमारत नं० 15, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुषूची जैस(की फल्सल अई-3/37-ईई/18018/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांट 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक(री सहायक आयक्र आय्वत (भिरीक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बद्ध

नारीख: 25-10-1985

प्रस्प बाह्र . टी. एन. एस.

भावकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत मुखना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिमांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश म० अई-3/37-ईई/17970/84-85---अत मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० फ्लैंट नं० 304, जो, उरी मंजिल इमारत नं० 6, कपाडिया नगर मीएसटी रोड. कुर्ला (प०), वम्बई-70 में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-3-1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित स्टूबरेय से उच्त अन्तरण किश्वित भी कास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बातरक के दायित्व में कमी करने या उसस धनारे में स्विधा के निए, बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाथ या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मोहमद मस्नाफा रजाउल्ना खाम ।

(अन्तरिती)

्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्णन के निष्
कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मणि के नवीन के मंबीध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी स्पित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्ध क्यक्ति द्वारा कथ हस्ताक्षरी के पास लिचित में से किए का सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्द गौर पदों का, वो उक्त व्याधिनयमः, के बध्यांय 20-क भी वरिभावितः ही, वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में दिवा वसी है।

धनुषुषी

पलैंट न० 304 जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 6, क्षांडिया नगर सीएसटी रोड, कुर्ला(प०), बस्मई-रंग में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कल्मल अई-3/37-ईई/17970/8 4-85 ग्रींग जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिमाक 1-3-1985 को ग्जीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3 वस्वर्ष

नारीख . 25-10-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरोक्षक)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 25 अक्टूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17263/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है^{*}

श्रीर जिसकी सं० यूनिट न० 106, जो, गली मजिल, श्री डायमेंड सेंटर, एल०बी०एम० मार्ग, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणान है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम' 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-3-1985। की पर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुरुष, असको दवसमान प्रतिफल से एसे दवसमान प्रतिफल 🖷 **भन्दह** प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय नाया गया प्रतिफास, निम्नीसिक्क उद्योदय से उस्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उत्कत अपिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसस वधने में सजिधा के लिए: और/बा
- (क) एमी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (19**57 का** 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वाकिया जाना चाहियेथा छिपाने दें चे चिए:

(1) श्री डी०के० बिल्डर्म श्रंण्ड आसोसिएटस । (अन्तर म)

(2) पंरेमाउंट इंट (प्राईत।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जकत संपरित के अर्जन सबंध में काई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (छ) इस सूचना कौ राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्यस्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिभित े फिए का सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 84

प्र**नुपूर्वी**

यितटनं० 106, जं।, 1ली मजिल, श्री डायमंड सेष्टर, एल ब्बी व्यस्त मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०मं० अई-3/37-ईई/17263/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आय चर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 वम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियोः, अर्थात् :--

नारीख: 25-10-1985

इस्य बार्ड . टी. इन . इत . -----

नायकर गिंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के गंभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यांत्रम, तहायक वामकर बाग्वत (रिनरीक्षक)

अर्जम रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 25 अक्टूबर 1985 निदेश मं० अई-3/37-ईई/17942/84-85—अत: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके प्रकास 'उनत निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उण्यत्त बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, होली व्हिंग, कोलीवरी व्हिलेंग रोड, सांताकृष (पूर्व), वस्वई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिन्त्रिम, 1961 की धारा 269 क्या के अधीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1~3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि नथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत से बाभक है और अंबरक (अंतरका) और अंत-रिखी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना पया प्रतिकल, निम्नसिक्ति उद्योदय से उक्त बंतरण जिलात में बालानिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिभ-नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एती किसी जाय मा किसी भन या जन्य जारितजी को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अभिनियम मा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए;

तः जय, उक्त अभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भीग, निक्तीवृधिक व्यक्तियों, वर्षाह करें

- (1) मेसर्स समीर बिल्डर्स ग्रंण्ड डेव्हलोप।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री संम्युअल एस० जल्ला ग्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचमा जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के वर्षन के सिक्

क्या सम्मिक के वर्णन के संबंध में कोई मी बाबोद :---

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की रायव से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी बनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवां में से किसी व्यक्ति व्यक्तिहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थानर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी बन्म क्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पर्यों का, को उक्त कथि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस सुध्याय में दिया गना है।

मपर्य

फ्लैंट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, होली ब्ह्यू, कोलीवरी ब्हिलेज, रोड, साताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/17942/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक्त आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्ब**र्**ष

तारीख: 25-10-1985

प्ररूप बाई , टी., एन: एस.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) को अधीन स्चना

. भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन रेज-3 वस्वर्ध दिनांक: 25-10-1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/17621/84-85---अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुरान न० 15, जो, तल माला, नवजीवन निवास प्रियमामेस की-आंप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, कुर्ना. बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर उसमे उपावड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-3-1985।

को पुर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजा रमूल्य में कम क द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निक्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः छव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भारदा पी० लखानी।

(अल्ट्स)

(2) श्रीमती भगवती एम० तलरेजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोर्ड भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दां और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

तुंकाम न० 15, जो, तल माला, मवजीवम निवास प्रिमायमेस को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कुर्ला, बम्बई-70 -70 में स्थित है।

अनुसूबी जैसाकी क०स० अई-3/37-ईई/17621/84-8. फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-198 को रजीर ई किया गया है।

> ए० प्रस् सक्षम प्राधिक महायक आयकर अत्युक्त (निरीक्ष अर्जन रेंज-3 ब

तारीख ' 25-10-1985 मोहर:

प्रकप बाइ .टॉ. एन . एस . ------

काथकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीत स्थान

मारत बरमार

कार्यालय, महायक नायकर नायक्त (मिरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज. ३ वम्बई

बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17296-84-85---यन. मृझे. ए० प्रसाद,

नामकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रितममं कहा गया हैं), की भारा 269- व की अधीन सक्षम जीभकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

फ्लैंट नं० 2, जो तल माला, निर्माणाधीन इसारत. प्लाट नं० 6116, कोलें कल्याण. का लना वलेज: माँनाअ ज (पूर्व) - बम्बई-29 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण स्म से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं नारीख 1-3-85

कौ प्योंक्त सम्पत्ति के जीवत बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य. उसके दस्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पामा नया प्रतिक का निम्निसिचत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण में हुए किसी जान की शान्त जनत शीच-रिन्दम के भूषीन कार दोने के बन्तरक के शासित्य में कभी कारने वा सबसे नुष्ये में सुविधा के सिए;
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिनी, का, जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) वा उनत विभिन्नयन, या धरकर विभिन्नयन, या धरकर विभिन्नयन, या धरकर विभिन्नयन, 1957 (1957 का 27) के असोबवार्थ व्यवस्थिति बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाना थाहिए था, क्रियाने में सुनिधा न्ये सिए।

बतः वयः, बक्तं विवित्यतं की भारा 269-य से वयुवर्य को, को, जनव विभिन्निय की भारा 269-य की जनवारा (१) को नभीन, निकामिकित व्यक्तियों, स्वांक् क्र-- (1) मैसमं मिलिन्द एसोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार मब्सूदन यादव

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करक प्यांक्त सम्पत्ति के नुर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (अ) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट नं० 2, जो तल माला, निर्मानाधिन इमारत- प्लॉट नं० 6116, कोले कल्याण- कालिना व्हिलेज, सांताकूका-पूर्व, अम्बई-29 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंमा कि कि भ० श्रई-3-46-ईई/17296-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधकरी बम्बई द्वारा दिनॉक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

मोहर ५

प्रकार बाह्र . हो . एव . एव . ० ० ० ०००

धायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्वान

SING SECTION

कार्याजन, बद्धानक जायकर वानुषत (गिरीकाण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनौक 25 श्रक्तूबर 1985

निद्रेंश सं० प्रई-3-37 ईई-17799-84 8म---मतः मु,झे ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचाद 'उन्दा निधितियम' बहुए गया है), की भाव 269-व के अभीन तथान क्रिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर कन्निता, जिसका उचित नावार मृत्य 1,09,000/- रु. व निधक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 302, जो 3री मंजिल, चैतन्य अपार्टमेटम प्लाद सं० 15बी 116, गांधी नगर, लेग्राउट श्राफ चिलेग तिरंदान, श्राई० श्राई० टी० के कामने, पबई, बम्बई-७म में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने विजय है), और जिएहा कारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 ए ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है

तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित वाकार मूक्य से कम के दक्कान प्रितंतिक के लिए कृतिरित की गई है और कुछ यह निक्वास करने का कारण है कि यथाए जेंक्त सपित का उचित बाजार कृत्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पत्नह क्रितंति से विक्ता है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितामों) के बीच एसे कन्तरण में निए स्थ पावा गया क्रितंत्रका, निक्मीनिक्त उप्रवेक से उक्त कन्तरण सिक्त में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी गांव को बावत, उज्ज्ञ विभिन्निया के जधीन कर दोने के अन्तरक के राजित्य में खनी करने वा उत्तरे बचने में सुविधा के सिर्ण; बॉट/वा
- (व) एंसी कियी जान वा किसी भग मा जन्म जास्तियों को शिक्ष भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तक अधिनियम, वा भगकर अधिनियम, वा भगकर अधिनियम, वा भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्विती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना वाहिए जा, क्षिपाने में सुविधा के सिए।

बत: अब, उन्त निधिनियम की भाव 269-म के अनुसरक ही, जी उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अ जभीन, निम्नविधित अधिकार्यों क्र अर्थाद क्रम्म (1) मैंसर्स विद्ठन एसोसिएट्स।

(मन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार तिवारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त वंपीत के कर्पन के सिस्... कार्यगाहियां करता हुं।

बक्त सम्मरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आखेर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा के 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी बचिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूचोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विवद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकेंगे।

स्पन्दीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, हो उनत आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहु निर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रकी

पलैट सं० 302, जो, 3री मंजिल, चैतन्य भ्रपार्टमेंट, ज्लाट नं० 15वी 116 गाधी नगर, लेग्नाउट ग्राफ विलेख तिरंदाज, ग्राई० श्राई टी० के सामने पवई वम्बई-76 में स्थित है।

अनुसूची जैसा हि कि सं ग्राह-3/37-हेह/17799/ 84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विमाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंग-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

माहर 🖫

अक्ष बाद् . टी . एवं १६६ _ ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कायांसम्, सहायक मायकार बाग्वतः (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनार 25 अम्तूबर 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/17793/84-85--- जन: मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत किंकिनयम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिनकी संब्दलैंट नंब 301, जो, चैतन्य ग्रपार्टमेंट,धाई श्राई० टी० मार्केट के मामने, पबई, बम्बई-76 में स्थित है (और इन्ते उमाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), और जिल्हा करान्याम अध्यकर अधिनियम,

1961 की घार। 2695, ख के प्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-85 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्टत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अम्बरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया चया प्रतिफास, निम्नलिखित उत्वेश्य से उत्रत अन्तरण सिचित भें शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दुवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था., क्रिपाने 💸 मुविधा ने सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

बिट्ठ र एसोसिएट्स। (1) मैं नर्स

(भ्रन्तरक)

(2) राबर्ट फर्नाई।सः।

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्वत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुवाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष. से 45 विन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की वामील से 30 दिन की बबिध, जो भी बंबीभू बाद में समाप्त हांती हा, के भीतर पूर्वा क्य न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
 - (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बदन किसी बन्ध व्यक्ति इपारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखितं में किए जा सकोंगे।

स्थलकीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त शब्दाँ और पदाँ का, जो उपल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिया गया

वन्स्यो

पलैट नं 301, जो, चैतन्य ग्रापटमेंट, श्राई ग्राई टी मार्केट के सामने पषई बम्बई-76 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-3/37/37-ईई/17793/ 584-85 और जो पक्षम प्राधिकारी वस्बई ब्रारः दिनांक 1-3-85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद गक्षम प्राधिकारी सहाय ६ अ।य ६ र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-85

मोसर:

अवन वाद् ती ध्रम् । यस

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (विद्वीक्षण)

श्राजीन रोज-3, बमबर्ट

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्त्बर 1985

निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/17843/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृत्य 1.00,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव सी-9, जो, इसारत नंव "सी" सिद्धपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ एलव बीव एसव मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका कराएनामा प्रायकर प्रधितियम की धारा 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है तारीख 1-3-95

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित प्रहिं किया गया है:----

- (क) जन्तर्भ में हुई किया बात की बाबत, समस मिनियम के सभीन कर योगे के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जान ना किसी यन ना सम्ब आस्तियों को, विन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) ना उनता अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्दरिती धृताय प्रकट,नहीं किया गया वा ना किया जाना चाहिए था, कियाने में निविधा के लिए;

अभ मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरच मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नभीय, निम्मलिकित व्यक्तिकों के अभीय हुन्स (1) भैममं ईमल स्वर इण्डस्ट्रीम।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती चचल दिनेश शहा और ग्रन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए क् कार्यवाहियां करता हूं।

समत संगति के वर्षन के संबंध में कोई जी बाबोद :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी
 विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्थ किसी बन्य व्यक्ति त्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास जिन्दा में किए का सकारी।

अनुसूची

यूनिट नं० सी-9, जो इमारत नं० "मी", निद्धपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, खाफ एल० बी० एस० मार्ग, वम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-3/37-ईई/17843/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रिजस्टिंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-3, बम्बर्ध

दिनांक: 25-10-1985

प्रकप कार्ष टी एप एस -----

नासकर निर्धापिया, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्वना

मारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक वावकर वाक्तर (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनौंक 25 प्रश्तूबर 1985

निषेश स॰ ग्रई-3/37-ईई/17675/84-85—प्रत मुझे, ए॰ प्रसाद,

वाय कर पीर्शिनियां 1961 (1961 का 43) (विजे ध्वारी इसके पश्चात 'उक्त वीश्वनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन शंकाम श्राधिकारी की वह विश्वनित धर्म कारण हैं कि स्थावर सन्वित्त, विस्तान उत्तित बांकार मृज्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 8, जो 2री मजिल, शिवस, श्री संगम को-भ्राप हाउसिंग सोसायटी, नाम पै नगर, घाटको-पर (पूर्व), अस्वई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-3-85

स्रो पृथांक्त तम्परित के विचत वाचार मूल के कन के स्थानान शितफल नो लिए संतरित की गई है बार मुक्ते वह विकास करने कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उजित वाचार मूल्य कतके स्थायन प्रतिफाल से, ऐसे ल्यानान प्रतिफाल का बल्क विकास से अधिक है और सन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितीयमां) के बीच एसे सन्तरक विकास से सम्भाव नवा प्रतिकास, निम्निलिसित उद्देश्यों से उज्या अन्तरण लिसित में जानादिक अस से लाई है अप स्था है किया स्था है :---

- [क्न) अन्तरण से हुई िकासी आय की बाबत, उन्त प्रीर्भी स्थम के जधीन कर दोने औं अन्तर्रक की दायित्व में कमी करने या उन्नमें नचने में सुविधा 'है निष्ण, अपि/दाः
- (क) सभी जिसी काय या किसी भन या अन्य कार्रिक्यों को जिन्हों भारतीय जायकार जिभिनियस, 1922 () रा ! ज्ला जीवीनयस या भन-सर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा नया भर या किया जाना चाहिए था स्थियने में स्विधा ने निस्ता।

ात हो उसने अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्भ मों, मीं, उसने अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखन व्यक्तियों, अधीत् —— 49—386 GI/85

- (1) श्रीमती जनाबेन ती० शहा भीर भ्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मिना पी० तारीख श्रौर श्रन्थ। (श्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्विक्त भव्यस्ति के अर्चन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संक्वेंन्थ में कोई भी ऑक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकालन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी स्पितियों पर स्थान की ठामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विमें के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रक मिचित में किए वा सकींचे।

ल्बक्कीकरणः —- इश्वमें प्रमृक्त सम्बों बीर पनों का, को स्थल विधितियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

ब्लाक नं० 8, जो 2री मजिल, शिवम श्री संगम को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, नाथ पै नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सिंह अई-3/37-ईई/17675/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी समायक ग्रायकर श्राप्कत (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3, बम्बई

विनकि : 25-10-1985

माइर

प्रारूप बाह^र.टी एन.एस

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यातम, बहायक बायकर बाव्यक (पिरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 भ्रक्तूबर 1985

निवेश सं० ग्रई- 3/37-ईई/17539/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिक्स इसमें इसमें प्रमात् (उक्त अधिनियम) कहा गड़ा हैं), की नारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारच है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उच्चित वाचार मूस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी प्रिमेमिज, यूनिट नं० 416, जो हिल ध्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, घाटकोपर (प), बस्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है नारीख 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपाब बाजार मृस्य से क्षम के दश्यमान पतिफस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उधापुर्वोक्त सम्मत्ति का उपाव बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफस ते एसे अवमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से अधिक है कीर बनारक (बनारकों) बोर बनारती (बंतरितियों) के बीच एसे बनारक के सिए तब पाना बना प्रतिफल, निम्मत्तिवित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निर्माण का प्रतिकर निर्माण से वास्तर से सम्मत्ति अवस्त से सम्मत्त के सम्मत्ति से वीच एसे बनारक के सम्मत्ति निर्माण से वास्तर से सम्मत्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण निर्माण में वास्त्रीक क्षम ते कायत नहीं फिना क्षम है ए---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जान की बाबत उक्स अधि-नियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए और/वा
- (वा) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्च अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाओं अन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुदिया के लिए;

वर्षः अब, इक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अवृक्षर्यः की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:—

- (1) मैसर्स निर्मल ट्रेडिंग कम्यनी।
- (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स मिक्रोज सिस्टम्स।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्बन्धि के वर्षन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

सकत सम्परित के वर्षभ के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है-

- (क) इस त्या से रायपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की नवींथ या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की दानीय से 30 दिन की स्वधि, यो भी व्यक्ति बाद में दनाया होती हो, के धीतर प्रवेतन व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के समयन में मुखासन की राज्यीय के 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवह्य किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी के दात सिवित में किए वा तकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इतमं प्रमुक्त सम्बं गरि पर्यो का, वा धनस विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फैक्टरी प्रिमिसेज, यूनिट नं० 416, जो, हिल ब्यू इंडस्ट्रियल इस्टेट, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/17539/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधि कारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बस्बई

दिनौंक: 25-10-1985

मोइरः

प्ररूप नाहरें हो पुन पुन् पुन् रा

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कामिलवः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/17632/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० फ्लैट नं० 3 है जो, स्रनुपम "सी" इमारत, तल माला, करानी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी रिजस्ट्री है दिनौंक 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके करमान प्रतिफल से एसे करमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्विक्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्व आस्तिकों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व के बाक्र्यस्थ में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) के जबीन, निम्निकिटिक व्यक्तियों, वर्षोत् ु—

- (1) श्री लाभ शंकर गिरधर लाल संववी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रफुल्ल एल० दौलत श्रीर श्रन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप [

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पवों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगस्यी

फ्लैंट नं 3, जो, श्रनुपम "सी" इमारत, तल माला करानी लेन, घाटकीपर (प), बम्बई-86 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० 3/37-ईई/17632/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रभाद मक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 25-10-85

प्रका बार्ट . टी. एत., प्रच_-------

कावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) से क्यीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निक्क्रीक्रण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई ,दिनाँक 25 प्रक्तूबर, 1985 विदेश सं० प्रई-3/37-ईई/18070/84-85—प्रतः मुझे, ए० प्रसाव

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाय करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० ब्लाक नं० 09, जी, प्लाट नं० 47 विकास की-ग्राप० हाउसिंग मोनायटी, गिरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उनाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिनका करार-नामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-85

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कान के क्श्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से ,,एसे इध्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक(अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से क्शियत नहीं किया गया है:—

- (क्श) बन्तर्य से हुई किसी बाय की वायत, उन्त विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के शांवित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाडिए था, कियाने बें सुनिधा के शिए;

ंशतः अव, उथर विधिनियमं की भारा 269-ण के जनुतरण में, में, उपर अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यविकारी, अधीतः :--- (1) श्री एम० मार• मस्ल।

(भन्तरक)

(2) श्री मजय एन० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वास्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिमां सुरू करका हूं।

जनत सम्प्रति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षंप .--

- (ला) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन को तारील स 45 विन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की नामील से 30 विन की अवधि, जो भी क्षिक काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत सम्पति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों अहर पदों जह, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ध होगा जो उस सध्याय में विधा गुरा है।

प्रनुसू ची

ब्लाक न० 09, जो प्लाट नं० 47, विकास को-आप० हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि के सई-3/37-ईई/18070/ भौर जो सक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-85 को रिजस्टर्ड किमा गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 25-10-1985

मोइर:

प्रकप आइ. टी. एन . एस . -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्नालयः, सामयक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 25 ग्रक्तूबर 1985

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/18069/84-85---- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकशस करने का सारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० ब्लाक नं० 10, जो, प्लाट न० 47, विकास की-भाप० हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (भीर इसमें उपाबब अभुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करार-नामा भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ध्रभाष्यास्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिकाल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिकाल का क्ष्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरित रिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रविकास, निम्मिजियत उद्योग से उस्त अंतरण लिखित में बास्त कर से किया मही किया नहा है :---

- (क) जंतरक से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधि-निगम को अधीन कर दोने के अंदरक के दायित्य में कभी करने या उससे वकने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोगणार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, कियान से सुविधा है सिए।

बतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-व के अनुधरण कों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निज्निलिसित व्यक्तिकों, स्थास् ६--- (1) श्रीमती पी • एस० मल्ल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एन० पटेल।

(ग्रन्नरिती)

को यह बूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिह

ज्या सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अटीपिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) द्रम न्यूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पन्धीकरणः—इसमो प्रयुक्त शब्दों बार पर्यों का, जो उनत आमकर विभिन्नियम के अध्याय 20-क र परिभागित ही, वहीं कर्म हाला ।

नन्सूची

बनाक्त नं 10, जो, प्ताट नं 47, विकास की-आप हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर, घाटकोप (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

धनुसूची जैमा कि कि सं० धर्ड-3/37ईई/18069/ 84-85 भ्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-85 को रिजस्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सस्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 25-10-1985

प्ररूप भावः टी एव. एस. -----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुमना

יייאקים הינוע

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 25 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/17749/84-85--- श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-वा कं अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वात कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 17, जो 2री मंजिल, घनश्याम बाग इमारत नं० 3, हंसीटी लेन, किरोल रोड, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा भ्रामर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269म, खि के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे राजिन्द्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूनों क्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे शास्त्र[बक रूप से कार्रियत नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एमी किसी जाय मा जिल्ली भन्ने ३१ ८०च अगरनका को जिन्हों भारतीय नायकार निधिनयम, 1922 (1922 कः 11) वा उपक अभिनियम, ा थनकपु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्बाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने मे स्विभा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिधित स्युक्तियों, सर्भात ६---

- (1) श्री पी० एस० कोराजिया और अन्य। (प्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश चन्द्र एस० कोराब्या। (भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्या में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टींकरण :---इसमें प्रत्येक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🐉

नप्रमुख

ब्लाक नं 17, जो 2री मंजिल, वनस्थाम बाग इमारत 3, हंसोटी लेन, किरोल रोड, घाटकोपर (प), अम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रहै-3/37-ईई/17749/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बाई

बिमांक: 25-10-1985

भाषकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रर्ड-3/37-ईई/17504/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/7, जो, 3री मंजिल, यशवन्त को-आप, हाउसिंग सोसायटी लि०, नाथ पै० नगर, घाट-कोपर (पू०), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 1-3-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रुष्णभान बिक्कत के सिष् बन्तरिष्ठ की वह है बार भूने वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रुप्णभान प्रतिफल से एसे ध्रुप्णभान प्रतिफल का क्ष्मा प्रतिकल का क्ष्मा प्रतिकल के अंदर्भ (अंतरकों) और अंतरिती (अन्वरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाया गया प्रतिकल निम्मिलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मिलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मिलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मिलिबित उद्वेष्य से जक्त अन्तरण निम्मिलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मिलिबत अंदर्शित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण के हुर्च किसी जान की वानत अक्ल अधिनिष्य के व्योग कर वाने के वस्त्रहरू के व्यक्तिक में कमी करने या उससे जनने में सुनिष्य के लिए; औड़/वा
- (ख) एती किसी बाय या किसी वन वा बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोधनार्थ अन्तरिती ह्याय प्रकट नहीं किया क्या वा या किया चाना चाहिए वा फिपाने में सविका से किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० बी० पाटील।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० पी० शहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस् स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की क्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकती।

स्थव्यक्तिकरणः — इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को स्वक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अधि होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० बी/7, जो, 3री मंजिल, श्री यशवड्डत को-श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, नाथ पै नगर, घाटकोपर (पू०), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-3/37-ईई/17503 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुङ्ग (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

मं≀हर्∶

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक क्षायकर बायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1985 निदेण मं० श्रई-3/37-ईई/17879/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 7, जो, 3री मंजिल, मंगित इमारत फ्लाट नं० 76, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया बिल्फल, विम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण विवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आप की बाबत, उसर विधि-नियम के अनीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए, और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा, कारण चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा १६०-ग के जनमरण मौ, मौ, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निकालिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीभती सरस्वती एन० किणी। (भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी जी० पालन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उकत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 खिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति खारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूचो

फ्लैंट नं० 8, जो, 3री मंजिल, संगीत द्यारत, प्लाट नं० 76, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि सं० श्रईत्3/37-ईई/17879/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी समायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बस्बई

दिनांक: 25-10-1985

प्रकृत बाह्र , ही. इन एस "

मान्तर हीर्पनिपय, 1961 (1961 की 43) की पाछ 269-म (1) के बनीम स्थान

THE TRUTT

कार्यापार महाराज अध्यक्त साम्भव (निर्माण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 25 श्रक्त्बर, 1985 है

निदेण मं० ग्रई-3/37-ईई/17940/84-85----ग्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

बानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिको इसमें इकके वक्तात् 'उक्त अधिनियम' यहा गढा हैं), की धारा 269-क के अधीन इताम प्रतिकारी की, वह विकास करने का अप्रण हैं कि नवास अधिक (अधिक (अधिक विकास करने का अप्रण हैं कि नवास अधिक (अधिक विकास करने का अधिक हैं)

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो 4थी मंजिल, राम मागर काजू पाडा जिज, शिवसेंगा आफिस के पास, श्राशा लेन, भटत्राडी, घाटकोपर, बस्बई-84 में स्थित है (श्रीर इसमें उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, अब के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है। तारीख 1-3-85

को प्रवेक्त बंस्पीतः के तीयत बाजार शृन्य स नाम क क्याना दिक्ताय के किए बस्टिरिश की वर्ष है बार वृक्षे यह विश्वाय करणे का कार्य है कि वधाप्योंका तत्र्यति का उपित बाबार स्थ्य, उद्धार्थ स्वयवान अतिकास को हो। के क्यानान अतिकास का पंजा प्रतिस्था से विभक्ष है और अतरक (बंधरकों) और बंदिती (बंदितियों) के बीच एसे बंदरण को सिए तम पाया गया अदिक्ता, निक्तितिस्त उद्देशक से अस्त कन्तरण विकित में वास्त्रीयक क्या में कथिय नहीं सिका नका हैं:---

- (क) अन्तरण मं शुद्ध फिसी बाय वर्ष वागल, प्रवक्त श्रीकियम की बंधीन कर कोने को अस्तरक को खडीवरण भं कारी करने या अधने वजने में सुविधा को चिन्ह; और/या
- (क) एकी कियी कार या कियी धन वा क्ष्य जासिसाँ कों, जिल्हों भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, भा कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अप्रांक्षतार्थ करूगीरती बुकारा प्रकट नहीं किया गया भा था जिल्हों काना काहिए था, स्थिपाने में सर्विभा के सिए;

जितः अब्, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के पनसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थन :-- (1) मैसर्स शम राज बिस्डर्से।

(प्रन्तरक)

(2) श्री हिम्मनलाल एन० कपासी और भ्रत्य। (भ्रन्तरिती)

को वह तुषना भाड़ी कर्ज़ पूर्वीचत संपरित के वर्षन के विषयु

क्रम रामाति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेय हरू

- (क) इस त्यान के रावपण में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन की नर्गांत या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृष्णना की तानीन से 30 दिन की नर्गांत को भी जन्म नाव में समाप्त होती हो, के मीतर प्रजीवत अविकास के यो किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकावन की दारीय से 45 विन के भीतर जनत स्वायर सम्मरित में दिसम्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाय मधोहस्तावारी के वास निवित में निता या सकींने।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो, अथी मंजिल, राम सागर, काजू पाडा क्रिज, शिवसेना श्राफिस के पास, श्रामा लेन, भटवाडी, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37 ईह/17940/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भागुवन (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 25-10-1985

मोहर:

50-386GI 185

प्रकृष लागे हैं सून तम् में में में

मायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा २६३-छ (1) के संबीद कुछ।

प्राप्ति सरकात

कार्याच्या व्यापक भावक र साथका (विर्वेशक)

श्चर्नत रंज-3, बम्बर्ट

बम्बई, कितंष 25 ग्रन्त्वर, 1985

निदेश मं० अई-3/37-ईई/17927/84-85---म्रतः मृझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 431 (जिसे इसमें इसमें इसके प्रकान 'उक्त क्रिधीनक्ष व्यक्त प्रमाह हैं). या व्यक्त 269-स के अधीन सक्षम प्राण्यार के यह प्रकास का का कारण है कि रणाप सक्यित, जिल्हा प्रकार वाजार सन्य 1,00,000/- कि. से अधिक हैं

और जिनकी सं० पूनिट नं० 38, जां, 1ली संजिल, गुणेल इंडस्ट्रियल इरटेन, एल० बी० एस० मार्ग, विकोनी (१), वस्बई-83 में स्थित हैं (और इससे उपायद धनुसूची में धीर पूर्ण इप से वणित है), और निसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्द्री है नारीख 1-3-85

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अरुपान प्रतिफल मं, एमें दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह अंदरत र पिक हो और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरिक्तिया। के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगित उक्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तर में वास्तिक रूप में करियत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक से दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धर एर अन्य प्रश्लियों की, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्यितिक जाना काहिए था, जिल्लाने में मिविया के किया

अतः अवः, उक्त आधिनियम की धारा 269-म के अनुनाण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, नर्धात क् (1) वैनमं स्योग इंटरप्राइलस।

(अन्तरक)

(३) मेलर्न पार्तन पैकाजिंग इडस्ट्रीज।

(अर्लारती)

को यह सूपता जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां राष्ट्र करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) रम स्पाना के राजपत्र में पकालन की तारील के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थिक ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस के किस का स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास

रथायी जरण:---इसभी प्रयुक्त कर्जी और पर्दों का, जो उक्त ११६५ त्राम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

यूनिट नं 38, जो 1नी मंजिन, मुयोग इंडस्ट्रियल म्हेंट, एन वी० एम० यार्ग, विकोली (प) बम्बई-83 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैमा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37-हेई/17927/ ९४-95 और जो ाक्षत्र परिकारी बराई द्वारा दितांक १-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायका (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बर्ड।

दिनाक: 25-10-1985 सोहर: in a legister or remaining the

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

MICE SCAL

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

म्रर्जन रेज-3, बम्ब

बम्बर, दिनाक 25 श्रक्तूबर, 1985

निदेश स० १ ई-3/37-⁵⁵/17679/84-85—-श्रत मुझे, ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परवात् 'उनल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी म० फ्लैंट न०, 2 जो, 4थी मिजल, ए-विग, श्रिभिजित श्रपार्टमेट्स, वाकोला श्रिज पोलिस स्टेशन के पास, साताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उणावद्ध श्रमुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्टी है। नारीख 1-3-85

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममाल प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल सं, एवं क्ष्ममान प्रधिफल का पन्तर प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्नितियाँ उद्यास से अवस अन्तरण निर्धास स आम्प्राध-क्ष निम्नितियाँ नहीं किया नमा है है—

- (क) पान्तरण में हुई। तिल्पी कारण करी बास्तरण ज अधिनक्ष के अधीय कर धीन के प्रमाणक अ बायित्व में कमी करने मा उनमें बच्चा मा सुरियण ने बिक्ट करिना
- (क) एसी जिसी नाम था किसी धम ११ जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निर्मानियम, 1925 (1922 का 11) गा सकत मधिनियम, १४ विज्ञा को भीनियम, १४ विज्ञा को भीनियम, 1957 (1957 ट्रा 2/) के प्रयोगनार्थ बन्दरिती बुनारा प्रकट नहीं जिल्ला था वा किया आना बाहिए था, खियान भी विज्ञा के जिल्ला के जिल्ला

मतः बन, जनत अधिनियम, की धारा 269-म के अन अपण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र

(1) मैनर्स खानानकर अण्ड देसाई बिल्डिंग डवलपमेटस (ग्रन्तरक)

(2) श्री नर्रामह त्राई० प्रमू।

(अलिरिती)

अभि सङ्ग सुणना सार्ग करके पूर्वों कर मध्यरिक हैं अर्थन की किए कार्यवाहिया करता हु।

स्थान सम्मा का में समेर भी नरकार में खोड़ों भी लाबीए - -

- (क) इस स्थाना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविभि वा तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सुचना ना तालान से दा। हिन नो संबंधि का भी व्यक्ति बाद के काला वा । , क्ष्मी श्रष्टा के नहीं, विभाग स्थानिक
- (स) इस सूचना के राजपाय में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थातर सफ न में हितबहुभ विभी कन्य त्यों न द्वार अस्सामा में गास जिल्ला में किए या सक्तमः

स्पञ्जीकरण — इसमे प्रगृत शब्दा और पदः का, जो उक्त अधिरिया ३ ग्राथ (०) - ४ परिभाषित वी, बहाँ अर्थ हराग जाएक अध्याय का दिया एए दी।

अनुभूषी

फ्लैंट न० 2, जो, 4थी मजिल, ए-विग, फ्रभिजित अनार्टमेटम वाकोला बिज पोलिस स्टेशन के पास, सांता-कृज (पूर्व) बम्बई-55 में गींति है।

श्रनुसूची जंगानि का० स० ग्रई० 3/37-ईई/17679/84-85 श्रीर जा गक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 1-3-85 को रिजिस्टर्ड किया गया।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाक 25-10-1985 **मोहर** प्रकम भाई. टी. एन. एस.-----

आवकर विधितिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न के अभीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 भक्तुबर, 1985

निदेश मं० म्रई-3/37-ईई/18000/84-85—मृतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11/11, जो, एम० श्रई० जी० कालोनी, पाईप रोइ, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को समिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या जिसी धन वा जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नालीकत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कोरोलल विमनदास

(न्प्रन्तरक)

(2) श्री भ्रजहरम्रली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणं: -- इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

फ्लैंट नं० 11/11, जो, एम० ग्राई० जी० कालोनी, पाईप रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

ूमोहर :

प्ररूप आहूर टी. एन. एस. -----

आयभार अभिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज.3, बम्बई बम्बई, दिनांद 25 अक्तुबर 1985

निदेश स० अई-3/37-ईइ/17588/84-85—-श्रन : मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी की बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ण्याट जिसात सी० टी० एस० तं० 24 श्रीर 25, विलीज नासपोली, जालूत कृती साकी विहार रोड, निती के तामने, पबई बस्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप है जिला है), श्रीर जिसात जरारनामा स्रायहर श्रीधानयल 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बस्बई स्थित मक्षम प्रायहारों के बायालिय में रजिस्ट्री है तारीख़ 1-3-985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के १६४ बात प्रतिक्रम के लिए मन्तिरत की गई है बार मुक्के यह विश्वास करन का कारण है कि सभा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपका बाजार मूक्य, उसके इस्लाम प्रतिक्रल सं, एसे इस्लाम प्रतिक्रल के पत्त्रह प्रतिकात से बांधक ही और अंतरिकी (अंतरिक्रियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिक्रल, निम्मीलीसत च्यूबेच्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबह, जनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करन या उसस बचने में भूषिका के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य नर्भासकों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, अप धनकर अधिनियम, अप धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, ज्यिपान में सुविधा के लिए;

बिक्क संबं, उक्त विधिनियम की भारा 269 व के बनुकरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिस्ति व्यक्तियों, अक्तेत्.~~ (1) श्री जे० ने० अग्रवाल ग्रौर प्रन्य।

(श्रन्तरक)

(2) श्री लाचित कुसारसी० गांधी ।

(म्रन्तिरतीः)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिने की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिराक्र्य किसी कन्य व्यक्तित व्वारा अथोहस्ताकारी के पास लिकित में किए जा सकी गे।

स्पश्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्स्ची

प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 24 थ्रौर 25 विलेज मानपोली, नाल् ा कुर्ला, साको विहार निती के ग्रामने पवई, बम्बई में स्थित है।

प्रतुमुची जैसा कि कि नं प्रई-37/38-ईई/17588/81-85 प्रौर जो पक्षम प्रश्विकारी बस्बई द्वारा दिनां: 1-3-85 हो रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राविकारी सहाया प्राविकर प्रापुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज~3, बस्ब**ई**

दिनां 🐪 25-10-1985 मोहर प्रस्प बार्ड.टी.एन.एस.-----

जाबकर व्यविधान , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्थान

भास्त तरकार

कार्याजन, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनान 25 इ.क्तूबर 1985

निदेश स० श्रई-*ऽ\37-देई\ 1719\81-85-* तन मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरंगस करने का कारक है कि स्थानर सम्पीत्त, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिसकी स० सर्वे (पाट) न० 336, एन० न० 3, सी० टी० ए १० त० 1880 कीले प्रत्याण असप्राधी बाकासा विले प्रोड गातिकु (प्रे) व्यवर्ध-55 से स्थित है (स्रीर इससे प्रावह अनुसूची में प्रीर पूर्ण तप अविषय है), स्रीर विकास प्रावह अनुसूची में प्रीर पूर्ण तप अविषय, 1961 की धारा 269, स्र के अधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधितारी के पर्यात्क में स्थितह है सारील 3-1-85

को पूर्वीवत सकारिय को उपिया परकार प्राप्त सं कम के क्ष्यमान प्रतिकास के कि. गाउरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारमें का कारण हैं '' 'अप्पूर्वाक्त सम्मतित का स्वित माजार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास के एसे सम्मतित का प्रतिकास के पत्त्वस्था, उसके स्थ्यमान प्रतिकास के एसे सम्मतित का प्रतिकास के पत्त्वस्था, उसके स्थ्यमान प्रतिकास के सिक्स के पत्त्वस्था में स्वत्वस्था के सिक्स स्था के स्थापन के सिक्स क्ष्य पाता नवा प्रतिकास, निम्नसिवित स्वयुक्तिय से जनवा अन्यस्था विश्वास में स्वत्वस्था क्ष्य से स्थापन मुक्ती किया नवा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आग की, वावत, उक्त जीवनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कती करने या उत्तर्त अवने में सुनिया के बिए; और/मा
- (क) होती किसी आय वा किसी भन या बन्च आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिष्ट;

अताः अवः, उनतः निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सी, उनस अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अधित् .--- (1) श्रीमती ए.० के० निब्नाला।

(भ्रन्तरा)

(2) मैगर्स याव एण्ड एमर्गानएटण।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मण्डि के वर्षन के किए कार्यवाहिन करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र मा प्रकाशत बरी तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितक्षध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास चिष्टित्त में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरण: — इसस प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत निश्चिम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गवा है में

प्रनुसूची

सर्वे (प्लाट) न० 336 एज० न० 3, सी० टी० मी० न० 1880, कोले उल्याण उदमबाडी, वाकीला विलेज, रोड, गानाक्षुज (पुर्व) बस्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसुची जैमा ि क० स० अई-3/37-ईई/17719/ 84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधि गरी बम्बई हारा दिना । 1-3-1985 को सीस्टई िया गा है।

> ए० प्रसाद चक्षसं प्राप्ति तारी सहायक आयक्षरं प्रापुक्त (त्तरीक्षण) स्रर्जन रेज-उ, बस्बई

दितान . 25-10-1985 मोहर

प्रस्था बाइ' 🕫 🧸 🗥

शायबर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प 🖙 के अभीन संभाग

नारत करकार

कार्यातम्, नवामकः ल वयर शामका (निमीकाम)

श्चर्तन रोत्त+3 तस्बई

वम्बई दिना 25 ग्रक्त्बर 1985

गासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), जो कि धक्य 269-चं को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीय िसकी सुरु फरौट तर 36, जो मितालोचगा कोश्रापर हाउनिय साशायटी लिल, स्रापर बीर मेहता रोड,
घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (स्रीय इसस उपाबद्ध
यनसूची में स्रीय पूर्ण रूप ने विभाग है) स्रीय विभाग त्यायन,म, स्राप्याय स्रीधानयम, 1961 की धारा 269 त, खंबे
स्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राप्वित्तरी के पर्यालय में
रिजस्ट्री है तरीख !-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाबार मूल्य में कम के सम्प्रमाम शिक्षफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उत्तते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह पतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नसिचित उद्देशिय में उक्त अंतरण लिकित में बास्त्र-श्रिक रूप सं कथित नहीं किया गया है .---

- (७) अन्तरण स श्रृह् किसी नाय की बाचव, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की यामित्व में कमी करने या उश्रमें बचने में सविधा के स्वयः जार/वर्ष
- कि। ऐसी फिली आय या फिसी भग या कथा निस्तानों को, जिल्हों भारतीय जान-कर अधिनियम, 1927 (1922 का ११९ ए तकत अधिनियम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नाभ अन्तिरियों द्याण प्रकट नहीं किया गया भा गा किया जाना जाहिए वा कियाने में मुक्तिन के लिए;

शतः अव, उक्त विधिनम की धारा 269-ग के बनुतरक में, में, उक्त लॉपिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षांत :— (१) भागती हेर हेंद्र दिख्यो।

(प्रस्तरह)

(2) थींपति एक एक (पर्वे।

(अन्मारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विवत सम्मत्ति के अपन के लि**ष्** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तस्पत्ति के वर्णन के सबभ में कार्ड भी भाश्येष 🚁

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की काशिश में ताराम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील में 30 दिन की नविभ, जो और नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेत्वा व्यक्तिया में से विभी व्यक्ति द्वारा,
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संश्रीत के हितबहभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंग '

स्वक्षिकरणः इसमें प्रयक्त गन्धों और पदों का, जो उक्त शीधीनयम के अध्यार 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में किया प्राप्त हैं।

श्रनु सूची

फ्लैंट न० 36, जा, मिनालोत्रनी को-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, श्रार० वी० मेहना रोड, घाटकोपार (पूर्व) बम्बई-77 में स्थिन है।

श्रमुम्बी जैमा ि १० ग० गई-3/37-ईई/17809/ 84-85 श्रीर जो सभम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 का रिकस्टई िंग सम है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी १९५२ पाग ज पर्धका (निरीक्षण) धर्जन रोज-3 बम्बई

दिना ३ - 25-10-1985 मोहर

त्रक बार्ड . सी. एक. पूर्व -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीर सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रक्तूबर 1985 निदेश स० ग्रई-१/37-ईई/17339/84-85--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर विधिनियम, 136: (1961 का 43) (लिसे इसमें इसके पत्थात् 'उक्त भीभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विख्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उवित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो, नल यमाला, ए-ब्लाक, मागर श्रमार्टमेंटस, मोनापुर लेन, प्राग्रा रोष्ठ, कुर्ला (म), बम्बई-70 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित हैं) श्रीर जिसता न रारपामा श्रायार ग्रीधिनयम 1961 की वा 1 269 है, खा के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के प्रधीन में राजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जांचन वाजा मृत्य ये कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए बन्दारित की गई हैं। लॉर मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जांचत याजार बूक्य, जनके रश्यमान प्रतिकल ते एसे अयमान प्रतिकल का बुक्य गतियत से स्थित है और संबरक (संघरका) और संवरित (संतरितिया) के सीच एसे अस्तरक के सिए तम पासा नया प्रतिक कर निश्मीक्षित स्मूचित से उपल संबरण निश्चित में अस्तरिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है उ—

- (क) अन्तरभ में हुन किसी अाथ की बायक क्या मिंदून नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य में कभी करने थे। उसने रचने में मृतिधा की निए केर्या
- (क) चुंबी निश्वी अप वा विश्वी वन या सम्य वारिस्की की, विन्तुं नारसीय वायकर वीचित्रका, 1922 (1922 को 11) या उत्तरा क्षितिस्का, का सर- कार विचित्रका, 1957 (1957 को 27) की अवोक्तार्थ करल रिली व्याग अवट नहीं जिल्ला कर वायक वाया का कियान के सुधिक्ष के लिए;

अतः अब, उक्त ऑीधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (१) गैसर्व ११ सर स्टब्सं।

(पन्तरः)

(2) श्री स्मीर माहम्बद हुमी जेख और प्रत्या (अन्तरिती)

को यह स्थान कारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के किस् कार्यनाहिए अरू करता हुं।

उक्त संबद्धि के वर्णन के संबध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 बिन की अविभ या तत्संबंधी अयिक्तमों पर सुभना की सामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किमी अन्य व्यक्ति वृद्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिलिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त धट्दों और पदों का, जो उक्त धरिपियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, बहु किये होना के उस अध्याय में दिया पर्याहरी?

असस्ची

फ्लैट नं० 1, जो तत माला, ए-ब्ला ३, लागर श्रापटं-मेंटन, संतापुर लेन कागरा रोड, कुर्ला (ए), बम्बई-70 में स्थित है।

प्रमुची जैसा कि कर सर अई-3/37-ईई/17339/84-85 क्रींग जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोड़ 1-3-1985 को जीस्टई किया गया है।

ए० प्रजाद सक्षम प्राविकारी सह्यक आवक्ष अनुकत (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, **बम्बर्ड**

दिताः . 25-10 85 मोहरः प्रस्त्य टार्ड ,टी रैएन ,एस . -----

व्यक्तित्र विधानका 1951 (1061 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर अध्यक्त (निरोक्सन) अर्जन रोज-3, वस्त्रद्वी

बम्बई, दिनांगः 25 अक्तूबर 1985 निदेश एं० अई-अ/37-ईई/17798/84-85——अत. मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्स अधिनियम काष्ट्रा गया है), की आरः 260-ए के सापित सक्ष्य ज्ञारिकारी को यह निक्कास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार क्ष्य 1,00,000/- रहं से जिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 02, जो तल तल माला, चैनन्य अफार्टमेंट, प्लाटनं० 15 श्रौर 16, गांधी नगर,

विलेज जिरंडाज, आई० आई० टी० के सामने, पवई, यम्बई 76 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायस अन्यूची मे ग्रौर पूर्ण रूप के विणित है), याँक जिनका कररकामा आयक अधिनयम, 1961 की धारा 269क ख के अधीव वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं। ता खि 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित साकार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यात कार्न का कार्य है कि यथाग गीवना संपत्ति का सार्व में सम्प्री पृत्ति का सार्व में सम्प्री प्रतिक का प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय मुझा गया प्रतिफल, निम्निसिस उज्वेश्य से सन्तरक अन्तरक सित्र अन्तरक सित्र अन्तरक स्थानिक कुप से किया गया है किया गया गया है किया गया है कि

- १९ अपने गुण्या किसी काय की शक्त, अवस्थ अभिन्त्रया के श्रीत अर या के भारत्य के शाक्तिया की शर्म का समय सभा में अधिकार के लिए; और गा/
- क) सभी किया अस या किसी भन वा अन्य वाकित्यों को, जिन्हों भारतीय असकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ना का या किया जाना की सिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के न्यी: जिल्लोकिक्स व्यक्तिक्यों, अर्थात् :---- (1) मैंगर्ग विट्ठल एसोसिएटस।

(अन्तरक)

(2) शीमती गोनिंदी देवी नयाल।

(अन्तरिती)

को यह स्चना आड़ी कार्ले पृत्रोंक्त संगीत के सर्वन के जिय ार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्यन के मनंभ में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस गृक्षना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविक, जो भी जनकि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति स्वारा;
- (स) इस स्थाना के राज्यक मी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मी हितबस्थ किसी अन्य क्यक्ति स्वाप्त अभोहस्ताक्षरी के शहर निकास के जिल्हा का सकता।

त्यक्ष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, को उक्त विभिन्यम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस वश्याय में दिया वया है।

समस्यी

प्लैट न० 02, जो, तल माला, चैतन्य अमार्टमेंट, प्लाट न० 15, श्रीर श्रीर 16 गाधी मगर, विलेज तिरदास, आई० आई० टी० के सामने, पवई, वम्बई 76 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० म० अई-3/37-ईई/17798 84-85 श्रीर जो सक्षम प्रोधिकारी बम्बई द्वारा दिशा 1-3-1985 को रजिस्टई फिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिना: 25-10-1985

मांहर ः

सम्बद्ध कार्याः स्ट्री, १५० वृत्तः

नावकर नौधतियम., 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनां 5 28 जनत्वर 1985 निदेश सं० अई-3/3/-ईई/17947/84-85-- जाः मुले, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्स भिवित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को स्मृ विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिन्नका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रहा बे अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 121, जो, 1ली मंजिल, विभय हेवी इंडिस्ट्रियल इस्टे,ट सर्वे नं० 428/1, देवकल कर बाडी, चिचोली कदर रोड, मालाड़ (ए), यमबई-११ में स्थिए हैं (श्रीर इसक उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप अ पॉणिय है), श्रीर जितक कराएगामा आयार अविधिएम 1961 की धाण 269क, खाके अधीय, यमबई स्थित सक्षम श्रीविकारी के अर्थान लय, में रजिस्टी है तारीच 1-3-1985

को पूर्वोक्त संस्पित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफाल के लिए बंतरित की गई है बार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्छ प्रतिकात से प्राक्षिक है बीर सम्बद्ध (कर्तरकों) सोर कर्ला कि (सन्तरिक्षों) के बीच ऐसे सम्बद्ध के लिए तय पावा गया प्रक्षित खा किवाबित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वाक्तकिय रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) नंतरण से हुक किसी नाय की बाबतः, उचक अभिनियम के बधीन कर दने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/बा
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या क्रम्य आस्तियों की, जिन्हें मारहीय शायकर श्रीवित्रवास, 1922 (1922 का 11) या उन्हा श्रीवित्रवास, या धन कर जिल्लामा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों ध्वारा श्रकट नहीं किया स्था हा हो जिला स्था हा हो किया स्था हो किया है किया ह

बतर गर्ध, जनत विभिन्न की भारा 269-म के भन्नक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की स्थानत (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्ग भैनव सिभैमिक्स।

· (제략하기 리)

(2) मैत्री शियाल इतिशिवारिंग वृक्षी।

(अन्तरंशनी)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त मुख्यित के अर्जन के लिए कार्यवर्षीहवां करता हुं।

चलत सम्भीति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से क्रिक्ट का व्यक्ति के प्रकाशन की तारीस से क्रिक्ट कि कि क्रिक्ट की क्रिक्ट की क्रिक्ट की में की क्रिक्ट की बाद की समाध्य होती हो, के भीतर प्रवेकिंग न्यों क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट में में क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीस सं 4.5 जिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हित-बन्ध किसी अन्य कारिस द्वारा, अधोहस्ताक्षणी को पास निर्माणत मों किए जा सकोंगे।

स्याध्यक्तिरण:—इसमी प्रयानत शब्दों और पदी का, जो जनत अधिक्रियम की अध्यक्ष गरी का में मधा वारमा वर १००१ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष

अत्र अपी

गाला नं० 121, जो, 1ली मंजिल, विनय हैवी इंजी-इंडिस्ट्रियल हस्टेट, सर्वे नं० 1/28/1, देवक्वकर, वाडी, चिचोजी बन्दर रोड, मलाड (प०), बम्बई-८४ में व्यित्र है।

अनुसूची जैसा ि कर मंठ अई-3/37-ईई/17947/84-85 श्रीर जो राजम पाधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई जिया गरा है।

> ्ष्य अस्व जन्म गायिकारी जन्नामक अस्यज्य आसुन्य (सिरीधण) अर्तेष रेज-३, जस्त्रई

दिनां ह: 28-10-1985

मोहर 🕛

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस. -----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-घ (1) के बचीन सूचवा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांच 28 अन्तूबर, 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/17560/84-85—अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर जांचनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसक पश्चात् 'उक्त बाँचनिवस' कहा चया है), को धारा 269-ख के बधान सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार स्क्य 1 00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलेट नं० ए-31, जो, 3री मंजिल, "मनाली" इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 श्रीर 50, वालनाय विलेज, मार्ने रोड, मालाड (प), वस्वई-64 में स्थित है (श्रोर इसत उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रार जिसका करारतामा आयवद अनियम, 1961 की धारा 269 , जब के प्रवीन वस्वई स्थित सक्षम प्रावनारी के लालिन में रिस्ट्री है जिरेश 1-2-1985, के बूबोक्त रम्पास के उचित वाकार मृत्य र किंग के दिसमाण अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास अर्थ का कारण हो कि यथान्वींकत सम्पत्ति का उचित वाकार भृत्य, उसके क्यमाण प्रतिफल से, एंसे द्रम्भान प्रतिफल के कारण हो कि यथान्वींकत सम्पत्ति का उचित वाकार भृत्य, उसके क्यमाण प्रतिफल से, एंसे द्रम्भान प्रतिफल का कारण हो कि यथान्वींकत सम्पत्ति का उचित वाकार भृत्य, उसके क्यमाण प्रतिफल से, एंसे द्रम्भान प्रतिफल का कारण का कारण का तिए तथा नया भ्रतिकत, निम्नोविकत क्यान्य के तिए तथा पाना नया प्रतिकत, निम्नोविकत क्यान्य से से से से कारण सही किंगा क्या है के—

- (क) कमाल्य स हुई जिली बाय की वाबत उकत की क विषय की अभीन कर दोन के अस्तरक की वासिट्य में कमा करते या उत्तर्भ कवत में सूबि त है जिल्हा कार/दा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयाजनार्थ अन्तरितो च्वारा प्रकट नहीं फिन्ना स्था या या किया जाना चाहिए था, फिन्ना में श्रीवधा के लिए;

कतः इस, उस्त सिर्मियम की बाहा 269-म के बज़म्बर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) मैदर्भ मनाली हापीरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री ईवन ग्राडफो अमन्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अवसाहियां कन्ता हो।

क्या सम्मीस के अजंग के सम्बन्ध म ब्लॉर्ड भी नाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की जनिय सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्स क्यां किसों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मति में द्वित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सर्काने।

श्यक्षीकरणः—इसमें प्रमृत्त शब्दों और पदों का, जो स्वत्त गोधानम्य, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ हाता, जा उस अध्याय म दिवा गवा है।

अनुसूची

पलैष्ट नं० ए-31, जो, 3री मंजिल, मनाली इमारत नं० 3, प्लाट नं० 48, 49 श्रौर 50, वालमाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17560/ 84-85 श्रौर जो जञ्जम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिलांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए॰ प्रसाद सज्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 28-10-1985

प्रकथ नाहरी, क्षी एस. एस. १०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत ब्रकाइ

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विजास 28 अन्तृबर, 1985 निवेश अई-3/37-ईई/17562/84-85----भाः मुझे

. ए० प्रसाद

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० ए-23, जी, 2री मंतिल, "मताली" इमारत नं० 3, फ्लाट नं० 48, 49, श्रीर 50 वालताय विलेज, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा आयक्य अधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पुर्वाकत सम्परित के अभित बाजार नृष्य स कम के ध्रयमान श्रीहकत के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संयोदत का उचित बाजार मूख उसके द्यमान प्रतिकल से एसे द्यमान प्रतिकल का समूह प्रतिकत से अधिक हैं और मंतरिक (अहरका) और सर्वारती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, 'नम्मिकिंकत उत्वर्धिय में उक्त अन्तरण लिकित में बास्विक रूप से की स्थ नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उनत बॉभनियम, या धन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगना किसी वनियम का वा किया वन किया वा किया

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्म मनाली कार्पोरेकन ।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रो० ए० रॉड्रिग्ज श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए शर्वशिश्चर्य करता हो।

उयत सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चन क राज्यम में प्रकाशन की तारीख र्थ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चन की तामील से 30 दिन की सर्विध, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास लिकित में किए आ सकर्ग।

स्पच्छीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उत्तर अध्याम में दिया गरा हो।

अनुसूची

फ्लैट नं ० ए-23, ओ, 2री माजक, "मानली" इमारत नं ० 3, फ्लाट नं ० 48, 49 और 50, बालपाय जिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-3/37-ईई/17562/84-85-आँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिलांक 1-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, बम्बई

निभांक: 28-10-1985

गोहर :

प्रकार नाहरे . हो . एन्. एक् अन्यान

व्यायकार व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वधीन सुचना

भारत सहस्रह

कार्मांसय, सहायक आयकर आयक्त (विरक्षिण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई दिताः 28 अक्तूबर, 1985

भिर्देश स० अई-3/37-ईई/18050/84-85——अन मुझे, ए०प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इक्कें इक्कें परवात 'उक्त अविनियम' कहा जवा हैं), की पारा 269-ड के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य ,00,000/- रह सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी मिंव हु धन नंव 7, जो, जनभा इमास्त, स्मिनिश्योन इमास्त पुन्दर नगर के सामन एमव बीव रोड मानाड (प), बम्बई-एस मिल्यत है (श्रीर इसमें उपाबद अनूसूची में श्रीर पुर्ण रूप न विणित है) प्राण जिस मारास्तामा आयकर अधिनियम, 1961 की गारा 269, न, ब हे अधीप प्रमाई स्थित पक्षम प्राधिकारी ने सार्थालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से जाम के द्वस्थात प्रतिपत्त को गई है और मुक्ते यह विश्वस्त करन को कारण है कि यथाप्यान्त सम्मत्ति का उचित्र क्लार मूस्य उचके द्वस्थान प्रतिपत्त को, पूर्व ह्वस्थान प्रतिपत्त का पत्तह प्रतिवृत अधिक है और बंतरक (अंतरका) और बवारती (अत्तरितियाँ) के बीच एसे बंतरक के लिए इस पता नवा प्रतिपत्तन, विश्वनिद्धित ज्वस्य के लिए इस पता नवा प्रतिपत्तन, विश्वनिद्धित ज्वस्य वहाँ किया पदा है है—

- (क) मन्तरण तं हुइ' विकास आप की बावत, उक्त भाषिभिक्षण के कथान कार बेने के बन्तरक के समैनर्थ में कभी करने या उत्तत बचने में सुविधा हो सिगा; करि/या

अक्ष: अस्त, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अभूतरण हो, ही, उक्त किपिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निस्तियिक्त व्यक्तियों, अर्थात् १/—

- (1) श्रीमती मुक्ताबेन डी० शास्त्री। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहतसाई पी० मिस्त्री और अन्य। (अन्तरिती)

को बह क्षाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धेश के अर्थन के खिलू कार्यनाहिया करता हु।

रफ्द सम्बक्ति के क्वॉन के संबंध में कोई भी आधीय :---

- (क) इस सूचना के रावषण में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की अवधि था सत्सम्बन्धी त्यां क्त्या पर सूचना की तामील से 30 दिम की अवधि, जो औं वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सुवारा,
- (क) इस तुकना के राजवन को अन्तापक की तारीस के 45 दिन के भीरार उत्तर स्थायर सपित्त में दितवक्ष किसी बस्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकति।

ल्वच्यक्रिरण'---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, भी उद्यक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय कें दिया। गया है।

श्रनुसूची

दुकाप न० 7, जा अर्चपा इमारत भिर्माताधीप इमाप्त, ुन्दर नगर के सामने एप० बी० रोड, मानाड (प), बम्बई-64 मे स्थित है

अनसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37-ईई/18050/84~ 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिभार 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सत्तम प्राधिकारी सहायक आयवर नायुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई।

दनाय 28-10-1985

माहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. ----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जगरें न-3, बम्बई

बम्बई, दिनां : 28 अक्तूबर, 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईई/17134/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

अयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित आधार मृल्य 1,00,000/- का से उन्हें हैं

बौर जिनकी सं० पलैए नं० 405, जो, 4थी मंजिल, बचानी नगर छ नामने, लाफ दफतरी रोड, माताड (पुर्व), बम्बई-67 जबय जगर्ट मेन्ट, में स्थित है (ब्रौर इजमें उपायद्ध अनुसूची में अहर पुण च्या विश्वोत हो। ब्रौर जिंद के हरा भामा लाग हर अधिनंत्रम 1901 को बारा 209 के अप बचीत, बम्बई न्यित जमा प्राचित्रकी के अधिनंत्रम में रिज्यून है, हाराद्ध 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचा बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंदत वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्टल से,

एसं दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-ंक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-गण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आधित्व म कमी करने या उसस बचन में स्वावधा के लिए; बार/या
- ्षं। एसा किसी जान या किसी घर या बन्य जास्तियां का, जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकार या धनकर अधिकियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गना से या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः कत् उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मैनर्स अमरवाल इन्स्ट्रवशन कम्पनी

(अन्परक)

(2) श्रीमती शहुंतला विश्वाना वाधाधरा ग्रौर अन्य (अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, बवानी नगर के सामने, अजय अपार्टमेन्ट, आफ दफतरी रोड, मालाड (पुर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई 3/37 - ईई/17436/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

বিলাক: 28-10-1985

प्राह्म बाह्र टो.एन एक .

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 को धारा 269 ध (1) के अधीर स्थाप

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

जन्मरेज-३ न∓लई

बम्बई दिभाग १९ अनत् ४२, 1985

निर्वेण स० अई-3/37-ईई/17406/84-85—अतः सस् ए० प्रसाद

आवकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें कहा प्रमात 'उन्त जिसे हसमें कहा प्रमा है), को भारा 269-ख की अभीन सभार प्राधिकारी को यह दिस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मण्य 1,00,000/- उन्हें किस्ट है

श्रींप जिप्तकी सं० पलौर तं० ए-54, चो, 5वी मिजिल, "मताली इमारक तं० १, पर्यट तं० १९ ४९ श्रींप ५०, व्यवसार तिकार मताब (५), बम्बई-५१ तें मेगर है (पीर उपने १ ११६ तन-सूची मे श्रींप पूर्ण कथा। श्रींणत है) श्रींग जिल्ला करा भाषा आय पर अधिकिएम 1961 की प्रारा २०९, ए, ख अधीत, बम्बई स्थित १९४म प्राप्ति गरी के सायलिय मे रिचस्ट्री है तारीख

को प्लेंगि श्राप्ति ने प्रीवित नाम गाम मा क्या है इत्यक्षात्र प्रीतिफल के लिए अलारिन की गर्द औं मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्लेंनिस संस्पत्ति का उचित वाजार म्लग, उसके इश्यमान प्रतिफल हो एसे इश्यमान प्रतिफल का पत्झ्य परिवाद ने व्यथमान प्रतिफल को पत्झ्य परिवाद ने व्यथमान प्रतिफल हो एसे उत्थमान प्रतिफल का पत्झ्य परिवाद ने व्यथमान प्रतिफल को निष् त्य कि सिंग कि स्वाद प्रीतिक्षण के निष् त्य का गाम प्रतिफल कि स्वाद प्रीतिक्षण के निष् त्य का साम प्रतिफल के निष् त्य का साम का प्रतिफल में वास्तिक्षण स्वाद के स्वाद स्वाद स्वाद के सिंग का साम हो निष्य से वास्तिक्षण स्वाद के सिंग स्वाद के सिंग स्वाद के सिंग स्वाद स्व

- (क) बन्दारण से हुई सिस्पी आय की वासन, तक्त भिन्ता रेप के एक भिन्न क्षित्र से अभी के समार्थ भिन्न स्माने में स्वीक्शा
- (स) एंमी किसी जाब या किसी भन गए अन्य जास्तियों को जिल्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन इिस्तियम कर धन-कर अधिनियम, कर धन-कर अधिनियम, 1977 (1957 वर्ग वर्ग रेप्सियम अस्थितिकार, 1977 (1957 वर्ग वर्ग रेप्सियम प्रमाणकार्य अन्विरिती द्यार एकर नहीं किया प्रमाणकार के किया नारा व्यक्ति था, कियानं भे भिवधा के सिए:

जत गर, उच्य अधिनियम की धारा २६९-ग के अनस्रण मों, जीं उच्च अधिभियम की धारा २६९-य की भागार कि को आपित, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ()) वर्मस्ता राषास्याः

्रिक्षा , निस्ता , स्य

(अन्तिनो)

की यह सूचना आ**री करके प्वींक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए** कार्योक स्वीर्णाहरूमा

जबत सम्पत्ति क सर्पन के संशंध में कोड़े भी आक्षेप :---

- (क) एम न्यान के राजगत सी किल्ल है। तारीख में 45 रि. को गविंद सा तत्सम्बद्धी व्यक्तिस्वी पर सकाम की तासील से 30 दिन की अमिन, को भी पर्योध वाद में समाध्य होती हो, के धीरार पर्योवत किसी व्यक्तिम द्वारा;
- (स) एम भारता अ राजपन में प्रकाशन की तारीस में 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सरपीर पा हित-वर्ष फिनी अन्य अपिन द्यारा, अरहिताना के याचा कि जिल में निकार का कार्रित ।

स्पालीकरण:---इसमें शक्कत शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में धरिभाषिस है, बलों अर्थ गोगा, जो एस अध्याय में दिया गण प्र

अस्त्रची

फ्लैंट नं > ए-54, जो, 5री मि!चन, "स्पाली" इसारन न० 4 फ्लाटनं० 49, 49, रॉगड० वार्णिप ब्लिनेच मालाड (प) क्राफी-64 में स्थित्है।

जन्मको है। जिल्लाक जई-5/37-ईई/17408/84--85 फ्रींट जिल्लाका प्राधि पर्यो जनाई होटा द्वारा 1-3-1985 को एजिस्टर जिल्लामा हो।

> ए० प्रसद शमा ता^{ता} कारी एपट प्रसर एजं. हुन (विशेष्ण) एउंप रेज-३ वस्बर्ट

विभाग । <u>१८२५</u>)- १९९५

刑方

परूप बार्च . सी . एवं . एक , जनावनका नवावका

कार्यास्य, त्रष्टायक आयकर आगक्त (निरीक्षण)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

नारत सरकार

श्रामीसमः, सन्नामः श्रायकर धानुनतः (विरोक्षण)

अर्जभरेग-३, बस्बई

बम्बई, दिमाक 28 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/17277/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर किथीनयम. 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रथान 'उकत अधिभियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के त्रधीन सक्षम शाधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उपित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिज्ञिनी सं० फ्लैंट न० ए-201 जो रुकैया प्लेस एन० एल० रोड सोमवार बजार बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड मालाड (प) वम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), प्रौर जिप हा करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 209 ए, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985,

को पूर्वोक्द सम्बंधित के जिया नामार मुक्य से क्या की कारणाम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे कह विकास करने का कारण है कि यथायूनोंक्ड संपरित का करिक्द सामार भूत्य, जसके कायमान प्रतिक्ष्य से, एवं क्ष्म्यमान प्रक्रिक्त का पंच्र प्रतिकात से अधिक है और विवास (वंदानका) की से बंदियों (कन्द्रितियों) से नीच एवं मन्तरण से दिस्स तय सम्बंध पदा प्रदेश क्ष्म विकासिता उप्योग नहीं कामा क्या है हम्म

- (स्छ) सन्तर्भ म हुर्र किसी नाय की वाबच उत्तर समि-निकल से सर्वोष्ट्र कर बोर्ड से सम्बद्ध के साधिका में न्जी करने ता सत्त्व याच्ये में सुन्तिक के फिल्ह; सीन/मा
- (क) एक किसी बाय वा किसी धन या जन्य बारिस्सरों की, जिन्हों भाषतीय बाय-कर विकित्यम, 1922 (1922 का 11) का उनत विकित्यम, 1922 कर किसीन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सितिधा के बिए;

कतः कम नकत अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मो, भो, उक्त भोगानियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिशित व्यक्तियों, जर्भात् :--- (1) कर्मअली इंटरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) साराबिकी गन्नामअली अच्छा।

(अन्गरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कार्द भी बाख्नेद :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीचा है 45 दिन की बनीध मा तस्संबंधी व्यक्तियाँ वह सूचना की तामील से 30 दिन की सनीध, को और मनीध नाह में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्तियाँ में से कि सी व्यक्तियाँ में से कि सी व्यक्तियाँ विकास
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पाव ' निर्मानत में किए दा सकति।

स्थव्यकिरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और क्यों का, खीं उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं., वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं ए-201, जो रुकैया पैलेस एन एल रोइ सोमवार बजार बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/17277/84--85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद लयम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्ब**र्ध**।

दिमाक: 28-10-1985

प्रका बाह्", डी. एन. एक. ------

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सूचक

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर् वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्थई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/17561/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया, हैं), की धार 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विज्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० बी-14, जो, 1ली मंजिल, "मनाली" इमारत नं० 4, प्लाट नं० 48, 49 ग्रीर 50, वालनाय व्हिलेज मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को प्रशेवत सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के क्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विषयास क को क्स कारण है कि यथाप्र्योंकत सम्मत्ति का उभित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्ति का का वन्ति का का वन्ति के विषय है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए एस याया गणा प्रतिक्ष, दिस्निविद्य उप्योच से सकत मन्तरण दिस्तियों के बीच एसे अन्तरण के निए एस याया गणा प्रतिक्ष, दिस्निविद्य उप्योच से सकत मन्तरण दिस्तियों के बीचत नहीं किया नवा है दिस्तियों

- (कर्ण अप्राप्ता म पूजा किली कार क्षा बाजक क्ष्यक क्षाणिय रिन्द्र में क्योज कर दार्थ में क्ष्यद्व के दावित्व वी कर्जा करण या करके स्थान में बृत्तिका के सिक्षे; वरि वा/
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बच्च बास्सियों की जिन्हों भारतीय जायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयन, या धन-अल्ड अर्थ-जीवाम, 1957 (1957 का 27) के जिल्हों स्वारित्यों स्वारित्यों कार्य प्रकट नहीं किया बचा भा दा किया वाना साहिए था, कियाने वे सुविधा है सिए;

लत. सब, जबत विश्वितिषय की धारा 269-ण की, बन्तरण में में, जबत अभिनियंत्र की धारा 264-ण की उपधारा (1) भे तारीप जिम्लिकित व्यक्तिकों, वर्षात ज्ञान 52—386 GI/85 (1) मैसर्स मनाली कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल वी० गणात्रा श्रीर प्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्तिः के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वानः को अध्यपन में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन अप बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबधि, को औ अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त अधिकायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस क्यूण किसी कन्य स्थावस व्यास, क्योहस्ताक्षरी में वास सिविवत में किए का सकोंगे।

स्थाककरणः — इसमें प्रयुक्त कर्को और पदौँ का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिशायित हैं, वहीं कर्ष होगा को जन अध्याय में जिला गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं बी-14, जो, 1ली मंक्तिल, "मनालीं इमारत नं 4, प्लाट नं 48, 49 थ्रौर 50, वालनाय व्हिलेज, मालाष्ट (प) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० (ग्रई० 3/37-ईई/17561/-84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड

विनोक: 28-10-1985

प्रकार कार्त्र . की . एन् . एन् , -----

कामकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के समीन सूच्या

BIEG BEWY

धार्यम् , बङ्गायक भायकार मान्यद (विरोक्का)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर, 1985

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इताने इताने परकात् 'उनत लिभिनियम' कहा नका हैं), की भाग 269-च के लभीन सकान प्राधिकारी की नह निकास करने का कारण है कि स्भावर सम्मत्ति, जिल्ला क्रिका बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से लिभिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० पलैंट नं० 204, जो, 2री मंजिल, श्रजय ष्रपार्टमेन्ट, बचानी न्यार के सामने, मालाड (पूर्व) बरवर्द-(७ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाश्वद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 त, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

की प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के क्यमान रितफल के सिएं जन्तिरत्त की गई है और मुक्ते यह विश्वाब करने का कारण है कि यथा प्रॉक्त सम्पत्ति का अधित बाबार कृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिक्षत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंवरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाचा गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योख से उक्त बम्तरण विविद्य में बादकियक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (व्या) अन्तरण से हुव्ये किसी बाब की बल्ला नुक्रम सीधीसयम का अधीन कर दोने के अस्तरका के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एंनी किसी बाय या किसी बंक या बंक्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1927 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, मा बन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बम्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए वा, क्रियाने में मृक्यि, के सिक्द;

सतः अस, उत्तत विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक हों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीका, निस्त्रक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्स अगरवाल कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्द जी० बेंके

(म्रन्तरिती)

की शृह सुक्ता आही करके पृथींका सम्मृतित के वर्षन की निए सर्वकारिकां करता हूं।

बाबत बंपरित के बर्जन के बंबंध में करेंद्रों भी मार्केष १-

- (क) इस क्षता के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिव की सर्वीय ना तत्संत्रीय व्यक्तियों पर क्षया की शामील से 30 दिन की अनिय, को नी अनीय नाम में समान्य होती हो, के मीतर प्रविच्छ स्वित्याओं में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए या सकेंगे।

स्वाद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, को उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस क्या है।

वनुसूचीं

पर्लंड नं० 204, जो, 2री मंजिल, बचानी नगर के सामने, ग्रजय प्रपार्टमेंट, मालाड (पुर्व), बम्बई-67 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/1725/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. बस्बई

विनांक: 28-10-1985

रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहरः

शस्य बाइ'् टी ु एवं ु एक् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत् संरकार

कार्यानय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 28 ग्रक्तूदर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/17584/84-85—~श्रतःमु से ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वाद करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बत्वार मृस्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 505, जो 5वी मंकिल, श्रजय, श्रपार्टमेंट, बचानी नगर के सामने, मालाड (पुर्व), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में वर्णित है),/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई म्थित सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के मैच एसे अन्तरण के लिए तम नाया गया प्रतिफल, निम्नियिंचित उन्वर्षय से उकत संसर्व निम्नियों के निम्नियां से अन्तर्य में अन्तर्य में स्वर्ण के किए तम

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च अधिनित्रम के अधीप कर दोने के बन्तरक की वाबित्य में कभी करणे वा उत्तरी बच्चमें में सुविधा के सिए? बाँड/वा
- (क) एभी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारताय आय-कर जीधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स अगरवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती डा० हेमा पी० कोठारी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के नर्जन के सिय् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के क्वांन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राष्प्रम में अकाशन की तारीख से 45 दिव को अकित उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-वृष्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किए जा सकेंचे।

स्पब्दिकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुम्बा

पलैट नं ० 505, जो, 4वीं मिकिन, बचानी नगर के सामने, अजय अपार्टमेंट, मालाड (पुत्र), बम्बर-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रर्ट-3/37ईई/17581/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-3, अम्बई

दिनाकः: 28-10-1985

प्ररूप नाही. टी., एम., एस., अन्यक

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कायशिक, सञ्चावक वायकार वाक्यत (निर्धावर्ष) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, विनाक 28 प्रक्तूबर 1985

निर्देण स० अर्ध-3/37-ईई/17586/84-85→**-प्र**त. मुझे, ए० प्रसाद

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की चारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी स० फ्लैंट न० 203 जो, 2री मजिल, भ्रजय भ्रपार्ट मेट, बचानी नगर के सामने, श्राफ दफ्तरी राड, मालाड (पूर्व), बम्बई-57 मे स्थित है (श्रोर इससे उपाबक्क अनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का जारण है कि यथाप्ता उन मणिल सा उजित बाजार मृल्य, एक रहानान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तब मणा गा। प्रतिफल, निम्नोलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिंभिय म साल्यां का कथा में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंश्वरण से हुई किसी आग की बाबत, उसल अधिनियम के अधीर कर दोने के बन्तरक से बायित्व में कसी करने वा उससे अवने में सुविधा है लिए करि/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय गयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनहर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना साहिए था, छिपान में सुनिधा के जिए;

कतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अंधित, 'नम्बिसिस स्पन्तियों', वज्ति हि—

- (1) मैसर्स ग्रगरवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विरजीभाई डोबारीया। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना पारी करके पूर्वोक्श सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त श्रंपति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुया।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेरू हिनबय्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकी।

स्यक्कीकरण:--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

पर्लैट न० 203, जो, 2री मजिल, बचानी नगर के सामने, फ्रजय फ्रपार्टमेट, फ्राफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० स० ग्राई-3/37-ईई/17586/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-३, बम्बई

दिनाक . 28-10-1985 मोहर .

इक्ट बाई ् टी , एन , एक , न ल न ल ल

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण**) ग्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 28 अतुदर 1985

निर्देश स० ग्रई-3/37~हेई/17464/84~85—•ग्रन: मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 8, जो, 1ली मजिल, "ग्राशीविद इमारन" साइदादा, पार्क, मिन चौकी, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य ने वर्णित है), श्रीर जिस । एरारनामा ग्रायक्षर श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में र्राजस्दी है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफत के निए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार गून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से वृधिक है और अंतरक (बंतरोकों) और अंतरिती (मन्द्रितियों) के बीज एसे अन्तरण के निए स्व पावा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई सिन्सी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिक्यू; और/या
- (क) एंसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की, किसी आप या जिसी धन या अन्य आस्तियों की, किस मानियम, वा धन-फर विधिनयम, वा धन-फर विधिनयम, 1957 1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के पधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात ध---

- (1) मैसर्म कान्टीनेन्टल लारपोरेशन।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रप्पासुभानामगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के प्रस्वत्थ में कोई भी वाक्षेप हुन्स

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी क्यन्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी क्यन्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकती।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो . उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो. ाली मजिल "ग्रामीवाद इमारस" साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/17474/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ग्रारा दिनावः 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकः ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक .28-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 28 ग्रम्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/17605/84-85-ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, तता माता, लक्ष्मीनारायण मापिंग सेंटर, टी० पी० एम० नं० 1, पाट नं० 5, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इस्पे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), भौर जिया । जगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, खके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्पालय में रिजिस्ट्री हैं नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) संतरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय य किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) शहा इन्बेस्टमेंट कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ इंदुनास रविकांत उदानी।

(ग्रन्तांस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

द्रात नं 11, जो, निर्माना लक्ष्मीनारायण शापिस सेटर, टी० पो०एस न० 1, शास्त्र न० ३ सार र तह, मानाड (पूर्व), बस्बई-64 में स्थित है -

गनसूची जैसा ि ऋट सं० ऋई-3/37-ईई/17605/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि धरी बम्बई द्वारा दिना ह 1-3-1985 को र्राजस्टर्ड निया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षय प्राधिकारी सहायाः श्रायकः श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, **बम्बर्ध**

विनोक : 28-10-1985 मीहर:

प्रकल बार्च , दी १४४ , श्रद -----

बायकर अभिनियम, 198 े 761 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायकर (निर्देशक) प्रजीत रोज-3, बस्बई

अम्बई, दिनांक 28 श्रवनुधार 1985

निर्देश सं श्रई-3/37-ईई/17323/84-85--ग्रनः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परचार (उपत अधिनियम तहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को प्वास्त संपत्ति के उचित वाचार प्रव से कम के अवसास बिराय के लिए संतरित की गई है जार मुक्ते गई विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्रवेषित संपत्ति का उचित बाजार के मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एके क न्एण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्ट हे उचित अन्तरण निकृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं वि भया है:---

- (क) बन्तरण सं क्ष्ट्र किसी भाव की शावत, उस्स दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के लिए: बरि/बा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भग या अध्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के तिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, चक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1) के कभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थर [——

- (1) श्री माई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड (श्रन्सरकः)
- (2) श्री दिपः चुनी तातः ठक्कर (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके प्वेक्ति सम्बरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क गांशरी के पान सिनित में किए जा संकीं।

स्पष्टिकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित हैं, नहीं क्षे होंगा उस स्थाय में विका गया हैं।

मन्त्र्यौ

फ्लैंट नं० 47, जो, 2री मंजिल, शिव कितीं को-म्राप० हाउसिंग सोनाईटी लि॰ (निर्योजिन), इमारत नं० 2, सर्वे नं० 397, चिचोली बन्दर रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/17323/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राक्षिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई क्या गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 28-10-1985

प्रारूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज-3. बम्बर्फ

बम्बई, दिनांकः 28 मन्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/17325/84-85--ग्रतः मुखे ए० प्रसाद.

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्यो इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मृत्य 1.∪∪,000/-रु. से अधिक ह⁹

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 48, जो, 2री मंजिल, शिव किर्ती को-प्राप० हार्जीनग, सोसाईटी लि० (नियोजिन), इमारत नं० 2, सर्वे नं० 2. 397, चिंचोली बन्दर रोड, मालाड (प), बम्बई 6 4 में स्थित है (भीर इसमें उप।बद्ध भन्सूची भीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उणित वाकार मृज्य से कन के करवजान विकास के लिए ब्ल्डिरिट की पूर्व ही और मुख्ये यह विस्वाध करने का कारण है कि वथापुर्वोक्त तम्परित का उपिछ। बाजार नुन्य, जबके व्यवसान प्रतिकास है, एसे व्यवसान प्रतिकास का पेड्ड र्तिकत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के किए तथ पाना पना प्रीत-क्षेत्र निम्नीविद्यतः अपुर्वतेषः से अपतः बन्तरम् विधितः यो वास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से शुर्ध किसी थान की बायत, विधिनियम के विभीन कर बोने के बंतरक में वाधित्य वें कभी करने वा उपसे बचने में सुविधा के लिए बोर/रा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गमा भाग किया काना चाहिए जा, कियाने ज विषया के विष्:

अप्तः अपन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री साई बाबा बिल्डर्स प्रायवेट लिगिटेंड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हिरागौरी चुनीताल ठक्कर। (भ्रन्ति रती

को यह स्थाना थारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन की निर्दे कार्यवादियां करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप्:---

- (क) इंड क्षता के शब्भन में प्रकाशन की तारीय 4.5 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की संवीभ, वो और बंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थमित द्वारा;
- (क) इब स्थाना को राज्यात्र में प्रकाशन की तारीन वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावत सम्मत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी हे पाद निधित में किए वा बकेंचे।

स्वच्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त शर्मे और पर्वो का जो उक्त विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवाह्यै।

अनुसूची

फ्लैंट नं∙ 48, जो, 2री मंजिल, शिव किर्ती को-प्राप० हाउसिंग सोबाईटी लि॰ (नियोजित) इमारत नं॰ 2, सर्वे नं॰ 397, चिंचोली बन्दर रोड़, माताड (प), बम्बई-64 र्में स्थित

ग्रन्सुची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/17325/84--85 मौर जो सक्षम प्राधि वारी वस्बई द्वारा विनाह 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्राधिदारी सहायक श्रायकर श्रायु रें। (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-10-1985

नोहर 🛭

प्रकार हार्य दी एन एस -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 28 श्रक्तूबर 1985 निर्देण स० श्रई-3/37-ईई/17661/84—85—श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैट न० 9 जो 4थी मंजिल, "श्राकाण इमारन", नाईवावा पार्व. मित चौकी, मालाइ (ए), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप ने विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्दी है, तारीख 1-3-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मन्य से कम के स्वप्णान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एमे द्व्यमान प्रतिकृत ने पंद्रत्र प्रतिस्ति से प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक जिन प्रदृष्टेय से उक्त जंतरण लिखन में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जैतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के प्रधीन कार दोने के अन्तरक लें दामित्व में कामी करने या उससे बचने में सुनिधा के निगा; और/वा
- (क) ऐसी किसी श्राय का किसी धन या अन्य ब्रारितयों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 की 11) या उक्त अधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अन्तरिनी दशारा प्रकट नहीं किया गण ध्या रण किया गण चालिए था किया या गणिका

अतः जयः, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, सच्य पीपनियम की धारा 269-ए था ऽा तथा । ≈ व तै- िनच्ये भागिर स्वितनयों, जधारि --53---386 GI/85 (1) मैं एर्स कारदीने इन कारपीरेणन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक सक्सेना,श्री एच०पी० सक्सेना,के प्व।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के सर्वध में कोई भी बाखेप 🚎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस मुचना के राजपन्न मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मा किए स सक्ते

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनिष्म, के श्रभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लैट नं० 9, 4थी मंजिल, ''ग्राकाण इमारत'', माईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्र 6 -3/37--ईई/17661/84-- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर द्वायुक्त (किरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बस्बई

दिनाक 28-10-1985 मोहर. प्ररूप आहे. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

्री बम्बई, दिनांक 28 श्र⁴तूबर 1985 निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/17643/84-85-—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्ने अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर रागत्ति जिसका उधित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 1ली मंजिल, श्राकाण इमारत, मार्डबाबा पाके, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृतमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधांनयम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-3-1985

को प्वेंकि सम्परित के उचित बाजार मृन्य से कम के खरणान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विक्यम विकास का का का करित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उन्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निलित में बाम्तिविक स्प में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय क्ली बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अंतरक के दायित्व में कैमी करने या उससे बचने के स्विभा के लिए आर/या
- (१) एसी किसी आप या किसी धर या अन्य आस्तिर्यं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिक्षियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्षियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) फे अधीन, निम्निमिति व्यक्तियों, अर्थाट — (1) मैं सर्म कान्टीनेन्टल कारपीरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनादकुमार मिकचन्द महेण्वरी

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) उस राज्या के राज्यात में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 1ली, मंजिल, ''ग्राक्षाण इमारत'', साई-बाबा पार्क, मित चौकी, मालाष्ट (प), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-3/37–ईई/17633/84– 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुकैत (निरीक्षण) क्रजेन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 28-10-1985

बोक्टर 🥫

प्रस्य बार्द . टी. एन्. एस . -----

बावकर बनिवियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म् (1) के ब्योग स्मृत

भारत सरकार

कार्याक्य, सहस्यक आनकर आयुक्त (निरोक्तप) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

भायकर गिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, तल माला, नालन्दा न० 1, एवरणाईन नगर के पास, सीटीएस प्लाट नं० 32-33, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए जन्तीरत को नहीं हैं जार मफें यह विद्याप का कारण है कि यभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य सक्के हृद्यमान प्रतिफल से, एसे हृद्यमान प्रतिफल से पंहा प्रतिकास से निधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अतिरित्तिकों) के योच एसे जंतरण के सिए तुव पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में क्लाक्ष का में निधक हैं किया पड़ी किया नहीं है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्राप्तित्व में क्यी करने मा उससे मचने में स्वाप्तित्व के सिए; मैक्स/भा
- (या) होती किसी बाप मा किसी पन या अन्य जातिकारी को, जिल्ही भारतीय आवकर जीवनिवस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जीविनसम, या पत्रकार जीविनसम, 1957 (1957 का 27) को प्रकोजनार्थ जन्तिरिधी प्यारा प्रकट नहीं किया यसा था या किया जाना चाहिए था. कियाने से वृत्तिथा को किस;

जल: बंब, उक्त जिल्लियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के संबंधित, निर्माणिकिया स्वीत्सरणें ार्ज्य क्र--- (1) श्री स्थाम भोजराज लुल्ला।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती पुतलीबाई जयरामदास मलकानी। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीबा है 45 दिन की अविधि ना तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) दुस सूचना के राषपत्र भें प्रकाशन की सारील है 45 दिन के भीतर स्वत स्थायर सम्पत्ति में हित्रक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकारणः -- इसमें प्रश्नुकत शब्दों और पत्रों कर का सकत अधिनिकाम, के अध्यान 20-क में विकासिका ही, वहीं कर्ष होता को उस अध्यान के विकासिका बना ही।

धनुसूची

दुकान नं० 7, जो, तल माला, नालन्सा नं० 1, एवरणाईन नगर के पास, सीटीएस प्लाट नं० 32-33, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/17806/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28--10-1985

प्रकल नाहर हो. एस. एव. -----

काणकार अभिनियम, 1961 (1**961 আন 43) আ**ই भारा 269-म (1) के **स्पोन सूप्**रा

हारत करकार

ार्यालय, बहायक जावकर जावकत (विहासिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/17465/84-85→--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अलक प्रकात जिस्ते मधिनियम कहा गया है), की भारा 269-इ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वत करने का धारण है कि स्थानर तपरित, विस्का उचित नावार मून्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 53, जो, 5वी मंजिल, नालन्दा इसारत, "ए" विग, एतरणाईन नगर, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से निणन है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्भीन के उपित नाजार सूल्य से कम के राध्यमन जीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित वाजार ब्रुच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह भित्रक से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और वर्तिरती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय वामा मया प्रतिक्रिक अध्य किम्बितिक उद्देश के उन्दर बन्धरक विष्य से अञ्चलकिए रूप से कार्यन विश्व में अञ्चलकिए रूप से कार्यन विश्व में अञ्चलकिए रूप से कार्यन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्यद्रम् वं धूर्त निक्षी बाद् की बाद्द् , जनक श्रीमृत्वित् के बधीन कर बोने के नन्त्रक के स्वतित्य में कमी करने वा उसने वचन में सुनिधा के सिद; कीर/या
- (क) एंदी किसी बाबू या किसी धन या अन्य अस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बॉधॉनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भा या किया जाना वाहिए था, कियाने के सुविध्य के दिल्हा;

अक: वय प्रयंत समिनियम की भाग 269-व की अनुसरण वे, बी, उसत विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अजान, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भूपतराय ग्रमरणा महा ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) महेदर कुमार ताराचन्द मेहरा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भार्यनाहियां करता हुँ।

उमत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाणन का उन्हों सूच 45 विन की वनीय ना सरकम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तानीन ता 30 दिश को संबंधि, जो भी खंधी नाद में नवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्पन्ति एवारए;
- (भ) ३म मुकता के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर मुम्पित में हितनपूष कि नी कन्य अवस्य ध्यारा अधाहस्ताक्षरी के पान निवास में किए जा बकोगे ।

स्वक्षीकरणः—इतके प्रवृत्व कर्या नीड कर्या का , हो उचक् विधिनवृत्त, के अध्याप 20-क को परिभावित ही, बही अर्थ होगा का उस अध्याय मी दिया नया ही:

भ्रनुसूची

पर्लंट नं० 53, जो, 5वी मजिल, नालंदा इमारत, "ए" विग, एवरणाईन नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कल्मं० अई-3/37—ईई/17465/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजैन रेज-3, बम्बई

दिनाक: 28-10-1985

श्रक्ष बार्षः हो. एवः वृषः --------

सायुकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

आवस्ति भहायक आधकर आय्क्त (निरक्तिण)

श्चर्यत से त. 3 बम्बई बम्बई, दिलाए 28 श्वन्तुबर 1985

निर्देश सं० सई-3/37-ईई/17276/84 -86 --फ्रानः सुने, ए० प्रसादः

काधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व को अधीन सभाम प्राधिकारों को., यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थापर संपर्ति जिसका उचित वाबार मुख्य :

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी मुश्किटन श्-207, जो, र पा पैलेस एउ० ए १० रोड, सोमबार ब तर, बोसने टाकी ो प्रतिस्तार ने पाड़(प), बस्बई 64 में भिथत है (ग्रीट इससे उपश्वद, अंभूची में पार पूर्ण रूप ने विणा। है), ग्रीर ाहि । ग्रीपास आयकर प्रविक्तिस 1961 की बारा 369 वा का स्वीत बस्बई स्थित सझन प्रविक्त प्रविक्त प्राप्ति अपने के सर्वार्थ में प्राप्तु हैं है स्थित सुनिक 1-3-1985

- कि) नगरम में हुई शिक्षी गाम का का का स्वाद **संबंध सांघ**-विकास की साधीन कर पाने के साधारक के श्रीयता में काशी कारने था उत्तर भाग वा जुल्ला के निस्स सीप/ना
- (का) एसी किसी आब या किसी घन घा तस्य बास्तियों की, विन्हीं बारतीय जाभ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रमोधनार्थ अधितियों ब्याप प्रकट बहीं किया यम वा वा किया बावा धाहिए वा, कियाने में कृतिया के सिए;

जल: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) अं लबान, जिन्नीचित्र क्योंक्टब्स्टे, अधित ३(1) वर्षयनी इटरपाईव

(ग्रन्तरक)

(2) नरेश यमाजी महिन्द्र इर

(ग्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उन्तर सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंच ए--

- किं इस त्या के राजपन में प्रकारत की ताड़ीय है

 45 विष की बनीभ या सर्धनंभी व्यक्तियों पर
 स्था की सामीन से 30 विन की जनभि, यो भी
 ननभि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-विद्धा किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किस् का सकोंगे।

स्पथ्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथि∻ नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हारग, को उस अध्यास में दिया नका हैं।

अनुसूची

फ्लैट न० ए-207, जो, क्रथा पैलेस, एन० एल० रोड, सोमवार बन र बमबे टाकीन असाउन्ड, साताड (प), बमबई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० स० अर्थ-3/37-ईई/17276/84~85 श्रीर जे/ क्रियम पावि भारी बम्बई द्वारा क्ष्यतार 1-3-1985 को र्कास्टर्ड क्षिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-3, **बम्बर्ड**

दिनों : 28-10-1985

中侵入

प्रारूप बाइ'.टी. एन. एस. -----

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) कें धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

F. # 45 6 . .

कार्यांसव, सहायक आयकर बाव्यत (निरीत्स्य)

ग्रर्जन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/17358/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रस**द**,

का कारण है कि यथापृष्टेंक्स सपित का अधित बादार मृक्य, इसके पश्पात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 1,00,000/- स्त. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० पलैंट नं० 17, जो. 4थी मजिल, "श्राणिश इमारत साई बाबा पार्क, मित चौकी, मानाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में सौर पृष्ट स्प में बणित है), श्रीर जिसता गरारनामा श्राय तर प्रतिनियम 1961 की पारा 269 दा, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित संजम प्राधिकारी के गर्यात्य में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र का जार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कें प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एते अन्तरण के निए तय पाया गया बतिफल, विश्नतिचित्र उद्योक्ते से अक्त अन्तरण कि विश्व में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) धन्तर्थ ४ हुए किया बाद की शब्ध, उद्ध विभिनिष्य के बभीन कर वार्ष के बन्तरक के समित्व में कनी करने ना उद्ध वचने में सुविचा के सिए; वरि/मा
- (क) एके किसी नाथ या किसी थन वा कम्स आस्मिसी को किन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किस्ह

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनसरण जो, जो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) मैसर्भ प्ररुणकुमार एण्ड प्रासोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्तिशचन्द्र सिनाराम चन्हाण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएट कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति को वर्षन के सम्बन्ध यो कोड्' भी बाक्षेप ८---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वृद्ध में 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की स्विधि, को भी अवृधि याद में सभाष्ठ होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अरस्तियों में से किसी स्विधि स्वातः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शियों हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्तियाँ किंग् वा सकों ने 1

प्रनुसूची

फ्लैट न० 17, जो, 4थी मंजिल, "प्राणिश इमारत", साई बाबा पार्क, मित चौकी, माराड (प), वस्बई-4 में सिता है। ग्रनुसुची जैसा कि क० गं० शई-3/37-ईई/17358/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनान: 29-10-1985

मोहर 🛭

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस.-----

मानकार व्यक्तिमध्य, १७६१ (१७५, का 43) की भारा 260-म (1) के अभीव सुभवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, अम्बर्ड

बम्बई, दिनां : 28 श्रक्तूबर 1985 निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/17431/84~85--श्रत मुझे, ए० प्रमाद.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उयस अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार बुन्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 305, जो, 3री मंजिल, बचानी नगर के सामने, श्राफ दफारी रोड, श्रजय ग्रपार्टमेंट, मालाड (पूर्व) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबज़ अनुसूची श्रीर पूर्ण मण में विणित है) श्रीर जिसका रागरनाम पायकर श्रविजियम 1961 की प्रारा 269 के खे के श्रीत बम्बई स्थित उक्षम प्राप्तकारी के लागीला में रजिल्ड्री है, नारोख 1-3-1985

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के कावजान क्रीतफास के जिए अन्तरित की गर्व है बीर मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि सभापृष्ठेक्त संपत्ति का उचित बाबार कृष्ण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बल्क्ड प्रतिकृत से बीभक है और बंदरक (बंहरकों) और बंदरिती (अतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए तब पाया बना प्रीय-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है।:---

- का) अम्तरण वे हुई किती बाव की बावब, क्यव बीधनियय के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तते वयने में तुविधा के हैंबद्! बॉर/वा
- (क) एंसी कियी बाव वा किसी वव वा अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय लागकर अभिनित्रक, 1922 (1922 का 11) वा उसता अभिनित्रक, 1922 का 11) वा उसता अभिनित्रक वा धनकर अधिनित्रक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था वा या किया जाना चाहिए वा, कियान धे विभा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैंरर्भ क्याचा : अस्ट्रबंग वक्यनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० ए० राउन

(भ्रन्तरिती)

की वह सुपना आरी करफो पूर्वोक्त संपत्ति को वर्धन को शिक्ष कार्यमाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विष की जबिध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियाँ पर मुखना की शामीन से 39 दिन की जबिभ, को भीतर द नोक्स व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (सं) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीटर उत्तर स्थातर राज्यित में हिन्द सूच्या किसी जन्य सामित द्वारा, अथोहस्तासरी से शाम जिस्का राजिया के किस स्थान में स्थान

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त कांचित्रका, वे अन्याय 20-क में पिच्छा किल हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृत्र्के

पर्लैट न० 305 जो, 3री मंजिल, ध्रजय श्रपार्टमेंट, बचानी नगर के सामने, ध्राफ दपनरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि फि० स० अई-3/37-ईई/1,7431/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिना ६ 1-3-1985 को रिजम्टर्ड निया गया है।

ए० प्रभाव ंक्षम प्राधिवारी महायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, बम्बर्ष

বিনাল 28-10-1985

प्रकल क्लांसे हर पर कस

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-च (1) में अधीन समना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांवः 28 श्रक्तुबर 1985

निर्देश स० श्रई-3/37-ईई/17894/84 85 श्रत सझे,

भायकर अधिनियम, 196, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'सकत अधिनयम' अहा गया हैं) को प्रकार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थापर सम्पोभ, जिसका अभित जाजार हरू. 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकान नं० 35, जो, नल माला 'जाट मी० टी० एम० नं० 348, एफ० पी० नं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण णापिम सेंटर, पोदार रोष्ठ, मालाइ (पुर्व) बस्बई-97 में स्थित हैं (और इसमे ज्याबद्ध प्रनुत्वों में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिपता हरारनामा प्रापक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269, रु, ख प्रधीन, बस्बई स्थित प्रथम प्राधिकारी के नार्यान्य और जिसका करारनामा प्रायक्षर क्रिंधिनयम 1961 की धारा 269, के, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित प्रथम प्राधिकारी के नार्या य में रजिस्स्री है नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन वितिकाल के लिए अन्तरित की गड़ी है और मसे यह विक्वास करने का कारण है कि बधाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उक्ष्यमान प्रतिकाल से, एने दश्यमान प्रतिकाल से पेष्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे जन्तरण के निष् क्ष्य काना गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्वेष्य से अन्त अन्तरण निम्मलिखत अन्

- (क) बलारण से हुई किसी बाय की बाबस, स्रवस रत्यम की पंजीन कार दोने के अन्तरक पो न ना अधी रण्या या उसस बचने में र्याणधा ले लिए कीर/मा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों गो जिस्तें नारगी गायरार अधिनियम, 127 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तरिती त्वाण पत्रद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए:

अस. सब उक्त अधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिमित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) 自然 (1) (1)

(अन्तरक)

(2) श्रामनी ज्याबेग की गज्जा-

(ग्रन्नरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्कन क रेप

उक्त सम्पत्ति क वर्षन है सध्यन्थ में काहि भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीब से इंट किन की मनीन मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी बनिध दाद माँ समाप्त मनेतो हो, को भीनार पूर्वीयन
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में शकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर नक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिली अन्य स्थावत इसारा अधोहस्ताक्षरों के पास विजित में किए जा सकेगे।

स्थव्यक्षिण ---इसमा प्रयुक्त जब्दों और पदों का, आ उक्स विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा की जस अध्याय में तिया अ गया है।

जन्स् ची

दूशन न० 35, चा तल माला प्लाट न० सी० टी० एस० न० 348, एफ पो० न० 5-ए तक्सी नारायण यापिस स्टर, अनुसूना नै गिरिक १० खड़े-3/37-देरी/1789 1/84 ·85 और तो पक्षम याधा की बस्बई द्वारा दिसा 11-3-1985 को

> ए० प्रपाद 'क्षम प्राधिकारी राजायक ग्राय (क्रिकीक्षण), (क्षिको के ३-३ वस्वर्ष्ट्

दिनाङ 28-10-1985 मोहर

क्कर बार्<u>ड</u> ४., इन<u>.</u> एवं . - - ---

बारविकार व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विभीन सुचना

मारत सरकाह

क्रायांसव, सहायक बायफर बाय्क्त (निरीजन) प्रजन रोज-3, यम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 198. निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/17585/84-85—श्रतः मुझे,

्ए० प्रसाद गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रपात् 'उक्त नियनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, अह विकास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पर्शिः, जिसका उम्पित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 504, जो, 5वी मंजिल, श्रजय अपार्ट-मेंट बचानी नगर के प्राप्तने, माताड (पुर्व) बम्बई-87 में स्थित है (और एससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका क्ष्याना स्थापन अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, त्रम्बई स्थित सक्षम प्राधि कि के कार्यात्य में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूच्य से कम के क्रममान इतिफल के सिए कन्तरित की गई है और मुम्में वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कन्नित्त का उचित बाजार मूच्य, उसके द्रम्यमान इतिकल से, एसे क्रममाय प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से बिधक है और अम्बरक (अम्बरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के सिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नीसिकत स्व्यंक्य के उच्छ अन्तर्थ लिकित में नास्तिक रूप से कथित नहीं क्रिया क्या है :---

- (क) अन्तरण सं हुन्दं किसी आय की बायत उक्त जिथिनिया के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए, और/या
- (क) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की विश्व नारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रक्रेशनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना थाहिए था, क्रियाने में ब्रिया के निक्;

भव. भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को वन्तरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नामिसिक व्यक्तियों, अधीत् :---54—386G1/85 (1) मैसर्स अगरवात तनस्त्रकात सम्पनी।

(अस्तर ।)

(2) डा॰पी॰ एम॰ कांटारी

(यन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोत्रत सम्मर्टिक के वर्णन के निष् कार्यवाहियां भूक करता है।

उक्त राज्यक्ति के कर्णन के बज्जन्य में कोई भी बाओर :---

- (क) इत सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की समीध, वो बी समीध नाम में समान्य होती हो, से शीवर पूर्वीचय स्थितमां में से किसी व्यक्ति स्वास;
- (७) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्बद्धि में हित-बद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोने ।

स्थान्द्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त विधिनियम : के बध्याय 20-क में परिभाविष है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 504, जो, 5 वी मंजिल, श्रजय श्रपार्टमेंट, अचानी नगर के सामने, मालाङ (पूर्व), बस्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37ईई/17585/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रधितियम (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, बस्बई

भेदिनां 5 : 28-10-1985

मोहर ३

बरूप बाइ .टी. एन, एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत उरकार

कार्यालय, सहायक भारकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई--3/37-ईई/17456/84--85:----- ग्रतः मस्रे, ए० प्रशाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

धीर जिसकी मं० पर्नेट न० 602, जा, मालाड निलंजना की-ग्राप० हार्जीयम सोगाईटी लि०, मार्ने रोड़, मालाड (४), बम्बई-64 में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णिन है), श्रीर जिसका करारनामा आय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पृवां मित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापृवंक्ति सपित का उचित बाजार मृत्य उसके ब्रियमान प्रतिफल से एसे ब्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्दिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरम लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है !—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-निवस के वधीन कर दोने के वंतरक के समित्व में कमी करने या उससे ववने में सुविधा के सिए; बौड़/शा
- (च) एसी किसी जाम या किसी भन या सम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सम्बद्ध स्विधितृत्म, 1922 (1922 का 11) वा उनक सोधित्यम, या चृत-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वामा शाहिए या, क्रियान में बृतिया के कृत्य;

क्रा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री देवचन्द हरजीवन विठलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र बालुभाई चितालिया।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थिं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं वर्ण होगा, जो उस वध्याय में क्लि. नया है।

अनुस्चीं

फ्लैट न० 602, जो, मालाङ निलंजना का-श्राप० पाउमिम मोसाईटी लि०, मार्वे रोड़, मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा कि क० मं० भ्रई-3/37-ईई/17456/84-85 श्रोर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक : 29-10-1985.

प्रकृप बाइ' . टी . एन . प्रध . -------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्चना

मारत सरकाह

भार्यासय, सहायक आयंकर जायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनां 🖰 28 ग्रक्तूवर, 1985

निर्देश सं० अर्ध-3/37-ईई/1**80**17/84-85----श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कार्यालय नं 23, जो. 2री मंजिल, इमारत "दलानी चेंबर्स", एसं वी रोड, व्हिलेज म.ल.इ, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इस उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हम से विणित है), श्रीर जिस ता उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हम से विणित है), श्रीर जिस ता उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हम से विणित है। श्रीर जिस ता उपायना श्रीपता सक्षम प्राधि गरी के न्यालय में रिजस्ट्री है, तारीखाँ 1-3-1985 को पूर्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँकत संपत्ति का उपात सामार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के के श्रीर विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँकत संपत्ति का उपात सामार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के के श्रीतखत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, कि, निम्नितिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निवित्त में शास्त-

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय को बाबत, अक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दासिएन में कमी कड़न या उपसे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धरा था या किया जाना आहिए था, किया में हिन्सा और विद्युः

बत: बब, डक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, इक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इं अधीन, निस्नसिधिक व्यक्तिकों, बंधीत ह— (1) श्री विलीप डी० पावस्तर

(ग्रनरक)

(2) श्री चनांल एम० गहा और भ्रन्य

(ग्रन्दरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथाँकत सम्पर्टित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हाँ।

जन्म संपत्ति के बर्जन् के सबध मा कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की जविभ वा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर् स्वा की तासील से 30 दिन की अविभ, को भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ण) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाहम की तारीण से 45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनवक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास िटिश्वित में किए जा सकेंगे।

रचकिरणः—इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, हो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया √या ≰ै।

अनुस्ची

कायिलिय नं० 23, जो, 2री मंजिल, इमारल "दत्तानी चेंबर्स", एंस० वी० रोड, व्हिलेज मालाड, (प), ज़म्बई 64 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/18017/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिना र 1-3-1985 का रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन र्रज-1, बम्बई

दिनाहा: 28-10-1985

माहर :

प्र**च्या नार**्द्रो . एन . एस् ,-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांश 28 प्रक्तूबर, 1985 निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई/17267/84-85---ग्रन मुझे. ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. में अधिक है

म्रीर जिसकी संव दुकान नव 7, जो तल माला, "ऋषिकेण-1" इमारन, एवरणाईन नगर, मार्वे रोड, मालाडय(प), बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्तसूची में श्रीर पुर्ण रूप विजात है), श्रीर जिसका वारारनामा स्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (∤) कों अधीन, निस्तिस्ति स्पित्वसीं, अधित क्ष---

- (1) श्रीमती दिवालीबेन राक्जी शहा। (ग्रन्तरः)
- (2) श्रीमती मोमतीदेवी गोपी ক্র^১ण शर्मा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर अविधि बाद मों समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुगरा;
- (ख) इस सूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारील से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सूची

दुकान नं० 7, तल माला, "ऋषिकेण-1" इमारन, एवर-णाइन नगर, पार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37र्ह्ई/17267/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण) / ग्रर्जन रोंज-३, बस्बई

दिनांक: 28-10-1985

मोड्र :

प्रथम गाइ.टी.एन.एस.-----

नामकर गीभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गभीन स्थना

भारत् चरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई. दिना ७ 28 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश प० ग्रई-3/37-ईई/18001/84 -85---ग्रनः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी ग० पर्नेट न० ए-601, जा क्टी म जिल, मानस्रावर गाबिन्द नगर, आफ एन० बी० राड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची व और पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिस में उपाबद अनुसूची व और पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिस में उपायनामा श्राय प्रश्वानियम 1961 की धारा 269 , खाने जुबीन, बम्बई स्थित मझन श्रावि भरी के वार्यालय में र्राजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का प्रविक्त सम्पत्ति क उचित वाजार मन्य स कम क हण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने वा कारण है

कि यथा पुनोंक्त सम्पत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरको) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के सामित्क में कमी करने या उससे बचने में सूविधा की निए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधा को लिए;

क्षेत्र अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण माँ, भी, खत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभाग (1) क अभीर पनर्भ थिन योगिया अर्थाण

- (1) श्रीमती झबेदा खातून अन्दुरागनी शेख श्रीर श्रन्य। (यन्तरः)
- (2) श्री सीतारम बतरगलाल लाथ और श्रन्य । (ग्रन्नरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति क अवन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उब्द सपत्ति के अर्जन के सबभ म काई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बानी व्यक्तिया पर सुखना की तामील से 30 दिन मा अविधि, जा भी अविधि भाद में समाप्त हाती है के नीतर प्योक्त स्थानन
- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन का ताराश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप सम्माप्त में ।हतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवालगाकरा के यास लिखित में किए जा सकर्य।

स्वक्यकिरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दाः और धदाः का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याप 20,-77 मा दिस्तापित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याव है दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लैटन० ए००१, जो ५ठी मिजिय मानसरावर, गोविन्द नगर प्राफ एम० वी० राड माताड (प), वस्बई-७४ में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा ि क० स० श्रई-3/37-ईई/18001/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि⊹ारी बम्बई द्वारा दिला 1-3-1985 राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद अलम प्राप्ति परी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 29-10-1985

मोहर

बरूप जाइ .टी. एन, एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/17456/84-85---ग्रतः मुझे, ए० प्रशाद

कायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिंपिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ता मधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह मिंग्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं ० फ्नैट न ० 602, जा, मालाड निल जना को स्थाप० हार्डामग मोपाईटी लि०, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई - 64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्राय कर स्रोधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के स्थीन, बम्बई स्थिन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उण्यत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में अस्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के वधीन कर दोने के बंतरुक के क्यित्य में कमी करन या उसके बवने में सुविधा के निए; बाह/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकार विश्विन्त्व, 1922 (1922 का 11) वा उनके अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया बामा वाहिए था, जियान में सुविधा के जिस:

वरा: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री देवचन्द हरजीवन विठलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र बालूभाई चितालिया।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--- 🏋

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पश्स्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधीहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिखा, गया है।

जम्स्यी

फ्लैट न० 602, जो, मालाड निलंजना को-आप० पाउमिंग मोसाईटी लि०, भावें रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/17456/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 1-3-1985

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज-3, बम्बई

दिनाँक : 29-10-1985

को रजिस्टर्फ किया गया है।

मक्य भाष्^र, टी. एष्. य्याः = -- =

बार्यकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 249-क के अधीन सुधना

त्रारत सरकार

कार्याजन, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्न)

श्रर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 29 श्रक्तूबर. 1985

निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/18062/84-85'—-श्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित धाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिनकी मं० दुकान नं० वी-10, जो, रत्नपूरी, फली हिल को-स्राप० हार्जीमग मोनाईटी, गोणाला लेन, मालाड (पूर्व), यम्बर्ड में स्थित है (ग्रीर इस उपावद्ध स्ननुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा स्नायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

- को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यभान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्रांचन सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य उसके दश्यभान प्रतिपक्ष से एसे द्रश्यमान प्रतिपक्ष का कत्वह प्रतिदात से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा प्रधा प्रविक्त , निम्निलिखित उद्दोष से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है स—
 - (था) बस्तरण से हुई किसी आय की सम्बल उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; श्रीत्र/या
 - (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या जन्य ज्ञास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ते विधिनियम, वा चूने कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वी किया श्रीपार वाक्षिण वा, फिल्मान में सुविध्य वे विषय:

भन्न: वथ, उपत वीपनियम की भारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) मनोजकुमार धीरजलाल मोनी ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) बाबूभाई जिवाराम पटेल । (स्रन्तिग्ती)

को वह स्थान जारी कारक वृत्रीक्ष हम्मीका को अवोज के तिह कार्यनाहियां करता हो।

इक्त बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी बाभाद:---

- (क) इस स्थान के राजपण यों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वनिष, जो भी जविष वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रजॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्भ किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद किसित में किए था सकता.

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय ,'0-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनमुषी

दुकान नं ० बी-10,जो, ररनपृरं।,फनी हिल को-श्राप हा उसिंग सोसाईटी लि०,गौणाला लेन,मालाड (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-3/37-ईई/18062/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा तिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाद, यक्षम प्रात्रिकारी, नहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, बस्बई

दिनौक : 29—10—1985 मोहर : अरूप बाह्र टी एम एस : ******

बाधकर बॉर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बंधीन सुमना

भारक सरकार

क्रायानिया, सहायक आयकार **आयुक्त (विरीक्षण)** श्राणीन रेजिन ३, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं ० अई- 3/37—ईई/17282/84—85:——भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ब के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-राम से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/61, जो, श्रमर इमारत, एवरशाईन नगर, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपात्रड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकार श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित मक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3→1985

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विध्य से उक्त मन्तरण किलित में जान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाव की वावत, उक्त कीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिख्याने में सुविधा छे लिए।

नतः नभः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरए में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् ह——

- (1) श्री श्रदामद इफतीखार हाजी इनायतुल्ला। (ग्रन्थरक)
- (2) श्री डुंगरसीभाई गाँगशी शहा स्रौर सन्य । (सन्तरिती)

को यह सुचना जारों करके पृषंक्षित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भी उन्त जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

erest.

ग्रनमुची

फ्लैट नं ० ए/ 16, जो, श्रम र इमारत, इएवरबाईन नगर, मित चौकी, मालाड (प), यस्बई–64 में स्थित है।

प्रतृम्ची जैमा कि क० सं० प्रई-3/37-ईई/17282/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रवाद, नक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनौक : 29-10-1985.

महिर 🔅

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एव.-----

बाएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाए 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहारक कायकर वाय्वत (निरीक्तण)

बम्बर्ड रेंग-3, बम्बर्ट वम्बर्ड, दिनांक 29 स्रक्तूबर, 1985

निर्देश म० श्रई--3/37-ईई/17984/84-85:---श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास कारक का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० हुकान नं० 10, जी, मनाली इमारत न० 1, एवरणाईन नगर, बालनाव विलेज, मालाइ (प), तस्वई--64 री स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर ग्रीधिनियम 1961 का धारी 269 के, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित नअम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-3-1985

प्रायं सम्पाल के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान मितिकास को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण हूँ कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का अन्त्रह प्रतिकात से बिधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया गया मितिकाल, निम्नलिखित उद्योध्य से उसत अंतरण निचित में सम्बद्धिक रूप से कांधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय की शबत, उक्त बिधिनियम के बभीच कर दान के अन्तरिक के क्षियिक में क्रमी करने या उससे बभन मा सुविधा के स्थित, शरि/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खिपान में सुदिधा के लिए

शतः कथ उच्छ विधिनियम की धारा 269-य के बनुबरण में, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) जे बभीन नियनिक्रित करीक्तयों, वधीत क्र---

(1) था यमग्रीती । भसाना

(भागक)

(2) में ।संपटेल जनरन स्वयसम्।

(ग्रन्तरितो)

का मह सुभना जारी करके पृवािक्ष सम्पत्ति के अर्जन के रिल्प जार्पभािहराों करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) रुम भ्यता क राजपण में प्रकाशन की शारीत के 45 दिन की व्यक्ति या तत्मवानी व्यक्ति की पर स्थान की तामील में 50 दिन की अवन्त की भीतर पर्यों के अविकास की सामाल हाती का , के भीतर पर्यों के ध्यक्तियों का से बितानी स्थापित इंबारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर मणानि मा जनवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा आगृहरणशरा के दाम चिक्तिन में किए जा नदर्शी।

ल्लग्रहीबारण.—-इसमा १यान वार्य और ५० वा वा अक्त अभिनियम के अभ्याय १०-क मी प्रिशासिल हैं, यही अर्थ होगा को एक शरमय मा दिया गया है।

अनमुची

दुकान नं ० 10, जो, मनाली हमारत न ० 1, एवरणाईत तगर, बालनाय विलेज, मालाष्ट (प), बम्बई–64 में स्थित है ।

श्वनुमूची जैपा कि त्र० ग० श्रई--3/37-ईई/17984/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँ ए 1-3-1985 को रिभरटई किया गपा है।

> ए० प्रसाद, नक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रुप्यंत रेजच3, वस्वई

दिनांक 29-10-1985 सोहर :

55--386GI/85

प्रसम् आहा हो . यून . यून

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के सभीन स्थान

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (भनरोक्षण)

श्रजन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनाँक 29 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० श्रई-3/37--ईई/18/21/84- $85 \rightarrow$ --श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स निर्मित्रम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ने सभीन सक्षम श्राधिकारी को, मह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्डित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिपकी मं० दुहान नं० 12, जो, दि मात्राह नवजीवन को— ग्राप्त० हाउसिंग सो राईटी लि०, मित चौकी, मालाड (प), बम्नई —64 में स्थित हैं (ग्रीर इ.गे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विजित्त हैं), श्रीर जिपका तथारतामा ग्राय घर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्राधान, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोंक्त सम्परित के रिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के के जिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-ए की लाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् रूप् (1) श्रामती जयश्रा रमणिकलाल सावला ।

(अस्तरक)

(2) था होरजी पचालाल गाडा।

(श्रन्तरिती)

की बहु सूचना थारी करक पृत्रों क्य संपरित के अवन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सर्पारन के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में स्माप्त हाती हो, कंभीतर प्राविश व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकार न की तारील से 45 दिन के शंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति युवारा अपोहस्ताक्षरी के पाम निक्षित में किस् का सकारों.

स्पद्धनेकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं अही अर्थ होगा सो उरु अध्याम में दिया गक्का

यनुसूची

दुकान न ० 12 जो, दिमालाड नवजीवन को न्य्राप० हा उसिंग सोसाईटी लि०, मिन बोका, मालाड (प), बमबई – 64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० स० श्रई-3/37-ईईिं18021/84-85 श्रौर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ग्० प्रसाद, भक्षम पात्रिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निर्राक्षण) स्नजेनरेज 3,बम्बई

दिनाँ छ । १९-19-1985

मोहर.

प्रकप आहुँ टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश स ० ग्राई- ३/37-ई ई/17297/84-85----- ग्रन मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,0।,000/~ राम अधिक हैं।

और जियकी सर्पलैटन र 50 ३ जा, पाँचवी मिलल, बाल-इ-राम 3 उप्तानगर वे सामने आफ लिंकिंग रोड, मालाड (प), बम्बई- 64 है तथा जो वम्बई में स्थित है (और इनसे उनाबढ़ श्रनम्ची मे श्रार पूर्ण रूप स वर्णित है),श्रीरजिन हा हरारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की बारा 269 हज के ग्रजोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रांतकज की लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क्षरण का कारण हो कि स्थापूर्वोंक्त सपरित का उपित बाजार मुर्का, असको सम्बन्धान प्रतिकास से एसे सम्बन्धान प्रतिकास सन पन्थ्रह प्रसिद्धत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिदी (अन्तरिरिक्षी) के कीच एसे अन्तर्थ के लिए तम पामा गमा परिषाय, विस्ताराखा उद्यवस्य स उक्त सन्तरण निरिधात में शास्ताचक रूप सं क्षीयत नहीं किया गगा है :--

- (क) अतरण स हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर यांचे के अन्तर्थ क शामित्य म कर्या नारन या उक्षम् भवन ॥ भूभिया के लिए, और/या
- (का) ६ सी किसी बाब या किसी धन था बन्य आस्मियाँ का, विन्हं भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल निर्मानयम, या अनकर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रातननाथ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया अगना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

बस. मब, उक्त अधिभिषम की धारा 269-व की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिसित व्यक्तियो , अर्थात् .--

1 अनीता इटरप्रायसंस

(अन्तरक)

2 श्रीबिक्तिम बलेद्र क्लार्क प्रौर प्रस्य

(ग्रन्निंग)

का यह सूचना जारो करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अयिधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भमाप्त होती हा, के भीतर प्वोवस व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरो के पास ानंखताना काल भानकी।

रपञ्चीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, क अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अथ होगा जा उस अन्य में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैट न० 503, जा, वाल-इ-राम 3, उप्मा नगर के मामने क्राफ लिकिंग रोड, मालाड (प), ब्रस्बई- 64 मे स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कल सल श्रई- 3/37-ई ई/17297/84-85 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारादिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज- 3, बम्बई

दिनांक 28-10-1985 ृमोहर:

्रक्ष. आर्थ. टी एत. एस. - - - -

भायकर अधिर्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के बभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यानमः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज⊶3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश स० प्रई-3/37-ईई/17071/84-85---ग्रन मुझे, ए० प्रसाद,

अधिक को धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिनकी मंं बुकात मंं 10, जो रानी में नगर गंबिद नगर रोड, एस वीठ रोड, मालाड (प०), बम्बई—64 में स्थित है (सीर इपने उपाबद सन्सूची में सीर पूर्ण रूप ने विणित है), सीर जिनका करारनामा सायकर सिक्त नियम, 1961 की धारा 269क, ख के सधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारों के कार्यालय में रिजर्झों है, तिरीख 1-3-1985 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यभाग प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुके मह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यंक्ति संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का कन्सह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (असरितियां) के बांच एस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त बन्तरण लिखिय में गास्सविक रूप से क्यात नहीं किया प्रया है ——

- (क) बन्धरण सं हुए किसी बाय की भावज, उक्ट बिभिनियम के अपीन कर दोन के अन्तरक के बाबिस्व में कमी करने । उसमें बचन में कृष्यिभा के सिए; बार/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर आर्थानयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अनिरित्ती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, 'छा न स्विभा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में उक्त श्रीचित्रम की धार 269-व की प्रपाद (1) के बचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1 मैं० शाणि ट्रेडिंग कार्पेरिशन

(भ्रन्तरक)

2 वी भार० ग्प्ता ग्रीर ग्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबींथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविधा, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट स्थितयों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के गास निकित में किए का सकरेंगे।

स्पध्दिकरण :---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को चक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित है, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान न० 10, जो, रानी सती नगर, गोविद नगर राह, एप०वि०रोड,मालाड (प०) बम्बई—64में स्थित है।

सनुसूची जैसा कि कि सैं० श्रई-3/37-ईई/18071/ 84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राविकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

प्ररूप आर्इ टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्प्रयालिय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज~3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांच 25 श्रक्तुबर 1985

निदेण स० ग्राई—3/37—ईई/17210/84-85—-ग्रात मुझे, ए० प्रसाद

जायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जाएंगे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैटन० 40/2 जो 4थी मजिल, नेवृर वैभव को-ऑप० हार्जसग सोसायटी लि०, सहकार नगर 5, शेल कालोनी रोड, चेबूर बम्बई में स्थित है (ग्रार इसर उपाबद्ध ग्रन्सूची ग्रार पूर्ण का से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख क ग्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तारीख 1~3~1985

को व्योंक्स संवरित को उपित वाकार मून्य से क्रय को दश्यमान प्रतिफल के निष् जन्तरित की नई हैं और मुओ यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स सम्पर्ति का उपित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफास के होते दश्यकान प्रतिफास के पण्डह प्रतिकृत से अधिक है और संवरक (अंदरकार) बार बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एं तो किसी बाब या किसी धन या बच्च ब्रास्टियां का, चिन्हां भारतीय बायकर विधिनियं 1922 का 11) वा उक्त विधिनियं, या अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन रा अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयत्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए,

कतः जन, उक्त जिमित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 259-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् — । श्रीमर्ता एम० एम० पुजारा।

(स्रन्दरक्)

👱 श्री प्रशाद श्रार० मेलमान ।

(ग्रन्भिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सपत्ति के अर्जन के लिए क्रम्या देशा शुरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारांध से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना, के राजण्य में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें जिन्नियम के अध्याद 20 के में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होना को उस नध्याय में सिका नवा है।

अन्स्ची

फ्लैट न० 40/2 जो। 4थी मिजिल, चेंब्र वैभित्र को-ग्राप० हार्जीसग सोमायटी लि० सहकार $\frac{1}{2}$ नगर 5, शेल बालानी शेंड, चेंब्रूर, बस्बई में स्थित है।

सनुसूची जैंगा कि स० श्रई-3/37-ईई/17210/ 84~85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ण्ः प्रनाद यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनौंक 25-10-1985 मोहर.

अप्राय⊁र और्धानयम, 1961 (1961 का 43) ही भारा 269-म (1) के बधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, स्टायतः भायकार अन्यकाः (निराक्षण) म्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 श्रम्तूबर 1985

ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1, (1), 000/- रा से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० ए-- ७ जा, गत्य शिल को-श्रॉप० सोमाईटी, प्लाट न० 8 ग्रीर 12, पेम्टम सागर, नेबूर बम्बई-89 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अतो रती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिफिन म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दन के अन्तरक क दायित्व में कमी करन या उपसं बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बत: वभ, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269- च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात :--

प्ररूप आहर्र.टी एन.एस ------ 1 श्री एन० शीनिवापन

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती मल्लिहा कृष्णन

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति को वर्षन को सिए कार्यवाहियां कारता 🐉।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सब्बंध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भ्जनाको नामील स 30 दिन की जविध, जासी अविवि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त -प्रक्तिया भाँ से फिसी क्यवित **दवारा**,
- (स्व) इ.स. भूचना के राजपत्र में प्रकाशन **को तारीख सं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित साकिए जासकींगा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुवत शब्दों अरि पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया 🕉 ।

पर्नेट न० ए०-7 जो नत्य मिल को-अपि० सोपाईटी प्लाट नं० 8 भौर 12; पेस्टम भागर, चेबूर, बम्बई-89 में स्थित है।

अन्सूचा गैसा कि क० स० अई→3/37~क्ई/17504/ 84-85 प्रार जा अपन सामान्य व गई तथा देशाह 1-3-1985 को रजिन्दई किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राविकारः महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-3, बम्बई

भारीख 25-10-85 मोहर

पभ्य भा हो एन एस -- -----

नफ ध्या शीरिक्या, 1961 (1961 का 43) **की** भाग 26५-व्या (1) को संबीत सचारा

भारत **गरकार** कार्यालय, महायक अयकर **आयुक्त (निरीक्षण**)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनाँ र 25 ग्रक्तूबर 1985

निदेण म० श्रई-3/37-ईई/17227/84-85--- प्रन मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर वा भिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'त्रवत विधित्तियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार सन्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नव 4069, जो तल माला, इसारत नंव 121, हमा निकेतन को-श्रांपव हाउनिंग मोगायटी लिव, निलंक नगर, चेब्र, बम्बई-89 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध शन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर स्वधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीर, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पृथिका सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कन के द्वयमान प्रीत्तफ स से लिए अन्तरिती की गई बौर मुभ्ने यह विषयास मारने क कारण है कि यनाप्तिक्त सम्पत्ति का उपित बाजार गृच्य, उसकी दश्यमान प्रतिष्ठक से, एंसे द्वयमान प्रतिष्ठल का अन्द्रह प्रीतिथात से अधिक है बीद अन्दरक (अन्तरका) और प्रन्तिरती (उन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम गया यया प्रतिषठम निकासिका उन्दर्धय से उन्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- २। अन्तरण संहर्त भिन्निकाय की बावित, जल्ला तो वात्राचा में श्राचीन कर भीत के अन्तरणक के गणित्त्र में अवस्था मा उससे बच्चते में सुविक्त पर्यात करते.
- ा, प्रसी किसी अप या जिल्ही धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उरक्त अधिनियम, या धन-कर प्रतियम, 1957 1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाषिए था खिपाने में नुविधा के फिए.

्रतः कव, सक्त विकित्यम की भारा 269-म के अन्सरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ६ अधीन, निम्नीमिंखित व्यक्तिमें, वर्षांब ह ा श्री ए० कम्णाकरन नायर

(श्रन्तरक)

अीमर्त। निर्मला जगदीणचद ग्रीर प्रस्य (ग्रन्तरिता)

कर यह मुखना बारी करके प्योक्त सापिए के अर्थन का लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अक्षेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या सम्बन्धनी व्यक्तियों पद स्वान की तामील से 30 दिन की क्षापि, यो और वाधि बाद में नगाप्त होती हो, के मीतर पर्योक्त को अविध दिन के स्वाप्त होती हो, के मीतर पर्योक्त
- (स) इस ग्रूचना के तजपत्र में त्रकाजन की नारीच न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हिसक्यूथ किसी बन्य न्यक्ति द्वारा अधोत्रन्थाकारों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरण: - इसमे प्रमुक्त शब्दों और प्रश्ने का, आ उक्क जिनीनयम के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं अर्थ हाका. को उन अध्याय में दिया गया हीं।

अनुस्ची

फ्लैट न० 4069, जो, तल माला, इमारत नं० 121, हना निकंतन कॉ-ग्राप० हार्जापम मोमायटी लि०, निलक नगर, चेबुर, बम्बई-89 में स्थित है।

श्रनमूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/17227/ 84-85 स्रोर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टई निया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी नहायक अव्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, यम्बई

दिनांक: 25-10-1985

भस्य अहर विश्व एन् एस ----

आपन : यो धोनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्वालयः, तहायक आयकर बागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशां । 25 अक्तूबर 1985

भिदेश म० अ**ई-**3/37-**ईई**/1763 <u>म</u>/84-85--अत , मुसे, ए० प्रपाद

*मा*धकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की **भारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन क काश्ण है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० डी 1/16 है जो, 3री मजिल, हरी रक्ष को-आप० हार्जाका सोसायटी नि०, बागूर सगर, एम० जी० रीड, गोरेगाव (५०), बम्बई--90 मे स्थित है (फ्रॉ॰ इमसे उपाबद्ध अनसूची मे फ्रॉ॰ पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रांग जिनार करारतामा आयल्य अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अवीत, वम्बई रिधन सक्षम क कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पुर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर, ा कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एके इश्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत विध-नियम के अधीर कार दोने के बन्तरक के दायित्व भाकामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए। कौर/या
- ांदा) एंसी किसी आम या किसी भन या अन्य कास्तिको कर ≔क क्रों भारकीय अध्यक्तार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या *ाता*ल आधिनियम, 1957 **(1957 का 27)** - प्रयापनाय अन्तरिती द्वारा प्र**कट नहीं किया** सत् का ए किया जाना चाहिए था, **कियाने में** यांक्याकी लिए;
- ंत ३३, उक्त अभिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण े. में, इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ५ अर्थाः, निम्नलि**श्वित व्यक्तियों, वर्धार**्

---- 1 श्रीमती चोटोदेत्री एस० पंचारया

(अन्तरका)

2 श्रीमती मजू देवी बी० जैं।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रमुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया / गया है।

बन्स्ची

पर्लंट नं० डी-1/16, जो, 3री मजिल हरीरतन को-आप० हाउसिंग सोपायटी लि०, बाग्र नगर, एम० जी० रॉड, गोरेगाव (प०), बम्बई-90 मे स्थित है।

अनगुची जैपा कि ऋ० स० अई -3/37-ईई/17634/ 81-85 और जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को शिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बर्ड

दिभाक . 25 10-1985 भोहर:

प्रस्त वारं . टी . ६५ . १त व्यान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 अक्तूबर 1985

निदेश सं ० अई-3/37-ईई/17565/84-85--अत:, मुझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-स से बंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पान, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 79 एच० नं० 4 श्रौर सी० टी० एस० नं० 437/1 से 15 देवनार कूर्ला तालुका बम्बई-88 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका जरारवामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान लिए बन्तरित की मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

> इन्डरम से हुए जिसी मान की वाबत, उन्ह वीयरिक्स के बधीन कर दोने के वन्तरक औ दायित्व में नमी करने या उससे बचने में स्विधा াৰত্ *ব*িংস্কা

एसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क' निक् भारतीय वाय-कर बीधीनाम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या वन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोधनाध बन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया मथा था या किया जाना चाहिए था. फिनाने में ांट्या के जिल्हा

र . इ. इ.स्ट लिजिन्यम को धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--56-386GI/85

- 1. श्रीमती कें ए० डी० गावंड श्रौर अन्य । (अन्तरक)
- 2. मेप्तर्म सानी-प्लम्ब कापोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्सप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना को तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-ब्हुथ किसी जन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए वा सकेंगे।

ल्प्बर्गकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों नीर पूर्वे का, जो उक्क नियय के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा * जिसका सर्वे नं० 7! एच० नं० 4 और सी० टी० एस० नं० 437/1 से 1: देवनार, कुर्ला तालुका, बम्बई–88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17,565/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 31-10-1985

प्ररूप साई. टी. एट एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन नुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकार त युक्तः (निराधाण) अर्जन रेज-3; वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

मिदेश सं० अर्ह-3/37-ईई/17917/84-85--अत: म्झे, ए० प्रसाद,

नाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परचात् 'उबस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रिवत बाजार मुख्य 1,00,000/- राज से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूपिट तं० 313, जो, विरवानी इंडस्ट्रियल शिमाययेस को-आप० सोसाराटी लि०, 86/ए, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इसपे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिएका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, तारीख 1-3~1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहणमान प्रतिफल के भिए अंतरित की गृह है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि मधाप्वोंक्त मञ्चित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया, प्रतिफल, निम्निसिकत उद्वेश्य से अक्त अन्तरण विविक्त में बास्तिक स्था से क्रिथत नहीं क्या गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की प्रावत, प्रकृत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुनिधा ग्रामित्व के निरंग और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) र उठक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिना के सिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के सधीन "नम्निकित व्यक्तिगाँ, अर्थान :--- 1. मैं० के० वि० महा चैरिटी इस्ट

(अन्त'शवः)

ু, श्री दी० एम० एजामी श्रीप अन्य

(अन्तरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की नगींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नगींध, जो भी नविध यात्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हिल-नद्भ किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पान निवास में किए जा सकींगे।

जन्स्ची

यूनिट नं० 213, जो, विरवानी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोसाईटी लि०, 86/ए, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस ह।यवे, गोरेगाव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि कि क म० अई-3/37-ईई/17917/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिशांक: 31-10-1985

मोहर

अक्ष वार्त्रं, धी. प्रा. प्रा.

1. मै० फलैक्सीलेन्स (प्रा०) সি०

(अन्तर्क)

2 मैं० टेक्नोविश्वम इंटरप्रायसिस

(अन्तरिती)

वाशकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (!) के अभीन स्वनः

भारत तरकार कार्यासम्, सहायक बायकर नायुक्त (निर्मेक्स)

अर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनाम 3 स्तूचर 1985

भिदेश न० ४६-3/37-ईई/17/30/84-85--अन मुझे, ए० प्रसाद,

क्षात्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्री इसमें इसको परचारा 'जयत अधिनियम' कहा भया है"), की भाषा 269-म के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारभ है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उपिन माचार मन्त्र 100,000/- रा म अधिक है

श्रोर जिसकी मुर्व यसिट नुरु 52, जो, बी-ब्लाफ, । र्वामिशिल, शह। इडस्ट्रियल त्रिमायनेस का-आप० हाउपिय सोपायटी लि॰, देवभार, बम्बई-88 में स्थित है (ग्रॉार इसमें उपाबद्ध अनमूर्ची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्राप जिस्ता इरारनामा तया जीघी≒यम, 19०) को धाः। उ०९०, ख क जंजान, बम्बर्ट स्थित सक्षम प्राप्ति गरा क कार्यालय मे र्जस्टी है, तारीख 1--3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपितः बाबार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मझे यह विश्वास

करने का कारण ह[®] कि यथापृत्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्यः, अतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्नोरितया) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपास, निम्मनिवित शबुदोस्य से सकत ननारण सिवित में शास्तीविक रूप स कांश्रत नहीं निया गया है ----

- (क) अन्तरण से **्र**ं किसी नाथ की सावत, कका मंशिरनयम क बंधीय कर बंग के अच्छारथ के वसीयश्य यो करी अपने या जवाबे वसूत्र में बृतिया में विष्: धरि/गा
- (वा) ए'बी किसी बाद मा किसी भन वा बच्च बार्स्टवर्ग न्त्रे, चिन्हे धारतीन बान-कर व्यक्तिकम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिननय, का भव-कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्हरियो ह्यारा प्रकट बहुई किया नवा भा ना निका सावा चारिक्ष भा, कियान मा पुषिभा ने विष्:

को यह बुधना बारी करूबै दुर्गोक्त सम्मत्ति में वर्षन में क्रिय कार्यवाद्यिकं करता 🛍 ।

क्यतः सम्पत्ति के कर्पन को बंबेध में कोई थी आहोर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मुचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा ;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्यष्टिकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

नन्स्ची

युनिट न० 5∠, जो, बी-ब्लाक, 1ली मजिल, शहा इडस्ट्रियः प्रिमायसंस को-आ५० सोगाईटी लि०, दवनार, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैपा िं क० स० अई-3/37-ईई/17730/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिसारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

अत सथ, उक्त बाजियम को भाग 169-स क जनसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

दिभाक: 31-10-1985

मोहर.

प्रारूप अप्तर् .टी. एन . एस् . -----

आयकर जिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भाग्यत (चिरीक्षण)

अर्जन $\frac{1}{2}$ ज $\frac{1}{2}$ 3, $\frac{1}{2}$ बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

निदेश स० अई-3/37-ईई/17578/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्ल 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० बी--210, जो, 2री मंजिल, विरवानी इष्टस्ट्रियल इस्टेस, वेस्टर्न एक्प्रप्रेश हाया, गोरेगाव (पूर्व), बस्पई--62 में स्थत है (ग्रींग इसमें उपाबस अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिलहा करारणामा आपकर अधिनियम, 1961 वी धारा 2091, प्राप्त के जिथित बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, कारीख 1-3-85

को पूर्विकत सम्भोत्त के उचित्र नाजार मृत्य से काम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उश्वित बाजार मृल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में प्रस्तायक स्थ से कीता सभी किया गया है '--

- (क) अन्तरण स हुई किया जाय की अवा, उक्त सिधिनयम के अधीन कर दोने के सतरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचन में सूक्षिभा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिकित व्यक्तियों, अभीत:— 1. श्री एस० एस० मोदी

(जन्तरक)

2. मेसर्स विकासिक क्लिटनेशर्स प्रायवेट लि० (अन्तर्रिता)

को यह । सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए क् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 15 दिन की शरीय या सन्तरणन्धी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यिक्तयों में से किसी न्यिक्त दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य क्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमी प्रथकण शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याप 20 का मी परिभाषित हाँ, बही अर्थ होंगे। जो उस अध्याप मी विया गया हो।

्∴्स्**खी**

माला नं० बी-210, जो, 2री संजिन, विर० वानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व) बस्बर्श-32 में स्थित है।

अनुसूची चैसा कि कि सं० अई-3/37-ईई/17578/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सजम पाधि हारी सहायक आयकर जायुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्वई

दिमांत: 31--10--1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एक. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जा रज - 3, बम्बई

बम्बई, दिनाम 31 अक्तूबर 1985

निर्देश म० अई--3/37-ईई/17674/84-85---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- कि से अधिक है

- (क्क) अक्षरण स हुइ किसी आय की बाबत, उच्च लिंध-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन अब, अबत आभिनियम की भारा 269-म की अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :----

1. श्री एस० जे० तालेह

(अन्तरक)

2 श्रीमती एच० एम० सिद्धपुरा श्रौर अन्य (अन्तरिती)

को यह त्या पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध मां काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स् डीकरणः -- इसमे प्रयूजत शब्दों और पदो का, जो उपत अधि नियम, कं अध्याम 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

अनसू**ची**

दुकाम न० 32, जो, तल माला, पाग्रव इमारत, एस० वि० रोड़, गोरेगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37-ईई/17674/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टई रिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गृहायक आयकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेज~3, बम्बई

दिभाक: 31-10-1985

शक्द बार्चा, टी. ११. एड्. -----

1. श्री ५० पी० रेड्डी

(अन्तरक)

2 श्री एग० डी० नेरू कर

(अन्तरिती)

बायकः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन जुल्ला

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्ज रेज-३, बम्बई

बम्बई, स्नार ३१ अक्नुबर १९९५

निदेश म० अई-3/37-ईई/18028/84-85--अ: मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 260-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण ह कि स्थानर सम्पोक्त, जिसका अधिन वाजार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 1-बी/405 जो, गोरेगाय सदीप को-आप० हार्जान्स सामायटी लि०, ते० पी० नगर, 5वा सस्ता, गारगाव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थि। हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध जनुर्त्वों में ग्रार पूर्ण रूप 4 योगन हैं), श्रार जिल । तरा-नामा आय र अधिरायम 1911 में धारा 2695, खार जन्नान, बस्बई स्थित सजम प्राधिकारा के कार्यानय में राजिस्ट्री है, तारीखा 1-3-85

की पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, स्मके उदयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविधात से अधिक है और अंतरक (मतरका) और अंत-रिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निस्ति उद्भवस्य से उस्त अंतरण निस्ति में दास्तीयक, रूप सं कथित नहा किया गया है '--

- (क) बन्धरम के हों। एकसे भाग की वातरा, उन्हें कोधानका को वधीन कहु वोने के बन्दरक क बाहिन्दर में क्षेत्र केंद्रने या उन्हें बचने में सुविधा में किए; बाहिन्द्रों
- (वा) शंकी किसी बाग वा किसी धन या बन्य बास्तियां को, बिन्ही भारतीय बायकार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्षिपान में सविधा के सिष्ट:

मते क्रवा त्रक्त व्यक्तियम की धारा 269-ग के अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- को यह सुचना बारी करके पूर्वाक्स संयक्ति के वार्वन के किद् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के मर्बन के सम्बन्ध मा कोर्ड भी नाओप ६

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की नारींच एं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जा भी अविध नाम में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्कान के राज्यक में प्रकाशन की तारी है 3 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकीं।

त्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त व्यथितियव के अध्याय 20-क में परिभाषित की, वहीं अर्थ होता, को उत्त अध्याय में दिवा व्याही

MATERIAL PROPERTY.

पलैंट न० 1-बी/405, जो, गोरेगाव सदीप को-आप० हाउमिंग सोसायटी लि०, जे० पी० नगर, 5वां रास्ता गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा कि करु सरु अई-3/37-ईई/18028/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाक: 31-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर वाय्क्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 अन्तुबर 1985

मिदेश सं० अ**ई-**3/3/**-ईई**/17438/84-85--अन मुझें, ए० **प्रसाद**,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान नं० 17, जो, नल माला, पग्राव, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 मे स्थित है (श्रीर इसमे जपाबङ अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, लारीख 1-3-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इत्यमान के लिए अन्सिरत की गइ है मुक्ते यह विष्वास करन का कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त अन्नरण लिखित में वास्तविक रूप से अजिथत

नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या कत्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण भे, भे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) से भीरा निम्निलियित ध्यक्तियों, अधित :--- ा. भी ए० एस० गमथ

The state of the s

(अहन का का)

 चेगमं विश्वास स्पिट्त एण्ड भेलपूरी हाउप (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्टि हे अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ध किसी उन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेग।

स्पल्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकाम तं० 17, जो, तल माला, पाग्रव, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प०), पम्बई-62 में स्थित है। अनुभूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17438/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-3, बम्बई

दिमांक: 31-10-1985

भोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की असर 369-म (1) के अभीन मुखना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वम्बई तम्बई, दिमार 31 अस्तूबर 1985

सिदेश स॰ अई-3/37-ईई/18056/84-85-अत', मुझे, ए॰ प्रगाद,

का का जिसीनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मिक का का प्राप्त का अपर कहा नया है), की आर कि कि ए कि का प्राप्त का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काकार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 23, जो, इमारत न० बी-2, रामानुत को-पाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एम० बी० रोड, गोरगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्रद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बीणत है), श्रीर जिसका करारगामा आयक्द अधिनयम, 1961 की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास प्रकार था। कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए वप शया गरा प्रतिफल, निम्तिशिक उच्छेरेय से उचक अन्तरण जिला में अस्तिक कर से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावबा, वन्त शीक्षित्रमध्य के क्ष्मीर श्रद दार्ज की बुलायक की सार्थिश्व की कानी कारण ना प्रवस नचन ने साथिका राज्य अपि/या
- (अ) एका कियी आव का फिसी भन्न वा सम्ब का स्टियाँ भी, निव्ध शरीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (१९४५) कर ११) या उन्नल अधिनियम, या भन-कर आधीनवम, 1957 (1957 का 27) क प्रवासनाम अन्तरिसी बुनारा प्रकट नहीं किया गया था मा जिथा जाना भाष्टिए था, क्षियान र स्तिमा को सिद्ध,

क्षतः स्त्रभ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

1 श्री जे० भी पटेन।

(अनारक)

2 श्रीमती एस० एस० गडाडिया ।

(अन्नरिती)

कार्यम् स्थाना भाषा कारकं पूर्वीक्त स्वशंकः क नवान का १ १८-कार्यनाहिया शुरू करता हो।

डाक्श संपरित के वर्जन के सर्वभ में कोई भी बाक्सेंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कान्य व्यक्ति इवारा कभोहम्साक्षरी के पास जिल्ला में किस का सकत्वे:

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त कन्दी और पर्वा का, यो उपस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया हैं।

पग्तुची

फ्लैट नं० 23 जो, इमारत न० बी०/2 एसा नुज को-आप० हार्जींग मोनायटी लि०, एस० बी० रोड, गोरेगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अन्तर्वी जैसा कि कि मि अई-3/37-ईई/18056/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद त्या पा गारी महायण जापार आहुका (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाक. 31-10-1985

मोहरः

प्रस्प कार्यः, टो. स्व. एस. ००००० - ०००००

गायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

श्रामलिय, सहस्यक आधान्तर हास्तः (१ रही पर)

गर्भभ रेज~3, बस्पर्ध बस्बई, दिभार 2 भक्त्भार 1985 विदेश सर्थ भई -3/37~ईई/18151/81-85~- ति स्वे, एर्थ प्रशाद,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गमा हैं) की पारा 269-ए के जधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह जिल्लाम करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाहर मन्य 1,00,000/- रु. से विभिक्त हैं

श्रीर जिसकी स० यृशिट त० 103 जो पहली मिजा देवजी वेणाजी एडिस्ट्रा एन्टेट, तमाणाय पाटिए गार्ग, ड्यूक्स सीडा फैक्टरी हो रामने, चेवूर, बाउई—71 से स्थित है (और इसने उपाबद्ध द्धानसूची में और पूर्ण मार विणा है), और जिला प्रमाना प्रायम द्धाधिएयम, 1911 की धारा 269 में का अवीत तम्बई स्थि। सक्षम प्रायम कारी के कार्याचय में राजस्ट्री है, तारीख 1—4—1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के रिवत राजार मत्या से देश के त्रियमा करने जा अवीत की गई है और मुक्ते यह विश्वमास करने जा अराण है कि स्थाप्य वितर राजार मत्या प्रतिफल को पत्य वितर साम करने जा अराण है कि स्थाप्य वितर राजार साम यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अतिरती (अन्तरितयों) के बीच एमें बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उत्त अन्तरण सिकित में वास्तिक, निम्निसिखत उद्देश्य से उत्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जिल्लास्थम की अधीन कर देन के कर र र दर्ग य १ ती फरने सा उसर रका २ से १३ १ १ वरिन्धाः
- (क) एसी किसी आए या किसी भन या अन्य अस्तिया करो, जिन्ही भारतीय अगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 अर 27, प्रयोत्तार्थ अन्तिनियम, किया प्रयास्ति अन्तिनियम प्राप्त कर अधिनियम, 1957 (1957 अर 27, प्रयोत्तार्थ अन्तिनिति भ्वारा प्रकार निर्धी किया गया कर 14 राज पर्वास्ति करोति अपित्र प्राप्ति करोति करोति अपित्र प्राप्ति करोति करोत

- 1 श्री भिरजन प्रागजी णहा द्वार अन्य। (अन्तरक)
 - मध्य देवजी धणवर्जा गन्स्ट्रक्शाय कम्पनी।
 (अन्तरिनी)

का यह मुचना जारो करके पूर्वांक्ट सम्पर्शि के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उदत मर्पात्त के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूजना व राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस मध्यतः को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- दुसमें प्रयुक्त शब्दों आर पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याण में विया गया है।

ग्रन्स्ची

यिनट न० 108 जो ाली मजिल, देवजी केणवजी इडिस्ट्रियन इस्टेट अपनराव पाटित मार्ग, ड्यूक्स सोडा फैक्टरी हैं। पने चेबूर बगवई-71 में स्थित है। पनिप्ची जैपा कि कर सर अई -3/37-ईई/18151/84-85 और जो पत्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4~1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद उक्षण प्राधितारी नहायत श्रायतर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, वस्त्रई

वितार 28-10-1985 मोहर

प्रकृप बाइ . हो . एन . एस . ------

लायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/~ रत. से अधिक हैं¹

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो, इमारत नं० 1-बी०, नवजीवन को-ऑप० हार्जीसंग सोमायटी लि०, माहल रोड. चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाश्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~3~1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है: :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारित्व में कभी करने या उससे बचने में मूबिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मुणीला बी० वनवारी।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती हर्पा वि० लौंगानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, इमारत नं० 1—बी०, नवजीवन सोमायटी चेंब्र, माहल रोड, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37~ईई/17359/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1~3-1985 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

इच्य बार्च . डी., पुष् , पुष् , -----

नायकर निधानियस, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 269-व् (1) के नधीन व्यक्ता

कार्यालय, सङ्गानक जानकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अन्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18027/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो, इमारत नं० 2, फ्लाट नं० 13, लिलीया नगर, उद्योग नगर इस्टेट, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीखा 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के अपनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का क्रमण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय आही बावता सकत अभिनियन के सभीन कर दोने के अन्तरक के समिश्च में कभी करने या ससने वचने ने स्विभा के लिए; मीर/था
- (व) एसी किसी बार या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधित्तयम, 1922 (1922 को 11) या उनत निधित्तयम, था धन-कर अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्रवासनाथ वृत्तुरती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने के स्थिया के विद्युः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित न्यक्तियों, अधित ६—

1. श्री ग्रारबिंद बालकृष्ण विजे ।

(श्रन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ सी० कर्णिक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

वक्त कम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस व्यना के राज्यन के प्रकार की ताड़ीय है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसूची

प्लैंट नं० 204, जो, इमारत नं० 2, प्लाट नं० 13, लिलिया नगर, उद्योग नगर इस्टेंट, गोरेगांव (प०) बम्बई--62 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंमा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37—ईई/18027/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) ¦ श्रर्जन रेंज→3, बम्बई

दिनांक: 21~10-1985

प्रकार नाई. टी एन एस ----

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाथ 269-थ (1) की अभीन सुचना

शासक अन्यक्षा कार्यासय, सहायक नामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज \sim 3, बम्बर्ध बम्बर्इ, दिनाक 21 श्रक्तूबर 1985 निदेश स० ग्रर्इ-3/37–ईई/17700/84 \sim 85 $-\sim$ श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार उक्त अधिनियम कहा गया ही, की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार करण 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० गृतिह न० 108, जा, तल माला, देवजी केशवजी इडिस्ट्रियन इस्टेंट, बार्ला विले त, तसतराव पाहित्व मार्ग, ड्यूक सोडा फैक्टरी के लामने चेबूर, बस्वई-71 में स्थित है (और इससे उगाबह श्रातुष्ट्यी में श्रीर पूर्ण रूप, से विणित है), श्रीर जिसका करारनाथा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 1269क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, वाराख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंतिरसी (अन्तरितारों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया के जिनल निक्ति उच्चे देय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किया गया हैं।

- (क) मन्तरभू से हुइ किसी अस्य भी भागत, उत्तर अधिन्यम के अधीन कर वाने को श्वारक औ वायित्य मा अभी करने मा उत्तमें बचने ना श्वीयधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अभिन्ताने की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 19_ : (1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा खे लिए;

बारः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अभूग्ररण मा, मी, जनता अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बर्धन, विम्निविध व्यक्तियों, अभृति ह—

- मंसमं देवजी कणवजी कन्स्ट्रक्णन कम्पनी (अन्तरक)
- 2 मन्सं चद्रा एण्ड कम्पनी (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूत्रांक्त सम्पत्ति के वर्णन क किल कार्याक्ति सम्पत्ति के वर्णन कार्याह्रां।

उन्त सम्मान क अपन क सम्बन्ध म काई भी आक्षेप ---

- (ख) इस क्वन। के राजपन भं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-इस किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभाहरताक्षरी के तस निखित में किए जा सकरेंगे।

स्थिक्षाकर ----इसम प्रयुक्त शहर पत्रा का, जा उक्त काथिनियम, के अध्याय 20 के मा परिभाषित ही, परा र जाना जा उस प्रायाय मा दिया

कन्स्थी

यृष्टि न० 108, जो, तल माला, देवजी केणवजी इडस्ट्रियल इस्टेट, बोर्लाविलेज, वसतराव पाटिल मार्ग, डयूक साडा फैक्टरी के सामने चेबूर, बस्बई, में स्थित है

जनसूची जैसा ि १० स० अई-3/37-ईई/17700/ 84-85 ग्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद ग्रक्षम प्राधि गरी सहागर प्रायार प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3, बम्बई

दिनाक 21-10-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

एन. एस.----- प्रहुजा

(ग्रन्तरक)

(ग्रव्रतिरेती)

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रॉज-३, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 अक्तूवर 1985

निदेण स० ग्राई-3/37--ईई/17604/84--85--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी—6, जो इमारन न० 2, 3री मंजिल, बसंन पार्क, चेंबूर पोलिस स्टेशन के सामने श्रार० सी० चेंब्रकर मार्ग, बम्बई—71 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत र), श्रीर जिसका करापनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1→3→1985

को पूर्वोक्ट गम्णित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उस्के दश्यमान प्रतिफल से एसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्ध्वश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में थास्तिएन, रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अतः ४ ब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थीत् :--

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

2. श्री ग्रमर एम० चावला

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे.हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० डी--6, जो, इमाग्न न० 2, 3री मंजिल, बसंत पार्क, चेबूर पोलिस स्टेशन के मामने, श्रार० सी० चेंबुरकर मार्ग, बम्बई--71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37—ईई/17604/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶ 3, बम्बई

विनांक: 21-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/17955/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर गिंधिनियन, 1961 (1961 का 43) शिवसे इतमें इसके पश्चाल् 'उपत गिंधिनियन' बाहा भना ही, की धारा 269-क् के गंधीय बसान शाधिकारी को बहु विकास करने का कारण है कि त्थावर पञ्चीता, विकास उचित वाबार मृज्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इमारत नं० एम-6/10, जो, भानूमती को ग्राप० हार्जिस मोमायटी लि०, एम० जी० रोड़, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी,के कार्यालय बम्बई हारा स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित वाकार ज्ञस्य से कम् के स्वयंतिक शितक के लिए अंतरित की गई है और जुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित वाकार जून्य उसके स्वयंता प्रतिकल से, इंडे स्वयंति प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिकत से जिथक है और यंत्रारक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एंडे क्वाइल के लिए तब पावा यंवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के बच्च अन्तर्श्व कि सिक्त में वास्तिक स्व वे क्षिण नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की वावत, उक्द बिधिनियम के बधीन कर्दु दोने के बन्तरक की वायित्व को ककी करने वा उससे व्यने में सूबिधा के लिए; शौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ बंदरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वै विष्:

जलः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमर्ता कमलादेवी टी० सेठिया

(ग्रन्तरक)

2. श्री किशोर बोहरा ग्रीर प्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप '

(क) इस स्थान के राजधन में प्रत्यायन की ताखेंच है 45 दिन की सर्वाध या तत्त्वंचंच. व्यक्तियों एड़ स्वाध की वस्थीत के 30 दिन की वस्थीय, को की स्वाध कर के स्थाप्त होती हों, से धीकार पूर्णका स्वीकत्वों में से किसी व्यक्ति हुना है।

नह्म किसी व्यक्ति इंतरा, नमोहस्ताक्तरी वे पाव सिविक में किए वा सर्वोगे।

काश्वीकाह्य :---इतमें प्रम्वत कथां और वर्ष का, भी उक्छ जीभनियम, को अभ्याय 20-क के परिभावित हूँ, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

इमारत नं० एम-6/10, जो भानूमती को म्राप० हाउसिंग मोमायटी लि०, एम० जी० रोड़, बांगूर नगर, गोरेगाव (प०) बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई-3/37-5ई/17955/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→3, बम्बई

दिनांक: 21-10-1985

मोहर 🖫

प्रकप काइं, दी. एन. एस. - - -

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाउँ भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारत सरका

कार्याजय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिक)

अर्जन रोज-3, बम्बर्ड वस्बर्ड, दिसांक 21 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अर्ड-3/37-ईई/17954/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० फ्लंट नं० एल-5/14, जो भ्रम्मी रामना को-आप० हाउसिंग मोतायटी लि०, एम० जी० रोड, बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद्ध अनसूची में भ्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रोर जिसका कराण्यामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 2695, खा के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्रोधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विभित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान भितफल से, एोसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हुँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तियक रूप से अधिन नहीं किया गया है ६—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त बाँधिनियम सौ बधीन कर दोने के बन्तरक के शियन्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के न्तिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिर्श्वासित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा श्री स्रोम प्रकाण मालपानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमिता चित्तरंजा राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सप्यत्ति के अर्थन के रिस्थ कार्यवाहिया करता हूं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्देक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ट विधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस्, गया है।

मन्स्ची

फ्लैट न० एल-5/14, जो, लक्ष्मी रामना को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०, एम० जी० रोड़, ब्रांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बस्बई-90 में स्थित है।

अनमूची जैसा कि कि सं अई-3/37–ईई/17954/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-3, बम्बई

[†]दनांक: 21-10-1985

मोहर 🕆

प्रकृष भाव .टी.एन.एस., -----

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सर्काड

अर्थालय, सहायक भायकर आयुक्त (ग्रिक्शिण)

बम्बई, दिभांक 21 अक्तूबर 1985

निदेश मं० अई-3/37—ईई/17563/84—85—अत मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का खारण है कि ध्यानर सम्पत्ति. विश्वका स्रोचित बाबार मृत्यू 1,00,000 - रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 23, जी, "एफ" इमारत, मैंबी की-आप० हाउभिंग मोसायटी लि०, वि० एन० पूरब मार्ग. चेंबूर, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उन्नाथड अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1931 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्रोंक्त संप्रित के उचित बाजार मुक्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित् बाजार मृक्ष, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रति-कम विश्निजिसित उद्वोध्य के उसत अन्तरण विश्वित में बास्तविक क्षा के कांध्य गर्दी किया क्या के हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग का बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्धरक ले दायित्व में कभी करने वा उच्छा स्वने में सुविधा क श्राह, को रंग्या
- ्क) जुंखी किसी जाम वा किसी धन वा बन्ध आस्तियों को, किन्दू भारतीय बान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती सुनील वि० बायर

(अन्परक)

्रश्री ए० मोहस्मद गनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करकी पूर्वितत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उच्छ तक्यीं के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की टामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावर करिन्तकों में से किसी व्यक्ति सुवारा
- (च) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख र 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबकृष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ने चित्र में किए आ पक्षेत्रे ।

त्वाकरणः -- इतने प्रयुक्त शब्दों और वधों का, को कव्य स्थितियम्, के स्थाय 20-क में प्रिशाविद हैं, वहीं वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुस्ची

प्लैट नं० 23, जो, ''एफ'' इमारत, मैली को-आप० हार्जिसग सोशायटी लि०, वि० एन० पूरव मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कर मर अई-3/37-ईई/17563/84-85 स्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गए है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी महायह जायकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनाक: 21-10-1985

मोहर 🚁

प्रक्रम बार्ड .टी. एन . एस . -----

भागक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६५-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बस्बर्ध

वम्बई, दिनांक 21 अक्तूबर 1985

निवेश सं० अई--3/37--ईई/17895/84--85---अत: मझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ६सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उिवत बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाइ नं० 57 न्वी०, जो, कलेक्ट्सं कालनी, वाद्यवली, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णिन है), खोर जिसका करारनामा आयकर अधिभियम, 1961 की श्रारा 269क, ख के अधीभ, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 1-3-1985

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमाम प्रतिएउ के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरले का अरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उभत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगिन व्यक्तियों, अधीन :—— 58—386G1/85

- 1. श्री एम। দৈও র্যোপী (র্ৎ সাও সুও) (কলায়েচ)
- 2. श्रीमती राखी अशोक हिरानी (अन्तरिती)

काँ यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोड् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीस में हितब द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

गमस्यी

प्लाठ नं० 57—बी०, कलेक्टर्स कालोनी, वार्यवली, चेबुर, बम्बई--74 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा हि कि ने अई--3/37-ईई/17895/ 84-85 और जो भक्षम प्राधिहारी, बम्बई बाग दिनां ह 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सक्राय पायाण प्रापुदन, (निरीक्षण), अर्जाप रोज-3, वस्पई

হিদাক: 21-10-1985

मोहरः

अत्रक कार्त, या तम तम -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अभीन सुचना

नारत सरका

कार्यालय, सहायक नावकर नावृक्त (निर्दोक्तक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्फ, दिमाक 21 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17952/84~85—अतः मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4/3)। (जिसे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बन्बार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० जी-3, जो, नल माला, बल्ब नगर, य्निष्ट नं० 2, मदीना मंजिल एस० बी० रोड गोरे-गांव (प०) बम्बई-62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्मित्ता के उचित बाजार मृत्य से क्रम के क्षयमान अतिकास के तिए अन्दर्गरत की गई है जीर मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के क्ष्यक प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच देसे जन्तरण के जिए तय वाया गया प्रतिन क्षम निम्निसित्त उत्योक्य में उक्त जन्तरण निवित में बासाविक क्षम से करियन नार्ती किया गया है :---

- (क) अंतरण से इन्हें किसी जाव की वाबत, उसत गंकियं के अधान कर कोन के बन्तर्क के बाजित्व भा कामी कारने या जनत वचने में नृतिधा के जिए, और/या
- (क) ऐसी किसी अब का किसी अन वा सन्ध बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजभार्य अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविया थीं भिए;

बतः शव, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-भ के बन्सरण जो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) जे अभीन, निक्नास्मित व्यक्तियाँ, अर्थात प्र 1 मेसर्म आमोसियेट्स बिल्डर्म

(अस्तरक)

2. श्री कासम अली मोमिन

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सभ्यतिह के वर्षन के विक्रू कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकेष्:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की जबीध या तस्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की हानीज से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कियी क्षम व्यक्ति इवारा अधोइस्टाशरी के वाज किया में किए या सकेंगे।

स्वधानिक्तः -- इसमें प्रयुक्त बन्धों बीर पक्षों का, वो उनक विधिनयम, के ब्रुवाद 20-क में परिभाणित है नहीं पर्य होगा जो उन श्रक्ष्याय में दिया गया ही।

जनसूची

पलैंट नं० जी-3, जो तल माला बल्बा नगर यूनिट 2 मदीना मंजिल, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बाई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37-ईई/17952/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~3, बम्ब

दिनांक: 21-10-1985

प्रकृष प्रार्ट . टी. एम. एव -------

आयकर लॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य के लभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बस्बई, दिनांक 21 अक्तूबर 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/17985/84-85--अतः म**से**,

ए० प्रसाद, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृस्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, अगर-बाल टावर एस० बी० रोड़ पिरामल नगर के पास नंदवना सा मिल्स के पीछे गोरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम. 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मिर के उपित बाजार मुख्य से कम के ज्यामान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार एसे क्यामान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वेषय से अक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया व्या है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन या अस्य जास्तिवी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

 मै• परम आनंद बिल्डर्स प्रायवेष्ट लिमिटेड। (अन्तरक)

2. श्री इरोल पिटौं श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से

4. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

(क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वकाष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याट 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

बन्स्ची

फ्लैंट नं० 201 जो 2री मंजिल अगरवाल द्यावर एस० बी० रोड़ पिरामल नगर के पास नंदवन सा मिल्स के पीछे गीरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थिम है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17985/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3 अम्बर्ष

असः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 21-10-1985

बच्च बाह्ने हो । एवं प्रदं नव-----

earth. 21,15 January more and an

बायकर विधिनयम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) वे वधीन वधना

भारद स्टब्स्ट

आवासम, सहायक मामकार वास्थ्य (विद्वासम्)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 21 अक्तूबर 1985

मिदेश सं अर्ड-3/37 ईई०-/17953-84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर बाँभीनवन, 1961 (1961 का 43) विकं इबनें इबनें वरकात् 'उनत वाँभीनवन' कहा नवा है, की भाग 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है । के स्थानर तम्पत्ति, चितका जीवत वानार मृस्य 1,00,000/-रा. से वाधिक है

ग्रांर जिसकी मं० फ्लंष्ट नं० है-2, जो, तल माला, बल्वा मगर, यूनिट नं० 2, मदीना मंजिल, एस० बी० रोड़, गोरंगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में बॉणत हैं), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, नारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संवाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक स्थान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संवाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक स्थान प्रतिफल का पंचह बाद बनारक (बनारकों) बोद बनारिश (बन्तरितियाँ) के योष एसे अन्तरण के सिए तब पावा गया बादकत, निम्नसिदित उच्चरेष से उन्त बनाइण विश्वस में इस्ताविक स्थान के बाद बनाइण विश्वस में स्थान के बनाइण विश्वस में स्याविक स्थान के स्थान स्थान के स्थान स्थ

- (क) नन्तरण सं धुर्द किबी बाब की बाबत, उक्त निमिन्त्रन के नभीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; निर्/बा
- (क) हुंची किसी नाम मा किसी धन वा सम्म नास्तिनी की, जिन्हें भारतीय नाम-कर निधिनवस, 1922 ﴿1922 का 11) वा उच्छ निधिनवस, वा धृत-चार निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अंबोजनार्थ मन्तिरती ब्वारा प्रमट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाडिए भा, कियाने में सविधा की जिन्हा

अप: मन, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ४——

1. मैसर्स आसोसियेटेड बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सेंहनाज के० ए० मोमिम।

(अन्तरिती)

्ये को यह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के तिछ। कार्यगाहियां करता हुई।

उक्त मंपरित के भागम के सबाध में काइ" भी बाशम ----

- (क) इस भूजना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूजना की ताजीज से 30 दिन की जबभि, जो भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाप्त;
- (क) इस स्वता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मान्ति में हित्बद्ध किती कस्य व्यक्ति वृतार सभाइस्ताक्षरी के शक विश्वित में किए का बक्षोन।

स्थानिकरणः ---- इसमें प्रवृक्त कालों निर पता का, यां उपक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होता, यो उस कभ्याय में दिवा नवा हैं।

मन्त्रकी

पलैंट नं० इ-2, जो, तल माला, बल्या नगर, यून्ट्र नं० 2, र्मिंचीमा मजिल, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प०), अम्बई 62 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17953/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> त्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रोज-3, बस्काई

दिमांक: 21-10-1985

मोहरः

प्रकृत बार्ड . टॉ. एन ् एक ्-----

ायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के अभीन स्पना

बारत सहस्राह

कार्याजय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

भिवेश सं० अ**६**—3/37—**६६**/17264/84—85——अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राभिकारी की यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, जो, "ब्रिंदायन", 2री मजिल प्लाट नं० 92, उरा रास्ता, चेब्र्, बस्बई-71 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिशियम, 1961 की धारा 269क, खके अत्रीत, बस्बई स्थित सक्से प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के क्यंग्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृश्य, उसके क्यंगान प्रतिफल से, एस क्यंगान प्रतिफल का पहिंद्व प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तक पावा ववा प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में बासिक क्यं के किस कर ये किसित में

- (क) अन्तरण सं हुए किसी भाष को बावत, उत्तर विभिन्नियम के जणीन कर दान को कन्तरफ वी वाभित्व मा कमी करन या उससे बचन में द्विभा वी जिए; बीह/मा
- (वं) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1952 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे निए।

ततः गर्वः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनसरण मा, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की लगभारा (1) के विभीन, निस्नलिश्वित व्यक्तियों, अवृति है— 1 श्री के० एस० कृष्णाय्यामी

(अन्तरक)

2 श्री आर० वेणुगोपाल

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी कामके प्रवाकत सम्पर्ध । अजन का स्व कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बजन के समन म काई भा आक्षप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र भा प्रकाशन को तारीख स 45 थिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील में 30 दिन को अन्धि, जा भी संबंधि बाद मा समाप्त होती हो, के मीतर है भेजन स्थितियों में सा कि की स्थितित दशरा
- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के प्राप्त किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अभिनियम के जन्माय १()-व मा परिशाधित ही, बही अर्थ हारा, ते पर जन्माय मा दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लैट न० 17, जो, ''ब्रिटावन''. 2रो मजिल, प्लाप्ट न० 92, 3रा रास्त्रा, चेबूर, बम्बर्ड--71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि नि अई-3/37-ईई/17264/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनार 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

प्रक्रम बाह्य टी. एन. एस.-----

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन स्थान

शास्त्र बरकार

कार्यां सव , सहावक अध्यक्षर वायुक्त (निर्राक्षण)

अर्जम रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17616/84-85---अन: मसे, ए० प्रसाद,

कासकर कोर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पक्कात उक्त विधिनयम महा गया हैं) की धारा 269-क के नधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित वाजार मृन्य 1,00,00-0 र.. स अधिक हैं

मीर जिसकी म० प्लाप्ट न० 4, जो, बगला स्ट्रक्चर्स के साथ सर्वे न० 49, एच० न० 1, (ग्रंश) मी० टी० एस० न० 930 (ग्रंश), विलेज पहाड़ी, गोरंगाव ताल्का, बोरिवली गोरंगाव, वम्बई में स्थित हैं (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री तारीख 1-3-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्दश्य स उथत अतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरक सहुद किसी भाष की बाबद, जनक विधिनियम् के भ्रमीन कि दोन से मन्तरक में वायित्य में कभी करने वा सबस अपने में ब्रोचिमा भी तिए, वरि/मा
- (क) पुरेसी किसी आय या किसी धन गः अन्य आस्तियां को, चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वाश प्रकट नहीं किया न्या वा वा किया गुना चाहिए था, कियान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् .—-

1. श्री रामस्वरूप मन्नालाल गर्मा।

(अन्तरक)

2. के० पटेल केमोफार्मा प्रायवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुत्रुची

प्लाष्ट नं० 4, जो, बंगला स्ट्रक्चर्स के साथ, सर्वे नं० 49, एच० नं० 1, (श्रंश) मी० टी० एम० नं० 930 (श्रंश), विलेज पहाड़ी, गोरेगाव तालूका, बोरिवली ,गोरेगाव बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० स० अई-3/37—ईई/17616/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमाक 1–3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बाई

विमांक: 25-10-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड . टी., एन . एस

श्री मोहमङ गनी अल्यावस्य ।

(अल्परक)

2. श्री हशम बेग गफ्रूर त्रेग।

(अन्यरिती)

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासव , सहायक आयकर सायकर (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिमांक 25 अष्मतूबर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17239/84-85--अतः मझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनि म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हम्म परचार जिल्ल अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,,00,000/- र . न अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 19, जो, इमारत नं० ए-2 जीवन नैया को-आप० हाउमिंग सोसायटी लि०, चेंबूर टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे, चेंबूर नाका, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इसमे जपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एमे दरयमान प्रतिफल का धन्तक प्रतिक्षत से अधिक हैं और अखरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेष्य से उपक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंति किया चुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अगा, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्सरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालेप :----

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बर्चीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वृवारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः -- इसमा प्रयुवा काव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित्र है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विमा

अन्सर्भी

फ्लैंट नं० 19, जो, इमाय्त नं० ए-2, जीवन नैया को-आप० हाउमिंग मोमायटी लि०, चेंबूर टेलीफोन एक्सचेंज के पीछें, चेंबूर नाका, तम्बर्ड-71 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कल संल अई--3/37-ईई/17239/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजिस्टर्ड स्थि। गया है।

> ण्० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायण श्रायकर श्राप्**क्ष (निरीक्षण)** अर्जेत्र रॉजच3, **बम्ब**€्

दिनांक: 25-10-1985

प्रकम क्ल्ब हो. एन . एस . -----

बायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायकत (किन्द्रीतान)

अर्जन रेज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक 21 अक्तूबर 1985

निदेण सं० अई—3/37—ईई/17987/84—85——अतः मुझें, ए० प्रसाद,

कायकर किभानयम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा संजिधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैप्ट नं० 2, जो, दि चेंतूर रूप को-श्राप० हाउधिय मोनायटी ति०, प्लाप्ट नं० 552, 11वां रास्ता चेंबूर, बम्बई—71 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप न विणय है), श्रीर जिन्छा करारतामा आयश्य अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के हार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

करे पूर्वांका अस्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और नुभे यह निश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वेंकत संवति का उचित्र बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे क्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्त्रकों) और मन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत लगी-नित्तिति उद्देश्य से उनत मन्तरण कि बित्र में बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है :—

- तक्षी लग्ध्यक्ष स हाही किसी वाय की बाबक, उक्स गिर्धालया ते क्षेत्रींन कर दान के अलग्ध र दाधित्व मां कमी करने या असस बचाने मीं सुविधा की लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ता) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या भिया जाना नाहिए था. व्यिपाने में मृविधा कांनए:

अतः अब. उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निक्सीनिश्चित व्यक्तियों, अधीत् :----

- 1. श्री जिएसा जनंशा रामन बालमुझमण्यन । (जनारक)
- 2. श्री तरलोकचंद एम० अगरवाल । (अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क स्थक्तिकों में से किसी स्थित युवाय.
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हिटाबब्ध किसी जन्म ध्यवित ब्वारा अधोइस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए वा सकोंगे।

स्मध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदो का, वो उपल अधिनिवस के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष हांगा जो उस अध्याय में विका गया है।

समय ची

फ्लैष्ट नं० 2, जो, दि चेंबूर क्य को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्राप्ट नं० 552, 11वा रास्ता, चेंबूर बस्बर्ध-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37–ईई/17987/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–3–1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद शतम पाधिकारी शहायाः पासार नायका (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

दिनों क : 21-10-1985

प्रस्प कार्यः हो। यून्य वृक्षत्र ---

1. र्भ पैस औ भाई लीक्सा पटेला।

(ग्रन्तरक)

(ग्रानरिती)

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अन्य 260 र (1) वे अधील मुखना

2. जर्मवस्यमाई गापात्र भाई पटेल ।

i

STATE RESERVE

कः यसिय, सहायक आयकर आयक्त (निरिश्रण) श्राप्ति रेंज, त्रम्बर्र

बम्बई, टिनांच 28 यक्तूबर 1985

सं० श्र\$-3/37\$\$/17875/84-85 — पत: मुझे, π , प्रसाद,

कायकर लिशनियम, 1951 (1961 का 40) (जिसे इसमें इसके पहरात् उनत विधिनियम कहा गया है, की धाण 269-स के अर्थान सक्षम प्राप्तिकारी का यह विध्यास कर्यन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुवान नं० 20. जो, श्रष्णर पलोर, मालाड अस्मृति श्रिमायसस्य को आप मोलाईटी लि०. राईनाम रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद अन्सूची में श्रीर पूर्ण स्पासे विणित है), श्रीर जिसा करार-नामा आयरार अधिन्यम 1961 की धारा 269 ख के स्रिती, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधि-परी के कार्यालय में रिस्मृति है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डाँचत नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यहाँ ही और मुश्य यह वि नाम करने का कारण ही कि यशाप्त्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्विष्य से उक्त कन्तरण निवित में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर वांगे के अन्तरक लें शाबित्य मां अधी कारण वा उससे प्रचन को सीवार के लिए; बौर/मा
- (क) एमी किसी अय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आगकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में एक के लिए;

कतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण को, बो, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधास (1) के कभीन निम्निलिसित अधिन्यों, अधीत :—— 59—386G1/85 की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से कि सी राज्य दक्तारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्याध्यस्य :---इसमें प्रयुक्त क्षेत्र्यों जार पर्यों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में विया भया है।

अनुसूची

दूरि न० 20, जा, प्राप्य पत्री,र मालाङ जागति प्रिमायरोग को पाप मोताईटी लि०, ताईनाथ रोड, माताङ, बम्बई-(4 में स्थित है।

अनुमुची जैसा ति सै० ऋई-3/37ईई/16775/84-85 और जा सक्षम प्राधि गरी बस्बई हारा दिनाक 1-3-1985 को रितस्टर्ट िया गया है।

ए० प्रसाद पत्ता प्राविकारी, सहायक आयक्षर आप्रका (निरीक्षण) अर्जन रेजेच3, बस्बई

दिना ३ 28- 10-1985

माहर .

इक्रम् बाइ . टी . ब्य . एस . - मार्ग्य मान्यान समाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा अल्डा 269-ध (1) के सभीन नका

माइत सरकार

धार्यासम, सहायक भायकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्राजीन रेजि- 3, वस्बाई

बम्बई, दिनां ' 28 श्रक्तूबर 1985

सं० ग्राई--3/37ईई/17833/84-85 --णन मुसे, ए० प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-क की जभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्ला परिण्य बाजार सम्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या ाष्ट्रांतिय प्रिमायभेग नंत 306 जो अगरी मिला, केडिया चेम्बर्भ, एग्रांत बीठ राड, साजाड, (प०) बम्बई—64 में स्थित है (ग्रींर इस्ते उपाबद्ध पत्मुची में ऑस पूर्ण रूप से विणित है), ग्रींर जिस में अस्तिनामा पानार प्राधिनियम 1961 की घारा 269 में खे के ध्रवीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधि, ारी के स्थानिय में र्यजन्द्री है। नारोप

को पुर्वेषित सपित्त के उिषत बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूबोक्त संप ता का उिचन बाकार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिती (अंतरितीयाँ) के कीच एसे अंतरिण के लिए तथ पाया गया कि किल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) कलारण वे हुई किसी नाम की वाबत, उक्क अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के फिए; बॉर/या

णमी निकर आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धराण अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयादनार अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या भिन्न जाना चाहिए था, क्रियाने में सविधा के निज्ञ

ज्ञाः अब, उक्त किंपियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभावर (1) ा भी १६ भाई प्रभागकी 'टेव'। (अल्परा)

 श्राम्य विकासी भारियाण्डे और अन्य । (अन्तरिती)

का यह सचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए (निर्यर्ग करता ,)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से A5 दिन को अनिध का तन्संबधी ज्योत्रता प्रमूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक अधिकता में से किसी अधिकत दुवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्पष्टीकरण: — इसरो प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उकत करितिका के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहति अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेम ं 306, जो, 3री मंजिल, कण्डिया चेम्बर्स, एम० बी० रोड, माताड (प०), बम्ब्र्झ-64 में स्थित है।

ातमुची जैसा है। का स० अई -3/37ईई/17833/81~ 85 कीर जो अपन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनात 1~3~ 1983 की से स्टों िका गया ।

> ए० प्र**स द** नक्षय प्रार्थन (**री.** गडाबन गाउ ^{का} रकाय्सीय(निरी**क्षण**), पर्जन में (~3, बस्बई

दर्गा: . 28 (0·1985 साहर :

प्रकृष् बार्षं. टी. एन एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के अभीन सुमना

मारत सरकार

कार्यात्रय , सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, वम्बई

वम्बई, दिनांक 28 श्रम्तूबर 1985

स० प्रई- 3/37ईई/17580/84-85 -- ग्रन. मुझे, ए०

प्रसाद, श्रायक्तर मुश्लिक्सि, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परुषात 'उक्त अिंदिनयम' महा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00 000/- रह. सं अधिक है

१,00,000/- रा. सं अधिक हैं
श्रीर निक्ती संख्या दुनन न० १, जो, कामाला. डिनाजट बिल्डर्स, टना राड, श्रीलेस, वालाड (प०), वस्वर्ड-73 में स्थित है (श्रार इस्में उपावह अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप विवयम वर्णित है), श्रीर जिलात दारारनामा अध्यकर श्रीधितयम 1961 की धारा 269 के, व्य के श्रधान, बस्वर्ड स्थित नक्षम प्राधितरी के निर्धाय में राजस्ट्री है तारीख 1-3-1985 कर पूर्वीदेश सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के द्रस्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार शृत्या, उशके द्रस्यमान प्रतिकाल से, एस द्रश्यमान प्रतिकाल की पूर्व प्रतिकाल की आधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उस्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण में हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के क्षीन कर बने के अन्तरक क बामित्य में फन्नी करने या उससे बचने में सुजिशी के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था सा सा किया जाना चाहिये था, कियाने में सविधा सी विद्या

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

श्री प्राणकाल मोनीलाल गहा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विल्यम जान रॉडिंग्ज ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन् के निध् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सपत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्परित में हितजबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टोकरण : --- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसू**ची**

दुरान न० 1, जो तल माला, डिलिट बिल्डर्स, टैक रोड, श्रालेम, भालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसुची जैगा कि के सं० श्रई-3/37ईई/17580/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्थायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रोज-3, बम्बई

(दनां_र: . 28-10-1985

शक्य वाही, श्री. एत. एक.

बार्कर बॉलिंगियंत्र, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ए (1) के संबोध कृत्वा सारक सरकाव

कार्यसम, बद्धानक नामकर बागुक्क (दिह्यिक)

श्रर्जन रेंज-3, वम्बर्ष -बम्बर्ड, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1985 निर्देण सं०श्रई-3/37ईई/17670/84-85.---ग्रम मुझे, ए० स्साद.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्हा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- एउ से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं 48. जो, सलमाला, इमारत लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, प्ताट नं 5 ए०, टी० पी० एस०नं 1, पोतार पार्क रोड, मालाड (पूर्व), बस्वई में स्थित है। ग्रीर इसे उपावद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय पर श्रीधानयम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित राजम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्टी है तारीख 1-3-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उपित सामार मूस्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए मन्सरित की पर् हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाजार मून्य उनके करनेमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्वरित्यों) के नीच एसं अन्वरूप के लिए तय पाया गया प्रतिकृष् निम्मुनिश्वक स्थापक से सम्बद्ध मन्तरूप कि निम्मुनिश्वक स्थापक से सम्बद्ध मन्तरूप कि निम्मुनिश्वक स्थापक नहीं निम्मा गया है द्वारण के पर से किया नहीं निम्मा गया है द्वारण

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाब की बाबत, अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने वा उत्तवे बचने में बृश्यिथा के लिए; अन्य स
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अहिस्तयों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनके विधिनियम, 1922 का 11) या उनके विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा एकट नहा किया भवा था वा विधा जाना वाहिए था, जियान से सुरिया के विधा;

बतः वय, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न व बन्सरक . की, जक्त अधिनियम की धारा 269 न की प्रपानरा (1) अधीन, जिस्तिविश्वत व्यक्तियों, तथीत् :--- 1. श्री चेनी राम जयराज।

(प्रस्तरक)

2 श्रीमती भगभतिदेवी के० चम्पारिया और श्रन्य (प्रनारिती)

का यह स्थाना वारों कारके प्यांबस सपरित के अर्जन भी निक् कार्यमाहियों करता हुं।

त्रभत क्रम्परित की अर्थन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षीय:--

- (क) ६म स्वान के राज्यम में प्रमाणन की तारीत स इन्हें जिस्सी अर्थित सह नार्थित का अन्या एर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिभ को भी नव्हित का में समन्य होती हो, के नीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित दुधाराह
- (वा) इस स्थाना की प्राज्यत की प्रकाशः की कार्याप से ११ किन को भीतर न्या स्थानार स्थाति में दिल्लाक्ष किसी बन्य स्थानित प्रवार, प्रभेड़स्ताक्षणा की ग्रास्ति स्थानित में जिल्लाक्षणा सकीत्।

मन्स्ची

दुशान न० 48 जो, तलमाला, इसाएन लक्ष्मीनारायण शापिग मेंटर प्लाट नं० 5 ए०, टी० पी० एस० नं० 1, पोदार पार्करोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

सनुसूची चैंया कि स्रवस्य भई - 3/37ईई/17670/84-85 और जा सक्षम प्राधि की द्वारा दिनाह 1-3-1985 को किसटई किसामसा है।

> ए० प्रसाट. नक्षम प्राप्ति हारी नहाय हे आतंकर च भुक्त (निसीक्षण), प्रजन रज~ 3, बम्बई

दिनोंक : 28-10-1985

ब्रह्म शांक्षं ता प्ता. ए**स** . लन्नलन्नल्लन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) जे अभीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर त्रायकत (निरक्षिण)

स्रर्जन रेज-- १ बम्बई

बम्बई दिनाँ। 28 सक्तूबर 1985

म० ग्रई-3/37ईई_/17816/84-85 --- प्रत मुझे ए० प्रमाद

नायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले दनमें सिके पश्चात् 'उनते अधिनियम कहा गा। हूं"), की कारा 269- प ने नधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थावर संपत्ति जिनाका सिक कारा मूंह

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिन्नी सख्या प्लैट ने बोल-१३ जा उरी मिजिल
"मनाली इमारत ने उ ल्लार गे 48 19 जार 50
बालनाय विलेज मालार (२०) बम्बई-64 में स्थित है
(श्रीर इसमें उन्निद्ध श्रनगुन में पीर पूण रूप में बिलित है) और जिल्हा स्लारताया जारीर श्रीजियम 1961 की धारा 269 वंब र श्रीम प्रमाई। में सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट र पराख 1-3 1985

को प्रांकित रायस्ति के अधिन का आर मृत्य स कम है दादमान शितफल के लिए अस्तरित की गर्द हैं और भाई रें कि स्थान करने का कारण है कि स्थाप्नॉक्त समास्त का आंचल भायार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल का पहल प्रतिशत स अधिक हैं और अन्तर्य (अतरको) और अर्नारती (अंतरितेवरों) के बीच एसे अत्तर्य के लिए " पाना न्या दि -क्स विकानिक्त स्वृद्ध से उस्त अन्तर्य लिकित में बास्त-विक कम से कथिस नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण कं हुन्दं किसी अध्य की अन्तर उपक किस्कित के अभीत कर दोने के जल्तरक दासिल के कसी करने वा उसके वचने में सुविधा के सिए; क्षरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिया का, चिन्हुं भारतीय आयकार अधिन्यत्त, १९२२ (1922 का 17) ते तत्त अधिनयत्त, श्राप्त कर अधिनयम्, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं रेकमा यथा या सिक्या जाना जाहिए था, जियाने के सुविधा के लिए:

1 मैंसर्स मनाली जापीरेशन।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती नलिनी गरद मण्डार मौर ग्रन्थ।

(ग्रन्नरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संपरि भी अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

धक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील स 30 दिन की व्यक्ति, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉवध
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी जन्य न्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शक् जिक्ति में किए भा सकेंगे।

स्यब्दीकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट न० सी०-23, जो, 2री मजिल, 'मनाली" इमारत न० उ प्लाट न० 48 49, श्रौर 50 वालनाय पिलेज, मालाड (प०), बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-3/37ईई/17816/84~ 85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई ढारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ण० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, महायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण), ऋजंन रेज∼3, अम्बई

दिता। 29-10-1985 माहर् प्रक्ष बाइ. टी. एन. एस. -----

भायभार निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायूक्त (विरोक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनॉक 28 श्रक्तूबर 1985

स० प्रई-3/37ईई/17492/84-85-प्रन मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य ।,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 2, जो, 2री मजिल, 'रोझ' मनोर इमारत" सी० एस० टी० न० 309, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायंकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरणुसं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अर्थास्थ्यां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनयम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम पन-कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा श्रकर नहा किया में सुविधा के लिए;

मतः वाव, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ं—— श्रीमती श्रनी डिसोझा के० श्री जे० डिमोझा की पत्नी।

(अन्तरक)

2 श्रीमती श्रमा रोझा फर्नान्डीस श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन वं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भौतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेगे।

स्पर्व्याकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यया है।

अमुसूची

फ्लैंट नं० 2, जो, 2 री मंजिल, "रोझ मृतोर इमारत", सीं० एस० टी० न० 309, मार्वे रोड, मालाड $\left(\mathbf{q} \cdot \mathbf{o} \right)_{\hat{\mathbf{y}}}$ बम्बई-64 में स्थित है।

श्रानुमूची जैसा कि क स० ग्राई-3/37ईई/17492/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, नक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 28-10-1985

मोहर 🖫

प्ररूप माइ . ठी. एन. शस . ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 28 भ्रम्तूबर 1985

म० ग्रई-3/37ईई/17817/84-85---ग्रतः मृझे, ए० प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या फ्लैंट न० बी-55, जो, 5नी मंजिल, "मनाली" इमारत न० 4, प्लाट न० 48, 49, ग्रीर 50, बाताय विलेज, मालाड (प०), बस्बई-64 में स्थित है ग्रीर जिवका करारनामा ग्रायहर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 109 क, ख के ग्राधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से का के रूपमाम प्रितिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर्ष किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांध्यक में कभी कारन या नगर बचने में संविधाः के निया; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों शास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपानी में सर्विधा के लिए:

जत. अब, , उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग की जगुबरण में , मैं , उक्त जी विचयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) - शाीत , चिनाविष्णित स्वितायों , वर्षांत स्— मैसरां मनाली कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2 श्री विनोद कुमार लाथ भ्रौर भ्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपध्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं॥

arrest!

फ्लैंट नं० बी \sim 55, जो, 5वीं मंजिल, "सनाली" इमारत न० 4, प्लाट न० 48, 49, ग्रीर 50, बालनाय विलेज, मालाइ (γ 0), बस्बई \sim 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17817/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोंक: 28-10-1985

प्रकप आई. टी. एन. एस. ------

कापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज∽3, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 28 अक्तूबर 1985

सं० श्रई-3/37र्द्ध/18061/84-85 -- अत मझे, ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1.00,000/- रा. में अधिक हैं
शीर जिसकी सख्या दुकान ने 54, जो, तल माला, मालाड शांपिज सेंटर, एम० वी० रेडि मालाड (प०), बस्वई-64 में स्थित हैं (शीर इससे उनविद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से बिजत हैं), शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रींपित वस्वई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-3~1985 से पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिक्ष के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिक्रत के गंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्निलिखत उव्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आय की बाबस, उक्स ऑधनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा को लिए; आंड्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी ६ न या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, छिणाने में स्विधा के सिए;

कर अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269 ग के अनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) को अभीध निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 भी तो ि अस्मे अस्म शिला हरमुमर्स को-पाप० सामाईटी विकास

(भ्रन्तरर)

2 में स्वं प्रयम्त देखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के ..., कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 ीन में भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितब्द्ध जिसी अन्य व्यक्ति वृक्ति अधाहस्ताक्षरी के पास निभित्त में विग्र जा सकोंगे।

म्णव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनिसम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, उनी अर्थ हागा को उस अभ्याय में दिया गया है।

प्रगुप्ता

दुकान न . 51, जो तनपाना मानाइ णामिस सेटर. एस० बी० राट माताड (प०), बस्कर्-७4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० अई-3/37ईट/18061/84-85 और जो भक्त प्राप्तिक्षारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी महाया प्रायस्य प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक 28-10-1985 मोहर

प्रकट् नाव"् हों.. युन्, प्रकृतन्त्रना

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

माहत बहुत्ताह

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्याक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां इ 28 ग्रवसूबर, 1985

निर्देश सं ० प्रई-3/37ईई//17526/84-85--प्रत: मुझे, ए०, प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपचे से अधिक है

प्रभार जिसकी संख्या दुकान नं । 12, जो, तल माला, किरीट इमारत, प्लाट नं । 13, श्राफ नार्थे रोड, मालाड (प०), 64 में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिससे बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान श्रीतफल को, एसे स्थ्यमान श्रीतफल का पत्ति है और अन्तरित को गई स्थाप श्रीतफल का पत्ति स्थाप्यों कर संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान श्रीतफल को, एसे स्थ्यमान श्रीतफल का पत्ति श्री कन्तरित है और अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गया श्रीतफन, निम्नलिखित जब्दिएय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक्ष रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शहर शहर था
- (ब) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा जा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्निसित व्यक्तियों बधीत :—— 60—386 G1/85

- 1. मैं सर्स एवरणाईन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरला मालपानी।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिखित में किए जा सकनें।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उत्तम लक्ष्याय में विका गमा ही।

जनस्यो

दुकान नं० 12, जो, नल माला, किरीट इमारत, प्लाटनं० 13, ग्राफ नार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17526/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरो**शण** ग्रर्जन रेंज-3, ब**म्बई**

दिनोंक: 28-10-1985

मोहर 🛭

प्रूरूप. बर्ल्ड. टी. एन. एख., न अ न अ न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-थ (!) के अधीर सुचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रमतुबर, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/17669/84-85---अतः मुझे. ए० प्रसाद,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या हुकान नं० 47, जो प्लाट सी० टी० एम नं० 348, पी० पी० नं० 5 ए, लक्ष्मी नारायण शापिग सेटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई—600094 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के अधमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेषित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का कन्तह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-कस निम्ननिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में बास्तिक स्प के कथित नहीं किया नया है क्रिक

- (क) बन्छडम वे हुए मिली बाव की बावस्त, सबस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यामित्य में कभी करने या संसर्थ वचने में स्विधा के निष्; अद्विधा
- (वा) एमी किसी जान या किसी धन या नम्य नास्तियों करें, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता निधिनियम, या धन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तियती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में विषया में विषया

कतः वयः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ए--- 1. श्री रफी ह सुलेमान तेज्रीवाला।

(अन्तरक)

2. डा॰ ग्रन्थण कुमार त्याणि प्रमाद चामरीया। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यनाहियां करता हूं।

बक्त बन्गीत के कर्षन् ने संबंध में कोई भी वाक्ये :---

- (क) इस स्वता क्रे राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सबस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड स्थिक्तयों में से रिजाी स्थित द्यारा,
- (क) इस स्थान क राष्या में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतार उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा, वशेष्ट्रताकरी के पाध जिक्कि मा किता था सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

दुकान नं० 47, जो, ज्लाट नं० सी० टी० एस० मं० 348, पी० पी०नं० 5 ए, लक्ष्मी नारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाङ (प०), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17669/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 28-10-1985

प्रक्य बाहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकार विभिनितम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन क्वा

भारत सहस्रा

कार्यांसय, बहायक बायकर वाय्क्स ((नर्राक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1985

निदेशसं० ऋई-3/37ईई/18030/84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या दुरान नं० 6, जो तल माला, सुनीता ग्रयार्टमेंट, ग्राफ ए० बी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिस्ता अरापनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 अ ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिल्ही है लारीख 1-3-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है गर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (जन्तरियमा) के बीच एसे जन्तरण के विए संग्राया व्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वव्य से उन्त अन्तरण निवाब वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संशुद्ध निस्ती नाम की बाबत उक्त सिप-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी नाम वा किसी भन वा जन्य श्रीस्त्रयों की, विश्वह भारतीय वायकर विश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विश्तियम, वा वनकर विश्तियम, वा वनकर विश्तियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा गया भा वा किया जाना जाहिए था, जिपाने शे श्विभा के लिए; वॉर/या

जतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त बाँधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, मिम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थान, १---

- 1. श्री बाबू लाल बी० खण्डवाल भीर भ्रत्य। (भ्रन्तरक)
- श्री श्रकबर ज्मा मस्कत वाला श्रीर श्रन्य। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के तंत्रंभ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवाए;
- (च) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितवक्ष क्ष्म किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास मों किए का सकींगे।

स्पष्टिकिषणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

मनुशुषी

दुकान नं 6, जो, तल माला, सुनीता अपार्टमेट, श्राफ एस० वि० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क सं श्रई-3/37ईई/18030/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायु**क्त** (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3, बस्बई

विनांक: 28-10-1985

स्वयं न सार्व न की ह सुरा ह स्वयं न स्वयं

नावकार निभिन्नवस्त, 1961 (1961 सा 43) मही भारत 269-न (1) से नभीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय', सहस्थक मामकर बायुक्त (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रव्यूबर, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/17780/84~85--- श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाद 'उनत विधिनियम' कहा गया है), नहीं भाषा 269-व की नवीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर बम्मसि, जिसका क्रिके विश्वास क्रिके व्याप्त क्रिके हैं।

ग्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 203, जो, कि वाल-इ-राम 3, श्राफ लिकींग रोड, उष्मा नगर के सामने, मालाष्ठ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्षमभाव प्रतिकाल के लिए अंतर्रत की पर्य है और बुखे यह विश्वास करने कक्ष्में का कारण है कि प्रभापूर्वोक्त स्थवित का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकाल हो, एसे क्ष्ममान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और बंदाएक (अंतर्डकों) और बंदिरती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा बवा प्रतिकाल, निम्निमित्रत उद्वेष्ट हो उच्या अन्तरण किंक्ति हों बास्तरिक स्प से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरूप वं हुए जिल्ली बाब की वावत करत गरि-विवय के बनीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व के क्सी कारण का उसके क्या के सुविधा के सिद्; बीए/सा
- (व) एंकी किसी नाम ना किसी भन ना नन्न नाहितकों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर मिनियम, वा भन-कर निधिनियम, वा भन-कर निधिनियम, वा भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारती ब्नारा प्रकट नहीं किका नवा वा किया जाना अधिक्य था कियाने में सुविधा ने जिस्त

अतः सन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धनत अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) से अधिन, निम्निविषक अधिकारों, समाब ।

1. मैसर्स भनीता इण्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हसेल मरी एलिझाबेच लोबो।

(भन्तरिती)

को यह भूकना कारने करको पूर्वोकत सम्परित के अर्थन के सिए कार्यकाहिको करवा हो।

उच्छ सम्मधि को कर्षन को सम्बन्ध हो को हो भी प्राक्षण :---

- (क) इस स्वया को राज्यन में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन की समिश या तत्मध्यन्त्री व्यक्तियों पर स्वया की तामीच से 30 दिन की अविध, ओ भी क्विष्ट याद में समान्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सूच कियी अन्य स्थानित ब्नास अथोड्स्ताकारी के पास किवित में किए वा सकोंगे।

क्यकोकरण:---इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो जनत विविक्तिमा, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्षे होता, वो उन्न अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो वाल-इ-राम 3, आफ लिकीम रोड, उष्मा नगर के सामने, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित है।

भनुसुची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17780/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रनाद, गक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, **बस्बर्ध**

दिनां भ : 28-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स ग्रगरवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के बधीन न्यना

2. श्री महेश हरी लाल वाघेला।

(अन्तरिती)

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनॉक 28 ग्रक्तूबर, 1985

सं० म्रई-3/37ईई/17429/84-85:--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्य कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सख्या दुकान न० 15, जो, तल माला, विग ए-5, हायवे व्हयू मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (स्रौर इनसे उगाबद्व प्रनुमूबों से स्रोर पूर्ग का से विगिन है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रों हैं, तारीख 1-3-1985

का प्रांक्त सपत्ति क उषित बाबार मृत्य स कम के स्वयं का प्रतिकत के लिए बन्तरित की गर्ध हूं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट मन्पत्ति मा उषित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत म, एस स्थ्यमान प्रतिकत का पहा प्रतिवत से अधिक है और बनारफ (अन्तरका) और अतिरती (बन्तरितिया) क बीच एस बन्तरा कि निए तय पाया गया प्रतिकत कि निक्तिविया) का बीच एस बन्तरा कि निए तय पाया गया प्रतिकत कि निक्तिविया उद्देश के उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से की एस ही कि सा गया है -

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव को बावत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सुविधा के सिए; बौड़/बा
- (ख) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) में हैं । हो की उपम या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था ज्याने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात्त के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की जबीध था तत्संबंधी यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स जविक्यों में से किसी स्टिन्ट होगरा.
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ख्वाउ वधोड़म्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त अधिनियम के अव्याप 20-75 से परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा ' एप क विद्या ग्याः है।

अनुसूची

दुकान नं । 15, जो, तल माला, विग ए-5, हायवे व्हयू, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/17429/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, नक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-3, बम्बई

नतः नव, उक्ता निधीनवय की तर्म 269-ए के दनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तितयों, अर्थात् क्ला

दिनांक: 28-10-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आद्धः ती. एन . एस . ------

ा मैसर्स मनाली कारपोरेशन।

(भन्तरक)

(ग्रन्सरिती)

भावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

ALTO ARMIN

कायलिय (उपयन श्रायकर प्राय्वन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँ ह 28प्रक्ट्बर 1985

मिदेश स० ब्राई-3/37ईई/17405/84-85 -- प । पुझे, ए प्रसाद,

अभयकर में भिनियम, 1961 (1961 का 43) शिक्ष इसमें इसके परभात् 'उक्त विभिन्निम कहा गया है'), की भारा 269-स के वशीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्तास माउने का कारण है कि स्थावः सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा मे अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या फ्लैंट न० सी०-24, जो, 2री मजिल "बनाना" , मारत न० 3 प्लाट न० 48, 49 और 5 शाला।। विलेज, मालाङ (१०), वम्बई-54 में स्थित 🗣 (ग्रीर इत्य उगारद्व श्रनुसूर्च। मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख कं अप्रांत, बस्बई रक्षम प्राधिकारा 🕽 के कार्यालय मे रजिन्द्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मुख्य से अन्य के स्थानमान प्रशिक्षण के फिए जन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबाहर क्ष्य, इसके स्थममान प्रतिफाल से, एसे स्थममान प्रविकास का पंद्रह प्रतिशत से विधिक ही गाँर अंतरक (अंतरकाँ) गाँर संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अतरण लिखित भे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (फ) जन्मरण च हाई किसी बाब की बाबता, उनक अभिश्वित्रसम् को संभीमः धार वात्रे के बंदारक वी श्रीयस्य में कमी कारने का उससे बचने में समिका भा सिए, अध्यान
- (प) एंसी फिसी बाब या किसी धन या जन्य ज़रिस्तवों को, जिन्हें भारतीय जायकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नक्षी किया गया था साविक्या जाना प्रतिहरू या विक्रमाने कें सुविधा के लिए;

वतः वय, उक्त विभिन्धिम की भारा 269-म के वनुसरक मां, मां, उक्त वाचित्रम की परण २०० - की उपवास (1) के अभीन, निम्नलिखित, व्यक्तियाँ, वर्षाक् ध---

को यह सूचका बारी कराडे प्वांचित सम्मति को धर्मन के किये कार्यवाहियां करता हो।

2 श्री महेश मोहन मिरचन्दानी और ग्रन्थ।

वक्य संपरिता के कर्मन के सम्बन्ध में कोई थी कार्यक:---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की काहीय है 45 दिव की क्षरीध या तस्त्रभ्वन्त्री व्यक्तियाँ एवं स्चना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ काव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशका व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति वृष्ट्य;
- (ब) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसा-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के रास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उपर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

नपृभूषी

पर्लंट न० सी०-24, जो 2री मजिल, "मनाली" इमारत न० 3, प्लाट न० 48 49 और 50, वालनाय विलेज, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्राई-3/37ईई/17405/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 28-10-1985 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन एस -----

1 श्री निवास एण्ड पना प्राइवेट लिए।

(ग्रन्तरक)

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन स्थान

2 मैसमं राजेण बिल्डर्म।

(भ्रन्नरिती)

भारत सरकार

को यह स्थना जारी जरके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणं करता हुं।

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 बम्बई

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

बम्बई, दिनौंक 31 श्रवतूबर, 1985

(क) इस सूखना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूखना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में विभी व्यक्ति द्वारा,

निदेश सं० प्रई-3/37ईई/17475/84-85 — अत मुझे, ए० प्रसाद.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उल्ल स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति सुधारा अभेहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकेंगे!

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया

गया है।

1.,00,000/- रु से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिरमा, जो, दिष्का
पखाडी, विलेज मालाड, जिसका सी० टी० एस० नं० 505
बी, मालाड, वम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा
श्रासकर अधिनियम, 1961 की धारा 279 ह, ख के अधीन,
धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है,
तारीख 1-3-1985

अन्स सी

की पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उम्के क्र्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंड्र प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित न्व्ववेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

खुला जमीन का हिस्सा, जो दिप्का पहाडी, विलेण मालाड, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 501 बी (ग्रंश), मालाड, बस्बई में रियत है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, खनत मियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

श्रनुसूची जैसा कि क मं० ग्रई-3/37ईई/17475/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा जिसका दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

(का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा करें लिए;

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज⊶3, बस्बई

बत: ४व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधोन, निम्निचित्रत व्यक्तियों अर्थात :---

दिनांक: 31-10-1985

मोहर.

रक्ष्य बाष'. टी. एन. एस.----

शायकार अधिरिकाः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

TIVE REMIT

कार्यातम्, मन्त्रप्रक रायकर गायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 अक्तूबर, 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/17484/84-85:--- ग्रतः म्झे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'ज़दन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर स्थाप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण र कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मस्य 1,06,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्सा, जो, दीप्का पखोडी, न्हिलेज मालाङ जिसका सी० टी० एस० नं० 505 बी॰ (ग्रंश), मालाड, वम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयुष्ट यितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बस्बई प्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

की पर्नोक्त महाति है रचित जाबार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण के वि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान परिकल से, एसे द्व्यमान प्रतिकल का भैदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) **औ**र अंतरिती (अंतरितयाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्ननिसित उददेश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक मण भे किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हर्ष किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा B (298 - 3 mm / 34
- (ख) गंसी किभी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों ा पर विधिनयम 1922 (१८५५ - 🕠 या स्वतः अधिनियम, या भनतर अधिकायम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया महा भा भा विद्या नामा बाहिए था, जिपाने में अधिका है " का:

अतः अद, उक्त जंगनियम. की भारा 269-ग को अनुसरण में में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🛸 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् 🖫

- ware drugged gridg protections, generally accommodify regular to the protecting grant accommittee on the second grid of the control of the co मैलर्स श्रीनिवास एण्ड सन्स (प्राइवेट) लि०। (अन्तरक)
 - 2. मैसर्स राजेश बिल्डर्स (बाम्बे)। (ग्रन्तरिती)

को बहु दुख्वा बारो करके पूर्वोक्त बुम्बत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां कहता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किय क्षी स्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी बबीज बाद में बयाप्त होती हो, के भीतर प्वासित र्न में किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वना के राक्ष्य में प्रकावन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी बर्भ होना को उस क्ष्याय में दिवा every Mari

वनस्पी

खुला जमीन का हिस्सा, जो दिप्ता पहाड़ी, व्हिलेज मालाड, जिसका सी० टी० एस० नं० 505 बी (ग्रंश), मालाड, बम्बई में स्थित है।

ग्रन्सूची जैमा कि क० सं० ग्रई-3/3/ईई/17484/84-85 ग्रौर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 31-10-1985

प्रसप दाई. टी. एन. एस.----- 1. मश्रवीर प्रसाद राम कमार मोरा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यानय, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्तक) श्रजंन रेंत्-3 बम्बई

बम्बई, दिनां ह 31 प्रक्तूबर, 1985

सं० ग्रई- 3/57-ईर्ट/17476/84-85'---ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्सके पश्चात 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00000/- म्पूर्ण से अधिक है

और जिसकी सख्या खूला जमीन ा हिस्मा, जो, विलेज मात्राह. शेरहा रखाडो, तालुग नो स्वती, मालाइ, बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबड अनुसुची में और पूर्ण क्य सर्वणित है), और जिसार रिरानामा आयार अधित्यम, 1961 की धारा 269 ज, ज के प्रजोत, बम्बई स्थित मक्षा प्राप्ताता के रार्वालय में र्याजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 का पृत्रोक्त सम्पोत्त के जोचत बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के रिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे ध्वथमान प्रतिकत का पन्छ प्रतिकात में विधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) कीर अन्तरित

- (क) अन्तरण स क्ष्म किसी आप की बाबस उबस अभि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिस्व में कमी भरने या उससे अघने में सुविधा
- (क) एसी किसी काम मा भन या अन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय कामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृजिधा के लिए,

 महावीर प्रमाद राम कुमार मोरारका और 23 अल्प (प्रकारक)

2 मैनम राजेण बिडम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वा क्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वाए अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्र्या

खुला जमीन हा हिस्सा, जो, विलेज मालाड, दिष्का पखाडी, तालुका बोरिवली, मालाड, बम्बई में स्थिम है। शनुसुची जमा ि क मं० प्रई—3/37ईई/ 17476/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 हो रिनस्टर्ड विया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-3, वस्बई

दिना ।: 31-10-1985

अक्स बाह्र . टी. एन . एव . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वमा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जाय्क्स (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ह, दिनांव 31 ध्रक्तूबर 1985

निर्देश सं ॰ प्ररह-3/37ईई/17480/84-85:----- प्रम मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज मालाड दिएमा पखोडी, तालुका बोरियली, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित गक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्याहम में हुई किसी साथ की वायह, उनक समितिया के अभीन कर दोने के जनसरक के दासित्स में क्यी करने या अकन गणन भी मार्थका त्या राजल, बीर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री केशवदेव श्रोनिवास मोरारवा श्रौर 23 ग्रन्य। (ग्रन्तरम)
- 2. मैसर्स राजेश बिलडर्स।

(ग्रन्तरितो)

को वह बूचना चारी करके पृत्रोंकर बज्यरित् में नर्जन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हूं।

उक्द क्रमस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोदः--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की सार्य से 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की जबकि, यो भी जबकि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में किसी स्वक्तित्र स्वान्तः
- (क) इस सूचना के राज्यन में त्रकाशन की तारीय के 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये वा सकोंने।

स्वचाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवत वीचीनयम के बध्याय 20-क में परिशामित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो सम अध्याय में दिया बंबा है।

बन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा. जो विलेज मालाड, दिप्क पखाडी, तालुका बोरिवली. मालाड, बम्बई में स्थित है। धनुसुची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/17480/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनां :: 31-10-1985

इंस्प् बार्ड, बी. एस् एस्.-----

नायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) में नवीन सूत्रना

बाह्य बहुत्ताह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई व्दिनाक 31 श्रक्त, बर, 1985

निवेंग स॰ ग्रई-3/37ईई/17479/84-85.-- ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इतर्थे ध्रसके प्रत्यात (उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण

कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य,

1, ७०, 000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सख्या खुला जमीन जा हिस्सा, जो, व्हिलेण मालाड, नालु अ बोरिबलो, दिण्या पखाड़ी, जिसका सर्वेठ नंठ 48, एवठ नठ 1, से 4, सीठ जो टीठ सठ नंठ 505 ए, मालाड, टमवर्ड में स्थित हैं (और इससे नगबंद अनुसुवी में और एण रूप से विणत हैं), और जिस अ रागरनामां आयवार आधितियम, 1961 की धारा 269 अ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दाय लय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशक द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से सिंधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-क्या निश्निक्ति उन्नदेश से उन्तर अन्दर्भ विक्ति में पास्त्रिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक ए हुए किडी बान की धानत, उनत विधिनियम के क्षीन कर बेने के बस्तरक के द्वियरक में क्सी करने या संतर्त क्षाने में स्विधा के मिए; बीट्/वा
- (व) एंसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए।

बतः अव, उत्तत विभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण माँ, में अन्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीर भिन्नीनियत स्वितियों, वभीत :---

- श्री केशवदेव श्री निवास मोरारका और 23 अन्य (अन्तरक)
- 2. मैससं राजेण बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

का वृद्ध स्वतः कारी कारके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के विश् कार्यनाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में जीवें भी बाकांप ध---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस ल्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीव है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगै।

स्वाधिकरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्यों और पदों का, थी सन्ध अभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज मालाड, तालुका बोरिवली, दिण्हा पखाडी, मर्बे० नं० 48, एच० नं० 1 से 4, सी० टीएस० नं० न० 505 ए, मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के मं० श्रई-3/37ईई/17479/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ट किया गया ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रजैन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 31-10-1985

मोहिंग:

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 31 अस्त्वर 1985

निर्देश सं० अई- 3/37ईई/17485/84-85:---अतः मुझे, ए,

प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या खुला तमीन ता हिस्सा, जो दिष्मा पखाड़ी, विलेग मालाड, जिसका सी० टी० ए म० नं० 505 ए, मालाड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इगमे उपायब श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिमका तरारतामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख केश्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985।

का पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य सं कम के क्यमान मितिफल के लिए अन्तरित को गई है यार मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यथाप्यायत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है !---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जत: त्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण ज, मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिकिट व्यक्तियों, अर्थात् स—

- श्री महाबीर प्रताद राज कुमार मोरारमा और 23 अन्य (प्राप्तरम)
- 2. मैंसर्ग राजेश बिल्डर्स (ाबाम्बे) (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सब्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वोकत अक्तियों में स किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विभोहस्ताक्षरी के पास विस्तास में जिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

खुला जमीन का हिस्सा, जो, दिपका एखाडी, विलेज मालाड, जिसका सी० टी, एस० नं० 505 ए, मालाड, बम्बर्ड स्थिन है।

प्रनुसुची जैंगा कि क सं० ब्राई- 3/37ईई/17485/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिल्स्टर्ट लिया गया है।

> ए० प्रसाद, नक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3, बस्बई

दिनांक: 31-10-1985

प्ररूप बाह्र . टी . एन . एस . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बस्वई

बम्बई, दिनाँक 31 अन्तूबर, 1985

मं० प्रई-3/37ईई/17477/84-85:---ग्रतः मुझे, ए, प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- छ से अधिक ही

शौर जिनको मंख्या खुला जमीन का हिम्सा, जो, दिम्का पखाड़ी, विनेज मालाड, जिनका मी० टी० एस० नं० 505 ए, मालाड नालुका, बोरिवली, मालाड, बम्बई में स्थित है और इसमें उनाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), (और जिसका करारलामा आयकर अधिनियम, 1961 की वी धारा 269 फ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

ंका पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दर्यमान जीतफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड किसी माय की बाबतः, उक्त अधिनियम के नभीन कर दन के जन्तरण के कायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया देश था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिया के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री केशबदेव श्रीनिवास श्रीरारका ग्रीर 23 ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स राजेश बिल्डसं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के प्रत्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा. अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जो दीप्का पखाड़ी, विलेज . मालाड, जिसका सी०ठी० एस० नं० 505 ए, मालाड तालुका बोरियली, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/17477/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्डिक या गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 31-10-1985

माहर:

प्रकार नार्षं, ही. इन. एस. लक्ष्य र स्त

नायकार गींपीनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के गंपीन सुम्बर

भारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक जायकर जाय्यस (जिर्याक्रम) श्रजंन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रम्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/47ईई/17289/84-85:---श्रत मुझे, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्पा, जो वालनाय विलेज, प्लाट नं० 35, तालुका बोरिविली, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रीध नियम 1961 की धारा 269 न, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985।

को प्रांकित सम्पत्ति के उत्तित नाजार मृत्य से लग के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्यास का कारण हूं कि स्थाप्यों क्स सम्पत्ति का उत्तित साबार मृत्य, इसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनिधास के जभीन कर दानें के बन्तरक के वाकिस्थ से असी करने सा तकसे बचने व तृत्विभा के लिए; १९४८
- (क) होती जिसी बाब वा किसी धन का अन्य बास्तियों की, रैपन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विदः

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. श्रीमती पुष्पा एच० संधवी ।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स रिलायन्स बिल्डर्स एण्ड डेवललोवर्स।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी भारते द-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाव निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका है।

धनुतुषी

खुला जमीन का हिस्सा, जो, वालनाय विलेज, प्लाट नं० 35, तालुका बोरिवलो, मालाड (प०) बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17289/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारिंग दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंक-3, बम्बई

दिनौक: 28-10-1985

प्रकृत बाह्य टा. एन. एस. ----

कायकर माँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) में मुचीन सुखना

नारत कम्बार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश स॰ ऋई-3/3कईई/17324/84-85 — ऋत मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके बर्ग्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

1,00,000/- रु ने अधिक हैं
श्रीर जिन्की सख्या फ्लैट न० 30, जो, 1 ली मंजिल, इमारत, न० 2, शिव कीति को श्राप हार्जीमंग सोमाईटी, लि०, नर्वे० न० 397, चिचोली बन्दर रोड, मालाड, बम्बई 64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची से और पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर, श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-3-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमाय श्रीतकत के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह श्रीतकत से अधिक है और अन्दरक (बन्दरकों) और बन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे बन्दरक (बन्दरकों) और बन्तरित वाजार से अधिक स्थाप गया है क--

- (क) बन्तरण चंड्राई फिली बाय कर बाबता. सक्तर वाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व मां कमी करने या उससे त्याने भा सविधा के लिए, विद्याना
- (ण) ऐसी किसी जाव या किसी भन वा अन्य बास्तियों के जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सर्विधा के लिए;

बत्तः अव, अक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपभारा (1) के बसीग, निम्नलिचित स्विक्तियों, अधारत :—

- 1. श्री सा**ई बाबा बिल्डस** प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरह)
- 2 श्रीमती निता प्रकाश भाटिया श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यकाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों कर क्यों क्यों क्यों क्यों कर विश्व के यो क्यों कर विश्व के यो क्यों कर क्यों कर यो क्यों कर क्यों कर विश्व के यो क्यों कर क्यों कर विश्व के यो क्यों कर क्यों कर विश्व के यो क्यों कर के यो के यो क्यों कर के यो के यो क्यों कर यो क्यों कर यो क्यों कर के यो क्यों कर यो क्यों कर यो क्य
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी बन्ध स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिगित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 30, जो, 1ली मंजिल, इमान्त नं० 2, शिव कीर्ति को० स्राप हाउमिंग सोसाईटी लि०, सर्वे तनं० 397, चित्रोली में बन्दर रोड, बम्बई-64 में प्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/17324/84→85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई।

दिनाँक: 28-10-1985

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961, का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 श्रक्तूबर 1985

निःरेश सं० प्रई-3/37ईई/17290/84-85--- प्रतः मृसे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.00/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खुला जमीन का हिस्सा, जो प्लाट नं० 44, विलेज बालनाय, तालुका बोरिवली, मालाड (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इपसे उगाबद्ध प्रतुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारी ख 1-3-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित कारार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल ग. द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उसते अन्तरण सिचित में भारतिका रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत कि कि अन्तरक के दिने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** भा, भी, उदत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती इसादेती पी० तौरा स्रोर अन्य। (अन्तरक)
- 2 रिलायन्य बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के िए कार्यनाहियां **सूक्ष करता ह**ूं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अपित जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, हे भीतर पूर्वोक्त स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्ध किसी जन्य ध्यक्ति द्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमध्त शब्दों और पदों का, जो अक्त है, वहीं अर्थ हागा जो जरू अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित गया है।

मन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जो प्लाट नं० 44, विलेज वालनाय, तालुका बोरिवली, मालाङ (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० प्रई-3/37ईई/17290/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज-3, बस्मई

दिशौक: 28-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

The state of the s

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

र्था अण्यिनी आर्० मेहता।

1. श्री अनूत्र हीराजात शाह और अन्य। (जन्तरः)

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंग-२, यावर्ष

बम्बई, दिनांस 28 धक्तूबर 1985

िर्देश सं० अर्ड-3/37-ईई/17466/84-85-अलः मुझे. ए० प्रनाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पंज फ्लैंट नंज 53, जो 5वी मंजिल, तलंदि इमारत, मी विंग, एवरणाईन रागर, माराड (ए), वस्वई-64, में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूर्य। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिससा रागरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 रख के अधीन वस्वई स्थित सक्तम गांव गी के पार्थालय में रिजस्ट्री है। नारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमें दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एमें अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल त, निम्नतिकृत उद्देष्य से उक्त बन्तरण जिन्ति में बाम्तीवर्ष कर से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने मा मूधिश के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में मृत्यिय के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन् --- 62—386GI/85

का यह मूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हों।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन कीं अपिय या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिध, को भी अविधि बाद मा स्थापत होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से असी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मूचना क राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थानर सम्पन्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्याप्तत द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के बाम विश्वित में किये जा सकरो।

स्पट्टीकरण --- इसमे प्रशुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं अथ होगा जो उस अभ्याय कें दिया गमा है।

धनुसूचो

प्लैट नं० 53 जो 5 वी मंजिल, नालंदा इमारत, "भी" विग, एवरणाईन नगर, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैशको कलसंब्धई-3,37-ईई/17466/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोत 1 मार्च 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंग-3, बस्बई

तारीख: 28 श्रमतूबर 1985

म(हर :

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकार बायक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनां । 28 प्रक्तूबर 1985

निर्देण मं० श्रई--3/37--१ई/17645/84--85 --श्रन मुझे,

कायकर क्रिनियम, 1961 ('961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है , -९ स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार अल्ब 1,00,000/-रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फलैंट नं० बी-401 है जी कक्या पैलेग", सोमचार बजार, मलाड (प) बम्बई से स्थित है (और इसी उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस त करारनामा ग्रायनप प्रधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के ार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिफिल को लिए अन्तरित की गई हैं। और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को ऋधीन कर दोनें को 'संतरक फ्रं दायित्य में कभी करने या उससे बखने भें सविधा क किस्स, अपीर दा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनयम, या धन-कर ब**िधनियम,** 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ मंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गरा **या किया जाना चाहिए था, छिपाने पें** सरिकार अपेलिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--

सर्मश्रली इटरप्रायसेज।

(भन्तरक)

2. रसीद हमेन दौलन हमेत।

(अन्तरिती)

को बहु स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति क कर्जन क लिए कार्मवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आहे भी नाक्ष के

- (क) उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील म 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो नी अविधि कार में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति रंगरा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति बुवारा, बभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मकीकरण .--इसमा प्रयुवत शब्दों बार पदी या, आ उन्छ सिधिनियम कं अध्याय 20-क भ परिकारित हैं, वहीं बर्ध हाता, म उस प्राप्त प्र दिया कड़ा 🗚 🤨

धनुसुधी

फ्लैट नं० बी-401, जी "हकेया पैलेस" सोमचार बाजार, मालाड (प) बम्बई में स्थित है। अन्सुचा जैमाबि करु मंरु श्रई-3/37-ईई/17645/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मार्च 1985 को एजीस्टर्ड निया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांवः : 28 अम्तूबरः 1985

श्रम्प बार्ड. ही. एन. एस. - - - -

बायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

त्रमंबई, दिनांस 28 स्रक्तूबर 1985 निर्देश मं० श्रई--3/37-ईई/17702/84-85---यतः मुझे, ए० प्रशाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फलैंट नं० 108 और 107 (अंग) जो, 1ली मंजिल, "लिम्रा" "बी" ब्ला उ, दिव्य पार्क, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-95 में स्थित है (अंगर इसने प्रुपावड अनुसूची में पूर्ण का ने विश्वत है), और जिस अ संराप्तामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अवीर बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के जार्यात्म में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते, यह विश्वास करंगे का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिक्रक किल निम्नितिसत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) असरण स हुइ किसी भाय की बाबत, सक्त किसी भाय की बातत, सक्त किसी करने धीन के बंतरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में मृतिधा क लिए; बरि/धर
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हां अधिनियम, या धन-किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाराध अनियम अनियम प्रकार नहीं किया गय. या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए;

कतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) वै अधीय, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- 1. दर्यनानी (इंडो नाधगन) उन्स्ट्रमणन्य प्राप्तवेट लि०। (ऋन्तर्यः)
- 2. श्रीमती श्राणा नित्र महता और श्रन्य। (श्रन्तिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब बैं 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की बर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविक्त क्योन्त्रपूर्व में से किमी खबित ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध दिन्मी अन्य व्यक्ति दवाला अशाहरनावरी क पास निष्ठित में किए का सकेंगे।

न्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट न० 10 अर्थर 107 (अंग), जो 1र्ल पंजिल, "निम्ना" "बी" बना , दिव्य पार्क, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०) बम्बई-95 में स्थित है।

अनुसूची जैयाकि ऋ० सं०अई- 3/37- ईई/17702/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1 मार्च 1985 को रजिस्टर्ड गिया गया है।

> ए० प्रभाव सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंच-3, बम्बई

दिनां ः 28 श्रम्तुबर 1985,

प्ररूप बाई .टी.एन. एस. -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/17850/84-85---अन:, म्रो, ए॰ प्रसाद,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्षे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्ह्रजान नं 5, जो तल माला, "चंद्र-पूरी" सी किसकी सं दूकान नं 5, जो तल माला, "चंद्र-पूरी" सी किटी क्एस नं 447 कादरमल रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्णेरूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आमरूर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं तारीख 1 मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के और अंतरिक (अंतरितयों) के शिय एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप से किथत महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अत, उकर अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत् :—

1. मेन्स अवेरी एण्ड सन्ता

(अन्तर्क)

2. श्री गणेश भाई लोखुभाई पटेल।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ुसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्म्नी

दुशान नं० 5, जो तल माला, "चंद्र-पूरी" सी० टी० एन० नं० 447, कादरमल रोड, मालाङ (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी करु संरु ग्राइ-3/37-ईई/17850/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 1 मार्च 1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज~3, वस्बई

दिनां ए : 28 अक्तूबर 1985

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस ुन-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार्

कार्यालय, महत्यक आयवण श्रायक्त (निरोधका)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई,

बम्बई, दिनांक 28 स्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/17701/84-85---ग्रत : मुझे. ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित अपर मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० फलैंट नं० 701, जो, 7वी मंजिल, "ग्रंटलाटो", डी-विग, प्लाट नं० 38, श्रांफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रींर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची से ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रांर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के श्रंधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्नोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पामा गया इतिफल, निस्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक अप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी साव की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या धन्य शास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार आधिनिधम, 1992 1922 का 11) या उक्त अधिनिधम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व लिए।

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. ग्रार०जी० बिल्डर्स प्रायवेट लिए।

ग्रन्तरक)

2. श्री एमः कें रामचंद्र पनीक्तर आर अन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी गविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्यारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नन्स्ची

पर्लैट नं० 701, जो, 7वीं मंजिल, "ग्रॅटलाटा", डी-विग, प्लाट नं० 38, ग्रॉफ व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकी कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/17701/ 84-85 श्रीर जे। मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनॉक 1 मार्च 1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी महायह श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-3, बम्बर्ड

दिनाँक: 28 श्रक्तूबर 1985

प्रकृप बाहे . टी . एम् . एच . -----

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सुचना

भारत चरुवानु

कार्यात्तव, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ह

वम्बर्ध, दिनाँक 28 अक्तूबर 1985,

निर्देश सं० ग्रई--3/37-ईई/17671/84-85---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उनका जिभिनियम' कहा नया हैं) की धारा 269-च के जधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मारित, जिसका अचित बाजार मृत्य

1,00,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० फ्लैंट नं० 16 जो 3री मंजिल, भूमि जिसका सर्वे नं० 30, 31, 32 और 69, एच नं० 1, 2, 3, 6 और 8 सीटीएस नं 432, प्लाट नं 16 ए, व्हिलेज वालनाय तालका बोरिवली मालाड, बम्बई

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से बर्णित है), और जिए । करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने व। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत ते बिपक है जौर बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के मिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्मानिकत उच्चेस्य से उचत अन्तरण निवित में गराविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बृत्यरण सं हुई सिली बाय की बाबस, उक्स बाधिनियम के बधीन कर दोने के बन्स,रक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; बारि/सा
- श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिटी स्वारा प्रकट वहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए भा, जिनाने में तुनिभा के चिदः

क्षतः सक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नसिचित व्यक्तिकों, अर्थात् ह— 1.मेमर्स लेन्डल इंटरप्रायजेस।

(श्रन्तरक)

2. मेन्सं श्रा रेमड वि० फर्नाडीस।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वनित तंपीति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस क्षणा के राज्यन में प्रकारन की वाडीच है 45 किय की अपर्डंच ना सरक्ष्मणी न्यूरिंग्यों पर क्षाना की तासीन से 30 दिन भी सर्वांच, को भी सर्वांच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीनत न्यूरिंग्यों में वे कियी स्पनित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रक्राशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थय्दीकरण:----इसमाँ प्रमुक्त शन्दों और वदों का जो उक्का के बिधानम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गवा है।

नग्त्र्यी

पनैट नं 16 जो. 3री मंजिल, भूमि जिसका सर्वे नं 30, 31, 32 और 69, एच न 1, 2, 3, 6 और 8, सीटीएन नं 432, प्लाट नं 16ए, व्हिलेज वातनाय, तालुका बोरिवली, मालाड, बम्बई में स्थित है। श्रनुमूची जैनाकी क म श्रई-3/37-ईई/17671/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1 मार्च 1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद नक्षम प्राधिशारी सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण), धर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 28 श्रक्तूबर 1985

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांत 28 शक्तुबर 1985

निर्देश सं० ऋई--3/37--ईई/17570/84--85----यतः, मुझे ए० प्रसाद,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी मं० पर्लेट नं० ए/22, जो, 2री मंजिल, नालंदा-1 प्राट नं० 32 और 33, मार्वे रोड, ऑफ बालनाय विहले हैं, माराड (प), बम्बई-64, में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध ख्रुमुची पे और पूर्ण क्य से बणित हैं), और जिसा करारनामा ख्रायणर ख्रीवित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के ख्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि परी के गार्यात्य में रजिस्ही हैं, तारीख 1 मार्च 1935

को पूर्वीलय तस्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के सममान वित्रास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभावर्गीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे बन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेपर से उक्त अन्तरण के बिरा मा में अधिक से अधिक उच्चेपर से उक्त अन्तरण का बाम है :—

ालाण २ इप्रिक्ति। काय की बाबल, बाबल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्थ मों कभी अपने धा सम्बंधा के जिल्ला, करिया

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या निरुग्त जाना धरिंद्र भा, स्थितने में सुविधा अधिकार।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री श्रीमती राजिदर पुगा और अन्य । (भ्रत्तरः)
- 2. श्री भूरेण जगनानी

(अन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पृशंकित संपरित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामीन से 30 दिन की वनिंध, को सी नविंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंबत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति कमारा:
- (क) इस सूचना को राजधन सौ प्रकाशन की ताराक स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित्यवृथ किसी अन्य व्यक्ति। दवारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त लिक्टिन सो किए पर प्रकार।

स्वध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्दों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को जस अध्याय में विषा सवा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० v/22 जो, 27 मंजिल, नालंबा ~ 1 , प्लाट नं० 32 और 33 मार्वे रोड, ऑफ वालनाय किंहलेज, मालाड (प), बस्बई ~ 64 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी ऋ० स० अई-3/37-ईई/17570/84-85 और जो 1 मार्च 1985 को रजिस्टर्ड बिया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28 धनतुबर 1985

प्ररूप आर्च, टी. एन. एस. -----

المساوية والمعلق المستعددة المستعددة المستعدد ال

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आगकर आध्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--3, वस्वई

बम्बई, दिनां । 28 अन्तुबर 1985

निर्देश मं० अई-3/37-ईड/17993/84-85---यतः. मझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-श को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंदि जि की संव फ्लैट नंव ड 12 जो 3री मंजिल, िगीट इमारत, श्रांफ मार्वे रोड, सालाई (प) बस्बई-64, में स्थित हैं (और इनो ज्यावद्ध श्रनुसूची में ऑर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिल्ला ल्यानामा श्राय- र श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 र, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख़ 1 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके स्थमान प्रतिफल से एसे सम्प्रान प्रतिफल का पन्त्र प्रांप्तात से अधिक हैं और अन्तरण के लिए ध्रम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श से उन्नत अन्तरण निम्नलिखित उद्दर्श्य से उन्नत अन्तरण

- (क) अन्तरण से ब्रुड किसी नाथ की नावत, उक्त विधिनियम के नधीन कर दोने के अंतरक के वाधित्व में कमी करने का उससे बचने में स्विधा के निए; वीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

नतः सन, उन्त सीयिनयम की थारा 269-ण से ननुसर्ज वी, जी, उन्त सीपिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नपीन, निम्नलिखित स्पन्तियों, सर्वात् :---- श्री निवेटींग जीसफ हिसीसा।

(भ्रन्तर हा)

श्री थॉम : ॲन्योनी ।

(अन्तरिती)

का यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी व बें 45 दिन की क्ष्मींथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बींथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविधत में किइ आ सकींगे।

स्पद्धीकरण:—हममे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जीभिनियम, के अभ्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलैट न० ई-12, जो, 3री मंजिल, बिरीट इमारत ऑफ मार्वे रोड, मानाड (प), वस्वई-64 में स्थित है। श्रनुसूनी जैनाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17993/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिसारी बस्बई हारा दिनाक 1 मार्च 1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> ्र प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक प्रायुक्त (नि रीक्षण), अर्जन रेंच-अ, बस्बई

दिनाः. 28 अक्तुवर 1985

भोहर :

प्रमण आहर यो एस एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा २६७-घ (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां र 28 अन्तूबर 1985

निर्देण मं० ४६-3/37-85/17905/84-85--अतः मझे, ए० प्रसाट,

अफ़न्तर एक्टिनिस्क, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक **हैं**

श्रीर जिसकी ग० फ्लैंट नं० 504, जो, 5वी मजित, "एफ" विग. मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (मौर इसमें इपाबद अनम्ची में म्रीए पूर्ण रूप रे विणित है), ग्रौर चित्रका प्रशासना आयकर अधिक्यम १९५१ की धारा 269म, ख के अधीत बम्बई िखन भवम माधिकारी के रायांत्रय मे पजिल्हा है, टारोख 1-3- 9०5

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिता की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार हुँ स्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गता प्रतिपाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरूण से हुई किसी आय की बाबत, नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम., 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अपत बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, । त्रम्नी संस्थित व्यक्तियों, अर्थात :---6 3 -- 386GI/85

()) भी गिल्पई एक्बेरा ।

(अस्यपनः)

(2) मेर्स्स आए० जी० बिन्डर्स प्रायवेष्ट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर हचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की *सार*ीस रू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे इस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिभानिका हैं, बहुी अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में निया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैप्ट न० 504, जो, 5वी मजिल, "अष्टलाष्टा", "एफ" विंग, मार्वे रोड , मालाड (प), बम्बई-७३ में स्थित है ।

अन्युची जैसा हि के० म० अई-3/37-ईई/17905/84-8 र प्रार्थ जो नजन गान्य रागी जम्बई द्वारा दिवाक 1-3-1985 को रिजम्हर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम त्राधिकारी महाबक ग्राबकर ग्रावृक्त (निरीक्षण), जर्ज रोज−3, बम्बई

दिना ह . 28-10-1985

प्रस्तव सार्वे की एक राव --

(1) इंडिंग्य हैड़ोिंग उंडस्ट्रियल प्राग्ये**ट लिमिटेड ।** (अन्तरक)

(2) शीमनी स्मीलाने। रमीजलाल संघवी ग्रांट अन्य। (अन्तरिती)

भागकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर संस्ता

भारत गरकार

कार्यालयः, महायक अएकर तायक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज-3 बम्बई

इम्बई, दिनांक 31 अक्तवर 1985

निर्देश मं० अर्ड-3/37—र्डर्ड/17261/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर करिएनम् । 1961 (1961 का 13) तिसं इसमें समने उठवात (तकत अधिनियम) कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्ता जित एका पत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० पलैट नं० १, जो न्ल माला, मर्वे नं० 179, जी० स्रो० डी० गेट के सामने मछूभाई रोड मालाड (पू), बम्बई—64 में स्थित है (स्रौर इमने ज्याबद्ध अनस्ची में स्रौर पर्ण कप में विणित है), स्रौर जित्रण करारनामा आयवार अधिस्यिम, 1961 की धारा 269 न, ख ने अधीन, बम्बई स्थित नशम प्राधिकारी के गार्याचय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिपाल के लिए अंतरित की गई है और एक यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रस्त दृश्यमान प्रतिफाल में, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रस्त प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाटा गण प्रति फल निम्निलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है —

- (क) संधरण से हुइ किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के विभिन्न में कभी करने या उपसे दचने में सिवधा के लिए; बार/बा

बतः बन, उक्त कधिनियम की धारा 269-य क्रं अनस्त्रण बं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) खे सधीन, निम्निलिक्ट खाक्तियों, गर्थान को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के दिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उद्देश सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कोई भी वाक्षण :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, या भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बदा है।

अन्स्ची

फ्लैट नं 2, जो तल माला सर्वे सं 179, जी श्रो डी , गेट के मामने, मछुभाई गोड. मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अगुर्ची जैसा ि क० म० मई-3/37-ईई/17261/84-85 स्रोग तो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिना रु 1-3-1985 को जिस्टर्ड रिया गया है।

ए० प्रसाद, जन प्राधि गरी अर्जन रोज-3 वस्बई

दिनाक 3 -10--1985 मन्दर प्ररूप बार्ड. टी. एन. एसा.-----

नावकर निधीनयम, 1961 (1961 नक 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भाका सरकार

कार्यासव., सङ्ग्रहक माधकर आवाबस (निरक्षिण) अजनरेज-3, बस्दई

बम्बई, दिनांदा 26 अस्तूबर 1985

निर्देश म० प्रह्-3/5/- हि 1/319/81- .. १० -जित मुझे,

अवस्थार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे भाके पक्षाच् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख में जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मृत्य 1, 00,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 401, तो 4यी माजल, मलगी अपार्टमट, ए-विग, एन० एल० काउ ोड, नामनार बाबता, महाराष्ट्र (प) बम्बई-64 में स्थित है (प्रार इत्तर उन तब जनमुचा म यार पृष रूप से वर्णित है), ब्रांस जिसका उपायामा सवाज वर्धितिक्रम 1961की धारा 269 ज, खन्म जर्जीन, धमबई स्थित संसम्प्राधि हारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को मुम्बोक्क सम्मत्ति के जीलस बाजार भूत्य से अम के उपयमान प्रविकास के लिए अन्तरिक्ष को नहीं हैं पार मूपा रह विविध कारने का कारण है कि यभापुधावस सम्प्रांत का उन्ति वाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल स एस दश्यमान प्रश्तिकल का पद्भ प्रतिवात से अधिक ही ओर अंतरक (अंतरको) और वातोस्ती (अन्तरिक्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीचपात निष्यतिवित उपुत्राध्य से उचक अन्तरण निष्यत मे व्यवसम्बद्ध रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त आध-नियम के अभीन कर दने को अंसरक के दायित्व में कारी करको या उससे बचने में सुविधा के लिए; मेश्व/या
- (बा) बुँबी स्थिती साथ मा निस्ती धन या अन्य अतस्त्रया नमें जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या भागमुद अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भूत या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के विकास

बद्धः अध, उन्स अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में इन्त अभिनयम का करा 200- की उपनार । कें अधीन, निम्नालाखन व्यक्तिया, अधात् ,

(1) नैदर्गयी मध्तंगी उन्स्टनगर उम्पनी।

(अन्तरह)

(2) श्री एट० के० असा हाय हरा

(जन्म(रती)

को यह सहस्रका अध्ये अध्यक्ते पूर्वोक्त सभ्यति क वर्षक के लिए कार्यमातिमां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविनि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की रागील से 30 दिन की अवधि, जो भा अबिध बाद म समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त र किता मान ना किसी अवंक्स अवारा;
- (स) इस सचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितमस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिमित्त में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अध द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**वा,

पलैट नं ० 140, जो 4थी मजिल, मातगी अपार्टमेंष, ए-विग एन० एन० फास रोड, सोमवार वानार, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनमूनी जैसा हि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17319/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिवा ह 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षन प्राधिकारी, सहाय । जाय कर जायुवन (शिरीक्षण) अर्जन रोग-3, बम्बई

विभां .: १६ - 1-1985

मोहर्

प्रकृष् नाइं.टी.एन.एस.

जायकर जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कभीन सुमना

शाहक बहुकार

कार्यक्ष, सहायक काथकर जायका (निरीक्षण)

अर्ज र रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिना ह 28 अक्तूबर, 1985

मिर्देश सं० अ**६**-3/37-**६६**/17304/84-85--अत. मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिंग इस्त इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बायार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिवक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 13 श्रीर 17. जो पृष्ता एतिनी, मन्तूछाभाई रोड, मालाट (पूर्व), बम्बई--97 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है) श्रीर विषय करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 छ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1--3-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति से उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रीतकम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्नेंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बुक्ब, उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत से बिधिक हैं और बतरक (बतरकों) और बर्तारती (बन्दिरिडिकों) के नीच एसे बन्दरण के लिए सम पामा गया प्रतिकल, निम्नसिक्त उद्बोध्य से उन्स बन्दरण सिक्षित में बास्तिकृत कुम से किया नहीं दिक्या गया हैं कुन्

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाम की बाबत सकत अधि-गिमक के अभीन कर दाने के बन्तरक के दारियत्व भा कभी करने वा सससे बचने में सुविधा के लिए बीर/या
- (ण) वृत्ती किसी बाय या किती धन या अन्य जान्दियः कर्ता, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीहरती बुनारा प्रकट नहीं किया पया था का किया धामा धारिए था, कियाने से मुविधा के किया

जतः जब, बन्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, नो, उक्त अधिनियन की धारा 269-घ की उपभारा (1) के नधीन, निम्नलिबिस अफिस्या, अर्थात् :--- (1) श्रीमतीपी० मःश्रीं।

(अन्दर ह)

(2) श्री कं एने गुप्ता।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना चारी करके पृथ्वित सम्परित को नर्धन के लिए कार्यवाही करता हो।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा करेंचे भी आक्षंप .---

- (क) इन मुख्य स्कारकार न जिल्लामा की नाराम स्वाह विन की अवधि या तत्कामान्त्री व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मे। अवधि बाद मी समान्त होती हो, को भीतर प्जॉक्ट व्याहस्यास्त्र स्वीत्सी का। क्स सुकार्ता,
- (कः इन गलका का राजणा मां प्रकाशन रात शरील का 45 विन को भीभर उक्त स्थायन सपति भी हिन अवभ किसी काम का का द्वारा अधोतस्ताकारी की यभ निकास मां किए का मकोगे।

स्पथ्डीक रणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बच्चाद 20 का में परिभाषित हैं, यहां तार्र भूति का तार्र करता । १००० - १००० - १००० - १००० - १००० हो।

अनुबुधी

प्लाट नं । 13 श्रीर 16 पुष्पा हालोनी, मन्तूछाभाई रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई--97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17304/84-85 भीर जो तक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनार 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28-10-1985

प्रकल आहे ही स्म ला.....

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धार 265-अ (1) क संधीन सकता

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाग राज−3, बम्बई

बम्बई दिनाक 28 अक्तृबर, 1985

शिर्देश स० **ंड-** 3/37-ईई/17920/81-85--अत. मुझे,

ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिस इममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण ही कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- क. से अधिक ही

याँर जिसकी स० दुकान त० 4, जा, अमीजरा गापिंग मेटर, मालाङ् मामलनदार पाडी, मालाङ, बम्बई-64 में स्थित है (याँर इसस उताबद्ध अवस्थि राष्ट्र यूर्ण कर विणत है), ग्राँर जिसा। पारार् मामा जायरा शिवियम १५ विकास 269 त, खार अधील, बम्बई स्थित किम प्राविष्य री दे । योलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का प्राप्तित समाप्त है उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण ही

कि यथापूर्विक्त उम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके क्य-मान अतिकल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं भाधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिकित उद्देश्य में उन्हें अत्रण निमित्त में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन्ने किसी नाम को बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कार दोने के अन्तरक फ दायिक्त पा निर्माप रस रा उपस तमने में सृतिधा के 'साए, आर/था
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ुरे उस के लिए;

कत्र जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मं सबस अधिनियम भी गरः _ - - की उपधारा (1) के अधीर, निम्बलिकिन व्यक्तियों, अर्थाद् .--- (1) सूरज उदयद्ग्द।

(अन्तरक)

(८) श्री एस० अरद शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रोप :---

- (क) इस मृथना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के जीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति हुए।
- (ध) इस स्थान क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबच्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाइ स्थान के किस के किस का किस के किस किस के किस किस के किस किस किस के किस किस के कि

स्यष्मीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, श्री स्वयः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राणिक है वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्थी

दुकाप न० 4, जो, अमीजहरा णापिंग सेटर, मामलतदार वाडी, मालाउ, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि न न अई-3/37-ईई/17920/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-3, बस्बई

दिसार 28-10-1985 मोहर प्ररूप बाह्". टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) की वधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 भ्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० ग्रई-3/37—ईई/17678/84-85--ग्रतः मुसे, ए० प्रसाद,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्टे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 102, जो. 1ली मंजिल, मानंगी कृपा, एन० एल० का : राष्ट्र 1 सोमवार बाजार, मानाइ (प), बम्बई—64 में स्थित है (ग्रीर इन्त उपायत अनुसूचा में ग्रार पूर्ण के न विणित है), श्रीर जिसका करारनामा प्राय हर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क, श्र के ग्रिधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्योंक्त सम्पत्ति क उचित नाजार मूज्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों), और अंतरिती (अंतरितिमों) के नीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपा

- (क) ब्राह्म सं क्ष्युं है किया काम की वायल सक्त ब्राह्म विषय के ब्राह्म कर या के अन्तरक की वासिक रे कियों कारने या नसुस विषयों में सुविधा की सियों;
- (क) ऐसी किसी जार वा किसा धन अन्य वास्तियां की, विन्ही भारतीय नायकर विधिवयम्, 1922 (1922 का 11) या उथतः वाधिनयम्, या धन-कर विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) व्ह प्रयोजनार्थ अन्तिरिती युवारा प्रकट नहीं किया पता वा वा किया वाना वाहिए वा क्याने में स्विधा वे किए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बो, बो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बी बधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अधीत ...--

- (1) मे यमं श्री महालक्ष्मी फन्स्ट्रन्थन कंपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री आरः एमः चोटालिया और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह युवना बारी कर्ट पूर्वाक्त सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करुता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सक्तें

स्पच्टोकरणः ---- इरास प्रयुक्त शब्द और पदाँ का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो, 1ली मजिल, मातंगी कृषा, एन० एल० क्रास राड़ 1,मोमवार बाजार,मालाड (प), बम्बई–64में स्थितहै।

श्रन्मूची जैसा कि क० स० श्रई-3/37-ईई/17678/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनाक 1~3-1985 को रस्टिङ किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज~3, बस्बर्ध

 $r \subseteq \Gamma$

दिनौंक : 31-10-1985

मोहरः

प्ररूप कार्ष टी. एत. एस. -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 का (1) के बधीन मुखना

WITE STATE

शायांसय, सहायक नायकर वायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनॉक 31 स्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० स्रई-3/37—ईई/17384/84-85—-स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विकास करने का कारण हैं कि स्थावर राज्यींत जिसकर उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी गं० राधा निवास, जो लिन्नर्टी गार्डन रोड न० 1, सी० टी० एस० नं० 189, 189/1, मालाड, बस्वई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची से ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के क्षवमान प्रतिकल के लिए वन्तिरत की नई है कोर मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि वना पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके क्षवमान प्रतिकल से नन्द्रह प्रतिकल से विश्व विश्व की कि वीच एसे वन्तरक (वंतरकों) और अंतरिती (वंतरितिकों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिस उद्देश्य से उक्त वन्तरण सिखित में नास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकर अधिनियम के अधीन कार दाने के अंतरक के रोगांच के प्राणी कार प्रेम सम्मान गाँउ गाउँ
- (य) इंशी किसी बाय या किसी धन या बन्य आम्तिय! की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11' या उक्त अधिनियम, या धन-कर क्षित्रियम, 1957 (1957 का 27; की प्रयोजनार्थ अंतिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिथ;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारत (1) के अधीय, निम्नलिकित व्यक्तिकों, कर्मान --- (1) मैपर्स प्रमा जनस्ट्रक्शन कंपनी ।

(ग्रन्नरक)

(2) मेसर्म देवरा कन्स्ट्रवशन।

् (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हु।

इस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर ह-

- (क) इत सूचना के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ध्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किश्ती अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास ितिकत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसम प्रयुक्त कब्दों बीर पदों का, जो उक्क नीभीनयम, के नध्याय 20-क में परिभाषिक ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ग्रनुसूची

राधा निवास, जो लिबर्टी, गार्डन रोड नं 0.1, सी 0.50 एस 0.51 नं 0.1891, मालाड, बम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि क० सं० ग्रई-3/37—ईई/1738/84— 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रनाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज-3,बस्बई

दिनॉक: 31-10-1985

प्ररूप आई. हो. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 28 अक्तूबर 1985

निर्देण सं० अर्ध-3/37अर्थ्ड/17676/84-85-अनः मुझे, ए० प्रसाद,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्पाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। उसे मंजिल मालंगरी कवा

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, मातंगयी कृषा, सोमबार बाजार, मालाड (प), बस्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), आर जिसका करारनामा आयार प्रधिनियन, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~3~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ध यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिम्बित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) पैसर्स था महालक्ष्यः कल्स्त्वराः। कपनी ।
 - (अनारह)
- (2) श्री ए० डी० मराठेऽ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-दन्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के राम निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

गरसची

प्लैट नं० 302, जो, 3री पंजिल, मातंगी कृपा, सोमवार बाजार, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रमुसूची जैंगा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/17676/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा वस्वई द्वारा दिनॉक 1-3-1985 को रजिस्टर्र किया गया है।

> ए० प्रनाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक : 28-10-1985

प्रक्य बाइ. टी. एन. एत.-----

बावकार बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

पर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, विनौक 28 धन्तूबर 1985

निर्देश सं॰ भई-3/37-ईई/17890/84-85:---भतः मुसे, ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी संज् हु तात नं ० ४, जो, अमी आरा मार्निंग सेंटर, मामलत-दार वाडी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जित्रका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 260 क, ख के अधीन, बम्बई सक्षम स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके स्वयभान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बम्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्शिलिकत उद्वेश्य से उक्त अंतरण दिस्ति में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) बन्तरण से हुई किसी बाब की शावत, अ बच बीधिनियम के बचीन कर दोने के धन्तरक के दामित्य में कमी करने वा खबसे बचने में सुविधा के निए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्या आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, व्याने में सुविधा के सिए:

बत: बब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण बं, जाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) बै अधीर नियनतिश्वित खब्तियों, वर्षात् ३---64 --386GI/85 (1) श्री सूरज उदय दूस्ट।

(बन्तरक)

(2) श्री एउ० पार० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का बैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुघना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थाबत दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरक्षित में किए का सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे श्रमुक्त काब्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित हाँ नहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका पत्रा है।

वन्स्ची

दुकान नं० 4, जो, भ्रमीभारा भारिंग सेंडर, मामल तदार वाडी, मालाड (प०), बम्बई--64 में स्थित है।

भनुमूबी जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37-ईई/17890/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बज्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव, सञ्जव प्राधि हारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैत रेंज-3, बस्बई

दिनौंक : 28-10-1985.

मोहरः

प्रक्रम बाइ. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के अधीन स्वता

मारत करकार

कार्यक्रम , सहास्रक भागकर सायक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 28 श्रक्तूबर, 1985

निर्वेश सं॰ प्रई-3/37-ईई/17966/84-85--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षान् प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उच्चित बाजार महन्व 1,00,000/- रा. सं अभिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, ज्लाट नं० 16-ए०, सी० टी० एस० नं० 432, विहलेज बालनाय, जे० वी० कालोनी, भोलेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इपसे उपाधद्ध भनुसूर्यः में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भायकर श्रीध नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रद्धीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीध कारी कार्यालय में रजिस्दी है, तरीख 1-3-85

फी प्वांकत सम्मत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान शितफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है जीर मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्मत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह गित्रशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्ध चं उक्त अंतरण सिखित में वास्तिवक रूप से किंग्ल गष्टीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) श्रेकी किसी जाय या कसी भन या अध्य आस्तियों कां, फिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए:

गैंत: वर्ष, उर्वत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, है, उर्वत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभी भ, गिम्मिनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् है.....

(1) मैसर्सं ग्लेन्डल इंटरप्रायबेस।

(ब्रन्डरह)

(2) श्रीमती विरजिनिया लोगे।

(भग्तिस्ती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के तस्काभ में कोई भी बाक्षेप 🌤

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया समा है।

मन्स्ची

फ्लैट नं 0 18, जो, 4धी मंजिल, प्लाट नं 0 16-ए, सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 432, विहलेज बालनाय, जे 0 बी 0 कालोनी, फ्रोलैम, मालाड (प0), बम्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैता कि कि के सं० भई-3'37ईई/17966/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाप, दक्षम प्राधि गरी सहायक घायवर घायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-3, बम्बई

दिनॉफ : 28-10-1985.

प्रकष् भाष्, टी. एन. एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्त्र)

श्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

बम्बई, दिनौक 28 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईई/17677/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 209-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० दुकान नं० 5, जो, तल माला, ए-विंग, मातंगी श्रार्टमेंट, सोमवार बाजार, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉगत है), श्रीर जिनका करारनामा श्राय हर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम ग्राविकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को प्वीवत सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंदरण से हुई किसी बाव की बाबत, उबस अधिनियम के अभीन कर दोने के असरक के दायित्व में अन्मी करने या उससे बणने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी भन वा लग्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय कायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनयम, वा भनंक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, समित् क्ष्मिन (1) मेलर्स श्री मातंगी करस्द्रक्शन कंपनी।

(यन्तरह)

(2) श्री श्री०एम० कटारीया।

(भन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कःविवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏣

- (क) एत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर
 सूचना की तामील से 30 दिन की बबिंध, को भी
 बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में स न्यांकित व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवच्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अपोहस्ताअ्री के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे: जो उस अध्याय में विका गया है।

मनुषुची

दुकान नं० 5, जो, तल माला, ए-विंग, मार्तगी अपार्टमेंट, सोमबार बाजार, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/17677/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राविकारी बल्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रताद, सक्षम त्राधि हारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौक: 28-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.,------

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). सर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई, दिनौंक 31 प्रक्तूबर, 1985

निर्वेश सं० **घई**-3/37-ईई/1 7385/84-85:---मतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिन्नकी सं० प्लाट नं० 7, जो, एल० टी० नगर, रोड़ नं० 1, सर्वे नं० 13, सी० टी० एन० नं० 100, 160/1 से 6, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प), बज्बई—62 में ल्यित है (श्रीर इनते उपाबद्ध भनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वींगन है), श्रीर जिनका करारनामा भायकर श्रीविन्यम, 1961 की धारा 260 के, ख के श्रधीन बज्बई स्थित सअम श्रीविकारी के कार्यालन में रिजिट्ट्री है, तारीख 1—3—85 को पूर्वेवत सम्पत्ति के उचित वाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा। पूर्वेक्त रामित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्ताह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकी) और अंतरिती सिए तय पाया पया प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त कंतरण लिखित में वास्तिकल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त कंतरण लिखित में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने वा उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्बलिबित व्यक्तियों, बर्थात्:—

(1) श्री शारव जीव सारंगले।

(यग्वरह)

(2) पेसर्वे प्रथय कन्स्ट्रक्यन कंपनी ।

(पग्तरिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अवर्णन को संबंध में क्षेत्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी स्मिक्त व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए पा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

प्लाट नं ॰ ७, एल ॰ टो॰ नगर, रोड़ नं ॰ 1, सर्वे नं ॰ 13, सी॰ टी॰ एउ॰ नं ॰ 100, 160/1, से ६, एम॰ जी॰ रोड़, गोरेगीय (प), बङमई-62 में स्थिति ।

अनुसूत्रो नैना कि ऋ० स० अई-3/37-ई१/17385/84-85 भीर जी सजन प्राप्ति कारी बन्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 की रजिस्ट है किया गया है।

ए० प्रशाद, समन नाथि हारो, **सहायह यायहर धा**युक्त (निरीक्षण), **पर्जन रेंज-3, यम्बर्**

दिनोक: 31-10-1985.

पोष्टरः

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) धर्जन रेंज- 3. बज्बर्ध

बम्बई, विनौक 31 श्रक्तूबर, 1985

निर्ह्रोग सं ॰ भई-3/37-ईई/17300/84-85:---- प्रसः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जितिही संव्यूनिट नेव 123, जो 1ली मंजिल, गृह गोबिंब सिंग इंडस्ट्रिन्स इस्टेट, वेस्टर्न एक्त्रोत हास्वे, गोरेगाँव (पूर्व), यज्बई—63 में स्थित है (प्रोटइ ति उताबद्ध अनुसूत्रों में घोरपूर्ण कर से बींगत है), घोर जित्र हा करारताना आज हर ध्रिविजन 1961की धारा 200 हे, खरेश बोंग, बाब है स्थित तक्षम प्राधि हारी, कारों के कार्यालन में रजिस्ट्रों है, सारोख 1-3-1985

को पूर्वेक्त राम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंद-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक कम से किश्त नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के तिए;

बंध: जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के जनुसरक बें, बें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की क्यभारा (1) के बधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री वे० डब्स्यू० घाटबलानी ।

(घग्उरक)

(3) थी एल॰ चौघरी।

(पार्वाखी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो एस अध्याय में दिया गया है।

भग्त्वीं

यूनिट नं ० 123, जो, 1ली मंजिल, गुरु गोबिद सिंह इंडस्ट्रियल इस्टेंट, वेस्टर्न एक्जेंस हायवे, गोरेगॉब (पूर्व), बन्बई-63 में स्थित है।

भनुसूबी जैसा हिन्न ० सं० भई -3/37-ई हैं/17300/84-85 भोर जो सजन प्राविहारी बन्बई द्वारा दिनोह 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राप्तिकारी, सहायक प्राप्तकर प्राप्तुक्त (निरीक्षण), वर्षन रॅज-3,बस्बर्द

दिनोंकं : 31-10-1985.

बोद्धर :

श्रक्ष आई. टी. एन. ए६. . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की बाउ 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत बर्कान

कार्यालय, तहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनाँक 31 भक्तूबर, 1985

निर्द्रोश सं० प्रई-3/37-ईई/17275/84-85:--मतः मुझे, ए० प्रसादः,

कायकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृक्ष

1,00 000/- रत. से अधिक है भ्रीर जिलका संबद्धान नंव 9, जो, शिव पार्वती अतूर की-आवव हार्डीतग सोताईटा लि०, इमारत नं० 3, ग्रीर 4, सायन ट्रान्बे रोड़, चेंबूर, बस्बई-71 में स्थित है (फ्रोर इतसे उपाबद धनुसून) में भार पूर्ग रूप से वर्गित है), और जितका करारतामा आपकर भविनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रयोग, बन्बई स्थित सक्षम प्राप्ति हारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारोख ा-3-1985 को प्रवासत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की विश्वास करने का मुभ्ते यह कारण कि यथा पर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल स एसे दरमान प्रदिक्तल का पद्रष्ठ प्राप्तशत से विभिन्न 🗗 बार अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित

रहा किया गया है :---

- (क) नृत्यरण संहुद किसी काय की शब्द, अवद आधानयम् क नृथीन कर दोने के नंतरक के शायरक में कमी करन या उद्दस नृषत मा सुनिधा क (अए; नोट/वा
- (क) प्रेसी किसी बाय वा किसी थन या बच्य बास्तिया कां, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को, अनुसद्गण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में उसं श्रोरोएन्टल सम्मुलेटिंग खायमेरो ।

(भग्नरह)

(2) थी एम० सी० सेराई।

(भग्तरिसी)

को यह सूचना जारी यादुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यशादुश करता हुं ह

उपत सम्पत्ति को क्यांन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (च) इस स्वया के राजपण में प्रकाशन की नारीब से
 45 दिन की अवधि या तत्सवधी क्यक्तियां पर
 स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि याद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स
 पालत्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वाराध है 45 दिन के भीतर उकत स्थाबर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पष्डिकरण: — इसमें प्रयुक्त कार्की और पर्वो का, जो उपन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ्यम हैं।

अनुसूची

दुना नं० 9, जो, शित्र पार्ततो भनूर पार्तको नप्रॉन० हार्जीसग सो ताईटो लि०, इनारत नं० 3, श्रोर 4, साबन ट्रान्बे रोड़, चेंब्रर, बम्बई-71 में स्थित है।

भ्रातुसूची जैसा कि कि कि सई-3/37-ईई/17275/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बन्धई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रिजल्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सञ्जन प्राधिकारो, सहाव ह प्राप्त हर पायुक्त (निरोक्षण), धुक्त रेंज-3,बुर्बुई

विनोक: 31-10-1985

प्रकृप कार्ड. टी. एप. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-3,बम्बई

बम्बई, दिनौंश 24 श्रश्तुबर, 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/17936/84-85:--श्राः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीत के साथ स्ट्रम्बर, जो, प्लाट नं० 24, सर्वे० मं० 140ए श्रंण 3, एव०नं० 3(श्रंण), सी०टी०ए न०नं० 833 श्रीर 833 ए, जी० वी० सितम, मुलूंड (पूर्व), बन्बई-81 में स्थित हैं (श्रीर इन्से उपाबद्ध श्रनुसूर्वः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जित्रमा करारनामा श्रायकर श्रवितियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीन, बन्बई स्थित उज्जन माबिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वाक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करन का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृस्य, उसफे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिषक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन निम्निलिश्वत उद्देष्य से उक्त अंतरण किवित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) शंतरण से हुइ किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक की शामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्पाने में मृत्यिभा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात (1) श्रीमती, सुहातिनी सदाधिव गुमर्जा।

(अन्दरह)

(2) मैसर्स शिव श्री कन्स्ट्रक्यान ।

(श्रःतरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

बन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड़ भी बाह्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी का कितयों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील में 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर गर्मात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिशाधिक हैं, वहीं अर्थ हागा का उस अध्याय मा निवयः भया हैं।

वन्स्ची

जमीन के साथ स्ट्रक्कर, जो प्लाट नं० 24, सर्वे नं० 140 ए श्रंश→3, एच० नं० 3(श्रंश), सो० टो० एउ० नं० 833 श्रोर 833 ए, जो० वि० स्कीस, मुलुंड (पूर्व), बस्बई—81 में स्थित है।

भनुसूची जैजा कि क० सं० अई-3/37-ईई/17936/84-85 भौरजो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रााव, सभन गांवे तारो, सहावक श्रावकर श्रापुत्ता (ितीभग), श्रवी रोज-3,वश्यई

दिनांक : 24-10-1985.

MIRK A

प्रारूप आहूर.टी.एन.एस. -----

भायकर नीधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक वायकर वायकत (निरीक्सण) धर्जनरेंज-3, बम्बई

सम्बर्ध, विनांक 24 धन्त्वर, 1985 निर्देश सं० धर्ध-3/37-ईई/17278/84-85:---धतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्य 1,00,000/-रः से अधिक है

भीर जिलकी सं० गोडाउन नं० 212, जो, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 280, प्रणा रोड़, भाड़ूंन, बम्बई -78म स्थित है (श्रीर इससे उनावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा प्राप्तकर श्रीविन्यम, 1961 की शारा 269 क, ख के अवीन, बम्बई स्थित सजन प्राविकारों, के कार्यालय में रिजस्ड़ी है, तारीखा 1-3-1985, की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, असके दश्यमान प्रतिकत से, एवे दश्यमान प्रतिकत का स्थाप दिस्म स्थाप्ति का उचित वाजार वृक्य, असके दश्यमान प्रतिकत से, एवे दश्यमान प्रतिकत का निप्ति के विषय एसे बन्तरण से निए तय पाया गया प्रतिकत का निप्ति सिवत उद्देश्य से उनत जंतरण सिवित के वास्तिक क्य के कवित नहीं किया प्या है दन्त जंतरण सिवित के वास्तिक क्य के कवित नहीं किया प्या है दन्त जंतरण सिवित के वास्तिक क्य के कवित नहीं किया प्या है दन्त

- (क) अन्वारण वं हुन्दं किसी बाव की वावत, उक्त अधिनिश्य के अधीन कार याने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने वो दुविशा क शिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी थन या बन्ध नास्तिनों कां, जिन्हों भारतीय नायकर निविचम, 1922 (1922 का 11) या उनत निविचम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना नाहिए था, क्रियाने ने नृतिभा के सिए:

बरा: बरा, उस्त विधिनियम की भाग 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की भाग 269-व की उपधार (1) हो बधीन, जिन्नसिवित व्यक्तियों, वर्धार :--- (1) श्रीपी० एन० कोठारी।

(ग्रन्तरक)

(2) म्युटेक एनजी इंजीनियर।

(मन्तरिती)

को यह स्थना चारीं करके पूर्वोक्द सम्परित से वर्षन से विक् कार्यवाहियों करता हो।

सक्त स्थारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप ३---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीब कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दव स्थान की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वीवक व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति ब्वास्:
- (ब) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन् के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थित इंगारा, बधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए वा सकेंगे।

स्वाधिकरणः :----इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् इं., वहीं अर्थ अरोगा वो उस अध्याय में दिवा वया हैं.!!

बनुसूची

गोडाउन नं ० 212, जो, पी ० एन ० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं ० 200 (मंग), सी० टी० एस० नं० 280, झागा रोड़, भाडूंप, धम्बई-78 में स्थित है।

भतुसूची जैसा कि क० सं० भई-3/37-ईई/17278/84-85 भीर जो सजम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिपस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिशारी सहायक पायकर भायुका (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई ।

विमांक : 24-10-1985.

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

यार्यालय, सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 ग्रक्तुबर, 1985

निर्देश सं० श्रई--3/37--ईई/17230/84--85'---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 9, जो, तल माला, इमारत "बी", शरद इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 140, लेक रोड़, भाडूंप, धम्बई-87 स्थित है (ग्रीर इससे उपाषद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किती गांग की गांवस, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के गंगरक के वारित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, टिज्याने में स्विभा के लिए;

कत अब, उक्त बीमिनियम, की धारा 269-ण के बंजुनरच मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) शरव कन्स्ट्रबंशन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमसं लुम्बाजी रामजी एण्ड कपनी।

(भ्रन्तरिती)

का मह सूचना अपनी करके पूर्विक्त संपत्ति को अर्जन की बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपते सम्पत्ति की नर्जन के संबंध की कोई भी वाक्षेत्र 🤄 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्ची

युनिट नं० 9, जो, तल माला, इमारत नं० "बी", गरद इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 140, लेक रोड, भांड्ंप, बम्बई-78 में स्थित है। प्रतुसूची जैसाकि क० म० प्रई-3/37-ईई/17230/84-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-3,बम्बई

दिनाकः : 16-10-1985.

अक्य बार्ड दी एन एस । *******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन

भारत बहुकाह

कार्यात्तय . सहायक भायकर **गामुक्त (निर्दाक्षक)** ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 16 श्रम्तूबर, 1985 निवाग सं० श्रई-3/37-ईई/17871/84-85:--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थाने पश्चात् 'उनत विभिनियम' कहा बया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पद्धित, चिल्ला अधित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गाला नं० 60, जो, विविधाल इंडस्ट्रियल प्रिमाय-सेस की-ग्राप० सोसाईटी लि०, भांग्रूंप विलेज रोड़, बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 का, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नावार मूल्य से कम में दस्यमान भितिफ न के लिए अन्तरित की गर्द हैं जोर मुम्ने यह निश्वाध करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त तंपत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकाँ) और उन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में , वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम् वं भूर किसी बाव की बावत बच्च विधिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के खिलक में कमी करने वा उच्छे दवने में सुविधा के लिए; खीड़ां/वा
- (च) होती किसी बाब या किसी धन वा बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में बृतिधा वे जिल्ला।

वतः वतः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की वनुसरक में, में, इक्त विभिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) में जभीन निम्मितियस स्थितस्यों, वर्षाव् व (1) मैमर्स 3-डी, इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरकः)

(2) मैमर्स रागसन पैकिंग।

(ग्रन्तरिती)

की यह मुखना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भारते हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भं अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ब) इस सुचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, को उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यक्षा है।

मन् स्ची

गाला नं ० ६०,जो, विविधाल इंडस्ट्रियल प्रिमाय ससे को-म्राप • सोमाईटी लि॰, भांडूंप विलेज रोड़, बम्बई-78 में स्थित है।

भ्रनुसूत्री जैसाकि कि० सं० भ्रई-3/37-ईई/17871/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, **प्रमा**र्ह

दिनांक: 16-10-1985.

प्रकार आहें, श्री. १५, एक,------

भागकर माधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 16 अक्तूबर, 1985

निर्वेग सं० ग्रई--3/37-ईई/17508/84--85:---श्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रुप्त. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 9/ए, जो, निरंजन अपार्टमेंटस, हिरा नगर कम्स्ट्रकान्स, नाहूर विलेज मुलूड (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के श्रधीन, सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वोकत संपरित कं उपित वाजार मृश्य सं कम के ध्रयमान श्रीतफल को निए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित वाजार कृष्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिथों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्निलिखित उद्योग्य से उन्त जन्तरण सिवित में बास्त-दिक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की बाबय, उन्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी वन मा नन्य कास्त्रकी का, जिन्हीं भारतीय आयकर निवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक निवनियम, मा अनकर नृष्टिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया क्या का या किमा काना आहिए था, कियाने में सुविधा ने लिए

(1) मैसर्स हीरा नगर कम्स्ट्रवशनम्स ।

(झन्तरक)

(2) श्री हिरो एम० वावला भीर ग्रन्थ।

(भन्तरिती)

को वह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपयु कुम्पति के वर्णन के बन्दत्व में कोई भी भावन :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की बारीय वे 45 दिन की नवींच मा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी बंबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतत पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (व) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकासन की सारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिंदून बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वें गास निचित में किए जा सकोंने।

स्वाधिकरणः ---इसमें प्रयुक्त कस्यों और पया का, वा समक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं मूर्य होगा जो उस वश्माय में विया प्याहीं।

ग्र**ग्**सूची

दुकान न० 9/ए, जो, निरंजन श्रपार्टमेंटस, हीरा नगर कस्स्ट्रक-शस्स, नाहर विलेज, मुलुङ (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37-ईई/17508/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजं**मरोंण**—3,बस्बई

कतः कथा, उनत जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तं, वं, उनत अधिनियम की धारा 269-ग उपधारा (1) औ अधीन, निम्नुमिणित व्यक्तित्त्रीं अधीन, निम्नुमिणित व्यक्तित्त्रीं स्थानि क्र--

दिनांक: 16-10-1985.

बक्स बाद .टी. एन .एस .-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंभीन सूचना

मारत बरकार

क्प्रकासिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षाण) धर्जनरेंज→3, बस्बई

बम्बई, विनांक 16 धक्तूबर, 1985 निर्देश स० ग्रई-3/37-ईई/17232/84-85.--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० यूनिट न० 13, जो, तल माला, "बी" इमारत, णरद इङस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे न० 140, लेक रोड़, भाडूप, बम्बई—78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप संवर्णत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, उच्छ अधिनयम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिह्ह; और/या
- (क) एंसी किसी भाग या फिसी भन पा जन्म आफितमों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनित्तस्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अभिकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा को निए;

बतः अब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण बे, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) बे बभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थातः;— (1) शरद भन्स्ट्रम्मन कंपनी।

(भतरक)

(2) श्री मुनीलाल पूनमचन्द भोझा ।

(भ्रम्तरिती)

को यह स्थात कारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाद्वियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरपाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक। गया हैं।

अनु मुची

यूनिट नं ० 13, जो, तल माला, "बी" इसारत, शरद इडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं ० 140, लेक रोड, भांड्प, बम्बई - 78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई - 3/37-ईई/17232/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रमाद, सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 16-10-1985.

प्रकार नार्ष टी. एन. एत. ----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातयः, वहायक बायकर बायुक्तः (निर्देशक)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 16 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देण न० ग्रई-3/37-ईई/17357/84-85--ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∠69-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्कास करने का शारण है कि स्थावर सपरित, जिसका उच्चिश बागार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी में बुकान ने 1, जो, क्प-पूजा को-आप० हाउसिंग सो साईटी लिं०, (नियोजित), सर्वे ने 44, मी टी एम ने 667, गवानीपाडा, मेंट गर्रा कान्हेट हाईस्तू ले के पीछे नाहूर, मुलुउ (प), बग्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प से विणित हैं), और जिसहा करारनामा गायकर अधिनियम, ना961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य स कम के क्रयमान ,प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वादां क्या प्रतिक्षक, निक्तिविचित उद्वोच्य से उक्त बन्तरण फिह्तित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ह——

- (क्) अंतरण से हुवूँ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाकित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतत्र वय, उपत क्यिनियम की धारा 269-ग की बन्तरण में, मंं, उपत बिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिवित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) स्प-पूजा को स्नाप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड। (नियोजित)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेण कजलाल काकारीया।

(ग्रन्तरिती)

कार यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कुक करता हूं।

बक्त बंगील में बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के द्रायमन में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वावस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकारी।

स्वक्तिकरणः --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दया वता है।

अवस्त्री

दुकान न० 1, जो, रूप-पूजा को-प्राप० हाउसिंग लि० (नियोजित) सर्वे न० 44, सी टी एस न० 667, गवानीपाडा, मेट मेरी कान्हेट हाईस्कूल के पीछे, नाहर मुलूड (प), बस्बई-80 मे स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० स० अई--3/37-ईई/17357/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षमं प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई ।

विनाक । 16-10-1985 मोहर। प्रकार कार्र ही एक प्रकार स्वापन

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व ध्तमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के निश्तीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० यिनट न० 45, जो, तल माला, विग—बी, शाती इडस्ट्रियल इस्टेट, सरोजिनी नायडू रोड, मुल्ड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूण रूप म विणित है), और जिसका वराजनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकाणि के कार्यालय, में रिजस्दी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वों कत सपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान शितक के सिए जन्सरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उपित बाजार बूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकान को एसे क्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया बचा प्रतिकाल, निम्निसित उद्वेष्ट्रेष्ट से उस्त अन्तरण लिखित को बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) जन्तरण स हुई किसी नाय की बावत, उक्त बीचनियन, के स्थीत कर दोने के बन्तरक के बामिस्थ में कमी करने वा उठते वचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया कवा था का किया चाना चाहिए था, जियाने में वृत्या के जिया के जिया।

अतः अव, उक्त अधिविषय को भारा 269-म के समृबर्ध कें, में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) अं अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ——

- (1) मैं मर्स टिन्ना बिल्डर्स (बाम्बे) प्रायवेट निमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स किर्तन इडस्ट्रिज ।

(भन्तरिती)

की वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त कम्मित के वर्षन के विह

उच्छ संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ इस स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विध्वयों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (व)) इस स्थान के रास्त्रक के प्रकारन की तारीस से 45 किन में डीसर स्था स्थापर सम्पर्ति के हितवस्य क्रिसी जन्म महिला हुनारा न्योहस्तास्का में नास दिनीयत के किए जा सक्षेत्रे।

स्पथ्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त ब्रीप्रियम, से अध्याम 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं मूर्य होगा, को उस अध्याम में विका भगा हैं।

ग्रनुसूची

युनिट न० 45, जा, नल नाला, विग-बी०, शाती इंडस्ट्रियल इस्डेट, सरोजिनी नायश्राह, मुलूड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० स० श्रई-3/37-ईई/17494/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक ायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नम्बई।

दिनाक 16-10-1985 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

णावचार मं शिष्ठक 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ ग्रई--3/37--ईई/17930/84--85----- मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,05,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 110, जो, 3री मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं० 310, 311 और 317, प्रार० पी० रोड़, मृल्ड (प), बग्बई-१० में न्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची से और पूर्ण लग विणित है,) और जिसका कराए-नामा आयकर प्रश्चिनियम, 1961 की की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी है वार्यालय में रिजर्ट् है नारी ख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफान के निए जन्तिरित की गई है और गाउँ यह विषयम कार बे का कारण है कि यथापर्वोक्त संपरित का उचित्र गाजार मृत्य असके दूरयमान प्रतिफात का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरिण के निए तय पाया गया शिवफा, निम्नीजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक में साहतिक कम से कियत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्ही भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना साहिए भा, छिपाने से सविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणः मं, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपारा /ा) के अधिनः, निम्नलिसिए व्यक्तियाँ अर्थातं ः—

(1) युनिक दिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) सैमर्म पावण्डेत इलेक्ट्रानिक्स ।

(भन्मिरिती)

भर वाक्ष सम्बन्धाः आर। वरकः पृत्राच्याः सम्योख्यः को सर्जन को सिए कार्यवीहिया करना हो ।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वासेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजध्ये में प्रकाशन की तारीस से अस्तिक पान स्थायन सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थितित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा हुन्हें है

स्पब्दीक रणः --- इसमें प्रस्कत राज्यों और उन्हें आहे. भी सकत अधिनियम क अध्याय २०-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया ही।

मन्सूची

यूनिट नं० 110, जो 3री मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इमारत, सर्वे नं० 310, 311 और 317, प्रार० पी० रोड़, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि के० सं० श्रह-3/37-ईई/17930/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~3, यस्बई

दिनांक: 16-10-1985

माप्तर :

प्रकप नार्षं, दी. एन . इस , ------

बायकर बाँधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत परकार

कार्यांस्य, तहायक नायकार शायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 ग्रन्त्वर 1985 निर्देण में० श्राई-3/37-ईई/17821/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृज्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, निरंजन श्रपार्टमेटस, हिरा नगर, नाहर विलेज, मुलूड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम में क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और नृत्ते यह विकास करने का कारण है कि मचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्षमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अक्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम बाबा गया प्रतिफल, निम्नोतिकत क्ष्योच नहीं किया क्या है .——

- (क) शन्तरण से हुए सिकी बाय की शबर , वर्षक अधिनितन के बणींग कर दोने के सम्बर्ण के शियल में कर्मी करने ना व्यक्त क्या में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्म आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट महीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जियाने जें हिया के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वैशाली भ्ररूण पवार ।

(भ्रन्परक)

(2) मेसर्स जी० ग्रार० इण्टरप्रायजेस ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के हैंसेय कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकारणः—हतमे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्क श्रीध ्रं निवस के अध्यास 20 के में परिभाष्ति हैं। बही अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 10, जो, निरंजन श्रपार्टमेटस, हीरा नगर, नाहूर जिलेज, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि सं भ्रई-3/37-ईई/17821/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर, ग्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक_{्य}ः 18-10-1985 मोहर्_य्वी

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ही भारा 269-भ (1) के संदीन एक त

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० शई--3/37--ईई/17193/81--85----ग्रत मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण ह' कि स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण है कि स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण है कि स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण है कि स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण है कि , स्थापर का कि ,) जनक जिल्ला कारण है कि , विश्वास कारण है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 16, जो, तल माला, विग-बी, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोजिनी नायडू रोड़, मुल्ड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण ब्ला से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बाबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वाकत सम्पत्ति के जीवत वाजार मृन्य से का के श्रधमान् प्रतिफल के लिए लंतिरत को नई है और मुक्तें मह विश्वाल कारन के यागण है कि यथानुर्वोक्त सम्मित का उप्यित वाजार म्ल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का मृत्य शिवत से शृणिक है और नंतरक (नंतरका) और जंतिरती (नंतरितियाँ) के बीच ऐसे नंतरण के सिए तय पाया नवा प्रतिक्त के निम्मितियित उद्वोषय से उक्त नंतरण निक्ति में नास्ट-विक स्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीवित्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के दाबित्य के कभी करने मा उससे धवने मां स्विधा हाला, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, भिन्हों भारतीय कायक र आंधिनसम, 1922 (1922 का 11) या अक्त बिधिनसम, या धन-कर बिधिनसम, 1957 (1957 का 27) की प्राप्तनार्थ जैनिरिती इनाम एक्ट नही किया गम वा या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा की किए;

सत्तः, जन, उत्ततं विधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण में, में लक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियितं व्यक्तियों, अधित् ह—66—386 GI 85

- (1) मैसमं टिक्रा बिल्डर्स (बॉम्बे) प्रायवेट लिमिटेड । (प्रन्तरक)
- (2) मेसर्भ तपन इंडिस्ट्रिज । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अभेन के सिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में विष्णु जा सकेंगे।

श्यक्दीक रण .— ५समें प्रयुक्त शब्दों अ'१ क्दों का, को उनक अभिनियम के अभ्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय अं विदा गया हैं।

अगुसुची

यूनिट नं० 46, जो तल माला, विग-बी, शांती इंडस्ट्रियल हम्टेट, मरोजिनी नायडू रोड, म्लूड (प०) अम्बई-80 में स्थित है। श्रनुमूची जैमा कि कास० श्रई-3/37-ईई/17493/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सह्यह अयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनार 18·10-1985

मीहर

प्रक्षम् बार्धः ठी . एन . एस . -----

नाथक उ निर्भागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई०—3/37—ई० ई०/18058/84—85——ग्रतः

मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- ं से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 8, जो, पहली मंजिल, महावीर शिखर, श्रागरा रोड़, मूलूंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजीम्द्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक कप में क्षित नहीं किया गया है :—

- (३) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के डायित्व मा कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; अरेर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उचन अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, में, उपत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुबैदा श्रव्बकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला जीवनदास छाबल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्त्ची

पर्लंट नं० 8, जो, पह्ली मंजिल, महावीर शिखर श्रागरा रोड़, मृलूंड (प०), बम्बई ~ 80 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रर्ड०-3/37-5० ई०/18058/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड बारा दिनाक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-3, क्षम्बई

दिनांक: 18-10-1985

सोहर :

प्रकृष बाधै . दी . एन . एक . ----

क\धकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत् स्रकाड

कार्यालय, सम्रुयक वायकर वायुक्त (निर्विक्षण)

प्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनाक 18 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्रई०-3/37-ई० ई०/17248/84-85---म्रतः

मुझे, ए० प्रसाद

बायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 263-स के अधीन सक्षम पाधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, विसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पूनिट नं 103, जो, 2री मंजिल, पूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्मानाधीन इमारत, सर्वे नं 310, 311 ग्रीर 317, भ्रार पी रोड़, मूलूंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985।

का पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित मे वासिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) शब्दाच् से हुई किसी बाव की बान्स्य, उपक जीव्यक्तियम के अभीत कर दोने के अंतरक के दासिस्य में कती क्राइने या सबसे बचने में दुनिया के जिए; भीर/या
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धव वा अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या चन-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नत: अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के वनुवरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धीत है— (1) युनिक बिल्डर्स।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स वाडसू प्रॉडक्टस् इंडिया।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्य सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई औ बार्स्स ;---

- (क) इस सूचना के प्रवादत में प्रकाशन की तारीबा स 45 दिन की ननिभ या तत्त्वंची व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिभ, को भी नविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हिनबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा संकेंचे।

स्पक्किरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हाँ।

अनुसूची

यूनिट नं० 103, जो, 2री मंजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्मानाधीन इमारत सर्वे नं० 310, 311 श्रौर 317, श्रार०पी० रोड, मुलुड (प०), बम्बई—80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्राई०-3/37—ई० ई०/17248/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रुजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-10-1985

मंग्हर .

प्ररूप गाइं. टी. एन. एस -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

शास्त्र ब्रुक्ता

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/18024/84-85-**-**अतः

मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विष्वाय करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी यूनिट सं० 66, जो, तल माला, णांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, सरोजिनी नायडू रोड़, मुलूंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमन प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसक दिश्मान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निर्मित दे भिन्तिक हम से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण संहुर किसी बाद की बादत उस्त कविन निवन में नभीन कर दोने में अन्तरक के समित्य में कमी करने वा तससे वचने में सुधिभा भी लिए अहि/बा
- (स) एसी किसी आय में जिसी भन का अल्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 192 की (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में अधिया से सिन्ए;

अहं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियत बी धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निरुक्तिकित अफितकों, बक्ति के

- (1) मेमर्स टिश्रा बिल्डर्स (वाम्बे) प्राईवेंट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स माया फर्नीचर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन क सिंध काथनाहिया करता हो।

उक्त सम्पारत के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया स्था है।

मन्सूची

यूनिट नं० 66, जो, तल माला, शाती इंडस्ट्रियल इस्टेट, सरोजिनी नायष्ट्र रोड़, मुलूड (प०), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/18024/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 16-10-1985

प्रस्म काइ. टी. एन. एस. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269(व) (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई०/17664/84-85--ग्रतः ममे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० यूनिट नं० 78, जो, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, परषोत्तम खराज रोड़, मुलूड (प०), बम्बई – 80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्चद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका कर।रनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्विय से उक्त अन्तरण कि निम् तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्विय से उक्त अन्तरण कि निम्

- (क) व्याप्त में हुए किसी भाग की वाबत, उक्त किसीन्यम में स्थीन करा को में में बन्दरक में स्थित करा का क्षांत्र में प्रिया में प्रिया में किए; बरि/मा
- (वा) एसे किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तिन्ते को जिल्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ह अभिनियम, वा भन- अहर अभिनियम, वा भन- अहर अभिनियम, वा भन- अहर अभिनियम, वा भन- अहर वहीं किया प्राप्त या या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा से लिए ए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् हिन्स

- (1) देवीदयाल स्टेनलेस स्टील इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) स्काय फार्मा इंडस्ट्रीज।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतार,
- (च) इस मान्या को राजपन मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थाबनीकरण :--- इस मा प्रमुक्त शब्दा और पवों का, आं जक्त किं मित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गुवा है।

अम्स्**ची**

यूनिट नं० 78, जो, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, परयोक्तम खराज रोड़ मुलूड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-3/37-ई० ई०/17664/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजें - 3, बम्बई

विनांक: 16-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

- (1) युनिक बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामती रेनूकमल मदन भ्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 16 स्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37—ईई/17932/84-85'—-श्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन संक्षम पाधिकारी का, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिस बाजार मृत्य 1,00,000/- र. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट न ० 91, जो, 2री मजिल, युनिक इडिस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इमारन, सर्वे न ० 310, 311 श्रीर 317 श्रार पी० राड, मुलूड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री ह, नारीख 1-3-1985

की प्रवेवित सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यें कि संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से विभिन्न है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए एम पाया पमा अतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण मिखिल के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बायत, उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; वरि/का
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य अस्तियां कर. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1937 का 11) या नी अभिनियम, भा धन-कर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । छपाने में सुविधा वे शिवा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के बीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति ष्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता । अभिनियम, के अधीन अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय औं विया वका है।

जगस्ची

यूनिट नं० 91, जो, 2री माजिल, युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इमारन, मर्वे न० 310, 311 और 317, श्रार० पी० रोड़ मुलूड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37—ईई/17932/84— 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→3, बम्बई

दिनाक: 16-10-1985.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीत सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--3 बम्बई बम्बई, दिनार 16 प्रक्तूबर 1985 निदेश मं० श्रई-3/37 ईई/17229/84-85-्-श्रतः मुझे,. ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और िक्कि पं० यूनिट नं० 18 जो, तल माला, "बी' इमारत, भरद इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 140, लेक रोड़ भाडूप, वस्तई- 78 में स्थित हैं (और इक्षे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसहा करारतामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-3-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण बिधित में बास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है ---

- (क) बसरण से हुई किसी आप की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर वाने की अतरक की शायित्व मी कामी कारने या उसमें बचने में मृजिसा क निज्य, अर्डियाः
- (क) एमी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए;

अत अल. उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसत व्यक्तियों, अर्थीन ७ प

1 मै० शरद उत्सद्धणन अपनी

(अस्तर्ह)

2. मेसर्स लूम्बाजी रामजी एण्ड कम्पनी

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को शास लिसित मो कियो जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिश नवा हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 18, जो, तल माला, "बी" इमारत, शरद इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 140, लेक रोड़, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर्ि मंठ श्रई-3/37-ईई/17029/ 84-85 और जो अभम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिनाची महायाः यायाःच सायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रोंबे-3, बस्बई

दिनां ए : 16--10--1985

मांहर 🆫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत वर्डकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निदेश मं० श्रई-3/37/17910/84-85--श्रनः मुझे ए० प्रमाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-16 जो सिताराम को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० लाला देवीदयाल रोड़ भूलूंड (प०) वस्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीनः वावई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं: तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एस क्यमान प्रांतफल का वन्द्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वंतरण के बिए वर् नाम भवा प्रांतफल, जिन्निकित उद्देष्य से उचत वंतर्ण कियात में धारतीन कर में कीयत नहीं किया गया है:--

- (क) जनगण सं हुई जिसी बाग की बाबता, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शांधित्व मो बामी करने या उससे वजने के स्विधा के सिए; जर/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंधरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया सवा था का किया जाना चाहिए था कियाने में सावधा जी सिए,

कतः शव, जक्त वीधनियम की भारा 269-न के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् मून्य 1. श्रीमती जवेरबेन जाधवजी ठक्कर ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री िशोर पुरशत्तम ।

(भ्रन्तिनती)

ाह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

जक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 विन की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विन्तयों में के किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र हो प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मा हित-बद्धभ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताक्षरी के पाक निष्ठित में किस का नकींचे ।

स्पत्नीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त जिथ के निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० ए-16, जो, सिताराम को-श्रोप० हाउसिंग सोथाईटी लि०, लाना देवीदयाल रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंशा कि कि० सं० ग्राष्ट्र-3/37—ईई/17910/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज्-3, बम्बई

दिनांक: 16-10-1985

माहरू 🕾

अस्य बार्ड टी. एन. एस.-----

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) कें क्यीन सूचना

नारत चंडुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ध्रजेंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 ध्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/18064/84-85--श्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 215, जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, टांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिसका कराइनामा आगहर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-3-1985

को प्रॉबित संपर्शि को उण्डित वाजार मून्य से कन के व्यवमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गर्ड है जौर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उण्डित गावार मून्य तसके उन्ययान प्रतिफल में, एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के सीच एमें अन्तरण के लिए तस्पाया नवा प्रतिफल, निम्निधित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक स्प वे क्रिथत नहीं किया नवा है कि

- किं। अन्सरण में हुन्दें किसी नाय की बावत संचत विध-निमम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे बचने में बृदिशा के लिये; और/वा
- (क) एति किसी आय या किसी धन या जन्य वारित्यों करो, जिल्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया बाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- मेमर्म हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इन्टरप्राइजेस (अन्तरक)

2. मेसर्म रायल ग्रांक्मीकेम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा:
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रत्ति में द्वितवव्य किसी मन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा मुक्तेंगे।

स्वकाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जयस्यी

गाला नं० 215, जो, हि्रानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजुर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/18064/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को कुरजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयलर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे~3, वस्बई

दिनांक: 18--10-1985

मोहर:

67-38/6G1/85

ग्रम्ब द्वार है हैं. एवं. व्हा.

क्षायकार जीभिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीन स्थान

SPEC WATER

कार्यालय, सहायक आयकर आय्षत निरीक्षण) श्रुजंन रेंज्ञ अस्बई

बम्बई, दिनां र 31 अक्तूबर 1985 निदेश सं० अई--3/37-ईई/17699/84--85---अन: मुसे ० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के क्यीन स्थाम प्राप्तिकारी का यह निभ्यास करने का कारण है कि स्थानर कम्पत्ति ,जिनका उचित बाजार भूका 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर शिसकी संव बंगला नेव 8. जो. लो प्रिय गार्थ स्कीम, धाटकोपर मृतुंड रोड, धाड्प (पूर्व), बम्बई-7 8 में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध श्रमुची में और पूर्ण रूप से विणा है), श्रांर जिपका कारारामा श्रायणर प्रधिनियम 1961 की धारा 269%, ध के प्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्रधि गरी के ग्रायलिय में रा एई। है, वारी व 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के द्धमान शिकास के लिए अम्बरित की गर्द ही अर मुले यह विश्वास कारमें का कारण ही कि यथापुर्वेक्त स्परित की उचित का वापक प्रधान का कारण ही कि यथापुर्वेक्त स्परित की उचित का कारण ही कि यथापुर्वेक्त स्परित की उचित्र का कारण ही कि यथापुर्वेक्त स्परित की उचित्र का कारण की का कारण ही कि यथापुर्वेक्त स्परित की उचित्र की विश्वास से विश्व ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियान) के वीय एसे उन्तरण के सिवर तय गया कम प्रतिकार की नम्मितिका उद्वरण्य से अपनेत अन्तरक लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) श्वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रगोजनार्थ अन्तिरती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा मुं हिया

नाम्यः व्यवः, शक्तः अधिनिम्धः क्षौ भन्ना ११००-व व्ये सम्बद्धः वो, भौ, उपस अधिनिम्धः व्यो धारा ३६० व व उपायः (1) वे प्राचीन, निम्मीकवित्त व्यक्तियो, सम्बद्धिः 1. मेचर्स लो तिप्रय हाउसिंग डेवलपमेंट प्रा॰ लि॰ (अन्तरक)

2. श्री कृष्णा पदा र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्मत्ति के जुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद ६---

- (क) इस ब्यान के राजपण में प्रकादन की तारीस से 45 विन की अवधि मा तत्सम्बन्धी मानितमों पर सूचना की धामील से 30 विन की मवधि, को भी अवधि माद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक का मिलयों में से किसी व्यक्तिस स्वादः
- (सः इस स्वना के राजपम में प्रकाबन की रारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिसबबुध निर्मा! अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताझरी के पास निर्मा के पेक्ष का सम्बंगे।

क मृत्युकी

बगना नं० 8, जा लो प्रिय बगला स्कीम, घाटकोपर मुलुड लि : रोड, भाइप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है। अनुमुची जैना कि क० सं० अई-3/37-ईई/17699/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ज्ञाम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, **यम्बई**

।विनोत्ति : 31--10-19**85**

माष्ट्र .

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रजैन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1985 निदेश स० श्रई-3/37-ईई/17231/84-85--श्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से स्थिक है

श्रौर जिसकी म० यूनिट नं० 14, जो, तल माला, "बी" हमारत, शरद इंडस्ट्रियल इस्टेट, एवें नं० 140, लेह रोड़, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रतुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिहारी के जार्गतय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्विक्स संब्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के शिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वासं करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-कल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरिसयों) के बीच ऐसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखिस में बाम्यिक रूप से किथत नहीं किया चया है : ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/यन
- (क) एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का)1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना वाहिए था किपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मै० शरद कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(भन्तरः)

2. मेमर्स नवजीवन मेटल वर्ष्म

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्हन्य भें कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर मिक्सों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित उद्ध सिसी सन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ श्रीमा जो उस अध्याय में विया पदा श्री।

अनुसूची

यूनिट नं० 14, जो, तल माला, "बी" इमारत, शरद इंडस्ट्रियल इस्टेट सर्वे न० 140, लेक रोड़, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

म्रनुसूची जैंगा कि क० ग० ग्रई-3/37-ईई/17231/ 84-85 म्रीर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रॉजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 16-10-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन, एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजिन रेज-3, **बम्बई** बम्बई. दिनांद 16 श्रम्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/17507/84-85--श्रम: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00 000/- रा. से अधिक है

ग्रीर गिसकी स० दुकान नं० 7, जो, लिक टावर, हिरा नगर, नाहर विलेग, मृलुड (प०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), ग्रीर जिसका जरारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 , ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में राजस्कृति हैं, तारीख 1-3-1985

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह बिद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का श्रिष्ठ प्रतिफल का श्रिष्ठ प्रतिक्त में अंतरिती (अन्तरितियों) के बन्ध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बाल्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय, की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- मेसेंस हिरा नगर जन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

2. श्री नामदेव बाब्राव दमहेरे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गगा है।

अन्स्ची

दुकान नं० 7, जो, लिंग टावर, हिरा तगर, नाड्र विलेज, मुलुंड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसः कि कं सं श्रई-3/37-ईई/17507/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां। 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, **बम्ब**ई

दिनाक: 16-10-1985

मोहर 🗓

प्रकल बाह्र . टी . एन , एक ,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-व (1) के जधीन स्वना

भारत तरकार

कार्याजय, पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज- 3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/17931/84-85-श्रतः मुझे, ए० प्रभाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभार 'उक्स निर्मितयम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव पूनिट नंव 112, जो, 3री मंजिल, यूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन इसारत, सर्वे नंव 310 311 ग्रीण 317, श्रारव पीव रोड, मुलुड (पव), बस्बई-80 में स्थित है (ग्रीण इससे उपाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से अणित है), ग्रीर निसकी अरारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधि हरी के नायनिय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते रह विश्वास का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उपित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्म प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पासा नमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण मिचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बल्करण सं हुई किसी आग की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (म) एमें किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों बा, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या पक्त अधिनियम, या धन-बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर गरार्थ अधिनियम, विवास पकट नहीं किया गया का या किया जाना असीए था, जियाने में सुविधा की विद्याः

जत जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जमुतरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधृति:— 1. मैं - युनिक विश्वर्स '

(भ्रत्सरक)

2 श्री मनोहर तेजूमल छात्रिया

(मन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारकें पूर्वोक्क सम्परित को कर्जन के मिए कार्यवाहिकों सुक करता हो।

स्थव बज्यरिक से नर्ज़न में तकान्य में नहें। धी बजान ह—

- (क) इस ब्रुपना के राजनन में त्रकाकन की तारीस से 45 दिन की नवीं ना तत्सन्वर्धी स्पवितमों पर त्यना की तानीत से 30 दिन की नवीं म, यो भी अवीं भ नाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्पीक्त द्वारा;
- (च) इत तूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहत्ताक्षरी के वात सिवित में किसे वा सकति।

वनसर्वी

पूर्तिट नं० 112, जो, 3री मंजिल, युनिक इश्रस्ट्रियल इस्टेट, निर्माणाधीन श्मारत, सर्वे नं० 310, 311 और 317, ब्रार० पी० रोड, मुलुंड य(प०), बम्बई-80 में स्थित है।

प्रनुसुची जैसा ित क० मं० प्रई-3/37-ईई/1793!/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को र्रीजस्टई ितया गया है।

> ए० प्रमाद जसक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, **बक्क**ई

दिनांक: 16-10-1985

मोहरः

ग्रक्तम श्राद्ध^क हो, एन, **एस**, - - - - ----

भाषकर निभिनियुत्र, 1961 (1961 का 43) की . भाग 269-व (३) के अधीय सूत्रना

शहरत चंड्रकर ।

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रुजीन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिना । 31 अक्तूबर 1985 निदेश सं० अई--3/37--ईई/17699/84--85---अत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थामर कर्यांच , जियका उचित बाजार मूस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं गंगला नं 8, जो. लो जिया रंगन स्कीम, घाटकोपर मृतृष्ठ रोड, मांड्प (पूज), बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इसमें एगाबद्ध अनुसुकी में धौर पूर्ण कप से बणिन है), श्रीर जिपाल अधारतामा श्रीय हर श्रीधान्यम 1961 की धारा 2697, ज के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के त्रिवित्व में रो स्ट्री है, नारीक 1-3-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतायात के लिए अस्तिरत था गर्थ है और भूत्री यह विश्वास सार्थ का कारण है कि यथाल बिंग्स स्थारित का अध्याप श्रीतायात का स्थारत का आधार प्राथ वाचार मृत्य, जबके दश्यमान श्रीतायात से, एके दश्यमान श्रीतायात का स्थारत का आधार श्रीतायात के किया निकास से स्थिक है और सत्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिक (बन्तरितियात) के किया प्रोप्त कन्तरण के बिंग्स त्या प्राप्त कमा स्थारतिक से स्थारत है सीच प्रोप्त कन्तरण के बिंग्स त्या प्राप्त कमा स्थारतिक से स्थारत ही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मा स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा अ

न्याय भवा, शक्त अभिनित्रण की शब्दा 250-य की अन्यवस्था, भी, जनत अभिनित्रण की श्राण 750-भ अ अग्राप्य (1) के जन्मीन, निकासिकीयत व्यक्तियों, अभिन् उ

1. मेउर्स लो प्रिय हाउमिंग डेवलपमेंट प्रा० लि॰ (भन्तरक)

2. श्री हुटणा पदा र

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्नत सम्मरित के अर्थन के सम्भाग में कोई भी बाबोद ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन का तार्शेंस से 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एए सूचना की वार्माल से 30 विन की अवधि, को भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका क्यांस्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वाका;
- (श: इस त्वना के रायपण में प्रकासन की वारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताकारी के पार निवित में किस सामग्री ।

स्वव्याकारणः --- कलानें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो वस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, यही अर्थ होगा की उस अध्याय में स्थित गया है।

क नृक्षु अते

बंगता त० 8, जो लोशिय बंगला स्कीम, घाटकोपर मृलुंड तियारोड, भांड्य (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है। अनुसुचो जैसा कि क० मं० प्रई-3/37-ईई/17699/ 84-85 स्रौर जो सक्षण प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ज्ञम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रजन रोज-3, **बस्मई**

।दनोंस: 31--10-1985

माहर 🗧

प्र**क्ष्य बाह**े. टी, एस. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रशीन सुबना

भारत संदकार

कार्याजय, सहायक आयकर कार्यन (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंंंं--3, बम्बई

बम्बई, विनाः 29 प्रक्तूबर 1985 निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/17266/84-85---प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाव 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावा सम्पन्ति, जिगका दिन्स बाधार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं.

भीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, जो, 2री मंजिल, इमारन ए-15, गोवर्धन नगर, सलड़ (पव), बस्वई में स्थिल है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीत पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसदा त रारणामा प्रायम्त अधिनियम, 1961 की धारा 269वा, ख के अधीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के गार्यालय में राजिन्ही है, 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का विश्व प्रीतिकार से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया नया प्रविकास निम्मीलिकित उच्चेष्य से उस्त अंतरण लिकित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण सं हुई फिली बाध की बाबत उन्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व यो कमी करने या उन्नले बचने में मृतिधा के जिए; और/या
- (क) एकी किसी आय गा किसी धन या क्य आस्तियाँ को खिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ती अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ लन्तरिती दशरा प्रकर नहीं किया गया वा वा किया असा चार्टिए था, दिख्याने में सविधा खें सिए;

बत्त- भव उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए की अवस्थ की, में, खानत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निकालिकिक व्यक्तितारों, अर्थास **---

1. श्री एप० ए५० रंगन

(भ्रस्तरः)

2 श्रीनर्ता ग्रामा जी० ग्रामवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचता जारो कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन 🐗 🎁 🛱

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आओप ह-

- (क) इस नुषमा के उपमप्त भें प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की समिध या तत्मस्तन्धी स्विधितयों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी समिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विधियों में से किसी न्यवित दुवारा;
- (क) इस सुचना के पानपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा शकींगे।

स्पब्दीकरण: क्समी प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधि-नियम के जन्माय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विमा गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैंट नं० 3, जो, 2री मंजिल, इमारम v-15, गोवर्धन नगर, मुलंड (प०), बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं० श्रई- 3/37-ईई/17266/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रशाद सलम प्राधिकारी महायक गायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

सोहर 🖫

प्रकृष नाव . टी . एन . एसं . ------

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक कामकर बायुक्त (विद्वासिक)

ग्रजैन रेंज-3, सम्बद्

बम्बई, दिनां त 31 अक्तूबर 1985 निदेश सं० अई-3/37-ईई/17698/84-85--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्काँ इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी कर यह विश्वान करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजारे मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बंगला नं० 22, जो, लोकप्रिय बंगत स्कीम, पाटकोपर मुलुंड लिंक रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रशीन, बम्बई न्थित सक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे क्रम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वाद करने का कारच है कि वधाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दश्यमान प्रतिकास के एते दश्यमान प्रतिकास का मन्द्र श्रीतकत से अधिक है वर्ष क्रमारक (कन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उव पाया नया प्रतिकास, निम्नांजियत उद्देश्य से उचत अन्तरण है जिस में वास्तरिक रूप से करित हैं। किया गया है ८---

- (क) जन्तरण से हार्च किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियत के बभीन कर बोने के अंतरक के क्रियरण में कभी करने वा उससे क्लभे में सहैंबचा के निर्णः और/वा
- (ख) एंजी किसी आज या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

जत: अब, उक्त सीभीनयम की धारा 269-क के बन्सरण में, में, उक्त जीभीनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) से बसीन, निम्मानिविक कारितालों क्योद राज्य

- ा मैंसरां लोवप्रिय हाउसिंग डेबलपमेंट प्राइवेट लि०। (अन्तर्घ)
- 2 श्री राजीव राव साहेब पार्गे

(अन्तिरी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इच्छ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बास्रेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बदथ किसी अन्य विक्त व्वारा अधोहस्त्रगक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्यम्बीकरण:----इसमें प्रयूक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनिजम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में विका मना हैं।

मन्सूची

बंगला नं० 22, जो, लोकप्रिय बंगला स्कीम, घाट कोपर मुलुंड लिंक रोड, भांडुप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई~3/37-ईई/17698/. 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वार दिनांक 1~3-1985 की रिजरटर्ड विया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) ब्रजीन रेज- बस्ब

दिनां 7 31-10-1985

बच्च बाइ. टी. एव. एत. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे सभीन स्थान

पात्रत क्रम्पान

कार्यालय, गहायक बायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दनांक 31 श्रम्तूबर 1985 निदेश मं० पर्ड-3/37-ईई/17497/84-85--श्रम: म्झे, ए० प्रसाद.

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें इसमें परकाए 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का में अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जो, "फिपलवस्सू", पी० नं० 97, सी० टी० एस० नं० 950, कांज्र को०-श्राप० हाउसिंग सामायटी लि०, भांड्य, बस्वई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रीर जिसार अराग्नामा श्रायक्तर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायालिय में रिजस्टी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का अगरण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिद्यत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नितिद्यत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित भे गम्तिक अप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण ते हुद्दं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक वें शोकस्थ में अभी करने या उन्नवे स्थन में बृदिशा श्रीकष्ट; बीर/बा
- (ख) एरेसी किसी बाय या किसी अन या कन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यर अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

लतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, इस्त लिधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधिन किस्मीलिखिल व्यक्तियों, ते ति स्मालिखिल व्यक्तियों, ते ति स्मालिखिल 1. श्री नारायण भानजी पटेल।

(अन्तर्क)

2 श्री बिलास यगवंत राजे।

(प्रन्यरिती)

को यह सूचना बारी करके दुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश शै 45 दिन की जवींथ या तत्संबंधी स्थितवां पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, जो भी क्वरिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंकर श्राविद्यों में से किसी ज्यादित हुवारा;
- (क) इक ब्रूचना के राज्यन को प्रकारन की तारील के 45 दिन को भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हिक-बहुच किसी कम क्यांकर स्थाप, वशहस्ताकरों के बास मिनिया में किए या सकते ।

त्यव्यक्तिक रण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को सक्क किंपि-नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर्वे कर्ष होता, को उस कथ्याय में दिया नवा है।

प्रनुपुची

फ्लैट नं । 10, जो, "कपित्तवस्त्", पी० एन० 97, सी० टो० एस० नं । 950, कांज्र, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि सं श्राच-3/37-ईई/17497/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 क(रिजस्टई दिया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राविकारी महायक प्रावशर प्राय्वत (निरीक्षण) प्रजीत रेज∽3, **बस्बई**

दिनाक . 31-10-1985

माहर :

प्रकृष बाह्र . टी. एन. एव. -----

भागभार जीभीनमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

बाहर सहस्था

कार्याजय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 श्रक्त्बर 1985 निदेश मं० श्रई-3/37-ईई/17501/84-85--श्रतः मुक्ते, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार्त 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव न्नोपणी नंव 8, जो. 2री मंजिल, टांबर-वी, गोवर्धन नगर, ड० एस० ग्रायव एस० हास्पिटल ने पास, मृलुंख (प०), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका वरारनामा जायकर ग्रीधनियस, 1961 की ग्रास 269क, ख के श्रवांत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यान्य में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के क्ष्यकाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्विकत सम्बन्धि का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का संद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिवक रूप से क्षिशत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कभी करने था उससे बचने मा सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्न, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, विश्व के क्रक्रों के क्रिक्श के क्रक्रों के क्रिया के निष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्रीकाम पंजामी।

(अस्याधः)

2. श्रीमती भानुमती एन० शहः।

(अन्तरियी)

को बहु बुचना बाची करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

समक कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी मामेप :---

- (क) इस ब्यान के राज्यन में जकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यविष या तत्त्रकरणी व्यक्तियों पर सूच्या की तायीय से 30 दिन की अविष, के भी व्यक्ति बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में ने किसी श्वित स्वादा;
- (क) इस कुमना के समयत में त्रकाशन की सारीय सं 45 वित्र के भीतार समय स्मापर सम्मारा में हितवपुर निन्दी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निन्दि में जिला जा सक्षीता।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्कों और प्रवा का, को क्वल गीपीनयन, के ब्रुथान 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्थ होंगा जी उस अध्याध में विशा गया है।

भग्त्ची

श्रोपडी नं० 8, जो, 2री मंजिल, टावर बी०, गोवर्धन नगर, इ० ए७० द्याय० एस० हास्पीटंन के पास, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में थित है।

अनुसूची जैमा कि फल्सल धर्र-3/37-ईई/17501/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनां। 1~3-1985 को र्याजस्टर्ड विद्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि (रिरी सहायम प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज~3, बम्बई

दिनांक : 31-10-1985

मक्ष बाह्र ही, एन, एवं .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सुचना

भारत प्रत्याह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिमाक 31 अक्तूबर 1985

मिदेश म० अई-3/37-ईई/17372/84-85--अत मुझें ए० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी स० पलैंट न० 302, जो, 3री मजिल, शक्ति शाणिंग मेन्टर आर्केड, आज़ो रोड, भाडूप (प०), बस्बई-78 में स्थित हैं (और इसमें उपाबत्र अनुस्ची में ग्नांर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिपका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में र्राजस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के संचित बाजार मूस्य से कम के क्याबाद प्रितफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपिल का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक उद्विष्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 श्री 1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रया किया जाना पाहिए था, स्थिपाने में स्विभा से स्विधः

नतः भवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग को अमृतरण कें, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- 1 मेसर्स तोलाराम एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

2 श्री सहदेव एस० कौचरेकर।

(अन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति में अर्थन के निष् कार्यवाहियों घुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपन में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन को सर्वीच या तत्सम्बन्धी स्थित्सयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी सर्वीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थित्सों में से किसी स्थित ब्रुवारा;
- (क) इस बुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बहुभ किसी मन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकिरण — इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैंड न० 302, जो, उरी मजिल, शक्ति शाधिग आर्केड आग्रारोड,भाडूप (प०), बम्बई—78 में स्थित है।

अनुसूची जैस। कि कि कि अई-3/37-ईई/17372/ 54-35 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमाक -3-1985 को रजिल्हई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-८, बम्बर्ष

दिमाक 31-10-1985 मोहर . ं प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 31 अक्तूबर 1985 मिदेश सं० अई-3/37-ईई/17371/84-85--अत:, मुझे, ए.० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैष्ट नं० 304, जो, 3री मंजिल, शक्ति शापिंग, आर्केड, आग्रा रोड़, बम्बई—भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबड अनुनूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1~3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देशी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूनिधा के सिए;

नतः नम, उक्त मीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपभारा (1) के मधीन_स [नम्मीला क्रिक्ट व्यक्तियों_{स्र} ज़म्मीत् ६——

14:

1. मैसर्स० तोलाराम एण्ड गम्पनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारसमणि हे० संचवी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीलर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिन, शक्ति शापिंग आर्केड. आग्ना रोड़, भांडूप (प०), बम्बई-78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17371/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-3, **बस्बई**

दिमांक: 31-10-1985

मांहर ध

प्रकृत वाद् . ही . एवं . एवं . अन्यान्यन्यन्य

बागगर मीपीनबद, (961 (1961 का 43) की पारा 269-च (* है बधीन क्षया

श्वारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम र्जन-3, बम्ब**६** बम्ब**६**, दिमाक 31 अक्तूबर 1985 निदेश स० अ**६**-3/37-ईई/17500/84-85--अतः, सुझें, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--स के अधीन सक्षम ' धकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्नित गजार मुख्य 1,00,000 ं रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी म० दुकान नं 1, जो, विजयश्री अपार्टमेट, प्लाट नं 21, ठाजूर को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०. विलेज जांजूर, बम्बई— भाडूप (पूर्व), बम्बई—78 में स्थित हैं (भीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाम्बॉक्त सम्मत्ति का उच्चित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नाइ अतिकृत ले अधि हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (८ तिर्दिति) के बीच एस अन्तरण के नए तब बाबा गया प्रतिफल, निस्निसित्त उद्ववेष ते उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, जकत बीधीनवम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कड़ी अपने । उससे बचने में सुविधा के सिए: बीर/े
- (वा) एसी किसी या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें 'ंदितीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के। 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृष्ट । प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए।

अतः अब उक्न अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, ध्यस नांचनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलियित के नियमें, मर्थात् :---

1. मेसर्स बिल्डमं ।

(अन्तरक)

श्री पोष्ठनाल देवजी शहा।

(अन्तरित)

सी १ स्थान वारी करके पूर्वोक्त कन्यति के वर्धन की दिक्क कार्यनाहियां काला हुए।

बक्त कल्लीय के वर्षन के बंधेंग में केंद्र मी नामांच ह---

- (क) इव सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन की नजीश ग तत्संबंधी न्यां क्रियों पर सूचना की तासीश में 30 दिन की संबंधि, जो भी व्यक्ति माद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी स्मिक्त ब्वारा;
- (व) इस स्थान के राध्या में प्रकाशन का तारीब वें .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किती बन्न व्यक्ति (वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कितिबत में किएं) सकते।

स्वकानिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्ये 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूर्या

दुकान नं 1, जो, विजयशी अपार्टमेंट, प्लॉट नं 21, काजूर की-आप० हाउसिंग मौसायटी लि०, विलेज कांजूर, भाषुप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/17500/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्डई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिमांक: 31-10-1985

मोहर 🖫

प्रकल भाइी.टी.एस.एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, बम्बर्षः

बम्बई, दिभाक 31 अन्तूबर 1985

मिदेश सं० अ**ई**-3/37**~**ईई/18014/84-85---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूच्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 16, पी 4 मुलुड आयर्न स्टाफ आसोसियेशन को-आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, गवाणपाडा, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्यालय जमें रजिस्ट्री है, तारीख । 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधिस बाबार मूम्ब से कम सै अवसाद प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मूझे यह विकास करने का कारण हूँ कि वसल्योंकत सम्मत्ति का उपित बाबार मूम्ब, इसके अवनान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिकत का चूंछ प्रतिश्व से नीभक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बच्चरितियों) के बीच क्षेत्र बन्तरण के निष् कम याना कम इतिकत, निम्मविद्य अवस्थित के उपत सम्बद्धम् जिल्लिक में वास्तरिक कम से किया वहाँ किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिक्धा के सिक्;

कतः कवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधि।, निम्मिलिकित क्यिक्तयों, अर्थात् क्रें--- 1. श्री हरीश एस गोदीवाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्मिता बी पारकर ।

(अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अकर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत विधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्रुपी

फ्लैंड न० 16, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 16, पी, 4 मुकुंद आयर्न स्टाफ एमोसियेशम को-आप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, गवाणपाडा, मुलुंड (पूर्व), बस्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/18014/ 84-85 श्रौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-3-1985 की रजिल्लई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

विमांक: 31-10-1985

प्रक्ष भाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक भायकर भायक्त (निरीधण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 31 प्रक्तूवर 1985 निदेश सं० थ्रई-3/37-ईई/17639/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिद्य बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. से अधिक हैं। और जिसकी संव पर्लंट नंव 503, जो, 5वीं मंजिल, णिक्त शापिंग मेंटर, श्राग्रा रोड़, भांड्प (प०), बम्बई-78 में स्थित है (और इयमे उपावद मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिक्ता फरारनामा प्रायक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के प्रधीन, बम्बई स्थिन नक्षम प्राधिकारी के कायीं य में रिक्स्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त मंगीत का उचित -बाजार मृत्य, उसके खप्यमान प्रतिफल अपनान प्रतिकल के पल्याह प्रतिकत से अपिक **ह**⁴ भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर दिभिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मेसर्स तोलाराम एण्ड कम्पनी

(भ्रन्तरक)

2. श्री हेमचन्द के० विश्वरीया

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 503, जो, 5वीं मंजिल, शक्ति णार्पिंग मेंटर आग्रा रोड, भांड्प (प०), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/17639/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स्थाम प्राधिकारी महायह प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंच-3, बस्बई

दिनांस: 31-10-1985

प्रकम नाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

शारत करकार

कार्यासय, बद्दायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंग -3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनां अ 31 ग्रम्तूबर 1985

निदेण सं० श्र8-3/37-ईई/17414/84-85---श्रतः मुझे. ए० प्रताद.

नायकार सिमिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे रामसे असमे परमात 'उन्त अधिनियस' सहा गया ही, की धारा 269-च के सधीन उसन प्राधिकारी को यह जिस्साय करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो. 3री मंजिल, मेंडोंसा अपार्टमेंट, चिलेज कांजूर, कांजूर मार्ग, बम्बई—78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण क्या में खींणत है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269%, ख के अधीं, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायालय में रिवस्ट्री है, नारीख 1--3-1985 को पूर्वोक्स संपरित के खींचत बाजार मृल्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अम्हरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान अतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का प्रसुद्ध प्रतिकल से बाधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निवित्त क्या प्रयोग में उच्च करने जनतरण कियत में बास्तविक क्या से क्या निक्त नह किया गया है है

- (क) बन्तद्रम संसुद्धं किसी बाय की बावत , सकत वीभीनवन के वभीन कर पोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किनी जाय वा किनी धन या बंत्य बाहितयों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारकार्य अस्तिरती द्वारा प्रकट वहीं किया पदा था वा किना जाना चाहिन् वा किन्द के स्वीकार के सिए;

शन कव, उसर अधिनियम की पारा 269-य के अनसरक में, मंं, उसर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--- मेमर्भ गृता जिल्ड्स

(भन्तरक)

2. श्री मार्क । फर्नान्डीन

(भन्तरिता)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के फ़िए अर्वचतिक्य करका हूं।

बक्त सम्मक्ति के क्वॉन के सम्बन्ध में कोई भी जासेंच हूं---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, को खी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तिकों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीच वें 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकों ने।

स्वाहीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उनके विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवाही।

सनुसुची

पलीट न० 4, जो, 3री मंजिल मेंडोंझा श्रपार्टमेंट, विलेग श्रोज्र, शाजूर मार्ग, बम्बई--78 में स्थित है।

अनुभूची जैसा ि ऋ० स० अई-3/37-ईई/17414/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रभाव मक्षम प्राधिकारी महासक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-3, बस्बई

दिनां र : 31-10-1985

भोहर

प्रस्प आई. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

श्चर्यावय, तहायक नायकर बाव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज्ञ, अन्वर्ध

बम्बई, दिनां ह 24 प्रक्तूबर 1985

निदेश मं ० ग्राई--3/37-ईई/17873/84-85---ग्रन मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निष्णास करने का कारण है कि स्थावर समस्य , जिसका उचित बाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12' जो, 3री मंजिल, भानू अपार्टमेंट इमारत नं० ए-2, एल० बी० एम० मार्ग, बाम्बे आग्रा रोड़ मलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा अपाकर अधिनियम 1961 की धारा 2696 ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यात्य में रिक्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पृथिति सम्पत्ति के उचित बाबार मूच्य से कम के क्यामान
- प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूको यह विक्वास करने
का कारण है कि यथा प्रविकत संपत्ति कम उचित
गावार मूस्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस
दश्यमान प्रतिफल के बन्कह प्रतिकत से अविक है
नौर नंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंदरितियों) के
वीच एसे अन्तरभ के सिए तय पाया दशा प्रतिफल, निक्विकित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत
नहीं किया प्रया है:—

- (ज) अप्तारण से हुई जिल्ली नाम की बालता, इन्नर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरका थे दायित्व में कनी करने या उससे ध्यमे में सुदिवा के लिए: और/था
- (ल) ऐसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, डिज्याने से सविधा के निकट:

अत जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं. मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित क्येक्तियों अर्थात ---- श्रीमती हर्पीदाबेन नरेन्द्र तिवेदी।

(भन्तरक)

2 ओ प्ररनिय स्ट्याणदाम मेहता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिनों करका है।

उनक क्षेत्रीर के मर्जन के क्षेत्र में कोई नी माओर :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से
 45 विश की वसीय ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की जनभिः, को भी
 अपभि नाम में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य स्थावत बुकारा, नभोहस्ताक्षरी के पाव क्रिकिक में किस् का सकेंगे।

स्वयक्तिस्ताः इसमें प्रयुक्त कलाँ कीर पत्ने का, वो स्वतः विधिनियम, के वभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मना ही।

ग्रन्सुची

फ्लैंट नं० 12, जो, 3री मंजिल, भानू प्रपार्टमेंट, इमारत नं० ए-2, ए ल० बी० एम० मार्ग, बाम्बे-प्राप्ता रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैमा कि कि० मं० श्रई-3/37-ईई/17873/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांश 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वेन रेंग-3, बस्बई

विना **ए : 24-10-198**5

प्रकार वार्ष . दो . पुन् . पुन हुन-क-----

जावकर जीवनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

ब्राह्मत् सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्तक)

श्रर्जन रेंज्ञ-3, बम्बई

बम्बर्ष, दिनाक 25 श्रम्तूबर 1985

निवेश मं० श्रई-3/37-ईई/17810/84-85--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्भात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बुहान नं० 2, जो, तस माला, महावीर शिखर इमारत ,श्राग्रा रोड़, एल० बी० एस० मार्ग, मृलुंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (और इससे उपावड अनु-मूची में और पूर्ण रूप से पणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिहारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के दिवत बाजार मृस्य में कम के द्रश्यमान बितिफ स के लिए अन्तिहित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मून्य, उनके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिक्षत से अजिक हैं और बतरक (अंतरकों) और बंध रिती (अंतिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा क्या प्रतिकल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलिक में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंभिनंबम के अभीन कर दोने के बन्तरक के कवित्व में कभी करने वा उक्स वचने में कविशा के निष्: बार/वा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती इतारा प्रसंद महीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विका असे किया ।

शत अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- 1. मेसर्स तिशूल इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तर हः)

श्रीमती कमनादेवी पाणीप्रभाव भिगल।

(मन्धरिती)

को नृष्ट् नृषका चारी ऋतुके पृत्रीक्त वस्पति के शर्वन के दिव्य कार्यवाहियां सुक करता हु ।

उपत बन्दरित के नुष्टित के दश्यरथ में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस ब्रांचा के रावप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधिया तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो बी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्थानिकरण :---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पहाँ का, को उक्त किकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गर्था है।

भगुसूची

दुकान नं० 2, जो, तन माला, महावीर शिखर इमारत, श्राग्रा रोड़, एल० बी० एम० मार्ग, मुलुंड (प०), बम्बई— 80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि क० स० श्रई-3/37-ईई/17810/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिना ह 1~3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिगारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-3, बम्बर्ड

दिनांक: 25-10-1985

इक्स बार् . सी. एव . एक .-

वायकर विश्वियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) में वर्षीय स्वार

आर्थ प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जम येंज-3, यम्बर्ध

बम्बर्ध, दिमांक 25 अन्तूबर 1985 निर्देश स० अर्ध-3/37-ईई/817886/84-85--अतः, मुझें, १० प्रसाद,

भागकर मधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विको इत्नो इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के स्थीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थानर सम्मत्ति, विश्वका उचित नावार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब्बी-26, जो, गाला नगर को-प्राप्त, हाउमिंग में सायटी, नाहर रोष्ठ, मृलुष्ड बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुन्ती में और पूर्ण रूप में विणत है), रिकस्ट्री- और जिसका करारनामा प्राप्तकर प्रधिनिषम 1961 की धारा 279क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्तम में रिवर्ट्री है। तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त तम्मित को उचित बाबार मृश्य से कम को क्यानाम प्रतिकल के लिए अन्तरितः की गई और मुक्ते यह विक्यास

करने का कारण है कि सथापूर्वाक्त सम्बक्ति का उपित वाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिचत से विभिक्ष है और वंतरफ (वंतरका) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ण सब गया गया प्रक्रिक्स निक्तिवित उक्तरिय से उक्त कन्तरण सिवार में बालाविक स्था से कर्मिक महर्गिकमा गया है हम-

- (क) बनारण तं हुएं कियो बाद की बावत, स्वतः मीर्थानवम के बसीन कर देने के बनारक के बाजिए में क्यी कड़ने ना उक्क वचने में कृषिणा के जिल्हा और/वा
- (क) एती किसी जान ना किसी थन ना नत्त्व नास्तिनी की शिल्हें भारतीय नान-कर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वतः जीपनियम, ना धन-कर जीपीनयम, ना धन-कर जीपीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ मन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, स्थिमाने में स्विभा के लिए;

नतः नन, उन्त निमित्रम की धारा 269-ग के ननुसरण ने, में, उन्त निमित्रम की धारा 269-म की उपधास (1) के नधीन, निम्मितिसिस न्यक्तियों, नधीस क्र---

- (1) श्री हर्णदराय हरगोविददास पटानी। (श्रम्तरक)
- (2) श्री विजय जादवजी ठक्कर,चोथानी और ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह शुप्ता बाडी करके नुवेतिस ब्रम्मित से स्वीत के जिल्ला कार्यवाहियां कुक करता हुई है।

उसक बुल्यीका को कुर्वन को संबंध में कोवें भी नामोप :---

- (क) इस त्यमा के द्वायपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की सम्मिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की समित, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाद किसिस में किए या सकेंगे।

ल्क्डीकर्ण ----इतमें प्रवृक्त् कर्यों और पयों का, जो उनक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं कर्य होगा जो उस वध्याय में दिवा मुद्या हूँ।

धनुसूची

फ्लैट नं० बी-26, जी, माला नगर को-औप० हाउसिंग सोषायदी, नाहर रोड, मुलुण्ड, बम्बई-80 में स्थित है। ग्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/17886/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 25-10-1985

; :

प्रस्प बाइ . टी . एन . एस-४-----

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के वर्धन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक गायकर वाय्क्त (विश्रीकाण)

भ्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 ग्रक्त्बर, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/17623/84-85---अत:, मुझे, ए० प्रमाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मन्त्रित, जिसका जीवत कावार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 408, जो. बी-विग, ग्रमोजा ग्रपार्टमेंट्स, महात्मा फुले रोड, मुलुण्ड.(पूर्व), बम्बई-81. में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबड प्रतुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप विणत है), ग्रीर जिगता करारतामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धार्र 269क, ख के ,ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ती है तारीख 1-385

प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है तारी । 1-385 को पूर्वोक्त कमित के जीवत बाजर कृष्य से कम के स्वयमल प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है जाँद कुके वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्मित का जीवत वाजर मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकाल का पन्सह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंत्रिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वाया क्या प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण किवित में बास्तिक कप से किशत नहीं किया मया है:---

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी जाम की वायतः, जायकर अधिनियम के अधीन कर दाने के अम्बदक को शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धून या जन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जगुनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) निर्मल कुमार रूंगटा एण्ड अस्पनी।

(ग्रन्परक)

(2) श्री पी० ए० श्रीनिवासन ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आपी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियां कार्या है।

क्याब सम्बद्धीय के अर्जन के तंबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (कां) इस सूचवा के राजपण में प्रकाशन को तारील से 45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचवा की सचील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 कि के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- क्षम किका वन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शक किका में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिक्षण -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त वाधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त् ची

फ्लैंट नं० 408, जो, बी-विंग, ग्रंगोश श्रपार्टमेंट् महात्मा फुले रोड, मृलुण्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि अ० मं० मई-3/37-ईई/17623/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 की रजिस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 24-10-1985

माहर:

प्र**कृष् भार्⁴. ट**्री. ध्**म्. एवः** , ५०००० वटनवन

भाषकर मीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

नारत सहस्रह

व्याबीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाद 24 अस्तूबर 1985

निवेश सं० प्रईत्3/37-ईई/17892/84-85---श्रनः, मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- का में अधिक है

गौर जिसकी सं० फलैट नं० 107, जो, नथी मजिल, इमारत नं० बी-2/17, निर्मानाधीन इमारत, जिसका सी टीएस नं० 657-बी, भाइप स्टेशन (पूर्व). के पार बम्बई-78 में स्थित है, (और इसने उपाबट अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) गौर जिसका क्रियान क्रियान श्रीयकर श्रीधित्यम 1961 की श्रार 2695, खे के प्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के क्रियानिय में रिकस्ट्री हे तारीख 1-3-85 को व्वॉफ्त सम्पत्ति के उपाबत में रिकस्ट्री हे तारीख 1-3-85 को व्वॉफ्त सम्पत्ति के उपाबत की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरते का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूच्य, उसके स्थ्यमान श्रीतफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिचत से मिक्क है भौर बन्तरक (मन्तरकों) और वस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब वाजा गया प्रतिफस, निम्नीचित उद्वरेय से उक्त बन्तरस्थ सिचित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्ण संहुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दनें के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/वा
- एसी किस्ती अय या किसों धन या जन्य कारितयों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, फियाने वे दिवस के तिय;

क्षतः अस्य, सम्य विभिनियमं की भारा 269-मं के बनुबद्धक रें, में उक्त विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीक निम्नतिसित व्यक्तिसर्थों, अभीत् हरू- (1) मैसर्स स्टार बिवडर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रास्मुडो हे मनदास भागिया श्रौर ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

चक्क सम्बद्धि के बर्चन के सम्बद्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की जबरिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना क रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिशाहित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सूची

फ्लैंट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, इसारत नं० बी/2/17, निर्मानाधीन इसारत, जिसका भी टी एस० नं० 657बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बश्बई-78 में स्थित है।

श्रनुमुकी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/17892/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रोंज-3, बम्बई।

दिनांक: 24-10-1985

प्ररूप् आइ. टी. एन . शस . -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 ग्रक्तूबर 1985

निदेण मं० ग्रई-3/37-ईई/18066/84-85-—ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की शारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 1, जो तल माला, राजा इंस्डिट्रयल इस्टेट, नहर, मृलुण्ड, (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है। तारीख 1-31-985 को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृन्य से कम के खरमान श्रीतफल के लिए जंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाकार मृन्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिखत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्कित में शास्तिकल, निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्कित में शास्तिकल, निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्कित में शास्तिकल, निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्कित में शास्तिकल रूप से किथत नहीं किया गमा है।

- (क) बलाइक तं हुई किसी बाध की बाबस, क्या व्यथितियम के अधीत कर योग के बलाइक में करिया में कमी करने वा उससे बचने में अर्द्गिका के खिए; और/या
- (ग) एसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धं 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— (1) मैसर्स राजा बित्डसं।

(अस्तरक)

(2) श्री गैंबियल बेंजामिन ताबूरो। (अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्</u>जन के विष् कार्यवादियां करता हुने ।

क्क सम्मत्ति के वर्णन के सम्मन्थ में कोई भी वाजेंच क्र---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद के समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमान में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहाँ अर्थ होना, जो उस अध्यास में दिशा भवा है।

अनुसूची

यूनिट नैं० 1, जो, तल माला, राजा इंडस्ट्रियल ईंस्टेट नहर मुलुण्ड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/18066/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 24-10-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाइ दो एन एक प्रकार

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के विभीत सुचना

शारत दरकार

कार्याजय, सहायक जायकर काय्कत (निरोधाण)

भर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/17606/84-85---- स्रत। मुझे,, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्वा परवास् 'बब्ब अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इ. भ अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 1,00,000/- उ. से अभिक हैं

और जिसकी सं० औधोगिक यूनिट नं० 71, जो 1 ली मंजिल, राजा है डिस्ट्रियल इस्टेट, नाहूर, मुंलुण्ड (प), बम्बर्ष में स्थित है (और उसमे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 269क, ख के अधीन, बम्बर्ष स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-85

की पृत्रोंकर सम्परित के उकित बाजार मृत्य से कम के व्यवकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विकास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्मरित का उकित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के कन्नह प्रतिकत से मुधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नह प्रतिकत से मुधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नहरूष (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष्ट वय विवा क्या प्रतिकल, निय्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ निवाद में बास्त्रिक क्या से क्रीचित नहीं किया गयन है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत सकत गृथि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शामित्व में कजी कपने वा उसने दवने में सर्विभा के बिए, केश्च/का
- (क) ब्रेस किसी बाब वा फिसी वन वा अन्य वास्तियां की, जिन्हें भारतीय वासकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिनियम, वा वनकर विभिनियम, वा वनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए;

(1) मैसर्स राजा जिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) मायती बटट इंडनशन सिश्टम्स प्रामवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना ब्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजवन के त्रकातन की तार्रीय से 2.5 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी श्वित्तयों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविदि बाद के समस्य होती हों, के शीवर प्योंक्ध व्यक्तियों में वे किसी श्वित्त दुवाकः;
- (क) इस स्थान के रायवन के प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूप किसी मन्त्र व्यक्ति कृतारा मभोहस्त। करी के शक्त में किसा का नकारें।

स्थल किरण:----- इसमें प्रयुक्त करों और पर्यों का, जो सक्य कीं भीतवन के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो सस अध्याय में किया क्या हैं।

अनुसूची

औशोगिक यूनिट नं० 71, 1 ली मंजिल, राजा इंड-स्ट्रियल इस्टेट, नाहर, मुलुण्ड (प), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-3/37-ईई/17606/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंतरेज-3, बस्चर्य

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के वनुबरक कें, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की जयधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक। 24-10-1985

water and the

प्रक्य वाह्रं. टी. एत. एत. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) वे वचीन चुचा

भारत सरकार

क्षायां स्वयं सहायक मायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बर्ड . बम्बर्ड, दिनांक 24 अन्तुबर 1985

निदेश मं० ग्रर्ड-3/37-ईई/17891/84-85----श्रतः मुक्के, ए० प्रसाद,

कारक र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० बी-2/17, निर्मानाधीन इमारत, जिसक। मीटीएस सं० नं० 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसक। करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्कण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से क्रिश्त नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत अक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्य में कमी करने वा समसे बचने में सुविधा र निष्ण और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन मा अस्य कास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनता निधिनयम, का धन-कर निधीनयम, का धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना भाहिए का दिवाने के स्विधा के निष्टः

कत अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वन्हरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्भ स्टाश बिल्डर्भ।

(स्रन्तरक)

(2) श्री जेथूभाई हैभनदास भागीया।

(श्रन्तरिती)

हों सुद् वृष्यता चाड़ी करके वृत्रानिक सम्परित के वर्षन के लिएं. कार्यनाहियां करता हो।

बक्स बन्नित्त के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शासेंग:--

- (क) इस ब्रूचना के राज्यन में प्रकासन की तार्हीं से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्चना की सामीन से 30 दिन की अवधि, को भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास हिससित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभागिया, के सम्बाय 20-क में प्रिभावित इं, वहीं वर्ष होगा जा उस सम्याय में दिया गमा हैं।

श्रनुसूची

पलैंट नं० 307, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० बी-2/17, निर्मानाधीन, इमारत, जिसहा सीटीएम न० 657-वी०, भाइप (पर्व) के पाम, बम्बई-78 में स्थित है। ध्रतुसूची जैसा कि क० ग्रई-3/37-ईई/17891/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम पाधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, अम्बर्ध।

दिनाक: 24-10-1985

प्रकल कार्यं .टी. एव . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 24 अक्तूबर 1985

निदेण स० ग्रई-3/37-र्रि18065/84-85---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० गाला न० 83, जो, तल माला, एका इंडिस्ट्रियल इस्टेंट, नाहुर, ग्लुन्ड (प), दम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ल के अधीन, विम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिखत से निभक है और नन्तरक (अन्तरका) नीर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नवा है के—

- (क) नंबद्धण वे शुर्द किसी नाम की भाषत , जनक अधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरफ क दायित्व में कभी करने या उसके बजने में सुविधा के लिए; नौर/बा
- (क) एसी किसी नाव या किसी धून या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपात भारतिया विकास विकास विकास विकास

कता अब उक्त विभागियम की भाष १६३-ग के अनुसरण को, की, कि, इक्त विभागियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--70-386 GI/85

(1) मैसर्म राजा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(३) श्रीमती भागेरेट रापूरो ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना चा<u>री करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए</u> कार्यवाहियां करता ह**्**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में ने किसी क्यंक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यापा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीयनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो. नहीं कर्ष होंगा को कर कथ्याय में दिया क्या है।

प्रनुसुची

गाला नं० 83, जो, तल माला, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, नाहर मुलुण्ड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्ष-3/37-ईई/18065/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-3, बम्बई

दिनाक : 24-10-1985 मोहर।

वक्य मार्च, टौ. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरंग 269--व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन ेत-३, बम्बर्ग

यम्बर्ट, दिलास 24 अवत्बर 1985

निदेण म० गर्र-3/37 ईर्ट/1780 !/84-85----ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

असरकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें १८७६ पहलात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की आदा २६५-ल है अपीन सक्षम गर्धिकारी का, यह विश्वता कारन का अभिन ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उण्जित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

ार जिसकी स० दकात नं० न०4, जी, प्लाट नं० 1102 है। जी-प्राप्त हार्डामण मोपायटी लिए, अबेस्पृती, लाल, देवीदयाल शेड, [तण्यू (प), बस्बर्ड-80 में विध्य है (और इससे उपाबड प्रागुची में और पर्ण पत्र में विध्य है), और जिसक कराणनामा प्रयाप प्रविचियम, 1961 की धारा 269क, ख के अबीन उस्बर्ड स्था सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में किंगी, ही, तारीख 1-3-1985,

वो प्वींचत सपति के उन्नि वाशार मूल्य से कस के दश्यमान प्रतिफला के लिए अंतरित की गई हैं और स्कें यह विश्वास करने अवने का कारण हैं कि यश्चपूर्नीकत सम्पत्ति का उच्चित वाजार मूल्य, उकके अध्यमान प्रतिफल से, एस रश्यमान प्रतिफल का रुखह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तम भाषा गया शिफल निम्नलिखित उद्यक्त से उक्त अन्तरण जिल्हित में गर्क्तिक कृप में क्षित नहीं किया गया है ---

- (क) मतरण संहच किया थार के कर के कावित मा निष्म की बचीन कर बोने को जन्दरक के कावित मा कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए; भार/पा

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्न अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुंक्सीन निकारिणील आक्रिक्सों, स्थान ु--- (1) श्री उल्म तात तीर सनवी।

(प्रन्यः)

(2) श्रीमती अज्ञाबेन बालूआई मकवाता। (ফনাদিবী)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए। गार्थत्रगेह्यों करता हुन्।

जवत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध मा कां**ई भी प्राक्षेय** :----

- (क) इस सूचना को राजधन भी प्रकाधन की तारीय से 45 दिस की समित वा तत्सम्बन्धी न्यभितान पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि , जा भो जन्मी वाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पृथीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व
- (ख) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं भ 45 दिन को भौतर उन्त स्थापर गुम्भिता है हिंद गूंच किसी सन्य अवस्थि द्वारा बाधाहरसाक्षरों भे था। विश्वित में किए वा सकीं ने ।

स्पालिकरण ---- श्रमा अध्नाम सक्ष्यों और यदों का, जो अर्थ-स्धितियम के अध्याम 20-क मे परिभाषित -है, नहीं कर्ध होगा, जो उस अध्याम में विसा मना है।

प्रनुसूची

दुक्तन न० 4, ब्लाट न० 1102, ऋषम को-श्राप० हाउमिग मोसायटी लि०, "अबे स्मिति", लावा देवीदयारा राड, मुलुण्ड (प), बम्बई-४० में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० ५० श्रार्ट-3/37-ईई/17801/ 81-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टई किया गरा है।

> . ए० प्रसाद सझम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्राप्तत (विरोक्षण) प्रजेन रेज-३, वस्वई ।

दिशाक: 24-19-1985

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री धाः बी० गिद्यानिया।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश लाक्मल मोट्यानी।

(प्रस्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बर्ट, तिलाहर 21 सन्तुबर, 1985

निदेश स० ग्रई-3/3*7-३*ई/1715 !/84-85~--ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिर बाजार मूल्य 1.,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सक दुतान नक 7, जो, तलमाला, अबे मैया गतारंगेड, भार भाग्य नाव गेड, भूलुण्ड (प), वस्वर्ट-80 मे स्पित ४ (शीर उपा उपायह प्रतुस्ता म और पूर्ण रूप से प्रणित १) और जिसता त्ररारनामा प्रायक्तर अविनियम 1961 की धारा 269क, व के अबोल वस्वर्ड स्थित स्थाम प्रशिकार के त्रायालय में रिकरटा है, कारीक 1-2-85

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदूर प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अभि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसिक उद्देश से उक्त अन्तरण लिरिक मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्रची

दुकान २० 7, जो माला, अमे भैया प्रपार्टमेट, उा० भारत पीठ रोड मलुण्ड (प) घन्यई-80 में स्थित है। पनुसूचों जैसा वि ऋ० स० भ्रई-3/37-ईई/17-15-4/ 84-85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिस्टड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महासक आयवार आणक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, बम्बई

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में.. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमें, अर्थात् :—

रि संज : 24-10-1°85

प्रकप वाइ .टी. एन, एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेग-3 वस्बई बस्वई, दिनाट 18 अक्तुवर, 1985

निदेश सं० **ग्रई-3**, 3.7-**ईई**, 1.7918, 8.4-85----श्रन मुझे. ए० प्रामाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा सं अधिक है

और बिनको त० यूनिय त० 207, ज िरातदाती इस्टेट का नार मार्ग बम्बई में स्थित हैं (और इ.14 उपाबद्ध प्रतु-सूर्वा में और पूर्ण ब्ला स विभिन्न हैं) आर जिनका अर्थ-नामा प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 ख के प्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उणित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पर्शि का उणित बाजार मृत्य' उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने मा सूबिधा बे सिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिए;

कर: नव, उन्त निभिनियन की भारा 269-न के अपून्यक में, में उन्त निभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात .——

- (1) मैमर्प हिरा त्यानी इडस्ट्रियल इस्टेंट इटरप्राइजेस । (प्रस्तरक)
- (2) मैं भं मिरासत इटरप्राष्ट्रजेस। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सिक्ती अन्य स्थानित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं तर्थ द्योगा, को उस अध्याय में विका कवा हैं।

अनुसूची

यूनिट न० 207 जो हिराहिदानी इन्टेट काजूर मार्ग यम्बई में स्थित है।

प्राप्तो जैना कि कर सर ग्रई-3,37-ई३, 79'8, 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1935 की रिस्टिंड किया गया है।

> ए० प्रभाद सक्षम प्रावेकारी गहायक त्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-3 वस्बई

दिनगर: 18-10-1985

प्ररूप आदें. टी एन. एत.-----

जायकः अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्याञ्चन, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनां ह 24 श्रक्तूबर 1985

निदेण म० अई-3/37-ईई/17765/84-85 --प्रन. मुझे, ए० प्रमाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी हां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० 10 जा 4थी मजिल हरणा विला सर्वे न० 1,1000 प्राट न० 171ए और बी सिटी सर्वे न० 1386 मलुण्ड (प) बस्बई में रिधन है (और इ.से उपाबद्ध प्रनुस्ती में और पूर्ण व्य में बिणन है) और जिसका करारनामा आयकर प्रतिनिधम 1961 की धारा 269 खं के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिन कारी के नामिल्य में रिजर्म्हा है नाराख 1-3-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के इस्यमान प्रितफल को लिए अन्सरित ही गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सस्मिति का उभित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रितफल से, एसे इश्यमान प्रितफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय य किसी जन या बन्य बास्सियों की, जिन्हों कारताय का कर की जिन्हा, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या कि का जना बाहिए कि उस स्वापा ये किए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्थितियों, अर्थातः :— (1) मैं में हणा बिल्डर्म।

(ऋनामक)

(2) श्रामना लक्ष्मोबाई उमरणा हरीया आंश्रप्रस्य। (अन्तरिना)

का यह सूचना जारो करक पूर्वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया ३-ए करता हु।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या सत्सवधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवों कर व्यक्तिमों में स किसी व्यक्ति तुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य स्थावल द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं ० । 0 जो । थी मिनित हुणा-विला सबे न । 1,0000 प्लाट न ० । १७ जी बी, सिट। सबें न ० । 386, मुल्ण्ड (प), बम्बई में स्थित है।

प्रतुम्ची जैसा कि कि सं प्रई-3/37-ईई /17765/84-85 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद क्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 24-10-1985

माहर:

प्ररूप नाइं.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

िदेग ा० प्रई-3/37-ईई/17764/84-85→~प्रत- मुझे. ए० प्रशाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें सके पहचात् 'उन्त अधिमियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

अं। दिसकी स० यितट न० 237, जो, 2र्ग मिलत, "निबन्ध उद्योग भवत", बाल राजेश्वर रोष्ट, मोडेल टाउल के सामने, मृलूण्ड (प), बम्बई 80 में स्थित है (ऑण इससे उताबद अनुसूची में ऑण पूर्ण रूप से विणित है), और जिलका एलारतामां आय र अधिनियम 1961 की धारा 2697, ख के अधीत, बम्बई स्थित रक्षम प्रति ।री के तारीख 1-3-1985

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्दमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन दाजार मूल्य, उसके दर्दमान प्रतिफल से, एसे दर्दमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में मूर्विधा के लिए, और, या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विस्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं भर्भ इहा नायमन एजेमा।

(यन्तरक)

(2) मैं अर्स कियोरी कारमें टिका

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

यूनिट नं० 237, जा. 2री मंत्रिल, गोबिन्ट उद्योग भवत, बाल राजेक्वर रोड, माडेल टाउन के धामस, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

प्रनुस्ची जैमा जि कि स० सई-3/37-ईई/17764/ 84-85 और जो क्षिम प्राधिकारी बस्बई होने दिनाक 1-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रमाद सक्षम प्राधिशारी महायम श्रायक्ष श्रायुक्त (शिक्षण) ग्रजन रेज-3, वस्वई

दिनास 16-10-1985

माष्टर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

निद्रेश स० ग्रई०-3/37-ई है_| 17378/84~85--श्रनः मुझे ए० प्रपाद

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमाह 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ग. में अधिक हैं

अगिर जिस्की संव दुकान नंव 19, जो, दि संदािकनी को-आप आरव हाउसिंग सोसाईटी लिव, लादी वाला कालोनी, बीव आरव रोड मुलूड (पव), वस्वई-80 से स्थित है (और इससे उपादछ अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित है). और जिनका करार-नामा आयण्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, से रजीस्ट्री है, दिनाँच 1 सार्च 1985,

की प्लेक्ति सम्बंधित के निष्त काजार प्रत्य में कम क स्थमान शितफल के लिए कालित की गर्ड हैं और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे स्थयमान प्रतिकाल का नन्द्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए क्ष्य पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित हो बावतिक रूप से किथात नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत खबत अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्ज में अभी अपने या उनम अचिन में मृतिया के निए: और/वा
- (ब) एसी किशी बाय मा किसी धन या अन्य अस्तिमों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

क्षत शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा** (1) के डाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :— (1) थी जमनादान एम० पटेल ।

(यन्तर ह)

(2) श्री वेलर्जा एन० घहा।

(प्रन्तिर्गी)

को यह सूचना जारी करके प्रयोवत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासः;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा नवा हैं।

ग्रन्मूची

दुकान नं० 19, जो, दि मंदाकिनी को-ग्राप्त० हाउमिन सोसाईटी लि०, लादीवाला कालोनी, बी० ग्रार० रोड, मुलूंड (प०), वम्बर्ड--80 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कि सं अई०-3/37-ईई/17378/84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 31-10-1985

प्ररूप कार्¹.टी.**एन.एस**. -----

काशकर अधिनिश्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर क्षायुक्त (निरक्षिण)

यर्गनरेंज-१ बम्बर्ड

वम्बई, दिनाँक 28 श्रनमुबर 1985

निर्देण मं० श्रई०-3/37-ई० ई०/ /84-85----ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एक्ट टिनं ० 203, जं (, 2री मजिल, ग्रजय ग्रपार्टमेंट, बचानी नगर के नामने, मालाड (पूर्व), बबई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रन्थुची में ग्रार पूर्ण रूप में विणत हैं), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें के श्रयोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजस्दी है, दिनाँक 1 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के क्ष्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) इन्सरण में हार किसी बाम की बावत, अक्स किमिनसम के अधीन कार दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तप स्चने में मृक्षिण में निगा; और/मा
- (क) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपान में मृबिश्व के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनररण बे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) भेसर्स अपवाल कल्प्ट्रक्शन कंपनी । (अन्तरक)

_ :___ saccessor -==--

(2) मंज्लावेष त्रिर्जीमाई दोवारीया पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्मित्ति के वर्णन के लिए कामवाहिया द्वार करना हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच सै 45 दिन का अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा,
- (ल) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर संपन्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरों के पार तिस्ति में किए न स्वर्ण

स्थलकोकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा नवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, बचानी नगर के सामने, अजय श्रपार्ट मेंट, मालाड (पू०), बम्बई--67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० श्रई०-3, 37-ई० ई०, 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1~3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 28-10-1985 मोहर.

अस्त बाहाँ .टी एन एव . ------

अग्राहर स्पितियम, 1961 (1961 का 43) की जया 269 म (1) के अभीत सम्बना

शारत सरकात

कार्यासय, तहायक नावकह वार्यक (निर्धाक)

भर्जेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 31 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ई० ई*्/17746/84*-85--- मतः महो, ए० प्रसाद

अध्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् उकत निधिनयमं कहा नया ही, की भारा 269-स तो अधीन सक्षम पाधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि रथापर सम्पतिन, जिसका उजित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीरिजिसकी सं फ्लैंटनं 42जो,तल माला बी-इमारत वर्धमान नगर,मालाड (प), अस्वई मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनाँक, 1 मार्च 1985

करे पर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाषार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिपन्न को निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उषित बाषार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिप्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितों) के बीच एसे अंतरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविद्या उद्योध्य से उक्त अन्तरक निम्निविद्या से बार्स के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविद्या उद्योध्य से उक्त अन्तरक निम्निविद्या से बार्स के सिए का स्वाधित को बास्तरिक कप से किवा नहीं किया बंदा है :----

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय भी बाबरा,, उपरा क्षिपित्रक के जभीन कर दोने के बंतरक की शांतिस्य में कनी करने वा उक्क बच्च में गुणिया के सिए; जॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा संकत अधिनियम या धनकार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंडरियी बुवारा अकट नहीं किया नहा था या किया काना वाहिए था विस्पाने हों स्विका के किए:

सतः अंग जनम अभिनियम की धारा २६०-न को जनगरण में, में नगर अभिनियम की धारा २६० व की ज्याभारा (1) ें वर्धान निम्निसिक व्यक्तियों अर्थात :~~ 71—386 ∩1/85 (1) श्रीमती ए० यू० लेवाडिया।

(अन्तर ह)

(2) श्रीजे०पी चोलेरा।

(श्रन्तरिती)

को बहु हुन्या बारी करके प्रांकित बन्धीत के अर्थन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब ब्रुवणा के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 फिन की वनिष था तत्यम्बन्धी न्यापित हैं के स्वाप्त की तामील से 30 किन की अविदि के विवास की समाप्त होती हो, को भी का वा के स्वाप्त की से किसी स्वाप्त वनिष्क
- (ब) इस स्वारा के राजपण में प्रकाशन की शारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिल- वृक्ष किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधारहण्यात में पात विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वकाश्वरण :----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पत्तों का, प्रां स्वे श्रीकियम के अध्याय 20-के में से में प्रव ही, बही अर्थ होगा को उस्म अस्पाः भवा ही 🗷

ग्रनसुची

फ्लैंट तं 42, जो, तल माला, बी-इमारन, वर्धमान नगर, मालाड (प) बम्बई में स्थित है। $\frac{5}{3}$

प्रमुची जैसा कि क सं श्रई -3/37—ई ई /17746/84—85 श्रीर जो सक्षप्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन्हें किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम पाधि गी सहायक आयकर आयुक्त (क्रिकात) अनेत्र रेच-3, ा+वई

दिनांक: 31-10-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. -----

आयफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्स) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निवंश सं श्रई -3/37—ई ई /17314/84-85—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर जिथिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इम्प्रें इसके प्रथात 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं व्यूनिट नं व 107, जो, 1ली मंजिल, श्री डायमंड संंटर, एल व वी व एम व मार्ग, विकीली, बम्बई-83 में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनौंक 1 मार्च 1985

कां पर्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यवेष्य से उच्न बन्तरण निकास में कास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर को से अंतरक के दायित्व में कसी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या कन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिभा के लिए;

अत अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह (1) डी० के० बिल्डर्स एंड एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

(2) पैरामाउंट इंटरप्राइईज ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में से किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्तर्भा

यूगिट नं 0 107, जो, 1ली मंशिल, श्री हायमंड सेंटर, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है। श्रन्शूची जैसा कि क० सं० श्रई०-3/37-ई०ई०/17314/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक № 1-3-1985 को रजीस्टब्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका**री** सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज-3, **बम्ब**ई

दिनौंक: 4-11-1985

मोहर: 🖁

प्रकम कार्यः टी, यम्ह यसः,-----

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सथीन स्थान

ATEM PROPERTY

कार्यात्रभ, सञ्चयक भागकर भाग्यतः (निर्देशभ)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रवतुबर 1985

निर्देश सं० अर्घ०-3/37-ई० ई०/17824/84-85--ध्रनः [मुझे, ए० प्रसाद

षायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उन्त निर्मित्यम) कहा गया हैं), की भारा 269-स के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका जीवत वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से निर्माक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० पर्लेट नं ० २६, जो, ३री भजिल, २६, सिल्व १ फेस्ट, बंगलोर की - प्राप्त हाउनिंग सीनाईटी पेस्टम भागर, चेबूर, बस्बई-89 में स्थित है (ग्रीर इलने उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसा परारामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 द, ख के 'बीत बस्बई स्थित सबम प्राधि गरी के अर्थालय में रजउस्ट्री है, दिनां 1 मार्च

को पूर्विक्त सम्पत्ति के जीवत वाकार मूल्य स कम के दश्यमान पित्रका के सिए जन्तारित की वर्ष ही बीर मुक्ते यह विद्यमास करने के सादण ही कि यथमपुंचा की सपारित का जीवत बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रात्तव्यन से एक इस्त्रमान प्रतिफाल का पन्द्रह् अतिकत में सिक्त ही बीट अन्तरक (अत्तरको) और अत्तरिती (ब्ल्यारिवियों) के बीच एसे अन्तरम् के निए सुब् पाया न्या इतिक्य निकाशिकत उद्दूष्णेय सा उसत् बन्तर्य किवान को बास्यविक रूप से किथस बड़ा किवा क्या की स्तर्

- (क) बनारण से हुई किसी बाव की बासर, उक्त वीधिनयम के जभीन कर दोने में सनारक के कामित्य में कमी करने या उसस बचने को सुविधा में सिद्ध; मीर/मा
- (थ) क्षेत्री किसी बाव या किसी धन या बन्ध वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बाब-कर सिधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उपत स्थिनिवस या ध्युक्त अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) से प्रवोचनार्थ जन्दरियी व्याध प्रकट नहीं किसा नवा था किसा नाम धारिहए था, किसाने से सिका से किया है किए।

कराः संभ, उत्तर अधिनियम की भारा १६९ म के अनुसरस मो, जी, उत्तर अधिनियम की भारा १६९-म की उपभारा (1) के जभीन, निकारणीया व्यक्तियों, अभीन् क्ष्म (1) कुमारी एन० पी० कामथ ।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्रीमती मसाबएन रेयेन।

(भन्नरिती)

को यह सुषना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यशिक्षां करता हो।

उपस् क्षमहित के वृष्य के सम्मन्ध में कीई भी साक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वता में स्वपन में स्कायन भी राष्ट्रीय से 45 दिन की नवीं ना तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की वविधि, वो भी वविध नाव में समाप्त होती हों, के भीतर प्योंक्स स्वीकतमों में से किसी स्थित द्वार;
- (क) इस ब्रुवना के रावपण में प्रकाशन की सार्वा सं 45 किन के भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हितपकृष किसी अन्य स्थावत स्वारा स्थाहस्ताक्षरों से पास सिसित में किए का क्केंथे।

स्पर्कांकारण:---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पद्यां का, को उक्त जिनियम, को अध्याम 20-क में परि-भाषित ही, यही अर्थ होगा. को उस अध्यास से विद्या गया ही।

अन्तुकी

प्लट नं • 26, जो 3 री मंजिल 26, सिक्वरकेस्ट, अंगलोर को०-आप० हाउसिंग सोसाईटी, पेस्टम मागर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37-ई० ई०/17824/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बस्बई द्वारा दिनान 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिना: 28-10-1985

प्रक्ष बाह् ही . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 15 नवम्बर 1985

निर्देश स० श्रार**० ए० सी० नं० 537/85—86—श्र**न: मुझे एम० अगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मक्ष पण्डात् 'उन्त अधिनियम' महा गया है), की धारा क्ष्म के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिक है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य (000/- रु. से अधिक है

आर ोपकी स० घर है तथा जो पुरलावारी स्ट्रींज से कोथापेट, भारिया है (और इसस ज्याबद्ध अनुमुची में भौर पूर्ण रूप से दिण हैं), र्राजस्ट्री इसी अधिकारी के क्षामीलय, विजयवाड़ा किन्द्री देण अधितियम, 1908 (1908 व्या 16) के श्रधीन, स्ट्री समर्च 1985

जा प्रावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रोतपाल के लिए अन्तरित की गर्द है और अपने विश्वास करने का कारण है

ि कथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरममान अभिक्य ते, ऐसे दरममान प्रतिफल के पम्मूह प्रतिशत से अभिक है जात अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के लेच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्दान में उसने अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से किथत किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

ें केंद्र, उक्त विधिनियम की गाम १६९-म के वनसरण ें , एक्स अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ५ ग्रधीन, निम्मलिखित स्मीस्तामी, मुर्मास् ६—— (1) श्रीमती ए० नवराना शिखामन पति लेट सीतारमायन भ्रीर श्रन्य 8, विजयवाहा टाऊन-1। से (श्रन्तरम)

(2) श्री के० वेकटा गोहरी शकर राव पिता व्ही० नागेंदर राव, कुम्मरी स्ट्रीट, विजयवाड़ा ।

(भन्तिरती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखा-बद्ध किसी व्यक्ति खवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो पर अध्याप में दिया गया है।

वन्स्ची

पुराना टाइल्ड का घर और ए० सी० शेड, घर न० 11--27-7, पुताबारी स्ट्रीट, विजयवाडा विस्तीण 136.1 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1274/850, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधि परी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांग : 15-11-1985 मोहर: प्रथम आहाँ हो। सन . युद्ध . ----------

शासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुचना

BIZG SZAG

कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्शासक)

श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 15 नवम्बर 1985

निटेण स० फ्राउ० ए० सी० न० 538/85-- 86-अस मुझै एम० जगत मोहन

आसमर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाइत 269-ध को अधीन सक्षम प्राधिकप्ररी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार सूक्त 1,00,000/-रा. में अधिक है

भीर जिस्की मं० घर है तथा जो पुलावारी स्ट्रीट कोथापेट में स्वित है (और उसने च्याबड अनुसूची में मोर पूर्ण रूप से विधा है), रिस्ट्री स्वी अधिकारी के कार्याप्य, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 716) के अधीन, दिनांक मार्च 1985।

को प्वॉक्त एपित के तिचत बाजार मृत्य से कम के क्रमशान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे वह विकास करन का कारण है कि यथाप्वानत सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल सा बन्दह प्रतिगत से अधिक ही और अन्तरक (बन्तरकों) और जन्तिकों (अंतरितिकों) के बीच एस अतर्भ के निष् तथ पाना पना बाँच-क्ष्य, जिन्निकिस उद्व स्थ स उसके कृतरून मिथित में वास्त्विक स्थ से किस्त नहीं किया व्या है क्ष्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्स मधिनियम के मधीन कर दने के मुख्युक में दर्शभाष्य भ कमी करवं का उसके यसने के सुविधा के शिक्षण भ भी करवं का उसके यसने के सुविधा
- (व) एंसी निजी नाम वा किसी ५० वा अन्य वास्तिकों को निज्ञों भारतीय नाम-कह वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम वा प्रकर व्यक्तिमान, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्दरियों हुनारा प्रकट नृहीं किना नवा था या किया वाना वाहिए था, कियाने जे वृतिका के विद्यं;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के क्ष्मुबक्य म, में., उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीए, निक्नतिक्रित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमधी ए० नवरत्ना शिखामनी पति लेट सीतारामयम भौर अन्य अ, विजयभाषा टाकन-1।

(भन्सरक)

(2) 1. श्री ए० वेंकटेश्वर राष श्रीर

2. श्री ए० कृष्णा मूर्ति पिता वरवाराजूलू अ।म्हण विधी, विजयवाडा ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यविश्वा कुक कच्छा हूं।

तका सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप ह---

- (क) इस खुवना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बचीप वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बदीय, को भी अमीप बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इब स्था के रायपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवथ किसी बच्च व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किस वा सकतें।

and the

पुराना टाइल्ड का घर और ए० मी० शेड घर नं० 11-27-7, पुलावारी स्ट्रीट, विजयवाडा, विस्तीण 280.7 चौ० गज रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1273/85ए रजीस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी विजयवाड़ा।

> ्म॰ जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैंदराबाद

विनांक : 15-11-1985

मोह्र्र.

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अरीधारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीकाण) भर्जन रेंज, हैं दराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 539/85-86-श्रतः मुझे एम० जयन मोहन.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० घर है तथा जो पुल्लावारी स्ट्रोट, ाथापेट, में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिस्ट्री ति प्रीध गरी के ज्यातिय, बिजयवाड़ा रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयन, 190के (1908 ग 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985।

की पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रिक्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में मह विश्वास करने का तारण है कि यथापुर्वीकन संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधि ह है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्निलिधित उद्दश्य से उसत अन्तरण किकिस में वास्तरिक रूप से किया गया ही:—

- (क) अन्तरन से हुन्द किसी बाय की, बाबत, अक्स अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिनियम में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (य) एंग्री किसी नाय या किसी भम वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधर केलिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो. मी., उक्त अधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा 1) के अधीन, जिन्तिसित व्यक्तियों, अधीर क (1) श्रीमती ए० नवस्ता सीखाननी पति सीजारामस्या स्रोर श्रन्य 8, कील,वेनु, विजयवाङ्ग-1।

(प्रन्तरह)

(2) श्री ही० रामचद्रा मूर्ति, पिता वेंकटेण्वर राव कोयापेट विजयवाङ्ग~1 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्मित के वर्षत के संबंध में कोई भी वाकीप :---

- (क) इस सूचना के रापपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचार है गाविक र स्थायन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किया में किया जा सकरी।

स्पाद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त धव्दों और प्रतीकत, को क्वा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस मध्याय में दिया गया है

अम्स्ची

पुराना टाइल्ड ा वर श्रीर ए० सी० मेड एम० नं० 10 रेवेन्य 3, बराह नं० 4, टी० या० नं० 280, श्रसेसमेंट नं० 7265 पुताबारी स्ट्रीट, विकासाड़ा, विस्तीर्ण 235 सी० गज, रिजस्ट्रोहात विलेख नं० 1276/85।

> एम**ः जगन मोहन** सक्षम प्राधिकारी महायभ ग्रायणर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, **हैदराबाद**

विमान : 15-11-1985

सोष्टर:

शहर आहे^र.टी.एन.एस.------ (1) श्रीमती ए० नवरत्वा मी ब्राधनी पति सीतारामय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अर्थात सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैंबराबाद हैंदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 540/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है तथा जो पुल्लावारी स्ट्रीट, काथापेट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिसिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई हैं और जुम्मे यह विववस्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एते दश्यमान प्रतिकाल को पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्त को जोर अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (काँ) भीराण से हुए किसी अःम की बावस, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक को बायरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बरि/स
- (क) गुनि किसी आय या किसी धन या अन्य जान्सियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) आ उद्दर्श विभिन्समा, रूड धन-कर अधिनियमा, 1957 (1957 की 27) की प्रसोजनार्थ लाज विशेष कृतार पाण्ड उन्हों किया गर्य भारत के विशेष के विशेष के सिकार में स्विमा के लिए;

नतः मतः, उक्त जीभिनियस की पारा 269-द के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती ए० नवरत्ना सी बाधनी पति सीतारामय्या ग्रीर ग्रन्य 8, कोलावेन, निजयवाङ्ग-1।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री डी० राष्ट्रिक्ता राव, पिता वेंकटेश्वर राव, कोशापेट विजयमाङ्ग~1 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

खबरा सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस स्थना के राअपत्र में प्रकाशन का ताराध वें 45 बिन की अविधि या तत्सेंबंधी क्योक्तया पर स्थना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो मा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीय क \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य कित द्वारा अधोहस्ताक्षरी ध पास निकित में किए जा सकोंगे।

ण्डिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका जन्ह है।

मन्स्ची

पुराना टाइल्ड का घर श्रीर ए० सी० शेंड एम० नं० 10, रेबेन्यू 3, ब्लाक नं० 4, टी० या० नं० 280, श्रसेसमेंट नं० 7265, पुल्लाबावि स्ट्रीट, विजयवाड़ा, विस्सीणं 235 चौ० गज, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1275/85।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांब : 15-11-1985

मोहर: 🖗

क्षण नार्_{थः} की ह एम_ा एक्का व ज ज जन्म

बायकर विविधित्र, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के विधीन स्वता

हाइत बहुन्हाउ

कार्याजय, सहायक भागकर वायुक्त (रिनरीक्सण)

भ्रजीन रेंज, हैवराबाद

हैदराजाय, दिनांक 15 नवस्थर 1985

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 541/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नावकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) चिन्ने इसमें इसमें दरकों परवात् 'उन्ता निधिनयम' कहा गया हैं), की वाद 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाकार मृश्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० घर है तथा जो पुल्लावारी स्ट्रीट कोथापेट, में स्थित है (भीर इससे उपावड धनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला धिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

को वृत्रोंक्त सम्मत्ति के दिशत बाबार मुख्य से कम के क्रमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की नई है दौर मुर्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयनान प्रतिफल से एन्से क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रविचत से विभक्त है जौर अन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निन्निचिच उद्देश्य से उन्तर बन्दरण मिनिचत में वास्तिक कप से कीचा महीं किया वया है अन्तर

- कि) सन्तरम वे हुएं कियी नाथ की नावस्तः वयस वर्षिनियम के नधीय कर योगे के मन्तरक की वासित्य में मनी करने या उससे वचने में नुमिशा के लिए विक्र/का
- (क) एंडी किसी बाब वा किसी वन वा करूब वास्तियों को, जिन्हों भारतीय काम-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, मा भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-गार्व नम्परिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के किस्स

नतः नव, उत्त निधिनिधन की भारा 269-न से जन्मस्य में, में, अस्त निधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (१) से नधीर, निध्नसिविध स्वतिकारी नवास क्र-- (1) श्रीमती ए० नवरत्ना शिखामनी पति लेट सीतारामय्य, ग्रीर श्रन्य 8, विजयवाडा टाऊन-1।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें ० बेक्ट बृष्णा शाव पिता नागेद्रा राव, भुक्तमरी लेन,विजयवाड़ा~1

(अन्मरिती)

को यह स्वता जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निर्दे कार्यवाहिया सूर्ड करता हो।

क्यतः सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी क्षाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीख से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकत स्विक्तायों में से किसी व्यक्ति स्वादाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्पान्त में हिन- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार क्षाहस्ताक्षरी के पास निषित में किए का सकी गे।

स्थानीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

त्रनृसूची

पुराना टाइल्ड का घर भ्रौर ए० सी० शेड, घर नं० 11-27-7, पृताबारी स्ट्रीट, विजयवाडा, विस्तीर्ण 136.1 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1271/85ए रजीस्ट्रीकर्ला श्रीधकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, हैंदराबाद

विनांक: 15--11--1985

1 -- 1 - 21. Q1. Q4

कारणा अभिक्तित , 1961 (1961 का A3) वं भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

भाषांलय, बहायक बायका बाय्क्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 542/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० घर है तथा जो पुल्लावारी स्ट्रीट, कोथापेट, में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यग्रान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबोकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक मं हुई किसी बाय की बाबत, उल्ह अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राजित्व में कमी करने या उसमें बचन मां सुविधा ७ किए; और/या
- (ध) प्रमी किसी बाय रा किसी पन या जरू बारिस्ता की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1972 में 1972 के 1972 के 1972 के विकास प्राप्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविभा भी किया

वत. क.ब., उक्त विधिनयम की धारा २६० ग के अन्सरण के, में उक्त विधिनयम की धारा २६०-व की उध्धारा (३) के प्रधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
72—386 GI/85

(1) श्रीमती ए० नवरत्ना सीखमनी पति लेट सीतारामय्या, ग्रौर ग्रन्य 8, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री इंदरमल पिता लुबचंद,

2. श्रीमती चंदन बहेन पति ताराचंद, मनीकोंडा स्ट्रीट, विजयवाड़ा--1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति खूवारा;
- (अ) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वाहित्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उनके विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

अनुसुची

पुराना टाइल्ड घर श्रीर ए० सी० शेड्स, घर नं० 11-27-7, पुलावारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 228 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1270/850

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदरादाद

दिनांक: 15-11-1985

प्रकृष आई. टी. एम. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदशाबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जवम्बर 1985

निर्देश सं० फ्रार्० ए० सी० नं० 543/85→86→—यनः मुसे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्डित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० घर है तथा जो पुलनायारी स्ट्रीट, कोथापेट, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतृसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985।

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृद्ध यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से की बत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/पा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्यिभा के सिए;

अतः दश, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातं :--

(1) श्रीसती ए० नवरत्ना सीखमनी पति लेट सीतारामय्या श्रीर श्रन्थ 8, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० शंकर दुर्गा प्रसाद पिता नागेण्यर राव, समीता स्टीट, विजयवाड़ा जा !

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख्न-कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) एम सचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है?

अन्स्ची

पुराना टाइल्ड घर भ्रौर ए० सी० गेडस्, घर नं० 11-27-7, पुलाबारो स्ट्रीट, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 211.3 चौ० गज, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 1272/85।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 15~11~1985

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 4th December 1985

No. 7E-PRS-309.--On attaining the age of superannuation, Shri K. K. Giovei a permanent Assistant and officiating Section Officer (on ad-hoc basis) in this Commission is retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1985.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delm-110003, the 6th December 1985

No. D.I.-22/85-Estt-I-Vol.II.—The services of the following officers of CRPF are placed at the disposal of S.P.G. (Cabinet Secretariat), Government of India, New Delhi on deputation basis from the dates as noted against each:—

- 1. Shri Porendra Pratap, Dy.SP, 2nd Bn., 5-11-85 (FN).
- Shri S. S. Sekhawat, Dy.SP GC-IIAM/PKE, 19-11-85 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 2nd December 1985

No. E.32015(4)/16/84--Pers.I.—On appointment on deputation Shri S. S. Singh, Inspector (Exe) assumed charge of the post of Assistant Commandant (JAO) CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 5th November, 1985.

No. E,32015(4)/102/85-Pers.I.—On transfer on deputation Shri Inderpaljit Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 10th November 1985.

The 31d November 1985

No. E-16014(2)/1/85-Pers.I.—On repatriation, Shri B. S. Garcha has relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, KSTPP, Korba wef the afternoon of 16th November, 1985.

The 5th December 1985

No. E-32015(3)/4/84-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri C. R. Singh as Commandant, CISF Unit DSP Durgapur with effect from the afternoon of 15-11-85 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-11-85 or till such time regular appointment is made, which ever is earlier.

Nos. E-31013(1)/4/85-Pers, I——The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Commandant/Dy. Commandant for a further period from 28-11-84 to 27-2-85 or till regular selection is made, which ever is earlier:—

| Sl. Name of the | | officer | | | Designation | | | | |
|------------------|----------------------|---------|--|---|-------------|------------|--|--|--|
| 1 | 2 | | | | ·—· | 3 | | | |
| , | Shri 1. A. Jabhar | | | , | , | Commandant | | | |
| 2. C. P. Singh . | | | | | | Commandant | | | |

| 1 2 | | | 3 |
|----------------------------------|------|------|----------------|
| S/Shri | | | |
| 3. K.K. Kaul | | | Commandant |
| 4. G.S. Sandhu | | | Commandant |
| 5. R.P. Dube , | | | Commandant |
| 6. A. S. Shekhawat | | | Commandant |
| 7. S. K. Tah . | | | Commandant |
| 8. V. Louis Raj | | | Commandant |
| C.S. Vardaraja | | | Commandant |
| 10. S. K. Arora , | • | | Commandant |
| 11. Ajit Singh | | | Commandant |
| 12. C. I. Kukreti | | | Commandant |
| 13. O. P. Sharma | | | Commandant |
| 14. S. R. Sharma | | | Commandant |
| 15. M.K. Chaopra | | | Commandant |
| 16. S. K. Verma | | | Dy. Commandant |
| 17. R.G Thamp | | | Dy. Commandant |
| 18. K. S. Ahluwalia | | | Dy. Commandant |
| 19. P. S. Nandal | | | Dy. Commandnat |
| 20. L. N. Mohla . | | | Dy. Commandant |
| S. K. Chadha | | | Dy. Commandant |
| 22. P. R. Bhuttan | | | Dy. Commandant |
| 23. Sheorat Singh | | | Dy. Commandant |
| 24. Bhupinder Singh I | Rana | | Dy. Commandant |
| 25. M. Abrol . | | | Dy. Commandant |
| 26. V. Murleedharan | | | Dy. Commandant |
| 27, J. R. Gupta. | | | Dy. Commandant |

DM MISRA, Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th December 1985

No. Admn.I/8-132/85-86/138.—The Accountant General (Audit). I Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to Officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against them, until further orders.

Name, and date of Assumption of Charge.

- 1. Shri Varadarajan, 21-11-85 FN.
- 2. Shri P. Chintaiah, 20-11-85 FN.

The premotions ordered above are without prejudice to the claims of their Seniors if any and are also subject to the result of the result of the Writ Petitions Pending in the A.P. High Court/Supreme Court. Thy should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (P.I.) dated 26-9-1981.

Sd./-ILLEGIBLE Sr. Dy, Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GFNERAL (A&E) I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 29th November 1985

No. Admn.1/PF/PN1/1980.—Shri P. N. Jain 01/346, officiating Accounts Officer of the office of the Accountant General (A&E) If M.P., Gwalior will retire from Government Service with effect from 30th November, 1985 (afternoon) on attaining the age of superannuation.

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admr.)

Jaipur, the 2nd December 1985

No. Admn I(Audit)/P-13044/1633--The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaiput has been pleased to promote the following Asstt. Audit officers to the post of Audit officer (Group-B gazetted) in the scale of Rs. 8:0-40-1000 EB 40-1200 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each.

| S/Shri | | | |
|---------------------------------------|----|------|----------|
| 1. Suresh handra Misra | | | 25-10-85 |
| 2. Kastoor Chand Jain | | | 25-10-85 |
| 3. Vijay Singh | | | 28-10-85 |
| 4. Ram Das Goyal . | | | 25-10-85 |
| 5. Madan Lal II | • | | 25-10-85 |
| 6. Gulab Chand Verma | | | 25-10-85 |
| 7. Bhagwan Swaroop Sinh | ıa | | 29-10-85 |
| 8. О. Р. Saxena . | | | 25-10-85 |
| Mohan Lal Khandelwa | 1 | | 28-10-85 |
| 10. Ram Das Mantri. | | | 25-10-85 |

No. Admn I(Audit)/P-130³4/1633—The Accountant General (Audit) Rajsthan, Jaipur has been pleased to promote the following section officers (Audit) to the post of Assistan Audit officers (Group B gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880 EB 40-1040 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

| 1. Rajendra Kumar Jain (N.B.R.) 1-3-85 2. Moti Lal Padihar 10-10-85 3. Shankar Lal 15-10-85 4. Banna Lal Sharma (N.B.R.) 31-10-85 5. K.K. Bajpai 31-10-85 6. Pushpa Raj Mehta. 31-10-85 7. Vishan Das Nankani 14-11-85 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-84 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-85 19. Jeth Mal Soni 13-11-85 | S/Shri | | | | manus a service manus a la participa de la companya |
|--|-----------------------------|--------|----|---|--|
| 3. Shankar Lal . 15-10-85 4. Banna Lal Sharma (N.B.R.) 31-10-85 5. K.K. Bajpai 31-10-85 6. Pushpa Raj Mehta 31-10-85 7. Vishan Das Nankani 14-11-85 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-85 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 | 1. Rajendra Kumar Jain (1 | I.B.R. | .) | | 1-3-85 |
| 4. Banna Lal Sharma (N.B.R.) 5. K.K. Bajpai 6. Pushpa Raj Mehta. 7. Vishan Das Nankani 8. Gopal Ram Sharma 9. Hari Prasad Gupta 10. Chandra Prakash Teneja 11. 11-85 11. Rajni Kant Sharma 12. Shadi Lal Sharma 13. Inderjit Bawa 14. Sohan Lal Khabia 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 16. Ram Ratan Sharma 17. 11-85 18. Suresh Chandra Mathur 19. Jeth Mal Soni | | | | | 10-10-85 |
| 5. K.K. Bajpai 31-10-85 6. Pushpa Raj Mehta. 31-10-85 7. Vishan Das Nankani 14-11-85 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-84 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-85 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | | | | | 15-10-85 |
| 6. Pushpa Raj Mehta. 7. Vishan Das Nankani 8. Gopal Ram Sharma 9. Hari Prasad Gupta 10. Chandra Prakash Teneja 11. 11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 14. Sohan Lal Khabia 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 16. Ram Ratan Shandilya 17. Staya Narain Sharma 18. Suresh Chandra Mathur 19. Jeth Mal Soni | | .R.) | | | 31-10-85 |
| 6. Pushpa Raj Mehta. 31-10-85 7. Vishan Das Nankani 14-11-85 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-84 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | | | | | 31-10-85 |
| 7. Vishan Das Nankani 14-11-85 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 | | | | | _ |
| 8. Gopal Ram Sharma 11-11-85 9. Hari Prasad Gupta 8-11-85 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 | | | | | - - |
| 9. Hari Prasad Gupta 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 16. Ram Ratan Shandilya 17. Staya Narain Sharma 18. Suresh Chandra Mathur 19. Jeth Mal Soni | | | | | |
| 10. Chandra Prakash Teneja 11-11-85 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-87 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | | | | | - - |
| 11. Rajni Kant Sharma 7-11-85 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 10. Chandra Prakash Teneja | 1 | | | |
| 12. Shadi Lal Sharma 7-11-85 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 11. Rajni Kant Sharma | | | | |
| 13. Inderjit Bawa 7-11-85 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 12. Shadi Lal Sharma | | | • | |
| 14. Sohan Lal Khabia 8-11-84 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 13. Inderjit Bawa | | • | • | - - |
| 15. Jai Shankar Prasad Rajoria 8-11-85 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 14. Sohan Lal Khabia | | • | • | |
| 16. Ram Ratan Shandilya 7-11-85 17. Staya Narain Sharma 11-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-95 | 15. Jai Shankar Prasad Raid | ria. | • | • | |
| 17. Staya Narain Sharma 7-11-85 18. Suresh Chandra Mathur 11-11-85 19. Jeth Mal Soni 11-11-95 | 16. Ram Ratan Shandilya | | • | • | |
| 18. Suresh Chandra Mathur 19. Jeth Mal Soni 11-11-85 | | • | • | • | - - |
| 19. Jeth Mal Soni | 18. Suresh Chandra Mathur | • | • | • | |
| 13_11_85 | | | • | • | |
| 13-11-03 | | • | • | • | 13-11-85 |

A. MUKHOPADHYAY

Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 2nd December 1985

No. 49/G/85.—Shri K. Viswanathan, Deputy General Manager (Subst. & Permt. AWM/TSO) voluntary retired from service with effect from 1st August, 1985

G.N. No.50/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri V. V. Karmarkar, Addl. DGOF/Member (Subst. & Pmt. ADG/GM Gr. I) O.F. Board retired from service wef 30th November 1985/AN.

V. K. MEHTA DDGOF/ESTT.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 5th December 1985 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83--Adrnn(G)/1959.—The President is pleased to appoint Shri C. B. Kukreti, Joint Director (EP) in the Ministry of Commerce, as Joint Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi on deputation basis wef 19th November, 1985 (AN) and until further orders.

K. V. IRNIRAYA
Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 5th December 1985

No. 6/1457/84-Adm (G)/1977.—On attaining the age of superannuation Shri H. P. Biswas. Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 29th November 1985

No. 1/19/83-Admn. I—The President is pleased to appoint the following officers as Regional Director (Handicarfts), Office of the Development Commissioner (Handicarfts), Ministry of Textiles, in the pay scale of Rs. 1500-60-1800 on regular basis with effect from 1-11-1985 (FN). They are presentely working as Regional Director (Handicarafts) on adhoc basis in the Regional offices indicated against their names.

| SI. Name & Designation No. | Office where posted | | | |
|---|-----------------------------|--|--|--|
| 1. Shri M. V. Narayana Rao Permanent Publicity Officer | Southern Region, Madras. | | | |
| 2. Shri M. L. Premi Permanent Deputy Dirdector (Regional) | Central Region, Lucknow | | | |
| 3. Shri Kalyan K. Dey Permanent Det uty Director (Regional) | Eastern Region, Calcutta | | | |

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handicrafts)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION 6)

New Delhi-110001, the 15th November 1985

No. A.17011/170/79/A-6.—Shri A. M. Paranjpe Permanent Examiner of Stores (Engg.) and officiating Asstt. Inspection. Bombay has ratired from service on the afternoon of 31st October, 1985 on attaining the age of superannuation.

No. A-6/247(616).—The President is pleased to appoint Shri S. Natarajan, Assit. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Assistant Director of Impection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A', Engineering Branch) with effect from 24-10-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangement is made whichever is earlier

2. Shri S. Natarajan relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Office; (Engg.) at Coimbatore on the afternoon of 8th October, 1985 and assumed charge of the post of Inspecting Office; (Frgg.) in the office of Director of Inspection Bangalore on the forence of 24th October, 1985.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 4th December 1985

No. El 12(61)/83().—In continuation of this Office Notification of even number dated 17-11-1984, the appointment of Shii Dhirendra Kumur Iha, Hindi Pradhyarah, Hindi Teaching Scheme, Department of Official Language, Ministry of Home Aflairs, Calcutta as Hirdi Officer in this office is hearby extended for a period of one year wef 7-12-1985 on ad-hoc basis.

S. K. SINHA.
Dy Iron & Steel Controlle.

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016 the 4th December 1985
No. 10798B—AO-32013(A) /85-19.—The following Superintendents, Geological Survey of India have been appointed by the Director General. 051 on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay accorang to rule in the scale of pay of Rs 650-30-74)-35-870-EB-35-880-40 1000-EB-40-1200/- in a temporary caracity with effect from the date shown against each until further orders

| | | ~~ | ~ | | |
|-----|-------------------------|----|----------|----|------------|
| SI. | Name | | Date | of | appointmen |
| No. | | | | | - |
| 1, | Shri Salil Kr. Banerjee | | 28-19-85 | (| FN) |
| 2. | Shri H. N. Paul | | 30-10-85 | (| EN) |

The 5th December 1985

No. 10820B/A-19012(SKS/85/19A.—Shri Shekhai Kumar Sinha is appointed by the Directe. General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the foremon of 11-10-85, until further orders.

No. 10829B/A-19012(HSM)85/19A.—Shri Hargopal Singh Madan is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-11-85, until further orders.

No. 10838B/A-19012(1-SNK)/83-19A.—Shri S. N. Kumar, Assistant Geologist Geological Survey of India has been released from this Department on resignation with effect from 24-7-1985 (AN).

No. 10845B/A-19011(1-RKHN)/84-19A.—The President is pleased to appoint Shri Ravikumar H. Naik to the post of

Geologist (3) in the Geological Survey of India in the Minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30-9-85 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 5th December 1985

No. A-19012(107)/84/Fstt.A./PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri K. S. Shami, Assistant Administrative Officer is relieved of his duties in the Ind/an Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st December, 1985 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department.

The 6th December 1985

No. A-19011(199)/84/Estt.A./PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri A. S. K. V. S. Prakasa Rao, Chief of Mineral Statistics is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st December, 1985 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this Department.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th November 1985

No. A-38014/2/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri K. B. L. Sharma, Section Officer retired from Government Service on 31-10-1985 (AN).

P. K. GHAI Dy. Director Admn. (C&B)

New Delhi, the 28th November 1985

No. A.19018/3/85-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Vishal Chawla in the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 16th September 1985 till further orders.

The 9th December 1985

No. 4.12025/3/84-(OHS.I(Pt.).-The Director General of Health Services is pleased to abcoint Shift R. Sharma and Kum Kiran Loomba, Office Superintendents, CGHS. Delhi to the post of Administrative Officers in Central Government Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoop of 18th October, 1985.

T. S. RAG Dy. Director Admn. (CGHS)

PH(CDL) SECTION

New Delhi-110011, the 5th December 1985

No. A.12025/8/83-APH&PH/PH(CDL)—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Indira Chakuvarty Associate Professor of Biochen, try and Nutrition, All India Institute of Hypiene and Public Health, Calcuta to the post of Professor of Biochemistry and Nutrition of the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcuta, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th November, 1985, and until further orders.

MATU RAM Dy, Director Admn. (D

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 26th November 1985

No. DPS/41/2/85-Adm./32808.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Mathai a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 19-7-85 (FN) to 25-9-85 (AN) in the same Directorate vice Shri V. B. Prabhu, Assistant Stores Officer, Promoted as Stores Officer (ad-hoc).

No. DPS/41/2/85-Adm/32815.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Mahni, a Permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 7-10-85 (FN) to 8-11-85 (AN) in the same Directorate vice Shri John Johny granted leave.

No. DPS/41/2/85-Adm. 32822.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 2-9-85 (FN) to 11-10-85 (AN) in the same Directorate vice Shri R. N. Gaha granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

The interpretable with the second strategies of the second second

Bangalore-17, the 26th November 1985

No. 020/1/(15.4)/Estt, I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates mentioned against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:—

- (a) Kum. C. R. Vijaya (Staff No. 2151) with effect from September 20, 1985.
- (b) Shri Tittu Mathew (Staff No. 2082) with effect from May 18, 1985.

No. 020/1(15.4)/85-Estt. I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the services of Shri Raj Shekhar Mitta from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of November 21, 1985.

The 28th November 1985

No. 020/1(15.4)/85-Estt-L.—Director ISRO Satellite Centre to accept the resignation from the service of Shri S. Mohan from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of November 26. 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Office-II

AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560017, the 2nd December 1985

No. 12/49/78-Admin. - The Programme Director. APSU points the following persons as Scientist/Engineer 'SB' in scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200/- in Auxiliary Propulation System Unit of ISR

Department of Space, with effect from the forenoon of the dates mentioed against each.

| SI. No. | Nan.e | | | Date | of appointment |
|------------|--------------------------|------|---|--|----------------|
| 1. Shri A | braham Varghe | ,o · | • | or have my harmonic of the party harmonic of | 29-11-1983 |
| 2. Shri K | . Shaji . | | | | 24-6-1983 |
| 3. Shri M | И. Ј ауапагауапаг | 1. | | | 11-11-1983 |
| | | | | | |

A. UNNIKRISHNAN, Admin, Officor-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the November 1985

No. A 35018/15/83-EL.—Shri Surinder Singh is appointed in the post of Senior Security Officer in the pay scale of Rs. 650-1200 in the Directorate of Civil Aviation Security of the Office on deputation basis for the period from 8-7-1985 to 14-2-1986.

J. C. GARG, Joint Director of Administration.

New Delhi, the 28th November 1985

No. A. 12025/2/84-ES.—On the basis of recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Charan Das to officiate as Senior Airworthiness Officer in the scale of pay of Rs. 1100-1600 with effect from 31-10-1985 (FN) until further orders. Shri Charan Das is posted in the office of the Director of Airworthiness, Hyderabad.

M. BHATTACHARJEE Deputy Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Debra Dun, the 9th December 1985

No. 16/445/85-Ests-1.—On the recommendations of the Union Publico Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Dr. K. Venkateswaran as Research Officer (Other than Engineering and Statistical) at Madras Centre of the Forest Research Laboratory, Bangalore under Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the foremon of 18-11-1985, 15 a temporary capacity, until further orders.

I. N. SAXENA Registrar,

Forest Research Institute and Colleges

THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodata, the 29th November 1985

No. 12/85.—Shri C. S. Bhagat Superintendent of Central Excise and Customs, (Group 'B') Division-II, Vadodara on attaining the age of 58 years on 28-11-85, shall retire on superannuation pension in the afternoon of 30-11-1985.

No. 13/85.—Shri D. M. Patel, Superintendent of Customs, Groaup-'B' M. S. Navsari, Customs Division. Bulsar on attaining the age of 58 years on 2-11-1985, shall retire on superannuation in the afternoon of 30-11-1985.

A. M. SINHA
Collector
Central Excise & Customs
Vadodara.

MINISTRY OF TRANSPORT

(DEPARTMEN TOF SURFACE TRANSPORT) DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 2nd December 1985

No. 23-TR (3)/84.—Capt Y. V. Abhyankar, Nautical Officer in the 1. B. S. Nautical & Engineering College, Bombay relinguished charge of his post with effect from 31-8-85 (AN) consequent upon acceptance of his resignation.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 7th November 1985

No 631/85, h. No. 22/1/85-Adm I (B).—On the recommendation of DPC (Group 'B'), the Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Vijay Bahadur Pandey who satisfy all the conditions of "Next Below Rule" while on deputation on foreign service in obsentia to the grade of Extra Assistant Director/ Assistant Engineer (E&M) of the Central Power Engineering (Group 'B') Service in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. 10-5-1985, until further orders.

2. Shri Pandey will be on probation for a period of 2 years w.e.f. 10-5-1985.

R. SFSHADRI Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES (COMPANY LAW BOARD)

In the matter of the Companies Act, 1956 und of M/s. Ahmuty & Co. Private Limited

Bomb 1y-400 002, the 31d December 1985

No. 701/1191/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ahmuty & Co Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sanicot Private Ltd.

Bangalore-9, the 6th December 1985

No. 4836/560/85.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sanicot Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- IJ LFG(B) E Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Haripriva Productions Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 886/TAIII/560 -- Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Harioriya Productions Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the metter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cartons Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 1068 TAU1/560.—Notice is hereby given pursuance to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cartons Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sree Ramakrishna Gur & Khandasari Sugar Works
Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 1284/TAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sree Ramakrishna Gur & Khandasari Sugar Works Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M s. Ambica Hybrid Seeds Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 2357/TAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ambica Hybrid Sceds Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sankhva Sea Foods Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 2582/TAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sankhya Sea Foods Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Navkala Sarees Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 2604/TAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Navkala Sarees Private Limited, has this day been sruck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Balaji Powerlooms Private Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No 2862/FAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M's. Balaji Powerlooms Private Limited, has this day been stuck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chandramouli Papers Limited

Hyderabad-1, the 9th December 1985

No. 3117/TAIII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chandramouli Papers Limited, has this

day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAY/1 Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 29th November 1985

No. F. 48-Ad(AT)/1985 (II).—Shri S. K. Biswas, Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, Bombay, Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ameitsar Bench, Ameitsar on

ad-hop basis in a temporary capacity for a period of 3 months with cheec from the foreneon of 29th March, 1985 vide this efficients on the foreneon of 29th March, 1985 vide this efficients of the F. 48-Ad(A1) 1981-85, duted 27th March 1986 is occurred to continue in the same capacity as Associan Registro, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsai Bench, Arantsai Loi a further period from 29-6-1985 to 13-9-1985.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. I. Biswas a claim for regular appointment in the grade and the service rendented by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for cligibility for prometion to next higher grade.

T. D. SUGLA Pressent

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shantikumar Ved M's. Rajgopal Textile Mills, Mulankunnathukavu—Trichur.

(2) Shrì Suseclan, "Nirupama" Shornur Road, Trichur,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-16

Cochin-662 016, the 13th November 1985

Ref. No. L.C. 780/85-86.-Whereas I, B. RAVIBALAN. situated at Trichur

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule at Trichur on 16-3-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Trichur on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcisid property and I have ressen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by easy of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 right in 36 cents of land in Sy. No. 223/1 of Trichur Village, registered at SRO, Trichur, vide document No. 899/ 85 dt. 16-3-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bueby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of, the said Act, to the following persons namely: -

73--386 GI/85 k

Date: 13-11-1985

Scal:

(1) Smt. Sitara Rani d/o Late Shri Dev Raj Chadha r/o P-58, South Fxtn., Part-II, New Delhi through attorney Smt. Prem Lata Chadha. (Transferor)

(2) Smt. Usha Batra w/o Mr. Ramesh Batra r, o C-34, South Extn. Part-II, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. 3283/1018/IAC/Acq III/SR-III/3-85/1018 --Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

Whereas, I. SUNIL CHOPRA.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-mx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing
No. 58 Block 'P' situated at NDSF Part II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Ac.t 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act. in respect of may invene sciolog from and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely -

Objections, if any, to the association of the said property may be made in writing to the mederejged:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAMEN :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as airon in that

THE SCHEDULE

Entire first floor, part or property bearing No. 58, Block P, measuring 195.8/18 sq. yds., New Delhi South Extension, Part-II, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S --

(1) M/s. Duncans Agro Industries-31, Netaji Subhas Road, Calcutta-1,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Samsing Plantation & Industries Ltd. P-10, New Howrah Bridge Approach Road, Calcutta-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expired leter.

in that Chapter

from the service of notice on the respective persons,

- OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th November 1985

Ref. No. AC-22/Acqn. R-IV/Cal/85-86,--Whereas, I

SANKAR K BANERJFE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalpaigui (and more fully described in the schedule annexed hereto), here here transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land: 1257.14 Hectares of land with building etc.

Address: Samsing Tea Garden, Jalpaiguri Deed No. 4735 of 1985

Date: 13-11-1985

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ont, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1985 Scal:

FORM ITNS...

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) K. M. Krishanan Nambisan.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property cany be made in writing to the undersigned

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1985

1972/Acq.R-II1/85-86,—Whereas, I, SANKAR Ref. No. K. BANERJEE

K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 180 \(\) & B situated at R. B. Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908. (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta IAC Acq.R-III/37EE on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-4 of 1980 A&B, Behari Avenue, Cal. Regd. Before IAC. Acq R-III/Cal vide 37EE Ready on 1-3-85.

> SANKAR BANERIJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 1-3-85.

Soal :

Chanda Devi 3.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

AFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November 1985

Ref. No. III-1035/Acq/85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

able property, naving a late market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Municipal Holding No. 52, Ward No. 9, Khata No. 5, Khesra No. 79, Touzi No. 1333 situated at Mohalla—Sarwan Bazar, Munger (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay 20.2 1985 on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Nand Lal Khetan 2. Smt. Mohan Kumar 4, Matadin Khetan 5, Lakhi Pd. Khetan 6 Prakash Kr. Khetan of Balluwa Bazar,

(2) Shri Ramuatai Pd. Agaiwal 2. Aiun Ki. Agaiwal, 3. Amar Kr. Agaiwal, s/o Late Radha Krishna Agaiwal of—Chowk Bazar, Dist. Munger (Bihar). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with a single storeyed building measining 2 Katha 16 Dhurki situated at Mohalla-Sarwan Bazar, Munger and morefully described in Deed No. 1489 dated 20-3-1985 registered with Sub Registrar, Bombay.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-11-85

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1018/Acq/85-86.--Whereas, I DURGA PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. AKhata No. 2867, Khesra No. 1928, P.S. No. 411

situated at village Kunhauli Bisundutt, P.S. Sadar,

Muzaffarpur

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzasfarpur on 25-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of F922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 og 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Indra Agarwal, w/o Krishna ..arain Agarwal, Nat Bazai, P. S. Sadat, Dist. Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Bishwanath Prasad, S/o Late Ram Sewak Prasad, Moh. Imamganj, P.S. Sadar, Dist. Muzaffar-

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha 19 dhur bearing khata No. 2867, khesra No. 1928, P.S. 411 situated at village Kanhauli Bisundut,t P.S. Sadar, Dist Muzaffarpur and morefully described in deed No. 5460 dated 25-3-85 registered with D.S.R. Muzaffarnur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Date: 13-11-1985

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Judia Agarwal, w/o Kushna Narain Agarwal, Moh -Nai Bazu, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur

(2) Shii Rambilash Piasad, s/o Janaidan Piasad, Moh-Nai Bazar, P.S. Sadai Dist Muzaffaiput.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PAINA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-1019/Acq/85-86 —Whereas, I, DURGA PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Khata No. 581, Khasra No. 1927, P.S. No. 411 situated at village Kanhauli Bisundutt, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been trun ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 25-3-1985

(27 of 1957);

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

> (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha 1 dhur bearing khata No. 581, khasra No. 1927, P. S. No. 411 situated at village Kanhauli Bisundutt, P.S. Sadar, Dist Muzaffarpur and morefully described in deed No. 5462 dated 25-3-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under resection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 13-11-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Udit Narayan Singh S/o Late Sri Bechii Singh Vill Dariapur Bikrampur, P.5 Dharahara Dist Monghya

(Figusferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shankar Lal Agaiwal, Baijnath Agaiwal, Najayan Pd Agaiwal S/o Shri Upendra Najayan Ghosh, at Sadar Bazu Jamalpur, Dist Monghyr,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001 the 13th November 1985

Ref No [II-1025/Acp/85-86—Whereas, 1, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred of as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sheet No. 41, Thana No. 14 plot No. 3993 situated at Sadar Bazar Jamalpur, Dist. Monghyr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Monghyr on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evident of the Mubility of the transferor to pay tax under the sold Act, is respect of any income arising from the transferont and feet

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 4 dhur 7 dhurki 10 dhurki bearing Sheet No. 41, thana No. 14, plot No. 3993 situated at Sadar Bazar Jamalpur, Dist Monghyr and morefully described in deed No 1377 dated 25-3-85 registered with DSR Monghyr.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1020/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing 'Khata No. 581, khesra No. 1927, P.S. No. 411 situated at Village Khanhauli Bisundutt, P.S. Sadar, Diet Muzastarour (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass. to respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-lax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

74-386 G1/85

Smt. Indra Agarwal W/o Shri Krishna Narain Agarwal, Moh-Nail Bazar, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Shah, S/o Late Baiju Sah, Moh-Nai Bazar, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b' by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha bearing khata No. 581, khesra No. 1927, P.S. No. 411 situated at village Kanhauli Bisundutt, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 5461 dated 25-3-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur,

> DURGA PRASAD Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th November 1985

Ref. No. III-1050/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 53 Tauzi No. 316 Khata No. 460 Plot No. 70 situated at Mauza Sabazpura, P.S. Danapur. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Regist ation Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Danapur on 23-3-1985

for an aroutent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as surreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sri Saryug Singh S/o Late Ram Sharan Singh of Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sii Nirpendra Chandra Ghosh S/o Shri Upendra Narayan Ghosh, Rajbansi Nagar, Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions u.ed herein as are defined in Chapter XXA of the said u.ed herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 134 Decimal situated at mauza Sabaz-pura, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 1379 dt. 23-3-85 registered with S.R. Danapur.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date . 15-11-85 Seal:

(1) Shri Kishun Rai (2) Ram Uchit Prasad (3) Ram Suchit Prasad (4) Rajendra Rai (5) Ganauri Rai, OF-Akal Tola, P. S. Phulwari, Patna.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kanth Nagar Sahkari Grih Nirman Samity Ltd., OF-Dariapur Gola, P. S. Kadamkuan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 14th November 1985

Ref. No. III-1045/Acq./85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Thana No. 15, Touzi No. 145, Khata No. 208, Plot No. 523

situated at Jakariapur, Azimabad, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecastd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 2 Katha 14 Dhur 17 Dhurki situated at Jakariapur, Azimabad, Patna and more fully described in Deed No. I-4412 dated 25-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

(1b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer;

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Paina

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the sum Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1062/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 14 Khata No. 52 situated at Sain Chak, Paharpur.

Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at
Calcutta on 27-3-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and 1 have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;
- -m) facilitating the conceaument or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Ramjee Singh of Marachi, P. S. Chowk, Patna.

(Transferor)

(2) Shii Sahiyogi Nagar Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd., Rajapur, Menpura, Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 28 decimal situated at Sain Chak Pahar or Patna and more fully described in Deed No. I-4624 dt. 27-3-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-11 1985

PORM TINS--

(1) Shri Channick Roy S/o Mahtab Rai, Vill. Illahlbag, P.S. Phulwari, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dipak Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Kankarbagh, Patna-20. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1064/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Part Plot No. 1617 & 1618, Tauzi No. 227 thana No. 14
Khata No. 218 situated at Pahari, P.S. Phulwari, Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Calcutta on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kathas and 10 dhurs situated at Pahari, P.S. Phulwari, Patna and morefully described in deed No. I 4041 dt. 18-3-85 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1985

Scal:

(1) Shri Sardar Maluk Singh, s/o Sardar Jeet Singh of Moh. Club Road, Muzaffarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indu Jha, w/o Ganesh Chandra Jha of Moh. Mithanpura Lala, Muzaffarpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1024/Acq./85-86.-Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. khata No. 706, P.S. No. 410, ward No. 32, holding No. 287/A situated at Moh. Mithanpura 1 ala, Club Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Muzaffarpur on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1 2/2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meroing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 3 dhur 76 sq. ft. bearing khata No. 706, P.S. No. 410, ward No. 32, holding No. 287/A situated at Moh. Mithanpura Lala, Club Road, Muzaffarpur and morefully described in deed No. 4649 dated 14-3-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice finder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 7th November 1985

Ref. No. 1II-1041 / Acq. /85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing P.S. No. 203, Khata No. 177, Plot No. 56 situated at Village—Hehal, P.S. Sukhstee Nagar, Ratu Road, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ranchi on 4-3-1985

for an apparent considration which is less than the fair market vidue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hafifteen per cent of such apprent consideration and fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sita Singh Rai, w/o Sri Salil Singh Rai, through attorney, K. S. Jagdish Parsanna, Hehal, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist. Ranchi. OF-(Transferor)
- (2) Shri Dinesh B. Parikh, M/s, Jamshedpur Association Stores, of-Main Road, Dist. Ranchi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said :mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 Katha 23 sq. ft. situated at Village Hehal, P.S. Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi and more-fully described in Deed No. 2583 dt. 4-3-1985 registered with D.S.R., Ranchi.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Indra Agarwal, w/o Krishna Narain Agarwal, Moh-Nai Bazar, P. S. Sadar, Dist. Muzaffarpur. (Transferor)

(2) Shri Rambilas Prasad, s/o Janardan Prasad, Moh-Nai Baza P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1021/Acq./85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. khata No. 581, khesra No. 1927, P.S. No. 411 situated at village Kanhauli Bisundutt, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

of 1908) in the office of Registering Officer at Muzaffarpur on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha bearing khata No. 581, khesra No. 1927, P.S. No. 411 situated at village Kanhauli Blsundutt, P.S. Sadar, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 5459 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following escuent, manely :--

Date: 13-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Sardar Maluk Singh, s/o Sardar Jeet Singh of Mob. Club Road, Muzaffarput.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Ganesh Chandia Jha, s/o Ganpat Jha of Moh. Mithanpura Lal, Muzifarpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM'S-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-801001

Patna-800 001 the 13th November 1985

Ref. No. 111-1023 / Acq. / 85-86 - Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a tan market state and bearing thata No. 706, ward No. 32, holding No. 287/A situated at Moh. Mithangura Lala, Club Road, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 14-3-1985

for an apparent conside ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 6 dhur 12 dhurki bearing khata No. 706, ward No. 32, holding No. 287/A situated at Moh. Mathanpura Lala, Club Road, Muzaffarpur and more fully described in deed No. 4658 dated 14-3-1985 registered with D.S.R. Muzaffarpur,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namedy :-

Date: 13-11-1985 Seal:

75--386 GI/85

(1) Smt. Durga Devi, w/o Sri Udit Narayan Singh, Top Khana Bazai, Monghyr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shankar Lal Agatwal, Baijnath Agarwal, Narayan Pd. Agarwal sons of Jagdish Pd. Agarwal, Sadai Bazat, Jamalpur, Dist. Monghyr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1026/Acq., 85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

burga Prasad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Plot No. 3993, sheet No. 41, thana No. 14 situated at Sadar Parasa Jamushus, Diet Morgebyr.

Bazar, Jamalpur, Dist. Monghyr (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Monghyr on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/m

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 4 katha 8 dhur 5 dhurki bearing plot No. 3993, sheet No. 41, thana No. 14 situated at Sadar Bazar, Jamalpur Dist. Monghyr and morefully described in deed No. 1391 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Monghyr.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 200 of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 13-11-1985

(1) Shri Basudeo Singh of Marchi, P.S. Chowk Kalam, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sahyogi Nagai Shahkati Guh Nirman Samiti Ltd., of Rajapur, Menpura, Patna. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

(a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Patna-800 001 the 11th November 1985

Ref. No III-1055/Acq /85-86-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baxing a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Khata No 37 Plot No 59 situated at Sain Chak Pahaipur, Vatno

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Open land measuring 30 decimal situated at Sain Chak, Paharpur. Patna and morefully described in deed No. 1-4625 dt 27-3-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF Th INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November 1985

Ref. No. III-1028/Acq./85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Khata No. 96, Plot No. 1254, Mouza No. 51 situated at Jora Phatak, Dhanbad (and more fully described in the Schoolube approved herete)

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any ni meys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the manaferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sardat Kuldeep Singh Bharara, 1/0 Sardar Harnam Singh Bharara, OF PS. Jharia, Dharamsala Road.

(Transferor)

(2) Shri Balktishna Bhagaria, s/o Late Nagarmal Bhararia, OF/P.S. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 Katha 11½ Chatak situated at Jo1a Phatak, Dhanbad and morefully described in Deed No. 3035 dated 26-3-1985 registered with D.S.R., Dhanbad.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
Bihar, Patner

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sheo Narayan Roy, s/o late Bishnu Gope, Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna. (Transferor)

(2) Shri Niipendia Chandra Ghosh, s/o Narayan Ghosh, Rajbanshi Nagar, Patna. 5/0 Upendra (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th November 1985

Ref. No. 111-1051/Acq / 85-86.—Whereas, I, DURG \ PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing than No. 53, touzi No. 5299, khata No. 50, plot No. 39 situated at Mouza Sabazpura, P.S. Danapur, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration act. of 1908) in the office of the Registering officer at Danaput on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 151 decimal situated at Mouza Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1380 dated 23-3-1985 registered with S.R. Danapur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-11-1985

FORM I.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 11th November 1985

Ref. No. III-1032/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, hving a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Khata No. 87, 17, 16, 95, Plot Nos. 1705, 1656, 1669, 1668,
1663, Mouza No. 89 situated at Bhelatand, P.S. Gobindpur,
Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 27/28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kantilal J. Chanchani;
 Sri Jagdish J. Chanchani both s/o Late Jata Shankar Chanchani,
 OF-M/s. J. Dossa Estate (P) Ltd., At-Shanti Bhawan, Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Umesh Chand and others s/o Ishwari Pd. Chand, OF—Rajbari Road, P.S. Jharia, Dist. Dhanbad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures measuring 1.06 acres situated at Bhelatan, P.S. Gobindpur, Dhanbad and more fully described in Deed No. 3116 dated 27/28-3-1985 registered with D.S.R., Dhanbad.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Halla Singh of Marchi P.S. Chowk, Kalan, Pa(na.

(Transferor)

(2) Sahyogi Nagai Sahakari Giih Niiman Samiti Ltd of Rajaput, Menpura, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No III-1058/Acq/85-86--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No 52 Plot No 7 situated at Sain Chak, Paharpur,

Patna

(and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 27-3-1985

Calcutta on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the unid Ast in respect of any income arisins from the transfer and/er

THE SCHEDULE

Open land measuring 27 decimal situated at Sain Chak, Paharpur, Patna and more fully described in deed No. 1-4627 dt 27-3-85 registered with the Registrar of Assurances Cal-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

sow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Dilip Kumar Singh Rai, 5/0 Sri Salil Singh Rai, through K S Jagdish Prasanna, OF-Hesal, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist Ranchi

(Transferor)

(2) Shii Dinesh B Parikh, M/s Jamshedpui Association Stores OF—Main Road, Dist Ranchi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA 800 001

Patna-800 001, the 7th November 1985

Ref No III-1040/Acq / 85-86 - Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No PS No 203, Khata No 177, Plot No 56 situated at Village Hehal, PS. Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officei at Ranchi on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Katha 7 Chatak 1 sq ft situated at Village Hehal, PS Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi and more fully described in Deed No 2582 dated 4-3-85 registered with DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date · 7-11-1985

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 6th November, 1935

Ref. No. III/1039/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. P.S. No. 203, Khata No. 177, Plot No. 56, situated at Village—Hehal, P. S. Sukhdeo Nagar, Satu Road, Ranchi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has, been transferred under the Registering officer at Ranchi on 4-3-85.

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair unriket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such spparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Inclinating the reduction of evasion of its liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the recome namely '---

76-386 GI/85

Smt. Bina Mull
 W/o Sri Prem Mull,
 through attorney
 K. S. Jagdish Prasanna,
 of—Hesal, P.S. Sukhdeo Nagar,
 Dist. Ranchi.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Dinesh B. Parikh, M/s Jamshedpur Association Stores, OF—Main Road, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Land measuring 5 Katha 1 Chatak 9 Sq. ft. situated at Village Hehal, P. S. Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi and morefully described in Deed No. 2581 dated 4-3-85 registered with D.S.R. Ranchi

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna,

Date :6-11-85. Seal : +URM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 26FD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BUILAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November, 1985

Ref. No. III/1027/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Khata No. 30, Plot No. 164 168, 169, Monza No. 52, Holding No. 137, Ward No. 16,

situated at

Dhansar, Dist. Dhanbad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

 Shri Braj Mohan Agarwalla, Director S/o Late Lachmi Narain Agarwalla, M/s Dhansar Engineering Co. (P) Ltd., At—24, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Chandra Kani Gopalka, S/o Shyam Sundar Gopalka OF—Kirkent, P. S. Putkee, Dist, Dhanbad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 7.7 decimals situated at Dhansar, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 2955 dated 25-3-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar, Patna.

Date :8-11-1985, Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November, 1985

Ref. No. III/1034/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2692 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Mouza No. 8, Mouza Kalakusum No. 12 in Gobindpur Settlement Plot No. 763, 164, 165, 766, 767, 768 and Plot No. 139, situated at

Saraidhella, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 14-3-1985

for an apparoni consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for mask transfer as agreed to between the parties has not been truly artised in the said partitions. metrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: SDØ /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Fastern Engineering & Mining Equipments Company, P. O./Dist. Dhenbad (Bihar)

(Transferor)

(2) Industrial Equipments Corporation, P.O./Dist. Dhanbad (Bihar)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever poried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove preparty, within 45 days from the date of the elimination of this merion in the Official Gazetta.

municipal and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9 bigha 7 Katha 1 Chatak and 22 Sq. ft. land alongwith building Compoundwall, Workshop, Staff Quarter and with building Compoundwall, Workshop,
following Plants & Machineries:—
(1) Vertical Boring Mill—1
(2) Double Table Milling Machine—1
(3) Ram Types Shaper—1
(4) Traversing Head Shaper—1
(5) Facing Leth Machine—1
(6) Vertical Slotting Machine—1
(7) Leth (Small)—5

(7) Leth (Small)—5
(8) Pillar Radium Duill—1
(9 Power Heckshaw—1
(10) Tool Post Grinder—1

(11) Bench Grinder—1(12) Plate Bending Machine—1

(13) Profile Cutting Machine—1 (14) Wolding Machine—3

and miscellaneous machines, situated at Saraidhella, Dhanbad and morefully decribed in Deed No. 1-3830 dated 14-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons namely :--

Date :11-11-1985.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November, 1985

Ref. No. III/1033/Acp/85-86,-Whereas,I, DURGA PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khata No. 16, Plot No. 1771, 1772, 1668, 1660, 7661, 1662

Mouza No. 89.

si*uated at

Bhelatand, P. S. Gobindpur, Dhanbad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Regisaration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 27/28-3-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any paoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tuz Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Dinesh D. Chanchani, S/o Dalpat J. Chanchani, OF-M > J. Dossa Estate (P) Ltd., At-Shanti Enawan, Dhanbad.

(Transferor)

(2) Umesh Chand, & others S/o Ishwari Pd. Chand, OF—Rajbari Road, P.S. Ibaria, Dist. Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period and the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and with structures mearsuring 29240 Sq. ft. situated at Bhelatand, P.S. Gobindour, Dhanbad and morefully described in Deed No. 3117 dt. 27/28-3-1985 registered with D.S.R., Dhanbad.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 11-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November, 1985

Ref. No. III/1030/Acp/85-86.—Whereas, J. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khata No. 93, Plot No. 609, Municipal Holding No. 217, Ward No. 16, Mouza No. 51.

si uated at

Ashok Nagar, Dhobiand, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Saraswati Devi, W/o Sri Raj Kumai Sahu, OF—Gamchapatti, P.O./F.S. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Baidya Nath Singh, S/o Late Hari Narayan Singh OF—Tetulmari, Colhery, P.O. Sijua, P.S. Tetulmari, Dist. Dhanbad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- .b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion in a property measuring Katha 4 Chatak land with a building measuring 3762 sq.ft. situated at Ashok Nagar, Dhobatand, Dhanbad and morefully described in Deed No. 2075 dated 4-3-85 registered with D.S.R., Dhanbad

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date :8-11-1985. Seal :

FORM ITNS ----

(1) Ganga Roy of Ramji Chowk, Digha, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15742/84-85.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 1401 Plot No. 2532

situated at

Digha, Makhdumpur, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) Onkar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. of Indira Nagar, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 361 dec. situated at Dight. Makhumpur, Patna and morefully alescribed in deed No. 3661 dt. 11-3-85 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November, 1985

Ref. No. III/1038/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

competent authority under section 269B of the Income-tax

exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing Waid No VII-B, Holding No. 535, MS. Plot No. 1737, 1738, 173€.

si nated at

Nagratoh, P. S. Lalpur, (Near Womens College), Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule antexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering officer at Ranchi on 25-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of in fer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A. t. 1917 (27 of 1957);

(1) Smt, Harbans Kaur Bhatti, W/o Sardar Hardit Singh Bhatti, OF- Nagratoh, P.S. Lalpur, Dist. Ronchi.

(Transferor)

(2) And Kumar Sahu, S/o Late Ramkisto Sahu, OF/P.S. Sılli, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 3 Katha 14 Chatak 13 Sq. ft. situated at Nagratoli, P.S. Lalpur, Dist. Ranchi and morefully described i. Deed No. 3305 deted 25-3-85 registered with D.S.R., Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date :8-11-87

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

W/o Shri Shatrughan Pd. Sinha, W/o Shri Sharrughan Pd, Sinha, OF-Motihari Balluwa Bazar Chowk, P. S. Motihari,

Distt. Motihari (Bihar).

(2) Smt. Chandrawati Devi,

W/o Sita Rani Tebriwal, OF/Moh.—Chowk Bazar, P.S. Kotwali, Dist. Munger (Bihar).

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD Patna-800 001

Patna-800 001, the 11th November, 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

Ref. No. III/1036/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immer-soble property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Manicipal Holding No. 137, Plot No. 27/37, Old Khesra No. 2358, Touzi No. 1333. situated at

situated at

Mohalla—Bari Bazar, Munger.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of imthe said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other ances which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE . HEDULE

Land with a single storeyed building measuring 2 Katha 10 Dhur, 8 Dhurki situated at Mohalla—Bari Bazar, Munger and more fully described in Deed No. 1488 dated 20-3-85 registered with Sub Registrar, Bombay.

> DURGA PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date :11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th November 1985

Ref. No. III/1052 / Acg /85-86,--Whereas, I. DURGA PRASAD,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 53, Louzi No. 5299, Khata No. 50, Plot No. 39, situated at

Mouza Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Danapur, on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: 77---386 GI/85

(1) Sheo Narayan Roy S/o Bishnu Gope At-Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Nirpendra Chandra Ghosh, S/o Upendra Narayan Ghosh, Rajbanshi Nagar, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15½ decimal situated at mouza Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 1442 dated 27-3-85 registered with S. R. Danapur.

> DURGA PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna

Date: 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR. Patna-800 001

Patna-800 001, the 8th November, 1985

Ref. No. III/1043/Acq./85-86.—Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2593 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 000 - and bearing Survey Plot No. 1151, Sub Plot No. 300'A. Holding No. 687'F-1, Khata No. 122, Khewat No. 4, Thana No. 202.

situated at
Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, markely :-

(1) Smt. Mahendra Kaur, W/o Sardar Gogendra Singh, OF-Ratu Road, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Agarwal, W/o Sri Shashi Bhushan Agarwal, OF-Ratu Road, P.S. Sukhdeo Nagar, Dist. Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION --- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 2 Katha 8 Chatak situated at Sukhdeo Nagar, Ratu Road, Ranchi and morefully described in Deed No. 3561 dated 28-3-1985 registered with D.S.R., Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 8-11-1985.

. Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR, Patna-800 001

Patna-800 001, the 14th November, 1985

Ref. No. III/1044/Acq./85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing

Thana No. 15, Touzi No. 145, Khata No. 209, Survey

Plot No. 522. situated at

Jakariapur, Azimabad, Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sarjug Rai
(2) Yugal Rai (3) Permanand Rai
(4) Sheo Kumar Rai, OF—Akal Tola. P.S Phulwari, Patna.

(1 ransferor)

(2) Kanth Ngar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., OF-Dariapur Gola, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 5 Katha 4 Dhur 15 Dhurki situated at Jakkariapur, Azimabad, Patna and more fully described in Deed No. I-4411 dated 25-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, Patna-800 001

Patna-800 001, the 13th November, 1985

Ref. No. 111/1022/Acq./85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

Seing the Competent Authority under Section 269B of the (neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Khata No. old 1299 Khesra No. old 1161, 1156, 1159, 1166 (part) Khata No. New 69, Khesra No. New 180, 148, municipal holding No. 28, Ward No. 28 signated at

Mahammadpur kaji, Dist. Muzaffarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzatlarpur on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Ledieve don't the fun market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(1) Smt. Shushila Devi W/o Sri Kameshwar Prasad of vill. Manupur, P.S. Dighawara, Dist. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Chandra Madhav pd. Verma, Sri Chodhaiy Jagdish Narayan of vill. Madhubani, P. S. Fenhara, Dist. East Champaran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. bearing khata No. old 1299, Khesra No. old 1161, 1156, 1159, 1166 (part) khata No. new 69, khesra No. New 180, 148 municipal holding No. 28, ward No. 28, situated at Mahammadpur Kaji, Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed no. 4635 dated 14-3-1985 resistant with DSB Muzaffarpur. gistered with D.S.R., Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, taerefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1985

Soal:

PORM TINS

(1) Sardar Hardit Singh Bhatti, S/o Late Sardar Prem Singh Bhatti, of Nagratoli, P.S. Lalpur, Dist. Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sadhna Sahu, W/o Sri Anil Kumar Sahu, of/P.S. Silli, Dist. Ranchi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PAINA-800 001

Patna-800 001, the 7th November 1985

Ref. No. III-1037/Acp/85-86 -- Whereas, 1.

DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. VII-B, Holding No. 535, M.S. Plot No. 1737 situated at Nagratoh, P.S. I appur (Near Womens College),

Dist. Ranchi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ranchi on 25-3-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aron and property and a have reason to believe that the lair marker value or the property as aforehaid exceeds the apparent consideration, therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Shicetions, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immouable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, andior

THE SCHEDULE

Land with building measuring 4 Katha 10 Chatak situated at Nagratoli, P.S. Lalpur, Dist. Ranchi and morefully described in Deed No. 5393 dated 25-3-85 registered with D.S.R., Fanchi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

New, therefore, in puramance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. (a) the following persons, namely -

Date: 7-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES SIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1029/Acp/85-86,---Whereas, I. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 A 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 57, & 96, Plot No. 1254, 1255, 1262, Mouza No. 51 situated at Jora Phatak, Dhanbad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Dhanbad on 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 🖴 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with f' short of :-

- (a) incilitating the reduction or eventum of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997).

New, therefore, in pursuance of Section 2000 of the mit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sardur Kuldeep Singh Bharara, S/o Sardar Harnam Singh Bharara, OF /P.S. Jharia. Dharamsala Road, Dhanbad.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi, W/o Balkrishna Bhagaria, OF/P.S. Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

hxplanation is-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 Katha 11½ Chatak situated at Jora Phatak, Dhanbad and morefully described in Deed No. 3136 dated 28-3-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ex Acquisition Range. Bihar, Patna

Date: 8-11-85.

Calcutta on 18-3-85

FORM ITNS

(1) Shri Madan Prasad Yadav, OF-Kumhrar, Sultanganj. Patna

(Transfero:)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alpa Aay Vargiya Sahkati Grih Nirman Samity Ltd, OF-Kankarbagh, Patna-20

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACOUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;

Patna-800 001, the 13th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Ref. No III-1048/Acp/85-86 - Whereas, I.

cation of this notice in the Official Gazette.

DURGA PRASAD.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Plot No. 281, Touzi No. 597, Khata No. 545, Thana No. 12 situated at Kumhrar, Sultangan, Patna (and more fully described in the Schedule anneved heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any interme arising from the transfer; wd/er

THE SCHEDULE

Land measuring 15 Decimal situated at Kumhrar, Sultanganj, Patna and morefully described in Deed No I-3994 dated 18-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1937 (27 of 1937);

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. IΠ-1004/Acg/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No Plot No. 27 & 28, Holding No. 525-A, Circle No. 13, Ward No. 5 situated at Mohalla—Park Road, Kadamkuan.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Mr. Devi Prasanna Chatterjee (2) Mr. Shiya Prasanna Chatterjee (3) Mr. Ambika Charan Chatterjee (4) Mr. Bhola Nath Chatterjee & (5) Smt. Sova Chatterjee, A/4, Pariject, gr. floor, Bundea, Reclamation, Bambaya Bandra Reclamation, Bombay-100050,

(Transferor)

(2) (1) Mr. Jagdish Pd. Agarwal
(2) Smt. Sushila Devei Agarwal
(3) Mr. Om Piakash Agarwal
(4) Smt. Pushpa Devi Agarwal

Nala Road, Kadamkuan, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with double storeyed pucca house measuring 2 Katha & 121 Dhur i.e. (331.93 sq meters) situated at Mohalla—Part Road, P.S. Kadamkuan, Patna and more fully described in Deed dated 28-3-85 registered with Sub Registrar, Bombay.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 4-11-85.

FORM I.T.N S.

N)) ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Banshi Mahto s/o late Bhagwan Mahto, Nasriganj, P.S. Danapui, Digha, Dist. Patna.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Modi Plastics Ltd, 107-Pathputra Colony, Patna.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, RIHAR. BORING CANAL ROAD, PAINA-800 001

Patna-800 001, the 15th November 1985

Ref. No III-105!/Acp/85-86 —Whereas I DURGA PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquis, on Range Bihat Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (he remafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Touzi No. 5854 than No. 17, khate No. 138, Khesra No.
461 situated at Sikendrapur Parana Fulwari PS Danapur,

(and more fully less) ted n the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer it Danapur on 15-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a : facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the acid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective porsens whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha situated at Mouza Sikendrapur, Pargana Fulwari, PS Danapur, Patna and morefully descepted in Deed No 1245 dated 15-3-85 registered with SR. Danapur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Bihar. Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformation preciously the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--78--386 GI/85

Date: 15-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1057/Acp/85-86. -Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Part of Plot No. 57 Khata No. 36 situated at Rajapur.

Menpura, Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 27-3-85

Calcutta on 27-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Shri Bishandeo Singh of Marchi, P.S. Chowk, Kalan, Patna.

(Transferor)

(2) Sahyogi Nagar Sahakari Orih Nirman Samiti Ltd. o Rajapur, Menpura, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 30 decimal situated at Rajapur, Menpura, Patna and morefully described in deed No. 1-4626 dt. 27-3-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-11-85,

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR.

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1059/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing plot No. 144 Khata No. 37 situated at Sain Chak, Paharpur, Patna (and mous fully described in the Schedule appeared beared)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 27-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been we which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shii Ram Naiesh Singh of Marchi P.S Chowk Kalan, Patna.

(Transferor)

(2) Sahyogi Nagai Sahakari Giih Nirman Samiti Ltd. at Rajaput, Menpura, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 30 decimal situated at Sain Chak. Paharpur, Patna and morefully described in deed No. I-4623 dt. 27-3-85 registered with the Registral of Assurances, Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-11-85.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSISTANT COMMIS-**OFFICE OF THE** SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1061/Acp/85-86—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 23 the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Khata No. 345 Plot No. 611 and 612 P.S. & P.O. Sultanganj, Patna situated at Sultanganj, Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 18-3-885

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. mod /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any miners or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Parbati Devi, Shahganj, Sultanganj Patna.

(Transferor)

(2) Purbi Ashok Nagar Sabkari Grih Nirman Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of *his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimal situated at Sultanganj, Patna and morefully described in deed No. 3997 dt. 18-3-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bihar, Patna

Date: 13-11-85.

NO JICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA 800 001 Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref No 111-100/ Nep/85-00 —V/netcas 1, DURGA PRAS/AD. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Biliar Patna being the Competent Authority under section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-, and bearing Khata No 1692 Plot No 3762 situated at Makdumpur, PS Digha Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 26-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Makdumpur Sahkarı Guh Nirman Samıtı Ltd of Patna.
- (2) Sarba Khatoon of Pili Kothi, Bakeiganj, Patna

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 4000 sq. ft. situated at Makdumpur P.O. & P.S. Digha Dist. Patra and morefully described in deed No. I 4449 dt. 26-3-85 registered with the Registrar of Assurances of Calcutta

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1053/Acp/85-86.—Whereas, I. DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 53, Khata No. 44, 111, Plot No. 68, 92 Touzi
No. 5299, 316 situated at Mouza Sabazpura P.S. Danapur
Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Danapur on 27-3-85

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shi Sazug Singh, S/o Ram Saian Singh, At Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Nitpendia Chandra Ghosh S/o Upendra Narayan Ghosh, Rajbanshi Nagai, Patna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oilicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mainevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 decimal situated at Mouza Sabazpura, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in Decd No. 1441 dated 27-3-85 registered with S.R. Danapur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:-

Date: 13-11 85.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Saidar Kartar Singh (2) Sardar Gardeep Singh, Daribe Baz Bahadur, P.S. Chewk, Patna,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satya Narayan Prasad, OF-Kathrata Gali, P.S. Chowk, Patna.

(Transferee)

. OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref No. III-1049/Acp/85-86—Whereas, I. DURGA PRASAD. Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Admonty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propagate having a fair market value propagating Be 100 000 / as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 384, Holding No. 22/17, Sheet No. 244 situated at Daribe Baz Bahadur Chowk, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been frankeried under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the conster with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Katha 8 Dhur situated at Daribe Baz Bahadur Chowk, Patna and morefully described in Deed No. I-4324 dated 23-3-85 registered with Registrar of Assurances. Calculta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fol! . ? persons, namely:-

Date: 13-11-85.

FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 NX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Ram Prakash Prasad. OF Kumbici Sidlanganj, Patna,

(Transferor) (2) Mpa Aay Vargia Sahkari Grih Numan Samity Ltd., Of -Kankarbagh Parn (20)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th November 1985

Ref. No. 111-1947/Acp/85-86 --- Whereas, 1. DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to es the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Plot No. 271 272/283, Touzi No. 72, Khata No. 537, Thana No. 12, situated at Ku ihirat, Suhanganj, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred taken the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 18-3-85 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 344 Decimal situated at Kumhrar, Sultanganj, Patna and morefully described in Deed No. I-3992 dated 18-3-885 registered with Registral of Assurances, Calcutta

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-11-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bengali Yadav, of Kumhrar, P.S. Sultanganj, Patna.

(Transferor) (2) Alpa Aay Vargia Sahkari Grih Nirman Samity Ltd. of Kankarbagh, Patna-20.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th November 1985

Ref. No. III-1046/Acq./85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 271, Touzi No. 595, Khata No. 533, Thana No. 12

situated at Kumhrar, Sultangani, Panna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (s) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—79—386 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this now in the Official Gazette or a period of 30 days 1 the service of notice on the respective person of whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 194 Decimal situated at Kumhrar, Sultane.anj, Patna and more fully described in Deed No. 1-3995 dated 18-3-1985 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-11-11985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 14th November 1985

Ref. No. III-1031/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 93, Plot No. 609, Municipal Holding No. 217,

Ward No. 16, Mouza No. 51 situated at Ashok Nagar,

Dhobatand, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 4-3-1985 which is less than the fair market value of the aforesald pro-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerauon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the unite the said Act, in respect of any income stirting from the transfer. سالسه

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, manually:— (1) Smt. Saraswati Devi W/o Sri Raj Kumar Sahu of Gamchapatti, P.O./P.S. Ibaria, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Devi W/o Sri Baidya Nath Singh, of Tetulmari Golliery, P.O. Sijua, P.S. Tetulmari, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used perein as are defined in Chapter KXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion in a property measuring 8 Katha 4 Chatak land with a building measuring 3762 sq. ft. situated at Ashok Nagar, Dhobatand, Dhanbad and more fully described in Deed No. 2076 dated 4-3-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 18-11-1985

FORM TINS ---

(1) Smi Laxmi Bai Dixit and others, No 551, I Stage Indianagar, Bangalore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

Rei CR. No 62/46650/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
No 505 50, situated at 40th Cross, VIII block, Jayanngar,

Bangalore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid; exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Shii Bhaktavatsalam and others, No 291/69, II Main VIII block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5062/84-85

Dated 27-3-85)

Property No. 505/50, at 40th Cross, VIII block, Jayanagar, Bangalore

> R BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

Rcf. C.R. No. 62/46753/84-85/ACQ./B.—Whereas, I, R. BH ARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the meone Tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 27, situated at t. John's Church Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shiyaninggar on March 1985

1908) in the office of the Registering Officer of Shivajinagar on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the ladian lacons-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

 Shri K. K. Srinivasa Gupta, No. 39, Thoppa Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mis A. P. Sabera Begum, No. 26, C. No. I Street, Nala Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3687/84-85 Dated March, 1985)
Vacant site No. 27, at St. Jonh's Church Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

Ref. C.R. No. 62/46673/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Sy. 166/1, 166/2, 165/1, situated at
Mekeri Village, Dadikeri Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meditori on 25 3 1985

Madikeri on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor

than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: may /or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) I. Shii K. M. Purushothamma,

2. Smt. K. M. Pushpavathi,

3. Sri K. M. Madhava, 4. Smt. K. M. Vijaya, 5. Miss K. M. Jayanthi &

6. Smt. K. M. Kasthuri, Mekeri Village, Madikeri Taluk,

Kodagu Dist,

(Transferor)

(2) Shri M. P. Thammaiah, at 'Rohini', Near Raja Scat, Madikeri, Kodagu Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knowable property within 45 days from the date of the vut wation of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1258 84-85

Dated 25-3-85)

Property bearing Sy, No. 166/1, 166/2 & 165/1, at Mekeri Village, Madikeri Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aturesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 31-10-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Narsamma, No. 91, Mysore Road, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Smt. N. Kamala, No. 615, X Main Road, 31st Cross, IV Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46645/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. ΒΗΛRDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

353, situated at IV 'T' Block, Jayanagar ,Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) tacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 68/85-86 Dated April, 1985) Site No. 353, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX NCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46495/84-85/ACQ/B —Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

4, situated at Miller Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 13-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. I alithamma, No. 4, Millers Road, Civil Station, Bangalore,

(Transferoi)

(2) 1. Shii Upardia Madhav Kini,
 2. Mi. M. Ramachandra,
 No. 3 4. Miller Road,
 Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 22/85-86 Dated 13-3-85)
Property bearing No. 4, at Miller Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. s. Skyline Builders Pvt. Ltd., 21/1, Brunton Cross Road, Bangalore-560025,

(Transferor)

(2) Smt. Lily Paul & Mr. Mathew Paul, 407, 7th Cross, 7th Main, Koramangala Layout, Bangalore-560034.

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

Ref. No. CR No. 62/46776/84-85/Acq/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21/1 (1/14th share) situated at

of transfer with object of -

Brunton Road Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 fo 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 3856/84-85 on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facil.ming the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3856/84-85 Dated 25-3-85) 1/14th share in property at 21/1, Brunton Road Cross, Bangalore.

R. BHARDWAD
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46728/84-85, ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 58, situated at I Main, Laxminarayanapuram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 11-3-1985

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai! property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—80—386GI/85

(1) 1. Shri H. Muninanjappa, 2. Kum Vanj & 3. Mr. Umesh (Minors), No. 17-A, 13 Main Road, Malleswaram West,

(Transferor)

(2) Shri D. Sampangiram, No. 30, I Main Road, Maruthi Extension, Srirampuram, Bangalore-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4033/84-85 Dated 11-3-85)
Property No. 58 (Northern portion), at I Main Road, Laxminarayanapuram, Bangalore.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

CR. No 62/46668/84-85 'ACQ/B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immercable as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No 2880 · 26, situated at 14 Main Road, E- Block, II Stage, Rajajinagat on March 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been saily stated in the said hustrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) S. Srikantiajah & S. Kumar, No. 6, III Cross Road, Malleswaram Link Road, Bangalore.

(Fransteior)

(2) Smt. layashree, No. 2880, 14 Main Road, I-Block, Rajannagar II Stage, Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferciald persons within a period of 45 digs from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expines inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as Ast, and shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 42/84-85 Dated March 85) Property No. 2880: 26, at 14 Main Road, E-Block, II stage, Rajajinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

Ref. No. 62/46590/84-85/Acq/B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/3, situated at V Temple Road, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Office, at

1908) in the office of the Registering Officer at Rajujinagar on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Kabulty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) 1. Shri A. S. Balram, 2. Smt. Tara Bai, 3. Miss A. B. Indira & 4. Master A. B. Goutam, No. 14, Albert Street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shii K. V. A. Narayan, No. 233, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3986/84-85 Dated 28-3-85) Property No. 3/3, V Temple Road, Malleswaram, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OR THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Indira R. Hegde, 11/6, Nandidurg Road Benson Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri R. Barton Wright, No. 16, Northlake Road, Ootacamund-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46774/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 42 at No. 21/12 situated at Museum Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 3824 84-85 on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to be the said that the said the said that the consideration are the professional states and the said that the consideration are such transfer as agreed to be transfer as a between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said FXPLANATION:—The terms and expression Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THI: SCHEDULE

(Registered Document No. 3824/84-85 Dated 20-3-85) Flat No. 4 at 4th floor of Mohini Apartments situated at No. 21/12, Museum Road, Bangalorc.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 4th November 1985

C.R. No. 62/46828/84-85/ACO/B.--Whereas, 1. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 180 T.S. No. 83 situated at Attawar village Mibgres Ward,

Mangalore Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under document No 2006/84-85 on 21-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in be said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitairs are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) A.T .M. Mascarenhas Milagres Ward B'lore
 - 2. Mr. Stanley Alossus Ambross,
 - 3. Mt. Rodney Joseph Mascarenhas, Bombay. (Transferor)
- (2) Islamic Trust represented by J. Puthabba Advocate opposite dock Tower Mangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. my be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- I PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2006/84-85 dated 21-3-85). All that property bearing No. R.S. No. 180, T.S. No. 83 situated at Milagres Ward, Attawar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dated: 4-11-85

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OUTERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46695/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BIIARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Acc') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

89/1, situated at East Anjaneyn Temple Street,

Basavanagudi, B'lore-4.
(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Basavanaguda on 18-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex cals the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195; '27 of 1957);

(1) M. S. Jayalakshmi & her daughters & Sons, No. 89/1, East Anjaneya Temple Street, Basavanagudi, B'lore-4.

(Transferor)

(2) K. M. Lakshmi, 'Gururatua Krupa', out-house, II Cross, Shamkarapuram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the saud property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5095/84-85 dated 18-3-85) Premises No. 89/1 (6), at East Anjancja Temple Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

> R. BHARDWAJ. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, "Treby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 1-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Skyline Builders private Limited 21/1, Brunton Cross, Road Bangalote-560025.

(Transferor)

(2) Jayashree Srinivas St. H. S. Srinivas, No. 302, Richmond place Convent toad Bangalore-560025.

(fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46781/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21/1 (half-share) situated at Brunton Cross road Bangalore-25 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinaggar under document No. 3912/84-85 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3912/84-85 dated 28-3-85) All Half-share in the property bearing No. 21/1, situated at Brunton Cross road Bangalore-560025.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BangaJore

Dated: 1-11-85

Seal : .

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

CR No. 62/46627/84-85/ACQ/B -- Whereas, 1,

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21/1 (half share) situated at

21/1 (half share) situated at
Brunton Closs Road, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Shivajinagar on Maich 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeled exceeds the apparent consideration therefore have more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Skyline Builders P. Ltd. 21/1, Brunton Cross Road, Bangalore.

(Transferer)

(2) Mrs. Rajeswari Krishna & 2 Mr K. V. S. Krishna, No 151, Panampully Nagar, Cochine-16.

(Transferee)

(3) 1. A Dwaraknath
2 Di. K U. Hari Rao,
3 Mis. Jayashree Stinivas &
Mr. H. S. Srinivas
4. Mis. Lily Paul & Mr. Mathew Paul 21/1, Brunton Cross Road, Blore. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 175/85-86 dated March 85) Property No 21/1, (half share), at Brunton Cross Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dated: 1-11-85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46782/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. 21/1, (1/14 share), situated at Brunton Cross Road. Blore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (\$7 of 1957),

(1) Skyline Builders P. Ltd., 21/1, Brunton Cross Road, B'lore,

(Transferor)

(2) Dr. K. U. Hari Rao, Kawala Belait, Negara Brunci, Darussalam,

(Transferce)

(3) 1. Dwarakanath 2. Mrs. Lily Pal & Mr. Mathew Paul 3. Mrs. Jayashree Srinivas & Mr. H. S. Srinivas, No. 21/1, Brunton Cross Road, Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought so be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

(Registered Document No. 3913/84-85 dated March 85) Property No. 21/1 (1/14 share), at Brunton Cross Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-81--386 GI/85

Dated: 1-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd October 1985

C.R. No. 62/46599/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at II Main, Sankey Road, Lower Palace Orchards, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1)

of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 14-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) D. L. Shivanna, 2. D. S. Prema Shivanna, 3. D. S. Nandish, No. 24, Sankey Road, Lower Palace Orchards, Bangalore.

(Transferor)

(2) Manu Nichari, No. 9/1, Seshadri Road, Laximinivas, Bangalore.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3834/84-85 dated 14-3-85) Property beating No. 4, II Main, Sankey Road, lower Palace Orchards, Bangalore.

> R. BHARDWAJ. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Dated: 31-10-85

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R No. 62/46775/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21/1 (1/2 share), situated at

Brunton Cross Road, Blore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent соляіderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Skyline Builders, Pvt. Ltd., No. 21/1. Brunton Cross, Road, Bangalore.

(Transferor)

A. Dwarakanath
 No. 6-A, Cunningham Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used horen ea are defined in Chapter XXA of the water Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3845/84-85 dated 21-3-J985).

Property No. 21/1 (half share), at Brunton Closs, Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46757/84-85/ACQ/B.—Whereas, J, R. BHARDWAJ,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

876, situated at
HAL II Stage, Indranagar, Bangalore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 7-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) T. Narendra Reddy, No. 1/11, Ulsoor Road, Hanumanthappa Layout, Bangalore.

(Transferor)

(2) I. M. X. Furtado,2. Mrs. M. F. E. Furtado,3. Miss Mildred I. L. Furtado, Camping at Hotel Ajantha, M. G. Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3725/84-85 dated 7-3-1985) Pro city No. 876, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dited: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46591/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 262/18, situated at

17th Cross, Palace Upper Orchards,

Sadashivanagar, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gaudhinagar on 28-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D. Sumitra, No. 620, 23rd Cross, If block, Ravindranath Tagore Nagar, B'lore,

(Transferor)

(2) Narendra Shah, No. 217, Naujappa Road, Shanthinagar, B'lore-27.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3991/84-85 dated 28-3-85) Property No 262/18, at Upper Palace Orchards, Sadashivanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely --

Dated: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ratiabai Devnayagam, No. 51, Richmond Road, Bangalore.

(Transferor)

A. Sampath Devanayagam, No. 51, Richmond Road, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 1st November 1985

C.R. No. 62/46747/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

51/9, situated at

Richmound Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 2-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer. So, werend, to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properson way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 3642/84-85 dated 2-3-85) Property No. 51/9, (II floor), at Richmond Road, B'lore,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46587/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter raferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

22/1, situated at Jayamahal Extn. I Main Road,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. K. Ramakrishna Pillai, No. 11/1, Naudiduig Road, Bangalore.

(Transferoi)

(2) V. O. John and Mrs. Mary John, C/o Miss. Ajitha John, No. 25, Benson Cross Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3971/84-85 dated March 85)
Vucant Site bearing No. 22/1 at I Main Road, Jayanahal Lawelle Road, Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-10-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 31st October 1985

C.R. No. 62/46667/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, (Northern Portion) situated at I awelle Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 18-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Rukminiyama, No. 2, Lawelle Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. T. N. Narendra Reddy & Associates, No. 1/11, Ulsoor Road, Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3810/84-85 dated 18-3-85) Property bearing No. 2 (Northern portion), at Lawelle Road, Banagalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalora.

Dated: 31-10-1985

(1) Shri Prabhakumar Jaxmichand Grant Parade Apartment August Krante Marg—Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Amrish Corporation, Othit Centre Nr. Moti Tanki Rajkot,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3882/Auq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000, - and bearing No.

Bidg. single storeyed 175-86 sq. mtrs. with land 425-00 sq. yds. at 3/11 old Jagnath Plot situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any facome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, single storeyed 175-86 sq. nitrs, with land 425-00 sq. yds, at 3/11 old Jagnath Plot, Rajkot.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380009.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -- 82-386GI/\$\$

Date: 10-10-1985

Scal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3883/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Rajya Village S. No. 90 paiky plot No. 13 Rajkot Land adm. 1006.93 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followatersons, namely:—

 Shri Chandrakant Ravishankar Raval, 'Ami' Tagore Road, Sardarnagar West, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Krishna Builders & Engineers C-14 Usha Kiran—Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajya village S. No. 90 Pakiy plot No. 13, Rajkot land adm. 1006.93 sq. mtr.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380009.

Date: 10-10-1985

FORM TINS

(1) Shti Damjibhai Khimjibhai Kariya Nani Bazar, Maliya Miyana Taluka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pradip Kumar Nyalchand Vora-Shakti Plot, Morvi.

(Transferce)

ØFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3884.Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Morvi faluka Vajpai seem S. No. 1176/1 land adm. 5260.93 sq. mtrs. 6313 sq. yds (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Morvi on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Morfi Taluka, Vajepar Seem S. No. 1176/1 land adm. 5260 sq. mirs. (6313 sq. yds.).

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Abmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3885/Acq.23/1/85 86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 38. Nutan Cloth Market, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

> (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Santoshdevi Bhavanishankar Agrawal, 29-Nutan Cloth Market-O/s. Raipur Gate-Ahmedabad-2.

(Transferor)

(2) M/s. Ramjilal Murlidhar Partner: Jaydev Prasad Rampilal Agrawal & Others, 38, Nutan Cloth Market, O/s. Raipur Gate, Ahmedabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gir

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 38 (Nutan Cloth Market) Nutan Gujarat Coop. Shops and warehousing Socy, Ltd. TPS, 2 FP, No. 44-45, Adm 16-25 sq. mtr. R. No. 4324 Dt. 28-3-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380009.

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Hasmukh Shah & Associates Ist Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad

(Transferee)

(2) Smt. Leela P. Mehta-C/o Mahesh Kamdar A-31—Eshita Apartment Naviangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmeda'oad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3886/Acq.23/1/85-86,--Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No.
Row House No. 61 Shyamal No. 2 at Manckbag Hall—
Ambawadi—A'bad.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37FE filed on 16-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Row House No. 61 in Shyamal No. 2 Off, Manekbag Hall Ambawadi--Ahmedabad-15.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent mamely :-

Date: 24-10-1985

FROM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2NE 1-1.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3887/Acq.23/I/85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land+Bldg at A'bad TPS 4 FP No. 145 Hissa 1 West side 1/4 part 426 sq. yd.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in et of any income arising from the transfer; 104 /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Weelth-tens Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sumankanta Govindial Bodiwala & Ors. 8-Unique Park Jodhpur Tekra-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ramesh V. Maheta President :-Geet Govind Aptt Owner's Asson. 8-Unique Park—Jodhpur Tekra— Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Mehaver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and-| Bldg. at Ahmedabad TPS 4 FP No. 145 Hissa 852+Bldg. 175 paiki 1/2 West Side i.e. Land 426 sy. yd.+Bldg. 1/2 R. No. 4407 Dt. 29-3-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Ahmedabad-380009.

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmeda'oad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3888, Acq. 23/1/85-86, --- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding R₅, 1,00,000/- and bearing Land + plinth A'bad TPS 3 FP No. 959-962 Adm. 614 sq.

yds.

(and more fully described in the Schedule unmoved hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the priling has not been truly maked in the mild instrument of any less with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Pritamlal Kanjibhai Shah— Brahman Mitra Mandal Socy. Ellisbridge—Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Kumarpal Motilal HUF & Ors. Kaialshchandra Motilal HUF & Ors. Pallavibon Kumarpal 19-Gautam Bag Socy Paldi—Ahmedabad. (Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the so Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Construction upto plinth at A'bad TPS-3 FP No. 959-962 paiki SP No. 18 Land 614 sq. yd. Construction upto plinth R. No. 4093 dt. 15-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-10-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 28th October 1985

Ref. No P.R. No. 3889.Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Bldg. No. 3 plot No. 58 land in Hazur Palace C.S. No. 3, Sheet No. 188 S. No. 2072

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 21-1-885/5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meansys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shu Pravinchandra Kumandas Ranpara & 8 others.
 Soni Bazar, Rajkot—Partner of Tankarayala Builders—Rajkot.

(Transferor)

Smt, Mrudulaben Pankajjkumar Shah
 Shri Pankajkumar Girishchandra Shah
 Vardhaman Nagar No. 1
 Hazur Palace Road—Plot No. 58—
 Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 3 plot No. 58 land on Hazur Palace C.S. No. 3 sheet No. 188 S. No. 2072.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 28th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3890.Acg/1/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing Revenue S. No. 201—Harinivas, Badeshwar, Jamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Form No. 37FF filed undersigned on 13-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of here.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
83—386 GI/85

(1) M/s. Kanti Oil Mill— Grain Market— Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Doshi Brothers P. Ltd. Samani Chambers— Grain Market— Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Revenue S. No. 201 Harinivas Badeshwar-Jamnagar.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380009, the 29th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3891.Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No

Godown with small office on Nutan Press road in residential

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on March. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, there re, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Nanakram Sahjimal Mulchandani Sadar Bazar. Rajkot.

(Transferor)

(1) Abdulhussein Jivaji, Onali Abdulhussein & the others-Sadar Bazar, Rajkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested he the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Nutan Press Road, Sadar Bazar, Godown with small office. Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 29-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 29th October 1985

Ref No PR No 3892 Acq 23/I/85 86 - Whereas, I, G K PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 100,000- and bearing

Plot No 14 Building in Janta Coop Hsg Socy Ltd Opp

Mahila College Raikot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trinsfer ed under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rajkot on 15385

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) acclinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Kirtikumar Manilal Bhupatani 4/10 Panchanath Plot Chandra deep-Rajkot

(Transferor)

(2) Smt Hasumati Hasmukhray Lotia Giriiaj 14, Janta Socy Opp Mahila College-Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as saven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 14-Building in Jania Coop. Hsg Socy Ltd. Opp Mahila College-Raikot

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby instants proceedings for the acquisition of the ateresaid property by the issue of this motion under sub-section (1) of Section 269D of the seed Act to the following регвора, пильоку --

Date 29-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

AĤMEDABAD-380009 Ahmedabad-380009, the 29th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3893/Acq, 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No.

Land + Conostruction at Ahmedabad TPS 21 F.P. No. 391

Land + Conostruction at Anmedadad 1P5 21 F.P. No. 591 Land Adm. 1000 sq. yd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Prabodhchandra Vadilal Shah---Panchvati—Gulbai Tekra-Ahmedabad T. No. 444504.

(Transferor)

(2) Arihant Flat Owner's Association— Organisor of—B. No. 5 Nalanda Socy. Nr. Naranpura Rly. Crossing. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land + Construction at A'bad TPS 21 FP No. 391 Paldi S. No. 201+202/3-1 Adm. 1000 sq. yd. + Right on way land Adm, 122 sq yd. as explained in R. No. 3987 Dt. 14-3-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAS (C.T., 1601 44 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGL-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad 380 009, the 27th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3894 Acq 23/I/85 86 -Whiten, I, G. K. PANDYA, being the Comp. to. 'A the control of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fate mark a value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

1 and at Village Bopal R S No. 245/1, 254/2 Block No.

311 Adm. 4 Å 19G (and more fully decide in the Schedule annexed hereto), has been transitind under Rectation Net, 1908 (16 of 1908) in the Carlotte in Regulation Officer at Abad on 2 3 1985

tor an apparent could also there is less than the fair market value of the also to perity, and I have reason to believe the the consumeration of the property as atoresaid exceeds the approver onsideration therefor by more than alteen per can of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the uniconformed or any jacones or any moneys or other ancets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian facone-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the read Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 M/s. Pal Cement Products Partner: Dineshbhai Putshottamdas Patel & Ots. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shteemad Co-owners Member, Laljibhai Ramjibhai Gala, F No. 501, Kothawala Flats, Pritam Nagar 2nd Dhal, Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Bopal sim R. S. No 245/1 245/2 Block No. 311 Adm. 4 A 19G R No. 3484 Dt : 2-3-1985.

O. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Alimedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate croce-classes for the acquisition of the aforesaid property by the same , this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dac: 29 10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

No PR, No. 3895 Acq 23/1 85-86 -- Whereas, I, G K, PANDYA,

being the Commetent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs 1 00 000% and bearing Wd. No. 7 C. S. No. 3315 two storeyed 'Prakash Vila' Gondal Road Main Bhaktmagar Station side

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer of 1908) in the Off at Rajkot on 23/3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer? and/or;
- (b) theilitating the concealment of any income or any mentating the conceanment of any moone of any moones or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby invite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely a

(1) Prakashchandia Dwarkadas Maheta & Others Kulmukhiyar Vasantray Popatlal Malaviya Nr. Malaviya Petrol Pump Malaviya Brothers.
Malaviya Chowk, Corner of Malaviya Road and Yagnik Road. Raikot.

(Transferor)

(2) M/s Noble Corporation Trade Centre, Sardar Nagar Main Road, Raikot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Wd. No. 7 C. S. No. 3315 two storeyed Bldg. 'Prakash Vila' on the Gondal main Road. named

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 30/10/1985

Seal .

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

No. P.R. No. 3896 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I. Ref. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Wd. No. 7 C S. No. 3314 Bldg. G. F & F. F. on Gondal main Road and on the side of Bhaktingan Station Road R. No 2203 Dt. 29-3-1985 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under being the Competent Authority under Section 269B of the

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Rajkot on 29/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ashokkumai Dwarkadas Maheta Kulmukhtyar Vasan lal Popatlal Malaviya, Malaviya Brothers, Malaviya Chowk, Malaviya Road and Dr. Yagnik Road corner, Rajkot.

(Transferor)

M s. Weloeme Corporation Trade Centre, Sardarnagar Main Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the jublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter

THE SCHEDULE

Bldg, G. F. & F. F. Wd. No 7 C. S. No 3314 Gondal
main Road and on Bhaktinagar stn. R No 2203 Dt. 29-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30/10/1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

No. P.R. No. 3897 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Land Wd. No. 15 Sheet No. 159 on the corner of Vivekan- and road and 9, Ramkrishnanagar Rajkot R No. 2214/4-4-84 new 1860 85 Dt: 19-3-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pasikot on 19.3-85 Rajkot on 19-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- tu) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) 1. Surendrasinh, S. Jadeja Mangesh Acti (5) 1 7013 Mangesh Actt ្រល់នេះប្រ ក្រប Raikot.
 - 2. Kishor, N. Trivedi Mangesh Aptt., 5, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)(s)

- (2) 1. Ushaben K. Kotecha

 - Chandrikaben J Thakkar
 Maheshkumar, K. Kothari
 Deep iben, M. Kothari Kotecha Tower,
 Ramkrishna Nagur, Raikot,

(Transferee) (*)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the intersigned to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ward No. 15 Sheet No. 159 on the corner of Vivekanand road and 9, Ramkrishnanagar, Rajkot R No. 2214/4-4-84 New 1860/85/19-3-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission of Income-tax
> Acquisition Pange-I Abmedal 3

Date: 30 /10 /1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.F.G. K. PANDYA, No. P.R. No. 3898 Acq.23/I/85-86,-Whereas, I,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land city S. No. G-4-1 plan No. 6 plot No. 16 R. Bo. 1027 Dt: 20-3-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 20/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following

(1) Shri Kanajibhai Arjanbhai Jam. Timbadi, Dis/. Jamnagar.

(Transferor)(E)

(2) Maganlal Gordhandas Patel & 10 others B/H st. Xavier's High School, Bedi Road, Jampagar.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land City S. No. G-4-1 plan No. 6 plot No. 16 R. No. 1027 Dt : 20-3-1985,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30/10/1985

FORM I.T.N.S.-

 M/s. Kisan Cold Storage & Ice Factory, Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. S/Shri Pujhakal Sundaran
C. P. Ramchandran Nair & 12 others
No. (1) 10-1 Abhilasha
Income-tax Society,
Rajkot.
No. (2) Quarter No. 88-A,
2-Kothi Compound
Western Railway,
Rajkot.

(Transferee) (\$\frac{1}{2}\$

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Ahmedabad-380 009, the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3899 Acq.23 I 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 469B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Page 10 0000/2 and hearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. Nos. 573, 574, 575 plot Nos. 11 & 12 office room, s'ore room & Shedon the land adm. 122/3 sq. yds. on the Rajkot Jamnagar north side

(and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay, tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. Nos. 573, 574, 575 Plot Nos. 11 & 12 Office room s.ore 1 from & Shed on the land adm, 122.3 sq. yds. on the Rajkot Jamnagar Road.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st October 1985

Ref No PR No. 3900 Acq 23/1/85 86—Whereas, I, G K PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Bidg at 2 Jagnath Plo, adm Land 470 sq yd built up area about 200 sq yds R No 1967 Dt. 22-3-1985 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at Rajkot on 22/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the facilitan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
110—376 GI/85

 Shri Kantilal Revashankar Vora, Karta of HUF,
 Manager Bhupendra Kumai Vora,
 C/o Bengal Zaria Colleries (P) Ltd,
 Zaria (Bihar).

(Transferor)

(2) Shii Bhagwanji Kanjibhai, Sm Shardaben Bhagwanji, 'Abhijit', 4, Bhaktmagar Socy., Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg at 2, Jagnath Plot, adm Land 470 sq yds built up area about 200 sq. yds.

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 31/10/1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3901 Acq.23/1 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land + Constn. at A'bad TPS 28 FP No. 201 Hissa 2 Adm. 775 sq mtr. + Constn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sundharam Gokaldas, Mukhiwas New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)(6)

(2) Sangam Owners Association, Organisor, Rajesh Pravinchandra, I'lat No. C-2, Raja Flats, Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHED

Land incomple e construction at A'bad TPS, 28 PF No 201 Wadaj sim S. No. 640 Hissa 2 Land adm. 775 sq. mts. constn. R. No. 4139 Dt : 15-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3902 Acq.23 I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Village Bopal Tal. Daskroir Block No. 653 adm. 2A 32G, 13552 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for set a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

far facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating t's concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

 Naranbhai Chimanbhai Patel at Village · Bhopal Tal. Taskroi Dist. A'bad.

(Transferor)(s)

(2) Payal Park Co. op. H. Socy. Secretary, Ashok C. Damani, A-35 2nd Floor, Capital Commercial Centre, Ashrum Road, A'bad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village: Bopal, Block No. 653 Adm. 2A 32G= 13552 sq. yd. R. No. 3726 Dt: 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely: P—

Date: 30/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

No. P.R. No. 3903 Acq.23/1 85-86.—Whereas, I, Ref. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at village Naroda sim S. No. 1107/1/2 paiki 11000 sq. yd. Naroda Dist : A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mesoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Narottambhai Lalbhai HUF Sheth Lalbhai Dalpa bhai Vanda, Pankor Naka. Ahmedabad,

(Transferor)(s)

(2) Punambhai Ishwarbhai, Nr. Tol Naka, Bapunagar, Ahmedahad

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Naroda sim Dist. : A'had S. No. 1107/ 1/2 paiki 11000 sq. yd. R. No. 37EE filed on 18-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 30/10/1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref., No. P. R. No. 3904 Acq. 23/I 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land at Village Naroda Dist. A'bad S. No. 1112 Adm. 22022

sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 18/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Narot am Lalbhai HUF Sheth Lalbhai Palpatbhai Vanda, Pankot Naka, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Nikhar Co. op. H. Socy. (Proposed) Promotors: Vinubhai Dahyalal Patel & Ors. C. 28, Harshad Colony, Nr. Raj Laxmi Socy. Behind India Colony Bapunagar, Ahmedabad-24.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village: Naroda Dist: A'bad S. No. 1112 Adm. 22022 sq. yd. 37EE filed on 18-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30/10/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

No. P.R. No. 3905 Acq.23, 1/85-86,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

HP at A'bad, Wadaj sim S. No. 319/B/1 319/B|2 Land Adm. 227-5 sq. yd. Bldg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 28/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Rambhai Ranchhodbhai Trikambhai Ranchhodbhal Nawowas, New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Co-operative Bank of Ahmedabad Ltd., Pathak Kuva, Relief Road. Ahmedabad-1.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at Ahmedabad Wadaj sim S. No. 319/B/1 319/B/2 Land Adm. 200 sq. yd. + 27.5 sq. yd. + Bldg, as detailed in R o. 4350 Dt. 28-3-85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAN ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3906/Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. A. 35 2nd Floor Capital Commercial Centre—Ashram Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Ahmedabad on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) [acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Au, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the saul Act to the following nersons, namely :-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 86 - 286 G1/85

(1) Investers Industrial Corporation Pvt. Ltd. Managing Director Pankaj. D. Patel Matway Road, Malad (West), Bombay-61.

(Transferor)

(2) Ashok Chunilal Damani A. 35 Capital Commercial Centre 2nd Floor, Ashram Road, Abraelske (1997) Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 35 Block No. A. 2nd Floor Adm. 330 sq. ft. Capital Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedahad R. No. 4106 Dt. 15-3-1983.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
> Ahmedabad

Date: 30/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3907/Acq 23/1/85-86,--Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Junagadh on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(1) Balubhai Rudabhai Khant at Village : Dolatpara Dist : Junagadh.

(Transferor)

(2) Rasiklal Vrajlal Chokshi by P. A. H. Khusalbhai Vrajlal Chokshi Chokshi Bazar, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land at Village Dolatpara Dist: Junagadh S. Bi. 34 Adm. 3A 25G R. Bi. 565 Dt. 23-3-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 30/10/1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3908/Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Vastrapur Dist: A'bad S. No. 119-128 etc. Adm. 1028 sq. yd.—TPS 1 FP No. 103 Adm. 806, sq. mti. Vastrapur. (and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at A'bad on 16-3-1985

A'bad on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Chandraben Jayantilal Shah Sky Square' 'B' Block 7th Floor, Beach Candy, Bombay.

(Transferor)

(2) Punya Apartment Owners Association, Secretary: Bharat kumar k Mehta, B. No. 20 Tejpal Socy. Fatchpura, Paldi, A'bad-7.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1088 sq. yd. at Vastrapur sim Dist: A'bad S. No. 119-122-123-124-126-128-Sub Plot o. 36, TPS. 1 Vastrapur FP No. 103, Adm. 806 sq. mtr. detailed as per R. No. 4160 Dt: 16-3-1985.

G K. PANDYA Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date · 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Vimalbhai Maneklal Gajrawala 6-B, Amai Apaitment Shice Niwas Soey, Paldi, A'bad.

(Transferor)

(2) Subhadtaben Ramanlal Shah Bharatkumar Ramanlal Shah B. No 1 Opera Socy. Nr. Vjkas Grah Road, Paldi Ahmedabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, A אטט ועריי... HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3909/Acq 23/1/85-86,-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have teason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No
HP at A'bad TPS. 6 FP No. 409
SP No. 12 Land Adm. 405.5 sq. mtr 4 Bldg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16) 1908) in the office of the registration officer at A'bad on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, at pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parally:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

HP at A'bad TPS. 6 FP No. 409 Paiki SP No. 12 S. No. 144—Land Adm. 450-50 sq mtt.+Bldg, thereon Paldi sim R. No. 3578/3 Dt : 8-3-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.

Date : 31-10-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-38009

Alimedabad the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3910/Acq 25/1/85-86 - Whereas 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding \$25.1.00.000.

Rs 1 00 000 and bearing No 5 No 119 122 etc SP No 2A Adm 657 sq yd | Plinth (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at A'bad on 12 3 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion at the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Jully Senison Hymes Semson N. Hymes Attorny Holder Mohn ubhar R. Bharwad 4—Sudarshan Soev Naranpura Ahmedabad

(Transferor)

(2) Nirmal Corporation
Chairman—Jagdeep Laxmanbhai Contractor
Flat No B-5, Sejal Apartment
Opp Memnigai File Station,
St Zavier's High School Road,
Navrangpura, Ahmedabad

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Vastrapur Dist · A'bad Land+Plinth Adm 657 vq yd at Vastrapur sim S No 119-122-126-124-128-137 & 123 plot No 2A as detailed in R No 3841 Dt 12-3-1985

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Date 31/10/1985 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I'II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3911/Acq 23/I/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA.

G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Leaschold rights in the salt works uni 1, 2, & 3 including Plant & Machinery ad. totalling 5300 acres situated at Albert Victor Dungar Saurashtra and the Bromine & Bromine plant including land (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Form No. 37LL is submitted in the office of the undersigned

on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-seid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said \ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :-

(1) Saurashtra Salt Works P. Ltd. 6-B, Vullan Insutance Bldt. 6th Floor, Veer Narman Road, Churchgate, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) Gujarat Heavy Chemicals Ltd Mistry Chambers, 6th Floor, Khanpur. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Leasehold rights in the Salt works unit 1, 2 & 3 including plant and mach, adm. totalling 5300 acres situated at Albert Victor Dungar Saurashtra and the Bromine & Bromine plant including land.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No P R No 3911/Acq 23/1/85-86 -- Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Land at Wadhwan sim 5 B. 1952 adm 1 Acre 10.5 Guntha

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Sailesh kumai Mahasukhlal Shah 15-Paras Society, Surendianagai

(Transferor)

(2) Anjlkumar Rasiklal Shah Chandrikaben Andkumar Shah Iyotiben Rasiklal Shah Adaish Socy Sujendianagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the orne meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land at Wadhwan sim S No. 1956 Adm. 1A 10 5 Guntha—6110 sq. yd. R Bo. 524 Dt · 8-3-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

44302

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-] 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3915/Acq 23/1/85-86.—Whereas, I,

Rel. No. P. R. No. 3913/Acq 23/1/63-80.—whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. N. A. Industrial Land at Village Bamanbor Dist: S'nagar S. No. 87-88-89 Adm. 9116 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Wadhwan on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasis property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Vikram Industries Dana Pith, Bardan Gali, Rajkot.

(Transferor)

(2) Jem Grenite Dr. Yagnik Road, Layman Zula, Rajkot.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Industrial land at village Bamanbor Dist: Surendranagar S. No. 87-88-89 Adm. 9116 sq. yd. R. No. 241 Dt: 15-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 31'10 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 089

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3916/Acq 23/I/85-86,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Land adm. 14520 sq. mtr. Ganesh Khandsari Factory

Servant quarters etc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Veraval on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-86-386 GI/85

(1) The Veraval Mercantile Co. op. Bank Ltd. 'Suvidha'.—Subhash Road. Veraval

(Transferor)

(2) 1. Kanaiyalal Himatlal Shah Zaveri Bldg, Kumbharwada, Una.

Mahendrakumar Bhikhalal Patel C/o Amrapalı Cinema, Raiya Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 14520 sq. mtr. Ganesh Khandsari Factory-Compound-Servant Quarters etc.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. J. S. Corporation 48, Edranarayan Road, Santa Cruz (West) Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Shri Manifal Bhadal Tanna C/o Bharti Saree Centre 10/12—Assembly I ane, Dadi Seth Agary Lane, Bombay-400 002.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDAB AD-380 009

Ahmedabad, the 31st October 1985

Ref. No. P. R. No. 3912/Acq 23/1 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saud Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 902, 9th Floor, Crecent 'B' Wd. No. 15 C.T.S No. 10 Race Course Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Form No. 37EH filed in the office of the undersigned on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oth r as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, on 9th Floor, Crecent 'B' Wd. No. 15 C.T. S. No. 10 Race Course Road, Rajkot.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND LOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380 009 the 31st October 1985

Re No PR No 3913/Acq 23/1/85 86 — Whereas I, G K PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No

and at Wadhw in Sim S No. 1934 Adm. 4026 sq. yd. (and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred under the Registra on Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Wadhw in on. 20.3.1985.

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as afore-sold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meness or other sects which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the sent Act, of the Westell-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of bootion 240°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ugder subsection (1) of Section 269°B of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Shah Ashwinkumai Chandulal Shah Pratulchandra Chandulal, by P. A. Holder— Shah Valchand K., lintan Road, Surendianagar

(Transferor)

(2) Salim Nagar Coop Hs₂ Socy Ltd. Chief Organizer,
/iyauddin Chimanlat Halani,
C/o Bakubhai Tea Wala,
Diamond Tea Centie,
Kakad Press Jin Mehta Market,
Sulendranagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

I and adm 4026 sq yd at Wadhwan sım S No 1934 R No 732 dt 20-3-1985

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Date 31-10 1985 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpui 208 012, the 1st October 1985

Ref. No. M-579/85-86.—Whereas, 1, H R. DAS, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'end Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 551 (old 371 A) sanated at Ghazay bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziyabad under registration No. 22226 on 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the project of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he assumed the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smi. Chameli Devi W/o late Shri Bal Kishan Das, R/o 90, Navayoug Market, Ghaziyabad present K. F. 288, Kavi Naga. Ghaziyabad etc.

(Transferor)

(2) Smt Saroj Ranı W/o Ram Nath Arora R/o 50, Parmanand Colony, Delhi-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation - the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 551 old No. 378-A situated at Smile Khan (Ram Nagar), Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 1-10-198: Scal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANE PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 1st October 1985

Ref. No. 580/85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heretwafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 11/209 Raj Nagar situated at Ghaziabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziyabad under registration No. 23115 on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration as it that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the result of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Rani Devasar W/o late Shri Rajendia Devasar, Shri Asish Devsar S/o late Shri Rajendra Devsar R/o F-144, Moti Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Vijay Pal Singh Rathi S/o Shri Dharm Singh and Smt. Kailash Rathi W/o Shii Vijaya Pal Singh Rathi Advocate R/o Distric Court, Ghaziyabad,

(Transferee)

(3) -do---

, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may it must be writing to the indeedigment.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chames

THE SCHEDULE

R/11/209, Raj Nagar, Ghaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 1-10 1985 Scal:

· The second second

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANE PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 4th November 1985

Ref. No. 581, 85-86.—Whereas, I,

H R DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

No. 109 SB situated at Ghaziyabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at
Ghazivaoad under registration No. 21492 on 12-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully clusted in the said inclusive. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the high

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shij Ugrasen S/o Shri Kabool Chandra R/o S. B. 109, Shastri Nagar, Ghaziyabad.

(Transferor)

12) Smt. Krishna Chauhan W/o Shu Shyam Lal Chauhan R/o Village Karhaira, P.O. Mohan Nagar, Loni-Gaziyabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No SB 109 Ghaziyabad,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-1-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-2088 012, the 30th September 1985

Ref No M 582/85-86—Whereas, I H R DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing

No R 10/79 situated at Raj Nagar

No R 10/79 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tousferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ghiziyabad under registration No 21703 on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerceds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice tadder sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Suresh Chand 5/o Shii Mohan Singh R o 10/79, Raj Nagai, Ghaziyabad

(Trunsferor)

(2) Shit Pratap Singh S/o Naipal Singh Coo India Over Seas Bank, Noida

(Transfereo)

(2) —do—
(Peison in occupation of the property)
(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The telms and expressions used herein as ane defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. R-10/79, Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 30-9-1985

S₃al

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur 208 012, the 7th November 1985

Ref. No. M-630/85-86.---Whereas, I.

H. R DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No Khasia 2, Sounted at Ghaziyabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). that have the distributed in the schedule dimension and the least the least the least the least the least the Registering Officer at Ghazerahad and the tenstrollon. No. 22349 on 21-3-1985 for a apparent consideration which is less than the fair matter value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; कार्ते (त्य
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiat proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) S8hri Chhote 4/o Takkha Villago Sikari Khund Jalalahad, Gazyabad

(Iransferor)

(2) Shri Harish Kumar S/o Lavant Pd R/o Bhagwan Cont Mandi, Modi Nagar Gaziyabad.

(Transferce)

(3) —do— (4) -do---

(Person in occupation of the property)

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 2, Village Abidpur, Chaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

'Date: 7-11-1985 Sal:

(1) Shri Charan Singh S/o Kaim Singh Villagy Bahtahazipur, Coni, Gaz yabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19661 (43 OF 1961)

(2) M/s. Uttranchal Bihar Sahakari Awas Samiti Ltd. Gaz yabad.

(3) —do—

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(4) --do-

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. JANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Rof. No. 636/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 1003/2 situated at Ghaziyabad

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Ghaziyabad under regis'ration No. 21824 on 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appareus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to she undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this n tice in the Official Gazate or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ator;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date off the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 192? (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khasra No. 1003/2, Village Bahtahazipur, Loni, Gaziya-

H. R. DAL Competent Authors, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section ZOIC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-87—386GI/85

Date: 7-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

> > Kanpur, the 7th November 1985

Ref. No. M-638/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and beating No. Khasa 135, 37, 38, 44, 45 situated at Hasanpur

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 of 1908) in the office of the registering officer at Dadari under registration No. 2337 on 16-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ,-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

(1) Shri Satish Chandra S/o Late Kunvar deep Chandra jain R/o Babor Road, Bengali Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad Bayal (Secretary) S/o Shri Ramji Lal R/o D-58, Gali No. 3, Laxman Nagar, Delhi-92.

(Transferce)

(3) —Do-(Persons (s) in occupation of the property)

> (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khashra No. 135, 137, 138, 139, 144, & 145 Villago-Hasanpur, Dadari.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date : 7/11/1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 7th November 1985

Ref. No. 640/85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

nble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Kasara 675, 676, 7677, situated at Dadari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 2727 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **100**/07
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mool chand S/o Raja Ram Village Makanpur, Loni, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Chaudhari Balwant Singh (Director) M/s. Ram Prastha Davarties Pvt. Ltd. R/o Loni, Dadari, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) --- Do-(Persons (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION: are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 675, 676, 677 Village Makanpur, Dadari, Ghazinbad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur -

Date: 7/11/1985 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

> > Kanpur, the 4th November 1985

Ref. No. M/649/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 586 satuated at (Varat) Bulandsahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908, (16

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Officer at Bulandsahar under registration No. 2003 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Not Shown

(Transferor)

(2) Smt. Someshwar Singh and Omkar Singh S/o Shri Deep chand R/o Kothiyat. Bulandsahar.

(Transferee)

(3) ---Do-(Persons (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 586, Puntha Varan, Bulandsahar,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 4/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 6th November 1985

Ref. No. M/657/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D 7 Sec. VI situated No.da

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 354 on 18-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Anil Printer Press D-7, Sector-VI, Noida.

(Transferor)

(2) M/s. Seven Sees International Pvt. Ltd. B-244 Narayan Industrial Area. New Delhi.

(Transferce)

(3) -Do-(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-7, Sector-6, Noida, Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 6-11-1985

(1) M/s. Chanson Shipping & Packing Co. Pvt. Ltd. E-56 Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Fusebase Eltoro Pvt. Ltd. 16 Community Centre, Friends Coloney, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 6th November 1985

Ref. No. M/659/85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C-16 Sect.8 situated at Noida, Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at

Noida Ghaziabad under registration No. 562 in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); C-16. Sector VIII, Noida, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said And the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M, 661/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

ment of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3488 situated a Noida No. 3488 situated a Noida (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 3 da e 13/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as at cerd to betand that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Sahil Singh S o Late Shri Surat Singh, 34/42 Punjabi Bazar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gratings (India) Pvt. Ltd., Through its Manging Director Shri Yas Pal Garg S/o Shri D. C. Garg, R o 3/29 Punjabi Bazar, New Delhi.

(Transferce)

(3) ---Do---

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-4. Sector VIII Noida.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range Kanpur

Date: 6/11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-663/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. situated at Dalai

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 2479 date March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Atar Singh S/o Shri Gandanlal, Village Mauanpur P.O. Khas Dadari, Ghaziabad.

(Transferor)
(2) M/s. Nav Vivash Sahakaw Awas Samiti Ltd.,
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used nersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Village Manaupur Pargam Laxmi Tahasil, Dadari Distt. Ghaziabad,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisi.ion Range
Kangur

Date : 6/11/1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCIIAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-664/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Khasra No. 245 situated at I udhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. 2974 date 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-88--386GI/85

(1) Soir Brahampal Singh S/o Shri Jai Nand Singh, Vill, Fabiran, Deoband, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Rajesh Kumar Gyagi S/o Shri Vishun Dutt, Vill. Ambaita P.O. Khas Tch. Deoband, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

(3) -- Do--(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Khasara No. 245 Village Landana Dis/t. Saharanpur.

H. R. DAS Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 6/11/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDFR SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-670/85-86,--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 126 situated at Noida

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabd under registration No. 658 dated 23/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Darshan Singh Arora S/o Shri S. Ram Singh, R/o T-383 Ahata Kidara Idgah Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Vind Kumar Misra, R/o 30/28, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 126 Sect. No. XV-A Noida, Ghaziabad.

H. R. DAS Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 6/11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-672/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to under section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair merket value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-195 situated at Noida

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 606 date 20/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AND /OI
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE TOTAL COLOR OF THE SECOND COLOR OF THE SEC (1) Shri Kulundev Singh S/o Shri Sardar Attay Singh, R/o D-81 Ajai Eucleive, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Lal Chandra Kokal W o Shri Lal Chand Kokal, R/o E-3/ Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) ---Do---

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-195 Noida.

H. R. DAS Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002 Kanpur

Date: 6/11/1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-675/85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /-

and bearing No.
Plot No. 77 situated at Ghaziyabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Ghaziabad under registra ion No. 2479 date March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are consideration. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer and/or

(1) Shri Balvant Singh and Shri Amar Singh S/o Sardar Sajjan Singh, 6/52, Panjabi Bag, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Rani Vig W/o Shri M. R. Vig, IIIrd C-98 Nehru Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 77, Ghaziabad.

(b) facilitating the concealment of any income of say moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 6-11-1985

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 769D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 4th November 1985

Ref. No. M-676/85-86 - Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4974/4 situated at Pasonda (Ghaziabad)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazinbad under registration No. 22250 dated Feb.. March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 265°C of the said Act, : hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Radheya Shyam Bye Siwala S to Shri Ram Gopal, R/o 5/23, B Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raghubir Chandra Sharma S/o Shri Arjanand Sharma C/o Indian Timber Supply Company, Thag Road, Pathan Coa,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 4974/4 Pasonda Distt. Ghaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 4/11/1985

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106, 282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 4th November 1985

Ref. No. M-677/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. R/3/25 situated at Raj Nagar Colony (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 22885 duted 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Vinod Kumar Saxena S/o Shri L. S. Saxena, R/o Through L, S. Saxena Father S/o Shri Shyam Lal, R/o B-2/223, West Vihar, New Delhi-63.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Modi S/o Shri Baldeo Sahai Modi etc., R/o 1, Civil Lines, Modi Bhawan, Modi Nagar, Ghaziyabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderalexed:—

- a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officil Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this, notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-3/25, Block No. R-3, Raj Nugar Colony, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range
Kanpur

Dated: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

> Kanpur-208 012, the 4th November 1985

Ref. No. M-678 85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K.A. 69 situated at Kavi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 22082 dated 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Justin Ztaullah S/o Late Shri Kazi Ataullah, K o KA 69, Kavi Nagar, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) S.nt Sushma Rani N/O G.ni G. C. Kudaisa, R/O L. F. Babar Place Todar Mal Road, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. K.A.-69, New Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Kanpur

Dato: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106 (282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-737/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Q/8-430 situated at Turay Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis ering Officer at Ghaznabad under registration No. 20532 dated March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excoods the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajendra Nath S/o Shri Prem Nath, R/o G-2, Patel Marg, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Singhal W o Shri Devendra Nath Singhal, H No. 430, Turav Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. Q/8-430, Turav Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 6-11-1985

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-739/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A/144 situated at Dadari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Ghazibad under Registration No 2104 dated March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
89—386GI/85

 Shri Neeraj Kanvar
 N. Kanvar B-102, Karjan Road, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Danish Kupta S/o Shri Laxmi Narayan Gupta, A-37, Surya Nagar, Ghaziyabad.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms of J expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No A/144, Surya Nagar, Dadari Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGI 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, I ANIN PARK KANPUR

Kanpiii-208 012, he 6th November 1985

Ref. No. M-740/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

B/142 situated at Kavi Nagar (and more fully described in the chedule annexed hereto), and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 o° 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazabad under Registration No. 20321 date March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

=-.== .== .== .== .== .== .== Smt, Chandra Kanta W/o Shri Niyamat Rai, R/o 19, Jassipura, Ghaziyabad,

(Transferor)

(2) Shri Luxmi Chandra Khurana & Smt. Satish Bala Khurana, R/o M-12, Kavi Nagar, Ghaziyabad.

(Transferce)

(3) -Do-

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B/142, Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date : 6 11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ashok Kumar Juneja S/o Shri Nihal Chandra R/o 59, New Gandhi Nagar, Ghaziyabad.

(Transferoi

(2) Shri Harish Chandra Mehra S/o Shri Roshan Lal Mehra R/o F/A-3 Kavi Nagar, Ghaziaybad.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. M-741/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
No. K. V. 66 situated at Ghaziabad (and move fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ghaziabad under Registration No. 20888 date March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K. F. 66, Block F, Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 6-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMEDIAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-1/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 68, 69 situated at Bharsi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhona under Registration No. 1209 date 14-3-1985

to believe that the fau market value of the property as market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shee Jamin Singh, Anup Singh Voll, Bharsi, Budhana, Muzalfarnagar,

(Transferor)

(2) Shri Muashi, Sukhbir Singh Bhaisi, Budhana, Muzaffarnagar.

(Transferce)

(3) -Do-(Person in occupation of the property)

(4) --- Do--

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 254, 252, Bhaisi, Kandhala, Muzaffarnagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDIH NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 C12

Kanpur-208 0 (2), th. 7th Proveniber 1985

Ref. No. MD-3/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1964 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No.

and bearing No No 222 to 224 situated, at Kaseru Baser (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and (egistered under the registration No. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at Meerut under Registration No. 8189 dt. 29-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Shii Nirmal Kumar S/o Shri Nobat Singh, 138, Civil Lines, Saket, Meetut

(Transferor)

(2) Shii Munishveet singh & others, S/o Shii Udaiveer Singh, Aurangshahput, Meerut,

(Transferee)

- (3) Munishveet Singh & others, S/o Shii Udaweet Singh, Aurangshahpitt, Meetut, [Person(s)] in occupation of the prosessed
- (4) Shri Munishveer Singh & Others, S/o Shri Udaiveer Singh, Amangshahpur, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agil Land Kh. No. 222, 223, 224 & 226, 228 229, 230 kuseru, Mecrui,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kangur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

Scal:

FORM ITNS (1) Shri Abdul Hakim Khan

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN EHAWAN GANDHENAGAR OPP. LANDN PARK KANPUR-208/012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-6/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000% and beening No.

No. 1118, 1119–1183 situated at Sathala (and more fully described in the schedule annoved hereto), has been to only ted to 1 122-store (to let the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mayana under registration to 2270 dt, 29-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Abdul Hakim Khan Vill.Sathala, Mayana, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Ayasha Khalun W/o Shu Nishar Ahmad Khan Vill, Bhagwan Pur Meetut

(Transferee)

(3) Smt. Ayasha Khatun W/o Shri Nishar Ahmad Khan Vill. Bhogwan Pin Meerut.

[Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Ayasha Khatun W/o Slui Nishai Abanad Khan Vill. Bhagwan Pur Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and No. 1118, 1119, 1813, Vill. Sathola, Meerut.

II. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kampur

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-BAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

The wall region to the way to respond programme and the contract of the second contract of the contracting and the contracting

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME/TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHE NAGAR OPP LANGN PARK KANPUR-208/012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Pet, No. MD-9/85-86 -- Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing

No. 241 touted at Rahmapu:

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registrated under the registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office in Travenu under registration. No. 2149 date 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair that the forestid property and I have reason to believe that the fair narket value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that his consideration for such transfer as agreed to between the first transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Shii Kehari, S/o Shri Nyader R/o Rahmapur, Hastinapur Mawana, Meerut.

the state of the s

ingferor)

(2) Smt. Chhoto W/o Shri Rama Nand, Vill. Kehari, Rahamajur, Hastinapur, Mawana Mesiut,

(Transferce)

(3) Sait Chhoto, W/o Shti Rama Nand Vill Keha,i, Pahamapur, Hartinapur, Mawana, Meetut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Sint. Chhoto, W/o Shri Rama Naud, Vill. Kehari, Rahamapur, Hastinapur Mawana, Meerud

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No 241 Rahmanpur, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 6 11-1985

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/292 KANCHAN GITAWAN GANDHI NAGAR OPP FAMOL PARK KANPUR 208 012

Kanpur, the 7th November 1985

Rct. No. MD 12/85 86 -- Where, s. I, H. R. DAS, No. 364 situated at Rahdara, Kithat

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs 1.00 000 - and bearing No

364 situated as Rahdara Kithor Mawana, Meetut Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Robert and Officer at Mecrut under registration No. 1729 date 27-2.85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have re son to believe that the iair market value of the property as aioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in seapost of any income arising from the transferand/er
- (b) fastlitating the concentment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I harry initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

(1) S Shir Pirman and & hraddha Nand S/o Shir Teg Smgh Parikshir Garh Kithor Meerut

(Transferor)

(2) Shir Natesh Kumai & others S/o Shir Iai Prakish, Shahadara Kithor, Mawana, Meeriit

(Transferee)

(3) shir Narsh Kumay V others See Shig In Pickash Sachadaa Kithor, Mawana U crut

[Person(s) in occupation of the property)

(4) Shir Natesh Kumar & others 5/o Shir Jai Prakasii, Shaladara, Kithor, Mawana Meerin

(Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land situated at Village Rahdara Kithor, Mawana, Meerut

H R DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme tax
Acquisition Range
Langui

Pinto: 7 11 1985 Seal: FORM ITNS----

NOTIGE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAIN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. M-D/85-86.--Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 389 situated at Bahsuma

situated at Mawana

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana under registration No. 1974 date 22-3-85 Officer at Mawana under registration No. 1974 date 22-3-85 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the opiect of :the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 90-386GI/85

(1) Shri Shyam Sineh Vil lage Bahsma, Mee 1 .

(Transferor)

_ LANGE CILLINGERAT

(2) S/Shri Vijay Pal Singh & Omveer Singh Village Bahsima, Meerut.

(Transferce)

(3) S/Shri Vijaypal Singh & Omvecr Singh Village Bahsima, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) S/Shri Vijaypal Singh & Omveer Singh Village Babsima, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

by any other person interested in the said immovement or sperior within 45 days from the date of the

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land 1 do 389 at Vill bahsana Dist. Meerut.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Karpur

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208/012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-25/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Saidhana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 1218 date 15-3-85 for an appirent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) tacilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the efore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ilamely :-

(1) Shri Sajjan Lal Jain & others 91/2 Kundaa Pur, Muzaffar Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Anant Bir Singh and Smt. Kiran Mala Kazejan Sardhana, Meerut.

(Transferee)

(3) Shii Anant Bir Singh and Smt. Kiran Mala Kazcjan Sardhana, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property] (4) Shri Anant Bir Singh and Smt. Kiran Mala

Kazejan Sardhana, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-Able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Sardhana, Meerut,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition .Range Kanpur

Date: 7-11-1985

FOLM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

106/282 KANCHAN BHAWAN-GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 0!2

Kanpur-208 012. the 7th November 1985

Ref. No. MD-29/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter inferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l-and bearing No. 549/2 situated a Roshampui (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana under registration No. 15561 Jate 31-3-85

for an apparent consideration which is less than the later market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction of evanion of the hability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anand Prakash Bahmpuri, Meerut.

(Transferor)

(2) Shii Kaistoveer Singh & others 1002, Masofa Colony, Meerut.

(Transferce)

(3) Shri Karamveei Singh & others. 1002, Masofa Colony, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property] (4) Shri Karamveer Singh & others, 1002, Masofa Colony,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given nt Chapter

THE SCHEDULE

Ag. land No. 549/2/Roshan Put, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 7 11 1985

Seal

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN PHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-37,82-86.—Whereas, I, H. R. DAS, Ref. No. MD-37,82-80.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Compet in summerty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rm. 1,00,000]—and bearing 180.

Ag. land No. 89 siturated at Vill. Hololi Baddhana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Budhana under the resistance of the Registering Officer at Budhana under the situral property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such caracter as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 horselve in it is proceedings for the acquisition of the phoresaid property in the name of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely

Shri Gitver Singh Halauli, Budhana, Muzuffar Nagar.

(Transferor)

(2) Dabla Singh & others. S/o.. Shri Baldeo R/o Halauli, Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(3) Shii Dabla Singh & others. S/o. Shri Baldeo

R/o Halauli, Muzaffai Nagar.

[Person(s) in occupation of the property]
(4) Shri Dabla Singh & others, S/o Shri Baldeo

S/o Shri Baideo
R/o Halauli, Muzaffar Nagar.

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 89 Vill. Halauli, Budhana, Muzaffar Nagar.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 7-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

STATES OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th November 1985

Ref. No. MD-810/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 216 situated at Saket (and more fully described in the Schedule magnet herete), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 8006 date 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-tif exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the chieft of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Kamla Atrey W/o Shri Amar Singh Atraya Saket, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Mehar Chand Meera Pur, Muzaffai Nagar.

(Transferee)

(3) Shri Mehar Chand Meera Pur, Muzaffar Nagar.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Mehar Chandi

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days to see the service of notice on the respective persons whichever period expires inter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.— The terms and expressions used hereia are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 216 Saket, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-46/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and beating. No. 8007 situated at 298 A

(and more fully described in the Schedulz annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the legislating Officer at Megrut under registration No. 8007 date 27-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely

(1) Shii Narendra Pal Singh 153-B.C. Line, Meerut.

(Transferoi)

(2) Smt. Manju Somalia
W/o Shri Narain Dass and
Smt. Santosh Somalia
W/o Shri Sudarshan Somalia 655-Prahlad Batika, Meerut,

(Transferee)

(3) Smt. Manju Somalia, W/o Shri Narain Dass and Smt. Santosh Somalia W/o Shri Sudarshan Somalia 655-Prahlad Banka, Meerut.

[Person(s) in occupation of the propertyl (4) Smt. Manju Somalia,

W/o Shri Narain Dass and Smt. Santosh Somalia W/o Shri Sudarshan Somalia 655-Prahlad Batika, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expeanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS

House No. 298-A, Swami Para, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-49/85-86 --- Whereas, I. H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 134 situated at Mohan Puri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Meerut under registration No 8199 dated 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tas, under the same Act, is respect of any income aresing from the transfert and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :--

ಾಳವಾ ರಾಜ್ಯರಾಜ್ಯಕ್ಕ್ ಚಿಗ್ರಾಪ್ರಕಾಕ್ ಪ್ರಕ್ರೆಸ್ ಪ್ರಕ್ರಿಸ್ ಪ್ರಕ್ರಿಸ್ ಕ್ಷಾಸ್ಟ್ ಪ್ರಕ್ರಿಸ್ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸ್ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಟಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಟಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿ (1) Shri Rakesh Kumar 80/3 Harm Road Merut.

(Transferor)

(2) Shri Chhetra Pal & Smt. Sumitia Garg 134-Mohan Puri Mecrut.

(Transferee)

(3)-do-(Person in occupation of the property)

(4) -do-(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 134-Mohan Puri Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-11-1985

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpui -208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-50/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrant to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1396/1 situated at Kanwali (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradoon under Registration No. 36 dated 20/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facili ating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreve or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act,

Non therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hamid Rahman & others Vill. Kanwali Dehradoon.

(fransferei)

(2) Doon Engineers Co op. Housing Society T-15 Yamuna Colony, Dehradun,

(Transferee)

(3) -do-(Person(s) in occoupation of the property)

(4) -do-(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1396/1. 1375, 1377, 1378 at village Kanwali Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7 11-1985

Scal:

(3)

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref No MD-55/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. situated at 167-College Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office; at Meerut under Reg.s ration No 7084 dated 15-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid recents the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mercous namely:—
91—386GI/85

(1) Dr. Brij Raj Singh College Road Mecrut.

(Transferor)

(2) Shri Praduman Kumar Sharma 142-B.C. Line-Meerut Canti.

(Transferee)

(Person(s) in occoupation of the property)

-do(Person whome the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 167 College Road Mecrut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. MD-56/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

No. B-3 situated at Parta Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 8208 date 23-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Sukha Nand Jain S/o Sri Indar Jain

102 Arvind Puri-Sadar, Meerut.

(2) Smt. Sudha Jain W/o. Satendra Kumai Jain 2 Dalam Pada--Meerut,

(Transferce)

(Transferor)

(3) -do-

(Person(s) in occoupation of the property)

-do(Person whome the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the each property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-3-Parta Pur-Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dato: 7-11-1985

Soal :

- (1) Ind.a Kakkar W/o Late Shri O. N. Kacker R/o Khemka House, Court Road, Aurangabad. (Transferor)
- (2) M/s. Proto Phana Pvt. Ltd. K-369 Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) -do-(Person(s) in occoupation of the property)

(4) -do-(Persons when

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanput-208 012, the 25th October 1985

Ref. No. K-187/85-86.—Whereas, I, H R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 128/K/369 situated at Kidwai Nagar Kanpui (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the oface of the Competent Authority at the Competent Authority at Kanpur under registration No. 6944 date 15-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and our

THE SCHEDULE

House No. 128/K/369 Kidwai Nagar Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-10-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 25th October 1985

Ref. No. K. 189/85-86.—Whereas, I.H. R. DAS
No. 101/88A situa.ed at Vajidpur Tajmav
being the Competent Authority madet Section 269B of the
meorie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding
Rs. 1,0,000/- and bearing No.
102/88A situated at Vajidpur Jafmaw
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the cifice of the Registering Officer
at Kanpur under registration No. 7024 date 14-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exeeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been tituly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hafiz Abdul Aziz, Hasin Akhtar, Naseem Anwar 88 Near United Tanney Jafmao, Kanpur.

(2) Shri Rafullah & Shahnewaj s/o Inayatullah 93/25 Pachbagh Kanpur.

(3) -do-

(person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propersy may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

House No. 102/88A-(10) Vajidpur Jafmaw Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-10-85

Seel

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur, the 25th October 1985

Ref. No. K-192/85-86.—Whereas, I H R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plat No. 2 & 4 situated at Naushad Apartment Cantt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 7069 date 15-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said ACI, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanti Kishore Bhartiya & Others, Nansheel Apartment Chattarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Perless General Financiers
 Investment Co. Ltd. Pearless Bhawan
 3 Esplalanade East Calcutta.

(Transferee)

(3) -do-(person(s) in occupation of the property) -do-

-do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 & 4 Block 2 Nansheel Apartments Benglow No. 56 Cantt Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inceme-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-10-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Snit. Beera Bali w/o Mohanlal Khanna R/o 85/352 Laxmi Pulwa Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ras Baliga & others Ram Milap Baluja & others 124 A/B19, Govind Nagar Kanpur.

(4)

(Transferee)

(3) (person(s) in occupation of the property)

-do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Bombay, the 4th November 1985

Rof. No. K-193/85-86.-Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Soid Act), have beason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the intinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing Shop No. 3 on Gr. floor, Wing (A) in the building No. 126/5/5 situated at Govind Nagar Borivli (East) Brimb ty-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been topostated and the transcement is registed under

has been transferred and the agreement is registered under sec ioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Kanpur under ergistration No. 7897 date 15-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Comptent Authority at Bombay on 1-3-1985 on 1-3-1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 {11 of 1922} or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 126/5/5 Govind Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subSection (1) of Section 20 id or said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK

Kanpur-208 012, the 24th October 1985

Ref. No. K-197/85-86 - Whereas, I, H. R. DAS No. 15 situated at Gadardanpurwa being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 15 situated at Gadasianpurwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering officer at Kanpur under registeration No. 7759 dated 23-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property consideration therefor by rion than fift in percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the consideration in the said instrument of transfer with the consideration.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incor arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-erty by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sarvan Singh s/o Budh Singh 60/3 Vijay Nagar Colony, Kanpur.

(Transferor) (2) Shri Prakash Chand s/o Vishambhar Nath Dixit, R/o 15 Gadasian Purwa, Kanpur.

(Transferce) -do-

(3)(person(s) in occupation of the property) (4)-do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15 Gadasian Purwa, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 17th October 1985

Ref No. K-199/85-86—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sa'd Act') have rearon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

stituated at Jagatpurwa Hariom Apartment Borivii (W), Bombay-400092 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

at Kanpur under registeration No. 7507 date 13-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Chhedev & Baboo & Others, R/o I.-58, Yashoda Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Mangla Sahkari Avas Samitl Ltd. through (Secy.) Rajendra Singh Rama Dein Chavraha Lal Bunglow Kanpur.

(Transferee)

(3) Do. (person(s) in occupation of the property)
Do.

(4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 220, 295, 296, 398, at Vill. Delhi-Sujanpur Distt. Kanpur

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-10-35

5.al :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th October 1985

Ref. No. K-212/85-86.—Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 243, 288 situated at Bingana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 7834 date 31-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property 28 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
92—386GI/85

(1) Shri Raja Ram Pandey & Ram Khilavan Pandey R/o Bingana Distt, Kanpur

(Transferor)

(2) Jai Durga Sahkari Avas Samiti Ltd. through (Sccy) Ashadeen eVrma 290, Hanbasta Kanpur.

(Transferce)

(3) -do (person(s) in occupation of the property)
(4) -do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 242 & 288 at Vill. Bingana Distt. Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAIN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur, the 28th October 1985

Ref. No. K-213/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 171A situated at Satvarian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kanpur under registraton No. 7771 date 31-3-85

for an appalent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Shri Sidhan Lal S/o Late Shri Shyam Sundar R/o 104A/172 Ram Bagh Kanpur.
- (Transferor) (2) Keshav Sahkari Avas Samiti Ltd., through (Secy) Shri Nagendra Singh R, o Vill, Jagatipur Distt, Kanpur,
- (3)-do (person(s) in occupation of the property)
- (4)-do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag, Land No. 171A at Vill, Satvari Distt. Kanpur.

H. R. DAK Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-85

_____ FORM NO. LT.N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

✓ OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th October 1985

Ref. No. K.214 85 86 - Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 269/2 situated at Binganga, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur under Registration No. 7405 on 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Shanker Singh, S/o Shri Baboo Singh, Village Pahatpur, District Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s Jai Durga Sahkari Ayas Samiti Itd., through (Seey.) Shri Ashatin Verma, R/o 290, Naubasta, Kanpur.

(Transferee) (3) ---Do-

(Persons in occupation of the property,) ---Do--(4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apt. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. Land No. 269/2 at Village Binganga, Distt. Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kunpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : -

Date: 25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th October 1985

Ref. No. K-215/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. J.00,000/- and bearing No. 117/75A situated at Servodaya Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under Registration No. 7981 on 26-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swarn Kaur Maini, W/o Late Shri Sardar Hiranjam Singh Main, and others R v C-172 Gole Market, New Delhi.

(2) Smt. Renu Bala Jam, w/o Rikhabh Das Jam, 105/699 Anand Bagh, Kanpur.

(Transferee)

(Transferoi)

(3) —Do—
(Persons in occupation of the property.)

(4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/SN/75A, Sarvodaya Nagar, Kanpur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-10-1985

(3)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

*COUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I.ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th October 1985

Ref. No. K- 217/85-86.-Whereas, I, H. R. Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 127-W-1/435 situated at Saket Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Delhi under Registration No. 320 on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. Dahp Kaur, w/o Shri Harcharan Singh, 120/822 Ranjeet Nagar, Kanpur.

—Dn--

(Transferor)

(2) Smt. Indumati D/o Shri Laxmi Naram Misra, & Others. 127/W-1/435, Saket Nagar. Kanpur.

(Transferee)

(Persons in occupation of the property.) (4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lot
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No 127/W-1/435, Saket Nagar, Kanpur.

H R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he followingpersons, namely :-

Date: 25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th November 1985

Ref. No. A-255/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 3/222 situated at Hari Om Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aligarh under Registration No. 2308 on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Radhakishan Mehata, R/o Hari Om Nagar, Aligarh.

(Transferor)

(2) Km. Kiron Bajaj, D/o Late Sri Vilayati Ram Bajaj, R 60 39 Danpur Comp., Aligarh.

(3) —Do—

(4) (Persons in occupation of the property.)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)*

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3/222 situated at Hari Om Nagar, Aligarh with an area of 356 Sq. Yrd.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dute: 6-11-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 8th November 1985

Ref No A.261/85-86—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 276 situated at Viindaban, Mathura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Mathura under Registration No. 3098 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair on arket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raj Ram and others, w/o Sri Manohai Lal, R/o Govind Bag, Vundaban, Mathura

(Transferor) (2) Shri Kashi Ram Agrawal, R/o Govind Bog, Viindaban, Mathura.

(3)---Do--(Persons in occupation of the property.) (4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later; persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 276, Govind Bag, Vrindaban, Mathura.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :-

Date: 8-11-1985

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. J ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th November 1985

Ref. No. A-287/84-86.—Whereas, 1, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. 370 situated at Dholpura, Firojabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Firojabad under Registration No. 6704 on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Satyaveer, S/o Sri Ram Singh, R/o Dholpura, Firojabad.

(2) Shri Kishan Kumar & Raj Kumar, Station Road, Firojabad.

(Transferor)

(Transferee) (3) ---Do-

(Persons in occupation of the property.) (4)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 370 situated at Dholpura, Firojabad

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-acction (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namein

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. V. Ringanayakiammal, w/o Lakshminai asimhan, 18, I Cross St., Salem.

(Transferor)

(2) Siimathi S. Shenbagavalli, w/o Santheram, No 18, I Cross St., Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 6th November 1985

Ret. No. 6/March 85 .-- Whereas, I,

MRS. M. SAMUEI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land at O S No 173/7, Sathangadu situated at

village Thiruvotriyui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under upder the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer

at Thruvottivur/Doc No 722/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 5.7 (27 of 1957).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: At O.S. No. 173/7, Sathangadu village, Thiruvo-Thiruvotriyur/Doc. No. 722/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madias-600 006

Pate: 6-11-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely—93—386GI/85

the first to the second of the

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Binny I imited. 65, Aremenian Street. Madras-r.

(Transferor)

(2) M/s. Buckingham and Carnatic Mills Limployees' Co-operative Society Limited, 18 Cooks Road, Peramlir Barracks. Madras-12.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 5th November 1985

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Ref. No. 17/Mar. 85,--Whereas, I

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R.S. No. 274/1 situated at Perambur Barracks Road, Perambur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Puraswalkam Doc. No. 548/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land at Perambur Barracks Road, Perambur Puraswalkam Taluk, Madras. (Pmaswalkam, Doc. No. 548/85.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регария, патеји - 🕳

MRS. M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ret. No. 18/M&1. 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 1360 situated at 22. Thana Street, Puraswalakm,

Madrus-7

Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Puraswalkam Doc. No. 484/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent off such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sr. V. Laganayaki Ammal and another, Al, Vivekananda Nagar, Trichy Road, Dindigal.

(Transferor)

(2) Sri D. Natarajan and another, 23, Thans Street, Puraswalkam, Madras-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 22, Thana Street, Puraswalkam. Madras-7.

(Purasawalkam, Doc. No. 484/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: - '1 1987

CHARGE TO CALL THE CLASS

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Rcf. No. 26/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat Old No. 3, I just floor situated at Pycrafts Garden Road,

Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1408 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Thousandlights Doc. No. 131/85 on March, 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly reated in the said matremant of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose; by the transferee for the purposes of the India; Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings from the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vadeesh A. Raja, 25, Duraiswamy Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Mrs. Nalini P. Menon,
 D-3 Income-tax Quarters,
 121, Nungambakkam High Road,
 Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 3, First floor Pycrafts Garden Road, Madras-6. (Thousandlights, Doc. No. 131/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-11-1985

FURM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Rei No 37/Mai 85 - Whereas, I, MRS M. SAMUEI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 90D(1) Triuppur Village situated at Tennampalayam Are

Tiruppui Iown

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is tegistered and resection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Triuppur Deo No. 430/85 in Maich, 1985 for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sectior 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Set P. Kaulanthiaswamy, 5/o Palanisamy Gr 90D(10) Kamaraj Road, Tiruppur.

(Trunsferor)

(2) Sir P Devisagamani, S/o. Palanisamy Gr., 21L(1) F K. Street, Тігироші.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Thennampalayam Tiruppui Town. (Tiruppur, Doc No. 37/85)

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Mndras-600 006

Date: 6-11-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 48 March 85/R.fl.—Whereas, I.

MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Sowripulayam village, S.F. No. 414 situated at CBE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Coimbatore/Doc. No. 1052/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a consideration which is the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Sri S. S. Mani, s/o P. V. Sundara Iyer, 27, Raja Basanta Rai Road, Coimbatore,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sti P. Gopalsamy, S/o. Ponnusamy, 40, Bharathi Cooperative Bldg. Society Ltd., Coimbatore.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: Sowripalayam Village, S.F. No. 414 Coimbatore.

1052/85/Coimbatore

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, naraely:-

Date: 6-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 54/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property ulwing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 29. Poravipalayam village, situated at Pollachi, Thirupur

29. Poravipalayam village, situated at Pollachi, Thirupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Pollachi/Doc. No. 530/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Smt. Sornagandhi Ammal, w/o Late J. Koppanna Mandadiyar, Palace Ground, Poravipalayam, Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Kuppusamy Gounder, s/o Chelloppagounder, Kuppannagounder, Odilpathy Post, Chittoor Taluk, Ketala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land:—PORAVIPALAYAM VILLAGE, Pollachi, Thiruppur.
Pollachi/Doc. No. 530/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date 6-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 66/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chinnakkampalayam situated at Darapuram T.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Darapuram Doc. No. 515/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the "ellowing sersons, namely :---

(1) Sri K. S. Ramaswamy, Karath Thuluvu, Udumalaipattai, Coimbatore T.K.

(Transferor)

(2) Sti V. Balasubramanian, (Minor), Appachigounder (Guardian). Chelampalayam, Chinnakkampalayam, Darapuram T. K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersisted :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevshie property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chinnakkampalayam Dharapuram T. K. (DARAPURAM DOC. No. 515/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date . 6-11-1985 Seal:

and became the over C. Comments at the same at the original section of

FORM ITNS ---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADR AS-600 006

Madras-600 005, the 6th November 1985

Ref. No. 78/Mar.85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 3611 and 3612 situated at Fairy Hill

Cottage Ootacamund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Uthagamandalam Doc. No 216/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less thane the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-- 94-386G1/85

(1) Sri I., Ramaiah, and another Farry Hill Cottage, Kandal, Ootacamund

(Transferor)

(2) Sri K. Nanjudiah, Kakathope, Fingerpost, Ootacamund.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressive used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Land and building at Fairy Hill Cottage Octacamund R.S. No. 3611 & 3612.

(UTHAGAMANDALAM DOC. No. 216/85).

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date 6-11-1985

FORM IT.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 6th November 1985

Ref No 85/March 85—Whereas I, MRS M SAMUEI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 3, Vakkeel Nagarajan Veedhi situated at Udumalaipet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is legistered under section 269AB of the Income-tix 1961 in the office of the

Competent Authority at Udumalpet/Doc No 601/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the salf. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 et 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings to, the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P L Ramasamy Iyer, and another s/o Late Sii Narasimma Iyer, Vakkil Nagharajan St, Udumalpet, Post

(Transferor)

(2) Smt S Sasneka, R Maheswari A Aithi, Smt Renugadevi w/o D Pandurangan 68 P V Koil 2 St Udumalai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building At No 3, Vakkil Nagarajan Veedhi, Udumalpet

Udumalpet/Doc No 601/85

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Madras-600 006

Date 6 11-1985 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No 93/Mar. 85 - Whereas, I,

MRS M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Upplipalayam situated at Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Singanallui Doc No. 691/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the his not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, run**√i/cu**r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sri L. Bakatavatsalam, and others, 650, Trichy Road, Upplipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Str Palanismamy, 62, Thiru-vi-ka Street, B. R. Puram Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Agricultural land at Upplicalayam Coimbatore T.K. (Singanallur Doc. No. 691/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date . 6-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 94/March 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
Uppilipalayam Village situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed bereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office Singanallur/Doc. No. 690/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Sri L. Bhakthavatchalam and others, 650, Trichy Road, Uppilipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Pappathi, w/o Sti Katuppusamy, 67, Sastii St., B. R. Putam, Peclamedu, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I AND: Uppilipalayam village, Coimbatore. Singamallur/Doc. No. 690/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Madi as-600 006

Date , 6-11-1985 Seal:

FORM TINS----

(1) Sri M. N. Sivakumar, Madampathy.

(Transferor)

(2) Sri M. Karuppaswamy, Madampathy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 97/Mar. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Medampathy situated at Thothipalayam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
Thondamuthur Doc. No. 496/85 in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thotipalayam village Mandapatty.

(THONDAMUTHUR DOC. No. 496/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Madras-600 006

Date: 6-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 99/Mar. 85.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the importance of the property having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Melachitaraichavadi village situated at Combatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 m the office of the Competent Authority at Thondamuthii: Doc No. 391/85 in March 1985 tot an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mariet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Rathinnmmal and others, Bharathiyar Road, Karur, Karur T.K.

(Transferor)

(2) Su S. Rajamani, Kuppanur, Madampatti Village, Coimbatore T.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Melchitharaichavadi, Coimbatore T.K. (THONDAMUTHUR DOC. No. 391/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Madras-600 006 *(Strike off where not applicable)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 6-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 106/Mar. 85,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1.00.000/- and bearing New No. 4. Jambulinga Naicken situated at Street, Nungam-

bakkam Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Thousandlights Doc. 88/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assots which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :-

(1) Mrs. Radha Kudva and another, 4, Jambulinga Maicken Street, Nungambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) Mr. N. Kuppuswamy Chetty, Nageswara Rao Road,
 Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at New No. 4, Jambulinga Naicker Street, Nungambakkam, Madras-34.

(THOUSANDI IGHTS DOC. No. 88/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

"(Strike off where not applicable)

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 1 A A T. 1961 (45 OF 1961)

(1) Smt Nalini P Menon, D. 3, Income-tax Quarters, Madras 34

(Transferor)

(2) Mi K Sukum uan and others 61/12, CPWD Quarters, K K Nagar Madras 78

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 5th November 1985

Ref No 117/Mai 85 - Whereas, I, MRS M SAMUET,

MRS M SAMUEII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No 243/3, Virug mbakkam situated at Village K K Nagar, Madras-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269Ab of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Virugambakkim Doc No 499/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly taked in the s id instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability f the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; HOSE/ OF

I and and Building S No 243/3 and 4 part Virugambakkam Village K. K. Nagat, Madras-78 (Virugambakkam Doc No 499/85)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under *ub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the for persons. namely :-

Date 5-11-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. M. Amala and another, No. 22, Appu Mudali 2nd St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

 Sri L. Lawrance, No. 21, Lazarus Church Road, Madras-28.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras the 5th November 1985

Ret. No. 129/March 85—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Vacant land situated in Tiruvanmiyur village, S. No. 210/

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Madras South/Doc. No. 675/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
95-386GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIOS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 210/2A 1A part Vacant land: Tiruvanmiyur village, Madras South/Doc. No. 675/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 5/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. K. Sulochana, W/o S. V. Krishnamurthy, Trivandrum Income-tax Commissioner, 1:-11, Hyderabad I state,

(Transferor)

 (2) Mrs. K. Manjula,
 W/o S. Kittappa,
 No. 7, I Main Road, Nanganallur, Ms. 61. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 203/March 85,-Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat-II Floor, Door No. 6, Arulambal St. situated at T. Nagar, Madias-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority

at T. Nagar/Doc. No. 329/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair nearket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIFEANATION: --- fine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and /er

THE SCHEDULF

Flat II floor, Door No. (, Arulambal St., T. Nagar, Madras-17, of (1083) sft. T. Nagar/Doc. No. 287/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MRS. M. SAMUHI. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-JI Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6/11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 143/Mar. 85,-Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing T. S. No. 4767 Block 108A Flat situated at IIIrd floor No.

1. S. No. 4/6/ Block 108A Flat situated at IIIrd floor No. 21, Thitumurthy Street Nort I Nagar Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at T. Nagar Doc. No. 388/85 on March 1985

io an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. T. K. Natarajan, 115, Habibulla Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri P. A. Ramaraja, 19, Periannan Main Street, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Block No. 108A No. 21, Thirumurthy Street, North T. Nagar. Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 388/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

Sri R. Natayanaswami,
 Srtram Nagar North Street,
 Madra-18.

(Transferor)

Kumari Usha Saravanan,
 Radhakrishna First Cross St.,
 Mylapore Madray-4.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 150/Mar. 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,00 - and bearing No 369 Mowbrays Road, situated at Mylapore Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Duc. No. 233,85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expines later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 369 Mowbrays Road, Mylapore

(Madras Central Doc. No. 233/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asssistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range-II Madray-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

FORM ITNS----

NIVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias, the 5th November 1985

Ref. No. 163 March 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No 17, Leith Castle South St, Santhome, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 265/85 on Match 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the near the fifteen per cent of such apparent consideration detailed and the transfer are spread to be property as aforesaid that it consideration for such transfer are spread to be properties has not occur trally stand in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Mahaboob Jan Sahib, 17, Leith Gaatle Couth St., Santhome, Madras-28.

(Thunsferor)

(2) Sri R. Sundararajan, 168, Big St., Triplicane, Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Θ fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 17, Leith Castle South St. Santhome, Madras-28.

Mylapore 'Doc, No. 265/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 5-11-1985

(1) Sii C. T. Saraswathi, 21, 1st Cross St., CIT Colony/Madras-28

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Thenanimal, 7A, Govindasamy St., R. A Puram, Madras-28,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No 180/March 85 -- Whereas, I MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land At R. S. No. 3960 3, Plot No. 7A, situated at Govindasany Nagar, R. A. Puram, Madras-28
(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Resistration (No. 1908) in the office of the Resistration (No. 1908).

1908) in the office of the Registering Officer at Mylamore/Doc. No 284'85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aturesaid purp rebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Lands in Plot No. 7A, Govindasamy Nagar, R. A. Puram. Madras-28.

R. S. 3960/3.

Mylapore/Doc. No. 284/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-II MADRAS 600 006

Madras-600 006 the 5th November 1985

Ref No 204/Mai 85 — Whereas I MRS M SAMUFI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing T S No 8101 Block No 107 situated at Sainthy Steet 1

Nagar Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of he Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 313/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) incilitating the reduction or eventon of the imbility of the transferor to per tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer ~AL (N
- (b) facilitating the conceilment of any income or any ni comps of the concentration of any income of the number of the ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initrate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

(1) Sit P K Arunachalam Chettiar, 36 Kaipaga Nagai Colony, K Fudui Madurii

(Ttansferoi)

(2) C. Nagappan (Minor) So Chidambaiam Chettiar (Guardian) Rangey in Pudukotini District

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later,
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of a resolution of this notice in the Official

The terms and expressions used herein as EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said n that hapter

THE SCHEDULE

Land and building in T 5 No 8101 Block No 107 Smathy Street T Nagu Madras t'

Г N 1941 Doc No 313 85

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras 600 006

` . 5 11 1985

Sal

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 213/Mar. 85 --- Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing No.

and bearing No.
Plot No. 594 situated at Dr. Alagarsamy Road, Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madras South Doc. No. 943/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concenterate of any faccine or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

(1) Sri K. M. Vasudovan, 28, 6th Main Road, Madra, 28.

(Transferor)

(2) Gnanammal, M-43 Anna Nagar Madras-102.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 594, Dr. Alagarsamy Road Madras.

Madras South Doc. No. 943/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 6-11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 215/March 85,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant house site-Kalakshetra Colony situate

situated at Besant

Nagar, Madras-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 958/85 on 5-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :-96-386GI/85

- (1) Sri Vaidyanathan, Krishnamurthy, 110/5, 7th Avenue, Besant Nagar, Madras-90. (Transferor)
- (2) Sri P. K. Krishnan, Poonjaparambil Madam, Movathupuzha Post, Kerala State

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Site: Kalakshetra Colony, Besant Nagar, Madras-90. Madras South/Doc. No. 957-958 No. 35 Madras South/ SRo

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri V. J. Andal ammal, 151, Pycrafts Road, Royapettah, Madras-14.

(Fransferor)

(2) Mrs. M. S. Fathima Nachi, 50/8, III street, Westkilakarai, Tamnad District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 218/Mar. 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ommovable as the said Act), have leason to believe that the ommovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old No. 178 New No. 151 Pycrafts situated at Road, Royapettah, Madras-14.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 170/85 on Match 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Lana and building Old No. 278 New No. 151 Pycrafts Road, Royapettah, Madras, 14. (Triplicane Doc. No. 170/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

FORM FINS-

(1) Sri K. M. Mylaswamy and another, Kanulakarai (PO). Avinashi T. K.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Chinnaswamy, Kulicholai, Pudumandu, Udagai District.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 221/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ampothi village Avinashi TK situated at Coimbatore District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punjaipaliampatti Doc. No. 754/85 on March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latenty
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability facilitating the requirement of vivanian the said Act, in of the transferer to pay tax under the said Act, in the transfer.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Agricultural land at Ampothi village Avinashi T. K. Colmbatore District. Punjaipuliampatti Doc. No. 754/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

No. 39, Eswaian Koil Street, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. N. P. Ponnuswamy Mudaliar, Kapsa Mudaliar Street, Chithadu village Erode T. K.

(1) Sri Kuppuswamy and other,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 222/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,06,000/- and bearing No. T. S. No. 119/565 D. No. 38 situated at Eswaran Koil Street, Erode

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 1164/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Eswaran Koil Street Erode, (Erode Doc. No. 1164/85).

MRS, M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 223/March 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 301/7/301/9, 302/1, 299|3, 298|3, 299|5, 296|5, 302|1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy, Doc. No. 701/85, on March 1985

at Pondy. Doc. No. 701/85, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri M Gutusamy, Executive Officer. Represented by: Arulmigu Kandasamy Tirukoil Tiruporur, Tamilnadu.

(Transferor)

(2) Annamalai, Eashwariamman Koil St., Muthialpet, Pondy-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Bulgaret commune, Saram village: R. S. No. 301/7 etc. etc. Pondy. Pondy/Doc. No. 710/85.

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

(1) Smt. Radhabai Ammal alias Palani Ammal, 78, Perumal Koil st., Pondicherry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

(2) Sri D. R. Rajasekar, 52-D, Anna Salai, Pondicherry.

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 224/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Muthumariamman Koil St., situated at Pondicherrey. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (office).

1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry/Doc. No. 714/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fastifizing the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other amon which have not been or which aught to be disclosed by the transferor for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 869C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land annd Building: Muthumariamman Koil St., Pondicherry.
Pondicherry/Doc. No. 714/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Dato: 5-11-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Chellammal, and another, Veerarasipalayam, Chengodagounder, Chennimalai, Palanisamy, S/o. Chengodagounder, Chennimalai, (Veerarasipalayam)

(Transferor)

 Veerappa devar, S/o. Chennimalai and sons, Palanisamy, Loganathan, Veerarasipalayam Chennimalai.

(Transferee)

OPTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrass--600 006, the 6th November, 1985

Ref. No. 228/March 85,—Whereas, 1, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Chinnapallampalayam village,

situated at Perundurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perundurai/Doc. No. 314/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Chinnapalampalayam, village, Perundurai Perundurai Doc. No 314 85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date : 6-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 229/March 85.—Whereas, 1, Mrs. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in schedule to situated at

Doc No. 166/85

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chennimalai/Doc. No. 166/85

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rukmani Textiles
By Partners, S.P. Gurusamy
Mudaliar and 4 sons,
Chennimala.

(Transferor)

(2) Sri M.S.K. Natraj and his sons Kumaresan, Venkatesan, K. S. Jayachandran, N. Krishnamurthy, Poosari Velala Ihambiran Thirumana Mandapam, Chennimlai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said innsovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Chennimalai—Ward No. 10, Poccari Velala Thambiran Thirumana Mandapam, Chennimalai. Chennimalai/Doc. No. 166/85.

Mrs. M. SAMU7L Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date · 6-11-1985

FORM ITE

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 Ot 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11,

MADRAS-600 006

Madrass--600 006, the 6th November, 1985

Ref. No. 235/March 85.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Resurvey No. 8, Erode, Frode

situated at

Punchailakkapuram Village : Erode.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 us 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 936 to 941/85 on March 1985

on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfermd/or

(i) Sri E.C.A. Palanichamy, and others, B-A, Muthuvelapia Veedhi, Frode, Town,

(Transferor)

(1) J. Sudanandan, S/o Jaganathamudaliar, 218, Netaji St., Erode Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

VXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: Punjailakkapuram Village: Erode Erode/Doc. No. 936 to 941/85.

> Mrs. M. SAMU7L Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sublection (1) of Section 269D of the said Act, to the following **Sersons**, Ramely :-- 97-386GI/85

-6-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th November 1985

Ref. No. 25/March, 85.-Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Plot No. 11, Door No. 282A and 282B.
situated at Kumara Gounder

Street, Annathanapatti

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fadagapatty (Doct. No. 1073/85 and 1076/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Sri S. Tirumalai and Other, No. 282B, Kumara Gounder Street, Nethimedu, Annathanapatti Village, Salem-2.

(Transferor)

(2) Sri S. Kandasamy Chettiar & 4 others Sons of K. Sreeranga Chettiar, 70, Thyagarajar Swamy Street, Rasipuram Town, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No.11 Door No. 282A 282B. Kumara Gounder Street, Annadhanpatti, S.R.O., Tadagapatti Doct. No. 1073/85 and 1076/85.

Mrs. M. SAMUEl Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11.

Mailyo: 500,006 Madras-600 006

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th November, 1985

Ref. No. 30/March/85.-Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable Re. 1,00,000/- and bearing No.

D.No. 1, Arunthathiar St., Gugai, Salem (and more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatty (Doct. No. 700/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri D.P.S. Pommannan, S/o D.P. Sithappa Chettiar, 3, Karkana Arumuga Pilliar Koil St., Gugai, Salem-6.

(Transferoi)

(2) Sri S. V. Amirthalingam, S/o Velu Chettiar, D. No. 558, Trichy Main Road, Gugai, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEDULE

Land and Building at D. No. 1, Arunthathiar Street, Gugai, Salem S.R.O., Tadagapatty Doct. No. 700/85

Mrs. M. SAMUFL Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date: 4-11-1985. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November, 1985

Ref. No. 42/March/85.--Whereas, I,

Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 429, Navalar Nedunchezhian Salai, Salem-2.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III, Salem (Doct No. 265/85)

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. K. Samburnaammal, W/o Karuppanna Pillai, No. 429, Main Road, Shevapet, Salem Town

(Transferor)

(2) Sri K. Kandasamu, S. o Karuppanna Piliai 2. Sri S. Velusamy, S/o S. Subbiah Door No. 60A, Appusamy Street, Shevapet, Salem Town

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective powers, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 429, Navalar Nedunchezhian Salai, Salem-2, J.S.R. III, Salem Doct. No. 265/85

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act to he following persons, manuely :-

Date :4-11-1985. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th November, 1985

Ref. No. 94/March 85.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
D.No. 100, Coral Merchant Street, Madras-600 001, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 oc 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 709/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in passuance of Sext on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for a equisition of the aforesaid property by the issue of this voice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Ac. to the following persons, namely:-

(1) 1. Katta Parangusam Chetty, 5 o Thulasingam Chetty 2, C. Jaganatha Balling So Katta Parangusam Chetty 3. C. Devarajan, S/o Katta Parangusam Chetty 100, Coral Merchant Street, Madras-1.

(Transferor)

 1. Smt. N. Maheswari, W/o S. Narayanan
 2. Smt. P. Subbulakshmi, W/o S. Ponnuswamy 3. Smt. S. Jayalakshi, W/o, S. Sampath 4. Smt. S. Kavitha, W/o S. Sundaram 5. Smt. P. Amutha W/o S. Permal No. 47, Ramaswamy Chetty Street,

Mannady, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used lessels as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 100, Coral Merchant Street, Madras-1, S.R.O., Madras North Doct. No. 709/85

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Madras-600 006

Date :29-11-1985.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November, 1985

Ref. No. 95/March/85.—Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 219, Broadway, George Town, Madras

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 733085) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) I. Sri O. M. Sıvasamy Chettiar, 2. Sri S. Gopathy Chettiar, No. 219, Broadway, Madras-600 001.

(Transferor) (2) Smt, A.M.S. Mohamed Mariam Beevi, W/o M.K.S. Mohamed Abubucker Sahib, No. 21, Mylai Periathambi Street. Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and Building at Door No. 219, Broadway, George Town, Madras, S.R.O., Madras North Doct, No. 733/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Madras-600 006

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November, 1985

Ref. No. 99/March/85.-Whereas I,

Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Dool No. 5, situated at Thambu Chetty Street, George Town, Madree

Town, Madras

(and more taily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 812/85)

1985 on March

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S11 T. Mahaveerchand Bothra, S/o Tarachand Bothra, No. 99, Govindappa Naicken Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ghisulal, S/o Khimraj Join Sti G. Pukhraj, S/o Khisulal Jain 3. Sri G. Sukanraj, S/o Khisulal Jain 4. Smt. Umrao Bai, W/o Pukhrai Jain . Smt. Lalitha Bai, W/o Suganraj Jain

All at No. 35, 35, Narayanappa Naicken Street,

Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personne, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 5, Thambu Chetty Street, George Town, Madras. S.R.O., Madras North Doct. No. 812/85.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-11-1985

Scul:

FORM ITNS-

(1) 1 C. Vatsala Sarma, 23, Armenian Street, Keorge Town, Madras-1, 2. T.G. Nataraj, Plot No. 1260-M, Phase-II, Kamal Nivas, Sathuvacheri, Vellore-9.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Fariha Pattathu Sayed Mohamed No. 3, Post Office Street, George Town, Madras-1. (Transferor)

(Transferte)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November, 1985

Ref. No. 103/March/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Door No. 23, Armenian Street, G. T., Madraz-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madras North (Doct. No. 929/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 23, Armenian Street, George Town, Madras-1. S.R.O., Madras North Doct. No. 929/85

Mis. M. SAMU7L Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date :1-11-1985.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 1st November, 1985

Ref No 104/March/85 -- Whereas I Mis M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flas at Door No 3 Chengalvniavi Naidu Street, Shenoy situated at Madias-30

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1998 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagai (Doct No 735 85)

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfex and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---98-386GI/85

(1) Sii Γ C Govindaswainy and Others
S/o T Congalappa Nudu Plot No 3362 C, Anna Nagai, Madras 40

(Transferor)

(2) Mrs P Bhageerathy, 25, Chengalvarayan Street, Shenoy Nagar, Madrás 600 030

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor Flat at Door No 23, Chengalvaraya Naidu Street, Shenoy Nagai, Madras 600 030, SRO, Anna Nagai Doct No. 735/85

> Mrs. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c) Madras-600 006

Date 1-11-1985.

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANNOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri T, C. Govindaswamy and others, S/o T Chengalappa Natdu, Plot No. 3362-C, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Smt. S. Proma, W/o Sri D. Sudarsana, 25, Chengalvarayan Street, Shenoy Nagar, Madras-29.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November, 1985

Ref. No. 105/March/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat at Door No. 23, Chengalvaraya Naidu Street, Shenoy Nagar, Madras-30

situated at Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 736/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said less rument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) Incilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937))

THE SCHEDULE

Flat at No. 23, Chengalvaraya Naidu Street, Shenoy Nagar, Madras-600 030 (Ground Floor) S.R.O., Auna Nagar Doct. No. 736/85,

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I)i/c), Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :1-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 107/March/85.-Whereas, I. MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at No. L, 1st Floor, 1st Main Road, Anna Nagar,

situated at Madras.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anna Nagar (Doct. No. 749/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M. Assan Meera Mohidoon, L.L.G. Flat, Now 1, L-35 (Old No. L-37-C), 1st Main Road, Anna Nagar, Madras-600 102.

(Transferor)

(2) V. Nallondran, No. 131/5, Seventh Avenue, Anna Nagar. Madras-600 040.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective postone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat at Now No. L.35 (Old No. L-37-C), 1st Floor, 1st, Main Road, Anna Nagar, Madras-600 102. S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 749/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 1-11-85

FORM ITNS----

NOTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref No. 110/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ref. 1.00 000. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Plot No. 4067, Mullan Village Plot No. 4067, Mullan Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Office at Anna Nagar (Doct No 787/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the 1all market value of the aforesaid roporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sti R. Dhakshinamoorthy, No. 29, Halls Road, Kılpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. K. Baby, No. 15, Park Road East, Shonoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic. Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No 40667 Mulla Viliage Madras S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 787/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing porteins, namely :-

Date: 6-11-85

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madaas-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 111/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 140, 4th Street, B-Sector Anna Nagar Western Latension, Madras-600 101.

tension, Madras-600 101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Office at Anna Nagar (Doct. No. 214/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri T. K. Arumugam Mudaliar, S/o kanniappan Mudaliar, Polambakkam Village, Chingleput Now staying at No 30, Bangaru Reddy Street. Madras-600 023.

(2) Sri P. Gurunathan, S/o P. Pakiriswamy, 58, Perumal North Street, Nagapattinam-611 001.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising frees the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 140, 4th Street, 'B' Sector, Anna Nagar Western Extension, Madras-600 101.

S.R.O., Anna Nagar.

Doct No. 2/4/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Dact: 29-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri T. R. Maniyan,
 Dev Appartments,
 Bharathiavasalau Nagar,
 Ist Cross Street, Madras-20.

(Transferor)

Mrs. Padmini Varadarajan,
 S. M. V. Koil Street,
 Madras-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 112/March/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2642, Naduvakkarai Village, situated at Anna

Nagar Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 821/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 2642, Naduvakkarai village Anna Nagar, Madras-40.

S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 821/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006.

Date: 1-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. D. Rajan, Plot No. 2424, AG. 89, Anna Nagar, Madras-40.

(Tamsferor)

(2) Mrs. Usha Rangaswami, 41-B, Shanthi Colony, AB-111, Anna Nagai, Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 113/March/85,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D. No. AR. 89, Plot No. 2424, Anna Nagar, situated at

Madras-40.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anna Nagar (Doct. No. 827/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 2424, A.H. 89, Anna Nagar, Madras-40. S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 827/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ngs for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri D. Venugopal and Others, S/o M. Dhananjaya Chettiar, 94, Ayyah Mudali Street, Chindadripet, Madras-600 002.

(Transferor)

(2) Sri T. G. Palanivel, S/o Sii T. Ganapathy, Polt No. 1976, Z-61, Arignar Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 114/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1976, Mullam Village, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registring Officer at Anna Nagar (Doct. No 849/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1976, Mullam Village, Madras. S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 849/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-85

FORM LT N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ♠

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Xavier Sebastian, 5/o Late P J. Sebastian, No. 48/3187 N. ijiwad Padivatiom, Edapally, Counin-682 024

(Transfero

(2) Soit N. Premila Brushan, W. O. R. Nagabhushan, 36, Nattu Pilliai Koil Street, Madras-600 001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGES MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 29th October 1985

Ref. No. 116/March, 85 - Whereas I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a four market value exceeding Rs 1,60,000 - and bearing No. Dear No. 1 and plot No. 169, situated at Anna Magar, Madra-+0 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Net. 1908 of of 1908) in the office of the Reenstein. Officer at Anna Nagar (Doct. No. 1024/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apprical consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been taily stated in the earl in trainent it transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

I and and building at Door No F, 81 and plot No. 169, Anna Nagar, Madras 40. SRO, Anna Nagar Doct. No. 1420/85.

Mrs. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras

Date : 20-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-99-386 G1/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
- MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref No. 117/March/85-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

44, VII Cross Street, Shenoyanagar, Madras-30 (Western Portion)

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anna Nagar (Doct. No. 1043-85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. Sarojini Devi, 44, VII Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-600 030.

್ ಮಾರ್ಗ್ ಬ್ ಒಬ್ಬರಿ ಎಂದು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಎಂದು ಕಾರ್ಗ್ ಕ ಬಾಲುಗಳು

(Transferor)

(2) Sii J. Raghavulu, 44, VII Cross Street, Shenoy Nagar, Madin'-600 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicat on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 44, VII Cross Street, Shenoyanagat, Madius-30 (Western Portion).

S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 1043/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-1 (i/c), Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dact: 29-10-85

Seal;

The state of the s

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sampoornaammal and Sankuchi Chettiai, 78, N. M. K. Street, Ayanavaram, Madias-23.

(Transferor)

(2) Vanithatchi and Rathnakumari, 28, North Street, Madras-77.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 119/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMÚLL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000, - and bearing Plot No I. N M & Street, Ayanavaram, situated at Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anna (Nagat (Doct No. 1107/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason 13 believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as the apparent of such apparent of consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant_House site at Plot No 1, N M K Street, Aynavaram Madras-23 SR.O., Anna Nagar Doct. No. 1107/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Daet: 29-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-500 006, the 29th October 1985

Ref. No. 120/March/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Plot No. 674, Door No. D. 126, Anna Nagar, situated at

Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), taid more ring described in the Schedule annexed hereby, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Anna Nagai (Doct. No. 1108/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less had the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sir J. Tarachand, S/o Jugraj, No. 60, Poonamallee High Road, Aminjikarai, Madras-600 029.

(Transieror)

(2) 1. J. P. Anthony Perumanayagam, 2. l. P. Peter Francies 3. J. P. James Perumanayagam. Ss/o Sri Jacob Perumanayagam Plot No. 2724, 12th Main Road, 7th Cross Street, Shanthi Colony, Arignar Anna Nagar West, Madras-600 040,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The Ictims and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No . 674 (New Door No. D. 126), Anna Nagar, Madras,

S.R.O., Anna Nagar. Doct. No. 1108/85.

MRS. M. SAMUFI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c), Madras.

Date: 29-10-1985

No

transfer with the object of : -

Ref.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

123 March 85. - Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 6, State Bank Officers' Colony No. 2, Ayanavaram Road, Madras-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1208 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 946/85) on March 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri R. Thiyagarajan, S/o B. N. Rajagopalan, No 6, S. B. Officer, Corony, Ayanayarani Road, Madras-23.

(Transletor)

(2) Shri N. Kittu, No 1, Raghavufu Cheaty Street Choolai, Madras-112.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 6, State Bank Officers' Colony, Ayanay nam Road, Madras-23 S.R.O., Anna Nagar. Doct. No. 946/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c), Madias

Date: 29-10-1985

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. G. Gopalan S/o Parathasarathy, Plot No. 2776, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Girija Gui, W/o N Guifi Door No. AR. 46, Anna Nagar, Madras-40.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madres, the 6th November 1985

Ref. No. 124/March/85.—Whereas I MRS. M. SAMUI L. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and braining No. Plot No. 2776 Anna Nagar, Naduvakkan Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been in a sterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 1069, 85) of March 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- "2" facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazotte er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 2775, Anna Nagar, Naduvakkarai Village, Madras

S.R.O., Atma Nagar, Doct No. 1069/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efercion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 130 March/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUFL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000 - and bearing No.

Plot Nos. 6-B i, 6-B/2 and 6-B-3, the best better the control of the property.

situated of Kalpank Garden Road, Kilpank, Modras-10

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Periamet (Doc. No. 320, 85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Maria Louana Sequeira, 5, 13th Avenue, Harrington Road, Madras-600 006.
 - 2. M s. Marzy Chinode Gomez, 9, Second St., Kamakshi Colony. Tambaram Sanatorium, Madras-600 047
 - Miss Meena Prisca Sequeira,
 13th Avenue, Harrington Road,
 Madras-600 031

Afransferor) (2) 1 Mr. Ravi Kumar 27 Pycrofts Garden Road, Nungambal kam, Madras-6
 2. Mr. Renu Kumar, 27, Pycrofts Garden Road,

Nungambakkam, Madras-6.

(Liansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

 $1/42 \rm{th}$ Undivided interest in the land at Plot Nos. 6-B/1, 6-B/2 and 6-B/3, Doo $_1$ Nos. 23 and 24, Kilpauk Garden Rond, Kilpauk, Madras-600 010

S. R. O., Periamet Doct. No. 320 65

MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i c) Madras-600 006

Date: 29-10-1985

FORM ITNS____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 131/March 85. -Whereas, 1, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and heating No.

bearing No.

23 and 24, Eilpauk Gaiden Road, Kilpauk, Madrus-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been maisterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the onice of the Registering Officer at Perminet (Doe, No. 321/85) in March 1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affected by the apparent consideration for such apparent conside

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the con calment of an income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be discreted by the transferee for the purposes of the Intan Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 1 22) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. Maria Lousina Sequeira and Miss Meena Prisca Sequeira, 5, 13th Avenue, Harrington Road, Madras-600 031.
 - Mix, Maizy Charlotte Gomez,
 Ilnd Street, Kamakshi Colony,
 Iambaram Sanatorium, Madras-600 47.

(Tinnsferoi)

 M/s. Dhala Kuppuswamv Rebello
 Bank Street, Kilpauk, Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th undivided interest in the land at No. 23 and 24, Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-10

S. R. O., Periamet Doct. No. 321/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date : 29-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 132/March/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Plot Nos. 6-B/1, 6-B/2 and 6-B/3, Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Dect. No. 99/85) in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following ersons, namely :-100-386 GI/85

(1) 1. Mrs. Maria Lousina Sequeira and Miss Meena Prisra Sequeira, No. 5, 13th Avenue, Harrington Road. Madras-600 031.

2. Mrs. Maizy Charlotte Gomez. 9, 11nd Street, Kamakshi Colony, Tambaram Sanoto ium, Madray-600 047.

(Transferor)

(2) Mr. H. G. Sequeira, 5, 13th Avenue, Harrington Road, Madras-600 031.

(Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th undivided interest in the land at Plot No. 6-B/1, 6-B/2 and 6-B/3, Door No. 23 and 24, Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-600 010.

S. R. O., Periamet Doct. No. 99/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Intering Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 29-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 136/March/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUFL being the Competent Authority under Section 269B of the Incompeter Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Door No. 37, Mc Nichols Road, situated at Chartet, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Legislation Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Presidential Officer at Periamet (Doc. No. 261-85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalue, of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentration of any income of any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persort, namely:—

 Sri O. M. Kurien, S. o. C. M. Mathew, Elanjimoothil, Kandothil, Tiruvalla, Kerala.

(Transferor)

(2) Sri Kumaraswamy Reddy, No. 37C, Vijayara ghavachari Road, T. Nagar, Madras-600 017,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 37, Mc Nichols Road, Chetpet, Madras-31. S.R.O. Permanent. Doct. No. 261/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madias-600 006

Date: 29-10-1985

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-I MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 29th October 1985

Ref. No. 138/March/85,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat in First Floor at No. 36, A-1, Chandanbala Apartment, No. 1/3, Atkinson Road, Madras-600 007

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 265/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesnic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or eventor or the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, ha respect of any income arising from the transfer and 'm
- ib) facilitating the concentration of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclused by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the World to Act 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the isoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons tamely :---

(1) Sri G. Shyamlal, S/o. Sri Gulab Rai, Flat A-1, No. 36, "Chandanbala Apartments" No. 1/3, Atkinson Road, Vepery, Madras-600 007.

(Transferor)

(2) Gope Lokumal Budhiani. Prop. Modella, 277, Purasawalkam High Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

Flat in First Moor at A U.N. 26 Chail finbala. Apartments' No. 1/2 Atlant. Rev. No. 1, Midia, 600 007.

3. R. O., Persimer Doct. No. 715 85.

MRS M SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Committee of Income-tix Acquition Regime-L (1/4) Madi 15-600 006

Date : 29 in 1985 Sent :

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Madras-17.
(2) A. Prithiviraj,
Guardian for Mmor A. Arvind,

(1) T. Muthulakshmi,

(Transferor)

 A. Prithiviraj, Guardian for Mmor A. Arvind, 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-600 008.

No. 25, Prakash Mudali Street,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 140/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at 140, Marshalls Road, Madias-8. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 272/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sud Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Door No. 139 and 140, Marshalls Road, Madras-8. S. R. O., Periamet Doct. No. 272/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 00% the 29th O tober 1985

Ref. No. 141/March/85—Whereas, I,

MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

Rs. 1.00 000% and bearing
Door No. 139 and 140 Maishalls Road situated at Madras-8
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (13
of 1908) in the office of the Registration Officer
at Periamet (Doct No. 273/85) on Maich, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. T. Kannan Balo, Represented by Power Agent, A Prithivitaj, 140, Marshalls Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) A. Yethendraraj, No. 140, Marshalls Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat—Undivided interest in the land at No. 139 and 140, Marshalls Road, Madras-8.

5.R.O., Periamet, Doct. No. 273/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date 29-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 142 March /85.--Wherens, 1,

MRS M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing

No. 100, 1st Floor, Montieth Road, Egmore, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct No. 82/85) on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs Physoin Aga and Others, 18, Had Main Road, Kasturba Nagar, MaJras-20.

(Transferor)

(2) Mis. Asma Kothari & Other, 6A. Queers Court, Egmore, Madas-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used here-EXPLANATION :- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Door No. 100, 1st Floor, Montieth Road, Egmore, Madras-8 5.R.O., Perfamet Doct. No. 282/85

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority . Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c). Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

D. te: 29-10-1985

Seil:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. Devanathan, S o S Kar ter Ly and No. 11, Mandapam Road, Kilpauk, Magras-10.

(Transferor)

(2) Stat Law of Begum Subhan and Str & M. Subhan, No. 2, Hnd Street, Sat Colony, Egmore Mnd1as-600 008

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-I, MADRAS-600 006

Madras-500 006, the 1st November 1985

143 March /85 -- Whereas, I, MRS M. SAMUFL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R 1,00,000 - and bearing Door No 11, Mindapam Road, Kilpauk, situated at Market 10

(and more fully decribed in the Schidule annexed hereto), has been transferred in the Regultration Vet, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regulering Officer at Periamer (Doct. No. 290/85) on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Jand and Building at Door No. 11, Mandapam Road, Kilpauk Madias-10 SRO Periamet, Doci No 290/85.

> . MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madias 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-11-1985

... .. - __ /- /--

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 144/March/85. -Wherets, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and becaring Door No. 5, Harriagton Road, Chetput situated at Madras-31

Door No. 5, Harrington Road, Chetput situated at Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Periamet (Doct, No. 308/85) on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accords the engagement consideration therefore her not the second than the constant of the second the second the second the second that the second th

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Fart Coast Constructions & Industries, Partner: Mr. A. M. Seyed Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenue, Andorson Road Mad 2855

(Transferor)

(2) Mr. Pichai Mohamed Jalal and Mrs. Kurshid Shirinjalal, No. 47, College Road, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seld immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1660/48870th undivided share in 2nd Floor, Door No. 5, Harrington Road, Chetput, Madras.

S.R.O., Periamet, Doct. No. 308/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Mndras-600 006

Date : 29-10-1985

Scal:

FORM IT'NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Made 500 006 the 29th October 1985

Ref No 153/Maich/85 - Whereas, I, MRS M SAM IFL being the Competent Authority under Section 269B of the Incom. tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property i wm' i fair market value exceeding Re 1 00 000 and bearing No (and more rully described in the schedule annexed hereto) has been trivilly idescribed in the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at JSRI M is North (Doct No 655/85) on March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason bely verthal the fair market value of the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such trusfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunction with the object of the consideration for the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such trusfer is a greed to between the parties of the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such trusfer is a greed to between the parties have not been truly stated in the said instrument of trush trusfer is a consideration for such apparent consideration and that the consideration and that the consideration and the consideration and the c

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act I heady unifile proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Se tion 269D of the said Act to the following 0 15002 1 10 -101—386 GI 85

(1) Sri Alathoor Ricend it & Other No. 57, Cangadharoswarii Koil Sti, Purasawiik im Midras 600 084

(Transferor)

(2) Smt M Sargunam, W/o S Muthukume i w mv, No 34 Venkatchal im Sueet, Madras 600 007

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offi ral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period express the
- (b) by any other person interested in the said immo property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

992/51000 undivided share of interest in the land JSRI Madias North Front No 655/85

> MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax Acquisition Range-1 (1/c) Madias 600 006

Date 29 10 1985 Seal,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 154/March/85 -- Whereas, I,

MRS M SAMUEL,

andlor

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 7. Thulasingam Street Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at 1 S R I, Madraa North (Doct. No 658/85), on March, 1985 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the followpersons, namely :---

- (1) Lemanji Maharaj Temple, Hyderabad. By its Muthwali Sii Virondrvarlal Pitoo Begum Bazur. Andhia Pradesh, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Sii Chandra Prabhuji Maharaj Juna Jain Temple, No. 340. Mint Street, Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and Building at Door No. 7, Thulasingam Street, Madras. 1.S.R.I., Madras North, Doct. No. 658/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date · 1-11-1985

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 156/Maich/85 -Whereas, i, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. Nos. 4050/2, 4050/3, 4050/4, 4051 and 4052, Tondianet Village, Madras

J.S.R. I Madras North

J.S.R. I Madras North
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at J.S.R.I., Madras North (Doct. No. 762/85) on March, 85
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Best & Crompton Engg. Ltd, 29, Rajaji Sali, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Kiest Development & Leasing Ltd., 29, Rajan Salai, Madras-600 101.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. Nos. 4050/2, 4050/3, 4050/4, 4051 and 4052, Tondiarpet Village, Madras. J S.R I., Madras, Doct. No. 762/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:--

Date : 1-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) C. G. Passagro and Other, No. 23, Panthoon Road, Egmoro, Madras-8.

(Transferor)

(2) Taj Begum, No. 6, Market Lane, Thyar Sahib Street, Madias-2.

(Transieree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 160/March/85.--Whereas, I Mrs. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (+5 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
No. 23, situated at Panthoon Road, Egmore, Midras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRI, Madras North (Doc. No. 896/85) in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1937).

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 23, Panthoon Road, Egmore, Madras-8.
ISRI, Madras North Doc. No. 896/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-1 (i/c)
> Madias 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dute : 29-10-1985.

FORM ITNS-

(1) Selvi Leela Chinnappan, 127, St. Marry's Road, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

P. Sukumar,
 P. R. Ravindranath,
 P. R. Rajendran,
 No. 50, Gajapathi Naidu Stiect,
 Shenoy Nagar, Madras-60 1030.

(Tiansferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 163/March/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 130, Periakudal Village, situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 937/85) in Match, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afernatifican per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms ind expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 130, Periakudal Village, Anna Nagar, Madras.

JSR-I, Madras North Doc. No. 937/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 29-10-1985.

Scal:

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sii M. R. Sothuraman, S/o M. Rathnasabapathy Mudaliar, 24, Nowioji Road, Chotput, Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Krishnamoorthy Rajan Family Trust, Represented by Dr. Krishnamoorthy and Rajam Krishnamoorthy, 5, Rathnasabapathy Mudaliar Road, Madras-600 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 165/March/85.—Whereas 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 47, Rathnasapabathy Mudaliar Road, situated at Madras-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Royapuram (Doc. No. 516/85) in Merch, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferses for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 47, Rathnasabapathy Mudaliar Road, Madras-21. SRO, Royapuram, Doc. No. 516/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (I/c) Madras-600 096

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons. namely :--

Date: 29-10-1985.

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 29th October 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the

Ref. No. 166/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000|-Door No. 11, Sundaravinayagar Koil St., situated at Old Washermonpot, Madras 21 (tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Paristoira Office (1908).

1908) in the office of the Registering Offices at Royapuram (Doc. No. 438/85) in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transfero, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt V. Visalakshianmal, W/o Late Vadivelit Mudaliar, No. 5, Sundara Vinayagar Koil St., Old Washermouper, Madias-21.
 - 2. The Trustees,
 Shree Kandaswamy 1cmple,
 Office at Shree Muthukumaaswamy
 Davasthanam, No. 44,
 Rasappa Chetty Street, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sri A. Panchatcharan, S/o Anguswamy Chittiat, No. 2, M.C.M. Garden First Lane, Old Washermonpet, Madra5-21.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 11, Sundara Vinayagar Koil St., Old Washermonpet, Madray-21, SRO, Royapuram, Doc. No. 438/85

MRS M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date : 29-10-1985.

Seal;

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 169/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Door No. 16, 2nd Cross St., Gopal Reddy Colony, situated at Sembium, Madras 82. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Somium (Doc. No. 811/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sri G. Venkataramani, 4-B, Jeevan Jyothi, Scialvad Landeeff Nepean Sea Road, Bombay-400 036.
- (2) Mr. M. Murugesan, 34, Judge Chellappa Naicker St., Poonamallee, Madras-56.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Land and Building at Door No. 16, 2nd Cross St., Gopal Reddy Colony, Sombium, Madras-82. SRO, Sombium, Doc. No. 811/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Scotien 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice upder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 6-11-1985

Scal:

FORM ITNS--

(1) Sri G. Gopal Naidu No 8, Varadaanuthiappan Street, Madras-4.

(Tonsferor)

(2) M/s. Sanchote Leasing Ltd. No. 581, Mount Road Madras-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 178/March/85 -- Whereas, I, MRS. M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a 134 market value exceeding

Page Ne. 68. Butda Sacaraha, Furuyappa Stie t.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the R g stering Officer at SRO Madras Central (10e No 222/85) in March 1985

have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 t11 of 1922) or the said. Act, or the Weslib-tan Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptee

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 68, Bunder Street alias Guruvappa Street, George Fown, Madras-1, SRO, Madras Central, Doc No. 222/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Agristant Commissioner of Income-tax, ^ quisition Range-1 (1/c) Madi is-600 006

Now, therefore in numbers of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acmisition of the afores id property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said in the infloring persons, namely --102-386GI/85

Date: 1-11-1985

FORM ITNS -

(1) N. Vijayalakshmi & Others, 81, Linghi Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kamar Hardware Stores, 10, Perianna Maistry Street, Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 1st November 1985

Ref. No. 180/March/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (bareinafter referred to as the 'sak' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 81, Linghi Chetty Street, Madras-1, situated at

Madras-l

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at J.S.R. II, Madras North (Doct. No. 594/85) in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2rd 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 81, Linghi Chetty Street, Madras-1. J.S.R. II, Madras North. Doct. No. 594/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006.

Date: 1-11-1985

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref No RAC No 501/85-86—Whereas I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a time market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing

No House stuated at Ward 8, Countur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Guntur in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 26% of the said Ac. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri Chandolu Butchi Venkata Kodandaram Gupta, S/O Radha Krishna Murthy & Other, Lalapet, Guntur,

(Transferor)

(2) Smt Pulipati Venkata Parvathamma,
 W/o Venkateswarlu,
 H No 13-6-77, Guntur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 13 6-77. Guntur Dien 182. 4 yards registered by the SRO Countur vide Docum in No. 39 85.

M JEGAN MOH N
Compout Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisit on Rain Hyderid (AP)

D to 8 H 1985

FORM I'INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, IT DI RABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC No. 502 85-86 - Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (15) P. 1 (1) B. smatter referred to us the said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land situated at Kunderu Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translated under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registring Officer at Kank padu in March, 1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration increfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of imposion with the other but

(1) Shri Edupugantu Balaveera Ramayya, S/o Butchayya, Suryaraspet, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Sri Kalakoti Ramireddy, S/o Muthu Reddy, Kunderu, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person into set d in the said immorpable property with a so days from the date of the publication of this net, in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferoi to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceairrent of any income or any

numbers of others assets and have not been as which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the I due income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the envisor of the Wenkh-tax Act. 145 (27 or 145);

THE SCHEDULE

Acres of land 2.45 cents in RS No 383/1, at Kunderu, Vijavawada registered by the SRO Kankipadu, vide Document No. 385/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding; for the acquisition of the aforesaid prope to by the issue of this notice under subsection (1) of S c ion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Da e : 11-11-1985

PORM ITNS--

 S i Vemula Peda Kanakayya, S/o Fullayya & 5 others, Adigoppula, Guntur Dist.

and the second s

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. No. RAC. No. 363-55-86.-Wherea, i. M. FEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

ino, I and si uated at Dacheppa'i-Naothide Guntui Dist (and more fully described in the schedule annexed here,0), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer at Gurazala in March 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of tay income unising from the quasici,
- (b) tacilitating the conceannest of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the formal Incomputation Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westterna Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of Section Act, to the following

persons, a ime i .-

(2) Sir Dachepalli Abbisetty. S/o Sucboyya & 4 other, Dichepalli, Gurzala Tq., Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesolo persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Area of land 715-579 sq. yds. at Dathepalle-Nadikedi DN No. 90, regis cred by the SRC, Canada, Gincar dist., vide Document No. 328–85

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range, Hyderabad (AP).

Dale : 11-11-1985 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

.....

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. RAC. No. 504/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kortapadu, Guntur

No. Land situated at Kortapadu, Guntur (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Guntur in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclused by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vijaya Engineering Corporation, Rep: by its partner Sri Pindiprolu Venkata Kirhna Raju, Guntur.

(Transferor)

(2) Sii Sadhu Nagabhushan, S/o Venkatappayya, Koritapadu, Industrial Estate, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area of land 1243 sq. yds. in M. No 142/1A, and build up area of land with tin shed 5000 s ft. at Koritupadu, Guntur, registered by the SRO, Guntur vide Document No. 2254/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 11-11-1985

Set1.

PORM ITHE

(1) Sri Edupuganti Kamalesh (minor), per guardian father Sri E. Padmanagbam, Suryaraopet, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Sr. Kalakoti Ramireddy, S/o Muthureddy, Kunderu, Vijayawada Tq.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ABSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1985

Ref. RAC. No. 505/85-86.Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Incometer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market with the immovable property and the property having a fair market with the immovable property and the property having a fair market with the immovable property and the property having a fair market with the immovable property and the property having a fair market with the immovable property and the property having a fair market with the immovable property with the immovable p able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Land situated at Kunderu, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Kankipadu on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notion
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Acres of land 2.75 cents at Kunderu in RS No. 383/2, Vijayawada Tq., registered by the SRO, Kankipadu vide Document No. 390/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1985

··· · RM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Continental Builders. Rep: by its Mg: paitner Sri V Prabhukishore, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Divisional Manager, United India Insurance Co. Ltd., Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. RAC. No. 506/85-86. Whereas. I,

M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 's. No. Flat situated at Santi Apaitments. Patamata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Vigryawada on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-

therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-pideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B-14 in Santi Apartments, Patamata, near : Saibaba Temple, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1663/3/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property in the said Act, to the said Act, to the following property in the said Act, to the said Act ing persons namely :--

Date: 13-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref RAC No. 507/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Santi Apartments, Patamata (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Vijayawada in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in preparent of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

103-386GL/85

- (1) M/s. Continental Builders, Rep: by its Mg: Partner Shri V, Prabhukishore, Vijayawada.
 - (Transferor)
- (2) The Divisional Manager, United India Insurance Company Itd., Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-19 in Santi Apartments, Patamata, near: Saibaba temple, Vijayawada, area 850 s.ft. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1664/3/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-11-1985

Seal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC 508/85-86,---Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No.

No. Flat situated at Santi Apartments, Patamata (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemente is registerd under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority

the Competent Authority at Vijayawada in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest it property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration is such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any income arising from mi/er
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s. Continental Builders. Rep; by its Mg: Partner Sri V. Prabhukishore, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Divisional Manager, United India Insurance Co., Ltd., Vijayawada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properting may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5 in Santi Apartments, Patamata, near : Saibaba Temple, Vijayawada, area 1050 s.tt. registered by the SRO.. Vijayawada vide Document No. 1662/3/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-11-1985

* ----

FORM TIME-

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. 509/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MÓHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No House situated at Ramanthapur, Srinivasapuram,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at RR Dist., in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax. Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri R. V. Ramana Murthy 13-119, Ramanthapur, RR Dist.

(Transferor)

(2) Sri Y. V. V. Ramana Murthy, H. No. 13-30, Ramanthapur, RR Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immov-note property, within 45 days from the date of the publishmion of this notice in the Official Grante.

EMPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 13-119, grea 452 sq. yds. at Ramanthapur, Srinivasapuram, RR Dist., registered by the SRO, RR Dist., vide Document No. 1657/85.

M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref RAC No 510/85 86—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No Lands situated at Kukatpally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt RR Dist in Maich 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely --

(1) Sii Varikuti Sundaishnain S/o IVVL Natasımha Rao & Others, Mehdipatnam, "Amba Garden", Hyderabad

(Transferor) (2) The Dil Chemicals Co op House Building Society Ltd, Rep by its President Sri P K Divakaran & Secretary Sri Γ Baburao Kukatpally Hyderabad (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the sucre meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry agricultural lands in Sy No 201 202 204 & 205 at kukatpally, Hyderabad, registered by the SRO, RR Dist, vide Document No 2338/85

> M ILGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Dite 13-11-1985

Seal

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Jaydeep Singh, S/o. S. Devinder Singh, 143, Geeta Kailesh, New Delhi.

(Transferor)

(2) J. Sri G. Ramana Reddy, S/o Narsa Reddy, 2. Smt. G. Audiseshamma, W/o G. Ramana Reddy, H. No. 10-5-32/1, Masab Tauk. Hyderabad-28.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1965

Ref. No. RAC. 511/85-86.--Whereas, J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Jubilee Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House No. $8-2-293/82/\Lambda/1150$ at Jubilee Hills, Hyderabad, area 950 s. yds. registered by the SRO, Khairatbad vide Document No. 688/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 13-11-1985

FORM ITNS

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 11ft-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Compact Condominum S., 8-2-541/A, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Radha Krishna Das, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. RAC. No. 512/85-86.—Whereas, J. M. JI-GAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat satuated at Chandra Apartments, Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that for my more than tifteen per cent of such apparent remainders that and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (b) by any of the aforesaid persons within a period as 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period axpires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetti

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Fig. No. 2 in Chandra Apatuments, Road No. 7, Banjara Hills Hilderabad, a ea 1604 sq. it, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1677/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby minute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1985

Scal:

FORM LONS

(1) Sri Heeralal B. Khimji, D-10, Vikram Puri, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Kavita A. Vasadara & 3 Others 27-76, Sanjeeva Apartments, Secunderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. 513/85-86 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter te to as the said Act, have reason to believe that the referred

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing. Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Revitation Act., 1908 (16 of 1908) in the office of the Parietaining Officer. Registering Officer

at Khairatabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of amsfer with the object of :--

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be mad in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the potice in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 10-B in Sy. No. 153 at Banjara Hills, Hyderabad, area 1171 sq. yds. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 943/85.

M IEGAN MOHAN Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquirition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-11-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:——, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the snb-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Raghunadha Rao Associates, 7-1-70, Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad-16.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Trishla Jain, W/o, W. K. Jain, B-55, S.R. Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. RAC. No. 514/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Ameerpet, Dharam Karan Road

No. Land situated at Ameerpet, Dharam Karan Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

1/60th undivided scheduled land viz., 3076 s.yds. built up area of land Ground floor of 1093 s.ft. at 7-1-70. Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad, registered by the SRO., Hyderabad vide Document No. 1626/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitein of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1985

Transport of the Person of the Con-FORM ITNS-

(1) M/s. Raghunadha Rao Associates, 7-1-70, Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Murali Krishna Raju, S/o. M. R. Raju, 78/2RT, Sanjeeva Reddy Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 515/85-86.—
Whereas I, M. IFGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 2698 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Dharam Karan Rd., Ameerpet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightling of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1822 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

104-386GI85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/60th undivided scheduled land 3076 sq. yds, at Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad, registered by the SRO. Hyderabad, vide Document No. 1627/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 13-11-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 516/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Bhasker apartments, Somajiguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-stid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any secures arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bhanodaya Builders-II, Plot No. 1218, Rd. No. 36, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sii Ganapathi, Flat No. 23, Bhasker apartments, Somajiguda,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 23, Bhasker apartments, Off: Rajbhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1434/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Date: 13-11-1985

FORM LT.N.S.--

(1) M/s. Bhanodaya Builders-II, Plot No. 1218, Rd. No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 519/85-86.— Whereas 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Somajiguda, Off: Rajbhavan Read (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1985

Hyderabad in March 1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the revealer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(2) Sri M. K. S. Murthy, 1-8-700/21, Nallakuuta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of liction of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 31d Floor in Sy. No. 425 off: Rajbhavan Road, Somanguda, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1435/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 13-11-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC, No. 520/85-86.—Whereas I, M. Ji GAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have rea on to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Plot situated at Balasamudram, Hanumkonda village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

 Sri Kethireddy Laxmi Narasimha Reddy, S/o. Venkat Narasimha Reddy, 3-4-12, Kothur, Hanumakonda, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri Konda Satyanarayana, S/o. Lingarah, Rudraram village, Mahadevpoor tq., Dist. Karimnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot area 666-66 sq yards at Balasamudram, Hanumkonda village, Warangal, registered by the SRO, Warangal vide Document No 437/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date 13-11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC No. 521/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Red Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Phagya nagar Construction Co, rep: by Sir Kan ordal Aggarwal, Red Hills, Hyderabad

(Transferor)

(2) M. K. K. Pillai, S/o C. K. Pillai & others, Brindavan apartments, Hyderabad.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 415 in M. C. H. No. 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad, area 1181 sq ft. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No 729/85.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A, P.)

Date 13-11 1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A. P.)

Hydetabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 522/85-86.—Whereas I, M JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,0,000/- and bearing No.
Flat situated at Sulfabad, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at

Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S i Abbas Mansoori S/o. Hohd, Salim, A-8, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti P. Sambasiva Rao S/o. Hanumaiah, A-8, Saifabad, Hyderahad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-8 at Saifabad, Hyderabad, area 1122 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1601/85.

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A, P)

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 523/85-86.— Whereas I, M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Shamshibad Rajendra nagar Tq, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RR dist., in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandfor
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

105-386GI/85

 Smt. Necna Desai, W/o. Sri Praful Desai, Adarsh nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(

(2) M/s. Mahavir Krishi Kendra, Association of persons, rep. by Sri Virji Sanghi, Faeth Sultan Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Total area of land Ac 4-85 cents at Shamshibad village, P ijepdia argai Tq, RR Dist., in Sy. No. 111/9-14 and 124, registered by the SRO, RR Dist., vide Document No. 1891/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 13-11-1985

Seal

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 524/85-86.— Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly valued in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evades of the liability of the transferor to pay tax under the sold Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasiti-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acqueition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(2) Sri A. P. Rao & Smt. Nagamani, H. No. 16-2-90/A, Akbar Bagh, Hyderabad-36. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the astrono of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1606/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 525/85-86.—
Whereas I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Arun apartments, Red Hills
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of parafer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Ast. by the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad,

(Transferor)

 Sri V. Krishna, 1-7-145/2, Srinivasa Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, area 109.63 sq. ft, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1570/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-11-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Suntise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti M. A. Raheem Parwerj, 5-7-220, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 526/85-86.—Whereus I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Arun apa iments, Red Hills

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as pet deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said proper. may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad recessioned by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1605/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice it or subversons namely :—

Dit : 13-11-1985

FORM I.T N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 527/85.86 —Whereas, I, M. JFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and beating
No Flat situate dat Alun Apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Iao me ta Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Hyderabad on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M s Sunrise Builders, 115-348, Red Hills, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sti M B G Tilak, Flat No 610, Arun apartments, H No 11 5-348, Red Hills, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947),

THE SCHEDULE

Flat No 610 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No 1937/85.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date 13-11-85 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. T. Radha Mahalaxmi, Flat No. 209, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC. No. 528/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Arun Apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1400/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-11-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC No. 529/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or uny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/9. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(2) Dr. K. Prasada Rao, Ramachandra Puram, E.G. Dist. Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, in Arun apartments, H. No. 11-5-348, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1571/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-11-85.

 M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Y. Sarada, 6-3-596/72, Naveen nagar, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Rcf. No. RAC No. 530/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing No.

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. 404 in Arun apartments, H. No. 11-5-348 to 352, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1572/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-85.

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP.)

Hyderabad, the 13th November 1985

Ref. No. RAC No. 531/85-86, Whereas I. M. IFGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-- and bearing

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

106-386GI/85

- (1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad
- (2) Str K. M. Nagendra. Hat No. 504, Arun apartments, 11-5-348 Red Hills, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 705 in Arun apartments, H. No. 11-5-348 Red Hills. Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 1573/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hydernbad (A.P.)

Date: 13-11-85.

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th November 1985

Ref. RAC. No. 532/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. House situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Zaiba Farzana, H. No. 10-3-304/12, Humayun Nagat, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Ramachandar Reddy, 1 48. Raghavapally, Nizamahad Dist.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House in M. No. 6-3-1119/1. Somajiguda, Bholesab Makhta, Hyderabad, area 174 s. metres, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1425/85.

> M, IFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the as notice under subjection (1) of Section 269L and can't Act, to the following

Date 15-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Rudraraju Buillers, 10-2-6, A. C. Guards,

(Transferor)

(2) Sri L. V. Nageswara Rao, S/o Subbaiah, Manager, Indian Bank, Kakatiya Nagar. Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, he 17th November 1985

Ref. No. 1AC, Acqn /37FE/238/85-86. Whereas, I. M JEGAN MOHAN,

scing the Compstent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat situated at A.C. Guards, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred a, per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the with the object of "-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by say other person interested in the said izas able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1967);

THE SCHEDULE

A flat at H. No. 10-2-6, A. C. Guards, Hyderabad, area 7480 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqu., Range, Hyderabad, at S. No. 945/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 17-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37FF/237/85-86 -- Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat A.C. Guards, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad in March December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/orr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :-

(1) M/s, Rudraraju Builders, 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabud.

(Transferor)

(2) Smi, Uddaraju Kusma Kumari, W/o. US. Raju, 61, Santinagar, Hyderabad-28,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 at H. No. 10-2-6, A.C. Guards, Hyderabad, area 7480 s. It. vide Agreement of sale registered by the I.A.C., Acqu. Range, Hyderabad at S. No. 944/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 17-11-1985

(1) Ms. Farah Estates, Rep. by Sti Syed Shahabuddin, 16 4-355, Chanchalguda, Hyderubad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum, Sowbhagya Laxmi D/o Sii Lakshmi Narayan, 16-9-771, Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1985

Ref No IAC/Aegn /37EF/235, 85 86.--Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-beating No Flat No. G-2, ground floor, Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Mansurabid Vill Hiyatnagai 1q, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at

IAC Acq Range, Hyderabad in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 46/1, in Sy No 56/1, at Mansurabad village, Hiyamagai Tq. Hyderabad vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S No. 943/84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 17-11-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the cold Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1985

Ret. No RAC. IAC/Acqn /371-17/233/85-86,--Whereas, 1.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. Flat situated at Makinty te Rd , Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the India i Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C. Acq. Range Hyderahad on 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms Satguru Builders, 5-9-30/21 to 30-A, Bashit Bagh, Hyderabid.

(Transferor)

(2) Shri Nito Mohandas Bathijo.No. 16. Paigha Apattments.S. D. Road, Secundarabad

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gerette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter North of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 205 on 2nd Hoor at H. No. 1-8-191 to 200A, Magnityte Road, Secunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 932/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dat.: 17 11-1985

(1) Ms. Amist Apartments, 4-3-336, Bank Street, Hyderabad.

(Transferer)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Şii Siviam Swamy Naidu, (0) Mahesh Villa, Warli Naka, Bombay.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hiddrahad, the 17th November 1987

Ref. RAC. No. 1AC/Acqn./37Lf*, 232/85-86.---Whereas, 1, M. IEGAN MOHAN,

the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a rain market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Fin' Squared at Amilt Amiltments Hyderabad tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred a per tend registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registering Officer at IAC. Acq Range Hyderaind in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the constant of the said instrument of perfors has not been truly stated, in the said instrument of

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: aiid /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given or that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506 on 4th Floor in Amrit Apartments, Bank Itreet, Hyderabad vide Agreement of sale registered by the LAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 931/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the exquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 17-11-1985

(1) M/s Mittal Builders, Srmath Complex, S. D. Road, Secunderabud,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lata Naresh Sadani, W/o Naresh Sadani, C o M/s. Advance Tandets, 3 4-135, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn/37E Γ /231/15 86. -Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat situated at Taxilla Apartments, Secunderabad (and more fully described in the Scedule annexed hereto, has has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq Range, Hyderabad in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 23 in Taxila Apartments, S.D. Road, Secunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 928/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 17-11-1985

Authorities that the contemporary

FORM L.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn/37EE/230/85-86.—Whereas, I, M IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat, smated at Taxilla Apartments, Secunder that (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1 08) in the office of the Registration Office of the

Registering Officer at I A.C. Acq. Range, Hyderabad on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or what eaght to be disclosed by the introduced to the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection ('' of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
107—386OI/85

(1) M s Mittal Builders, Srinath Complex, 5th Floor, S.D Roag, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mis Suickha Vasanih w/o M Vasanih, 1-11-253A, Motilal Nagar, Hyderubad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 43 on 4th Floor in Taxilla Apartments, S.D. Road Secunderabad vide Apreement of sale registered by the IAC Acqn Range, Hyderabad, at S. No 927/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 17-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mittal Builders, Srinath Complex, 5th Floor, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Venkataratnam & Mrs B. Bhavani, s/o late Sriramulu, No. 17, "Sarat Chaterje Avenue", Calcutta.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn/37EE/229/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat, sinated at Taxilla Apartments, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 1.19181 soliday poised 19409194M

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34 on 3rd Floor, Taxilla Apartments, S.D. Road, Secunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 926/84

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marriely:—

Date: 17-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Farah Esates, rep. by Sri Syed Shahbuddin, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. C. Reddy s/o Sri Appakutti Reddy, Hyderabad.

(Transferce)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSETTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. IAC/Acqn./37EE/228/85-86,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

whereas, I, M. JLGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Highway Housing Scheme, Hyathnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LAC., Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afercaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afercaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) taculmating the reduction or evasion of the hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lassr;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 in Highway Housing Scheme at Hyathnagar, of Farah Estates, Chanchalguda, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 925/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A,P)

Date: 17-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

್ನಾರ್ ನಿರ್ವಹಗಳ ಕ್ರಮ ನಿರ್ವಹಿಸುವ ಅರ್ಥವಾಗಿ ಅರ್ಜಿ ಎಂದು ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಎಂದು ಅರ್ಥವಾಗಿ ಮೊದಲು ವಿಚಾರವಾಗು ಅರ್ಜ್ ಅರ್ಜ್ಯ ಅರ್ಥವಾಗು FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Farah Esates, rep. by Sri Syed Shahbuddin, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Istia. Sabiya Yasmeen, d/o M. Shamshuddin, 10-3-82, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn./37EE/227/85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOIIAN,
being the Competent Authority under Section 2698 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs.1,00,000/- and bearing
Flat situated at Highway Housing Scheme, Hyathnagat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 33 in Highway Housing Scheme, at Hyathnagar, of Mrs Farah Estates, Hyderabad vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge, Hyderabad (A.P.)

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ci, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date : 17-10-1285

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Prasad Apaitments, 5-9-296, Church Road, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bashecrunnisa, w/o Md. ousuff, 4-1-1257/B, Bogulkunta, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. 1AC/A Whereas, I. M. IEGAN MOHAN, IAC/Acqn./37FE/250/85-86.---

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat situated at Prasad Apartments, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq Range, No. 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927):

Flat No. 8, in Praxid Apartments, Gunfoundry, Hyderabad, area 940 s.ft., vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 966/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Satish Kumar Makol, 4-1-1110, Bougulkunta, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn./37EE/249/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing No. House, situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-4-656/1, at Red Hills, Hyderabad, Area: 919 s. ft., vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn Range, Hyderabad, at S. No. 965/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I pereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985

(1) M/s Nataraj Builders, 3-5-795, King Koti Rd., Hyderabud.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Su Rajiv Hiralal, 5-1-932, Gowliguda, Hyderabad-12.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn./37EE/248/85-86.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Garage, situated at Mahaveer Apartments, King Koti. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the

I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) fa-illitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage Nos. 7 & 28 on Ground Floor in Mahaveer Apartments, King Loti Road, Hyderabad, area 250 s. ft., vide Agreement or sale registored by he IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 964/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Soction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Nataraj Builders, 3-5-796, King Koti Rd., Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Savitha Hitalal, 5-1-932, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn. 37EE/247/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a law who ket value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat, situated at Mahaveer Apartments. King Koti Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1.A.C., Acq. Range, Hyderabad in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any proome arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the consealment of any income or any modeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acr or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 on Ground floor in Mahaveer Apartments, King Koti Road, Hyderabad, Area 1100 sq. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 963/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985

FORM TINS ----

 M. S. Nataraj Builders, 3-5-796, King Koli Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTIC ** UNINER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

1 XX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Hiralal Tulsi Da , 5-1-932 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 17th October 1985

RAC No IAC/Acqn. /37EI 246/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00,000 % and bearing

Flat situated at Mahaveer apar ments, Kingkoti Road (and more fully dispribed in the Schedule anaexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating officer at

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating officer at I.A.C., Acq Range Hyderahad in 12 Dec 1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finishity of the transferor to pay fax under the said Act or respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any nonces of the assets which have not been or thick ought to be duclosed by the transferre for the output of the radian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 on Ground Floor in Mahaveer apartments, H. No. 3-5 796, King Koti Road, Hyderabad, area 1200 s. ft. ride Agreement of sale registered by the LAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 962/84

THE SCHEDULE

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assist in Commissionary of Incomedax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '— 10°—386C/1/85

Date: 17/10/1985

FORM ITNS----

11-4-651, Lakdi-ka-pul, Hyderabad

(1) M/s. Express Fstates (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geetha Sulesh, 8-3-224/2, Madhura nagar, Hyderabad-45.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC No. IAC Acqn /37EF/245/85 86—Whiens, I, M JEGAN MOHAN,

JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and bearing No Flat situated at Express apartments, Lakdikapool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq Range, Hyderabad in 12 Dec 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discless to be transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires la cr:
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A-110 in Express apartments, Lakdikapul, Hyderabad, area 1225 s it vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 959-84

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this no ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17/10/1985

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC. No. IAC Acqn /37EE/244/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Flat situated at Vaibhav apartments, Ramko c (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in 12 Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I beteby initiate proceedings for the acquisition of the aforciaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Triveni Builders, rep: by Mg: Partner R. Vijay Kumar, 4-2-1069, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Amritlal Bhanji, 3-5-141/E/3/1/B, Fden Bagh, Ramkoti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

La Nic 102 in Verbian marin no. H. No. 4-7-1059, Rainkote, Hyderabad, area 1025 s. I. C. Account of sal registered by the JAC. Acqui Raine Hyderabad, at S. No. 954/84.

M H.C.A., No ri vs.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconstant
Acquisition Ray
Hyderabad (AP)

Da e : 17/10/1985

Sect

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC. No. IAC Acqn./37EE/243/85-86—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding
Rs 1.00,000 - and bearing
Office si unted at Emerald House, S.D. Road, See bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Legistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer
at IAC, Acq Range, Hyderabad in 12/1984

property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Of
- (b) facilitating the concealment of any income ir any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I breev initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

(1) M/s. Emerald Builders, 4-1-968, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Inga Laboratories (P) Ltd., Mahakali Road, Andheri, Bombay-400 093.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property dray so made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5, on V Floor in Emerald House, S. D. Road. Secunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC. Acqn. kange, Hyderabad, at S. No 953/84

> M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC. No. IAC Acqn./37EE/242/85-86.—Whereas. 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1901 (43 of 1501) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Office space stunted at Babukhan Constructions, Bashibagh

Office space s tunted at Babukhan Constructions, Bashirbagh tand more fully described in the Schedule ancexed hereto) has been transferred tands, the Registering officer at Acqn. Range, Hydernoard on 12784 Bashirbagh for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to a lieve that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-ter with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegold property by the issue of this notice under subing persons, namely :--

 M/s. Babukhan Constitutions, 5-9-58/1/15. Babukhan Estate, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Mustata Mohauddin (minor), S o Sri Murtuza Mohauddin Ali, 17-7-161, Outside Yaqooobpura, Hyderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazene or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (is) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Office space No. 408 on 4 h Elcor at P. Sto. 5-9-58/1-15, Babukhan Estate, Bashir bugh, Hoderabad vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqu. Range, Hyderabad, at S. No. 952/84.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Plate : 17/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC, No. IAC/Acqn. '37EE/241/85-86,--Whereas, J. M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat situated at Satya apartments, Masabtank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at LAC., Acq. Range, Hyderabad in 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Maan Constructions (P) Ltd., rep: by its Mg: Director Sri S. N. Chawla, A-102, Satya apartments, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mis. Ashratunnisa Begum, W/o Syed Sarwar Hussain, 22-8-590/1, Lakarkote Bardari, Chatta Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-505 in Satya apattmen s, Masab Tank, Hyderabac, area 1575 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqu. Range, Hyderabad, at S. No. 951/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A P.)

Dire: 17/10/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC. No IAC/Acqn. 37EE/240/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

ond bearing No.

Re 1,01,000, and bearing No.

Plot situated at Masurabad vil. Hayatingar Ta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

a. 1 A.C., Acq. Range, Hyderabad in 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. به الحدة

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Farah Estates, iep: by Sri Syed Shabuddin, 16-4-355, Chanchalpuda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sint L. Vijayaləxmi W o Sri K. Krishna Murthy, 16-10-770, Malakpet, Near: Market, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used beroit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meraling as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71 at Masurabad village, Hiyatnagar tq., Hyderahid, area 172 sq. yds. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 950/84

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :--

7-1 - 17/10/1985

 M 's. Rudraraju Builders, 10-2-6, A. C. Guards, Hyderabad.

(Transferor)

) Mrs Jayashri Padmanabhan C/o GKS Iyengar, 40, Shantinagar, Hyderabad-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 17th October 1985

10 No. IAC/Acqn /37EE/239 85-86 —Wiler 11/14 JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100000 - and bearing

for the data A.C. Guards, Hyderabad fand more fully described in the schedule annexed here o), has be normals of under the Rossitation Ac 1908 (16 of 1908) in the office of the Rossitation officer

a IAC, Acq Range, Hyderabad in 12/1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by sacre than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a faculitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/oza
- (b) It collitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

flat at H. No. 10-2-6, A C. Guards, Hyder bad area of s ft vide Agreement of sale registered by the IAC, c 1 Range, Hyderabad, at S No 946/84

THE SCHEDULE

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the fallowing persons namely:

17/10/**1985**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/268/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs 1,00,000 - and bearing musted at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or ovacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfert andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 18 at H. No. 3-6-138, Himayatnagar, Hyderatives: Cellar floor 6000 s. ft., & Ground floor 6000 s. ft. Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range,

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storegaid property by the issue of this notice under subention (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--109-386GI/85

M/s. Platinum Constructions, 4-1-966, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohboobunnisa Begum, 23-1-662/2, Moghalpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

11 A 1 thad at S. No. 988/84.

: 28/10/1985 Seal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

PAC. No. IAC/Acqn./37EE/267, 85-86.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Sagar apartments, Rajbhavan Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at I.A.C., Acq. Range, Hyd. on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Emerald Builders, 4-1-968, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bana Shankari B. Kulkarni, 10-1-18/43, Syam nagar, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 3rd Floor in Sagar apartments, Rajbhavan Road, Hyderabad, area 700 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 987/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Tite : 28/10/1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri A. S. Kesava Ras and Sri A. K. Santosh, Old No. 64, H. No. 2-2-51 (New), M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/266/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at M. G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at I.A.C., Acq. Range, Hyd. on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesmid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

efector to pay not of ARY INCOM

(b) facilitating the concealment of any became or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(2) M/s. Mittal Builders, Srinath Complex, 5th Floor, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 2542.2 sq. metres in premises Old No. 64, New 2-2-51, M. G. Road, Secunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC. Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 984/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Act, I herefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 28/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC. No IAC JEGAN MOHAN, IAC Acqn., 37EE/265/85-86,-Whereas, I, M.

JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Land situated at Banjara Hills, Hydetabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at I.A.C., Acq. Range, Hyd, on 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri M. Ranga Reddy, 1-2-412/11, Gaganmahal Co-op. Housing Colony, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Mittal Buildets, Srinath Complex, 5th Floor, S. D. Road, Secunderahad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Open land in Sy. No. 129/64 1, Banjara Hills, Hyderabad, area 5043 sq. yds., vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 983/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Scotlon 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

· 28/10/1985

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC No IAC/Acqn/37EC/264/85-86—Wherca, I, M JEGAN MOHAN,

heing the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing No

and bearing No Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry at IAC Acq Range Hyderabad on 12/1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq Range Hyd on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Prasad apartments, Gunfoundary, Church Road, Hyderabad.

(2) Sri Mohd Ahmed Malik & Sri Mohd Abdul Aleem 33/2RT, Municipal Colony, Malakpet, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the elemental persons within a period of 45 days from the date of publication o hftis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HEPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A flat in Prasad apartments, Guntoundry, Hyderabad, area 947 s ft vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn Range, Hyderabad, at S No 981/84

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

New therefore in purwance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons namely:—

Date 28-10-1985

Seal ·

FORM ITNS...

(1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296 Gunfoundary, Hyderabad.

(2) Smt. Parpati Kishanchand Sadani. W/o Kishanchand Sadani, Crane Borne Road, Basking, Essex, London, U.K.

(Transferce)

(Transferor)

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Bangalore, the 31st October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/263/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry
at IAC. Acq. Range, Hyderabad December 1984
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registoring Officer at IAC., Acq. Range, Hyd. 12/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 103 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad area 947 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 980/84.

Date: 28-10-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely :-

Date: 28-10-1985

FORM ITNS.

(Transferor)

(1) M/s. Prasad apartments, Gunfoundary, Church Road, Hyderabad.

(2) Smt. Badarunnisa Begum, W/o S. Aziz Hussaini, 5-9-702, Uruz Manzil, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/162/85-86.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Hyderaload on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957); Flat No. 8 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad, area 947 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No 979/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-10-1985

Scal :

(1) M/s. Prasad apartments, Gunfoundary, Church Road,

Hyderabad.
(2) Sri Mohd Muneeruddin, 16-5-89, Fathad nagar, Hyderabad

(Tranfseree)

(Transferor)

GOVFRNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

Ref. No IAC/Acqn/37EF/261/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundly at IAC Acq. Range, Hyderabad on 12/1984 (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Acq. Range, Hyd. 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been trally whated in the said instrument of transfer with the ablect of :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in whiting to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A flat in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad area 947 s. ft vide Agreement of sale registered by the JAC. Acqn. Range Hyderabad, at S. No. 978/84.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC No. IAC/Acqn/37EE/260, 85-86.—Wherea., I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act.), have reason to believe that the harmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as par deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Hyd. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons namely — 110—386GI/85

(Transferor)

- (1) M/s. Plasad apartments, 5-9-296 Gunfoundary, Hyderabad.
- (2) Smt. Mehmooda Begum W/o Sii Ansar Ahmad Bilgrami, 3-5-596, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Tranfseree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad area 947 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 977/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 28-10-1985

Scal .

(1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296 Gunfoundary, Hyderabad.

(2) Sant Barma Begum,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

W/o Dr. Md. Satfullah, 3-5-804/2/4, Hyderguda, Hyderabad

(Tranfserce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/259/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and beating Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A.C., Acq Range, Hyd 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in Prasad Apartments Gunfoundry, Hyderabad, area 997 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn Range, Hyderabad at S No. 976/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Prasad Apartments, 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor) 1. Smt. Anuradha Kuan W/o Dr. Ramakiran 2. Smt. Kamla Devi W/o B. Nageswara Rao, No. 1 Officers' quarters, Punjagutta, Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC No. IAC/Acqn./37EE/258/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1 A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoretaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date c? the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

Flat No. 303 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyd., area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 947/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agents which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 28-10-85

to a distribution of the contract of the contr

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transfere.

(2) 1. Sri B. Nageswara Rao
S/o B. Kotaiah, &
2. Others, No. 1 Officers' Quarters, Punjaguta, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC No. IAC/Acqn/37EE/257/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984
for an apparent consideration which is less than the fair

at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 301 in Prasad Apartments, Gunfoundry, Hyd, area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 973/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-85

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn/37F1/256/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No.

Flat situated at Prasad apartments, Gunfound v (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid a code the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:— (1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transfera

(2) Smt. Syeda Asma Fatima, \(\frac{1}{0}\) o Sri S M. Qadri, 19-1-1062/7, Bahadurpura, Police Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 300 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyd., area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at No. 972/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

Ref. No IAC/Acqn/37EE/255/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry (and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferted as per deed registered under the Indian Registration Act, 1008 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Ace Range Understand

at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concentment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely s—

(1) M/s. Prasad apartments. 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor

(2) Sri Mohd. Ahmed Ciddiqui S/o Sadiq Ahmed 4-1-477 Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109 in Prasad apartment, Gunfoundry, Hyderabad, area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S No. 971/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-10-85

Scal

- M/s. Prasad apartments, 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.
- (Transferor)
- (2) Smt. Ather Khalija, W/o Sri Ahmed Iftekaruddin Arshad 5-1-436, Jambagh Hydeiabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn/37EE/254/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immorphism represents the property between the competence of the property of the able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, iv. respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Prasad apartfents, Gunfoundry Hyderabad area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range Hyderabad at S. No. 970/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hydetabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Date: 28-10-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferer)

 Master Rehan Mirza (minor)
 Master Ferhan Mirza (minor)
 Syo Suleman Mirza
 No. 2-4-926, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/253/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Prasad apartments, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C. Acq. Range, Hyderabad on 12/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

— persons, namely:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or THE SCHEDULE

Flat No 106 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad, area 947 sq. ft., vide agreement of sale registered by the IAC., Acqn Range Hyderabad at S. No. 969/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 17th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/252/85-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding

Rs. 100,000 - and bearing No Hat situated at Piasad apartments, Gunfoundary (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acq. Range Hyd. on 12-1984

at I. A. C. Acq. Range Hvd. on 12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such temperar as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of temperary with the object of temperary.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely — 111—386GI/85

(1) M/s Piasad apartments, 5-9-296, Church Road, Gunjounday, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mis. Ash afunnia Begum W/o, Abdul R oofkhan,
 - Mi vsim i Fa ooqui,
 Wio. Shah Masood Amed,
 Mis. Ancesa Farooq,

W o Md. Farooq Nayem, H. No. 5-1-438, Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the 17 detection of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Prasad apartments, Gunfoundry, Hyderabad, area 1046 s. ft., vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 968/84.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Seal:

Date: 17-10-1985

FORM ITNS- -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 17th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/251/85-86.--Whereas. 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Flat situated at Prasad apartments, Guntoundry

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per dccd registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I. A. C. Acq. Range Hyd. on 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habits of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or armoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Prasad apartments, 5-9-296, Church Road, Gunfounday. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bansidhar, S.o. Kishanchand, 10, Ramkrishnappa Road, Cox Town Bingalore-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in Prasad Apartments, Gunfoundry Hyderabad, area 1355 s. ft., vide Agreement of sale resistered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 967/84.

M JFGAN MOHAN Competent Autholity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17-10-1985

Seal ;

(1) M/s Amil Apartments, 4-3-336, Bank Street, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shravan Kumar R. Kashyap, C.o. A. R. Kashyap, 1-8-499/6, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC. No. IAC Acqn./37EE/272/85-86.—Whereas M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat situated at Amrut apartments, Bank street
(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at I.A. C. Range, Hyd on 1-1985
for an apparant consideration which is less than the faor
market value of the aforesaid property and I have reason to
helieve that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exce of the apparent consideration therefor by more than lift a per cent of such apparant consideration and that the correderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given n that Charker.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer;

Flat No. 508 in Amrit apartments, Bank Street, Hyderabad, area 1420 s. ft., vide Agreement of sale registred by the IAC., Acqu. Range, Hyderabad, at S. No. 992/85.

(b) facilitating the consealment of any income or any money or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian It some-tax Act, 1922 if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex act, 1917 (37 of 1987);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, openly by the issu of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perents namely:-

Date: 29-10-1985

FORM NO. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn/37EE '273/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop situated at Super apartments, Hill Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I. A. C. Range, Hyd. on 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Super Complex, 4-3-161C, Hill Street, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Benkatamana, S.o. Natasimhulu, Sti K. Shadev, S.o. Narasimhulu, K. 7-2-57, Ashok Nagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6-A in Super apartment, Hill Shreet, Secunderabad, area 200 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqa. Range, Hyderabad, at S. No. 999/85.

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Re ne Hyderabad (A.P.)

Date 29-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn/37Er 274/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable porperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat situated at Shahjehan apartments, Khanatabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office.

at I A C. Range, flyd in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exected the apparent consideration therefor by more than fatteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sti M. C. Bhaskaran, S. o. M. C. Unni, 6-3-252/1/2 Erra manzil Colony, Hyderabad.

Military Texas Ast -

(Transferor)

(2) Sri K. B. Kuppuswami, S/o. K. K. Bashyam, Flat No. 8, Kohmooi apartments, Motilal nagar, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

يد د عداد مستحرب ووسا

- (a) by any of the aforessed persons within a period of 45 days from the dire of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, in Shahjehan apartments, II. No. 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad area 1105 s. ft. vide agreement of sale registered by the 1AC. Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1000/85.

M. JEGAN MO.1AN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ringe
Hyderabad (A.P.)

Dato: 29-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CEPNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC. No IAC/Acqn./37EF/275/85-86.—Wheren, I, M. JFGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Secting Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat situated at Hariganga Market, Ranigunj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Ac., 1908, 16 of 1908) in the office. If the Registering Officer

at IAC. Range, Hyd. in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market that of the aforesaid property and I have reason to a the of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the control of such transfer as meed to between the curries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) racilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 M/s. Harimanga Construction & Builders (P) Ltd., 28B, Shakespear Sarani, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1, Sri Vasant U, Mehta,
2. Mis. Kusum S. Mehta,
3. Mi. Bhaiat U, Mehta &
4. Mis. Harsha D, Mehta,
83, Jeera Compound,

Sccunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand of

- (a) by any of the afore and persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as twen in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 at Hariganga Market, H. No. 5-5-84, Raniguni, Secunderabad, area 392 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqu. Range, Hyderabad, et S. No. 1001/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC No IAC Acqn / 37FF/276/85-86 -- Where us, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-Lox Act. 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to a time said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Hanganga Market, Rangunj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Ac 1901 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Los C. Range, Hyd. on 1-1985
for an apparent consideration which is less than the fatt

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any incume study from the transfer and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomestal Ac. 1924 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

(1) M/s. Hariganaga Constructions & Builders (P) Ltd.. 28B, Shakespear Smant, Calcutta.

(Transferor)

(1) 1 Mt Suresh V Mehta, 2 Mt. Sudhoe V Mehta, '. Mr. Chetna B Mehta & 1 Mrs. Kanta V Mehta, 83, Zeera Compound, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice to the Official Gaetzte.

TXPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 3 at Hariganga Market, at H. No. 5-5-84, Ranigunj Secunderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqu. Range, Hyderabad, at S. No. 1002/85

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date: 29-10-1985

Scal '

FORM ITNS-----

(1) M.s. Hariganga Construction & Builders (P) Ltd, 28B, Shake pear Sarani, Calcutta

(Fiansteroi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- -= -

(2) Sii Deepak V Mohta & Others 83, Jeera Compound Secunderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad (AP), the 29th October 1985

RAC. No IAC/Acqn/37E1 277/85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Correction Authority under Section 269B of the Income-tax (ct. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the and Act's have reason to believe that the immovible property making a fair bit let value exceeding Rs. 1,00 090/ and bearing Harganga Market, Rangung

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Range, Hyd on 1-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the paraes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of — Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 3 at Hatiganaga Market, H. No. 5-5-84, Ranigunj, Secunderabad, area 280 s. it, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range. Hyderabad, at S. No. 1003/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tt, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 29-10-1985

M/s. Innovation Associates, 142/C, Pendergnast Road, S counderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A P.), the 29th October 1985

RAC No IAC/Acqn /37El-/278 85-86 -- Whe cas 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No
Flat situated at Innivation apariments, Penderghasi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A C Ronge, Hyd. on 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay me under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act 1957 (27 of 1957); (2) Mi Mohd Abdul Wnheed Zafai, P O Box 3108, icddah, Şaudi Atabia.

('Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 108 in Innovation aparaments, Penderghast Road, Secunderabad, area 1700 s ft vide Agreement of sale registered by the IAC. Acqn. Range, Hyderabad, at S No. 1004/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .. 112-386GI/85

Date 29-10 1987

Seal

FORM TINS------

NOYICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP), the 29th October 1985

RAC No. IAC/Acqn/37EF/279/85 86 -- Whereas 1, M JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Office premises situated at Babukhan Estates Bacheer hagh

Office premises situated at Babukhan Estates, Basheer bagh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A C Runge, Hyd on 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Babukhan Construction, 5 9-58/1/15, Babukhin Estate, Ba hir Bago, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Mehlat Alı Khan, 5/o Md Ali Khan, 16-4-570, Chanchalguda Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prosperty may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office premises No 114 in Babukhan Constructions, H. No, 5 9 58/1 15, Bashir bagh, Hyderabad, area 40 s. ft vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn Acqn Range, Hyderabad, at S No 1006/85

m jegan mohan Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date 29-10 1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Sampath Kumar, S/o. AMK Acharyulo, 595 LIG, Bharat nagar Colony, Hyderabad-18.

(Transferee)

STFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A P.), the 29th October 1985

No. IAC/Acqn / 37EE, 280/85-86.—Whereas.

RAC No. IAC/Acqn / 3/FE/ 200/03-00.—whereas.

M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at Mansorabad Village. Hiyatnagai Iq,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Range, Hyd. on 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the raduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any incommoneys or other assets which have met been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

cusous, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 72 in Sy. No. 56/1, Mansoorabad village Hiyatnagar Tq., Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1007/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date 29-10-1985

(1) M/s. Jyothi Builders, H. No. 22-6-2 & 3, Kalikaman, Hyderabad.

(2) Smt. Santosh Bai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

W/o. Naresh Kumar, 2. Smt. Urmila Bai W/o. Vishwanatham, H. No. 21-6-761, Chelapura, Hyderabad.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 29th October 1985

RAC, No. IAC/Acqn./37EE/281/85-86,- Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop situated at Kaligaman, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Range, Hyd. on 1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the almosnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instagraent of transfer with the edited of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arbiting from the trainfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any accome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tag Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop in H. No. 22-6-2/7, Kalikaman, Hyde abad, area 18-54 sq. yds. vide Agreement sale registered by the IAC., Acqn., Range, Hyderabad, at S. No. 1009, 85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R' nge Hyderabad (A:P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percents, framely :-

Date: 29-10-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn 37EE/282/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat situated at Taxilla Apartments, S. P. Road,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in
January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of usingle with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mittal Builders, 16th Floor, B-Wing, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Dr. VPR Mallikarjuna Rao, Superintendent, Govt. H. Qrts. Hospital, Adilabad, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 in B-Wing on I Floor in Taxilla Apartments, S. P. Road, Secunderabad, area 1123 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at 5. No. 1011/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No RAC. No. IAC/Acqn/37EF/283/85-86.— Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Rs 1,00,000 - and bearning Plot stuated at Mahin in Hills, F. Martedpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in Indianary, 1985 January, 1985

far an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(1) M/s Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Babukhan Estate, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Margadaisi Chit Fund (P) Ltd., Rep. by Mg. Director Sri A. Krishna Murthy, Abids, Hyderabed.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 195 Mahindra Hills, Fast Marredpally, Sceunderabad vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1012/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 29-10-1989

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC No. 1 \C /Acqn/37EE/284/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot situated at Ma-oorabad village, Hivernagar Iq., (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred us per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range. Hyderabad in January, 1985 January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by make than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) M/s Farah Fstates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti Amir Wasi Ahmed, 5/) Latif Ahmed, 277/A, New Aghapura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dare of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 64 & 65 in Sy. No 561 at Masoorabad, Hiyatnagar Tq., RR District, Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqu Range, Hyderabad, at S. No.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn/37EF/285/85-86.-Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Composent Authority under Session 260B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Plot situated at Masoorabad village, Hiyatnagar Tq., (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1985 Rs. 1,00,000 - and bearning

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of capsier with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any insume or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. Subrahmanian, S/o Anjaneyulu, 2 M. Nageswara Rao, S/o Venkateswarlu, H No. 9-7, P&T Colony, Dilsuknagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichevor period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56 in Sy. No. 56/1 at Masoorabad village, Hiyatnagai Tq., RR District, Hyderabad vide Agreement o fsale registered by the IAC., Acqn Range, Hyderabad, at S No. 1014/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Act. I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, masself ... Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Babukhan Estate, Bashubagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sn Sardar Mohd, Khan, Office No. 908, on 9th Floor, Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn 37EF/286/85-86.—Whereas, I, M. IHGAN MOHAN,

being he Competent authority under Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Office premises situated at Babukhan Fstates, Bashirbagh has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair sparket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by anore than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 908 on 9th Floor in Babukhan Estates. Bashırbagh, Hyderabad, area 1022 s ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1015/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Haderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the frame of this notice under subsection (1) of Section 26 13 of the said Act, to the following persons, namely.——
113—386G1/85

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferce)

(2) Sri Mirja Mohsim Ali Baig, Misrigunj, 11. No. 19 2-135/80/111, Jlyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn/37EE/287/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office premises situated at Babukhan Estates, Bashirbagh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in
January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 149 on I Floor in Babukhan Estates, Bashirbagh, Hyderabad, area 285.77 s. ft. vide Agreement of sale registered by the Line, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1016/85.

M. IFGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 29 10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. 1 \(\text{ /Acqn / 37LE / 288 / 85-86.}\)
Whereas, I, M. IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No

and pearing No exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Plot situated at Masoonabad village, Hiyatnagar Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1988

number value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldstax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) M/s Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Nabi Rasool, S/o Mabu Saheb, 12-136, P&T Colony, Dilsuknagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FreeLanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54 in Sy. No. 56/1, at Masoorabad, Hiyamagar Tq., RR District, Hyderabad, area 105 sq. yds. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1017/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn/37EE/289/85-86.— Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office premises situated at Chenoy Trade Centre, Parklane

Office premises situated at Chenoy Trade Centre, Parklane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Nataraj Construction Co., No. 116, Parklane.
 Secunderabad.

(Transferer)

(2) Sri Aidas Bulchand Chhuganj, A-118, Karachi Citizens, New Link Road, Andhen (West), Bombay-58.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein average defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 506 in Chenoy Trade Centre, Parklane, Scunderabad, area1020 s ft. vide Agreemnet of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1018/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 29-10-1985 Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 29th October 1985

Ref No RAC No IAC/Acqn 37FL/290/85-85—Whereas, I M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tiest Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding exceeding Rs 100 000/- and bearing Plot situated at Mansoorabad village, Hiyatingai Iti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer if IAC Acq. Rin e Hyderelial in market 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market v. ue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any received or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ann. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesass property by the usua of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Farah Estates, 16-4-355, Chanchalguda, Hyderabad

(Tiantferer)

(2) Smt R Hemalatha, W/o Sti R Stinivasa Rao, B 433, Vanastalipuram, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EMPLAMATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 47/A m Sy No 56/1, Mansoorabad vallage, Hiyatnagar Tq RR listrict Hyderabad, vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqu Range, Hyderabad. 2t S No 1019/85.

M IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (AP)

D 1 29 10 1985 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. IAC/Acqn, 3712E/201/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office space situated at Babukhan Estates, Bashi bagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and in true ment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Babukhan Constructions, 5-9-58/1-15, Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nafecsa Habib, W/o Sk. Habib Hussain, 1-10-178, Premwadi, Opp. Police School, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 1102 in Babukhan Estate, Bashibagh, Hyderabad, area 1103 s. it. vide Agreement of sale registered by the IAC. Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1020/85.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

beal:

FORM I.T.N.S. (1) M/s Metro Euildera

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Metro Builders 5-9-30/26 to 30A, Bashirbagh, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sa O caldas Chotelal Rajwani, 1-2 214/4, Gaganmahal, Hyderabad-22.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderahad the 29th October 1985

Ref. No. RAC. No. TAC / Acqn/37EF/292/85 86 — Whereas T, M. J. GAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit situated at Meto builders, Ba hubagh, Hyderabad

Unit situated at Metro builders, Ba hirbagh, Hyderabad has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the bosideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Unit No. 19 at H. No. 5-9-30, 26 to 30A, Metro builders. Bushirbagh, Hyderabad, area 110 s. ft. vide. Agreement of Sale registered by the TAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1021/85.

(b) accelerating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Veguisation Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Royal Builders, 5-9-30 21 to 25, Bashu bagh Hyderabad

(Tuesferor)

(2) Sri Mohandus Chanditam, 402/A Nandanam Apartments, Fueth Sultan Lane, Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 29th October 1985

Ref No RAC No IAC/Acqn/37EE/293 85-86—Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Unit situated at Royal builders, B. shirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq Range, Hyderabad in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No 6 of H No 5-9-30/21 to 25, Bashi bagh, Hyderabad, area 255 s it, vide Agreement of Sale legistered by the IAC, Again Range Hyderabad, at S No 1022/85

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 29 10-1985

Sea

NOTICE LINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Innovation Associates, 152/C, Presderghast Road, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. M. Seetha, Plot No. 2, Sripuri Colony, East Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

SPECIE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/294/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competen Authority under Section 269B of the throme the Act 1961 143 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fur market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Innovation Associates, Prenderghast Road

Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acquisition

Range, Hyderabad on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arizing from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the spad Act of the spad a in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 in Innovation Associates, Prenderghast Road, Secunderabad, area 1350 sft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1023/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the ing persons namely:—

114--386GI/85

Date . 29-10-85

(1) M/s. Progressive Builders, 3-6-309, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sulochana, W/o Shri S. P. Rao, 1-2/412/612, Valmiki Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDLRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/295/85-86 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Progressive Builders, Bashirbagh,

Flat situated at Progressive Builders, Bashirbagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acquisition Range, Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning or given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63 in Progressive builders, Bashir bagh, Hyderabad, area 1635 s.ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1025/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-85

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Farah Estates, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Tashreef Banu Khusru, W/o Shri Khushid Hussain Khusru, 6-3-1111/15/A, Nishat Bagh, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/296/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plos situated at Mansoorabad Village Hiyatnagar Tq.,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at IAC., Acquisition
Range, Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 29 & 30 in Sy. No. 56/1 at Mansoorabad Village, Hiyatnagar Tq., RR Dist. Hyderabad, area 297 s. yds. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1026/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-85

 M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Gaganmahal, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Guru Sangath Singh, 15-4-562, Osmanshahi, Hyderabad.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn/37EE/297/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Sagar constructions, Gaganmahal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1905 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acquisition Range, Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires large.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Sagar Constructions. Gaganmahal, Domalguda, Hyderabad, area 1000 s.ft. vide Agreement of salo registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad at S. No. 1030/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Onte : 29-10-85

Peal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/298/85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit situated at Metro Builders, Bashir Bagh, Hyderabad (and proper fully described in the Schedule approved beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1978 (16 of 1908) in the office of the Registering Cfficer at IAC., Acquisition Range, Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persona, namely :---

(1) M/s. Metro Builders, 5-9-20/26 to 30A, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Dhun J. Irani & Others, 210, Nehru Nagar, Road No. 8, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 18 in Metro builders, Bashir Bagh, Hyderabad, area 604 s.ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1031/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL HYDERABAD (A.P.)

Hydcrabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/299/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Unit situated at Metro builders, Bashir Bagh, Hyderabad cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acquisition Range, Hyderabad on 1/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of wench ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I theby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Metro Builders, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Dhun J. Irani & Others, 210, Nehru Nagar, Road No. 8, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 1 in Metro Builders, Bashir Baglı, Hyderabad, area 394 s.ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 1032/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 29th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./37EE/300/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat situated at Innovation Associates, Prenderghast Road Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), this been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acquisition Range, Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the latten income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

ು ಸ<u>ಕ್ಷಮೆಯ</u> . ೧೦೦೦ ರಿಕು ಯ ರಾಲ**ಸ ಪ್ರಶ_ದ್ಯಾ**ಮ್ನ (1) M/s. Innovation Associates, 152/C, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Smt. Renu M. Ahuja &
 Mr. Prakash M. Ahuja,
 7112/29, Mahankali Street, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 in M/s. Innovation Associates, 142/C, Prederghast Road, Secunderabad, area 1650 s.ft. vide Agreement of sale registered by the IAC, Acqu. Range, Hyderabad, at S. No. 1033/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Author ty
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Hyderabad (A.P.)

Date: 29-10-85

(1) M/s. Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FOR THE PARTY OF T

(2) Mr. S. C. Malhotra & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. wh chever period expires later;

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/17888/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a sair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 7th floor, Bidg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receeds the apparent consideration the fair by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 2, 7th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17888/84-85 dated 1-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated : 31/19/1985

FORM INS-- ----

(1) Shri V. Natarajan.

(Transferor)

(2) Mr. U. C. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/17874/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent authority unda Section 269) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and hearing No.
Flat No. 11, 4th floor, Hansha Apartment, Plot No. 126127, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-86.

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein & are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11,4th floor, Hansha Apartment, Plot No. 126-127, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17874/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of the notice under sub-sec tion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow repersons numely :-115-386GI/85

Dated: 31/10/1985

(1) Mrs. J. R. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. K. S. Vudi & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE--III. BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/17345/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 1, 5th floor, Bldg. No. 6A, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid property the property as aforesaid property the property of the p exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, Bldg. No. 6A, Damodar park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/17345/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tary Acquisition Range-III Bombay

Dated: 31/10/1985

(1) M/s. Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M1. G F. Modi & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE--III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III 37.EE/18031/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 2, 9th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S.

Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

situated at Bombay

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

respect of any income arising from the transfer;

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income ог алу moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 9th floor, Bldg. No. 6D, Damodar park.L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/18031/84-85 Competent dated 1-3-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Dated: 31/10/1985

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

FORM ITNS-

(1) M/s, Mehta Associates.

(Transferor)

(2) Mr. N. G. Shanker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR.[II]/37EF/17364/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred is as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 10th floor, Bldg. No. 6D, Damodar park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers 13/14 /00
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

40w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a periou or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 10th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR, III/37.EE/17364/84-85 dated 1-3-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Incomptax. Acquisition Range-III Bombay

Dated: 31/10/1985

(1) M/s. Mehta Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arava John Sunder Sukukmar Raj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE--III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/17346/84-85.—Whereas, [, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 2, 6th floor, Bidg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S.

Marg, Chatkopar (W), Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bonibay on 1-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

5th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, Flat No. 2, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/III/37EE/17346/84-85 dated 1-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 31-10-1985

R. Govinan.

(Transferor)

(2) V. Natarajan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

AR-III/37EE/17779/818-5. -- Whereas, 1, ALHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 11, Hansa Coop. Hsg. Soc. Garodia nagar, Ghatkopai (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ama/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of nonce on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 11, Hansa Coop. Hsg Co., Gaiodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/17779/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisation of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated · 29-10-85,

FORM ITNE-

(1) Lily J. C. Soares & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sattar Ellai Bux Khan Bhati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** Bombay, the 29th October 1985

No. AR-III/37FE/17672/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

C.T.S. No. 393/1 to 6, Martin Villa, Kirol Rd., Vidya-Vilhar (W), Rombay-86

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the conceniment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Woolth-tux Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub. lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 593/1 to 6, Martin-Villa, Kirol Rd., Vidyavibur (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17672/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suff Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 29-10-85,

(1) Shri S. C. Desai (H.U.F.)

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. V Vyas (H.U.F.)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

No. AR-III/37EE/17855/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 413, Hill view Indl. Fstate, 4th hoor, L. B. S. Marg, Ghatko-

par (W), Bombay-86

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wanchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

413, Hill view Indl. Estate 4th floor, L. B. S. Marg, Ghat-

kopar (W), Bombay-886.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17855/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 29-10-85

FORM ITNS ---

(1) Mis. F. P. Lobo.

(Transferor)

(2) Mr. T. K. Cheriyan Valdyan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP. TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th October 1985

AR-III/37LE/17916/84 85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

bring the Competent Authority units section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and be using

That No. 205, B wing, Vakola Rajish Patk Coop, Soc. Ltd., 2nd floor C Vakola Pipe Line, Santaeruz (E), Bombay-55

situated at Bembro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u.d.t. section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the efficient the Competent Authority at Bombay on 1-3-88

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filter per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignet:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caratte or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which one the lower disclosed by the transferce for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, B wing, Vakola Rajesh park Coop Hsg. Soc. Ltd., C Vakola Pipe I inc, Santa C uz (F), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Award to Friedly und No No-IN-1737EE/17916/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby in title proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :--116--386GT/85

D tod: 29-10-85.

(1) Mrs. P. R. G. Singh Raji.

(Transferor)

(2) Mr. S. B. Choudhury.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

No. AR-III/37EE/17994/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 1, Bldg, Ashish, 38, Garodia Nagar, Ghatkopar

(E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nauce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any treome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Block No. 1, ASHISH Bldg. 38, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17994/84-85 dated 1-3-85.

> AKH!LESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 29-10-85,

(1) Shri M. G. Doshi.

(Transferor)

(2) Shri D J. Yadav & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

No. AR-III/37EE/17555/84-85.—Whereas, I, Al-HILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremotter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6 ground floor, Bhavneshwar chhaya, Niharika Coop Hsg. Soc. Ltd., Rajawadi Road No. 3, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1' of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I h reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, ground floor, Bhaveshwar chhaya, Niharika Coop. Hsg. Soc. Ltd., Rajawadi Road No. 3, Ghatkopar (E), Rombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR-III/37EE/17555/84-85

dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 29-10-85.

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. M. M. Abbas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. Shafi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29 h October 1985

No. AR-III/37FF/18040/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Complete Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsater referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and beating No. Shop No. 5, Bidg B, Failash Prabhat Coop H g, Soc. Ltd., C.S.T. Road, Kalina, Lombay-98 situated at Rombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transfered and the agreement is rightered under section 200AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authoray at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Bldg. B, Khailash Parbhat Coop. Hsg. Soc Ltd., CST Road, Kaliva, Pombey-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18040/84-85 dated 45-85.

AKIIILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, theretoic, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the occursition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-10-85.

FORM I.T.N.S.----

(1) Dr. K. K. Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. V Thakkar & Ors.

(Transferee!

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMB 3Y

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17707/84-85,---Whereas, I, AKHILLSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Ac.') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Block No. 112, plot No. 65, Pa ijat, Rising Sun Coop. Scc. Siv Shvus, Kurfa (E), Bomb ty-24

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transic, and and the agreement is registered under section 260AB of the Income-tax Ac, 1901 in the Office of the Computent Authority at Bembay on 1-3-85

for any apparent consideret on which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay aix under the said Act. in respect of any 'acome arising from the transfer; and / ev

THE SCHEDULE

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for me purposes of the Indian Income tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957): Block No. 112, plct No. 65, Parijat, Rising Sun Coop. Soc. Siv Shrusti, Kurla (F), Bombay-24.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17707/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Nas therefore it receivance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-10-85

FORM I.T.N.S.——

(1) Smt. U, S. Vyas.

(Transferor)

(2) Sm. H. S. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref No. AR-III/37EE/17854/84-85.—Fherens, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

401, Hill View, Indl. Estate, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatko par (W), Bombay-86

situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of his Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other misets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquibition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

401, Hill view Indl. Estate, 4th floor, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17854/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 29-10-85.

FORM ITNS .--

(1) K M Pereira

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Kumar construction Co

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref No AR III/37EE/17989/84-85—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-ray Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible propagate have not been smaller to a securing a few more let well as exceeding. novable property, having a fuir market value exceeding Rs 100 000/- and bearing No price of land village Vikhrol Taluka Kurla, S No 48, H No 1, C TS No 82 (pt)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed and the agreement is a gistered uncer section 259AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of

the Composent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) fac litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sad immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece of land at village Vikhrol, S. No 48, H No. 1, CTS No 82 (pt), Dist. Kurla.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No \AR-HI/37EE/17989/84-85 dated 1-3-85

AKHILESH PRASAD Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby intrate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated - 29-10-95 Seal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri D. J. Yadav.

(Transferor)

(2) Shri M. G. Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17600/84-85.—Whereas, I. AKHILESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Bombay

Flat No. 12, 1st floor, Bhavesh Warchhaya, Nharika Coop. H g Soc. Ltd. Ra awadi Road No. 3, Ghatkopar (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed and the agreement is a gistered under section 259AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the_Competent Authority at Bembay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not seen truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period and 45 days from the date publication of this not continue the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Bhaveshwarchhaya, Niharika Coop. Hsg. Soc. Ltd., Rajawadi Road, No. 3, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-III/37EE/17660/84-85-dated 1-3-85

AKHILESH PRASAD
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-16-65

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. B. K. Sreenivasan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1 Mohit Kapoor.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-III/37EE/17308/84-85.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Flat No. 10, Ellota CHS Ltd., Kalina Kurla Road, Bom-

bay

situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-85

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hite liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Ellora C.H.S. Ltd., Kalina Kurla Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17308/84-85 dated 1-3-85.

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bomb av

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---117-386GI/85

Dated: 29-10-85.

(1) M/s Manish Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Jyoti P. Khua

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

AR-III/37EE/17333/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hazari Baug, Hariali village, Vikhroli at juction of station Rd and LBS Marg, Vikhroli (W). Bombay-83 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore by many them. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 19, ground floor, Hazari Baug, Hariali village, Vikhroli at juction of station Road and LBS marg, Vikhroli (W) Bombay-83.

The agreement has been registered yb the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/17333/84-85 Authority, Bombay dated 1-3-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-10-85

(1) M/s. Eagle Rubber Industries.

(Transferor)

(2) M/s. Hemang Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17842/84-85.—Werehas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. C-10, Bldg. C, Siddhapura Indl. Estate,

Off. L.B.S. Marg, Bombay-86

Off. L.B.S. Marg, Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 196 1in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. C-10, Bldg. C. Siddhapura Indl. Estate, On. L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17842/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 25-10-85

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Gregory Govean

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ladjoe M. Mayani & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17274/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

bearing No. Flat No. 16, 1st floor, Usha Bldg. Canara Bank Employees

Co.op. Hsg. Soc. Ltd., 191, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 196 lin the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than and I have reason to believe that the fair market value of the and I have leason to believe that the fail market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Jazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st floor, Usha Bldg. Canara Bank Employees Co.op. Ssg. Soc. Ltd., 191, Garodia Nagar, Ghatkopar (E). Bombay-17.

The agreement has been registered yb the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17274/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 25-10-85

FORM TINS

(1) D. K. Builders & Associates.

(Transferor)

(2) Paramount Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

AR-III/37EE/17487/84-85.—Werehas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 108, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S.
Marg, Vikhroli (W), Bombay-83, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any resoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax / 2t 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 108, 1st floor, Marg, Vikhroli, Bombay-83. Shri Diamond Centre. L.B.S.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17487/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 25-10-85

STATE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE SECOND PROPERTY OF THE SECOND PROPERTY OF THE PRO

FORM ITNS-

_ (1) M/s. Samir Builders & Developers.

(Transferor)

(2) Miss Aliya Abdulla Somat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17354/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Kolivary Village, Kalina.

Santuacruz (E), Bombay-29, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made up writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

Flat No. 1, 3rd floor, Holy View, Kolivary Village, Kalina, Kalina, Santacruz (E), Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17354/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely -

Date: 25-10-1985

الدعيك

FORM NO. I T.N.S.

(1) Sh. R. C. Chapatwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Sh. Kanubhai K. Pomal

(Transeferee)

COVERNMENT OF DATE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18057/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an action of the Income tax Act, 1961). the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor. having a fair market value exceeding

Plot No. 4, 90 Road, Nathpai

State Branch and Branc

Nagar, Ghatkopar (E). Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the refer by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of . -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkship of the transferor to pay tax under the said Act, in temport of any income arising from the transfer and /or
- · (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmanee of Section 1890 of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inner of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Ramely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Plot No. 4, 90 Road, Nathpai Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18057/84-85 dated 1-3-85

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 25-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Premier Enterprise.

(1) M/s. D. K. Builders & Associates,

Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17413/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-bearing Unit No. 104, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg.

Vikhroli Bombay-83, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of spanisfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 104, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg Vikhroli Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17413/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 25-10-1985

Scal:: :

FORM ITNS----

(1) Sh. Mansukhalal P. Shah.

(Transferor)

(2) Sh Madusudan H Khetani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

AR-III/37FE/17908/84-85.—Wherens, J. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Amhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Neelkanta Tower, plot No. 206, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered funder section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer; 204 /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Neelkanta Tower, plot No. 206, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17908/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 118-386GI/85

Dated: 25-10-1985

Sent:

(1) Sh. Kanubhai K. Pomal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bhojraj G Mange.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

AR-III/37EE/18002/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

bearing No. Flat No. 8, Namrata, Plot No 36 Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement 15 registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andio-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incorpo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Namrata, plot No. 36, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18002/84-85 dated 1-3-85.

> AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-10-1985

(1) M/s, Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No.AR-III/37EE/18054/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing Flat No. A-18, 6th floor, New Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola village Road, Santacruz (b), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Augustine F. Dias & Others.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and he expressions used herein as are defined in hapter XXA of the sari Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-18, 6th floor, New Gajanan Niwas, Kadam-Vakola village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18054/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 25-10-1985

FORM 1.T.N.S.-

(1) Mr. Ashok Kumar Azad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Kamlesh Mehandiratta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17o54/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bat No. 24, Bldg. No. B-6, Bombay Teximen's Co.op. Hsg. Soc. Ltd., L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the said instrument of transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

for with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov **able property within 45 days from the date of** the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Bldg. No. B-6 Bombay Teximen's Co.op Seg. Soc. Ltd, L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17654/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-10-1985

(1) Sh. V. P. Kachalia.

(Transferor)

(2) Sh. J. H. Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17515/84-85.--Whereas, I,

No. AR-11/3/EE/1/515/84-85.—whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing Flat No. 5460, Bldg. No. 199, MILE Butt Name (Shethker) (E)

M.H.B. Pant Nagar, Ghathkopar (E),

Bombay-75.

Rombay-75. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5460, Bldg. No. 199, M.H.B. Pant nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17515/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 25-10-1985

FORM ITNS ...

(4) Arun J. Bhitnis.

(Transferor)

(2) Ha C. Parekh & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17601/84-85.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value execeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 5009, 2nd floor, Bldg. No. 184, Pant Nagar,

Ghatkopar, Bombay-75 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforevaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the augustition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

I-lat No. 5009, 2nd floor, Bldg. No. 184, Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17601/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-1622 Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

(1) M/s Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay M. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE / 18023 '84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 301, 3rd floor, C Wing, Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagai, Ghatkopar (E), Bombay-81,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforensid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, C-Wing, Bldg. No. 1, Shanti Park, Carodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/18023/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Abdul Mohd, Rajabaly Gulzar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saced Ahemed Qamruzzaman.

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/18018/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 15 Kapadia Nagar,

C.S.T. Road, Kurla (W), Bombay-70,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- THE SCHEDULE
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 15, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18018/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-1985

FORM ITNS-

The state of the s

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Moh.i Mustafa Rozaulla Khan

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III **EOMBAY**

Bomb iv. the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17970/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASÁD,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax six 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having feir market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Flat No. 304, 3rd floor, Bldg No. 6, Kapida Nagar,

CST Road, Kurla (W), Bombay-79

sina ed at Bomb i and (w). Bombay-19 sina ed at Bomb i and (more tully d so tood in t8he Schodule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-tox Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1935,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparate consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for and transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufact with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, is cospect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been to which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192% (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perspir whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEMALEMENTON: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST

Road, Ku la (W), Eombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17970/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

Seal

(1) M/s. D. K. Builders and Associates.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) M/s. Paramount Enterprise.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17263/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 106, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 106, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR-III/37EE/17263/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 25-10-1985

Scal:

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TIX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No AR-III/37EI /17942/84-85.—Whereas, I,

ARHILISH TRACAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flag No. 2, 1 t floor, Holy View, Kolivary Village Road, Santacruz (E), Bombay-55,

situa ed at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/8 Samir Burders and Developments.

(Transferor)

(2) Mr. Samuel S. Challa & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublicaton of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 2, 1st floor, Holy View. Kolivary Village Road, Santaciuz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Au houty, Bombay under No. AR-III/37FE/17942/84-85 dated 1-3-1985,

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

(1) Mrs. Sharda P. Lakhani.

(Transferor)

(2) Mrs. Bhagawanti M. Talreja.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONRANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/15587/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair ma ket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 15, ground floor, Navjivan Nivas Premises Co.-op. Hsg. Sec. Ltd., Ku.la, Eembay-70, situa ed at Bombay

situe ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement i registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair marret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as to esenere that the tair market value of the property as 'to e-sa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating to concentment of the moon of the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, Navivan Nivas Premises Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17621/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following norsons namely :---

Date 25-10-1985

Self:

(1) M/s Milind Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. M. Yadav.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EL/17296/84-85.-Whereas, I. AKHILLSH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter refe red to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing

Flat No. 2, ground floor, Bldg. on Plot No. 6116, Kole Kalyun, (Kalina Vilage), Santacruz (E), Bombay-29

situa.cd at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authori y at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any m n.s. c. other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No. 2, ground floor, Bldg. on plot No. 6116 of Kole Kalyan (Kalinh Village), Santacruz (E), Bombay-29.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17296/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby injuste proceedings for the acquisition of the aforesaid process by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act of the law of the said Act of the persons, vennely :-

Date: 25-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Vithal Associates.

(Transferor)

(2) Ashok Kumar Tiwari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17799/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1.00,0 10/- and bearing Flat No. 202, 3id floor, Chaitanya Apartment, plot No. 15B 116, Gandhi Nagar, Layout of Vidage Tirandaj opp IIT, Powai, Bombay-76,

situa ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred and the agreement is registered under section 26 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at

Bombay o.i 1-3-1985,

for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sead property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Chartanya Apartment, plot No. 15 B, 116 Gandhi Nagar Lavout of village Tirandaj, opp. IIT Powai, Bombay-76

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17799/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-10-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s Vichal Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Robert Fernandes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bemay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EL/17793/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 301, Chaitanya Arartment, Opp. IIT market,

Powai, Bombay-76,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competen. Authority at Bombay on 1-3-1985,

Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Chaitanya Apartment, Opp. LI.T. Market, Powai, Bombay-76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17793/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombey

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259°D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 25-10-1985

9eal :

(1) M/s Eagle Rubber Industries.

(Transferor)

(2) Mr. C. D. Shah & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVER MENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bomay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EE/17843/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and

No. Unit No. C-9, Bldg. C. SidJhapura Indl. Estate, Off. L.B.S. Marg, Bombay-86,

situa ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bembay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a neriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service or notice on the respective persons, which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the nub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to this Trustes

- the facilitating the reduction or evasion of the lighthy of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mentaling the concealment of any income or any mentals or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, for the Wealth-tax but, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Unit No. C-9, Bldg. C, Siddhapura Indl. Estate, Off. L.B.S.

Marg, Bombay 85.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-III/37EE/17843/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Ushaben V. Shah & Others.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Meena P. Pankh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bomay, the 25th October 1985

No. AR-III/37EF/17675 '84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing
No. Block 8, 2nd floor, 'Shivam' Shiee Sangam Colop. Hsg. Soc., Nathpai Nagan, Chatkopar (E), Believe, sinusfed at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

120 —386GI/85 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 8, 2nd floor, Shivam, Shree Sangam Co.op. Hsg. Soc. Nathpai Nagar, Ghatkopar (F), Bombay.

Bombay under No. AR-III/37EE/17675/84-85 The agreement has been registered by Authority, Bordated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 25-10-1985

Seal

FORM ITNS-

(1) M/s, Nirmal Trading Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Microage Systems.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

AR-III/37EE/17539/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PKASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- an dbearing Unit No. 416, Factory Premises, Hill View Industrial Estate, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Rombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has, been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferind/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 416, Factory Premises, Hill View Industrial Estate Ghatkopar (W), Bombay-86,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/371 E/17539/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. L G. Sanghvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. L. Daulat & Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17632/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Anupam 'C' Building, ground floor, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the understand :~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given ir عدات و ď.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Anupam 'C' Bldg., ground floor, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17632/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. M. R. Mall.

(Transferor)

(2) Mr. Ajay N. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18070/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRAŚAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. 9, Plot No. 47, Vikas Co-operative Housing
Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77,
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent spenderation therefor by more than exceeds the apparent consideration interests by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; ANG/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned ;-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Block No. 9, Plot No. 47, Vikas Co-operative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18070/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 25 10-1985

FORM NO. LT.N.S.-

(1) Smt. P. S. Mall. (2) Smt. B. N. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18069/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 10, Plot No. 47, Vikas Co-operative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenkin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 10, Plot No. 47, Vikas Co-operative Housing Society, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18069/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-10-1985

(1) Mr. P. S. Karadia & Others.

(Transferor)

(2) Mr. Sureshchandra S. Karadia,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-II1/37EE/17749 84-85. -- Whereas, I,

Ref. No. AR-III/3/EE/17/49 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 17, 2nd floor, Building No. 3, Ghanshyam Baug, Hansoti Lane, Kirol Road, Ghatkopar (W), Bombay-86.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this artice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; Block No. 17, 2nd floor, Building No. 3, Ghanshyam Baug, Bldg. No. 3 Hansoti Lane, Kirol Road, Ghatkopar (W), Bombay-86.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17749/84-85 dt. 1-3-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, appearly :---

Date: 25-10-1985

(1) Shrl S. B. Patil.

(Transferent)

(2) Smt. D. P. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17503/84-85.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Bombay
Flat No B/7, 3rd floor, Shri Yeshwant Co-operative Housing Society I td., Nath Pai Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pearsons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/7, 3rd floor, Shri Yeshwant Co-operative Housing Society Ltd., Nath Pai Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-

77.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17503/84-85 dt.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

(1) Smt. Saraswathi N. Kini.

(Transferor)

(2) Smt. Rajani G. Palam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17879/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and, bearing

Flat No 4, 4th floor, Ram Sagar, Kaju Pada Bridge, near Garodia Nagar, Ghatkopar (F), Bombay-77

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an dthe agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, in Sangeet Building, Plot No. 76, Garodia Nagar, Ghatkopar (F), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/17879/84-58 dt. 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 25-10-1985

PURM ITNS-------

(1) M/s. Ram Raj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Himatlal N. Kapasi & Others,

(Transferee)

SOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37FF/17940/84-85.—Whereas, I, AKHIJ ESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 4th floor, Ram Sagar, Kaju Pada Bridge, near

Shivsena office, Asha Lane, Bhatwadi, Ghatkopar, Bombay-

situated at Bombay

transfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 4, 4th floor, Ram Sagar, Kaju Pada Bridge, near Shivsena office, Asha Lane, Bhatwadi, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17940/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subscritch (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

121-386GI/85

Date: 25-10-1985

(1) M/s. Suog Enterprises.

(Transferor)

[PART III SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Parkeen Packaging Industries.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-JII **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref No AR-111/37EE/17927/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No 38. 1st floor, Suyog Industrial Estate, L.B.S Marg, Vikhtoh (W), Bombay-83.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that lhapte:

THE SCHEDULE

Unit No 38, 1st floor, Suyog Industrial Estate, LBS. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR-III/37EE/17927, 84-85 df. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

FORM 1.T.N.S.----

(1) M/s. Khanolkaı & Desai Building Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narsinha Y. Prabhu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III. 37LE/17679/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'maid Act'), have ressen to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 4th floor, A Wing, Abhijcet Apartments, near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay-55, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rambay on 1.2.95 Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the far-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-said exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, A Wing, Abhiject Apartments, near Vakola Bridge Polico Station, Santacruz (E), Bombay-55.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17679/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 25-10-1985

(1) Shri Kauromal Chimandas.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Azharali Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18000/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Section 269B of whole property, having a har murket value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing Flat No. 11/11, MIG Colony, Pipe Road, Kurla (W),

Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred an othe agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for am apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Scotlen 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Flat No. 11/11, MIG Colony, Pipe Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18000/84-85 dt. 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Date: 25-10-1985

(1) Mr. G. J. Agaiwal & Others.

(Transferor)

.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE-III BOMBΛΥ

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37ch/17588/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and beating No.

and bearing No.
Plot bearing C.I.S. No. 24 &25, Village Paspoli, Taluka kuila (B.S.D.) Saki Vihai Road, Opp. NITII-, Powat, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax \ct, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has according to the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Inelitating the roduction or evenion at the tineling of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any transmit against trees the reassfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(2) Mr. Lalitkumar C. Gandhi.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing C.T.S No 24 &25, Village Paspoli, Taluka kurla (B.S.D.) Saki Vihai Road, Opp. NITIF, Powai, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/371;E 17588/84-85 dt. 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-III. Bombay

Date: 25-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. S. I. Limboowala.

(2) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17719/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. S. No. 336, H. No. 3, C. T. S. No. 1880, Kole Kalyan, Adjacent to Kadamwadi, Vakloa Village Road, Santacruz

(E), Bombay-55.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incense arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovrble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Charette

EXPLANATION —The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall not the same meaning as given in that Capte.

THE SCHEDULE

S. No. H. No. 3, C. T. S. No. 1880, Kole Kalyan, Adjacet to Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz

(E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17719/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 25/10/85

(1) Mrs. K. V. Nitsure.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1s. S. A. Shirke.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-UI/37EE/17809 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 36, Meenalochani Co. op. Hsg. Soc. Itd. R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E), Bombay-77. situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the sforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties ha not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of my income or my incomes or other assets which have not been or which ought to be disch ed by the transferee for the purposes of the In an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, Meenalochani Co. op. Hsg. Soc. Ltd. R. B. Mehta Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EF/17802/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 25/10/85

FORM IT.N S .-

(1) M/s Sagar Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Amir Mohd Husain Shaikh & other (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay the 25th October 1985

Ref No AR-III 37EE/17339 84 85—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00,000, and bearing No Flat No 1, ground floor, A Block, Sagar Apartments, Sonapur lane Agra Road, Kurla (W), Bombay-70.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Income tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1385

to in apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULF Flat No 1, ground floor, A Block, Sagat Apartments, Sompur lane, Agra Road, Gurla (W), Bomba-70
The agreement has been registered by the Competent Authorit Bombay under No AR III/37EE/17339/84-85 dated 1 3 85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 25/10/85

F TO WHERE YOURSETT TO THE PROPERTY HAVE

FORM ITNS----

(1) M s Vithal Associates.

(Transferor)

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Snit Govindi D. Nayal.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/17798/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 02, ground floor, Chaitanya Apartment, Plot No. 15 & 16. Gandhi Nagar, Layout of Village Tirandaz, opp IIT. Powai, Bombay-76

IT. Powai, Bombay-76, situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the s id instrument of transfer with the object of :-- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHADULE

Hat No. 02, ground floor, Chaitanay Apartments. Plot No. 15 & 16, Gandhi Nagar, Layout of Village Tirandaz, opp. IIT, Powai, Bombay-76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17798/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, taerefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :---122-386GI/85

Date: 25/10'85

FORM ITNS

(1) M/s. Vaibhav Ceramics.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vishal Engineering Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref No. AR-III/37EE/179-17/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 121, 1st floor, Vinay Heavy Industrial Estate, S. No 428/1, Deviukhakar Waid, Chincholi Bunder, Rd. Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 121, 1st floor, Vinay Heavy Industrial Estate, S. No. 428/1, Devrukhakar Waid, Chincholi Bunder, Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17947/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD inspecting Assaistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the mection (1) of Section 260D of the said Act, to the following storesaid property by the issue of this notice under subcisons, namely :--

Date : 28/10/85

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. E. G. Amanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Rcf. No. AR-III/37EE/17560/84-85.—Whereas, I, AKIILLESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A. 31, 3rd floor, Manali Bldg. No. 3, plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hercto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULF Flat No. A-31, 3rd floor, Manali Bldg. No. 3, plot nos. 48, 49 & 50, Valnai village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17560/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 28/10/85

FORM ITNS---

M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. O. A. Rao Rodrigues & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17562/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. A-23, 2nd floor, Manah Bldg. No. 3, plot nos. 48, 49 & 50, Valnar Village, Malad (W). Bombay-64 citynted at Benchett.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notes in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, witchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 114/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. A-23, 2nd floor, Manali Bldg. No. 3, plot Nos. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/17562/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissionerof Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 5 -

Date: 28-10-85.

Scal .

(1) Mrs. M. D. Shastri.

(Transferor)

(2) Shir M. P. Mistri

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ret No AR-HI/371 f 18050/84-85 --- Whereas L AKHII ESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing

Shop No. 7, Archane Bldg. Opp Shanker Nagar S. V. Road, Malad (W). Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of invasion with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pethoda ####debly .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by

EXPLANATION .- The terms and expressions. used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7. Archane Bldg., opp. Shankar Nagar, S V. Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/8050/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III Bombay

Date: 28-10-85

FORM TINS-

(1) M/s, Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Smt. S. V. Badhadara & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17436/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 405, 4th floor. opp. Bachani Nagar, off. Daftary Rd. Malad (E), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Opp. Bachani Nagar, Off. Daftar Rd. Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17436/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28/10/85

(1) M/s. Manali Corporation, (2) K. K. Mangal & Others.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17406/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-54, 5th floor, Mauali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valna, Village, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A. 54, 5th floor, Manali Bldg, No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnei Village, Malad ()W, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17406/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-85.

Seel:

FORM ITNS----

(1) Karmali Enterprises.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A G Atchia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-111/37EF/17277 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-201, Rukanya Place, N. L. Road, Bomwar
Bazar, Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

if transfer with this object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the waid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

blat No. A-201, Rukanya Palace, N. L. Road. Somwar Bazar, Bombay Talkies Compound, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/17277/84-85 dated 1-3-85

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 28-10-85

FORM ITNE

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N V Ganatra & Others,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No AR-III/37EE 17561/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Anthority under Section 2698 of the Isoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B 14, 1st floor, Manali Bldg No 4, plot Nos 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay 64

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No B-14, 1st floor, Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50, Valnar Village, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombya under No. AR-III/37EF 17561/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

123-386GI 85

Date: 28/10/85

(1) M/s Agarwal Construction Company

(Transferor)

(2) Shri G, G Benke

(Translerce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

AR-III/37EE/17245/84-85 -- Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing Flat No 204 2nd floor, Opp Bachani Nagar, Malad (E),

Bombay 67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the sast property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ial Gazette or a period of 30 days from of notice on the respective persons ver period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPRANATION:-The terms and expressions used herein its are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that "hapter

THE SCHEDULF

Flat No 204, 2nd floe opp Bachani Nagar, Malad (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR III/37EE/17245 84-85 dated 1 3 85

AKHILISH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Dated 28-10-1985

- (1) M/s. Agarwal Construction Company
- (2) Mr Dr. Hema P. Kothari

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17584, 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,0007- and bearing No. Flat No. 505, 5th floor, Opp. Bachani Nagar, Malad (E),

Bombay-67 situated at Hombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor, opp. Bachani Nagar, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17584/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 28-10-1985

(1) M/s Agarwal Construction Company

(Transferor)

(2) Shii V Dobaija

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

AR-III/37EE/17586/84-85.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No Flat No 203, 2nd floor, Opp. Bachant Nagat, Off Daffary Road, Malad (E), Bombuy-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of auch apparent consideration and that the consideration was that the consideration has been seen to be a such as a consideration and that the consideration has been seen to be a such as a suc and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No 203, 2nd floor, Opp. Bachani Nagar, off. Daftary Road, Malad (E) Bombay-67

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17586/84-85 dated 1-3-85

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 2691) of the and Act to the following persons, remely:--

28-10-1985 Dand Seal.

FURM ITNS----

(1) M s Continental Corporation

(Transferor)

(2) Shii A S Magai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bomb iy the 28th October 1985

Ref No AR-III/37EL/17464/84 85 — Where i I AKHILESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing I lat No 8, 1st floor Ashiward Bldg Sai Bibi Park Mith Chowki, Malad (W) Bombay 64 situated it Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the informetts registered under section 269 \(\text{B}\) of the Income (i) \(\text{Act}\) 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer, and for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXILANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-and Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8 1st floor Ashrward Bldg Sai Baba Park, Mith Ctckk Valid (W) Bombay-64
The igreement has been registered by the Competent Authorny Bombay under No. AR III/37EE/17464/84-85 dated 1.3.85

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range-III Bombaw

Now therefore in it inner of Section 2690 of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under and section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

I ' 28-10-1985

Scal

PORM TINS

(1) M/s. Shah Investment Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Di J R Udani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EF/17605 84-85 - Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Au, hority under Section 269B of being the Competent Au.hority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No 11 ground floor Piot No 5, Laxminarayan Shopping Centre, PPS Scheme No 1, Podar Road, Malad (1), Bombay-64 ituated it Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- L TIAMATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 11, ground floor Plot No 5, T.P.S. Scheme No. 1, Podar Road Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent A uthouty, Bombay under No AR-III 37EE/17605/84-85 dated 1-3-85

> AKHILI-SH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sets section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

28-10-1985 Datted Scal .

(1) Shree Sar Baba Builder Pvt. Ltd.

(Transferor)

(L) Shir D. C. Tlakkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17323/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing Flat No. 47, 2nd floor, Bldg No. 2, S. No. 397, Shiv Kirti Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chinghali Bunder Road, Malad (W).

Bombay-64, situated at Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered undesection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Rombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inculatating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and let
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 19 (11 of 1922) or the end Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

me else transport writing to the undersigned :--

Objections if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat N 47, 2nd floor Bldg No. 2, Shiv Kirti Co op. Hsg. Soc Ltd., S No. 397. Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17323/84-85 dated 1-3-85.

AKHIIFSH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated , 28 10-1985 Seal FORM I.T.N.S.—

(1) Shree Saibaba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. JI C Thakar

(Iransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17325/84-85.--Whereas, I,

No. AR-III/3/EE/1/323/84-85.—whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 48, 2nd floor, Bldg. No. 2, Shiv Kirti Co. op. Hsg. Soc. Ltd., S. No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Rombay.64 situated at Rombay

Bombay-64, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this relative in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 2nd floor, Bldg. No. 2, S. No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/17325/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1985

. - ----

FORM ITNS-----

(1) M/s. Continental Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. Saxena & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37FE/17661/84-85.—Whereas, I AKHILESII PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inmovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 4th floor, Akash Bldg., Sai Baba Park. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24--386GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neede in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 4th floor, Akash Bldg., Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17661/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-fif, Bombay

Dated: 28-10-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Continental Corporation

(Transferor)

(2) Shri V. B. Maheshwari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17643/84-85.—Whereas, J, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing

transfer with the object of :---

Flat No. 4, 1st floor, Akash Bldg Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-4 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons whim a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inter_ted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Akash Bldg., Sai Baba Park, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17643/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

subwing Dated : 28-10-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

FORM ITNS----

(1) Mr. S. B. Lulla

(Transferor)

(2) Smt. P. J. Malkani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III 37EE/17806/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable popert, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 7, ground floor, Nalanda No. 1, near Evershine Nagar, CIS Plot No. 52-33, oil. Marve Rd., Malad (W), Bombay-64 sauated at Hombay

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said minov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Nalanda No. 1, near Evershine, Nagar, CTS Plot No. 32-33, off. marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17806/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 28-10-1985

(I) Shri B. A Shah & Ors

(Transferor)

(2) Shri M 1 Mehra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No AR-III 37EE/17465/84-85 --- Whereas, J. AKHILESH PRASAD,

ueing the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53, 5th floor Nalanda Bldg A wing, Evershine Nagai, Malad (W). Bembay-64, situated at Bombay (and more fully described in the schedule approved hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und r section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andior

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No 53, 5th floor, Nalanda Bldg. A wing, Evershine Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR-III/37EE/17465/84-85 dated 1-3-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Runge-III, Bombay

Dated : 28 10-1985 Seal.

FORM I.T.N.S .-

(1) Karmalı Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF TINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE (2) N Y Mahindrakar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 'OMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EF/17276/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASÁD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-207, Rakaiya Palace, N. I. Road, Somwai Bazar, Bombay Talkies compound, Malad (W), Bombay-64 situated at Rombay

at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Oraclic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-207, Rukaiya Palace, N. L. Road, Somaw. Bazar, Bombay Talkies compound, Malad (W), Bombay-64. Road. Somawar

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No 4R-III/37EE/17276/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1985

(1) M/s Arunkumar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satishchandra Sitaram Chavan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17358/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, 4th il. Ashish Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) factilesting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Ashish Bldg. Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. III/37EE/17358/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 29-10-1985.

(1) M/9 Agarwal Construction Co,

(Transferor)

CL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s A A Rusel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No AR III, 37EE 17431 84 85 -- Whereas, 1,

A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

Flat No. 305, 3rd Floor, O.p. Bachani Nagar, off Daftary Rd. M. et al. (L.) Bomba. 67
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unler section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 3-1985

Bombay on 1.3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
heve that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the particle has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the sine in it w n the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Hlat No. 305, 3rd Floor, Opp. Bacham nagar, off. Daftary Rd., Malad (E), Bombay 67. The agreement has been registered by the Competent Authorit. Pombay under No. AR-III/37EE/84-85. dated 1-3-1975

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Dited 28 10 198

(1) M/s. J. K. Traders.

(Transferor)

(2) Smt. P. V. Gajjar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17894/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 35, Ground floor, Plot No. C.I.S. No. 348, F.P. No. 5A, Laxminarayan Shopping Podar Road, Malad (E), Bombay 97 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

THE SCHEDULE

Shop No. 35, ground Floor, Plot No. C.T.S. No. 348, F. P. No. 5A, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd, Malad (E), Bombay 97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/17894/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay,

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-10-1985.

FORM TINS----

(1) M/s. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

(2) Dr. P. M. Ko'hari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17585/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 504, 5th Floor, opp. Bachani nagar, Malad (E)

Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to i tween the parties has not been truly stated in the mid instrument of usenafer with the object offi-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; sed for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Opp. Bachani nagar, Malad (E), Bombay 67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17585/84-85 dated 1-3-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act. to the following margely:---

1 25-386Gl/85

Dated: 28-10-1985,

Sen1 -

FORM ITNS ---

(1) M/s Agarwal Construction Co.

(Transferor)

(2) Shu S. S. Hiralal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

No. AR-III/37EE/17246/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stild Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Flat No. 403, 4th Floor, Opp. Bachani nagar, Malad (E), Bombay 67.

situated at Bernbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in t instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the sad immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Floor, Opp. Bachani nagar, Malad (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17346/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1985.

FORM ITNS----

(1) Mr. D. D. Pawaskar,

(Transferor)

(2) Mr. S. M. Shah.

(Transic

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUIGITION RANGE-III, BOMBAY

فاقاف بيانان بالحالم بدانك يتنيا ووك بتتنافذ

(U, the algorithm about of oil -typications, a, is example).

he income can use, you (45 or ison) incomming relation on the same ison, more reason to believe that the minute water executing Rs. 1,00,000/- and bearing

Office 190, 23, 2nd 19001, Dattani Chambers, S. V. Road, Malad (W), Bombay 67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has need transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bomoay ou 1-3-188

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gived in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 23, 2nd Floor, Dattani Chambers, S. V. Road, Malad (W), Bombay 64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18017/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay.

Dated: 28-10-1985,

(1) Smt. Diwaliben Rauji Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gomtidevi G. Sharma.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17267/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 7, Gr. F. Rishikesh-I, Evershin Nagar, Marve Rd.
Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay (and more fully described in the

Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and our
- (h | facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 7, G1. Fl Rishikesh-I, Evershin Nagar, Marve Rd. Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomony under No. AR.III/37EE/17267/84-85 Dated 1 3-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1985.

(1) Snit, Zubeda K. Abdulgani Shaikh & Ors. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrı Sitaram B. Lath. & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1985

Rct. No. AR-III/37EE, 18001/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-

and bearing No. Flat No. 601, 6th Fl. Manosarover Offi. S. V. Rd. Malad

(W), Bombay-64

situated at Bombay and (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of treasfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1962 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Ast. 1957 (27 of 1997);

THE SCHEDULE

Flat A-601, Mansarovar, 6th Fl. Govind Nagar, Offi. \$. V. Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17456/84-85. Authority, Bombay Dated: 29-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Dated: 29-10-1985.

FORM ITNS----

(1) Shri Devchand Harjiven Vithlani

(Transferor)

(2) Mr. Ravindra V. Chaitalia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October, 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17456/84-85,-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, Malad Nilanjana C.H.S. Ltd. Marve Rd Malad (E). Republic 64

(E), Bombay-64.

situated at Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in he office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said set in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, Malad Nilanjana CH,S, Ltd, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64,

agreement has been registered by the Competent by, Bombay under No. AR-III/37/17456/84-85. The dated 1-3-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 29-10 1985.

(1) Manojkumar D. Soni & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babhubhai J. Patel,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October, 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18062/84-85,---Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. B-10, Ratanapuri, Fanny Hill CHSL. Gaushala Lane Malad (E), Bombay.

Schedule annexed here to),

situated an Bombay and (and more fully described in the Schedule annexed hereto) hase been transferred and the agriculture. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sacreys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B/10, Ratnapuri Hill C.H.S. Ltd. Gaushala Lane Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18062/84-85. dated 1-3-1085.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 29-10-1985.

(1) Mr. Ahmed Iftikhar Haji Enayatulla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. G. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October, 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17282/84-85,---Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-16, Amar Bldg. Evershine Nagar, Mith Chowky Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/16, Amar Bldg. Evershine Nagar, Mith Chowky. Maiad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17282/84-85. dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

Dated: 29-10-1985.

(1) Mr. Amajest Bhasin

(Transferor)

(2) M/s C Beneral Stores,

(transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 29th October, 1985

Ref. No. AR-III 37EE/17984/84-85.—Whereas, L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000, - and bearing No. Shop No. 10, Manali Bldg No. 1, Evershine Nagar, Valnai

Village Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay and (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of ' old Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if ary to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Manali Bldg. No. 1. Evershin Ngaar Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17984/84-85. dated 1-3-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 126-386 GI/85

Dated: 29-10-1985.

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Jayshree Ramniklal Salva.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirp Panchalal Gada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR.JII/37-EE/18021/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and becaring Shop No. 2, The Malad Navjivan CHSL. Mith Chowki, Malad (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay but under the mid Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, The Malad Navjivan CHSL. Mith Chowki, Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/18021/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 29-10-1985

Scal

(1) M/s. Anita Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Bankim B. Cleric.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/17297/84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 503/N, Vale Ram-III, Opp. Vshma Nagar Off Linking Malad (W). Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for recess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Westit-tex Act. 1957 (\$7 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503/N Vale Ram-III, Opp. Ushma Nagar, Off Linking Rd., Malad (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/17297/84-85 Authority, Bondated 1-3-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 28-10-1985

(1) M/s. Shashi Trading Corpn.

(Transferor)

(2) M/s R. R. Gupta & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Rei. No. AR.111/37-EE/18071/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 10, Rane Satt Nagar, Govind Nagat Rd., S. V. Rd.,

Malad, Bombay-64

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notifer in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Rani Sati Nagar Govind Nagar Rd. S. V. Rd., Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/18071/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 29-10-1985

FORM No. ITNS---

(1) Mrs. M. M. Poojari.

(Transferor)

م. و- معرب معرب محرب

(2) Mr. A. R. Melmane.

(Transferee)

MUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/17210/84-85.—Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flet No. 40/2, 4th floor, Chembur Vaibhav Co. op. Hsg Soc.

Ltd., Sahakar Nagai 5, Shell Colony Rd., Chembur, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the unsursigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days tross the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40/2, 4th floor, Chembur Vaibhav Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Sahakar Nagar, 5, Shell Colony Rd., Chembur,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.III/37-EE/17210/84-85 dated 1-3-1985

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons namely :--

Date: 25-10-1985

(1) Mr. N. Srinivasan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mallika Krishnan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/17504/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. A-7. Satya Sheel Co. op. Hsg. Soc., Plot No. 8 & 12,

Pestom Sagar, Chembur, Bombay-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which enght to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tux, Act, 1922 (11 of 1902) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, Satya Sheel Co. op. Soc., Plot No. 8 & 12, Pestom Sagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/17504/84-85

Authority, Bo dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the accordation of the aforesaid property by the base of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow mg persons, namely :-

Date: 25-10-1985

(1) Mr. A. K. Nair.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala Jagadischand & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :~-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/17227/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4069, ground floor, Bldg. No. 121, Hariniketan Coop. Ssg. Soc. Ltd., Tilak Nagar, Chembur, Bombay-89.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the noome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 4069, ground floor, Bldg. No. 121, Hariniketan Co-op. Hsg. Soc. I.td., Tilak Nagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/17227/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-10-1985

PORM ITNS ...

(1) Smt. C. S. Pancharya.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Devi Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37-EF/17634/84-85.--Whereas, I, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000 - and bearnig Flat No. D-1/16, Hariratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-1/16, Hariratan C.H.S. Ltd., M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.III/37-EE/17634/84-85 Authority, Bo dated 1-3-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269L of the said Act to the following persons, namely :---

Da c : 25-10-1985

(1) Smt. K. A. D. Gavand & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sani-Plumb Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 31st October 1985

Ref. No. AR-III 37EF/17565/84-85—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs 1,00.000/- and bearing No. Piece & parcel of land, S. No. 79, H. No. 4, C.F.S. Nos. 437/1 to 437/1 to 15, Deonar, Kurla Talukla Bombay-88,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-HIX ACT

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

127-386 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION 5—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing S. No. 79, H. No. 4, & C.T.S. Nos. 437/1 to 437/1 to 15, Deonar, Kurla Taluka, Bombay-88

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EF/17565/84-85 dated 1-3-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bonibay

Date : 31-10-1985

(1) K. V. Shah Children Trust.

(Transferor)

(2) D. H. Ravani & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17917/84-85.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section

209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 213, Virwani Ind. Premises Co-op Society, 86/A,
Virwani Indl. Fstate, Western Fapress Highway Goregaon (E), Bombay-63.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; andior
- and facilitating the conceanment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displaced by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 213, Virwani Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc., 86/A, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17917/84-85 dated 1-3-1985,

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1985

Simil :

(1) Hexilens (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDOR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Teknovision Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17730/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000, - and beating Unit No. 52, B Block, 1st floor, Shah Indl. Premises Co-op-Society Ltd., Deonat, Bombay-88, situate 1 at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been trusty used the appropriate in registered and mode.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hafilteen per cent of such apprent consideration and fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period # 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No 52, B Block, 1st floor, Shah Indl. Premises Co-op. Hsg. Society Ltd. Deonar, Bombay-88,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII/37EE/17730/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILI-SH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombav

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date : 31-10-1985 Seal :

FORM ITHS

(1) Mr. S. S. Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chiknik Knitwears Pyt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17578/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. B-210, 2nd floor, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-62.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala, No. B-210, 2nd floor, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (11), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR-III/37EE/17578/84 85 Authority, Bordated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-10-1985

FORM ITNS----

(1) Shri S. J. Salch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. H. M. Sidhpura & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17674/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the hinnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No. 32, ground floor, Pagrav Bldg. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 32, ground floor, Pagrav Bldg., S. V. Road, Goregoon (W), Bombay-42.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17674/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 31-10-1985 Seal :

(1) K. P. Reddy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. D. Nerurkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18028/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 1-B/405, Goregaon Sandeep Co-op. Hsg. Soc. Ltd., J. P. Nagar, 5th Road, Goregaon (F), Bombay-63, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration on that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1-B/405, Goregaon Sandeep Co-op Hsg. Soc. Ltd., J. P. Nagar, 5th Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EF/18028/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESII PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1985

A Scal :

FORM ITNS----

(1) Shri A. S. Kamath.

(Transferor)

(2) M/s. Vishwas Sweets & Bhaspuri House

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III. 3/EL/17438/84-85.—Whereas, I. AKHILFSH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

Shop No 17, ground floor, Pagrav S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Install. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chipter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, ground floor, Pagrav. S. V. Road, Coregaon (W), Bombay-62,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III '37EE./17438/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the man-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-10-1985

Scal :

(1) J. P. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mrs. S. S. Gadoliu.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-111/37EE/18056/84-85.—Whereas, I.

AKHILFSH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 23, Bldg. No. B/2, Ramanuj Co-op. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent escaldaration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tracefor as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be number in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Bldg. No. B/2, Ramanuj Co-cp. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62,

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombey under No. AR-III/37IF/18056/84-85 Authority, Bondated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 31-10-1985

Senl:

(1) N. P. Shah & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Davi Keshavi, Industrial Estate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37FF (18151/84-85 -- Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 108, 1st floor, Devji Keshavji Indl. Estate, Vastant Rao Patil Marg. Opp. Duke's Soda Factory, Chembur, Bom-

situated at Bombay (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 108, 1st floor Devji Keshavji Indol. Estate, Vasant R to Pital Ming, Oop Duke's Soda Factory, Chembur, Bombay-71

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE 18151/84/85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

128-386 GI/85

Date : 28 10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. S. B. Vanwari,

(Transferor)

(2) Smt. H. V. Laungani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III /37EE 17359 84-85 -Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flea No. 1, Bldg No. 1B, Nav-jeevan Society, Mehul Road, Chembur, Bombay-84, situated at Bombay

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 1B, Navjeevan Society, Mehul Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No AR-III/37EF 17359/84-85 Authority, Bodated 1-3-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 25-10-1985 Seal :

FORM ITNS

- (1) Arvind Balkrishna Birje.
- (Transferor)(s)

(2) Vishwanath C. Karnik.

(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III BOMBAY Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR-III/37EI-/18027/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, Bldg. No. 2, Plot No. 13, Liliya Nagai, Udyog Nagai, fatter Commerce Party Parkets.

Nagar, Estate, Goregaon Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Bldg. No. 2, plot No. 13, Liliya Nagai, Udyog Nagar Estate, Goregaon (W), Bombay-62.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/18027/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which caght to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely:P-

Date: 21-10-1985

Scal:

(1) M/s. Devji Keshavji Construction Co.

(2) M/s. Chandra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ret. No. AR-III/37EE/17700/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 108, ground floor, Devji Keshayji Indl. Estate, Borla village, Vasantrao Patil Marg, Opp. Duke Soda Lactory, Chembur, Bombay-71,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 108, ground floor Devji Keshavji Indl. Estate, Borla village, Vasanttao Patil Marg, Opp. Duke Soda Factory, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17700/84-85 Dated 1-3-1985.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 21-10-1985

SenI .

(1) Bhagu N Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amai M. Chawla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay the 21st October 1985

Ref. No AR-III/37EE 17604/84-85 - Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to (and more tully described in the Schedure annexed bereto), as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 2, Flat No. D. 6, 31d Iloot, Basant Park, Opp Chembur Police Station, R. C. Chemburkar Margh Chembur. Bombay-71,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement it registered under section 269 AB of the Income tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesam exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-6, Bldg. No. 2, 3rd floor, Basant Park, Opp. Chembur Police Station, R.C. Chemburkar Marg, Chembur. Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ΛR -III / 37EE / 17604 / 84-85 dated 1-3-1985

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Date 21-10-1985

Scal:

(1) Kariladevi T. Sethia.

(2) Kishore Bohra & Others.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR-111/37FΓ, 17955 84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immoving a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000- and bearing No Building No. M. 6/10, Bhanvmati Co-op. Hsg. Soc. Ltd., M.G. Road, Bangui Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to betteve that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. M. 6/10, Bhanvmati C.H.SL., M.G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/17955/84-85 flated 1-3-1985

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 21-10-1985

FORM ITNS ___

(1) Mr. Omprakash Malpani.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunufra Chittianian Roy.

(fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Rei No AR-III / 37EE 17954 / 84-85 --- Whereas, I, A. PRASAD,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

L5/14 Laxmi Ramana Co-op. Hsg Soc. Ltd. M G Road, Bangur Nagar, Goregaon (W) Bombay-90,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Weilth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

5/14 Taxmil Ramana Co-op Hsg. Soc. Ltd., M.G. Road, Bangui Nagai Goregaon (W), Bombay-90

The agreement has been registered by the Competent athouty, Bombay under No AR-III/37EE/17954 84-85 Authority, Bo dated 1-3-1985

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomb iv

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under underction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Sunil V. Bavar.

(Transferor)

(2) Mr. A Mohamed Gani-

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III 37EE/17563/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 469B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 'F', Bidg, Matti Colop. Hsg. Soc. Itd., V.N. Puray Marg, Chembur, Bombay-71, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed, herety)

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

Flat No. 23, 'F', Bldg., Maitri Co-op. Hsg. Society Ltd., V. N. Purav Marg, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been revistered by the Competent nthority, Bombay under No AR-III/37EF/17563/84-85 Anthonty, Inted 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21 10-1985

FORM TINS --

The state of the s 11) Mr. M. K. Hirani (H. U. F.),

(Transferor)

(2) Smt Rakhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No AR.III/37EE./17895/84-85.--Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (become the referred

to as the 'said Act') have reason to believe that the immor able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 57-B, Collectors Colony, Wadhavli, Chembur,

Bounday-74

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under School 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

нотпрау ср. 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transferand /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisons namely . -

129-386 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57-B, Collectors Colony, Wadhavli, Chembur, Bombay-74.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.III./37EE/17895/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay Bangalo

Date: 21-10-1985

Scal 1

(1) M/s. Associated Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Kasam Ali Momin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17952/84-85.-Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Flat No. G-3, ground floor, Balwa Nagar, Unit No. 2, Ma lina Manzil, S. V Road, Goregaon (W), Bombay-62 imated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income of the Competent Authority at Pombay on 1-3-1985 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeraid exceeds the apparent consideration therefor by rame than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument thingider with object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any means arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, recrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-3, ground floor, Balwa Nagar Unit No. Madina Manzil, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.III/37EE/17952/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 21-10-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Param Anand Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. E(rol Pinto & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17985/84-85.—

Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 201, 2nd floor, Agarwal Yover, S. V. Road, Near Piai mal Nagar, Behind Nandwana Saw Mills, Goregaon (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (2) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other spects which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pullication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The No. 201, 2nd floor, Again I Fower S V Read N at Piramol Nagar, Behind Nandwana Saw Mills, Goregaon(W), Birth, -62

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/371 E/17985/84-85 dated 1-3-1985.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Committee,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 21-10-1985

Scul .

FORM ITNS----

(1) M/s. Associated Builders.

(Transferor)

(2) Mis, Sehnaj K. A. Momin,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT JY INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17953/84-85.---

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E-2, ground floor, Balwa Nagar, Unit No. Madina Manzil, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62 Unit No. 2,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of may income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I idian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195.);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service or notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein 2s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning av giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. E-2, ground floor, Balwa Nagar, Unit No. Madina Manzil, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,III/37EE/17953/84-85 dated 1-3-1985.

A. FRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-10-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III / 37EE / 17702 / 84-85 - Whereas, I, AKHILLESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No. exceeding Rs. 1 00,000/- and bearing Flat Nos 108 & 107 (pt), 1st floor, Libra, B blocks, Divya park, oif. Marve Road, Marad (W), Bombay-95 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the regreement is registered under Section 209AB of the Incompetate Act, 1961 in the Office of the Competant Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income artsi g from the transfer. MAG /OT
- (b) facilitating the concealment of any recome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Daryanant (Indo Saigon) Costruction P. Ltd. (Transferor)
- (2) Mis A. N Mehta & Ors.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

lat No. 108 & 107 (part), 1st floor, libra, B block, Divya Pa k, off. Maive Road, Malad (W), Bo nbay-95.

The agreement has been registered by the Competent At thority, Bombay under No AR-111/37EE/17702/84-85 pg 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

in pursuance of Section 269C of the said "Jow. therefore Act I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under supportion (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

D. e 28-10-1985 Seal ·

[PART III -SEC]

(1) Shri R. K. Sharma.

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17616/84-85,—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Bombay Plot No. 4, S. No. 49, H. No. 1 (part), C. T. S. No. 930, Village Pahadi, Goregaon, Taluka Bonvli, Bombay

Richmound Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income of the Competent Authority at 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay can under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) K. Patel Chemopharma Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, S. No. 49, H. No. 1 (part), C. T. S. No. 930 (part of village Pahadi) Goregaon, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.HI/37EE/17616/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Dated ; 25-10-1985

- (1) Shri Mohamed Gani Allabux.
- (Transferor)
- (2) Shri Hasham Beg Gaffor Beg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR, 111/37EH/17239/84-85.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Hat No. 19, Bldg. No. A-2, Jeevan Naiya Co. op. Hsg. Soc. Ltd., behind Chembur Telephone exchange Chembur naka, Bombay-71 situated at Bombay

cituated at Bombov

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 o: 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Bldg. No. A-2, Jeevan Naiya co. op. Hss. Sco. Ltd., behind Chembur Telephone exchange, Chembur naka, Bombay-71.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/17239/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 25-10-1985

Seal +

(1) Triprayar Anantha Raman Balasubramanian.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tarlokchand M. Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 21st October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17987/84-85.---

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 2, The Chembur Roop. Co-op. Hsg. Set. Ltd., Plot No. 552, 11th Rd., Chembur, Bombay-71

struated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2, The Chembur Roop Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Plot No. 552, 11th Rd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EF/17987/84-85. dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a wets which have not been or which ought to be duclosed by the transferee for the purposes of the indian locome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 21-10-1935

Scal:

-= ---

FORM ITNS ----

(1) Premjibhai Popatlal Patel.

(Transferor)

(2) Arvindbhai Gopalal Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ATH . AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No AR-111/37EE/17875/84-85.— Whereas I, AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 20, Io, Upper Flower, Malad Iagruti Premises

C. H. S. L. Sainath Road, Malad-64

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the unid Ast, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the More maid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Not, to the following persons samely — 130-386 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said it, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 20, Jo Flower, Malad Jagruti Premises C. H S I , Sair ath Road, M. ad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17875/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bembay

Dated: 28-10-1985

Seal .

(1) Lakhubhai Parmabhai Patel

(Transferor)

(2) Manubhai Hitjibhai Panday and Others.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17833/84-85.—
Whereas I, AKHILESH PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No
Karyalava Premises No. 306, Jo, 3rd 'floor, Kedia Chembeis,
S. V. Road. Malad (W), Bombay-64
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evalue of the liability of the transferor to pay but under the said Act, in respect of any income armay . He transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Karyalaya Premises No. 306, Jo, 31d floor, Kedia Chembers, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17875/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 28-10-1985

(1) Shr; Pranlal Motilal Shaha.

(Transferor)

(2) Shri William John Rodrigues.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37HF/17580/84-85.—

Whereas I, AKHILLSH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop No. 1, Jo, Ground floor, Diligient Builders, Tank Rd., Orlem, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as of presaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabl property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

tal toutilating the sourcess it water it the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income susing from the transfers wad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferre for the purposes of the salum Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Jo Chand firm Philippent Builders, Tank Road, Oilem, Malid (W), Berrhin 64.

The agreement has been regritared by the Comula ant Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/17580/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHII FSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisinon Range-III, Lombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17670/84-85.-

Whereas 1, AkHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 48, Jo. Ground floor, Lakshmi Narayan Shopping Centre, Plot No. 5-A, TPS No. 1, Podar Park Road, Malad (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB or the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice mader section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Cheniram Jasiai.

(Liansferee)

(2) Smt Bhagawatidevi K. Champaria & Others. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 48, Jo, Ground floor, Lakshminarayan Shopping Centre, Plot No. 5-A, TPS No. 1, Podar Park Road, Malad (E). Bombav

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17670/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 28-10-1985

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nalini Sharad Bhandare and Others.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pe iod of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

Bombay, the 28th October 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put "sation of this notice in the Official Gazette.

No. AR-37EE/17816/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-23, G, 2nd floor, "Manali" Bldg. No. 3, Plot No. 48, 49 & 50, Valnar Village, Malad (W), Bombay-64 studed at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-23, G, 2nd floor, Manuli Bldg, No.3. Plot No. 48, 49 & 50. Valnai Village, Malud (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AF.-III/37EE/17816/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 28-10-1985

(1) Annie D'Souza W/o Late Shri J. D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Annaa Rosa Fernandies & Otr.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17492/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Jo, 2nd floor, "Rose Manor Bldg., C.S. to No. 309, Marve Road, Malad (W), Bombay-64

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as eforesaid exceeds the apparent consideraconsideration and that the consideration for such apparent perced to betwen the parties has not been truly stated in the staid instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Jo. 2nd floor, "Rose Manor Bldg., C.S.T. No. 309, Marve Road, Malad (W). Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/17492/84-85 Authority, Bordated 1-3-1985,

(b) facilitating the concea ment of any Income or any moseys or other assets which have not been of which ought to be diclosed by the transferre for the purposes of the adian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

stow, therefore, in pursuance of Section 169C of the said set, I hereby initiate proceedir is for the acquisition of the aforesald property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Vinodkumar Lath & Otr.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17817/84-85. -- Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Flat No. B-55, Jo. 5th floor, Manali Bldg. No. 4, Plot No. 48 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect in 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carrie

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-55, 5th floor, "Manali Bldg," No. 4, Plot No. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR-III/37EE/17817/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :-

Date . 28-10-1985

(1) The Bomb is Suburben Peoples Consumers CHSL

(Transferou)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panchiatna Traders

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No AR-III/37EE/18061/84-85 —Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

ble property, having fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Shop No 54, Io. Ground floor, Malad Shopping Centre S V Road, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovements property within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 54, Jo Ground floor Malad Shopping Centre SV Road Malad (W), Bombay-64

The agreement he been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/18061/84-85 dated 28 10 1985

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Date 28-10-1985 Scal

PART III -SEC. 11

FORM ITNS-

(1) M/s. Evershine Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saral Malpani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17526/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Shop No. 12, Jo. Ground Floor, Kirit Bldg., Plot No. 13, off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no bus
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 4 age from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Jo Ground floor, Kirit Bldg., Plot No. 13, Off. Maive Road, Malard (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17526/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-131-386 GI/85

Date: 28-10-1985

Scal :

FORM LT.N.S.—

(1) Rafiq Suleman Tejuriwalala.

(Transferc.)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Arunkumar Kashiprasad Chamria.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17669/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the hampy-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 47. Jo, Plot C.T.S. No. 348, P.P. No. 5-A, Lakshminarayan Shopping Centre, Podar Park Road, Malad (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability andler

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

THE SCHAPLIFE

Shop No. 47, Jo, Plot C.T.S. No. 348, P.P. No. 5-A, Lakshminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-97

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17669/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1985

FORM ITNS ...

(1) Shri Babulal B, Kadelwal and Otr.

(Transferor)

(2) Shri Akber Juma Maskatwala and Otr.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/18030/84-85.-Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to be said the said Act') have reason to be said to said the sa property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 6, Jo, ground floor. Sunita Apartment, Off. S.V. Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Jo, ground floor, Sunita Apartment, Off. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18030/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 28-10-1985

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Habzelmaerry Elizabeth Lobo.

(Transferce)

GOVERNMENT OF DEDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOMILTAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE17780/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Jo, Wal-E-Ram 3, Otl. Linking Road, Ushmma Nagar, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an appreciate coefficient

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Milking of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ewhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Jo, Wal-E-Ram 3, Off. Linking Road, Ushumn Nagai, Malad (W), Bombay-64.

THE agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17780/84 85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the adjustment of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 28-10-1985

(1) M/s. Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Harilal Waghela.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17429/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Shop No. 15, Jo. Ground floor, Wing A-5. Highway View, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftson per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in th explanation while terms and captessed acc' he cill as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Jo, Ground floor, Wing A-5, Highway View. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17429/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 28-10-1985

(1) M/s. Manali Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maheshmohan Mirchandani and Ors. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17405/84-85.—Whereas, I.

No. AR-III/37EE/17405/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinselter redeeing to an the 'said Act'), have reason to believe the income tax act, 1961(43 of 1961) (hereinselter redeeing to an the 'said Act'), have reason to believe the income able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-24, 2nd floor, "Manali Bldg. No. 3, Plot No. 48, 49 & 50, Valnai Village. Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the con reductating the consequents of each such which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-inx Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957); Objections, it any, to the nequisition of the said property-stay to made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afertuald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Chever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inserevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used hereix a are defined in Chapter XXA of the min Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH' 'S' HEDULE

Flat No. C-24, Jo, 2nd floor, Manali Bldg. No. 5, Plot No. 48, 49 & 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17405/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 28-10-1985

(1) Shriniwas & Sons Pvt. Ltd.

(Transferor) (Transferee)

(2) Rajesh Builders,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMRAY

Bombay, the 31st October 1985

No. AR-III/37EE/17475/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Re. 1,00,000/- and bearing Piece of land, Dipka Pakhadi, Village Malad, C.S.T. No. 505

B. Malad. Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, Dipkka Pakhadi, Village Malad, C.S.T. No. 505-B Malad, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/17475/84-85 Authority, Bondated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 31-10-1985

FORM LT.N.S.

(1) M/s, Sriniwas and Sons Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Rajesh Builders (Bombay).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

No. AR-III/37EE/17484/84-85,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land, Dipka Pakhadi, Village Malad, C.S.T. No 505-B, (Pt.), Malad, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reas believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, Dipka Pakhadi, Village Malad, C.S.T. No. 505-B. (pt.), Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17484/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-III Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

() : facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1985

FORM I.T.N.S ---

(1) Mt M R. Morarka & Ois.

(Transferor)

(2) Raish Builders

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No AR-III/37EE/17476/84-85 --Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Price of land, village Modad, Dipka Pikhadi, Taluka Borivli, Malad, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Comptat Authority

the Comptnt Authority

the Compftt Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, Dipka Pakhadi, village Malad, Taluka Borivit, Malad. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17476/84-85 to 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-10-1989

beal:

132--386GI/85

(1) Mr. K. S. Morarka & Ors.

(Transferor)

(2) Rajsh Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17480/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Piece of land, Dipka Pakhadi, village Malad, Taluku Borivli, Malad, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece o fland, Dipka Pakhadi, village Malad, Taluka Borivli, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17480/84-85 pn 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely

Date: 31-10-1985

(1) Mr. K. S. Moraika & Urs.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajsh Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref No AR-III/37EE/17479/84-85 -- Whereas, I, AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding exceeding R₅ (00,000/- and bearing, Piece of land, villege Malad, Taluka Borvh, Dipka Pakhadi, S. No. 48, H. No. 1 to 4, C.S.T. No. 505A, Malad, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the someonlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1997 (37 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 260°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the house of this notice under subsection (1) of Section 2699 of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property May be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, village Malad, Taluka Borivli, Dipka Pakhadi, S No 48, H. No. 1 to 4, City S. No. 505 A, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17479/84-85 on 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-10-1985

(I) Mr. M. R. Morarka & Ors.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforestid persons lithin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajsh Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37FF/17485/84-85.--Whereas, J. AKHILISH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land, Dipke Pakhadi, village Malad C.T.S. No. 505A, Malad, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as mre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given n that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Piece of land, Dipka Pakhadi village Malad, C.S.T. No. 505A Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17485/84-85 on 1-3-1985.

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1937);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-1985

FORM ITNS----

- (1) Mr. K. S. Motatka
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Rajsh Builders

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

SCOUISITION FANGITHI, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No AR-III/371-1/17477/84-85—Whereus, L. AKHII I SH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding R 100000/- and beating Property of 'and Dipka Pakhadi village Malad, C.S.T. No 105A Tunka Malad Pointe Malad, Bombay situaced at Bombay

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority nt Bombay on 1-3-1985

sor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesard exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) (acilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

UXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, Dipka Pakhadi, village Malad, C.S.T. No. 505A, Taluka Malad, Borryli, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17477/84-83 pn 1-3-1985.

> AKHII ESH PRASAD Competent Authority Acquisition Range-III, Bombay Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following parent, namely -

Date . 31-10-1985

(1) Smt. P. H. Sanghyi,

(Transferor) (Transferee)

(2) M/s. Reliance Builders & Developers.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17289/84-85.—Whereas, I, AKHILI:SH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 35, village Valnai, Borivali, Malad (W), Bombay effectively act Purpose.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, village Valnai, Taluka Borivali Malad (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17289/84-85 рп 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1985

(1) M/s Shree Sar Baba Builders Pvt Ltd

(Transferor)

(2) Smt N P Bhatia & Ois

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE III BOMBAY

Bombiy the 28th October 1985

Ref No AR III 37F1 /17324/84-85 -- Whereas, I AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs 1,00 000/ ind bearing Flat No 30 1st floor Bldg No 2 Shiv Kirti Coop Hsg Soc 1td (hincholi Bunder Road Bombay 64 structed at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfelled and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Comptnt Authority

it Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 30, 1st floor Bldg No 2, Shiv Kuti Co-op Hsg Soc Itd., Chincholi Bundet Road Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III/37EF/17324/84-85 on 1 3-1985

AKHII ESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

28-10-1985 Date Seal

FORM No. ITNS----

- - -

(1) Smt I P Vora & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Relance Builders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE/17290/84-85.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 44, village Valnai, Taluka Borivali, Malad (E),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 44, village Valnar, Taluka Borivali, Malad (W), Bombay

The agreement is been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17290/84-85 on 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authorn
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomba,

Date: 28-10-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1107 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri A. H. Shah & Ors.

(Transferce)

(2) Shii A. R. Mehra.

(Transferoi)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombav, the 28th October 1985

Patna-800 001, the 11th November 1985

Ref No. AR-III/37FF/17466/84-85.—Whereas, I, AKHII FSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A.t') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing.

Flat No 53, 5th floor, Nalanda Bldg, C-wing, Evershine-more Molad (W).

nagar, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property 36 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Nalanda Bldg., C-wing, Evershinenagar (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FE/17466/84-85 on 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I tender initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following neisons, namely :-

133~~386GI/85

Date: 28-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) R. Hussein.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17645/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-401. Rukiya Palace. Somawar Bazar, Malad (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fade market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mander with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B-401, Rukaiya Palace, Somwar Bazar, Malad (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37f.E/17645/84-85 on 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

Date: 28-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. K. S. Krishnaswamy.

(Transferor)

(2) Mr. R. Venugopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17264/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 17, 2nd floor, Breindavan, plot no. 92, 31d Rd., Chembur, Bombay-71

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions was horen as are defined in Chapter XXA of the wast Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 2nd floor, Brindavan, plot no. 92, 3rd Rd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/17264/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated . 25-10-1985 Seal :

(1) M/s. Zaveri & Sons.

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. K. Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17850/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

RS, 1,00,000/- and bearing
Shop No. 5, ground floor, Chandra Puri, Kadramal Road,
Malad (E), Bembay-97
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the lan market value of the property as aforesail executes the apparent configuration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trily stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Chandra Puri, Kadarmal Road, Malad (E) Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17850/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursua e of Section 2690 of the said Act. I hereby initiating occordings for acquisition of the afore said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act to the following persons namely :--

Date 28-10-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

No. AR-III/37EE / 17701/84-85 —Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, 7th floor, Atlanta, W-wing, Plot No. 38, off. Valnai village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Aut. 1961 in the Office of the Competent Authority.

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shit M. K. Ramchander Panikar & Others.

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULL

Flat No. 701, 7th floor, Atlanta, W wing, Plot No. 38, off. Valnai village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR-III/37EE/17701/ 84-85 on 1-3-1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the twice of this notice under subsection (1) of Section (691) of the said Act to the following жетвома, памену . --

Date : 28-10-1985

Seal

FORM ITNS------

(1) M/s Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Andrew 1. La 11. And the restaurant to the second to the s

(2) Mt. R. V. Fernandes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17671/84-85,---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 3rd floor, S. No. 30, 31, 32 & 69, H. No. 1, 2, 3, 6 and 9, CTS No. 432, Plot No. 16A, Valnar village. Taluka) Borivli

(and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-ta's Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as acres to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later:
- comment blue and the series corrected in the said immove able property, within 45 days from the date of the printeger is of this notice in the Official Gazette

-the terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given EXPLANA (112) in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, S. No. 30, 31, 32 and 69, H. No. 1, 3, 6 & 8, CTS No. 432, Plot No. 16A, Valnai village Taluka Borivili.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR-III/37EE/17671/84-85 Authority, B

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

28-10-1985 Date Scal

PART III-Sec. 1]

FORM LT.N S .--

1. Smt. Rajinder Puga & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Jagnani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No AR-III/37ΓΓ/17570/84-85—Wherens, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. A-22, 2nd floor Nalanda I. Plot No. 32 & 33, Marve Read, off Valanai village, Malad (W) Botobay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreeme t is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Computant Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby instal; proceedings for the armisition of the aforesaid respection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. A-22, 2nd floor, Nalanda Bldg. 1, Plet No. 32 & 33, Marve Road, Off. Valnai village, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17570/84-85 on 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bumb

Date: 28-10-1985

FORM ITNS ---

(1) Mr. J. J. D'Souza,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Thomas Anthony.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17993/84-85.—Wheeras, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No E-12, 3rd floor, Kirit Bldg., Marve Road, Malad (W). Bombay 64

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-rax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

moneys or other assets which have not been or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. E-12, 3rd floor, Kirit Bldg, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17993/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date . 28-10-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Gilbert Sequiera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17905/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 504, 5th floor Atlanta 'F' Wing, Marve Road Malad (W) Rombay-64

(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excised the apparent consideration therefor by more than aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; LING FOR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nersons namely.

134--386GL 85 .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of gublication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respostive persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defisied in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor Atlanta 'F' Wing, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17905/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 28-10-1985

(1) Indian Hydraulik Industries P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. R. Sanghavi. & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR.III/37EE/17261/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 2, ground floor, S. No. 179, Opp G.D.O. Gate
Machhubhai Road, Malad (E), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; به لهمو

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taa Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, S. No. 179, Opp. G.D O. Gate Machhubhai Road. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/17261/84-85 Authority, B dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Shree Matanga Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri S. K. Anakaikar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17319/84-85.--Whereas, I.

AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Matangi Apartment, A Wing, N. L.
Cross Road, Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 401, 4th floor, Matangi Apartment, A Wing, N. L. Cross Road, Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17319/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1985

(1) Mrs. P. Marchon.

(Transferor)

(2) Mr. K. H. Gupta.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1H BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17304/84-85,-Whereas, L. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 13 & 16, Pushpa Colony, Mannuchhabhai Road, Malad (E), Bombay-97.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13 & 16, Pushpa Colony, Mannuchhabhai Road,

Mailad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bofbay under No. AR-III/37EE/17304/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 28-10-1985

(1) Suraj Uday Trust

(Transferor)

(2) S. R. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-HI/37EE/17920/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4, Amijhara shopping Centre Mamlatdar Wadi, Malad, (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly scated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) fimilitating the reduction or evapies of the of the transferor to pay tax under the ould Ast, respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION . - The terms and captersions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as gives in

THE SCHEDULE

4, Amijhara shopping Centre Mamlatdar Wadi, Shop No.

Malad, (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authoriyt, Bombay under No. AR-III/37EE/17920/84-85 dated 1-3-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the afercent property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsons namely :-

Date: 28-10-1985

Seel :

(1) M/s. Shree Mahalaxmi Construction Co. (Transferor)

(2) Shri R. M. Chotalia & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PICCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III ROMRAY

Bombay, the 28th October 1985

Rof. No. AR-III/37EE/17678/84-85.—Whereas, I, AKHILEH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imto as the 'said Act', have reason to occurve any two movable property, having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 102, 1st oor, Matani Krupa, N L. Cross Road, 1, Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the presenty as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be reads in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-side preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tempeler;
- (b) facilitating the concealment of any income or new moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferne for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslith-test Ast. 1957 (27 of 1967):

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st oor, Matani Krupa, N L. Cross Road, 1, Somwar Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17678/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1985

(1) M/s. Amar Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Deora Construction.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17384/84-85.—Whereas, I, AKHILEH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Radha Nivas, Libert Garden Road No. 1, CTS. No. 189, 189/1 to 3, Malad, Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Radha Nivas, Libert Garden Road No. 1, CTS. No. 189, 189/1 to 3, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17384/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bom!

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated · 28-10-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Shree Mahalaxmi Construction Co. (Transferor)

(2) Shri A. D Marathe

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SCHOOL (43 OF 1961)

FRUMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17676/84-85—Wheeras, I, AKHILEH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 302, 3rd floor Matangi Krupa, Somwari Bazar, Malad (W), Bombay-64 (and more fu'ly described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer armi iny

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Flat No. 302, 3rd floor Matangi Krupa, Somwari Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17676/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bomba

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1985

PORM (TNS- -- --

(1) Surap Uday Trust.

(Transferor)

(2) S. R. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III, 3711 / 17890 / 84-85 --- Whereas, I. AKHILI H. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000, - and bearing No.

Shop No. 4, Amuhara shopping Centre, Mamlatdar Wadi Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of (922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Amijhara shopping Centre, Mamlatdar Wadi Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent ARMI (27EF /17890 /24.85) Authority, Bombay under No dated 1-3-1985 AR-III/37EE/17890/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 135--386G1/85

Dated: 28-10-1985

Seal .

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Glendale Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Virginia Lobo

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref No. AR-JII/37EE/17966/84-85.—Whoreas, I, AKHILEH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 18, 4th floor, Plot No. 16-A, CTS No. 432, village Valnai, J. B. Colony, Orlam, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recent of any mooses arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Games.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 18, 4th floor, Plot No. 16-A, CTS No. 432, village Valnai, J. B. Colony, Orlam, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17966/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 28-10-1985

Scal ;

PORM ITNS

(1) M/s. Shree Matangi Construction Co.

(Transferor)

(2) Shii D. M. Kataria.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17677/84-85.—Whereas, I, AKHII.EH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable

as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, ground floor, A wing, Matangi Apaitment, Somwari Bazar. Malad (W), Bombay-64, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apportunity consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andior

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, A wing, Matangi Apartment, Som wari Bazar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/17677/84-85 dated 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Dated: 28-10-1985

(1) Shii R G Sarangale

(Fransferor)

CLIC

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ajay Construction Co,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No AR-III/37EE/17385/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD,

reing the Competent Authority under Section 269B of the (acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Plat No 7, I F Nagar, Road No 1, S No 13, C I S No 160, 160/I to 6, M G Road, Goregaon (W), Bombay 62 (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

Plat No 7, I F Nagar, Road No 1, S No 13, C 1 S No 160, 160/1 to 6, M G Road, Goregaon (W), Bombay 62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 or 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 7, I T nagar, Road, No 1, S No 13, C I No 160, 160/1 to 6, M G Road, Goregaon (W), Bombay-62
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FE/17385/84 85 dated ---1-3-1985

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dated 31 10-1985

FORM I.T.N.S.—-

(1) Shrì J. W Chatlani.

(Transferor)

(2) Mr. I. Choudhary.

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EF 17300/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 123, 1st floor, Guru Gobind ingh Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (F), Bombay-63.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in Inc office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No 123, 1st floor, Guru Gobndsingh Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/17300/84-85 dated:—1-3-1985.

> A PRASA1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II) Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

lated 1-3-1985 Seal:

(1) M/s. Oriental Circulating Library.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. C. Sciai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Rcf. No. No. ΛR-ΠΙ/37ΕΕ/17275/84-85.—Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 9, Shiv Parkati Atur Park Co. op. Hsg Soc., Bldg. No. 3 & 4, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Shiv Parvati Atur Park co. op. hsg. Soc., Bldg. No. 3 & 4, Sion Trombay Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17275/84-85 dated 1-3-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D * the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-10-1985

(1) Smt S. S. Guiun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S Shiv Shice Constituction

(Timmeferen)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref No AR III 37EE/17936/84-85 —Whereas, I. AKHILEHH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs 1,00,000/- and bearing No Plot No 24, S No. 140, A, Part-3, S No 3 (P) C 1 S No 833 & 833 A, G V Scheme Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) finditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (1) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, S. No. 140A part-3, H. No. 3(P), C.T.S. No. 833 & 833A, G. V. Scheme, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EF/17936/84-85 slated 1 3 1985

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Dated 24-10-1985

FORM TINS-

(1) P. N. Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Newtech Energy Engineering.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37FE/17278/84-85.--Whereas, I, AKHILEHH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Godown No. 212, P. Np. Kohhari Estate, S. No. 200 (Pt.),
C.T.S. No. 280, Agar Rd., Bhandup, Bombay-78.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been study stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Kability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiproperty, within 45 days from the date of the cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as two defined in Chapter XXA of the said Ast, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 212, P. N. Kothari Estate, S. No. 200 (Pt.), C. T. S. No. 280, Agra Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17278/84-85 dated:—1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

dated 1-3-1985, Soal :

FORM TINS-

(1) Sharad Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lumbaji Ramaji & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF 145 INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 16th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17230/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immevable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Unit No. 9, gr. floor, Bldg. B, Sharad Indl. Estate, S. No.

140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the omce of the Compe'ent Authority at Bembay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any neome arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 9, gr. floor, Bldg. B, Sharad Indl. Estate S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement h s been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17230/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authoricy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone unner the section (2) and the said Act, to the following persone unner the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone unner the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone unner the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone unner the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone unner the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (3) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (5) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (5) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (5) of Section 269D of the said Act, to the following persone units the section (5) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said Act, to the section (6) of Section 269D of the said

136-386GI/85

Dated: 16-10-1985

FFRM ITNS----

(1) D. k Builders & Associates.

(Transferor)

(2) Paramount Enterprises,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-III/37EC/17314/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intmo-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

Unit No. 107, 1st floor, Shri Diamond Centre, J.B.S Marg, Vikhroli, Bombay-83 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 107, 1st floor, Shri Diamond Centre, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17314/84-85 dated 1-3-1985.

Akhillesh Prasad Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 4/11/1985

(1) M's. Hira Nagar Constituctions.

(Transferor)

(2) Mr. H. M. Chawla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

Ref No. AR-III/37EE/17508/84-85.-Whereas, I, AKHILI-SH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value Shop No. 9/A, Niianjan Apt.., Hira nagar, Nahur od'age, Mulund (E), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair a siket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid veced the apparent consideration thereson by mose said Accid the apparent consideration increase of mole than if the analysis has not been traffy analysis in the analysis has not been traffy analysis in the analysis are with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the ar-PERMAPITON . Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9/A, Niianjan Apts., Hira nagar, Nahur village, Mulund (E), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17508/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persegs, mamely: - -

Dated: 16-10-1985

Scal:

FROM ITNS--

(1) Sharad Construction Co.

(2) Shri C. P. Oza.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

表 El Berna Company (Company Company Company

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17232/84-85. -- Whereas, J. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value most Rs. 1,00,000/- and bearing No
Unit No. 13, gr. floor, B Bldg. Sharad Indl. Estate, S. No. 140, Ladke Road, Bhandup, Bombay-78
(and note fully described in the schedule namexed hereto), has been transferred and the agreement in lagitured under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: ned for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-inn Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires later.
- (b) by any other person merceted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FYPTANAITON .— The terms and expressions used herein as are decreased in Chapter AXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, gr. floor, B bldg, Sharad Indl. Estate S. No. 140, Lake Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17232/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Detect : 16-10-1985

(1) Roop Raja C. H. S. L.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. M. V. Babaria.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

Ref No. AR-III/37EE/17357/84-85.--Wheicas, J. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a faut market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 1, Roop Raja co op H g. Soc Ltd., S. No. 44, CTS 667. Gavampada, behind St. Mary High School, Nahur.

Mutund (W), Bombay-80.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid creeds the apparent consideration therefor by more than uffect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ins Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Roop Raja co. op Hsg. Soc. Ltd. S. No. 44, CTS 667, Gavanipada, Behind St. Mary Convent High School, Behir, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17357/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby multiate proceedings for the acquisition of the atoress(d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Dated: 16-10-1985

Seal .

(1) M/s. Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Kirtan Industries.

(Transiciee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OI INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III ВОМВЛҮ

Bombay, the 16th October 1985

Ret. No. AR-III/3/EE 17494 84-85 .-- Whereas, 1,

AKHILI SH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

or the said Act), have reason to believe that the laminovable property, having a tair market value exceeding Rv. 1,00,000], and bearing Unit No. 45, ground floor, B wing sharm Indi. Exate, S. No. Read, Marcad (W), Bombay-80.

(and nore fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in register d under Section (694R at the Incorporate Act 1961 in the officer of Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Compe ent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair matter value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as moresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than theen per cent of such apparent consideration and that the consideration to, such transfer as agreed to between the parties has not been findy states in the said distrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the tespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person uncreated in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- I "swallow" has be not and expressions used herein as nee demond in Chapter RXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or that m 2713 or other assets which have not been r which origin to on a serious by the manaferon for the purposes of the sudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acc, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No 45, ground floor, B wing, Shanti Indl. Estate, S.

N. Rd., Mulund (W), Bombay-80.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17494/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dated + 16 10-1985

FORM ITNS----

(!) Unique Builders.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M.s. Powertek Flortronics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

AFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JU BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17930/84-85.—Wherens, I, AKHIII-SH PRASAD,

ACHILESE PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing No. Unit No. 110, 'I'd door, Unique Indl. Pstate, S. No. 310, 311 & 217 B. P. Road Mulund (W), Bombay 80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been consecred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 110, 31d floor, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311, & 317 R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/17930/84-85 dated 1-3-1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

AKHILESH PRASADI

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Seal :

Pat 1: 10 10-1985

FORM ITNS----

(1) Smt V A Pawar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAN ACJ, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s G R Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 18th October 1985

No AR-III/37FE/17821/84 85 -- Whereas, I, AKHII ESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and bearing

No Shop No 10 Niranjan Apartment, Hina Bazar Nahur Mulund (W) Bombry 80

situated at Bombay

(an i more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tinnsferred and the igreement is registered under section 260 AE of the Income tax Act 61 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269 C of the said Act I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Fyplanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $XX\Lambda$ of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 10, Nijanjan Apts, Hira Nagai, Nahur, Mulund (W) Bombay 80

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bo dated 1-3-1985 Bombay under No AR-JII/37Γ + /17821/84-85

> AKHILESH PRASAD Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

18-10-1985 Date Seal.

THE RESIDENCE AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY

- (1) M/s Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd.
- (2) M/s Tapan Industries.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th October 1985

No. AR-III/37EE/17493/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the No. Unit No. 46, ground floor, B Wing, Shanti Indl.

situated at Bombay
Estate, S.N. Road, Mu'und (W), Bombay-80,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority a.

Bombay on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, unerefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---137-386GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 46, ground floor, B wing, Shanti Indl. Estate, S.N. Road, Mu'und (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17493/\$4-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bembay

Date: 18-10-1985

(1) Smt. S. A. Muslim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. J. C. Gurnani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. AR-III/37EE/18058/84-85.--Whereas, I,

AKHILESH PRASAD boing the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, 1st floor, Malavir Shikhar, Agra Road,

Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ment of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Mulund (W), Bombay-80. Mahavir Shikhar, Agar Road,

ement has been registered by the Competent Bombay under No. AR-III/37EE/18058/84-85 The agreement has been Authority, Bondated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of reliaid Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-10-1985

(1) Unique Builders.

(Transferor)

. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Wads Products India.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th October 1985

AR-III/37EE/17248/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Unit No. 103, 3rd floor, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311, & 317 R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) highlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 103, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311 & 317 R.P. Rcud, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17248/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-10-1985

Soal:

- (1) M/s Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) M/s Maya Furniture.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37EE/18024/84-85 --- Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. No. Unit No. 66, ground floor, Shanti Indl. Estate,

S. N. Road, Mulund (W), Rombay-80,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 66, ground floor, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18024/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26%? of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons gamely :-

Dato: 16-10-1985

Seal t

(1) Devidayal Stainless Steel Industries Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sky Pharama Industries.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37EE/17664/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'Said Act'), have reason to believe that the eximovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing

No. Unit No. 78, Raja Inul. Estate, Turshottam Kheraj Road, Mu und (W), Bombay-80, (and morefully described in the schedule annexed hereto),

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

Ecmbay on 1-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sansfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Unit No. 78, Raja Indl. Estate, Parshottam Kheraj Road, Muluad (W), Pombay-80.

The agreement has been registered by the Authority, Bordated 1-3-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/17664/84-85

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-10-1985

Scal:

(1) Unique Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

·(2) Smt. R. K. Madan & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37EE/17932/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fait market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. 91, 2nd floor, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311 & 317, R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Unit No. 91, 2nd floor, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311, & 317, R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17932/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesake property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-10-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) Sharud Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Lumbaji Ramaji & Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III / 37EE / 17229 / 84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 18, ground floor, B Bldg Sharad Indl. Estate, S. No. 140, I ake Road, Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen consideration therefor by more than fifteen pet cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any occume arising from the transfer: und/or

(0) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the aid property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Unit No. 18, ground floor, B Bldg. Sharad Indl. Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Au hority. Bombay under No. AR-III/37EE/17229/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 16-10-1985

Scal ;

(1) Smt. J. J. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kishore Purshottem.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

AR-III/37EE/17910/84-85.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of he Inomne-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/+ and bearing No. Flat No. A-16, Snaram Co.op Hsg Soc. Ltd., Lala Device yal Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay
(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority nt Bombay on 1-3-1985,

for an argaient consideration which is less than the tair market value of the aforesaid reports, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

tay fact tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/cr

the racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said respects may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this votice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Flat No. A-16, Sitaram Coop Hsg. Soc. Lala Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17910/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. " "zreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

Date: 16-10-1985

Seal (

2015 - The Control of FORM ITNS-

Bombay on 1-3-1985.

(1) M/s Hiranandani Industrial Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Royal Auxichem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

PFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSISTANT COMMISSISTANT

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 18th October 1985

No. AR-III /37FE / 18064 / 84-85,---Whereas, I.

AKHILFSH PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Competent immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gala No. 215, Hiranandani Indl. Estate, Kandjur

Marg (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen. Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any morneys it other assets which have not been or which nught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the neforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--138--386 GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 215, Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg,

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18064/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Taspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-10-1985

(1) Smt. U. V. Dandekar,

(Transferor)

(2) Shri C. V. Savla & Ors

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROMRAY

Bombay, the 18th October 1985

AR-III / 37EE / 17538 / 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1, ground floor, Unique Industrial Premises Sco. Op. Soc., Dr. R P Road, Mulund (W), Bombay-80,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iranafe with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any increase arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiat: crocreding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afore-ald persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, ground floor, Unique Indl. Premises Co. op. Soc., D1. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/17538/84-85 Authority, Bo dated 1-3-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 18-10-1985

FORM ITHS

(1) Sharad Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Navjivan Metal Works.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37EE/17231/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-No. Unit No. 14, ground floor, B Bldg. Sharad Indl. Estate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985,

which is less than the fau market value of the aforeund property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frees the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the madersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, ground floor, B Bldg. Shaiad Indl. Fs ate, S. No. 140, Lake Road, Bhandup, Bombay-78.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17231/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Hira Nagar Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. B. Dhamdhere,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37FE/17507/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 267B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 - and bearing
No. Shop No. 7, Link Toer, Hira Nagar, Nahur Village,

Mulund (W), Bombey,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excieds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Link Tower, Hira Nagar, Nahur Village, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17507/84-85 dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date : 16 10-1985

Scal:

(1) Unique Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree M. T. Chhabria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III/37EE/17931/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Unit No. *112, 3rd floor Unique Indul. Fstate, S. No. 310, 311 & 317, R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80. Situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration for such apparent consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 112, 3rd floor, Unique Indl. Estate, S. No. 310, 311 & 317, R.P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FE/17931/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

Date: 16-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Lokpriya Housing Development P. Ltd.
(Transferor)

(2) Krishna Pada Ray

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIPSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/17699/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 f 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow No 8, in Lokpriya Bunglow Scheme, Ghatkoper Mulund Link Road, Ehandup (c), Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than to for market value of the aforesaid property and I have rea on the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by association fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with for spect of :—

(a) facilitating the reduction or eventon of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in paramance of Section 26% of the auto Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26%D of the end Act, to the talkswhap persons, namely '—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungiow No. 8, in Lokpriya Bunglow Scheme, Ghatkopar Mulund Link Road, Bhnadup (e), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/17699/84-85

dated 1-3-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 31-10-85

Scal:

(1) Mr. M. N. Rangan

(Transfe.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Asha G. Ajwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/17266/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3; IInd floor in Bldg. A-15 Goverdhan Nagar; Mulund

(W) Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985,

at Bonnoay on 1-3-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to another the postion has not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) Incilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomestal Act 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 2nd floor in Bldg. A-15, Goverdhan Nagar, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/17266/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 29-10-1985

(1) M/s. Lokpriya Housing Developments P. Ltd.
(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Raosaheb Ghaige

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR III/37-FF/17698/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Bunglow No. 22 in Lokpriya Bunglow Scheme, Ghatkoper Mulurd Link Road, Bhandup (e) Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985; at Bombay on 1-3-1985; for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the consideration and the object of the consideration and the consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the consideration and the object of the consideration and the consideration are consideration and the consideration and the consideration are consideration and the consideration and consid

अन्ते /००

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bunglow No. 22 in Lokpriya Bunglow Scheme, Ghatkoper Mulund i ink Road, Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, III/37-EE/17698/84-85 dated 1-3-85.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

sublowing Dated: 31-10-85 Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS ---

(1) Mr. Narayan B. Patil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Vilas Y. Raje

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 31st October 1985

Ref. No AR III/37-EI:/17497, 84-85 -Wheteas, J. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 10 in Kapilvatu, P No 97, UTS No 950, Kunjur.
Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed h-reto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authorit at Bombay on 1-3 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No 10 in Kapilvastu P No 97, CST No 950, Kanjur, Bhandup Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR III/37EE/17497/84-85 dated 1-3-85

A PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
139—386 GI/85

Dated . 31-10-85 Scal

FORM ITNS----

(1) Mr. Prakash Punjabi

(Transferon)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Bhanumati N. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR III/37-ΕΓ/17501 84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under lineometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hut No. 8, 2nd floor, Tower B, Goverdhan Nagar, FSIS Hospital, Mulund, (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weilth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hut No. 8, 2nd floor, Tower B, Govardhan Nagar, Near FSIS Hospital, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authorit. Bombay under No. VR. III 37-FE/17501/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Anthorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-UI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Dated + 31-10-85

persons, namely: --

(1) M s Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sahadev S. Kocharekar

(Transfer :e)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/17372/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'gaid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No 302, 3rd floor, Shakti Shopping Arcade, Agia Road, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved becate).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) lucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

14at No. 302, 3rd floor, Shakti Shopping Arcade, Agra R'd, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/17372/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authoris Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Pated: 31-10-85

Scal .

FORM ITNS----

(1) M/s. Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Parasmani K Sanchavi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref No AR III/37-EE/17371/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 304, 3rd floor, Shakti Shopping Arcade, Agra Road, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a periode of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers usd/or

Date: 7-11-1985

THE SCHEDULE

Flat No 304, 3rd floor, Shaktı Shopping Arcade, Agra Road, Bhandup (W) Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR 11I/37-EE/17371/84-85 dated 1-3-85

A. PRASAD Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons nunely

Date: 31-10-1985

Scal

FORM ITNS—

(1) M/s. Buildarch

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Popatlal Devji Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref No AR III/37-FE 17500/84-85 —Whereas I A. PRASAD,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiniter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing Snop No 1, Vijayshree Apartment, Plot No 21, Kanjui C.H. St. Village Kanjur, Bhandup (E), Lombay-78 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with she object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days aroun the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Vijayshree Apartment, Plot No. 21, Kanjur C.H. SL. Village Kanjur, Bhandup (F), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37-EE, 17500/84-85 dated 1-3-85

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Dated : 31-10-85

Seal

(1) Mr. Harish S. Godiwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Smita B. Parkar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st November 1985

Ref. No. AR. III/37-FF 18014 84 85 --- Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing

Flat No. 16, 3rd floor, Bldg. No. 16, Phase 4, Mukund Irion Staff Asso. C.II.S.L. Gavanpada, Mulund (E), Bombay-81, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obligation? instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested has the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 16, 3rd floor, Bldg No. 16, Phase 4, Mukun Iron Staff Asso. C.H.S.L. Govanpada, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-FE/18014/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 31-10-1985

(1) M/s. Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hemehand K. Visria

(Transferre)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR 111/37-FE/17639 84-85,--Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 503, on 5th floor, Shakti Shopping Centre, Agra Road, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

Bombay on 1-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503, on 5th floor, Shakti Shopping Centre. Agra. Road Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR. III/37-EE/17639/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init its proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated + 31-10-85 Seal : FORM ITNS----

(1) M/s. Gupta Builders

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Marcus Fernandez

(Transletce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/17414, 84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3rd floor, Mendonza Apartment at Village Kanjur, Kanjur Marg, Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Ac., 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said manavable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guintte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 31d iloot, Mendoza Apartment, at Village Kanjur, Kanjur Murg, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bet by under No. AR. III/37-EE/17414/84-85 dated 1-3-85.

> A PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Dated: 31-10-85

Seal ·

FORM ITNS ---

(i) Smt. H. N. Trivedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir A, K. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

No. AR-III 37FF/17873/84-85—Whereas, 1, A. PRASAD,

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No 12, 3rd floor, Bhand Apartment, Bldg. No A-2,
1 BS Marg. Mulund (W) Bombay-80 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Ac. 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than histen per cent of such apparent consideration and that the ronsideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of consict with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Bhand Apat., Bldg. No. A-2, L.B.S. Marg. Muland (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/17873/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follows. namely 140-386 GJ/85

Dated: 24-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Trishul Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. K. K. Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17810/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 2, ground floor, Mahavii Shikhar Bldg. Agra Road, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

ray an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Shop No. 2, ground floor, Mahavii Shikhar Bldg. Agra Road, L B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FF/17810/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.:—

Dated: 25-10-85

(1) Shri N. H. Patani

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. J. Thakkai/Chothani & Ois,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

Ref. No. AR-III 37FF 17886/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaften referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅ 1,00,000 - and bearing

Flat No B-26, Gala Nagar Co. op. Hsg. Soc., Nahui Road, Mulund, Bombay-80, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly -tated in the said instrument of transfer with the object of ;~

Objections, if any, to the acquisition of the said property, ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcacid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 PLANATION.—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaire are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or cioneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-26, Gula Nagar Co.op. Hsg. Soc., Nahur Road, Mulund, Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/17886/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C or the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 25-10-85

(1) Nirmaikumai Rungta & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. A. Sunivasan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17623/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 408, B Wing, Ashoka
Apartments, Mahatma Phule Road,
Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason the limit that the fair market value of the property, as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immership property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 408, B Wing, Ashoka A Phule Road, Mulund (E), Bombay-81. Apartments, Mahatma

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17623/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 24-10-85.

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. H. Bhagia & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17892/84-85,-Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 407, 4th floor, Bldg.
No. B/2/17, CTS No. 657-B, near
Bhandur Station (E), Bombay-78.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred, and the autrement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property as a such apparent consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Bldg. No. B/2/17, CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (F), Bombay-78
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17892/84-85

dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 24-10-85.

(1) M/s. Raja Builders.

(Transferor)

(2) G. B. Tauro.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

No. AR-III/37EE/18066/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1, ground floor, Raja Indl. Estate, Nahur, Mulund (W), Bombay-80. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, ground floor, Raja Indl. Estate, Nahur, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/18066/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 24-10-85.

(1) M/s. Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mygiwatt Induction Systems Pvt. Ltd. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

- FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

AR-III/37FE/17606/84-85.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No 71, 1st floor,

Raja Industrial Estate, Nahur, Mulund (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-85

for an apparent consideration which is les than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquaition of the said property

period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 71, 1st floor, Raja Indl. Estat, Nahur, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombov under No. AR-IIII/37EE/84-85 dated 1-3-85

> AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Dated: 24-10-85,

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. J. H. Bhagia,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37FE/17891/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 307, 3rd floor, Bldg.

No. B-2/17, CTS No. 657-B, near Bhandup station (F), Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. to an apparent consideration which is less than the jan market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puttes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the sequinities of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 31d floor, Bldg. No. B-2/17, CTS No. 657-B, near Bhandup station (1-), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Auth rity, Bombay under No. AR-III/37EE/17891/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 24-10-85.

(1) M/s. Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bonibay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18065/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 83, ground floor, Raja Indl. Estate, Nebur, Mulund (W) Bombay-80 situate at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acl, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

141-386GI/85

(2) Mis. Margaret Fauro.

(Transferct)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the adoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and Apressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gal. No. 83 ground floor, Raja Indl. Estate, Nahur, Mulund (W) Bombay-80.

th agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FF/18065/84-85

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 24-10-85,

Scal.

FORM LINS

Shri V. V. Sanghavi.

(Transferor)

(2) Smt. M. B. Makwana.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17801/84-85.--Whereas, I, AKHILESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. ss. 1,00,007 and bearing 100.

Shop No. 4, plot No 1102

at Ru Shabh Co.op. Hsg. Soc.

Ltd., Ambe Smruti, L.D. Road,

Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 4, plot No. 1102, Rushabh co.op. Hsg. Soc I td., Ambe Smutti, L.D. Road, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17801/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 24-10-85

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. B. B. Singhania.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. K. Motwani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LII, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17454/84-85.--Whereas, I, AKHII ESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No 7, ground floor, Ambe Malya Apartment, Dr. R.P. Road, Mulund (W),

Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACL 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Ambe Malya Apartment, Dr. R P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No AR-III/37EE/17454/84-85 Authority, Bor dated 1-3-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 24-10-85

(1) M/s Hiranandani Industrial Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Muacle Enterprises.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th October 1985

Ref No. AR-III/37EE/17918/84-85. - Whereas, I, AKHILESH PRAŠAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/-bearing No Unit No. 207, Hiranandam Estate, Kanjin Marg, Bombay, situated at Bombay tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-ta. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Unit No. 207, Hiranandani Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17918/84-85 dated 1-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated : 18-10-85

(1) M/s. Hansa Builders.

(2) Smt. L. U. Hana & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 24th October 1985

Ref. No. AR-III/37EI/17765,84-85. -Whereas, I, AKHILI-SH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 10, 4th floor, Hansha Villa S. No. 1000, Plot
No. 171 A & B, S. No. 1386.
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been t anstorred and the agreement is registered under section 250 NB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Hansa Villa, S. No. 1000, Plot No. 171 A & B, S. No. 1386.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17765/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 24-10-1985

(1) M/s. Indo Saigaon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kishori Cosmetic.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

No. AR-III, 37LL 17764/81-35.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Unit No. 237, 2nd floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, opp. Model Fown, Mulund (W), Bombay-80

Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bornbay on 1-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aming from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 237, 2nd floor, Gobind Udyog Bhavan, Rajeshwan, Road, opp. Model Town, Mulund Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17764/84-85 dated 1-3-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 16/10/1985

(1) Jamanadas M. Patil

(Transferor)

(2) Velii N. Shah

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR III/37.EE/17378/84-85.—Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Shop No. 19, The Mandakini C.H.S.L. Ladiwala Colony, B. R. Rd., Mulund (W), Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 26°AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, The Mandakini C.H.S.L. Ladiwala Colony, B. R. Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.III/37.FE/17378/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated: 31/10/1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. V. D. Patel,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/17244/84-85.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, 2nd floor, Malad (E), Opp. Bachani Nagar,

Bombay-67. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat o. 203, 2nd floor, opp. Bachani Nagar, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No AR-III/37.EE/17244/84-85 Authority, I dated 1-3-85.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Dated : 28/10/1985

(1) Smt. A. U. Trevadiya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. P. Cholera.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st October 1985

Ref. No. AR-III/37EL/17746/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs = 1.00.0007 and bearing No.

Flat No 42, ground floor, B Bldg., Vardhman Nagar, Malad (W), Bombay, situated at Bombay

has been transieried and the agreement is registered under section 269AB of the incone-tax Act, 1951 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the doresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, MVd/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovants property, within 40 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an inferior does not have a XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, ground floor, B Bldg., Vardhman Nagar, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/17746/84-85 dated 1-3-1985.

AKHILESH PRASAD C mpetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

142-386G1/85

Dated: 31/10/1985

(1) M/s. 3-D Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Ragson Pac king.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 16th October 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17871/84-85.—Whereas, I,

AKHILEHH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 60, The Vis..al Indl. premises co. op. Soc. Ltd., Bhandup village Road, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. J

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or avasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian frome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

THE SCHEDULE

Gala No. 60, The Vishal Indl. Premises co. op. Soc. Ltd., Bhandup Village Road, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-III/37EE/17871/84-85 Authority, Bordated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 16-10-1985

(1) Miss N. P. Kamath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Masabiel Raven.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1985

AR-III/37FE/17824/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc. me-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 26, 3rd floor, 26, Silvercrest, Angalore co. op.
Hsg. Soc. Pestam Sugar, Bombay-89

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers mmd/or

(b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 3rd floor, 26, Silvercrest, Angalore Co. op. Hsg. Soc. Pestam Sagar, Bombay-89

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-III/37EE/17824/84-85 Authority, dated 1-3-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asinely:--

Date: 28/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1985

Ref. No. ASR/85-86/35.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Property

situated at Jawahar Nagar, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Amritsai on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen present of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing

persons, namely :--

(1) Shri Radha Sham Ahuja S/o Shri Gobind Ram Ahuja, Braham Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Rakesh Textile Mills, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property situated at Jawahar Nagar, Batala Road, Amritsar, as mentioned in Sale deed No. 9827 dated 29-3-85 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 27/9/85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad on 15th November 1985

RAC No 537/85-85.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House

situated at Poolabavi Street, Kothapet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaievawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Smt. Adusumilli Navarathna Sikhamani W/o late Seetharamayya & 8 others, Vilayawad.

(Transferor)

(2) Sri Kakarapatthy Venkatagiri Sankara Rao, W/o Venkata Nagendra Rao, Kummari Street, Vijayawad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of old tiled house and A. C. sheds in H. No 11-27-7, Poolavari Veedhi, Vijayawada area 136-1, sq yds registered by the SRO, Vijayawada vide Document No 1274/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 15/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC. No. 538/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

House, situated at Poolavari Str., Kothapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-har Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Adusumilli Navaratna Sikhamani, W/o late Sitaramajah & 8 others, Vijayawada

(Transferor)

(2) 1. Sri Alapati Venkateswara Rao & 2 Sri A. Krishna Murthy, S/o Varadarajulu, Brahmana Veedi, Vijayawada.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of mblication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tiled house and A.C. Sheds in H. No. 11-27-7, Poolavari Veedhi, Vijayawada, area 280.7 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No 1273/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date . 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT F INDIA

ASSTT. COMMISSIONER

OF INDIA

TAX

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC. No. 539/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House, situated at Poolavari Str, Kothapet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Vijayawada on 3/1985

at Vijayawada on 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Adusmilli Navaratna Sikhamani, W/o late Sitharamaiah & 8 others, Kolavennuu Village, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri Dittakavi Ramachandra Murthy, S/o Venkateswara Rao, Kothapet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tiled house & A.C. Sheds in Old M. No. 10, Revenue 3, Block No. 4 & TS No. 280 & Asst. No. 7265, at Poolabavi Street, Vijayawada, total area 235 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1276/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date . 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC. No. 540/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Poolabavi Str, Kothapet, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pressuance of Sept on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for requisition of the aforesaid property by the issua of this trice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following personamely:—

 Smt. Adusumilli Navaratna Sikhamani, W/o late Seetharamaiah & 8 others. Kolavennu, Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Sri Dittakavi Raghavendra Rao, S/o Venkate wara Rao, Kothapet, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noited in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Old tiled house & A.C. Sheds in M. No. 10, R-3, B1-4, T\$ No. 280, Asst. No. 7265, at Poolabavi Street, Vijayawada, area 235 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1275/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date . 15-11-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1 (43 OF 1961)

GOV MENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC. No. 541/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

House situated at Poolabavi Str., Kothapet,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Adusmilli Navaratna Sikhamani, W/o late Sitharamajah & 8 others, Vijayawada town-1.

(Transferor)

(2) Sri Kakaraparthy Venkata Krishna Rao, S/o Nagendra Rao, Kummari Lane, Vijayawada-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanature.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tiled house & A.C. Sheds in H. No. 11-27-7, Poolabavi Street, Vijayawada, area 136-1 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1271/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date . 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC. No. 542/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Poolabavi Str., Kothap. t

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

PART HI SEC. 1 (1) Sent. Adusımilli N avaratna Sikhamani, W/o late Siharani layya & 8 others, Vijayawnda

 Sri Indernal S / O Loobchand,
 Smt. Chandan, Bahen W/o Tarachand,
 Manikonda Street, Vijayawada-1. (Transferor)

(Transferea)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersighed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Old tiled house & A.C. Sheds in H. No. 11-27-7, Poolabavi Street, Vijayawada, area 228 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1270/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date . 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A.P.), the 15th November 1985

RAC No. 543/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No
House situated at Poolayavari Str., Kothapet,
(and more fully described in the Schedule annexed herete)
has been transferred under the Regultration Act 1908 (16
16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
usualer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in expect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Smt Adusumulli Navaratna Sikbamani, W/o late Sitharamayya & 8 others, Vijayawada-1

(Transferor)

(2) Sii Thadikonda Sankara Durga Prasad, S₁ o Nageswara Rao, Sammeta Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immegable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old tiled house & AC Sheds in H No. 11-27-7, Poolabavt Street, Vijayawada, area 211-3 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No 1272/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to he following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

cal .